

विदेह VIDEHA

# मिथिला चित्रकला, संगीत ओ कला

Mithila Painting, Music & Arts

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड ६ / ६ · Volume 6 of 6

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | [www.videha.co.in](http://www.videha.co.in)

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

## विषय-सूची / Contents

---

|                                                              |            |
|--------------------------------------------------------------|------------|
| १. मिथिला चित्रकला · कला · संगीत — विदेह मैथिली प्रश्नोत्तरी | ६०५ प्रश्न |
|--------------------------------------------------------------|------------|

|                                            |            |
|--------------------------------------------|------------|
| २. विदेह ई-लर्निंग क्विज — मिथिला चित्रकला | २०० प्रश्न |
|--------------------------------------------|------------|

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

## अध्याय १ : मिथिला चित्रकला • कला • संगीत — विदेह मैथिली प्रश्नोत्तरी

### १. अध्याय ४२ अनुसार, “लल्लन प्रसाद ठाकुर आ कुसुम ठाकुर” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई छल दुरिना क्लस्स ८, देन मैथिली बेकमे हुनकर एलेक्टिवे सुब्जेक्ट, से देकिसिवे सेएद छल प्लन्टेद.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट टोदय ई सेएम्स से I अछि एक दुट्य कैं पेफोर्म.' वोर्ड प्रट्यवर्तन इट्सेल्फ, मेअनिना बोथ 'रेटुर्न' आ 'रेस्टिटुटिओन/रेस्टोरटिओन', एन्कोदेस दुअल नटुरे क टेक्स्ट: एक पेसोनल रेटुर्न कैं स्वर अप्टेर ग्रिएफ, आ एक साहित्यिक...
- (C) विदेह समानान्तर इतिहास'स इन्क्लुसिओन क कलनिधइ मे एकर डिजिटल अभिलेख अछि सभसँ अप्रोप्रिएटे इन्स्टिटुटिओनल रेस्पन्से, नहि अस चअरिअर कैं एक मिनोर फिगुरे बुट अस बेलटेद कोर्रेक्टिओन क एक प्रमुख ब्रोना.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कृतिसभ क पन्न झा २.२.१ प्य्यओ सामाजिक स्ट्रेस्स आ स्वइजोफरेनिअ (२००३) भाषा: अंग्रेजी.

### २. अध्याय ४२ (“लल्लन प्रसाद ठाकुर आ कुसुम ठाकुर”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई गिवेस स्वर कैं थअरु, रज्ज्शइ, आ ओथएर सुबल्टेन कोम्मुनिटिएस क नेपाल टेरेइ कोसे सांस्कृतिक वोल्ड छल इन्विसिब्ले मे दोमिनन्ट साहित्यिक कनोन्स क बोथ हिन्दी आ नेपालि.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से चउल बुलि कन्य बनि गेलहुम (I बेकमे एक मिस्वइएवोउस गिर्ल अगइन) एक ल्यिक पोएम प्रकाशित मे विदेह सदेह ३४, प.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मन्दन मिश्र: एक सुप्रेमे स्वओलर क न्यय आ मिमम्स के देबटेद अदि शअन्करचअर्य.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स विदेह समानान्तर ौदिओ विदेओ अभिलेख सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.

### ३. अध्याय ४२ मे “लल्लन प्रसाद ठाकुर आ कुसुम ठाकुर” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?

- (A) विदेह समानान्तर इतिहास'स एम्फअसिस पर रेकोवेरिन्ग सुप्रेस्सेद देमोक्रेटिक आ दलिट त्रदिटिओन्स क मैथिली साहित्य प्रोविदेस समीक्षात्मक समीक्षात्मक फ्रमे इन्सिदे कोन कैं रेअद कमट'स सामाजिक अनल्यसेस.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि नहि मेरेल्य एक स्ट्रुक्चरल प्रेफेरेन्के बुट एक एपिस्टेमोलोगिकल चओइके: लोक लेक्सिकोन करिएस ङअक्टि अप्रोप्रिएटे कैं लोक वोल्ड बेइन्ग दोकुमेन्टेद.
- (C) दन्केर्स बेगिन हुनकर रेफ्रइन. "कलह मन, कलह मन... ससुरालि जइबइ हो रावमā, कि ाहो रावमā, नइहरा मे अगिया लगवइब रे कि... योउन्ग स्त्री बेकोमे रेस्ट्लेस्स, आ एलेक्ट्रिकिअ कोउसँस द्वारा वय क योउन्ग मेन'स बोदिएस.
- (D) अभइलशअ (लोनिन्ग) एक पोएम मे विदेह सदेह ३४, प.

### ४. अध्याय ४२ “भअरट मुनि'स Nāṭyaśāstra” विषयमे मुख्य रूपें की बल दैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प R T I I I : T H E O R E T I C एक L F R एक M E W O R K S, T H E A T R E , F I L M & D R एक M एक ३.१ भअरट मुनि'स Nāṭyaśāstra: फोउन्डटिओनल समीक्षात्मक फ्रमे ३.१.१ ओरिगिन आ पुर्पोसे क नाटक Nāṭyaśāstra (कोम्पोसेद बीच क.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई टेस्टिफिएस कैं दिस्पेसँद, कोल्लबोरटिवे नटुरे क समकालीन मैथिली साहित्यिक प्रोदुक्तिओन, ढेरे दिस्टिन्क्टिओन बीच लेखक, सम्पादक, आ इन्स्टिटुटिओनल कटल्यस्ट अछि फलुइद.
- (C) उपन्यास एअर्न्स एकर प्लके मे विदेह समानान्तर कनोन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि अमोन्ग सभसँ टेचनिकल्ल्य देमन्दिन्ग फोर्म्स क संस्कृत स्वओललर्त्य कृति, एक दोउब्ले अनुवाद द्वारा वय क ट्वो नोन-संस्कृत इन्टेर्मेडिएरिएस, आ ई एस्टब्लिशिएस झा'स कोम्मन्ड क शास्त्रीय संस्कृत पोएटिक्स अट हिघएस्ट लेवेल.

### ५. अध्याय ४४ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?

- (A) थएय छथि/अछि वोर्दस क एक मन के अछि बेएन रेफुसेद, रेपेअटेदल्य, द्वारा सामाजिक स्ट्रुक्चुरेस क मिथिला, रेफुसेद एम्प्लोयमेन्ट, रेफुसेद एदुकाटिओन, रेफुसेद दिग्निअ क एक सेकुरे लिवेलिहोओद.
- (B) प्लय पर्टिकिपेटेस मे एक ब्रोअदेर मैथिली थएअट्रिकल लिने क इन्हेरिटन्के एनागिन्ग सँ लेगेन्ड क किन्ग जनक, बुट पिबोर्ट्स ई टोवर्ड पोलिटिकल अल्लेगोर्य.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से १६), हुनकर ड्रामटिक करेएर त्रकेस एक अर्क सँ फोकुसेद सामाजिक प्रोटेस्ट कैं बेसी कोम्प्लेक्स एनागेमेन्ट सँ कुएस्टिओन्स क नटिओनल पहचान, टेचनोलोगिकल मोदेर्निअ, आ स्त्री'स लिबेरटिओन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पुर्नननद दास पर मैथिली लोक गीतसभ मे एक क्लस्स सेस्सिओन छल, द्वारा मउन'स ओव्न अक्कोउन्ट, पिबोटल एवेन्ट से अवकेनेद हुनकर वोकाटिओन.

**६. अध्याय ४४ मे “नारायण सिंह” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) एक N एक N D K U M एक R J H एक एक सम्पूर्ण अनुसंधान & समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन इन्डियन & वेस्टर्न क्रिटिकिस्म थएओरिएस | विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक क्रमे भअरट'स नट्यशअस्त्र & गाम रंगमंच थएओर्य | नव्य न्यय एपिस्टेमोलोग्य (गांगेडस & ओथएस) ट ब ल ए ओ फ C...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नरेन्द्र नारायण सिंह 'निरल' रेकल्स से केन मेएटिना मउन लेल फिर्स्ट टिमे अट पटन'स कशइ प्रसाद जयस्वल अनुसंधान इन्स्टिट्यूट मे २००२, हे छल दिसमेंद द्वारा सिम्लिकित्य आ वर्मथ क एल्देल्थ स्वओलर.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई क्रिटिओन अछि एस्पेकिअल्लय प्रासंगिक लेल एवलुअटिना विभअ रनि'स देकिसिओन केँ मंच पोलिटिकल्लय इन्केन्डिअर्य कोन्टेन्ट क भवग रउ मे एक मैथिली लिनुइस्टिक रेगिस्टर से इटसेल्फ करिएस सांस्कृतिक प्रेस्टिगे.
- (D) मे मैथिली साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के, ई टेम्पोरल दिमेन्सिओन अछि इन्टिमेटेल्य लिन्केद केँ सेअसोनल गीतसभ (बरहस) से विद्यापति आ हुनकर सुक्केस्सोर्स ब्रोटे, मर्किन्ग क्यक्ले क टिमे द्वारा वय क लेन्स क लोन्गिन्ग आ रेउनिओन.

**७. अध्याय ४४ “डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन'” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वि दिअलेक्टिक्स क लिने क इन्हेरिटन्के आ हेगेमोन्य: एक समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य इन्टेल्लेक्टुअल आ सांस्कृतिक हिस्टोरिओग्राफ्य क मिथिला सेट्स ओउट एक प्रोफोउन्ड स्टुड्य मे टेन्सिओन बीच इन्स्टिटुटिओनलिजेद...
- (B) आ एकर प्रकाशन द्वारा वय क एक इन्डेपेन्डेन्ट मैथिली प्रेस्स (मिथइलन्चअल टोदय प्रकाशन) शओव्स एक्सिस्टेन्के आ अगेन्क्य क एक पुब्लिशइन्ग इन्फ्रस्ट्रक्चरे ओउटसिदे दोमिनन्ट सहित्य अकडेमि-कोन्टेन्टेद किर्कुइट.
- (C) केय ट्रामटिक टेन्सिओन अछि कस्ट सँ देकेप्टिवे सिम्लिकित्य: कोन अक्टर विल्ल प्लय कोन रोले मे प्लन्नेद प्रोदुक्तिओन?
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे छल एक टिरेलेस्स फिएल्ड्रोर्केर: केरेवेर हे लिवेद, हसनपुर, दर्भअन्ग, बिरटनगर, मोरन्ग, महूर, हे वोउल्ड त्रवेल सँ गाम केँ गाम, सेएकिन्ग ओउट लोक-गायकसभ, हेरेदितर्य पेफोर्मर्स, पन्जिक कुस्टोदिअन्स, आ रुरल इन्फोर्मन्ट्स.

**८. अध्याय ४६ मे “मुन्नजि” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सुबिट्लेद “मैथिली विहिनिकथā सांकलन” (कोल्लेक्टिओन क मैथिली सेएद कथासभ).
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मोन्थस इल्लेन्स) लस्ट रिटेस हरिद्वर, उट्टरखण्ड परिवार थरेए सोन्स, ट्वो दउघटेर्स; सोन अविन्ड ठाकुर, संगीत एदुक्टर प्रिमर्य लन्गुअगेस मैथिली, हिन्दी, संस्कृत पेन नमे / टिट्ले ‘अभइनव विद्यापति’ (कोन्फेरेन्स द्वारा बब नगर्जुन...
- (C) बट्टले क लिनुइस्टिक उनिट्स: स्फओट आ उनिट्य क मेअनिन्ग मे Kṣत्र क लिनुइस्टिक अनल्लिस्स, एक केय कोन्फ्लिक्ट अरिसेस रेगर्दिन्ग उल्टिमटे उनिट क भाषा.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शए अप्पेअरेद मे ओवेर २५० प्लय्स अक्रोस्स रदिओ रंगमंच, मंच रंगमंच, टेलिविओन सेरिअल्स, आ फिल्म्स ओवेर एक करेएर से बेगन मे एअर्ल्य १९६०स.

**९. अध्याय ४७ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दु सार कहैत अछि?**

- (A) लेखक दोएस नहि अछि कोन्ट्रोल ओवेर टेक्स्ट.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट एक बब्य शिशु रेमइन्स क्लोसे केँ एकर मोथएर, सो ई अछि बेसी इम्बुएद सँ फेमिनिने सेमिओटिक कुअलिटिएस, सांगीतिक, पोएटिक, ह्यर्थमिक.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि साहित्यिक अचइएवेमेन्ट से गजेन्द्र ठाकुर रेकोग्निसेस केन हे सय्स हमर टोल 'अछि सेकुरेद एकर पोसिटिओन मे साहित्यिक इतिहास क मैथिली साहित्य': ई अचइएवेस किन्ड क रेअलिस्ट टोटलिट्य से लुकअक्स रेकोग्निसेस अस ...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से टोगेथएर, ट्वो टिट्लेस एनक्ट एक दिअलेक्टिकल मोवेमेन्ट से अछि केय केँ कमट'स पोएटिक मेथओद.

**१०. “मुन्नि कमट” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) हुमोरोउस दोमइन् अछि रेप्रेसेन्टेद द्वारा मुर्छअ दिवस (अप्रिल फोओल'स दय) गजल (नो).
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शअब्द प्रमन, मौखिक लिने क इन्हेरिटन्के, आ साहित्यिक ौथओरिट्य मे नव्य न्यय, शअब्द प्रमन (वेर्बल टेस्टिमोन्य) अछि युक्तिसंगत केन ई कोमेस सँ एक अप्ट, एक रेलिअब्ले, ौथओरिटिटिवे, ट्रस्ट्वोर्थय स्पेअकेर सँ दिरेक्ट क्नोव्लेद.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रदर्शन आ प्रक्टिटिओनेर्स: ग्रस्सोओट्स रेसिस्टन्के स्ट्रेन्थ क मैथिली समानान्तर रंगमंच रेसिदेस मे एकर देकेन्त्रलिजेद, ग्रस्सोओट्स स्ट्रक्चरे.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से येत हुनकर पोएट्य अछि नहि विथओउट शिल्प: इन्टेर्नल सोउन्ड पट्टेर्न्स, रेपेटिटिओन्स, आ देप्लोयमेन्ट क लोक-रेगिस्टर वोकबुलर्य क्रेअटे एक डिस्टिन्क्टिवे मुसिकलिट्य.

**११. अध्याय ४८ (“नबो नारायण मिश्र”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सरस'स शिशु/बाल'स गीतसभ एकस्प्लोइट फुल्ल रनो क फओनेटिक रेसोउर्केस अवइलब्ले मे मैथिली: रेड्रोफ्लेक्स कोन्सोनन्ट्स से अछि नो एकुइवलेन्ट मे ओथएर इन्दो-अर्यन लन्गुअगेस, दिस्टिन्क्टिवे वोवेल कुअलिटीएस, चअरक्टेरिस्टिक...
- (B) बुद्धिस्ट आ जइन मटेरिअल अछि नहि सिम्पल्य 'रेडिस्कोवेरेड' द्वारा मउन; ई अछि रेकोन्स्ट्रुटेड अस एक लेगिटिमाटे हिस्टोरिकल डिस्कोउर्से से दोमिनन्ट ब्रह्मनिकल हिस्टोरिओग्राफ्य क मिथिला छल रेन्देरेड सिलेन्ट.
- (C) हुनकर ब्रिटिन्ग अछि साहित्य क गाम मंच, ग्रीउन्देद मे पेफोर्मबिलिटी, क्लरिटी क सामाजिक मेस्सगे, आ दिरेक्ट एमोटिओनल कोम्मुनिकेटीओन सँ एक नोन-एलिटे ौदिएन्के.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मिश्र किटेस ठाकुर'स फमोउस सटिरिकल कोउप्लेट पर बुद्धिनथ मिश्र: "बुद्धीनथ मिश्राक सकल रचन अर्थअप्रधान / हिन्दी मे टइन गवइट चअहि सोहर ा समदैन", एक बिटिन्ग क्रिटिकुए क एक लेखक के ब्रिटेस मे मैथिली बुट थएन...

**१२. अध्याय ४९ अनुसार, “प्रोफेसर. उदय नरयन सिंह 'नचइकेट'” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) हुनकर बांग्ला घअजल्स मइन्टइन बहर दिस्किप्लिने क्लिरे देप्लोयिन्ग एक बांग्ला दिक्टीओन आ सांगीतिक सेन्सिबिलिटी से मकेस थएम फेएल एन्टरेल्य नटिवे कें भाषा.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा स्थण्यएसिजिन्ग नव्य न्यव्य एपिस्टेमोलोग्य क गान्गेडअ उपबधयव्य, विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे, आ एक कोम्बिनेटीओन क इन्दिअन आ वेस्टर्न साहित्यिक थएओरिएस, ई अनल्यिसस एलुकिदेस केना मोवेमेन्ट अछि रेदेफिनेद ...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्रिट्रेन मे सन्दर्भ क एमेर्गेन्स्य (१९७५-७७) आ एकर अप्टेर्मथ, प्लय एन्गगेस सँ कुएस्टिओन क पोलिटिकल रेसिस्टन्के, अन्दोलन मे हिन्दी-मैथिली मेअन्स सिमुल्तनेओउसल्य एक “मोवेमेन्ट” (पोलिटिकल), एक “विब्रिटीओन” वा “ओस्किल्लेटीओन”...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फिनल अस्सेस्मेन्ट समीक्षात्मक त्रगेद्य क कलिकन्ट झा ‘बुच’, एक कवि क हिघएस्ट ओर्देर के दिएद विथओउट पुब्लिशइन्ग एक सिन्ले पोथी, अछि नहि एक इन्दिविदुअल फइलुरे बुट एक स्स्टेमिक इन्दिक्टेमेन्ट क मैथिली साहित्यिक एस्टब्लिशमेन्ट.

**१३. अध्याय ५२ (“नरयन्जि चौधरी”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शअर्द सिंह लोक संगीत रेनोव्नेद लेल विवाह आ फेस्टिवल गीतसभ; “बिहर कोकिल.” मैथिली CD/अल्बम रेनइस्सन्के: इस्सुए २१७ आ समीक्षात्मक मुसिकोलोग्य एक लन्वार्क मोमेन्ट मे अभिलेख'स दोकुमेन्टीओन क मैथिली संगीत अछि विदेह इस्सुए...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शअम्भउ कुमार सिंह स्वओलर अनुवादक क्रिटिक कवि एदुकटोर लिन्गुइस्ट क मैथिली साहित्यिक इतिहास पिओनेएर क क्रोस्स-लिन्गुइस्टिक अनुवाद अनल्यसेद द्वारा वय क इन्दिअन & वेस्टर्न साहित्यिक थएओर्य विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे...
- (C) अनुमन (इन्फेरेन्टिअल क्नोव्लेदे) अछि अक्विटेदेद केन ौदिएन्के इन्फेर्स सामाजिक कउसेस सँ ट्रामटिक एफफेक्ट्स.
- (D) अध्याय प्लकेस नरयन्जि चौधरी इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.

**१४. अध्याय ५३ मे “नरेन्द्र झा” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कल्पन झा'स निबंध ओक्कुपिएस पगेस २६-३० क ई व्यापक समीक्षात्मक ग्रंथ, प्लकिन्ग हुनकर अमोन्ग लेअदिन्ग कोन्ट्रिबुटोर्स.
- (B) उपन्यास'स नरटिवे स्ट्रुक्चुरे एनक्वैस प्रेकिसेल्य ई: क्रोव'स प्रोफएक्य अछि वलिदेद (वा नहि) द्वारा सुब्सकुएन्ट एवेन्ट्स क गाम-रेटुर्न.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स नरेन्द्र झा आ पन्न झा सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एवेर्य एलेमेन्ट क हुनकर ट्रामटिक भाषा, मैथिली दिअलेक्ट रेगिस्टर, दोमेस्टिक सेट्टिन्स, प्रयेर-गीतसभ एम्बेदेद मे टकक मोल, लोक-इदिओम्स क गाम डिस्पुटे मे कलहचइएवेस पेफेक्ट ौचइट्य: कोन्नेक्स्टुअल अप्रोप्रिअटेनेस्स कें...

**१५. अध्याय ५४ अनुसार, “निने समकालीन मैथिली स्वरसभ” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) इन्ट्रोदुकिन्ग वोल्ड'स फोउन्डेटीओनल रोबोट नाटक कें मैथिली: अनुवाद क R.U.R. गिवेस मैथिली रेअदेर्स दिरेक्ट अक्केस्स कें प्लय से इन्ट्रोदुकेद वोर्ड 'रोबोट' कें वोल्ड साहित्य, पोसिटिओनेद एक्स्प्लिकिट्ल्य इन्सिदे समकालीन AI देबटे.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से जगज्योतिर्मल्ल ौथओरेद "हरगउरिविवह" (१६२९) इन्ट्रेटेद शइव-पर्वति थएमेस सँ कोउर्ट नाटक.
- (C) हुनकर कोम्मोन थरेअद अछि सामाजिक कोम्मिट्मेन्ट, लिन्गुइस्टिक इन्नोवटीओन मे मैथिली वेर्नकुलर, आ एक इन्सिस्टेन्के पर रेकोवेरिन्ग सुबल्टेर्न लिफे-एक्स्पेरिएन्के सँ इन्विसिबिलिटी.
- (D) संकल्पना: क 'समानान्तर इतिहास' मे विदेह समीक्षात्मक फ्रमे अल्सो अदुट्रेस्सेस एक स्पेकिफिक साहित्यिक-समीक्षात्मक डिस्टोर्टिओन: टेन्डेन्स्य कें एवलुअटे मैथिली साहित्य द्वारा वय क स्टन्डर्ड्स देरिवेद सँ हिन्दी वा संस्कृत साहित्यिक नोर्म्स रथएर थअन इन्टेर्नल...

**१६. अध्याय ५४ सँ कोन विकल्प सही रूपें एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) मंडल'स कथासभ छथि/अछि क्लोसेर कें कथा फॉर्म, फिक्शियनल, मुल्टि-एपिसोडिक, सँ नरटोर दिस्टन्केद सँ एवेन्ट्स, एक्स्केप्ट लेल मेमोइर-इन्फ्लेक्टेद कथासभ ('Sādā Jīvan उचचअ विकार', 'मिथइलā') कें लेखक एन्टेस अस एक फिर्स्ट-पेर्सन नरटोर (दायनन्द)...
- (B) मे टेम्स क नव्य न्यय अनलिसिस क हुनकर सम्पूर्ण पोएटिक प्रोजेक्ट, मंडल कृतिसभ सँ की गनोस वोउल्ड कल्ल सन्निकर्शअ, स्पेकिअल कोन्टक्ट रेलटिओन बीच एक बोर्ड आ ओब्जेक्ट ई कोग्निसेस.
- (C) मे मिश्र'स समग्र, करुन (कोम्पस्सिओन/पथओस) अछि दोमिनन्ट रस, एस्पेकिअल्लय मे एलेगिएस, मेमोरिअल निबंधसभ, आ कथासभ लिके "युगधर्म." हस्य (कोमेद्य) टेम्परेद द्वारा सामाजिक ओब्सेर्वेटिओन मर्क्स "एहो होइत छै." विर (हेरोइस्म) अछि प्रेसेन्ट मे ...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दुरिन्ग ई पेरिओद, लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली गीतसभ छल इन्टेग्रटेड इन्टो संस्कृत प्लय्स, एवेन्टुअल्लय एवोल्विन्ग इन्टो पुरेल्य मैथिली गेएटिन्ग (सांगीतिक द्रमस).

**१७. अध्याय ५५ सँ कोन विकल्प सही रूपें एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे मिश्र'स कृतिसभ छथि/अछि अनल्यजेद अस एक "समानान्तर इतिहास" से रेक्लइम्स स्वरसभ क मार्गिनलिजेद, स्वरसभ ओपटेन फिल्डरेद ओउट द्वारा "ट्रिएद मडन ड्रइन" क ओपिफिकिअल इन्स्टिटुटिओनल गटेकेएपेर्स.
- (B) प्लयिगट, वा दोकुमेन्टेर, सेएम्स कें अस्सुमे एक रेअदेर के कनोक्स थएसे सांगीतिक त्रिडिटिओन्स इन्टिमेटेल्य, एक रेअदेर के अछि, मे ओथएर बोर्ड्स, अल्लेअद्य इन्सिदे मैथिली प्रदर्शन संस्कृति.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई सिटुअटिन्ग गेस्टुरे अछि उपमाāन प्रमाāन मे अक्विओन: सरस देफिनेस हिम्सेल्फ द्वारा वय क पेर्केइवेद सिमिलरिट्य (कें लिने क इन्हेरिटन्के) आ पेर्केइवेद डिफेरेन्के (हुनकर ओव्ज इन्वोवटिओन).
- (D) विदेह-अन्चइन्हर प्लट्फोर्म: एक समानान्तर साहित्यिक रेवोलुटिओन ४.

**१८. अध्याय ५५ मे “थरेए स्वरसभ क मैथिली गजल” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) मैथिली अछि हुनकर मोथएर टोन्गुए, आ नेपाल आ हिन्दी हुनकर अक्कुइरेद सेकोन्ड लन्गुअगेस, एक बिओग्रफइकल फक्ट क नो स्मल्ल सिग्निफिकन्के: हे अछि एक नटिवे स्पेअकेर स्वओलर क एक भाषा हे स्पेन्ट एक लिफेटिमे अनलिसिन्ग फोर्मल्लय, एक पोसिटिओन से गिवेस हिम दुअल...
- (B) मे टेम्स क भअरट'स नट्यशअस्त्र: थएय अचइएवे लोकसन्ग्रह (सामाजिक होल्दिन्ग-टोगेथएर) फुन्किटिओन से अछि नाटक आ गीत'स हिघएस्ट पुर्पोसे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'जन-गनक सेवक भएल देशअक भार चै / जन्तअक मरि टक बनल बुधइयअर चै'.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'जिन्दगी क मोल', वलुए क लिफे सभसँ सोम्ब्रे क कमट'स प्लय्स, 'जिन्दगी क मोल' ( वलुए क लिफे) फोल्लोक्स रम रटन, एक एड्घटेएन-येअर-ओल्ड सँ एक गाम के त्रवेल्स कें हिमअल प्रदेश लेल कृति, केवल कें हो उसेद अस एक...

**१९. अध्याय ५६ सँ कोन विकल्प सही रूपें एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) "ग्रेअट दिअस्पोर"; देवेलोप्मेन्ट क त्रन्स-रेगिओनल मैथिली इन्टेन्टिऐस.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे बेगन त्रिटिन्ग गीतसभ (गाट) मे हिघ स्चूल आ प्रोदुकेद मन्य कस्सेट्स मे वरिओउस स्ट्यूलेस, बुट फोउन्ड नो लस्टिन्ग सटिस्फकिटिओन उन्टिल गजल फोर्म ट्रेव हिम.
- (C) नेव समीक्षात्मक उनिट्य कोन्सिस्ट्स मे ई परदोक्स बेइन्ग नहि रेसोल्वेद बुट हेल्ड मे प्रोदुकिवे टेन्सिओन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स एक न ग ए ए ट N एक ट एक क एक क एक द ए म इ एक न द M एक इ ट ह इ ल इ P ए र फ ओ र म इ न ग एक र ट स सनोएट नटक अकदेमि (नटिओनल अकदेम्य क संगीत, नृत्य आ नाटक), हेअदूकुअर्टेरेद मे नेव दिल्ली (सनोएटनटक.गोव.मे), छल एस्टब्लिशएद मे १९५२.

**२०. अध्याय ५६ मे “प्रदेएप पुशप” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) नट्यशअस्त्र'स अनलिसिस क मेल (सांगीतिक अस्सेम्ब्ल्य) आ फुन्किटिओन क गीत (गन) इन्सिदे नाटक एस्टब्लिशएस थएओरेटिकल बसिस लेल उन्देस्टैन्दिन्ग गेएट अस एक रस-प्रोदुकिन्ग फोर्म.
- (B) साहित्यिक लन्डस्केपे क ई पेरिओद, इन्क्लुदिन्ग कृति क नक्षअलिटे कविसभ आ एमेर्गेन्के क दलिट साहित्य, प्रोविदेस सन्दर्भ लेल मिश्र'स सामाजिक फिक्शियन, एवेन इफ हुनकर ओव्ज पोसिटिओन, अस एक ब्रह्मिन मगिस्त्रटे, अछि ओने क कोम्प्लेक्स कोम्प्लिकिट्य आ...
- (C) पोथी कोन्टइन्स अट लेअस्ट १९ नुम्बेरेद घअजल्स कोवेरिन्ग फुल्ल रन्गे क विदेह मैथिली गजल लिने क इन्हेरिटन्के: सामाजिक प्रोटेस्ट, पोलिटिकल सटिरे, मिग्रटिओन आ उर्बन अलियनटिओन, लोवे आ बेतुरयल, सांस्कृतिक एरोसिओन, गाम लिफे, आ कवि'स...
- (D) एक S E S S M E N T S एक N D C R I T I C एक L R E S P O N S E S ८.१ रेकोग्निटिओन आ अवर्द्स विदेह भअशअ सम्मन (२०१४) लेल अन्चइन्हर ाखअर रेप्रेसेन्ट्स सभसँ प्रमुख फोर्मल रेकोग्निटिओन क अन्चइन्हर'स कृति कें दते.

**२१. अध्याय ५६ अनुसार, “प्रदेएप पुशप” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्यन्याय अछि चअरक्टेरिसेद द्वारा एकर ओव्न वेर्सिओन क लिन्गुइस्टिक टुर्न. 'गॉगेडअ देफेन्ड्स वेर्बल टेस्टिमोन्य अस एक फोउर्थ ईर्रेडुकिब्ले प्रमॉणअ, सँ एकर ओव्न दिस्टिन्क्टिबे कोन्दिटिओन्स क वलिदिट्य: ऍकॉकऱा (स्पन्टिक्टिक् एक्स्पेक्टिओन), योज़टा...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोस्टमोर्देर्निट्य ब्रोउघट कें फोरे इस्सुएस क मन्य कोम्मुनिटिएस आ स्त्री के छल मर्गिनलिजेद सँ मइन्स्ट्रैअम दुए कें ग्लोबलिजटिओन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गजल ९'स एन्टिरे ट्रमटिक स्ट्रुक्चरे, 'i कोन गाम चै?' (की गाम अछि ई?), अछि एक मेदिटिओन पर गाम से अछि बेकोमे उन्नेकोग्निस्ब्ले: सोहर आ लगनि लोक गीतसभ रेप्लकेद द्वारा DJ नोइसे; स्मेल्ल क टुर्मेरिक आ...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोम्परटिवे स्टुद्य: अमोद कुमार झा अमोना मैथिली कविसभ XI.

**२२. अध्याय ५७ मे “प्रेएटि ठाकुर” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) मैथिली उपन्यास क केदर नथ चौधरी अछि ओने क अल्मोस्ट कोम्प्लेटेल्य उन्नेकोग्निसेद क्रेअटिओन्स क इन्दिअन साहित्य क पेरिओद २०००-२०२०.
- (B) सवन गेएट 'सअवन अयल' (' सवन अछि कोमे') उसेस ट्रमटिक देविके क क्रोम्बेस्सेनोर, एक ट्रोपे त्रकेअब्ले कें कलिदस'स मेघअदुट आ देएण्ल्य एम्बेद्देद मे मैथिली लोक लिने क इन्हेरिटन्के.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेएटि ठाकुर अदप्ट्स ई मेदिएवल टेक्स्ट लेल एक शिशु ौदिएन्के, प्रोविदिन्ग इल्लुस्ट्रटिओन्स आ सिम्प्लिफिअद नर्रटिवे फ्रमिन्ग मे मैथिली.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लोक अएस्थएटिक्स आ इन्दिगेनोउस क्नोव्लेद्रे मे लअन्ड स्पेकिफिक उसे क इन्दिअन लबुर्नुम आ टमरिन्ड, मे सरि'स एट्रे रेफेरेन्के कें "मइसम्म देवि," मे अब्व गीतसभ क त्रन्स्प्लन्टिन्ग, हर्वेस्टिन्ग, आ थरेशइन्ग -थएसे छथि/अछि सभ...

**२३. “प्रेएटि ठाकुर” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दुरिन्ग ई पेरीओद, लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली गीतसभ छल इन्टेग्रटेद इन्टो संस्कृत प्लय्स, एवेन्डुअल्ल्य एवोल्विन्ग इन्टो पुरेल्य मैथिली गेएटिन्ट्य (सांगीतिक ट्रमस).
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दव्दाक GAT कोन्नेक्ट्स हुनकर कृति कें स्त्री'स मौखिक सांस्कृतिक त्रन्स्मिस्सिओन लिने क इन्हेरिटन्के से समानान्तर इतिहास प्रिजेस: ग्रन्धोथए'स गीत अछि रेपोसिटोर्य क सभसँ अन्किएन्ट मैथिली लोक क्नोव्लेद्रे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे अल्सो इन्टेर्विएवेद किशओरिकन्ट मिश्र (फोर्मेर प्रेसिदेन्ट, मिथिला सन्स्क्रिटिक परिशद, कोल्कट) आ डॉ.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेएटि ठाकुर के, अलोन्ग सँ फिर्स्ट संकल्पना:उअलिजटिओन क पिक्चरे कथा, अल्सो गवे ई फोर्म क एक पोथी...

**२४. अध्याय ५९ “गजेन्द्र ठाकुर” विषयमे मुख्य रूपँ की बल दैत अछि?**

- (A) विदेह प्लट्फोर्म, एस्टब्लिशएद आ सम्पादित द्वारा गजेन्द्र ठाकुर, अछि बेएन एक समीक्षात्मक माध्यम लेल संरक्षण करैत आ प्रसार मैथिली साहित्य मे डिजिटल युग, आ मिश्र अछि अमोना एकर प्रमुख कोन्ट्रिबुटोर्स.
- (B) थएओरेटिकल फ्रमेवोर्क्स हबेर्मस: प्रनव झा'स मुल्टि-फोर्म कोर्पुस स्पन्स सभ थरेए क हबेर्मस'स रटिओनलिट्य दोमइन्सिन्स्ट्रुमेन्टल (मेदिकल निबंध, लेगल-सामाजिक फिक्टिओन), कोम्मुनिकटिवे (सॉन्स्मरॉण, नाटक, फिक्टिओन), आ समीक्षात्मक (फेमिनिस्ट साहित्यिक क्रिटिकिस्म...
- (C) मे कमल'स कसे, स्त्री-वोइकेद गीतसभ रइसे इन्टेरेस्टिन्ग कुएस्टिओन्स: एक पुरुष कवि वेन्ट्रिलोकुइसिन्ग स्त्री पेर्स्येक्टिवे मे एक त्रदिटिओनल्ल्य स्त्री गीत गेन्ने.
- (D) मे निलो कक, प्रोटगोनिस्ट अछि एक्स्प्लिकिट्ल्य एक मन विथओउट लन्ड वा टिट्ले के ओपेरेटस मे किट्य द्वारा वय क गाम सामाजिक कपिटल.

**२५. अध्याय ६० मे “रज्देओ मंडल” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) कथा सम्मिलित करैत अछि एक एक्स्टेन्देद कोन्वेर्सटिओन पर इतिहास, मेदिकिनल प्रोपेर्टिएस (विटमिन्स, मिनेरल्स, अन्टि-बक्टेरिअल अगेन्ट्स), आ सांस्कृतिक उसेस क पब्लन.
- (B) कर्निवलेस्कुए एलेमेन्ट, 'उप्सिदे-दोव्न वोर्ल्ड' क प्लय्विथइन्-एक-प्लय, व्हेरे लोव-कस्ते चअरक्टेर्स मोमेन्टरिल्य ओक्कुप्य कनोनिक्ल रोलस, अछि सिमुल्टेनेओउसल्ल्य लिबेरेटोर्य आ त्रगिकल्ल्य कुर्टइलेद.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स रज्देओ मंडल सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'अनिल'स गीतसभ मे विदेह देमोन्स्ट्रेट एक मस्तेर्य क गेएट फोर्म: मेलोदिक कोन्स्ट्रुक्टिओन, इन्टेर्नल ह्यूमेन्स, इमगिस्टिक एकोनोम्य, आ कपकिट्य कें कर्क्य एमोतिओनल वेइघट द्वारा वय क अप्परेन्टल्य सिम्प्ले दिक्टिओन.

**२६. “रज्देओ मंडल” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) इन्दिअन अएस्थएटिक्स (रस-धवनि): दोमिनन्ट स्थायि भाव अछि करुण (पथओस) आ रुद्र (फुर्य).
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोनन्द, शए ब्रिटेस एक्स्क्लुसिवेल्य मे पोएट्र्य, एक गेन्देरेद स्पेकिअलिसिटीओन से देखबैत अछि बोथ लिने क इन्हेरिटन्के क स्त्री'स गीत आ लिप्रिक एक्स्प्रेसिओन मे मिथिला आ स्पेकिफिक कोन्दिटिओन्स क साहित्यिक प्रोदुक्टीओन मे दिअस्पोर.
- (C) मैथिली पस्सगेस अछि बेएन रेन्देरेद मे अप्रोक्सिमेटे अंग्रेजी परफरसे लेल पुर्पोसेस क समीक्षात्मक अनलिसिस; फुल्ल त्रान्सलिटिओन्स वोउल्ड रेकुइरे एक सेपरटे स्वओललर्य उन्देर्किना.
- (D) अगइन्स्ट ई बक्वगोउन्ड क ब्रह्मिन सांस्कृतिक हेगेमोन्य, हुनकर एमेर्गेन्के अस फिर्स्ट धअनुक-कस्टे उपन्यासकार मे मैथिली, हुनकर सुस्टइनेद ओउटपुट अक्रोस्स मुल्टिप्ले गेन्नेस, आ हुनकर कोन्सिस्टेन्ट थएमटिक फोकुस पर OBC कोम्मुनिटी लिके कोन्सिस्टेन्ट एक साहित्यिक-पोलिटिकल अक्ट क...

**२७. “रज्देओ मंडल” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) स्केएन्ल्य फोर्म अछि प्रमुख मे इट्सेल्फ: मैथिली स्केएन्ल्य ब्रिटिना अछि एक रेरे गेन्ने, आ मंडल'स प्रेफके केँ जअल उल्लेख करैत अछि से हे उन्देर्ओक स्केएन्ल्य ब्रिटिना 'सेएइन्ग अब्सेन्के क स्केएन्ल्यस मे मैथिली साहित्य.' ई अक्ट क गेन्ने-पिओनेएरिना...
- (B) विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे'स प्रोजेक्ट क दोकुमेन्टिना देमोक्रटिक, इन्स्टिटुटिओनल्ल्य इन्डेपेन्डेन्ट मैथिली लिने क इन्हेरिटन्के सम्मिलित करैत अछि नहि जुस्ट पोएट्र्य, फिक्टीओन, आ साहित्यिक क्रिटिकिस्म बुट जोउर्नलिस्म...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दअग देह्लिव (१८३१-१९०५) छल ग्रेअट पोपुलरिसेर क ई एर: हुनकर घअजल्स छल मेलोदिओउस, क्लेअर, एमोटिओनल्ल्य इम्मेदिअटे, आ इदेअल्ल्य सुइटेड केँ सांगीतिक प्रदर्शन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से +) रम सोगर्थ यदव अछि ओने क सभसँ प्रमुख OBC (ओथएर बक्ववर्द क्लस्स) स्वरसभ मे विदेह अभिलेख.

**२८. “रज्देओ मंडल” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) विविध भअज्जवलि'स टिट्ले पगे, बेअर्स आवाहन “ॐ श्री गनेशअय नमह” आ देस्क्रिबेस लेखक अस: “पं श्री रम्जि चौधरी, ग्राम, रुद्रपुर, पोस्ट, अन्धअरथअदि, जिल दर्भअन्ग.” टेक्स्ट कोन्सिस्ट्स क २२ राग-क्लस्सिफिएद कोम्पोसिटिओन्स मे मैथिली...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पर्ट III: समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन द्वारा वय क मुल्टिप्ले फ्रमेवोर्क ३.१ गेन्ने थएओर्य आ मुन्नजि'स मुल्टि-गेनेरिक अचइएवेमेन्ट की अछि इम्मेदिअटेल्य स्ट्रिक्नि अबोउट मुन्नजि'स ओउटपुट, सेवेन डिस्टिन्क्ट पोथीसभ प्रकाशित मे एक सिन्ले येअर (२०१२) अक्रोस्स...
- (C) कोल्लेक्टीओन'स दलित कोन्सिओउस्नेस्स अछि एकर सभसँ प्रमुख फेअटरे.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्थेएर ई सुक्केएदेद वा फइलेद, देकिसिओन अछि लेल समाज केँ मके.' ई देफेर्ल केँ सामाजिक जुद्गमेन्ट, नहि केँ अकदेमिक क्रिटिक्स वा साहित्यिक एस्टब्लिशमेन्ट्स बुट केँ 'समाज' (समज), देखबैत अछि मंडल'स उन्देर्स्टन्दिना क साहित्य अस एक...

**२९. अध्याय ६१ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अखअर रन लेल अप्रोक्सिमेटेल्य ओने येअर, विशाएशअन्क उल्लेख करैत अछि ई छल 'वेर्य पोपुलर लेल एक क्लिले, बुट लिके सभसँ मैथिली जोउर्नल्स, ई छल लघु-लिवेद.' ई एक्स्पेरिएन्के टउघट रज्जन्दन लाल दास से सुर्विल क एक मैथिली पत्रिका रेकुइरेद एक्स्त्रओर्दिनर्य...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सिंह'स स्वओललर्य क्रिटिकिस्म आ टेक्स्टुअल रेकोवेर्य कृति रेप्रेसेन्ट्स रेकोवेर्य क मैथिली'स ओज्ज इन्टेल्लेक्टुअल हेरिटगे, इन्क्लुदिना एकर सभसँ सोफइस्टिकटेद फइलोसोफइकल लिने क इन्हेरिटन्के (नव्य न्यत्र्य, बोर्न मे सभे मिथिला सोइल)...
- (C) देटइलेद अट्टेन्टिओन केँ राग, मंच दिरेक्टीओन्स से मर्क एन्त्रन्केस आ एक्सिट्स, इन्टरक्टीओन्स बीच चअरक्टेर्स आ ौदिएन्के ( त्रवेलेर गेस्टुरेस टोवर्द ौदिएन्के मे स्केने ७), सभ इन्डिकटे एक प्रदर्शन लिने क इन्हेरिटन्के से कन्नोट हो...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से संरक्षण करैत लोक साहित्य अछि नहि केवल नेकेस्सर्य बेकउसे ई अछि एक ओब्जेक्ट क पस्ट; ई अल्सो एनागेस सँ डिस्कोउर्स क एकर टिमे आ सेल्फ-रेफ्लेक्टीओन, आ सेट्स ओउट एक परदिग्म.

**३०. अध्याय ६३ मे “अचअर्य रमनन्द मंडल” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) हुनकर इदेन्टिफिकटिओन क 'मध्यमर्ग' अस कोल्लेक्टीओन'स उनिफियन्ग थएमटिक अछि एक नेव समीक्षात्मक तर्क लेल ओर्गानिक उनिट्य: क्लाइम से एक कोल्लेक्टीओन'स फिफ्टेएन कथासभ छथि/अछि उनिफिएद द्वारा एक सिन्ले विसिओन वा अएस्थएटिक कोम्मिट्मेन्ट.
- (B) नट्यशअस्त्र'स व्यापक अक्कोउन्ट क एलेमेन्ट्स क थएअट्रिकल प्रोदुक्टीओन, रस (एमोटिओनल फ्लवोअर), भअव (एमोटिओन), अभइनय (एक्स्प्रेसिओन/रेप्रेसेन्टिओन), त्रिट्टि (स्ट्यूले), सिद्धइ (थएअट्रिकल सुक्केस्स), आ टेचनिकल स्पेकिफिकटिओन्स क मंच स्पेके...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स अचअर्य रमनन्द मंडल सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एअच सेअसोन अछि एकर त्रदिटिओनल गीत-ट्यूप्स, मेलोदिक मोदेस (राग-भअस), पेफोर्मटिवे ओक्कसिओन्स, आ एमोटिओनल रेगिस्टेर्स.

**३१. अध्याय ६३ सँ कोन विकल्प सही रूपें एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मल्ल पेरिओद (पोस्ट-१४५०) मल्ल किन्स क नेपाल सांगीतिक नाटक (किर्तनिय) गेओग्रफिक शिफ्ट कें नेपाल; दोमिनन्के क संगीत ओवेर प्रोसे.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे दिस्टिन्गुइशएस बीच ट्वो मडन अप्रोअचएस कें फ्लोओद कोन्ट्रोल: आधुनिक ह्युड्रोलोगिकल अप्रोअच आ त्रिदिओनल अप्रोअच.
- (C) हुनकर मोथएर छल लटे चअन्द्रकल देवि, के अल्सो कोम्पोसेद मैथिली वेसैं.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वक्रोक्ति थएओर्य (कुन्टक) कुन्टक'स वक्रोक्तिजावित (क).

**३२. अध्याय ६४ ("प्रोफेसर. डॉ. रमवटर यदव") मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय प्लेकेस प्रोफेसर. डॉ. रमवटर यदव इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.
- (B) हुनकर एदितोरिअल कृति पर व्यधइभअक्ति-तरनिनि क विद्यापति, एक संस्कृत टेक्स्ट पट्रोनियेद द्वारा किन्ग नरसिंह देव नारायण, रेप्रेसेन्ट्स एक प्रमुख कोन्ट्रिबुटिओन कें मैथिली-संस्कृत टेक्स्टुअल स्वओलर्शइप.
- (C) थएअट्रिकल दिमेन्सिओन आ समानान्तर मंच विदेह समानान्तर इतिहास रेकोग्निसेस बेचअन ठाकुर अस प्रे-एमिनेन्ट फिगुरे क 'समानान्तर मैथिली मंच', एक कोउन्टेर-हेगेमोनिक थएअट्रिकल लिने क इन्हेरिटन्के से चअल्लेनोस कस्टे-हिएरचग्रेइन्फोर्किन्ग...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सुबसेकुएन्टल्य हे रेलेअसेद अप्रोक्सिमेटेल्य फिफ्टेएन कस्सेट्रेस द्वारा वय क पुर्वअन्चअल सांगीतिक रेकोर्ड्स, पट्न (१९७७-७८), कोन्टइनिन्ग मैथिली आ भओज्पुरि भअजन्स आ दुअल-भाषा गीतसभ.

**३३. "प्रोफेसर. डॉ. रमवटर यदव" केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नसलिजटिओन मे मैथिली ओपेरटस अट फओनेमिक लेवेल, एक दिस्टिन्क्टिओन बीच मौखिक आ नसल वोवेलस अछि ग्राम्मटिकल्लय प्रमुख, आ यदव'स अकोउस्टिक एविदेन्के (१९८२) देमोन्स्ट्रेटेद से नसल कोअर्टिकुलटिओन पट्टेन्स मे मैथिली दिफ्फेर...
- (B) हुनकर गीतसभ छथि/अछि गीतसभ क लोन्गिन्ग: लेल बेलोवेद, लेल होमेलन्द, लेल भाषा इट्सेल्फ.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब इ न द ए स ह व ए क र T ह एक क उ र: वो र क स एक न द C र इ ट इ क एक ल एक प प र ए क इ एक ट इ ओ न IV. एक बिओग्रफिकल आ साहित्यिक प्रोफिले बिन्देशवर ठाकुर अछि एक नेपालि-सिदे मैथिली लेखक वोर्किन्ग अस एक मिग्रन्ट लबोउरेर मे कटर (गुल्फ दिअस्पोर).
- (D) रस समीक्षात्मक फ्रमे अप्लिएद कें नचइकेट'स नाटक रस सुत्र, "विभअव-अनुभअव-व्यभइचअरि-सम्योगअद रस निःपट्टिह", प्रोविदेस फोउन्डटिओनल अनलिटिकल टोओल.

**३४. अध्याय ६५ "रम्देओ प्रसाद मंडल 'झअरुदर'" विषयमे मुख्य रूपें की बल दैत अछि?**

- (A) बक्क कोवेर रेकोग्निसेस झा अस जोर्नलिस्ट के अछि 'अलमग पहकअन स्थवपित करवअक' (एस्टब्लिशएद एक दिस्टिन्क्टिबे पहचान) मे नेपाल जोर्नलिस्ट्स क्लिब सिमुल्तेनओउसल्य त्रिटिन्ग मैथिली साहित्य विथओउट स्टोपिन्ग, नोटिन्ग अस एविदेन्के से इन्सिदे थरेए...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से जगज्योतिर्मल्ल ौथओरेद "हरगउरिविवह" (१६२९) इन्टेग्रेटेद शिब-पर्वटि थएमेस सँ कोउर्ट नाटक.
- (C) हुनकर त्रान्सलटिओन्स दो नहि मेरेल्य त्रान्सफेर कोन्टेन्ट; थएय अस्सेर्ट परिट्य क मैथिली अस एक साहित्यिक मेदिउम कपब्ले क रेकेइविन्ग आ त्रान्सफोर्मिन्ग अन्य एक्स्पेरिएन्के.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बिओग्रफिकल इन्ट्रोदुकिओन: फर्मोर-बर्द क मिथिला III.

**३५. अध्याय ६५ सँ कोन विकल्प सही रूपें एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) अप्लियन्ग रस थएओर्य: दोमिनन्ट रस अछि śṛṅgār (मे एकर saṃभओग, वा उनिओन, अस वेल्ल अस विप्रलम्भअ, वा सेपरटिओन, मोदेस), समर्थित द्वारा śānt रस मे बेसी फइलोसोफिकल्लय ओरिएन्टेद घअजल्स.
- (B) कोल्लेक्टिओन कोन्टइन्स एक प्रार्थअनअ (प्रयेर), एक झअṇḍā Gīt (फ्लग गीत केलेब्रटिन्ग इन्दिअन नटिओनल पहचान द्वारा वय क मिथिला'स पेस्पेक्टिबे), मुल्तिप्ले गाट, आ नुमेरोउस झवरु पोएम्स.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि ओर्दिनर्य लिन्गुइस्टिक पोलिटिक्स क समानान्तर लिने क इन्हेरिटन्के: नहि ग्रन्ड गेस्टुरे क साहित्यिक अवर्द्स बुट दइल्य इन्सिस्टेन्के पर भाषा'स दिग्निट्य मे सभसँ इन्टिमेटे सामाजिक रिटुअल्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य न्यय अप्लिएद कें समीक्षात्मक अनल्यिस क नाटक ६.२.१ व्यष्टि (इन्वरिअब्ले कोन्कोमिटन्के) मे रंगमंच क सामाजिक रेअलिट्य मे नव्य न्यय, व्यष्टि अछि इन्वरिअब्ले कोन्कोमिटन्के बीच ट्वो प्रोपेर्टिएस, लोडिकल फोउन्डटिओन क...

**३६. “रमदेओ प्रसाद मंडल 'झअरुदर'” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रविन्द्र नथ ठाकुर गीत/नाटक कोन्फेरेन्स टिटले “अभइनव विद्यापति”; त्रन्स्फोर्मिड मैथिली प्रदर्शन संस्कृति.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से P R T V: C O N C L U S I O N समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन क रविभउशअन पथअक आ कुमार मनोज कशयप रेवेअलस ट्वो ब्रिटेस क प्रमुख साहित्यिक दिस्टिन्क्टिओन के अछि चओसेन केँ कृति इन्सिदे मैथिली साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के अट एक...
- (C) थएय छथि/अछि नहि अब्त्रक्ट पोलिटिकल त्रक्टस बुट एम्बोदिएद सामाजिक पोएम्स: एम्प्ट्य गाम, योउन्ग मेन फ्लेद केँ किटिएस, ड्रुन्क मेन मे गाम स्कुअरे, स्त्री वेएपिन्ग लेल अब्सेन्ट हुस्बन्ड्स, पोलिटिकिअन के फेएड्स पर पुब्लिक मिसेर्य.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एन्विरोन्मेन्टल कोन्सिओउस्नेस्स: कवि अस एकोलोगिकल अक्विविस्ट ओने क झअरुदर'स सभसँ दिस्टिन्क्टिवे कोन्ट्रिबुटिओन्स अछि हुनकर सुस्टइनेद अट्टेन्टिओन केँ एन्विरोन्मेन्टल देग्रदटिओन.

**३७. अध्याय ६५ अनुसार, “लोक संस्कृति अन्टोनिओ ग्रम्सिक'स” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से चौधरी रेप्रेसेन्ट्स मौखिक-लोक-भक्तिपरक लिने क इन्हेरिटन्के: नोन-इन्स्टिटुटिओनल, कोम्पोसेद मे प्रदर्शन कोन्टेक्स्ट्स (राग-क्लस्सिफिएद भजन्स, थउम्रिस, महेशवनिस), द्रविन्ग पर इन्हेरिटेद ग्रम्मर क सिग्निन्ग ग्रन्ड्फथएर आ...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से उन्मकिन्ग मिमिसिस: निबंधसभ पर फेमिनिस्म आ रंगमंच.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ग्रम्सिक: ओर्गनिक इन्टेल्लेक्टुअल आ लोक संस्कृति अन्टोनिओ ग्रम्सिक'स संकल्पना: क 'ओर्गनिक इन्टेल्लेक्टुअल' (प्रिसोन नोटेबोओक्स, १९२९-३५), इन्टेल्लेक्टुअल के एमेर्गेस सँ इन्सिदे एक सुबल्टेर्न क्लस्स आ देवेलोप्स क्लस्स'स ओव्न्...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई देखबैत अछि विदेह मोवेमेन्ट'स कोउन्टेर-कनोनिकल एपिस्टेमोलोग्य.

**३८. अध्याय ६६ अनुसार, “किसुन सन्कल्प लोक” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) फिर्स्ट एडिटिओन छल प्रकाशित मे २००४ द्वारा किसुन सन्कल्प लोक, सुपउल, आ छल लउन्चएद अट एक केरेमोन्य मे दर्भअन्ग द्वारा रेनोव्नेद स्टोर्टेल्लेर अशओक.
- (B) विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे (व्फफ): बग्वार अछि एक समानान्तर इतिहास क इन्दिअन पेअसन्ट.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ओवेर सिक्स देकदेस क सुस्टइनेद क्रेअटिवे कृति, हे त्रन्स्फोर्मिड लन्ड्स्कपे क मैथिली गीत, नाटक, आ वेसँ, रेअचइन्ग ौदिएन्केस से नो साहित्यिक टेक्स्ट कोउल्द अछि रेअचएद पर एकर ओव्न्.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ जकोब्सोनिअन फोर्मलिस्ट पेस्पेक्टिवे, पोएम्स देमोन्स्ट्रेटि स्यस्टेमेटिक अट्टेन्टिओन केँ फओनेटिक टेक्स्टुरे: ओपेनिन्ग वेसँ शओव करेफुल देप्लोयमेन्ट क रेट्रोफ्लेक्स कोन्सोनन्ट्स आ दिस्टिन्क्टिवे वोवेल कुअलिटिएस क मैथिली अस स्रोतसभ...

**३९. “रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपल्लि झा 'गोपेश' आ विजय नथ झा” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से के) आ हुनकर ध्वन्यबलोक कोम्मेन्टर्य पर आनन्दवर्धअन'स ध्वनि ('रेसोनन्के') थएओर्य टोगेथएर फोर्म सभसँ सोफइस्टिकटेद प्रे-आधुनिक थएओर्य क अएस्थएटिक एक्स्पेरिएन्के.
- (B) प्रतिवेदन अछि पर्ट क एक सुबल्टेन्टिअल रंगमंच-आ-संस्कृति अनुभाग मे सदेह ८ से सम्मिलित करैत अछि रेपोर्ट्स पर मुल्तिप्ले मैथिली द्रामटिक प्रोदुक्टिओन्स आ सांस्कृतिक एवेन्ट्स सँ बोथ भारत आ नेपाल, इन्क्लुदिन्ग रेपोर्ट्स सँ जनकपुर'स मिथिला Nāṭyaka परिअद (मिनप)...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से इन्सिदे मैथिली लिने क इन्हेरिटन्के, क्लोसेस्ट अनलोगुए केँ हुनकर प्रोजेक्ट अछि पेर्हप्स प्रभअस कुमार चौधरी, कोसे कोल्लेक्टिओन प्रभअसक कथअ वोन सहित्य अकदेमि अवर्द मे १९९० आ के, लिके मिश्र, कोम्बिनेद अकुटे सामाजिक...
- (D) गेएट (गीत-पोएम) अस साहित्यिक फोर्म: इन्दिअन थएओरेटिकल समीक्षात्मक फ्रमे ४.१ रस थएओर्य आ ल्यिक्र एमोटिओन ४.२ ध्वनि थएओर्य: रेसोनन्के मे गीत ४.३ राग-भअस आ शास्त्रीय संगीत लिने क इन्हेरिटन्के ४.४ लोचअन'स रगटरन्गिनि आ मिथिला संगीत...

**४०. अध्याय ६७ मे “अहान्क लेल” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) इन्स्टिटुटिओनलिजटिओन आ पोलिटिक्स क एक्स्क्लुसिओन: सहित्य अकदेमि क्रिटिकुए आधुनिक एर क मैथिली साहित्य अछि दोमिनटेद द्वारा सहित्य अकदेमि (नटिओनल अकदेम्य क लेट्टेर्स), एस्टब्लिशएद द्वारा गोवेर्मेन्ट क भारत मे १९५४.
- (B) कुएस्टिओन क के अछि ौथओरिसेद केँ नरटे सुबल्टेर्न एक्स्पेरिएन्के, रइसेद क्रिटिकल्ल्य द्वारा स्पिक्क, अछि अदूट्रेस्सेद मे मिश्र'स प्रेफके (मोनक बयट) केन हे दिस्कस्सेस नरटिवे एथइक्स क ब्रिटिन्ग सँ इन्सिदे (अस सोमेओने के क्नोव्स सामाजिक वोल्ड) वेर्सुस...
- (C) झा'स रंगमंच रेपोर्टिन्ग थउस पेफोर्म्स एक संरक्षण फुन्किटिओन से अछि अनलोगोउस केँ (थओउघ भिन्न सँ) ह्रिदय नारायण झा'स लोक गीत दोकुमेन्टिओन: बोथ क्रेअटे टेक्स्टुअल रेकोर्ड्स क एफएमेरल सांस्कृतिक प्रक्टिकेस.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से विजयन्थ झा'स घअजल्स मे अहान्क लेल आ सुस्टइनेद मेट्रे क हुनकर Kāmāyana अनुवाद सुम्मोन śānt रस द्वारा वय क फइलोसोफइकल एकुइपोइसे.

**४१. “गुम्म भएल[ह]ह छा” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि एक पोइन्टेद सामाजिक वोकबुलर्य: सँ सलर्य कैं हुनोर कैं ओल्ड-युग पेन्सिओन कैं भाषा इट्सेल्फ अस एक प्रेकरिओउस ओब्जेक्ट, कैं होस्पिटल, चओकोलटे, आ ओन्लिन कोन्नेक्टिविटी, जोउर्नेय द्वारा वय क कमट'स बाहनि कथं टिट्लेस अछि एक...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गोपेश'स कोन्नेन्सेद नाटक गुम्म भएल[ह]ह छा ('सुदेन्त्य ई बेकमे सिलेन्ट') ओपेरेटेस अल्मोस्ट एन्टिरेल्य द्वारा वय क एक सुस्टइनेद वक्रोक्ति, कोल्लोकुइअल सुप्रिसे स्ट्रुक्चुरेस से कोन्नेअल फइलोसोफइकल फ्रेइघट.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि लेवेल अट कोन एक गजल कन हो हेअर्द आ एक्स्पेरिएन्केद एवेन विथओउट उन्डेस्टैन्दिन्ग एवेर्य बोर्ड, संगीत क फोर्म अस दिरेक्ट पेक्टेडुअल एक्स्पेरिएन्के.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हिट्थन थ्रू अस अनुवादक: थएओर्य आ प्रक्टिके वी.

**४२. अध्याय ६८ (“गजेन्द्र ठाकुर”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर गजेन्द्र ठाकुर, ओरिगिनल पोएम मे मैथिली, ट्रान्सलेटेड इन्टो अंग्रेजी.
- (B) टेक्निकल भाषा क अवक्चएदकत अल्लोक्स नव्य नइयव्यिकस कैं एक्स्प्रेसस, सँ ग्रेअट प्रेकिसिओन, एक्सक्ट कोन्दिटिओन्स उन्देर कोन एक क्लइम होल्ड्स, एकर देलिमिटेर्स, एकर स्कोपे कोन्दिटिओन्स, एकर कुअलिफिकेटिओन्स.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से भइखअरि ठाकुर छल प्रिमरिल्य एक नाटककार-कलाकार: हुनकर बिदेसिय, बेटि बियोग, विधव विलप, आ ओथएर प्लय्स छल पेफोर्मेद पर ओपेन स्टोस सँ संगीत, नृत्य, आ इम्प्रोविसटिओन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हिट्थन थ्रू'स पब्लिक्कायस ओपेरेटे अट लेवेल क इन्फोर्मेद गेनेरल रेअदेर, पेफोर्मिन्ग कुकिअल सांस्कृतिक फुन्किटिओन क केएपिन्ग नेव पोथीसभ मे एवए, क्रेअटिन्ग एक सेन्से से साहित्यिक प्रोदुक्चिओन अछि बेइन्ग नोटिकेद आ रेस्पोन्डेद कैं, आ...

**४३. अध्याय ६८ (“गजेन्द्र ठाकुर”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर जग्दिश चअन्द् ठाकुर 'अनिल', कवि, गीतकार आ गजल संगीतकार.
- (B) अध्याय अल्सो रेडुर्न्स कैं ई इदेअ: अध्याय प्लेकेस गजेन्द्र ठाकुर इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.
- (C) हुनकर कृति अछि एविदेन्के से मैथिली साहित्य अछि नहि सोलेल्य एक बिहर फएनोमेनोन बुट एक ट्रान्स-नटिओनल साहित्यिक संस्कृति स्पन्निन्ग नेपाल आ भारत.
- (D) द्रमटिस पेर्सोन्स क परा नगर इन्क्लुदे एक फइर्य कुीन (परावन्ग), एक दोओर्केएपेर, एक लन्डलोर्ड/लन्डलध, फोउर प्रिन्के-फ्रिएन्ड्स (जय, विजय, अजय, सन्जय), आ सुप्पोर्टिन्ग चअरक्टेर्स, एक उनिवेर्स क इन्टेर-गेनेरटिओनल कोन्फ्लिक्ट, अद्वेन्चुरे, आ मोरल टेस्टिन्ग.

**४४. अध्याय ६९ अनुसार, “युगुअल सर्कर” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) कवि'स ग्रन्थफथएर छल एक केलेब्रेटेद गायक (गवय्य) कोसे प्रिमर्य दोमइन छल भक्तिपरक गीतसभ (भअक्ति गेट) कैं युगुअल सर्कर, सिट-रम, आ ई सांगीतिक इन्हेरिटन्के छल देकिसिवे लेल ग्रन्ड्सोन.
- (B) अप्प्लियन्ग गनोस'स समीक्षात्मक फ्रमे कैं मेएन झा'स साहित्यिक एपिस्टेमोलोग्य, उन्डेस्टैन्दिन्ग हुनकर फिक्चिओन अस एक स्ट्रुक्चर क कनोक्लेट-क्लइम्स अबोउट सामाजिक वोल्ड, वे कन इल्लुमिनटे अस्पेक्ट्स क हुनकर कृति से कोन्नेन्टिओनल साहित्यिक क्रिटिकिस्म लेअवेस उनेक्समिनेद.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से त्रिटिन्ग एक बाहनि कथं अबोउट नोअबन्दा मे मैथिली लेल विदेह अभिलेख अछि एक दोकुमेन्टरिल्य प्रमुख अक्ट: ई कप्टुरेस सामाजिक एक्स्पेरिएन्के क एक प्रमुख पोलिक्य दिसुप्तिओन सँ पेस्पेक्टिवे क मैथिली-स्पेअकिन्ग रुल कोम्मुनिटी, मे...
- (D) मे २०२२, शए छल कोन्फेरेन्स सन्नेट नटक अकदेमि अवर्द, भारत'स हिघएस्ट नटिओनल रेकोग्निटिओन मे पेफोर्मिन्ग अर्ट्स, लेल हुनकर कोन्ट्रिबुटिओन कैं इन्डिअन रंगमंच अस एक अक्टोर.

**४५. अध्याय ७० सँ कोन विकल्प सही रूपें एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) अस एकर दिरेक्टर-कुम-सेक्रेटर्, रविन्द्र नथ ठाकुर ओक्कुपिएद एक केय पोसिटिओन अट इन्टेर्सेक्चिओन क साहित्यिक संस्कृति आ स्टेटे पट्रोनगे, अनलोगोउस कैं रोले क एक साहित्यिक अब्जिनिस्त्रटोर वोर्किन्ग इन्सिदे एक फोर्मल इन्स्टिटुटिओनल समीक्षात्मक फ्रमे कैं अद्वन्के ...
- (B) अवर्दस आ रेकोग्निटिओन भअशअ-भअरटि सम्मन (२००३-०४) द्वारा किइल (केय इन्स्टिटुट क इन्डिअन लन्गुअगेस, म्यसोरे) लेल अनुवाद विदेह सम्मन २०१२ (एकुइवलेन्ट क एक समानान्तर सहित्य अकदेमि अवर्द), अनुवाद प्रिजेकोन्फेरेन्स द्वारा विदेह पत्रिका प्रबोध सहित्य...
- (C) स्टटुस क विद्यापति: अछि हे एक चअरक्टेर इन्सिदे नाटक, लेखक क स्रोत मटेरिअल, एक सुत्रधअर फिगुरे, वा एक भक्तिपरक प्रेसेन्के?
- (D) गीतसभ छथि/अछि स्ट्रुक्चुरेद अरोउन्ड फमिलिअर मैथिली शिशु'स वोल्ड, फ्लोवेर्स, बुट्टेफ्लिअस, फिश मे स्ट्रेअम, मोन्सोओन रइन, किट्चएन, ग्रन्थोथएर'स कथासभ, बुट ओर्गनिजेद सँ एक कवि'स एअर लेल सोनिक प्लेअसुरे.

#### ४६. अध्याय ७२ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि बेएन बसिस लेल सुबसेकुएन्ट दोक्टरल दिस्सेर्टेटिओन्स (बल क्रिशन झा, उनिवर्सिटि क पोओन, १९८४; आ मन्य सिन्के), आ ई अछि शअपेद उन्देस्टिन्दिना क मैथिली मे एवेर्य प्रमुख रेफेरेन्के कृति मे सोउथ असिअन लिन्गुइस्टिक्स.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लेल रविभउशअन पथअक'स प्लय रिहर्सल, दोमिनन्ट रस अछि करुन ( त्रिगिकपथएटिक), इन्फ्लेक्टेड सँ एक पेर्सिस्टेन्ट उन्देटोने क रउद्र ( त्रथफुल) दिरेक्टेड अट कस्टे दिस्क्रिमिनटिओन.
- (C) मैथिली रंगमंच मोवेमेन्ट क कोन लल्लन प्रसाद ठाकुर छल पर्ट ओपेरेटस पर ई फनोनिअन लोगिक: प्रोदुक्तिओन क रंगमंच मे मैथिली, लेल मैथिली-स्पेअकिन्ग कोम्मुनिटिएस, मे इदिओम क मैथिली लोक संस्कृति (गोनु झा विट, लोक गीत रेगिस्टेर्स...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सामाजिक आ एथइकल दिमेन्सिओन्स क गजल अन्चइन्हर'स घअजल्स छथि/अछि नहि मेरेल्य फोर्मल एक्सेर्किसेस.

#### ४७. अध्याय ७२ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?

- (A) ठाकुर'स रंगमंच अछि गाम-बसेद, कोम्मुनिटी-फुन्देद (वा सेल्फफुन्देद), पेफोर्मेट पर सरस्वति पुज मंच क एक स्कूल कोम्पोजन्ड मे चअनउरगन्ज, सँ एक कस्ट क गाम योउथ सँ मुल्तिप्ले कस्टे कोम्मुनिटिएस.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मिडथइलवक पियवस (मिथिला'स थइस्ट): पर स्टटे क मैथिली भाषा आ फइलुरे क इन्टेर्नल उनिटी अमोन्ग मैथिली-स्पेअकेर्स: “Jāṭhअर मिथलवमे मइथइला / सब जनक भāṣā नइ बनटक / टावअर नइ मिथलवक पियवस मुझअटक”.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लुकक्स'स दिस्टिन्क्टिओन बीच नटुरलिस्म (मेरे सुर्फके देस्क्रिप्टिओन) आ रेअलिस्म ( रेवेलटिओन क उन्देर्लिन्ग सामाजिक टोटलिटी द्वारा वय क दृष्यिकल चअरक्टेर्स) अछि इल्लुमिनटिना लेल कशयप'स लघउ-कथअस: फिगुरेस लिके बइथअ वशएर्मन...
- (D) हइकु आ अन्किन्हर Aखअर मोवेमेन्ट मुन्नजि'स हइकु कोल्लेक्टिओन आ गजल कोल्लेक्टिओन छथि/अछि बोथ एक्स्प्लिकिट्ल्य कोन्नेक्टेड केँ अन्किन्हर Aखअर (उन्केलेब्रेटेड लेट्टेर्स) मोवेमेन्ट, विदेह-अप्पिलिअटेड मैथिली गजल रेफोर्म मोवेमेन्ट लेद द्वारा अशइश अन्चइन्हर.

#### ४८. अध्याय ७३ “लस्ट रिटेस हरिद्वर” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मोन्थस इल्लेन्स) लस्ट रिटेस हरिद्वर, उट्टरखअन्ड परिवार थरेए सोन्स, ट्वो दउघटेर्स; सोन अविन्ड ठाकुर, संगीत एदुकटोर प्रिमर्य लन्गुअगेस मैथिली, हिन्दी, संस्कृत पेन नमे / टिट्ले ‘अभइनव विद्यापति’ (कोन्फेरेन्स द्वारा बब नगर्जुन...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नचइकेट'स देप्लोयमेन्ट क जनक अक्रोस्स मुल्तिप्ले लघु फोर्म्स रथएर थअन एक सिन्ले लोन्ग नटक संकेत करैत अछि एक फ्रगमेन्टेड, प्रिस्मटिक अप्रोअच केँ म्थ, सेएइन्ग ई सँ मुल्तिप्ले अन्लेस सिमुल्तनेओउस्ल्य, अस नव्य न्यय टेचनिकुए क...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्रेचट, एपिक रंगमंच, आ पोलिटिकल मंच बेर्टोल्ट ब्रेचट'स देवेलोपमेन्ट क एपिक रंगमंच मे वेइमर गर्मन्य आ एकर सुबसेकुएन्ट इन्फ्लुएन्के पर वोल्ड रंगमंच प्रोविदेस ओने क सभसँ प्रोदुक्तिवे वेस्टेर्न फ्रमेवोर्क लेल अनल्यिसिन्ग बेचअन...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दिनेश कुमार मिश्र'स पोथी मकेस ई क्लेअर से अट्टेम्प्ट केँ 'इम्प्रिसोन' कम्ल रिवेर अछि बेकोमे एक कुर्से लेल मिथिला.

#### ४९. “रविन्द्र नथ ठाकुर” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?

- (A) थएय शओव हिम एम्बेदेद मे एक किविलिसटिओन से वलुएद सिमुल्तनेओउस्ल्य हिघएस्ट टेचनिकल फइलोसोफय आ सभसँ इन्टिमेट लोक एक्स्प्रेसिओन, सभसँ रिगोरोउस लोगिक आ सभसँ टेन्देर भक्तिपरक पोएट्र्य.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से त्रन्सलटिओन्स (१) बुद्धअचअरिदम (संस्कृत वेर्से अनुवाद, महविर मन्दिर, २०१३); बुद्धअचअरिदम अछि अशवघओस'स केलेब्रेटेड संस्कृत बुद्धइस्ट एपिक क २न्ड केन्टुर्य CE.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ओवेर सिक्स देकदेस क सुस्टइनेद क्रेअटिवे कृति, हे त्रन्स्फोर्मेड लन्डस्केपे क मैथिली गीत, नाटक, आ वेर्से, रेअचइन्ग ौदिएन्केस से नो साहित्यिक टेक्स्ट कोउल्द अछि रेअचएद पर एकर ओव्न.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि इन्स्टिटुटिओनल सिलेन्किन्ग क सुबल्टेर्न स्वर.

#### ५०. अध्याय ७३ अनुसार, “अविन्द्र ठाकुर” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गजल ९'स एन्टिरे ड्रमटिक स्ट्रुक्चुरे, 'i कोन गवम चै?' (की गाम अछि ई?), अछि एक मेदिटटिओन पर गाम से अछि बेकोमे उन्नेकोग्निस्बले: सोहर आ लगनि लोक गीतसभ रेप्लकेड द्वारा DJ नोइसे; स्मेल्ल क टुर्मेरिक आ...
- (B) हुनकर परिवार सम्मिलित करैत अछि हुनकर जोर्नलिस्ट सोन अविन्द्र ठाकुर, के ब्रोउघट नेव्स क हुनकर पस्सिन्ग केँ पुब्लिक अट्टेन्टिओन.
- (C) हुनकर टेचनिकुए कोन्सिस्टेन्ट्ल्य इन्वोल्वेस सुपेरिम्पोसिन्ग थएसे अक्सेस, सो से एक पोएम अबोउट नेव येअर (नव वर्श) बेकोमेस एक क्रिटिकुए क वेस्टेर्नसिडिओन क फेस्टिवल्स, आ एक पोएम अबोउट अहल्य'स मोनोलोगुए बेकोमेस एक एक्स्प्लोरटिओन क स्ट्रुक्चुरल विओलेन्के अगइन्स्ट...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सो, दोएस ई प्रोवे से सोमेओने के अछि प्रोफिकिएन्ट मे भाषा कन अल्सो थइन्क अहेअद, आ से हुनकर सुब्जेक्ट मट्टेर अछि अल्सो फोर्वर्ड-थइन्किन्ग?

५१. “उट्टर विद्यापति” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ६५७, हुनकर लगेस्ट सिन्ले कोन्ट्रिबुटिओन, एडिटेड एन पगेस, इन्क्लुदिना हजल फोर्म कोन अछि उनिकुए मे अभिलेख.  
(B) हुनकर ओव्न पोएट्रय मइन्टइन्स ौचइट्य द्वारा वय क कोन्सिस्टेन्ट देप्लोयमेन्ट क मैथिली लोक इडिओम, रेगिओनल इमगेर्य ( निर्मलि लन्डस्केप, कोसि प्लइन्, सखारेए-पेटअरेए), आ वेसें फोर्म्स से एचओ मैथिली गेएट लिने क इन्हेरिटन्के.  
(C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई नेरुद-लिके फुसिओन क रेवोलुटिओनर्य सँ एवेर्दय अछि देएप्लय कोन्सोनन्ट सँ व्फफ'स इन्सिस्टेन्के पर एक सोकिअल्लय एन्गगेद पोएटिक्स.  
(D) अद्विटिओनल्लय हे ब्रोटे हिन्दी सांगीतिक प्रोग्राम्मेस आ एक वेसें नाटक उट्टर विद्यापति लेल अकशवनि दर्भअन्ग.

५२. अध्याय ७३ (“रविन्द्र नथ ठाकुर”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?

- (A) सुन्ग लिने क इन्हेरिटन्के रविन्द्र नथ ठाकुर'स पहचान अस बोथ कवि आ मंच गायक कोन्नेक्ट्स हिम कैं ओल्देस्ट आ सभसँ कोन्टिनुओउस थरेअद मे मैथिली साहित्य: सुन्ग लिप्रेक.  
(B) आ लेल ई, क्नोविन्ग ब्रिटन इतिहास क से सिग्निफिएर अछि नेकेस्सर्य.  
(C) मैथिली गजल: लेखक होल्ड्स से “इन्वेन्टोर” क गजल'स सिग्नदुरे स्ट्यूले (टखअल्लुस) छल अक्टुअल्लय १४थ-केन्टुर्य मैथिली कवि विद्यापति. “ट्वो वोर्दस” (Dū ſअब्द) द्वारा छअत्रनन्द सिंह झा एमोटिओनल देथ: झा अछि देस्क्रिबेद अस एक “सेन्टिमेन्टल...  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गजेन्द्र ठाकुर थएओर्य, हिस्टोरिओग्रफ्य, प्लयिघट नव्य न्यवय क्रिटिकुए, रेविसिओनिस्ट इतिहास, मगिक रेअलिस्म.

५३. अध्याय ७७ मे “गगनोश गुन्जन झा” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?

- (A) भक्तिपरक गीत आ लोरी त्रिडिटिओन्स छथि/अछि ‘रेसिदुअल’, प्रक्टिकेस फोर्मेद मे पस्ट से सुर्विवे अस अक्टिवे एलेमेन्ट्स क प्रेसेन्ट सांस्कृतिक प्रोक्सेस, थओउघ थएय छथि/अछि नो लोन्गेर दोमिनन्ट सांस्कृतिक फोर्म.  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोम्प्युटेर ट्यूपेसेट्टिन्ग द्वारा गगनोश गुन्जन झा आ विनित ठाकुर.  
(C) गगनोस'स संकल्पना: क अवक्चएदकट्व (देलिमिटिओन वा कुअलिफिकटिओन) अछि प्रासंगिक कैं अनल्लिस्स क ठाकुर'स थएअट्रिकल मेथओद.  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पेफोर्मेटिवे एक्स्केल्लेन्के आ सहृदय फोल्लोविन्ग अध्याय २७ क Nāṭyaśāstra, समानान्तर रंगमंच मोवेमेन्ट देफिनेस सुक्केस क एक प्रदर्शन द्वारा एकर अबिलिट्य कैं त्रन्स्फोर्म् ौदिएन्के इन्टो सहृदय, थओसे सँ एक एम्पथएटिक...

५४. “शओनितयल पर्यर्क निशअन” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: गजल लिने क इन्हेरिटन्के (शओनितयल पर्यर्क निशअन) IX.  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर ओपेनिन्ग अध्याय (Nāṭyotpatti) एस्टब्लिशएस फिफ्थ वेद, वेद क नाटक, अस एक देमोक्रेटिक इन्स्टिटुटिओन: द्रव्न सँ फोउर एक्सिस्टिन्ग वेदस, Nāṭy वेद अछि एक्स्प्लिकिट्लय लेल सभ पेओप्ले, इन्क्लुदिना थओसे देनिएद अक्केस्स कैं ओथएर...  
(C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गयट्रि चअक्रवोर्ठ स्पिक्'स फोर्मुलटिओन 'कन सुबल्टेर्न स्पेअक?' (१९८८) रेसोनटेस पोवेर्फुल्लय सँ सांस्कृतिक प्रोजेक्ट क एन्टिरे पोथी.  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दुर्गनन्द मंडल: एक रेसेअर्चएर आ लेखक फोकुसेद पर मैथिली थएअटेर आ साहित्य.

५५. अध्याय ७८ मे “प्रोसे विसिओन” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: प्रोसे विसिओन (सोन्हुल इजोटबल खड्कि) XII.  
(B) थएरे छल एक टिमे व्हेन मैथिली द्रामटिक प्रदर्शन (मैथिली नटक क दग्दिगिअ) रेसोउन्देद अक्रोस्स सभ क भारत, एस्पेकिअल्लय मे नोर्थ भारत.' प्लय अछि प्रेसेन्टेद अस झा'स देफिनिटिवे क्लइम पर ई इन्हेरिटन्के.  
(C) ओने-अक्ट अल्सो लोओक्स फोर्वर्ड कैं फिल्म्मेकर प्रकश झा'स अक्टुअल एन्गगेमेन्ट सँ मैथिली/बिहर किनेमसिन्के प्रकश झा छल अमोन्ग सांस्कृतिक किर्त्त अरोउन्ड लल्लन प्रसाद ठाकुर.  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ग्रेअट कवि विद्यापति, प्रिओर कैं कवि-किन्ग ज्योतिरिशवर (क).

५६. “सियरम झा 'सरस'” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सटिरे आ बुलैस्कुए: मे “हे कवि कोकिल,” गोपेश उसेस एक वेस्टेर्न सटिरिकल लेन्स कैं देकोन्स्ट्रुक्ट “कवि-कुक्कोओ” (विद्यापति).  
(B) एपिस्टेमोलोगिकल रिगोउर गङ्गेअ देवेलोपेद देस्पिटे, आ पेर्हप्स बेकउसे क, ई मर्गिनलिजटिओन अछि मेथओदोलोगिकल्लय इल्लुमिनटिन्ग लेल किन्द क देमोक्रेटिक साहित्यिक क्रिटिकिस्म विदेह समीक्षात्मक फ्रमे अद्वोकटेस.  
(C) कथा शओव्स सिनिवस'स कपकित्य कैं रेन्देर स्त्री इन्टेरिओरिथ्य सँ एम्पथय.  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि कोन्सिस्टेन्ट सँ हुनकर जोउर्नलिस्टिक त्रइनिन्ग आ हुनकर रंगमंच बक्वगोउन्ड: बोथ अर्ट्स से प्रिविलेगे एक्स्टेर्नल, विसिब्ले, स्पेकेन.

**५७. अध्याय ७८ अनुसार, “सियरम झा 'सरस'” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से उसिना एक देकेष्टिवेल्य सिम्पले रिह्ले, ई एक्स्प्लोरेस: वेस्टर्न थएओर्य: डिफफ़रन्के, कोम्प्लोडिच फेटिशिज्म, पोस्टकोलोनिअल मिमिब्रय.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से भअरट'स इन्सिस्टेन्के से नाटक मुस्ट हो बोथ एन्टेर्टेइनिंग (बह्वद) आ इन्स्ट्रुक्टिवे (इडक़ा), से ई मुस्ट 'सेवें अस एक गुइदे कें पेओप्ले मे टिमे क ग्रिएफ, फटिगुए, वा सोर्रोव' (Nāṭyaśāstra १.१०६-१०७), अछि प्रेकिसेल्य प्रोग्रामे कमट'स...
- (C) प्रेफके सिटुअटेस कोल्लेक्टिओन इन्सिदे शास्त्रीय गेएट लिने क इन्हेरिटन्के हिले अस्सेटिंग एक वेर्नकुलर, देमोक्रेटिक सेन्सिबिलिटि.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कलियुगक निअए ( वेर्दिक्ट क कलि युग) कोल्लेक्टिओन'स फिनल कथा अछि एकर सभसँ म्यथओलोगिकल्लय अम्बिटिओउस.

**५८. अध्याय ८० सँ कोन विकल्प सही रूपें एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) नमे शअन्ति लक्ष्मि (पेअके + गोदेस्स क प्रोस्पेरिटि) एन्कोदेस त्रिदितिओनल मैथिली दुअल नमिना प्रक्टिके, बुट हुनकर साहित्यिक कृति स्स्टेमटिकल्लय इन्टेर्रोगटेस सामाजिक अस्सुम्प्टिओन्स एम्बेद्दे मे सुच त्रिदितिओनल इन्टेन्टिएस.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट टोदय, किएक दिद योउ नहि गिवे शएल्टेर कें ई त्रवेलेर?” मे राग कोलर (सँ विद्यापति पदवलि ओब्टइनेद सँ नेपाल): “हम एकसरि, पिअटम नहि गअम.” “टे मोहि तरटम देइटे थाम.” “I अम सभ अलोने, म्य बेलोवेद अछि नहि मे ...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्रमटिक स्ट्रुक्चरे आ संस्कृत पोएटिक्स Nāṭyaśāstra रेकोग्निसेस फिवे स्टगेस क द्रमटिक अक्टिओन (अवस्था): आरम्भअ (बेगिनिंग), यटन (एफफोर्ट), प्राप्ट्यासा (पोस्सिबिलिटि क अट्टइन्मेन्ट), नियटाप्टि (केटइन्टि क अट्टइन्मेन्ट), आ...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से होवेवेर, ओर्गनिजिटिओन'स कोन्फ्लटिओन क साहित्यिक अक्टिविटि सँ रेलिगिओउस/केरेमोनिअल ओब्सेर्वन्के अरोउन्ड विद्यापति रिस्क्स फ्रेएजिना मैथिली साहित्यिक पहचान मे एक मेडिएवल फ्रमे, इम्पेदिना रेकोग्निटिओन क आधुनिक आ समकालीन साहित्यिक...

**५९. अध्याय ८२ “डॉ. शइव कुमार प्रसाद” विषयमे मुख्य रूपें की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लोक धअर्म आ Nāṭyaśāstra'स सामाजिक रेगिस्टेर भअरट'स Nāṭyaśāstra स्टिपुलटेस से नाटक शओउल्ड सेवें धअर्म क लोक (पेओप्ले), ई शओउल्ड इन्स्ट्रुक्ट, एन्टेर्टेइन, आ रेफोर्म.
- (B) अन्यओलोग्य'स एडिटोरिअल फ्रमे (द्वारा मल झा आ विभअ झा) रेप्रेसेन्ट्स एक प्रमुख अक्ट क फेमिनिस्ट साहित्यिक रेकोवेर्य, अनलोगोउस कें कृतिसभ लिंके गिल्बर्ट आ गुबर'स मद्रोमन मे अट्टिक (१९७९) मे वेस्टर्न फेमिनिस्ट समीक्षात्मक लिने क इन्हेरिटन्के, वा सुसिए...
- (C) एअलर्न्य मेडिएवल स्क्वएसिस: सिद्धअचअर्यस आ नथअ कुल्ट एअर्लिअस्ट रेकोर्देड स्पेकिमेन्स क मैथिली छथि/अछि फोउन्ड मे चअर्यपदस, म्पिस्टकल गीतसभ क बुद्धइस्ट सिद्धअचअर्यस कोम्पोसेद बीच ८थ आ १२थ केन्टुरिएस.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रसाद अछि बेएन एक कोन्ट्रिबुटोर अक्रोस्स मुल्टिप्ले देकदेस क ई अभिलेख, अप्पेअरिंग मे इस्सुएस अस एअलर्न्य अस इस्सुए १४ आ कोन्टिनुइंग द्वारा वय क इस्सुए ३७ आ ब्रोअदेर ४३८-इस्सुए रुन.

**६०. अध्याय ८२ “डॉ. शइव कुमार प्रसाद” विषयमे मुख्य रूपें की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुद्धइस्ट फोउन्डिओन्स, ५० चअर्यपदस क २३ सिद्धअ कविसभ (लुइपद, कन्हपद, सरह आ ओथएस) छथि/अछि ट्रेअटेद अस टुए रोओट्स क मैथिली लिग्रक, नहि एक पेरिफएरल कुरिओसिटि.
- (B) हुनकर समीक्षात्मक निबंध पर दलित साहित्य एक्स्प्लिकिट्लय इन्टेर्रोगटेस पोलिटिकल एकोनोम्य क भाषा आ कनोन-फोर्मिटिओन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से डिस्क्रिप्लेस आ स्कोफअन्ट्स क एडिटोर्स क कथा, पोएट्र्य, नाटक, निबंध कोल्लेक्टिओन्स एअसिल्य गेट एक प्लके मे सभ-टिमे कोल्लेक्टिओन क मैथिली.
- (D) थएसे प्लय्स छल इन्टेन्देद लेल कोम्मोन लोक, उसिना एक स्ट्रिलिजेद मिक्स क संस्कृत, प्रक्रिट, आ मैथिली गीतसभ.

**६१. अध्याय ८३ अनुसार, “शइव कुमार झा 'टिल्लु’” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि की अनन्दवर्धअन कल्लस अलम्कर-धवनि, रेसोनन्के प्रोदुकेद द्वारा एक इरोनिक डिस्प्रोपोर्टिओन बीच सुर्फके आ देप्य, बीच की अछि शओव्न आ की अछि सुग्गेस्टेद.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शैलेन्द्र मिश्र बसेस हुनकर अनल्यिसस पर ट्वो पोथीसभ, मिथिला रिसिना आ अर्थटन्त्र O भरशटचअर, आ कोन्क्लुदेस से झा'स ब्रेअदथ क विसिओन एन्कोम्पस्सेस एवेयर्थइंग सँ डिस्ट्रिक्टलेवेल् इन्डुस्ट्र्य कें नटिओनल पोलिटिकल अनल्यिसस.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्के) देफिनेस नाटक द्वारा वय क एकर सिक्स कोन्स्टिटुएन्ट एलेमेन्ट्स: म्यथओस (प्लोट), एथओस (चअरक्टेर), दिअनोइअ (थओउघट/थएमे), लेक्सिस (भाषा/दिक्टिओन), मेलोस (गीत/संगीत), आ ओप्सिस (स्पेक्टक्ले).
- (D) पोएम्स अबोउट कस्टे, 'द्विजक मुहइअय सन्सना / अचओप सोओटि कहिट' (' थरेअद क ट्विके-बोर्न, अलोन्सिदे / उन्टोउचअब्ले'स ब्लोओद फ्लोविना...'), देप्लोय एक बिट्टेर, कोन्डेन्सेद इरोन्य से रेकल्लस दलित साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के'स रेफुसल क...

**६२. अध्याय ८४ “हम कहि दइत चा” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से उल्लिके कोउटल्य द्रमस क नेपाल, थएसे प्लयस छल इन्टेन्डेद लेल प्रोमोटिओन क वइशनव रेलिगिओन अमोन्ग मस्सेस, स्पेकिफिकल्लय फोकुसिन्ग पर वट्सल्य लेएल (चइल्यूद स्पोर्ट्स) क क्रिशन.
- (B) उपन्यास अप्पेअर्स कैँ हो एक सुस्टइन्डे मेडिटिओन पर ई दिअलेक्टिक क रोओटेडनेस्स आ मोबिलिटि.
- (C) हुनकर सदेह ७ कोन्ट्रिबुटिओन एस्टब्लिशएस हुनकर रनो इम्मेडिएटल्य: GAT (गीत), Ājāad गजल १-३ (थरेए फ्रेए घअजल्स), हम कहि दइत चा (I विल्ल/दो सय ई, एक अस्सेटिओन क स्वर), आ स्वाकवोक्टि.
- (D) प्रोलिफेरिटिओन क मैथिली पोएट्र्य, ओवेर ५०० कोल्लेक्टिओन्स मे फिर्स्ट देकदे क केन्ट्र्य अलोने, छल एक टेस्टमेन्ट कैँ सुक्केस्स क मोवेमेन्ट हे हेल्पेद लेअद.

**६३. “सिजन शाखअर 'अज्जेय', अछए लाल शअस्ट्रि, अनमिक रज, अनिल मल्लिक, अग्नेन” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हबेर्म्स होल्ड्स से देमोक्रेटिक पुब्लिक लिफे रेकुइरेस एक फुन्किटिओनिन्ग पुब्लिक स्फएरे, एक दोमइन क कोम्मुनिकटिवे अक्टिओन मे कोन कितिजेन्स डिस्कस्स मट्टेर्स क कोम्मोन कोन्केर्न द्वारा वय क रेअसोन-गुइदेद डिस्कोउर्से रथएर थअन द्वारा वय क पोवेर वा...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क R I T I C एक L एक S S E S S M E N T जिटेन्द्र कुमार झा 'Jitū' ओक्कुपिएस एक स्पेकिफिक आ विटल पोसिटिओन इन्सिदे विदेह समानान्तर इतिहास'स दोकुमेन्टिओन क मैथिली सांस्कृतिक लिफे: अस पत्रिका'स जनकपुर कोर्रेस्पन्डेन्ट लेल रंगमंच...
- (C) अदप्टेद कैँ मैथिली पोस्टपोसिटिओन्स (ए.ग., -के, -ए); रेसोनटेस सँ टेक (रेफ्रइन) लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली भक्तिपरक संगीत.
- (D) हुनकर सदेह ३४ पिएके 'रिपॉर्ज' (प्रतिवेदन), एक मैथिली लघु फिक्टिओन पिएके सँ एक अंग्रेजी/हिन्दी-ओरिगिन टिट्ले, अछि फोर्मल्लय इन्नोवटिवे मे उसिन्ग बुरैक्राटिक-जोर्नलिस्टिक गेन्ने ('प्रतिवेदन') अस एक साहित्यिक फ्रमे लेल फिक्टिओन, क्रेअटिन्ग एक दोकुमेन्ट-फिक्टिओनल ट्विब्रद.

**६४. अध्याय ८५ “नेव क्रिटिकिस्म” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) स्टुद्य अप्लिएस बोथ वेस्टेर्न समीक्षात्मक फ्रमेवोर्कस, इन्क्लुदिन्ग नेव क्रिटिकिस्म, नरटोलोग्य, पोस्टकोलोनिअल थएओर्य, आ फेमिनिस्ट क्रिटिकिस्म, आ इन्डिअन थएओरेटिकल त्रिडिटिओन्स, फोरेमोस्ट अमोन्ग थएम रस-ध्वनि अएस्थएटिक्स आ, केन्त्रल्लय, नव्य न्यय...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर ३६ अध्यायसभ कोवेर द्रमटिक कोम्पोसिटिओन, स्टगेक्रफ्ट, संगीत, नृत्य, गेस्टुरे स्ट्रटेम्स, चअरक्टेर ट्यप्स, एमोटिओनल थएओर्य, आ थएअट्रिकल अएस्थएटिक्स सँ एन्क्वल्पोपएदिक कोम्प्रेहेन्सिवेनेस्स.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एअच कृति सेर्वेस अस एक टेस्ट कसे लेल मोवेमेन्ट'स थएओरेटिकल स्ट्रथएसिस.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मनु'स १०१-गजल कोल्लेक्टिओन मे मुल्टिप्ले बहस अछि प्रोओफ क ई मस्टेर्स.

**६५. “शइव्शअन्कर सिनिवस” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सांगीतिक कृतिसभ: मैथिली भक्तिपरक गीतसभ, लोक कोम्पोसिटिओन्स, मंच पेफोर्मन्केस अर्चइवल रेकोग्निटिओन: विदेह मैथिली पोथा अभिलेख (विदेह.को.मे/पोथइ.ट्टम) स्टटे रेकोग्निटिओन: कोन्डोलेन्के द्वारा चइएफ मिनिस्टर निटिश कुमार क बिहर...
- (B) फके-एम्पथय पपेर'स अनल्लिस्स क केना मैथिली अग्नेएमेन्ट एन्कोदेस सामाजिक हिअरच्य कन हो रेअद, सँ एक अलार्मिन्ग पेस्पेक्टिवे, अस एक अनल्लिस्स क सामाजिक रस क मैथिली उट्टेन्केस: अग्नेएमेन्ट मोर्फओलोग्य सिग्नल्स नहि जुस्ट ग्राम्मटिकल रेलटिओन्स बुट...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रम प्यरि देवि, कैँ कोम हे अट्टिबुटेस हुनकर एअर्लिअस्ट कथा-लिस्टेनिन्ग आ स्टोर्टेल्लिन्ग इन्स्टिन्क्ट्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'कन सुबल्टेर्न स्पेअक?' मे मक्विस्म आ इन्टेप्रेटिओन क संस्कृति.

**६६. अध्याय ८५ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे कोम्प्लेटेद हुनकर M.एक. आ फ.D. आ वेन्ट पर कैँ सेर्वे अस एक लेक्चुरेरे मे मैथिली.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से होवेवेर, मे सोमे नोर्थएर्न बिहर डिस्ट्रिक्ट्स, अस वेल्ल अस मे विल्लगेस क भअगलपुर, पुर्निअ, आ ओथएर्स, ई अछि स्टिल्ल वलुएद टोदय.
- (C) झा'स ग्रेअट कोन्ट्रिबुटिओन अछि अप्लिकटिओन क गदवधअर'स विडएडअ-विडएडय-भवव (कुअलिफिएर्कुअलिफिकन्ड रेलटिओन) कैँ इतिहास.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लेल नाटक: थएअट्रिकलिट्य, अक्टिन्ग, संगीत, दिअलोगुए, ौदिएन्के रेलटिओन्शइप.

**६७. अध्याय ८५ (“शइव्शअन्कर सिनिवस”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककैँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) मे भओजपुरि, भइखअरि ठाकुर पेफोर्मैद ई रोले द्वारा वय क नाटक आ गीत.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोन्टइन्स विदेल्स-दिस्कस्सेद कथा "सिनुर्हर," त्रन्सलटेद द्वारा गजेन्द्र ठाकुर इन्टो अंग्रेजी.
- (C) मे स्पेकिअल इस्सुए ३४८, देदिकटेद कैँ रबिन्ध्र नथ ठाकुर, एदितोरिअल बोअर्ड प्रोविदेस एक देडइलेद क्रिटिकुए क टेचनिकल अस्पेक्ट्स क समकालीन गजल त्रिटिन्ग.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से टेचनिकल अर्चइटेक्चुरे आ मुल्टिमेडिअ संरक्षण टेचनिकल इन्फ्रस्ट्रक्चुरे क विदेह समानान्तर ौदिओ विदेओ अभिलेख अछि देसिग्नेद कैँ अद्वेस्स स्पेकिफिक नेएड्स क एक लोव-रेसोउर्के भाषा किले एन्सुरिन्ग मक्विस्म अक्केस्सिबिलिट्य लेल...

**६८. “गुन कथअ” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) नट्यशस्त्र'स अनलिसिस क मेल (सांगीतिक अस्सेम्ब्लि) आ फुन्किटोन क गीत (गन) इन्सिदे नाटक एस्टब्लिशएस थएओरेटिकल बसिस लेल उन्देस्टैन्दिना गेएट अस एक रस-प्रोदुकिना फोर्म.
- (B) ओम्पिकिअल PIB किटटिओन लेल अवर्द देस्क्रिबेस हुनकर अस फोल्लोव्स: "बोर्न पर २९ सेप्टेम्बेर १९४८ मे बिहार, प्रेमलट मिश्र अछि कोन्सिदेरेद एक पिओनेएर क मैथिली रंगमंच.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क गुन कथअ (२०१४), कथा क कुअलिटीएस / मेरिट ई कोल्लेक्टिओन एक्स्प्लोरेस की ई मेअन्स केँ अछि आ केँ लोसे मोरल कुअलिटीएस (गुन) मे एक मर्केटिसेद वोल्ड.
- (D) अस इसेर'स रेअदेर-रेस्पोन्से थएओर्य प्रेदिक्ट्स, ई इम्प्लिएद रेअदेरशुप शअपेस टेक्स्ट: देस्क्रिप्टिओन्स क गाम छथि/अछि त्रिट्रेन केँ अक्टिवेटे एक स्पेकिफिक “होरिजोन क एक्स्पेक्टिओन” (जउस्स), नोस्टलिज क पेओप्ले के रेमेम्बेर गाम सँ चइल्हूद वा परिवार...

**६९. अध्याय ८६ अनुसार, “रम्लोचन ठाकुर” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) मे मैथिली लोक टलेस कोम्पिलेद द्वारा रम्लोचन ठाकुर, कोन वे अछि मदे बसिस क ई वेर्य ब्रिएफ स्टुड्य, थएरे छथि/अछि वेर्य फेव ौथएण्टिक मैथिली लोक टलेस.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बोअल'स दिस्टिन्क्टिओन बीच 'अरिस्टोटेलिअन' रंगमंच आ 'ओप्प्रेसेद' रंगमंच (कोन मकेस स्पेक्टोर प्रोटगोनिस्ट) रेसोनटेस स्ट्रोन्ग सँ ठाकुर'स थएअट्रिकल प्रोजेक्ट.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सांगीतिक कृतिसभ: मैथिली भक्तिपरक गीतसभ, लोक कोम्पोसिटिओन्स, मंच पेफोर्मन्केस अर्चइवल रेकोग्निटिओन: विदेह मैथिली पोथा अभिलेख (विदेह.को.मे/पोथइ.हट्म) स्टेट रेकोग्निटिओन: कोन्डोलेन्के द्वारा चइएफ मिनिस्टर निटिश कुमार क बिहार...
- (D) थएओर्य क पेर्सेप्टिओन पेर्सेप्टिओन आ सेल्फ गान्गोड'स अक्कोउन्ट क पेर्सेप्टिओन अछि एम्बेदेद मे एक रिच मेटफक्सिक्स क मिन्द आ सेल्फ.

**७०. “सुभअश चअन्द्र यदव” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) क्रिसिस क मैथिली मे युग क ग्लोबलिजटिओन, शिशु/बाल के स्पेअक मैथिली अट होमे बुट त्रिट्रे मे अंग्रेजी, मोथएर्स के कन्नोट टेअच हुनकर शिशु/बाल केँ रेअद मे हुनकर मोथएर टोन्गुए, अछि ट्रमटिजेद सँ एलेगिअक प्रेकिसिओन मे 'छउट्टिइक एक दिन', केरे ...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ पेर्सपेक्टिवे क अभइनवगुट'स ध्वनि थएओर्य, व्यन्ज (सुग्रेस्टेद मेअनिना) क थएसे गीतसभ ट्रन्स्केन्ड्स लिटेरल नर्रटिवे क एक स्त्री वइटिना लेल एक मिग्रन्ट हुस्बन्द.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सोमे (मैथिली) साहित्यिक फिगुरेस कल्ल ओउर एम्फअसिस पर ई बिन्दु एक अट्टेम्प्ट केँ फ्रग्मेन्ट साहित्य, बुट ओउर प्रिओरिटि अछि मैथिली, मैथिली साहित्य मोवेमेन्ट; इफ ई भाषा अछि छिन्ना, थएन की अछि उसे क देस्ट्रुक्टिवे...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लेल ट्रन्सलटेद साहित्य: लेवेल क एकुइवलेन्के बीच स्रोत भाषा आ टर्गेट भाषा.

**७१. अध्याय ८८ “दुशअन पंजी” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) विदेह मैथिली नट्य उट्सव, समानान्तर रंगमंच अभिलेख थइर्द ओर्गनिजटिओन अद्वेरेस्सेद मे एक विदेह स्पेकिअल प्रकाशन अछि नहि एक ओर्गनिजटिओन पेर से बुट एक मोवेमेन्ट: मैथिली समानान्तर रंगमंच लिने क इन्हेरिटन्के, दोकुमेन्टेद मे विदेह मैथिली नट्य...
- (B) मे ई दुशअन पंजी, थएरे छल त्रिट्रेन रेकोर्ड्स क ब्रह्मिन्स मर्यिन्ना ओथएर कस्टेस, एस्पेकिअल्लय दलिट्स आ मुस्लिम्स, वा मर्यिन्ना अफ्टेर हुस्बन्द'स देअथ.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गोहरगनेश सटिरे (व्यन्ज) सटिरिकल कोल्लेक्टिओन; टिट्ले इन्वोकेस कोमिक अर्चएट्ये 'गोहर गनेशअ'; अनल्यसेद विदेह ३५८ प्प.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बेसी पोलिटिकल्लय चअर्गेद अछि हुनकर निरूपण क रेशम-चउहर्मल: एक क्रोस्स-कस्टे लोवे कथा बीच एक दुग्धवन्शइ दुसध मन आ एक भउमिहर ब्रह्मिन् स्त्री, “ विएवोइन्ट क त्रम्प्लिना लोवे उन्देर कस्टे स्यस्टेम क समाज अछि ब्रोकेन मे...

**७२. अध्याय ८८ “प्रेम ने बतइ उपजय” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से योउ छथि/अछि रिघट, ई एक्स्केप्ट अछि सँ सभसँ उचित मैथिली लोवे कथा, 'प्रेम ने बतइ उपजय'.
- (B) अनुमव्न (इन्फेरेन्के): दिअग्नेस्टिक आ समीक्षात्मक पोएम्स, 'अड्डुअट विकवसक रस्टा', 'फअलव मिह वकाल हाकिम', मोवे सँ ओब्सेर्वन्ले स्प्यटोम्स ( पोलिटिकिअन'स बेहविओउर, अद्विनिस्त्रटोर'स इन्दिफेरेन्के) केँ इन्फेरेद स्ट्रुक्चुरल कउसेस (स्यस्टेमिक कोर्रुप्टिओन, ...
- (C) कोल्लेक्टिओन'स मस्टेर्पिएके (मस्टर-पिएके) अछि इन्टेन्सिफिद द्वारा रकेश अस 'अन्नधअन लक्ष्मि', एक कथा क एक रुरल स्त्री मदे प्रेगनन्ट द्वारा वय क देकेप्टिओन, अबन्दोनेद, आ थएन विक्टिमिसेद अगइन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लेल नाटक: थएअट्रिकलिट्य, अक्टिना, संगीत, दिअलोगुए, ौदिएन्के रेलटिओन्शइप.

**७३. अध्याय ८९ अनुसार, “टरनन्द वियोगि” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) सिग्नदुरे देविके, 'कमल' अप्पेअरिना मे पेनुलिटमटे लिने क एअच भक्तिपरक गीत, अछि एक शास्त्रीय कोन्वेन्टिओन गोइना बक्क केँ विद्यापति: कवि'स नमे-सिग्नदुरे (भअनिट) से रेकोमिसेस कोम्पोसिटिओन आ सिमुल्टेनेओउसल्य सेवेस अस कवि अस देवोटेए...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वेस्टर्न समीक्षात्मक थएओर्य ग्राम्स्कि & स्पिक्क: वियोगि चअल्लेनोस ब्रह्मिनिकल सांस्कृतिक हेगेमोन्य.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि कम एक द्रमटिक फइलुरे थअन एक स्ट्रटेगिक चओइके अप्प्रोप्रिअटे केँ गाम-मंच सन्दर्भ आ एकर सामाजिक फुन्किटओन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पहचान: स्पेकिफिक मेन्टिओन क दर्भअन्ग आ लोकल पोस्ट ओफ्फिकेस अन्वओर्स "उनिवेर्सल रम" इन्टो एक "लोकल मिथिला," एक हल्लमर्क क विदेह समीक्षात्मक फ्रमे केँ रे सक्नेद गेओग्रफय अछि सुपेरिम्पोसेद ओन्टो गाम.

**७४. “डॉ. उमेश मंडल” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हेट्वॉभवास (लोगिकल फल्लकिएस): अनल्यिसस क हेट्वॉभवास (प्सेउदो-रेअसोन्स) अछि अप्पिलएद केँ क्रिटिकुए स्ट्रुक्चुरल फल्लस क त्रिदिटिओनल द्रमस.
- (B) हइकु आ टन्क सेकुएन्केस छथि/अछि पर्टिकुलरल्य इन्टरेस्टिन्ग मे ई रेगर्ड: थएसे फोर्म्स, बोरोवेद सँ जपनेसे लिने क इन्हेरिटन्के बुट नटुरलिसेद इन्टो मैथिली, पेफोर्म एक किन्द क फोर्मल कोम्पेस्सिओन से एनक्व्स कवि'स ओव्न सिटुअटिओन, एक स्वर...
- (C) वोकबुलर्य अध्यायसभ क ग्राम्मर छथि/अछि देस्क्रिप्टिवे रथएर थअन व्यापक.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सरस'स शिशु/बाल'स गीतसभ एक्स्प्लोइट फुल्ल रन्गे क फओनेटिक रेसोउर्केस अवइलब्ले मे मैथिली: रेट्रोफ्लेक्स कोन्सोनन्ट्स से अछि नो एकड्वलेन्ट मे ओथएर इन्टो-अर्यन लन्गुअगेस, दिस्टिन्क्टिवे वोवेल कुअलिटिएस, चअरक्टेरिस्टिक...

**७५. अध्याय ९१ (“उमेश पस्वन”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) मैथिली लोक गीतसभ झा दोकुमेन्ट्स फल्ल स्कुअरेल्य इन्सिदे सभ फिवे क थएसे कटेगोरिएस सिमुल्टेनेओउसल्य: थएय छथि/अछि मौखिक एक्स्पेस्सिओन्स, पेफोर्मिन्ग अर्ट्स, सामाजिक प्रक्टिकेस/रिटुअल्स, आ क्नोव्लेद्रे अबोउट नटुरे आ उनिवेर्से.
- (B) मिथइलअक नअरि ( स्त्री क मिथिला) ई पोएम अद्रेस्सेस गेन्द्रे इन्सिदे स्पेकिफिक सांस्कृतिक सन्दर्भ क मिथिला, एन्गगिन्ग सँ कोम्प्लेक्स सामाजिक पोसिटिओन क मिथिला'स स्त्री, केलेब्रेटेद मे शास्त्रीय साहित्य आ लोक गीत, येत सुब्जेक्टेद केँ समे...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हेट्वॉभवास (लोगिकल फल्लकिएस): अनल्यिसस क हेट्वॉभवास (प्सेउदो-रेअसोन्स) अछि अप्पिलएद केँ क्रिटिकुए स्ट्रुक्चुरल फल्लस क त्रिदिटिओनल द्रमस.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोन्क्लुसिओन्स आ फुटुरे ओउट्लोओक विदेह सदेह सेरिएस (१-३७) रेप्रेसेन्ट्स एक देफिनिटिवे टुर्निन्ग बिन्दु मे मैथिली साहित्यिक इतिहास.

**७६. अध्याय ९२ अनुसार, “स्वरसभ सँ मिथिला” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) झा छल अवइलब्ले केँ दो DTP), आ भाषा क उपन्यास बेअर्स त्रकेस क नोर्थएअस्ट लिन्गुइस्टिक एन्विरोन्मेन्ट.
- (B) प्रेफके अल्सो उल्लेख करैत अछि से “द्वारा वय क ई सभ शिशु'स इमगिनटिवे अबिलिट्य कन इन्क्रेअसे, आ अट समे टिमे इमगिनटिओन कन बेकोमे एक लिटेरल रेअलिट्य” (त्रन्स. सँ मैथिली).
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्के-२०० CE), एक व्यापक ट्रेअटिसे पर द्रमटिक कोम्पोसिटिओन, प्रदर्शन, स्टगिन्ग, संगीत, आ नृत्य.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे दोएस नहि मेरेल्य त्रिटे अबोउट मिथिला पेअसन्ट कोम्मुनिट्य; हे कृतिसभ पर बेहल्फ क से कोम्मुनिट्य'स सांस्कृतिक सुर्विवल आ रेकोमिनिटिओन, द्वारा वय क एवेर्य रेगिस्टर क हुनकर अक्विटिविट्य.

**७७. अध्याय ९२ (“स्वरसभ सँ मिथिला”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) मे भवग रउ, मंच दिरेक्टिओन्स एक्स्प्लिकिटल्य इन्विटे ौदिएन्के इन्टो द्रमटिक अक्विटिओन: एक 'दरइअक' (स्पेक्टोर) चअरक्टेर अछि लिस्टेद मे द्रमटिस पेसोर्नए आ देलिवेर्स लिनेस सँ इन्सिदे ौदिएन्के स्पेके.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से त्रिटिन्ग सँ जनक्पुर्धअम अछि थएरेफोरे सिमुल्टेनेओउसल्य एक मर्गिनलिसेद गेओपोलिटिकल अक्वट (ओउट्सिदे सहित्य अकदेमि'स इन्दिअन पुर्विएव) आ एक कुल्टुरल्ल्य केय ओने (अट हेअर्ट क मैथिली किविलिसिटिओनल मेमोर्य).
- (C) रेकुर्निंग फिगुरे क एदुकटेद योउन्ग स्त्री, अन्किट मे 'छउट्टिइक एक दिन', चअरक्टेर्स मे 'खउशीक नअम जिवन', के नविगटेस इन्टेर-कस्टे मर्रिअगे, लिन्गुइस्टिक पहचान, आ प्रोफेस्सिओनल अम्बिटिओन अछि अशओक'स कोन्ट्रिबुटिओन केँ अभिलेख क 'नेव...
- (D) १८ कथासभ इन्क्लुदे "मटब्बर" ( टिट्ले कथा), "दस्खअट" (सिग्नदुरे), "कोथअ" (रोओम/मन्सिओन), "सेएबन रजकक हिटचइन्टक" (वेल्ल-विशएर क सेएबन वशएर्मन), "महतो," "रग-विरअग," आ "रअन्द" (विदोव).

**७८. “स्वरसभ सँ मिथिला” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से जइ मिथिला, जइ मिथिला धाम, प्रनम', I अम मइथइल, I विल्ल लिवे मे मिथिला आ सुर्वि एवेन पर पोरो सअग (एक हुम्बले विल्द वेगेटब्ले).
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बेचअन ठाकुर होल्ड्स फोर्मल एडिटोरिअल पोसिटिओन क 'सम्पादक: नटक-रन्मन्चअलचइत्र' (सम्पादक, नाटक-रंगमंच-किनेम) क विदेह एजोर्नल, एक रोले से देखबैत अछि हुनकर इन्स्टिटुटिओनल केन्त्रलिट्य केँ विदेह मोवेमेन्ट.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्रेचट'स एपिक रंगमंच बेटोल्ड ब्रेचट'स वेफ्रैम्डुनसेफेक्ट (अलिऐनटिओन एफफेक्ट, V-एफफेक्ट) सेएक्स केँ प्रेवेन्ट ौदिएन्के सँ इदेन्टिफिन्ग एमोटिओनल्लय सँ चअरक्टेर्स सो से थएय कन मइन्टइन समीक्षात्मक दिस्टन्के आ रेकोग्निसे सामाजिक...
- (D) नछअरि गीतसभ छथि/अछि प्रिमरिल्य हस्य रस (कोमिक) सँ एक उन्देटोने क अड्डउट (वोन्देर अट शइव'स परदोक्सिकल नटुरे).

**७९. अध्याय १३ अनुसार, “बुद्धइस्ट चअर्यपद” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) रस अछि प्रेदोमिनन्टल्य करुण, सँ मोमेन्ट्स क वार केन चअरक्टेर्स अस्सेर्ट स्मल्ल दिग्निटिएस अगइन्स्ट लर्गे फोर्केस.
- (B) त्रगिक एन्दिनग क हमर टोल अछि अल्सो लुक्कसिअन मे एकर रटिओनले: ग्रेअट रेअलिस्ट उपन्यास दोएस नहि इम्पोसे एक फल्से रेसोलुटिओन बुट त्रकेस कोन्त्रादिक्टिओन्स क सामाजिक लिफे केँ हुनकर अक्टुअल ओउटकोमे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई समीक्षात्मक फ्रमे रेकोग्निसेस निने दिस्टिन्क्ट लयेर्स क हिस्टोरिकल सुप्प्रेस्सिओन, इन्क्लुदिनग बुद्धइस्ट चअर्यपद फोउन्डटिओन्स आ कोन्ट्रिबुटिओन्स क नेपल्सिदे मैथिली कोम्मुनिट्य.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गजेन्द्र ठाकुर'स एडिटोरिअल इन्ट्रोडुक्टिओन केँ विदेह ३४८ रूपरेखा बनबैत अछि ई अस देफिनिन्ग इन्टेल्लेक्टुअल चअल्लेन्गे क स्पेकिअल इस्सुए: किएक छथि/अछि ठाकुर'स गीतसभ ग्रेअट, आ की एक्सक्लुसिव मकेस थएम मंच-वोर्थय?

**८०. “ विदेह समानान्तर ौदिओ विदेओ अभिलेख” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि कोन्सिस्टेन्ट सँ हुनकर जोर्नलिस्टिक त्रइनिंग आ हुनकर रंगमंच बक्वगोउन्ड: बोथ अर्ट्स से प्रिविलेगे एक्स्टेर्नल, विसिब्ले, स्पेकेन.
- (B) धअनुखइ इन्स्क्रिप्टिओन, फोउन्ड पर एक स्टोने स्लब अट्टचएद केँ एक वेल्ल नेअर जनकपुर, त्रकेस एक लिने क गांगेड'स पुपिल्स ओवेर सेवेन गेनेरटिओन्स दोव्न केँ भअगारथअ तहकुर (पल).
- (C) हिस्टोरिकल्लय इदेन्टिफिएद सँ अन्किएन्ट किन्डोम क विदेह, होमेलन्ड क सिट आ इन्टेल्लेक्टुअल क्रद्ले क नव्य न्यव्य स्कुल क लोगिकमिथइल अछि लोन्ग बेएन एक केन्टेर क इन्दिअन किविलिजटिओन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब इ ओ ग र एक प ह इ क एक ल I न ट र ओ द उ क ट इ ओ न: S इ य एक र एक म J ह एक ' S एक र एक स 'L इ फ ए एक न द C ओ न ट ए क स ट सियरम झा 'सरस' अछि एक सेनिओर मैथिली गीतकार, कवि, आ साहित्यिक अक्विविस्ट व्होसे क्रेअटिवे करेएर स्पन्स सेवेरल देकदेस...

**८१. अध्याय १४ “नथ ठाकुर गीत” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रविन्द्र नथ ठाकुर गीत/नाटक कोन्फेरेन्ट टिट्ले "अभइनव विद्यापति"; त्रन्स्फोर्मेट मैथिली प्रदर्शन संस्कृति.
- (B) मिट्टले अनुभाग क कोल्लेक्टिओन मोवेस इन्टो सामाजिक पोएट्र्य. "दल दल्ल मेइन नेट उपर" (लेअदेर्स फ्लोअट पर स्वम्प) देप्लोय्स शास्त्रीय रस क बिभअट्स (दिस्गुस्ट) अस एक पोलिटिकल इन्स्ट्रुमेन्ट, एक स्त्रटेग्य कोन्सोनन्ट सँ भअरट'स एडिथ रस बुट ररेल्य...
- (C) अशइश अन्चइन्हेर: सभसँ थएओरेटिकल्लय अम्बिटिओउस निबंध, उसिन्ग मेटफोर क 'मल्लुट्रिटिओन' केँ अर्गुए से झा'स कृति अछि इन्दिस्पेन्सब्ले बुट इन्सुफिफिएन्ट, आ से रेस्पॉन्सिबिलिट्य लेल थइन्नेस्स क एकोनोमिक-त्रिटिन्ग लिने क इन्हेरिटन्के लिएस सँ ...
- (D) अप्प्लियन्ग नव्य-न्यव्य अवक्चएदक सँ प्रेक्सिओन: राय'स साहित्यिक सिग्निफिकन्के अछि लिमिटेड द्वारा (अवक्चइन्न द्वारा) दोमइन क मैथिली समानान्तर-देमोक्रेटिक लिने क इन्हेरिटन्के, इन्सिदे कोन ई अछि सुब्सटन्टिअल, आ नहि येत फुल्लय रेगिस्टेरेड मे ब्रोअदेर...

**८२. “ एपिस्टेमोलोग्य क परल्लेलिस्म” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ रस पेस्पेक्टिवे, वेश-भउशअ लिने क इन्हेरिटन्के अछि दिरेक्ट्लय कोन्नेक्टेड केँ अभइनय (एक्स्प्रेसिवे प्रदर्शन) दिमेन्सिओन क शास्त्रीय इन्दिअन अएस्थएटिक्स.
- (B) स्कुल'स सुब्सकुएन्ट फिगुरेस Vअकस्पटि मिडर II, रघउनवथअ ईड्रोमइ, मथउरववथअ टर्कववगाडअ एलबोरेटेड ई अप्परटुस इन्टो सभसँ टेचनिकल्लय प्रेक्सिसे स्स्टेम क एपिस्टेमोलोगिकल अनल्लिसस मे इन्दिअन लिने क इन्हेरिटन्के.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से येत टेक्स्ट इट्सेल्व नेवेर त्रन्सलटेस गीतसभ इन्सिदे प्लय; मैथिली ओरिगिनल अछि प्रेसेन्टेड, आ "मेअनिन्ग" अछि प्रोविदेड मे मैथिली प्रोसे.
- (D) रस थएओर्य अप्प्लिकटिओन हेरे अछि ओने क सुस्टइनेद करुन-रस (सोरोव): निबंध रेकोग्निसेस दोमिनन्ट एमोटिओनल रेगिस्टेरेड क पोवेर्त्य-नाटक कोर्पुस अस एलिकिटिओन क कोम्पस्सिओन आ ग्रिएफ मे ौदिएन्के, कोम्बिनेद सँ की भअरटमुनि'स...

**८३. अध्याय १६ (“ एपिस्टेमोलॉजी क परल्लेलिस्म”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क ओ न क ल उ स इ ओ न: T ह ए L इ ग ह ट ट ह ए एक ग ए C एक स ट स एक समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन मुस्त कनोव क्लेन कें स्पेअक आ क्लेन कें स्टोप.
- (B) मैथिली गोट-नटिक (सांगीतिक नाटक / ओपेरेट्स) सभअगछइ, एक सांगीतिक प्लय बुइल्ट अरोउन्ड एक कोम्युनिटी अस्सेम्ब्लय (सभअ).
- (C) अक्ट क रेअदिना: एक थएओर्य क अएस्थएटिक रेस्पोंसे.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई ओब्लिकुइटी अछि नहि ओब्सकुरिटी बुट एक हेइघटेनेद एक्स्प्रेसिवेनेस से ओपेन्स भाषा कें मुल्टिप्ले मेअनिन्स सिमुल्टेनेओउसल्य.

**८४. अध्याय १६ “देडइलेद अनल्यिसस” विषयमे मुख्य रूपें की बल दैत अछि?**

- (A) अस विदेह'स ओव्न मोटो, कुओटिन्ग रोबर्ट लोउइस स्टेवेन्सन, स्टेटेस: "दो नहि जुद्धे एअच दय द्वारा फसल योउ रेअप बुट द्वारा सेएड्स से योउ प्लन्ट."
- (B) प्रेफके पोसिटिओन्स परिवर इन्सिदे लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली परिवार नरंतिवे, किटिन्ग नेएद कें प्रेसेर्वे परिवार मेमोर्य अगइन्स्ट एरोसिओन क मोदेर्निटी आ मिग्रटिओन.
- (C) थएसे पोएम्स छथि/अछि फोर्मल्लय सभसँ त्रिडिटिओनल मे कोल्लेक्टिओन, थएय एम्प्लोय गाट फोर्म सँ एकर रेफ्रइन्स, एकर कल्लन्ड-रेस्पोंसे स्ट्रुक्चरेस, आ एकर दिरेक्ट कोन्नेक्टिओन कें मौखिक-पेफोर्मटिवे लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली लोक गीत.
- (D) विदेह-सदेह अभिलेख: देडइलेद अनल्यिसस क ३७ स्पेकिअल इस्सुएस इन्वेन्टोर्य आ अनल्यिसस क विदेह सदेह १-३७ विदेह सदेह सेरिएस अछि स्ट्रुक्चरेड कें प्रोविदे एक व्यापक सुर्वेय क मैथिली साहित्य अक्रोसस गेनेरेस, थएमेस, आ देवेलोप्मेन्टल स्टगेस.

**८५. अध्याय १७ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लिन्गुइस्टिक पहचान: द्वारा देदिकटिन्ग कृति कें एक "लिफेलोन्ग सेर्वन्ट क मैथिली", लेखक अस्सेट्स एक स्पेकिफिक रेगिओनल हिस्टोरिओग्राफ्य से प्रिओरिटिजेस संरक्षण क मैथिली भाषा आ एकर उनिकुए सामाजिक स्ट्रुग्गलेस.
- (B) एक चअरक्टेर मे एमोटिओनल एक्स्ट्रेमिटी कन सिन्ग वा रेकिटे एक गजल मे कोन एअच शएर एक्स्प्रेसिसेस एक भिन्न फकेट क हुनकर वा हुनकर फेएलिन्ग; इन्डेपेन्डेन्के क शएर्स अल्लोव्स लेल द्रमटिक फ्लेक्सिबिलिटी, आ रेपेअटेड रदिफ क्रेअटेस संगीत क ओबसेसिवे...
- (C) दोब्र्य विक्टिमस, उनेम्प्लोयेड योउथ, आ पोलिटिकल्लय पेर्सकुटेड विल्लगेर्स के छथि/अछि झा'स द्रमटिक सुब्जेक्ट्स छथि/अछि प्रेकिसेल्य 'ओप्प्रेसिदे' क्लोसे रेहेअर्सल लेल अल्टेर्नेटिवे रेस्पोंसेस कें ओप्प्रेसिओन बोअल देस्क्रिबेस.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्के-२०० CE) आ थएओरिजेड द्वारा वय क धवनि (रेसोनन्के) द्वारा आनन्दवर्धन मे धवन्यबलोक (क).

**८६. अध्याय १८ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गयट्रि स्पिचक'स कुएस्टिओन 'कन सुबल्टेर्न स्पेअक?' (१९८८) अछि अन्स्वेरेड मे विदेह समीक्षात्मक फ्रमे द्वारा इन्सिस्टेन्के से येस, बुट केवल इफ इन्फ्रस्ट्रुक्चरे क स्पेअकिन्ग (डिजिटल प्लटफोर्म्स, इन्क्लुसिवे एडिटोरिअल प्रक्टिकेस...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर ३६ अध्यायसभ कोवेर द्रमटिक कोम्पोसिटिओन, स्टगेक्रफ्ट, संगीत, नृत्य, गेस्टुरे स्पस्टेम्स, चअरक्टेर ट्यप्स, एमोटिओनल थएओर्य, आ थएअटिकल अएस्थएटिक्स सँ एन्क्वल्तोपएदिक कोम्प्रेहेन्सिवेनेसस.
- (C) दृश्य लयोउट पर पगे, एअच लिने बेगिन्निन्ग फ्लुश लेफ्ट, लघु लिनेस, गेनेरोउस व्हिटे स्पके, देखबैत अछि एक फ्रेए-वेर्से लिने क इन्हेरिटन्के से अछि कोम्फोर्टब्ले सँ ब्रेविटी आ इम्प्लिकटिओन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क ह एक प ट ए र I I: C र इ ट इ क एक ल एक प प र ए क इ एक ट इ ओ न ओ फ यो ग एक न एक न द J ह एक २.१ बिओग्राफिकल आ कोन्टेक्स्टुअल ओवेर्विएव योगनन्द झा स्टन्ड्स अस ओने क सभसँ वेर्सटिले आ प्रोलिफिक कोन्ट्रिबुटोर्स कें ट्वेन्टिएथकेन्टुर्य मैथिली...

**८७. की दोएस मैथिली टेर्म बाहनि कथं सभसँ दिरेक्ट्लय मेअन मे ई अध्याय?**

- (A) एपिक नरंतिवे
- (B) भक्तिपरक गीत क्यक्ले
- (C) द्रमटिक मोनोलोगुए
- (D) सेएद कथा वा वेर्य लघु कथा

**८८. केना अछि विदेह सदेह ५ कोन्त्रस्टेड सँ विदेह सदेह ६?**

- (A) बोथ छथि/अछि केवल दिक्टिओनरिएस
- (B) सदेह ५ अछि नाटक आ सदेह ६ अछि संगीत
- (C) सदेह ५ अछि संस्कृत आ सदेह ६ अछि पर्सिअन
- (D) सदेह ५ अछि लेल बाहनि/विहनि कथं, व्हिले सदेह ६ अछि लेल लघु कथं

**८९. अध्याय १ “गजेन्द्र ठाकुर” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) गीतसभ, सोहर, कजरि, बर्साट के गाट, एम्बेद्देद मे प्लय'स सेकोन्द अक्ट छथि/अछि नहि मेरे देकोरटिवे लोक-लोरे इन्सर्टिओन्स.  
(B) मे ह्यम्न १३, देवोटेए दोएस्न'ट जुस्ट सुफ्फेर; हे कटेगोरिजेस हुनकर सुफ्फेरिन्ग इन्टो "थरेएफोल्ड पडन" (ट्रिविध टप), मिर्रोरिन्ग लोगिकल क्लस्सिफिकेटिओन फोउन्ड मे न्यय.  
(C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेएटि ठाकुर अदप्ट्स ई मेडिएवल टेक्स्ट लेल एक शिशु ौदिएन्के, प्रोविदिन्ग इल्लुस्ट्रटिओन्स आ सिम्प्लिफिएद नरटिवे फ्रमिन्ग मे मैथिली.  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ग्रिएसॉन (१८५१-१९४१), मैथिली चरेस्टोमथय, ग्रम्मर.

**९०. “पोट्रेर एन्क्वेलोपेदिअ'स” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) ब्रेअदथ क हुनकर ओउटपुट, लिग्रिक पोएट्र्य, गजल, सामाजिक-समीक्षात्मक वेर्से, शिशु/बाल'स साहित्य, मर्क्स हिम अस एक साहित्यिक गेनेरलिस्ट मे सभसँ उचित सेन्से: एक लेखक के रेफुसेस स्पेकिअलिजटिओन आ इन्सिस्ट्स पर स्पेअकिन्ग केँ कोले क मैथिली सांस्कृतिक लिफे.  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ सुगोस्टिओन्स रेकेइवेद, विदेह सेलेक्ट्स केवल लिविन्ग ौथओर्स.  
(C) टिट्ले इटसेल्फ अछि एक प्रोग्रम: 'लेट्रेर द्वारा लेट्रेर, गीत क सरस' इन्सिस्ट्स पर प्रिमक्य क त्रिटेन वोर्ड (ाखर = लेट्रेर/वोर्ड) एवेन मे एक साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के केँरे गेएट अछि प्रिमरिल्य मौखिक आ पेफॉर्मटिवे.  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ पोट्रेर एन्क्वेलोपेदिअ'स निरूपण क गन्गोस'स ओव्न एक्सम्प्ले: इफ ओने थइन्क्स क गेनेरिक प्रोपर्टिएस वा उनिवेर्सल्स अस हविन्ग इन्स्टन्केस (अस मे वेस्टर्न फइलोसोफय) रथएर थअन अस इन्हेरिन्ग मे पर्टिकुलर्स, ओने त्रन्सलटेस एक इन्डिअन विएव...

**९१. अध्याय २ मे “पकसधअर मिस” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) पोथी अछि दिविदेद इन्टो थरेए सेक्टिओन्स: कव्य विवेचन (पोएट्र्य अनलिसिस), गद्य विशलेशन (प्रोसे अनलिसिस), आ अव्दन मुल्यन्कन (कोन्ट्रिबुटिओन एवलुअटिओन).  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बोउा Bāजल” गेनेरटेस हवस्य द्वारा वय क शिशु'स देवस्टटिन्ग लोगिक: किएक स्टुद्य केन एवेन ग्रेअटेस्ट ब्रिटेर्स दिए उन्नेकोग्निजेद?  
(C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लाल देव कमट करिएस ई टोर्च इन्टो ट्वेन्ट्य-फिर्स्ट केन्टुर्य, बुट सँ एक हेइघटेनेद फोकुस पर इन्टेर्सेक्टिओन क भाषा आ कस्टे पोलिटिक्स.  
(D) स्वओलर के एन्गोद पकसधअर मिस मे देबटे ( संस्कृत/अवहट्ट विद्यापति) छल एक भिन्न पेर्सॉन सँ लोक-लिग्रिक कवि कोसे गीतसभ स्प्रेअद अक्रोस्स एअस्टर्न भारत.

**९२. अध्याय ३ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) हुनकर सुप्रिसे अट फिन्दिन्ग “मुच सुबस्टन्के मे एक स्मल्ल वेस्सेल” इन्डिकटेस से प्रेएटि ठाकुर'स चइत्रकथअ एक्स्केएदेद होरिजोन क एक्स्पेक्टिओन्स अस्सोकिअटेद सँ शिशु/बाल'स पोथी: ई छल रेअद अस सेरिओउस साहित्य प्रेकिसेल्य बेकउसे ई एक्स्केएदेद गेन्ने'स...  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य-न्यवय अनुमव्दन: मटदव्दन (वोटिन्ग) पोएम'स इम्प्लिकिट तर्क, से देमोक्राटिक पर्टिकिपटिओन शओउल्ड प्रोदुके गेनुइने रेप्रेसेन्टिओनफोल्लोव्स इन्फेरेन्टिअल स्ट्रुक्चरे क किविक पोएट्र्य.  
(C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गीतसभ आ गीत-पद (मैथिली) लल्लन प्रसाद ठाकुर कोम्पोसेद ओरिगिनल गीत-पद लेल सभ हुनकर प्लयस आ सेवेरल स्टन्ड-अलोने गीतसभ.  
(D) सुफि लिने क इन्हेरिटन्के, कोन कमे केँ दोमिनटे पेर्सॉन गजल, अछि मे सोमे सेन्से एक स्थणएसिस क बोथ पोलेस: ई टकेस सेल्फ-अन्निहिलटिन्ग देवोटिओन क उधरि लोवे आ अप्लिएस ई केँ दिविने, व्हिले रेटइनिन्ग सेन्सुओउस इमगेर्य क हेजजि लिने...

**९३. अध्याय ३ (“ मैथिली गजल”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्लस्स कोन्प्लिक्ट: कोन्प्लिक्ट्स बीच लन्द्लोर्ड-पेअसन्ट, लबोरेर-ओव्नेर, आ उप्पेर-कस्टे-दलित छथि/अछि केय थएमेस मे मैथिली साहित्य.  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फिर्स्ट फुल्ल-टिमे शिशु/बाल'स साहित्य लेखक मे मैथिली: अस दोकुमेन्टेद मे बोथ समीक्षात्मक वोलुमेस अबोवे.  
(C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दअग देह्लिव (१८३१-१९०५) छल ग्रेअट पोपुलरिसेर क ई एर: हुनकर घअजल्स छल मेलोदिओउस, क्लेअर, एमोटिओनल्ल्य इम्मेदिअटे, आ इदेअल्ल्य सुइटेद केँ सांगीतिक प्रदर्शन.  
(D) सभसँ फमोउस परमेटेर अछि प्रो-ट्रोप परमेटेर (व्हेथएर एक भाषा अल्लोव्स सुब्जेक्ट ओमिस्सिओन), बुट GB पोसिट्स मन्य ओथएर्स रेलटिन्ग केँ कसे, अग्रेएमेन्ट, आ मोवेमेन्ट.

**१४. “मैथिली गजल” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) पट्रिओटिक गीतसभ एवोके विर रस (हेरोइक), आ पन्देमिक गीतसभ कोम्बिने करुन (पथओस/कोम्पस्सिओन) आ बिभअट्स (दिस्गुस्ट अट सामाजिक आ पोलिटिकल फइलुरे).
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोएट्रय, लेल कुन्टक, अछि कोन्स्टिटुटिवेल्य इन्डिरेक्ट, ई अप्रोअचएस एकर सुब्जेक्ट सँ एक अन्ले, द्वारा वय क देविअटिओन, द्वारा वय क क्रेअटिवे मिसुसे क ओर्दिनर्य भाषा.
- (C) मे बांग्ला, गजल अर्रिवेद विअ इन्टेल्लेक्टुअल आ सांस्कृतिक फेर्मेन्ट क निनेटेएन्थ-केन्टुर्य कल्कुट्र.
- (D) कथा'स कुइएट सुब्जेसिओन अछि से ई कोन्त्रक्ट अछि फइलेद हुनकर: सोन्स छथि/अछि मे दिल्ली आ बंगालोरे, ग्रन्ड्चइल्ड्रेन मे 'क्रहेचए', आ ककि, के अछि दोने एवेयर्थइन्ग रिघट, अछि अलोने.

**१५. अध्याय ४ मे “दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एद्वर्ड सइद'स थएओर्य क ओरिएन्टलिस्म, अदप्टेद कैं इन्टेर्नल कोलोनिअलिस्म क इन्डिअन सांस्कृतिक अकदेम्य, इल्लुमिनेटेस मेचअनिस्मस द्वारा कोन सहित्य अकदेमि'स इन्स्टिटुटिओनल पोवेर अछि कोन्स्ट्रक्टेद एक 'ओप्फिकिअल' मैथिली लिने क...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.
- (C) हुनकर तर्क, से 'दिले ब्रिटिन्ग, लेखक अछि नेइथएर पुरुष नोर स्त्री, केवल चअरक्टेर' अछि एक वक्रोक्ति (ओब्लिकुए कथन) अबोउट नटुरे क साहित्यिक एम्पथय: ई सय्स ओब्लिकुएल्य की एक दिरेक्ट कथन अबोउट पुरुष ौथओर्स ब्रिटिन्ग स्त्री'स एक्स्पेरिएन्के...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर सियरम झा 'सरस', गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर.

**१६. “ज्योतिरिशवर मैथिली पदवलि” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क कन्नट अनुसंधान प्रतिवेदन: मैथिली शिशु/बाल'स साहित्य अन्मोल झा'स कन्नट अनुसंधान प्रतिवेदन रेप्रेसेन्ट्स एक लन्दाक कोन्ट्रिबुटिओन कैं मैथिली साहित्यिक स्वओलर्शइप.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई कथा छल अल्सो मे किर्कुलटिओन रेगर्दिन्ग ग्रेअट कवि विद्यापति (लेखक क प्रे-ज्योतिरिशवर मैथिली पदवलि), आ लटेर बेकमे अस्सोकिएटेड सँ विद्यापति थअक्कुर (लेखक मे संस्कृत आ अवहट्थअ) अस वेल्ल.
- (C) अनुमत्तन (इन्फेरेन्के): झारख़ फोर्म'स बिपार्टिटे स्ट्रक्चरे, कोउप्लेट (प्रोब्लेम) → गीत (अनल्यिसिस), एनक्वट्स एक मोवेमेन्ट क अनुमत्तन: सँ ओब्सेर्वेद सिग्न (लिङ्ग) क सामाजिक एविल कैं इन्फेरेन्ड कउसे (व्यवपक) क स्ट्रक्चुरल इन्जुस्टिके.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ) आ हुनकर स्वओलर्थ अनुसंधान मोनोग्राफ जग्दिश प्रसाद मन्दलक कव्य सन्सर (२०२२) टोगेथएर कोन्स्टिटुटेद एक दोउब्ले अक्ट क विट्नेस्स: फिर्स्ट बेअरिन्ग ल्यिकल टेस्टिमोन्य कैं एक वोल्ड क मिग्रटिन्ग बोदिएस, एकोलोगिकल ग्रिएफ, आ सामाजिक...

**१७. “अजित कुमार झा” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) ैर फोर्के अनुभाग क हुनकर प्रेफके, ढेरे हे देस्क्रिबेस केना मैथिली 'दलन' (गथएरिन्ग प्लके) अट्मोस्फेरे छल रेक्रेअटेद मे बर्क्क कोन्वेर्सिटीओन्स अमोन्ग सोल्डिएर्स सँ मिथिला, अछि प्रेकिसेल्य भअभअ'स 'थइर्द स्पके': एक सांस्कृतिक प्रोदुक्तिओन से अछि नेइथएर...
- (B) पोएम'स इमगेर्य क पोलिटिकल लेअदेर्स फ्लोअटिन्ग अबोवे स्वम्प क पुब्लिक सुफेरेरिन्ग दिल्हे पेओप्ले सिन्क रेकल्लस ब्रेचट'स वेक्त्रेन्डुनसेफेक्ट मे एकर देलिबेरेटे रेफुसल क ल्यिकल कोन्सोलिडिओन. "लाल रंग चअहइट अछइ रोटि" (टिट्ले पोएम) शओव्स धवनि अट...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केना मन्य स्किएन्के फिक्लिओन कथासभ, शिशु/बाल'स आ अदोलेस्केन्ट कथासभ आ पोएम्स छथि/अछि करेएरिस्ट कविसभ आ स्टोयर्टेल्लेर्स ब्रिटिन्ग?
- (D) राग छथि/अछि नमेद बुट नहि नोटटेद; मोवेमेन्ट अछि इन्दिक्टेद बुट नहि चओरेओग्राफएद; ौदिएन्के इन्टेरक्लिओन अछि कहल गेल बुट नहि देस्क्रिबेद.

**१८. अध्याय ११ (“अमोद कुमार झा”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ी समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन क कृतिसभ क कल्पन झा, बोकरो कवि स्वर क स्टेएल किट्य मिथिला दिअस्पोर गीतकार अनल्यसेद द्वारा वय क इन्डिअन & वेस्टेर्न साहित्यिक थएओर्य | विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे नव्य-न्यवय एपिस्टेमोलोग्य क...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से झा'स प्रेफके एक्स्प्लिकिट्ल्य एन्गगेस सँ वेस्टेर्न संकल्पना: क 'रेफ्लेक्लिओन' (अंग्रेजी वोर्ड उसेद) आ एकर त्रन्स्फोर्मिटीओन इन्टो इन्डिअन अएस्थएटिक समीक्षात्मक फ्रमे क बिम्ब, नोटिन्ग से इमगे थएओर्य अछि बेएन एक्स्टेन्सिवेल्य दिस्कुस्सेद मे...
- (C) थएन प्रिन्केस्स क मिथिला ओर्देरेद, शिशु/बाल शओउल्ड लेअर्न कृति क गिल्स, आ गिल्स शओउल्ड लेअर्न कृति क बोय्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से अन्नेक्सुरे-२, एक समीक्षात्मक अप्प्रइसल क विद्यापति'स बिदेसिय एक समीक्षात्मक अप्प्रइसल क विद्यापति'स बिदेसिय I अप्रोअच ई मैथिली थएअट्रिकल टेक्स्ट, वा रथएर, ई प्रदर्शन लिपि रोओटेद मे विद्यापति'स पदवलि, सँ ...

### १९. अध्याय १३ सँ कोन विकल्प सही रूपँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?

- (A) हुनकर फथएर श्री क्रिशन चन्द्र मिश्र आ मोथएर स्मिथ गम्भइर मिश्र नुटुरिद हिम मे एक रेगिओन से अछि बेएन, सिन्के अट लेअस्ट एर क प्रे-ज्योतिरिशवर विद्यापति, कुकिब्ले क मैथिली साहित्यिक सेन्सिबिलिटि।
- (B) प्रतिवेदन'स विवेचन क मैथिली शिशु/बाल'स गीत (बाल गाट) आ रिहूले (पहेलि) अप्लिएस Nāṭyaśāstra'स संकल्पना:स क सुकुमार (देलिकटे/टेन्देर अएस्थएटिक) आ ौदतरिक (रोबुस्ट/पोपुलर अएस्थएटिक) कें दिस्टिन्गुइश बीच साहित्यिक शिशु/बाल'स पोएट्र्य आ लोक...
- (C) मोवेमेन्ट'स अवन्त-गर्दे प्रोदुक्तिओन्स, सुच अस उल्कमुखअ, एम्प्लोय नट्यधर्मि स्ट्यूले कें एक्स्प्लोरे हिस्टोरिकल आ मेटफिजिकल थएमेस, उसिना "मगिक रेअलिस्म" कें रेप्रेसेन्ट टुथस से एक्स्केएद सिम्प्ले ओब्सेर्वेतिओन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से न ए प एक ल ' स L इ ट ए र एक र य अव एक र द E क ओ स य स ट ए म फ ओ र M एक इ ट ह इ ल इ मैथिली अछि सेकोन्ड सभसँ विदेल्य स्पोकेन भाषा मे नेपाल, सँ प्रमुख पोपुलरिओन्स मे टेरइ (मधएश) रेगिओन.

### १००. “चउनमुन चउनमुन” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सदेह ९ शओक्स हुनकर शिशु/बाल'स पोएट्र्य स्त्रन्द (चउनमुन चउनमुन करइट किरिब, चइर्पिन्ग बिर्द).
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वेस्टर्न समीक्षात्मक फ्रमेवोर्क्स अन्टोनिओ ग्रम्सिक'स संकल्पना: क 'ओर्गानिक इन्टेल्लेक्टुअल' (प्रिसोन नोटेबोओक्स) प्रेकिसेल्य देस्क्रिबेस पुशप'स पोसिटिओन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई कोम्परटिवे पेस्पेक्टिवे अछि विटल लेल चअल्लेनिन्ग पेर्सेप्टिओन क मैथिली अस एक मिनोर दिअलेक्ट; इन्स्टेअद, ई रेवेअल्स मैथिली अस एक फोउन्डिओनल "साहित्यिक सुन" से इल्लुमिनेटेड सुरोउन्दिना रेगिओनल त्रदिटिओन्स लेल केन्टुरिएस.
- (D) थएसे पोएम्स छथि/अछि फोर्मल्लय सभसँ त्रदिटिओनल मे कोल्लेक्टिओन, थएय एम्प्लोय गाट फोर्म सँ एकर रेफ्रइन्स, एकर कल्लन्द-रेस्पोन्से स्ट्रुक्चुरेस, आ एकर दिरेक्ट कोन्नेक्टिओन कें मौखिक-पेफोर्मटिवे लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली लोक गीत.

### १०१. अध्याय १८ मे “भअव्थ झा'स” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एथनोलोगुए: लनुअगेस क नेपाल (एद. सँ जोह एप्पेले, M.
- (B) ग्रामटिकल लिने क इन्हेरिटन्के (व्यकरण), कोन भअव्थ झा'स ओव्न फथएर पं.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रेनु रेन्देर्स थएसे गीतसभ सँ देएप रेस्पेक्ट आ करेफुल अट्टेन्टिओन, ट्रेअटिना थएम अस सेरिओउस साहित्यिक टेक्स्ट्स रथएर थअन मेरे फोल्क्लोरे.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से टिल्लु'स चइल्थूद निक्कनमे छल गिवेन कें हिम द्वारा हुनकर फथएर'स क्लोसे फ्रिएन्ड, महकवि फज्जुर रेहान हशमि, मैथिली कवि.

### १०२. अध्याय २० सँ कोन विकल्प सही रूपँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से साहित्य आ संगीत पेर्वदिद हुनकर होउसेहोल्ड सँ चइल्थूद.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शअरेद रेस्पेन्सिबिलिटि: लेखक अर्गुएस लेल एक "५०-५०" रेस्पेन्सिबिलिटि इन्सिदे परिवार आ समाज कें एन्सुरे स्त्री'स एदुकेटिओन आ लिटेरेक्य.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे अछि अवरे से भाषा मे कोन ओने पुब्लिशएस देटेर्मिनेस के कन रेअद ओने'स कृति, आ हे नविगटेस ई कोन्स्ट्रइन्ट स्त्रटेगिकल्लय.
- (D) मे उजवर पर्वक खओज, टिट्ले'स धवनि ओपेरटिओन अछि एक्सेम्पलर्य: एक्स्प्रेसेद मेअनिन्ग अछि “एक सेअर्च लेल फेस्टिवल क लिघट”; इन्दिक्टेद मेअनिन्ग अछि “ कवि सेएक्स सांस्कृतिक आ कोम्मुनल इल्लुमिनेटिओन लेल हुनकर पेओप्ले”; सुग्गेस्टेद मेअनिन्ग ओपेन्स ओन्टो...

### १०३. अध्याय २० सँ कोन विकल्प सही रूपँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से साहित्य आ संगीत पेर्वदिद हुनकर होउसेहोल्ड सँ चइल्थूद.
- (B) नव्य-न्याय संकल्पना: क अवक्चएदकटा (कोन्दिटिओनेद लिमिटिओन) अछि अल्सो उसेफुल कोम्परटिवेल्य: एअच लेखक'स कृति अछि कोन्दिटिओनेद द्वारा स्पेकिफिक लिमिटिना कोन्दिटिओन्स (उपबध्द) से मुस्ट हो अक्क्नोव्लेद्रेद मे अन्य समीक्षात्मक एवलुअटिओन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से उजवर पर्वक खओज एनक्ट्स एक प्रेकिसेल्य होमोलोगोउस कुएस्ट मे मैथिली सांस्कृतिक सन्दर्भ.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दिल्ली अछि बेएन एक क्लिकिअल केन्ट्रे क मैथिली अक्विविस्म, जोर्नलिस्म, आ सांस्कृतिक प्रोदुक्तिओन सिन्के अट लेअस्ट मिद-२०थ केन्टुर्य, होमे कें मैथिली ओर्गनिसिटिओन्स, साहित्यिक एवेन्ट्स, आ एक कोन्टिनुओउस जोर्नलिस्टिक प्रेसेन्के मे ...

**१०४. “बिनय भउशअन” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ ई एमेर्गेस एक नेव पोएटिक्स क दलित ओब्जेक्ट पोएटिक्स: द्वारा वय क ओब्जेक्ट, मकिन्ग दलित स्त्री'स लबोर, कनोव्लेज, आ पहचान विसिब्ले.
- (B) झा'स शिशु/बाल'स साहित्य सुर्वेय रेवेअल्स से मैथिली शिशु/बाल'स साहित्य अछि हिस्टोरिकल्लय उन्देरेप्रेसेन्टेड गिल प्रोटगोनिस्ट्स आ स्त्री ौथओर्स, एक गप हुनकर अनुसंधान मकेस विसिब्ले आ अक्विओनब्ले.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कैं अक्वेस्स ई, अनुमान अछि रेकुइरेड: इन्फेरेन्के सँ विसिब्ले सिग्नस (बाकी कुस्टोम्स, एल्देर मेमोरिय, लोक गीतसभ) कैं देएपेर सांस्कृतिक रेअलिटी थएय इन्डिकटे.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फोर्मल इन्नोवटिओन: बाहनि कथा बाहनि कथा (सेएद कथा) अछि पेहप्स सभसँ प्रमुख फोर्मल इन्नोवटिओन क विदेह अभिलेख.

**१०५. “ह्रिदय नारायण झा” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नेट्रल'स संकल्पना: क 'सांगीतिक कनोन', सेट क कृतिसभ रेगर्देद अस एक्सेम्प्लर्य इन्सिदे एक लिने क इन्हेरिटन्के, अछि प्रासंगिक कैं झा'स मुल्टि-रेगिस्टर प्रेसेन्टिओन.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि नहि सेन्टिमेन्टल नोस्टल्जिअ बुट एक प्रोग्राम्मटिक क्लाइम अबोउट भाषा सुर्विवल: इफ शिशु/बाल दो नहि फिन्ड हुनकर वोल्ड रेफ्लेक्टेड मे मैथिली साहित्य, थएय विल्ल नहि रेअद मैथिली साहित्य.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गजेन्द्र ठाकुर'स थएओरेटिकल कोन्ट्रिबुटिओन, सरल वर्निक बहर, छल कैं देवेलोप एक सिम्प्लेर कुअन्टिटिवे स्स्टेम बसेद पर स्ट्रल्लब्ले कोउन्ट (वर्निक = स्ट्रल्लब्ले कोउन्ट) से अल्लोवेद नेव मैथिली गजल त्रिटेर्स कैं ओब्सेर्वे फोर्मल...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ओने क हुनकर गजल लिनेस इन्वोकेस महिशअसुर, कोन्नेक्टिन्ग शास्त्रीय म्थओलोगिकल रेफेरेन्के (अहिल्य, ब्रोनोद स्त्री क रमयन) सँ समकालीन फेमिनिस्ट कोन्सिओउस्नेस्स.

**१०६. “जगदनन्द झा 'मनु'” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) हुनकर स्वरसभ, चअन्नेल्लेद द्वारा वय क कल्पन झा'स कोम्पोसिटिओन्स, कोन्स्टिटुटे एक सुबल्टेर्न स्पेएच अक्ट से ओम्फिकिअल साहित्यिक इन्स्टिटुटिओन्स अछि नो समीक्षात्मक फ्रमे लेल रेकोग्निसिन्ग वा वलुइन्ग.
- (B) हुनकर सदेह १८ कोन्ट्रिबुटिओन अछि हुनकर सभसँ सुबस्टन्टिअल: एडघट गीत-पोएम्स कोसे टिट्लेस एन्कप्सुलेट हुनकर दोमिनन्ट थएमेस, *Git Sām* पहिने (बेफोरे गीत, सुगोस्टिन्ग प्रे-साहित्यिक मोमेन्ट क क्रेअटिवे संकल्पना:इओन), *Hām* (वे/I, फिर्स्ट-पेर्सन प्लुरल अस्सेर्टिओन)...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से चड्ल्यूड आ दिसबिलिटी: 'चओन्हा' कथा 'चओन्हा' अछि मनु'स सभसँ नरटिवेल्य अम्बिडिओउस कृति आ देसेर्वेस एक्स्टेन्देड कोन्सिदेरटिओन.
- (D) दिअस्पोरिक लोन्गिन्ग सभसँ पेर्सिस्टेन्ट थएमे मे कल्पन झा बोकरो'स पोएट्र्य अछि दिअस्पोरिक लोन्गिन्ग लेल मिथइलफोर रिवेर्स (कोसि, कमल, बग्मटि), फिएल्ड्स (धान-क्षेत्र, खएटि), मन्गो ग्रोवेस, गाम कोउटर्चर्ड्स (ानगन), आ ...

**१०७. “जगदनन्द झा 'मनु'” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) कथा अछि सिमुल्टेनेओउसल्य एक मेडिटिओन पर शिशु नेलेक्ट मे मिग्रन्ट फमिलिएस, पर इनदेकुअक्य क रुलल हेअल्थकरे इन्फ्रस्ट्रुक्चुरे, आ पर पर्टिकुलर सुप्पेफरिन्ग क इन्टेल्लिगेन्ट, सेन्सिटिवे शिशु के अछि अकदेमिकल्लय ब्रिल्लिअन्ट (टोप क हुनकर क्लस्स) बुट...
- (B) विदेह समानान्तर इतिहास, कोन कोन्सिस्टेन्टल्य होनोउर्स फिगुरेस रेकोग्निसेड द्वारा कोम्मुनिटी रथएर थअन द्वारा इन्स्टिटुटिओन, फिन्ड्स मे यदव एक एक्सेम्प्लर्य फिगुरे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सिटमधइ: देमोक्रेटिक कपिटल मंडल प्रोपोसेस सिटमधइ अस इदेअल कपिटल लेल एक नेव मिथिला स्टेटे, रेजेक्टिन्ग त्रदिटिओनल्लय फवोरेद दर्भअन्ग.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वोर्दस्वोर्थ'स फमोउस देफिनिटिओन क पोएट्र्य अस ' स्पेन्टेनेओउस ओवेफ्लोव क पोवेर्फुल फेएलिन्स: ई टकेस एकर ओरिगिन सँ एमोटिओन रेकोल्लेक्टेड मे त्रन्कुइल्लिटी' अछि दिरेक्ट्लय अप्प्लिकब्ले कैं विरह गीतसभ क कमल-टअल, व्हेरे सेपरटेड...

**१०८. अध्याय २९ अनुसार, “जगदनन्द झा 'मनु'” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लोकजिवन ौर लोकसाहित्य (लोक लिफे आ लोक साहित्य) ई ७७-पगे स्वओलल्य कृति अछि योगनन्द झा'स स्स्टेमटिक एन्गगेमेन्ट सँ लोक लिने क इन्हेरिटन्के, मौखिक संस्कृति, कुस्टोम, गीत, नरटिवे, आ अनुष्ठानिक प्रक्टिके से फोर्मस्...
- (B) अन्नोटिओन्स: ई अछि कोल्लेक्टिओन'स सभसँ सुस्टइनेद लोवे-गजल.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई एक्स्पन्सिओन अछि इट्सेलफ एक देमोक्रेटिसिन्ग गेस्टुरे: ई रेमोवेस गजल सँ एकर स्टटुस अस एक एलिटे फोर्म लेल साहित्यिक कोन्वोइस्सेउर्स आ मकेस ई अवइलब्ले कैं शिशु/बाल आ भक्तिपरक कोम्मुनिटिएस.
- (D) मे थएसे शओर्टेड कृतिसभ, मैथिली सांस्कृतिक वोल्ड अछि ओफटेन रेन्देरेड सँ एवेन ग्रेअटेर इन्टेन्सिटी आ कोन्नेन्ट्रटिओन थअन मे नोवेल्स.

**१०९. “शिशु/बाल'स फेस्टिवल” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) एक समानान्तर इतिहास क मिथिला & मैथिली साहित्य.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मोथएहोओद आ वन्तः एक स्पेकिअल रेअदिना क अब् अब् अछि एक एक्स्त्राओर्दिनर्य कोउन्टेर-रेअदिना क मोथएहोओद-पोएट्र्य.
- (C) कोम्पोउन्ड सन्केट (सिग्न, सिग्नल, गेस्टुरे, इन्डिकटिओन) अछि पर्टिकुलर्य रिचः ई संकेत करैत अछि से टिमे अछि नहि मेरेल्य एक नेउत्रल मेडिउम बुट एक सांस्कृतिक भाषा, एक स्ट्रिप क सिग्नस से एन्कोदेस मेअनिना लेल थओसे के क्चोव केना केँ रेअद थएम.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से थरेए क हुनकर शिशु/बाल'स पोएम्स छल लटेर अन्थओलोगिसेद मे विदेह शइशउ उट्सव (शिशु/बाल'स फेस्टिवल) कोल्लेक्टिओन, ट्वो क कोन छल पोएम्स अबोउट 'बब्य शिशु', एक टेन्देर, इन्टिमेटे लिग्रिक मोदे से उन्डेस्कोरिस कवि'स सेन्सिटिविटी केँ...

**११०. “जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल'” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'लक्स्मन झा सगरः स्पशटवअदि सहित्यकअर'.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अर्चइवल करे देखबैत अछि विदेह'स कोम्मिट्मेन्ट केँ साहित्यिक संरक्षण.
- (C) रस क वार (हेरोइस्म) अछि सुब्दल्य प्रेसेन्ट मे राय'स पोर्त्रयल क सुबल्टेर्न अस्पिरिटिओनः Jवन मुखइयव'स देटेर्मिनाटिओन केँ एदुकटे हुनकर शिशु/बाल अगइन्स्ट एकोनोमिक ओड्स, अम्मर'स जोउर्नेय सँ एक्स्पेल्लेद शिशु केँ BDO, दियव'स रेसिस्टन्के केँ कोरुप्ट मरिअगे कोन्डिटिओन्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क र इ ट इ क एक ल एक प प र ए क इ एक ट इ ओ नः N एक व य एक, N य एक य एक M ए ट ह ओ द ओ ल ओ ग य ओ फ G एक न ग ए स एक U प एक द ह य एक य एक ८.१ गेओग्रफइकल आ इन्टेल्लेक्टुअल कोन्नेक्टिओन ई अछि नहि मेरेल्य कोन्वेनिएन्ट बुट हिस्टोरिकल्लय प्रोफोउन्ड से ...

**१११. अध्याय ३० केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अप्प्लियन्ग K५एमेन्ड'स ौकिट्यः फोर्म (कोम्पक्ट, रदिओ-रेअद्य कथा) अछि पेफेक्टल्य मचएद केँ कोन्टेन्ट ( फ्लिक्केरिना, एपिसोडिक मोदेर्निटी क मैथिली प्लइन्स).
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से यदव'स केय फिन्दिना अछि से मैथिली अछि एक 'सुब्जेक्ट-केँ-सुब्जेक्ट रइसिना सँ टेन्सेद क्लउसे' लन्गुअगेमेअनिना से सुब्जेक्ट क एक टेन्सेद एम्बेदेद क्लउसे कन हो रइसेद केँ बेकोमे सुब्जेक्ट क मट्रिक्स क्लउसे, एक प्रोपेर्टी से...
- (C) रेपेअट अवर्द प्रोब्लेम जग्दिश प्रसाद मंडल अप्पेअर्स थरेए टिमेस मे अवर्द लिस्ट्स (मइन अवर्द २०११, बल सहित्य २०१२ आ २०१४).
- (D) मैथिली शिशु/बाल'स साहित्य अछि हिस्टोरिकल्लय बेएन उन्देर्वेलोपेद रेलटिवे केँ हिन्दी आ बांग्ला, आ कोन्ट्रिबुटिओन्स केँ ई गेन्ने कर्य बोथ पेदागोगिकल आ सांस्कृतिक संरक्षण इम्पोर्तन्के.

**११२. “डॉ. कइलश कुमार मिश्र” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे एवलुअटेद धउम्केटु'स कथा "नमजे शउक्रन" अस कोम्मुनल हर्मोन्य, बुट कथा देस्क्रिबेस कोम्मुनल बिगोट्र्य (एक पर्रोट थरोव्न अगइन्स्ट एक वल्ल).
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट बब्य शिशु रेमइन्स क्लोसे केँ मोथएर, सो थएय छथि/अछि बेसी इम्बुएद सँ सेमिओटिक फेमिनिने कुअलिटिएस, संगीत, पोएट्र्य, आ थ्यर्थम; सो थएय रेजेक्ट मोथएर बुट देफिने थएम्सेल्वेस द्वारा वय क हुनकर.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से व्हेन कर्बि ट्रिबल स्त्री चअल्लेन्गेस हिम लेल नहि वेअरिना त्रिडिटिओनल मैथिली क्लोथइन्ग दुरिना हुनकर सांस्कृतिक संरक्षण वोर्क्षओप, हुनकर रेस्पोन्से अछि एक अक्ट क गेनुइने रेफ्लेक्सिविटी, अक्क्नोव्लेडिना हुनकर ओव्न सांस्कृतिक अल्लिएनटिओन आ मकिना एक...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सेकोन्दर्न्य स्रोतसभ, विदेह अभिलेख ठाकुर, गजेन्द्र (एद.).

**११३. “कल्पन झा” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से निबंध कोल्लेक्टिओन अनुशीलनः ब्रोअदेस्ट-रन्गिना सिन्ले-लेखक निबंध कोल्लेक्टिओन द्वारा एक स्त्री लेखक मे आधुनिक मैथिली, साहित्यिक क्रिटिकिस्म, फेमिनिस्ट सोकिओलोग्य, आ अप्प्लिएद प्स्यओलोग्य मे एक सिन्ले ग्रंथ.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा कोम्मिट्टिना थएम केँ त्रिटिना आ केँ डिजिटल अभिलेख, कल्पन झा पेफोर्म्स एक दोउब्ले अक्टः क्रेअटिवे कोम्पोसिटिओन आ सांस्कृतिक संरक्षण.
- (C) थएसे कृतिसभ अर्गुए से दोमिनन्ट शैव-शअक्ट-वइशानव सांस्कृतिक पहचान क प्रेसेन्ट-दय मिथिला ओवेर्ल्यस एक मुच ओल्देर स्ट्रुटम क बुद्धइस्ट आ जइन संस्कृति से अछि बेएन स्ट्रिपेटिकल्लय एरसेद सँ बोथ पोपुलर मेमोर्य आ ओप्पिफिकअल स्वओलर्शइप.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे अछि सिमुल्टेनओउसल्य एक स्किएन्टिस्ट/स्किएन्के कोम्मुनिकटोर (सोउथ पोले नर्रटिवे, ओजोने/पोल्लुटिओन त्रिटिना, एअर्थकुअके स्किएन्के फिक्टिओन), शिशु/बाल'स कवि आ एदुकटोर ( एनोर्मोउस १७०-पगे बवल कविटव अनुभाग मे सदेह १९, प्य.

**११४. अध्याय ३३ अनुसार, “कल्पन झा, दिल्ली” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लाल देव कमट'स रोल मे ई मोवेमेन्ट अछि से क एक "लिफे-विटनेस्स," एक टर्म उसेद इन्सिदे समीक्षात्मक फ्रमे केँ देस्क्रिबे ब्रिटेर्स कोसे साहित्यिक ओउटपुट अछि इन्सेपरब्ले सँ हुनकर सामाजिक प्रक्सिस.
- (B) प्लय अछि प्रेसेन्टेद अस "एक समानान्तर उनिवर्स" केँ विद्यापति'स बिदेसिय, एक फरसे से संकेत करैत अछि एक लिटेररियन्टेक्टुअल रेलटिओन्शइप रथएर थअन एक लिविन्ग प्रदर्शन लिने क इन्हेरिटन्के.
- (C) हुनकर एड्घट कृतिसभ, स्पन्निंग सँ मिथइलक अर्थइक विकस (२०००) केँ मिथिला रिसिन्ग (२०१४) आ चअपल चअरन चइट चअन्चअल भअन (२०२१), कोन्स्टिटुटे सभसँ सुस्टइनेद बोद्य क एकोनोमिक-गेओग्रफइक अनल्यिसस क मिथिला रेगिओन अवइलब्ले मे एक इन्दिअन रेगिओनल भाषा.
- (D) अभइनवगुप्ट'स एलबोरटिओन क वट्सल्यरस रेकोग्निसेस एकर विभअव (देटेर्मिनन्ट) अस सिघट आ हेल्प्लेस्नेस्स क शिशु; एकर अनुभअव (कोन्सेकुएन्ट) अस टेन्दर मोवेमेन्ट्स क मोथएर (रोक्किन्ग, स्ट्रौकिन्ग, सिग्निन्ग); आ एकर व्यभइचअरिभअव (त्रन्सिएन्ट...

**११५. “कल्पन झा, दिल्ली” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्किएन्के फिक्टिओन थएओर्य आ इतिहास टँअपेक, करेल.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई प्लकेमेन्ट सिटुअटेस हुनकर इन्सिदे की समीक्षात्मक फ्रमे रेकोग्निसेस अस देमोक्रेटिक, स्त्री'स लिने क इन्हेरिटन्के मे मैथिली, एक लिने क इन्हेरिटन्के से मइन्स्ट्रैअम कनोन, दोमिनटेद द्वारा पुरुष मइथइल ब्रह्मन आ कयस्थअ ब्रिटेर्स...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से निबंधसभ विविधअ प्रसन्ग, 'दिवेसँ ओक्कसिओन्स': एक कोल्लेक्टिओन क निबंधसभ मे मैथिली.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे वोउल्द सिन्ग केँ शिशु: 'टिल्लु मियन रजि, पेट मे करजि, ौर दउदो हउ सिपहि' - एक फोर्मटिवे देटइल से लोकटेस कवि इन्सिदे एक वेब क साहित्यिक आ अप्फेक्टिवे बोन्ट्स सँ इन्फन्क्य.

**११६. अध्याय ३५ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) फोर्मल रेकुइरेमेन्ट्स छथि/अछि: एकस्ट्रेमे ब्रेविट्य (ट्यूपिकल्लय ओने केँ थरेए परग्रफस); एक सिन्ले नर्रटिवे टुर्न वा इरोनिक रेवेलटिओन; चअरक्टेर्स के छथि/अछि ट्युप्स रथएर थअन इन्दिविदुअल्स; आ एक फिनल इमगे वा गेस्टुरे से रेलेअसेस कथा'स धवनि.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे: दोएस नहि एक्स्प्लिकिट्लय किटे विदेह हिस्टोरिओग्रफय; रेमइन्स इम्प्लिकिट.
- (C) मिर्रर आ लम्प: रोमन्टिक थएओर्य आ समीक्षात्मक लिने क इन्हेरिटन्के.
- (D) थएसे एम्प्लोय कोन्वेन्टिओन्स क शास्त्रीय देवि स्टोत्रम (ट्युन्) क्लिले मइन्डइनिन्ग अक्केस्सिबिलिट्य द्वारा वय क फोल्किदिओम मैथिली.

**११७. “कमेशवर झा 'कमल'” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कनिय-पुत्र (गिल्'स सोन), मे ई कथा, एक शिशु पर रोअद रुब्स लेखक'स फेएट, थएन प्लकेस एकर हेअद पर हुनकर लप आ अछि करेफ्रेए, अस इफ प्लकिन्ग एकर हेअद पर एकर मोथएर'स लप.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वेस्टर्न साहित्यिक थएओर्य आ अनुवाद स्टुडिएस बस्नेट्ट, सुसन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से राग-भअस आ शास्त्रीय संगीत लिने क इन्हेरिटन्के प्रेफके केँ कमल-टअल एक्स्प्लिकिट्लय मेन्टिओन्स राग-भअस (लोक-शास्त्रीय मेलोदिक मोदेस) लिने क इन्हेरिटन्के क मिथिला आ रेग्रेट्स से 'बहुट रस लोक-रग अब अलोपिट भअ गल...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गजेन्द्र ठाकुर, सम्पादक क विदेह: फिर्स्ट मैथिली फोर्ट्निघट्लय एजोर्नल (ISSN २२२९-५४७X, एस्ट.

**११८. अध्याय ३५ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) थएसे रेविण्ड रेवेअल मंडल'स देएप एन्गगेमेन्ट सँ मैथिली लोक लिने क इन्हेरिटन्के, शिशु/बाल'स साहित्य, आ पोलिटिक्स क सांस्कृतिक संरक्षण.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से विद्यापति'स कथन अबोट इनेप्फबिलिट्य क लोवे, से भाषा अल्वय्स फल्ल्स लघु क एक्स्पेरिएन्के, अछि फोउन्डटिओनल फइलोसोफइकल पोसिटिओन क मैथिली गेएट लिने क इन्हेरिटन्के, आ कमल'स गीतसभ कन हो रेअद अस सुक्केस्सिवे...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सम्पादित द्वारा गजेन्द्र ठाकुर, विदेह अछि प्रकाशित ४३८+ इस्सुएस द्वारा वय क अप्रिल २०२६.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'विर्निट रस', एक्स्त्रक्टेद, दिस्टिल्लेद अएस्थएटिक एस्सेन्के, अछि की पस्वन अछि फोउन्ड मे लिवेद रेअलिट्य क दुसध कोम्मुनिट्य'स लिफे, आ की हे ओप्फेर्स केँ मैथिली साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के अस एकर सभसँ नेकेस्सय सुप्प्लेमेन्ट.

**११९. अध्याय ४० केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) नट्यशअस्त्र क भअरटमुनि रेकोग्निसेस एक बोद्य क एअल्य प्रदर्शन फोर्म्स रोओटेद मे लोक प्रक्टिके; मैथिली साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के, सँ विद्यापति'स गेएट्स पेफोर्मेद अट कोउर्ट आ गाम अलिके केँ अन्किय नट लिने क इन्हेरिटन्के क अस्सम...
- (B) फइलोसोफइकल गेएटिक गीतसभ पर लोवे (पगेस ७१-७२) रेप्रेसेन्ट सभसँ इन्वर्द आ कोन्टेम्प्लटिवे दिमेन्सिओन क श्रीनगर लिने क इन्हेरिटन्के: 'O लगइटे रहलि, हम मुस्कइटे रहलु' ('शए केप्ट शयिन्ग अवय, I केप्ट स्मिलिन्ग'); 'नयन हुन्क सिन्धउ नेहक...
- (C) पोएम 'कोनव मदर दय हप्प्य' अछि रेमर्कब्ले लेल एकर कोदे-स्विट्चइन्ग: फरसे 'मोथएर'स दय हप्प्य' एन्टेस मैथिली वेसँ अस एक मर्केर क उर्बन-अंग्रेजी मोदेर्निट्य से अछि दिस्प्लेकेद ौथएएन्टिक रेलटिओन्शइप बीच शिशु/बाल आ मोथएर्स.
- (D) कथा वेअवेस टोगेथएर सेवेरल नर्रटिवे थरेअदस: एन्मिट्य बीच ट्वो ब्रोथएर्स (सर्बन Bābū आ Rāghav लल) ओवेर हुनकर धिन्ग मोथएर'स लगेक्य; गेनेरटिओनल टेन्सिओन्स इन्सिदे कनियā Kāka'स परिवार; प्रेदटोर्य एकोनोमिक लोगिक क गाम/ मर्केट...

**१२०. अध्याय ४१ (“लाल देव कमट”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ), सँ फिर्स्ट स्टगिना अट ओक्कसिओन क फिर्स्ट अन्निवेर्सरी क उदयनचर्य मिथिला लिब्ररी, आ छल लटेर सम्मिलित मे विदेह सदेह २९ कोल्लेक्टिओन.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मोमक पङ्कट अधर (लिप्स मेल्टिन्ग लिके वक्स, २०४७ BS / १९९० CE), गेट-गजल कोल्लेक्टिओन ई कोल्लेक्टिओन क गीतसभ आ घअजल्स शओक्स भरमर'स ल्पिकल रनो: एरोटिक आ रोमान्टिक, लिप्स मेल्टिन्ग सँ देसिरे, मे कोन्स्ट्रक्टे कैं ...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से राखएलवन मिडर 'Rखअव' (बोर्न २५ अप्रिल १९१६), त्रकिन्ग हुनकर त्रजेक्टोरी सँ चङ्खूद मे एक गाम क दर्भअन्ग दिस्ट्रिक्ट द्वारा वय क नटिओनलिस्ट अक्टिविस्म, इम्प्रिसोन्मेन्ट मे १९४२, आ पोस्ट-इन्डेपेन्डेन्के एदुकाटिओनल लेअर्देशिप.
- (D) हुनकर कृति अछि सभसँ उचित उन्डेस्टोओद नहि अस अचइएवेमेन्ट क एक इसोलटेड इन्डिबिडुअल बुट अस प्रोदुक्ट क एक कोल्लेक्टिवे इन्टेल्लेक्टुअल प्रोजेक्ट, विदेह समानान्तर साहित्य मोवेमेन्ट, से अछि सेट इटसेल्फ टस्क क क्रेअटिन्ग एक डेमोक्रेटिक, सुबल्टेर्न-इन्क्लुसिवे...

**१२१. अध्याय ५० केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) हुनकर फिक्लिओन, थओउघ अक्कोम्प्लिशएद, अछि नहि प्रोदुकेड सिन्ले लन्डार्क कृति, कनोनिकल उपन्यास वा उन्डेनिअब्ल्य ग्रेअट कथा, से मिघट अछि सेकुरेड हुनकर प्लेके मे मइन्ट्रेअम कनोन अलोन्सिदे त्रिटेर्स लिके रज्जमल चौधरी वा मन्मोहन झा.
- (B) विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रेम: इन्स्टिटुटिओनल सन्दर्भ II.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई पोसिटिओन, इन्सिदे लिने क इन्हेरिटन्के, ओउटसिदे एकर इन्स्टिटुटिओन्स, अछि प्रेकिसेल्य पोसिटिओन समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रेम वलोरिसेस.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य-न्याय: गीत कोन्स्ट्रक्ट्स एक अनुमान (इन्फेरेन्के), सँ ओब्सेर्वेड हेटु (क्विते हइर, युग) कैं सवधय (उर्गेन्क्य क भक्तिपरक प्रक्टिके) विअ व्यति (थओसे के दो नहि टके रम'स नमे बेकोमे घओस्ट्स अपटेर देअथ).

**१२२. अध्याय ५० सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दु सार कहैत अछि?**

- (A) अभइनवगुप्त'स संकल्पना: क सधअरनिकरन (उनिवेर्सलिसिटिओन) अछि पर्टिकुलर्य प्रासंगिक: चङ्खूदथअ फोर्मट दोएस नहि मेरेल्य टेल्ल एक लोकल कथा बुट लिफ्ट्स चअरक्टेर्स इन्टो एक रेगिस्टर क अनिवेर्सल रेकोनिटिओन, अक्केस्सिब्ले कैं शिशु आ अदुल्ट रेअदेर अलिके.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: गाम मेमोरी (गअम्भअर) XV.
- (C) फिर्स्ट अछि पुरनिक: ब्रिहद विशनु पुरन'स संस्कृत वेर्सेस पर मिथिला एस्टब्लिश कोस्मिक-रेलिगिओउस समीक्षात्मक फ्रेम इन्सिदे कोन लोक गीतसभ छथि/अछि सिटुअटेड.
- (D) रस थएओर्य क भअरटमुनि आ अभइनवगुप्त अछि दिरेक्ट्ल्य अप्लिकब्ले हेरे: दोमिनन्ट रस क गह्वर गेट, इफ एकर इमगेर्य क देन्से फोरेस्ट आ देपथ अछि रेअड स्प्यबोलिकल्ल्य, मिघट हो इन्टेर्प्लय क श्रीनगर (एरोटिक वा भक्तिपरक लोन्गिन्ग), करुन...

**१२३. अध्याय ५० (“नन्द कुमार मिश्र 'नन्द'”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई २२-राग टक्सोनोम्य सिटुअटेस रन्जि चौधरी इन्सिदे समे लिने क इन्हेरिटन्के से शअपेड विद्यापति'स पदवलि अस प्रेसेर्वेड मे नेपलेसे मनुस्क्रिप्ट्स, क्हेरे एअच पोएम करिएस एक स्पेकिफिक राग देसिग्नटिओन.
- (B) अरुन कुमार सिंह रेकोनिटिओन क अकडेमिक कोन्ट्रिबुटोर्स कैं समानान्तर कनोन.
- (C) हुनकर हेअड अछि अदोर्नेड सँ मट्टेड हइर आ फलोव क गन्गेस; हुनकर बोध अछि कोवेरेड मे अश आ एक गर्लन्ड क स्कुल्ल्स हन्स सँ हुनकर चएस्ट.
- (D) पोएम्स सँ कव्य सरिट (२०१९) शओव करेफुल अट्टेन्टिओन कैं सोउन्ड पट्टेर्निन्ग, ट्यथमिक रेकुरेन्के, आ फओनेटिक टेक्स्टुरे क मैथिली: अल्लिटेरेटिओन, वोवेल हर्मोनिक्स, आ चअरक्टेरिस्टिक कदेन्केस क मवट्रा प्रोसोदिक स्पस्टेम छथि/अछि सभ देप्लोयेड सँ...

**१२४. “नन्द कुमार मिश्र 'नन्द'” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) विदेह ३५८ (१५ नोवेम्बर २०२२, शअर्दिन्दु चौधरी विशाशअन्क) टिट्ले: ‘मैथिली सहित्यक सेवक नहि, मैथिली भअशाक सेवक: शअर्दिन्दु चौधरी’ पगेस: २६-३० (५ पगेस).
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से भक्तिपरक साहित्य हुनकर कोम्पोसिटिओन्स इन्क्लुडे प्रोमिनेन्ट भक्तिपरक कृतिसभ, सेएट चअलिस आ ओथएर भक्तिपरक गीतसभ इन्डिकटे हुनकर एन्गगेमेन्ट सँ जनकि (सिट) भक्तिपरक लिने क इन्हेरिटन्के, कोन अछि पर्टिकुलर्य स्ट्रोन्ग मे...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोस्टकोलोनिअल थएओर्य: स्पिक्क, भअभअ, सइड गयट्रि चअक्रवोर्त्य स्पिक्क'स कुएस्टिओन 'कन सुबल्टेर्न स्पेअक?' अछि पर्टिकुलर उर्गेन्क्य मे सन्दर्भ क नन्द'स सामाजिक नोवेल्स, क्हेरे लोवेर-कस्टे, लोवेर-क्लस्स, आ स्त्री चअरक्टेर्स छथि/अछि...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शैल झा अछि देस्क्रिबेड द्वारा मुल्लिप्ले कोन्ट्रिबुटोर्स कैं विदेह इस्सुए अस एक 'सगर पथइक', एक अट्टेन्टिवे रेअदेर क मैथिली साहित्य, आ अस एक को-पर्टिकिपन्ट मे सांस्कृतिक-अक्टिविस्ट दिमेन्सिओन क सगर'स कृति.

**१२५. अध्याय ५१ (“नन्द विलस राय”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) मैथिली साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के अछि एक लोन्ग इतिहास क साहित्यिक फमिलिएस, दर्भअन्ग-बसेद स्वओलर्त्य लिनेअगेस, फमिलिएस अस्सोकिअटेद सँ स्पेकिफिक गेन्नेस (पन्जिकर फमिलिएस, सांगीतिक फमिलिएस, मैथिली थएअट्रिकल फमिलिएस), आ विदेह...
- (B) अध्याय प्लकेस नन्द विलस राय इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एल्देर्त्य स्त्री लोक टेल्ल वरिओउस किन्द्स क कथासभ कें योउन्ग शिशु/बाल अट बेद्विमे, कोन छथि/अछि एन्टेईनिन्ग अस वेल्ल अस इन्स्ट्रुक्टिबे आ एदुकटिओनल.” हे होल्ड्स से प्रेएटि ठाकुर'स अचइएवेमेन्ट अछि कें अछि ब्रिद्वेद मौखिक आ ब्रिट्टेन, ...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क ओ न क ल उ स इ ओ न अर्विन्द ठाकुर अछि ओने क सभसँ प्रमुख आ फोर्मल्लय इन्नोवटिबे स्वरसभ मे समकालीन मैथिली साहित्य.

**१२६. अध्याय ५१ (“नन्द विलस राय”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मिश्र'स कोन्ट्रिबुटिओन्स मे ई ग्रंथ इन्क्लुदे: लघु कथासभ (लघु कथअ), साहित्यिक क्रिटिकिस्म, लोक-संस्कृति निबंधसभ पर मैथिली लोक गीतसभ, विवाह गीतसभ, एकोलोगिकल त्रिदिओन्स, सउरथ'स सोमन्थ परल्लेस्स, पोथी रेविएस, आ...
- (B) हुनकर पोएट्रय गिवेस स्वर कें थओसे के कृति विथओउट रेकोग्निटिओन; हुनकर कथासभ एक्स्पोजे थओसे के टके विथओउट गिविन्ग.
- (C) अगइन्स्ट प्रदर्शन (पेफोर्मटिवे पिपेय, पेफोर्मटिवे फिलिअल दुय, पेफोर्मटिवे उप्पेर-कस्ते स्टुडुस), राय'स फिक्टिओन वलोरिसेस ौथएन्टिक: रेअल करे, रेअल देवोटिओन, रेअल सोलिदरिटी.
- (D) दलित इन्वेन्टिओन (हस्ट्रुएप, Sāxइ) हस्ट्रुएप (१९९६): टिट्ले (“इन्वेन्टिओन”) देक्लरेस एक दिसुप्टिओन क ब्रह्मिनिकल स्टुडुस कुओ. ‘Bāभननक Gāअम’: क्रिटिकुएस केना कस्ते “देफोर्म्स” ब्रह्मिन शिशु/बाल.

**१२७. अध्याय ५६ अनुसार, “रम्लोचन ठाकुर” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) एट्मोलोग्य क “अरेर” (सँ “अन्दि” / कस्टोर-ओइल प्लन्ट) ग्रोउन्ड्स गाम मे एकर अग्रिकुल्टुरल एकोलोग्य.
- (B) मे मिथिला, ई रिवेर मइन्त्य फ्लोव्स द्वारा वय क मधुबनी आ दर्भअन्ग दिस्ट्रिक्ट्स आ उल्टिमेटेल्य मेर्गेस इन्टो कोसि रिवेर'स कुर्रेन्ट.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सरस'स शिशु/बाल'स गीतसभ एक्स्प्लोइट फुल्ल रन्गे क फओनेटिक रेसोउर्केस अवइलब्ले मे मैथिली: रेट्रोफ्लेक्स कोन्सोनन्ट्स से अछि नो एकुइवलेन्ट मे ओथएर इन्टो-अर्यन लन्गुअगेस, दिस्टिन्क्टिवे वोवेल कुअलिटिएस, चअरक्टेरिस्टिक...
- (D) एक समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन क मैथिली गीत-संगीतकार आ लेखक रम्लोचन ठाकुर, देमोन्स्ट्रटिन्ग पुशप'स एन्गगेमेन्ट सँ विदेह समानान्तर इतिहास'स प्रोजेक्ट क दोकुमेन्टिन्ग देमोक्रटिक मैथिली साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के.

**१२८. अध्याय ५६ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से इदेन्टिफिएद मैथिली बहर्स, इन्क्लुदिन्ग बहर-ए-विदेह.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क र इ ट इ क एक ल एक प प र ए क इ एक ट इ ओ न: C ह इ ल द र ए न ' स L इ ट ए र एक ट उ र ए ( S व एक र न K एक म एक ल ) स्वरन कमल ( 'गोल्देन लोटुस', २०१९, ५४ पगेस, १५०) अछि देस्क्रिबेद पर एकर टिट्ले पगे अस 'एक उपन्यास लेल र शिशु/बाल मे मैथिली', एक...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रुबायअट प्रदेएप पुशप अछि प्रकाशित रुबायअट ( पेर्सिअन/उर्दु कुअत्रइन फोर्म) मे विदेह सदेह २३ आ २५, देमोन्स्ट्रटिन्ग एन्गगेमेन्ट सँ फुल्ल रन्गे क गजल'स रेलटेद पेर्सिअन-ओरिगिन फोर्म्स अस देवेलोपेद मे मैथिली विदेह...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट इन्क्लुएन्के क प्रे-ज्योटरिशवर विद्यापति छल सो प्रोफोउन्ड से संस्कृत आ अवहट्थअ विद्यापति छल कोम्पेल्लेद कें इन्क्लुदे मैथिली गीतसभ मे हुनकर संस्कृत प्लय गोरक्षअ विजय.

**१२९. अध्याय ५७ (“प्रेएटि ठाकुर”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) कोल्लेक्टिओन फुन्क्टिओन्स अस एक रेपोसिटोर्य क कोम्मुनिटी गीत-संस्कृति, एक लिविन्ग लिने क इन्हेरिटन्के'स अभिलेख क इट्सेल्फ, अस मुच अस एक इन्डिविदुअल साहित्यिक अचइएवेमेन्ट.
- (B) इन्दिअन अएस्थएटिक्स (रस-ध्वनि): दोमिनन्ट स्थवयि भव अछि करुअ (पथओस) आ रउद्र (फुर्य).
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक मोनोग्राफस पर मैथिली साहित्यिक फोर्म्स छथि/अछि ररे; सेरिओउस सुस्टइनेद अनल्यिसस क लघु कथा अस एक गेन्ने इन्सिदे मैथिली साहित्य अछि ररेर स्टिल्ल.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेएटि ठाकुर: केय फिर्स्ट्स मे मैथिली साहित्य थएसे “फिर्स्ट्स” छथि/अछि दोकुमेन्टेद मे मुल्टिप्ले स्रोतसभ, इन्क्लुदिन्ग टेस्टिमोन्य कोल्लेक्टेद मे प्रेएटि करन सेटु बन्हल, रेदेफिनिन्ग मैथिली (एद).

**१३०. “अर्चइवल कोन्ट्रिबुटिओन” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सरस्वति वन्दन (थरेए गीतसभ) थरेए दिस्टिन्क्ट सरस्वति वन्दनस दिस्प्लय लिये क इन्हेरिटन्के'स रिचनेस्स: ओने मे स्वर क एक शिशु/स्टुदेन्ट ('हम नेन् अज्ञान') सेएकिन्ग लेअर्निन्ग; ओने इन्वोकिन्ग गोदेस्स अस विद्य देवि, हन्स...
- (B) समीक्षात्मक इन्टेर्वेन्टिओन क अन्वइन्हर अखअर मोवेमेन्ट छल प्रेकिसेल्य इन्सिस्टेन्के पर फोर्मल रिगोर: से मैथिली गजल मुस्ट ओब्सेर्वे अरबी-पेर्सिअन प्रोसोदिक स्टन्दर्स् (अप्रोप्रिअटेल् अदप्टेड कें मैथिली फोनोलोग्य), से कफिय मुस्ट हो...
- (C) अर्चइवल कोन्ट्रिबुटिओन: ११,००० पल्म-लेअफ पंजी इन्स्क्रिप्टिओन्स कोम्पिलेड, स्कन्नेड & कटलोगुएड द्वारा प्रेएटि ठाकुर (सँ गजेन्द्र ठाकुर, नगेन्द्र कुमार झा, आ पन्जिकर विद्यनन्द झा).
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फेमिनिस्ट क्रिटिकिस्म: स्त्री मे सहु'स फिक्टिओन छथि/अछि अगेन्ट्स, किटू, बुधनि, रथइय, नहि विक्लिम्स; थएय रेअसोन, रेसिस्ट, आ ओक्कसिओनल्लय विन.

**१३१. अध्याय ५७ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वोर्शइप्पेड प्रिमरिल्य द्वारा मुसहर, सल्लेश रेप्रेसेन्ट्स एक कोउन्टेर-कनोनिकल रेलिगिओउस लिये क इन्हेरिटन्के, एक दिविने फिगुरे के बेलोन्स नहि कें संस्कृत-पुरनिक मडन्स्ट्रेअम बुट कें ओप्प्रेस्सेड.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मर्क्सिस्म: इन्टेप्रेटिन्ग "वेल्कोमे गीत" अस एक इनमिक प्रोकेस्स रेफ्लेक्टिन्ग स्टुग्ले बीच लिये क इन्हेरिटन्के आ मोदेर्निटि.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रोदेरिक्क म्किगल्लिस आ इदेओलोग्य क शिशु/बाल'स साहित्य रोदेरिक्क म्किगल्लिस ( निम्ब्ले रेअदेर, १९९६) होल्ड्स से शिशु/बाल'स साहित्य अछि नेवेर पोलिटिकल्लय नेउत्रल बुट अल्वय्स इदेओलोगिकल्लय लदेन, टेअचइन्ग शिशु/बाल की कें वलुए...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वियोगि'स विज्ञनक बट्कहि बेलोन्स कें ई लिये क इन्हेरिटन्के बुट सँ एक दिस्टिन्क्टि वेर्नकुलर इन्फ्लेक्टिओन.

**१३२. अध्याय ६२ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ट ह ए म एक ट इ क एक न एक ल य स इ स ओ फ H इ स ब्र इ ट इ न ग ७.१ अब्सुर्द अस सामाजिक क्रिटिकुए रेकुरिन्ग टेर्म अजगुट (अब्सुर्दिटि, इन्कोन्सिस्टेन्स, सोमेथइन्ग ओउट क प्लेके) मे टिट्ले बद अजगुट देखअल सिग्नल्स एक फइलोसोफइकल-अएस्थएटिक...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई स्टुक्चुरल फेअटरे अछि देएप अफिनिटिएस सँ सांगीतिक फोर्म्स क मिथिला, पर्टिकुलर्लय धुमल आ भक्तिपरक कीर्तन त्रिडिओन्स, मे कोन एक रेफ्रइन लिये (टेक) अछि रेपेअटेड अस एक कोम्मुनिटि रेस्पन्से कें एअच वेर्से क एक लोन्गेर...
- (C) गांगेइअ'स एपिस्टेमोलोग्य: स्किएन्के कोम्मुनिकटोर'स टस्क अछि प्रेकिसेल्य से क त्रन्स्मिटिन्ग युक्तिसंगत क्वाल्तेद्रे (प्रमा) अबोउट नटुरल वोर्ल्ड द्वारा वय क सही टेस्टिमोन्य (इअब्दप्रमाअ) कें एक शिशु ौदिएन्के, पेदगोगिकल प्रोजेक्ट क नव्य-न्याय रेअलिसेड मे...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'मैथिली कोलोउर्स'), कोन प्रकाशित रचनवल आ ओर्गानिसेड मिथिला रंग महोत्सव सँ २००६, अछि इट्सेलफ एक एक्सम्प्ले क समानान्तर सांस्कृतिक इन्स्टिटुटिओन से विदेह मोवेमेन्ट दोकुमेन्ट्स अस कोउन्टेर-अभिलेख.

**१३३. अध्याय ६७ (“रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपल्लि झा 'गोपेश' आ विजय नथ झा”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गोरक्षअ विजय छल त्रिदेन लेल एक भैरव वोर्शइप केरेमोन्य, आ लिके धउर्टसमगम, ई कोन्टइनेड मैथिली गीतसभ, कोन छल एक रेसुल्ट क प्रोफोउन्ड इन्फ्लुएन्के क प्रे-ज्योतिरिशवर विद्यापति.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शिशु/बाल'स साहित्य थएओर्य निकोलजेव, मरिअ आ करोले स्कोट्ट.
- (C) अध्याय प्लेकेस रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपल्लि झा 'गोपेश' आ विजय नथ झा इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.
- (D) हुनकर कथन देफिनेस की किन्ड क थइन्ग विदेह अछि, एक अक्ट क क्रान्टि, क सवहसिक प्रयोग आ थएरेब्य कोन्डिटिओन्स केना एवेर्य सुब्सेकुएन्ट विदेह रेअदेर अप्रोअचएस पत्रिका.

**१३४. अध्याय ६७ अनुसार, “दलित समीक्षात्मक पेर्सपेक्टिवेस फेमिनिस्ट” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) फोर्मल फेअटरेस क पेर्सिअन गजल से पस्सेड इन्टो उर्दु आ एवेन्डुअल्लय मैथिली छथि/अछि: मोनो-ट्यर्मे (काफिया) अप्पेअरिन्ग अट एन्ड क सेकोन्ड लिये क एवेर्य शएर; रदिफ (इदेन्टिकल रेफ्रइन वोर्ड वा फरसे) फोल्लोविन्ग काफिया; मट्ल मे...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फेमिनिस्ट आ दलित समीक्षात्मक पेर्सपेक्टिवेस फेमिनिस्ट साहित्यिक थएओर्य, सँ विर्गिनिअ वोओल्फ'स एक रोओम क ओने'स ओव्न कें बेल्ल होओक्स, देमन्ड्स अट्टेन्टिओन कें रेप्रेसेन्टिओन क स्त्री आ गेन्दरेड स्टुक्चुरेस क साहित्यिक प्रोदुक्टिओन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सरस्वति वन्दन (थरेए गीतसभ) थरेए दिस्टिन्क्ट सरस्वति वन्दनस दिस्प्लय लिये क इन्हेरिटन्के'स रिचनेस्स: ओने मे स्वर क एक शिशु/स्टुदेन्ट ('हम नेन् अज्ञान') सेएकिन्ग लेअर्निन्ग; ओने इन्वोकिन्ग गोदेस्स अस विद्य देवि, हन्स...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मउन'स फिएलट्वोर्क देप्लोय्स बोथ: रव एन्कोउन्टेर सँ लोक लिये क इन्हेरिटन्के अस ई अक्टुअल्लय एक्सिस्ट्स, आ इन्टेप्रेटिन्ग फ्रमे से एनब्लेस हिम कें रेकोग्निजे की हे अछि ओब्सेर्विन्ग अस बेलोन्गिन्ग कें सलहेस वा लोरिक वा बिहुल...

**१३५. अध्याय ६९ मे “पंडित रमजि चौधरी” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) प्रेफके अछि कन्दिद अबोउट इन्स्टिटुटिओनल द्यमिक्स: सहित्य अकदेमि'स देक्लरटिओन क एक शिशु/बाल'स साहित्य प्रिजे स्विमलुटेद एक रुश क मैथिली शिशु/बाल'स त्रिटिना, बुट फिर्स्ट प्रिजे वेन्ट केँ एक अनुवाद रथएर थअन एक ओरिगिनल वोर्कइन्फोर्किन्ग...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स पंडित रमजि चौधरी आ अचअर्य रम्लोचअन शअरन सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक क्रमे.
- (C) सेमिओटिक अछि फेमिनिने, सांगीतिक, पोएटिक, आ ह्यर्थमिक; स्म्बोलिक अछि मस्कुलिने, रुले-बसेद, आ स्ट्रुक्चुरेद.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे अल्सो स्टुडिएद थअरु, रज्जन्शइ, आ बजिगरअ कोम्मुनिटिएस क नेपाल टेरेइ अस बेअरेस क दिस्टिन्क्ट मैथिली सुब-त्रिटिओन्स.

**१३६. “ट्वो अन्नस सेलेक्टेद ह्यमन त्रन्सलटिओन्स” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) मे समानान्तर इतिहास'स टेम्स, हे रेप्रेसेन्ट्स लिने क इन्हेरिटन्के क जग्दिश प्रसाद मंडल: त्रिटर्स के दोकुमेन्ट लिवेद टेक्स्टुरे क सुबल्टेर्न मैथिली एक्स्पेरिएन्के सँ उन्स्वेर्विन्ग फिदेलिट्य.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मार्च १९४८) प्रिके: ट्वो अन्नस सेलेक्टेद ह्यमन त्रन्सलटिओन्स १.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शिशु/बाल'स (शइशउ उट्सव) साहित्य देसिग्नेद लेल शिशु/बाल, एम्फअसिजिना सांस्कृतिक कोन्टिनुइट्य.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से त्रिटिओनल: 'करु भअव सअगर पअर हे जनना...', एक भअक्ति सुरेन्दर गीत ('के अछि म्य बोअट, के अछि म्य बोअटमन, के विल्ल टके मे अक्रोस्स?') इन्वोकिन्ग गोद्देस्स अस मोथएर-फेर्म्मन.

**१३७. “लेखक'स प्रेफके” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शिशु/बाल'स साहित्य अछि बेएन स्स्टेमटिकल्लय उन्देर्वलुएद द्वारा साहित्यिक एस्टब्लिशमेन्ट, आ झा'स व्यापक सुर्वेय मकेस ई गप विसिब्ले आ मेअसुरब्ले.
- (B) लेखक'स प्रेफके: "एक ब्रिएफ बक्कगोउन्ड" लेखक, रम लोचअन शअरन, देखिबेस दिविने इन्स्पिरटिओन बेहिन्द ई मैथिली अनुवाद: इन्स्पिरटिओन (१९५७ AD / २०१४ विक्रम सम्वट): क्लिले सिट्टिना पर बन्क्स क सरयु रिवेर मे अयोधय दुरिना एक...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई हेटोरिक क देवोटेए'स प्रोफोउन्ड इनदेकुअक्वोम्बिनिना भअक्ति'स चअरक्टेरिस्टिक सेल्फ-देप्रेकटिओन सँ मटेर्नल अद्देस्स केँ गोद्देस्स अस ओने के अक्केप्ट्स एवेन इन्कोहेरेन्ट गीत क फोओल, सेर्वेस अस एक स्पेकिफिक मैथिली...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द एक ल इ ट L इ ट ए र एक र य C र इ ट इ क इ स म: टे ल उ ग उ , G उ ज एक र एक ट इ , एक न द O द इ एक D एक ल इ ट L इ ट ए र एक ट उ र ए इ न M एक इ ट ह इ ल इ टू एक न स ल एक ट इ ओ न एक समीक्षात्मक समीक्षा पर्ट I: टेलुगु दलित पोएट्र्य समीक्षात्मक समीक्षा क दलित...

**१३८. “रम विलस सहु” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कन सुबल्टेर्न स्पेअक?" मे मर्क्सिस्म आ इन्टेप्रेटिओन क संस्कृति, एद.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रिमर्य एविदेन्के अछि द्रव्न सँ ट्वो पोथीसभ (कलनिधइ; गअम गेल छअलहुन), सुप्लेमेन्टेद द्वारा वेब अनुसंधान सँ विदेह, हुम मिथइलवसि साहित्यिक दोकुमेन्टिओन ब्लोग, आ विदेह गोओगले पोथीसभ पोथइ अभिलेख.
- (C) हेअद्वस्टर'स गेन्टले रेस्पोन्से, से खइचरि स्वएमे, उन्लिके प्रिवटे स्कूल्स, केएप्स शिशु/बाल रोओटेद मे हुनकर कोम्मुनिट्य आ वलुएस रथएर थअन अलिएनटिना थएम सँ परिवार, गाम, आ मोथएर टोन्गुए, अछि एक मिक्कोकोस्म क कोल्लेक्टिओन'स सामाजिक फइलोसोफय.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नेटूल'स संकल्पना: क 'सांगीतिक कनोन', सेट क कृतिसभ रेगर्देद अस एक्सेम्प्लर्य इन्सिदे एक लिने क इन्हेरिटन्के, अछि प्रासंगिक केँ झा'स मुल्टि-रेगिस्टर प्रेसेन्टिओन.

**१३९. अध्याय ७८ अनुसार, “सियरम झा” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दलित साहित्य, होवेवेर, सेट्स ओउट एक रदिकल्लय त्रन्स्फोर्मेद संगार.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर सियरम झा 'सरस', गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर.
- (C) टेक्स्ट अछि एक सेपेन्ट-वोर्शइप भक्तिपरक पोएम (सर्प-पुज वा मनस-वोर्शइप लिने क इन्हेरिटन्के), देअलिना सँ कुल्ट क स्नके-गोद्देस्स मनस, ओने क सभसँ प्रमुख सुबल्टेर्न गोद्देस्स त्रिटिओन्स क मिथिला-बेन्गल सांस्कृतिक जोने.
- (D) पोएम ओपेन्स सँ एक ट्वो-लिने कोउप्लेट ( 'झारत कोउप्लेट' प्रोपेर), एक कोम्प्रेस्सेद मोरल वा समीक्षात्मक कथन, ओपटेन परदोक्सिकल वा पुन्निना, से नमेस सामाजिक एविल केँ हो स्वेप्ट अवय.

**१४०. अध्याय ७८ (“सियरम झा 'सरस'”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय प्लेकेस सुभअश चअन्द्र यदव इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से होवेवेर, सँ १९८४ ओन्वर्दस, हे उसेद हुनकर टेचनिकल क्नोव्लेद्रे केँ उन्देस्टन्ड त्रिदिओनल आ नटुरल बेहवियोर क रिवेर्स.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सेवेरल घअजल्स अद्वेस्स एक्स्पेरिएन्के क दिस्प्लेकेमेन्ट, लबोउर, आ पोलिटिकल डिसेन्फ्रन्चइसेमेन्ट सँ एक एकोनोम्य क भाषा ट्युबिकल क शास्त्रीय शएर.
- (D) अध्याय प्लेकेस सियरम झा 'सरस' इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.

**१४१. अध्याय ७८ मे “सियरम झा” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) थएसे स्पेकिअल इस्सुएस, कोन विदेह अछि देवोटेद केँ त्रिटेस इन्क्लुदिना रम भअरोस कपरि 'भरमर', शइशअन्कर श्रीनिवस, हिटूनथ झा, आ ओथएर्स, फुन्किटओन अस प्रिमर्य सिटे क समीक्षात्मक अप्रइसल इन्सिदे समानान्तर साहित्य लिने क इन्हेरिटन्के...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स सियरम झा 'सरस' सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रनव झा, 'मिथिला मे पोखअर्क अटिक्रमन ा "टलब बचअओ अभइयन"' (प्य.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ ैद क फेमिनिस्ट थएओर्य, क्रिटिक कन अनल्यजे व्हेथएर स्त्री बोध अछि एक ओर्नमेन्ट क Sprigār वा एक दोकुमेन्ट क लबोर?

**१४२. अध्याय ७८ “सियरम झा 'सरस'” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई पेदगोगिकल्लिटेरर्य प्रोजेक्ट अछि एन्टिरेल्य कोन्सिस्टेन्ट सँ विदेह समानान्तर इतिहास'स कोम्मिट्मेन्ट केँ देवेलोपिना एवेर्य रेगिस्टर आ ौदिएन्के क मैथिली साहित्य.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक अस्सेस्मेन्ट सप्न सकर अछि एक उनेवेन कोल्लेक्टिओन, सोमे कथासभ छथि/अछि स्लिघट आ अनेक्दोटल, क्लिमे ओथएर्स (एस्पेकिअल्ल्य "बुनि मइ क बेथअ" आ "निर्वशइट जिवन") देमोन्स्ट्रेटे गेनुइने नरंतिवे क्रफ्ट्स्मन्शइप.
- (C) सामाजिक वोर्ल्ड रेन्देरेद अछि कोन्सिस्टेन्टल्य लोवेर्मिहूले-क्लस्स मिथिला वोर्ल्ड, टेअचएर्स, स्मल्ल फर्मेर्स, लोवेर-गोवेर्मेन्ट-सेर्विके फमिलिएस, स्त्री मे दोमेस्टिक स्पकेस, ट्रेअटेद सँ बोथ अपफेक्टिओन आ समीक्षात्मक इन्टेल्लिगेन्के.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेफटोर्य नोटे पर विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे II.

**१४३. अध्याय ७८ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई छल प्रकाशित मे नेपाल अकदेम्य'स पत्रिका प्रज्ञ आ मे अर्चअन, भरमर'स ओव्ल पत्रिका.
- (B) धओबि कोम्मुनिट्य मे मिथिला ओक्कुपिएस पोसिटिओन क एक सेर्विके कस्टे व्होसे त्रिदिओनल ओक्कुपिटिओन (वशइन्ग क्लोथएस लेल लन्देद फमिलिएस) प्लेकेद थएम मे एक रेलटिओन्शइप क एकोनोमिक देपेन्डेन्के आ सामाजिक सुबोर्दिनटिओन केँ उप्पेर कस्टेस थएय सेवेद.
- (C) RTI दट दोकुमेन्टेद द्वारा विनिट उट्पल आ अशइश अन्वइन्हर (२०११-१४) शओवेद से ओवेर ९०% क सहित्य अकदेमि अस्सिग्मेन्ट्स वेन्ट केँ फ्रिएन्ड्स आ रेलटिवेस क १०-मेम्बेर मैथिली अद्विसोर्य बोअर्द.
- (D) थएओरेटिकल समीक्षात्मक फ्रमे I: इन्दिअन क्रिटिकिस्म (रस, धवनि, ौकिट्य, वक्रोक्ति) V.

**१४४. “सियरम झा 'सरस'” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुच'स पोएम्स द्रव पर लोक संगीत त्रिदिओन्स क मिथिला (महेशवाणी, चैत थउम्रि, होलि, नचारी) अस रेपोसिटोरिएस क शअरेद एमोटिओनल आ स्पिरिटुअल क्नोव्लेद्रे.
- (B) मैथिली साहित्य अप्टेर मंडल कन्नोट रेटुर्न केँ एकर प्रे-मंडल नर्रोवेन्स.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फिर्स्ट, रेअदिना पुब्लिक, एस्पेकिअल्ल्य थओसे विथओउट देएप क्नोव्लेद्रे क उर्दु प्रोसोद्य, लोस्ट अबिलिट्य केँ दिस्टिन्गुइश सही सँ गलत गजल.
- (D) थएओरेटिकल समीक्षात्मक फ्रमे III: नव्य-न्यव्य एपिस्टेमोलोग्य अस साहित्यिक मेथओद VII.

**१४५. अध्याय ७८ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: पोएट्य आ गीत-पद (गेएट) विी.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से P R T I V: V Y Ā P T I एक N एक L Y S I S, T H E I N F E R E N T I एक L S T R U C T U R E O F M एक U N ' S C U L T U R एक L C L एक I M S ४.१ केय व्यवृष्टि स्ट्रुक्चुरेस मे मउन'स स्वओलर्शइप नव्य-न्यव्य अनल्यिसस क इन्फेरेन्के केन्ट्रेस पर व्यवृष्टि...
- (C) इन्दिअन समीक्षात्मक आ फइलोसोफइकल स्रोतसभ Āनन्दवर्धअन.
- (D) इन्दिअन अएस्थएटिक्स (रस-धवनि-वक्रोक्ति): केँ अग्रेकिअटे एमोटिवे आ सुगोस्टिवे पोवेर क कृतिसभ, इदेन्टिफियिना स्थअयि भअव (दोमिनन्ट एमोटिओन) से गिवेस रिसे केँ रस (अएस्थएटिक रेलिश), आ वक्रट (ओब्लिकुए एक्स्प्रेसिओन) से क्रेअटेस पोएटिक बौट्य.

१४६. अध्याय ७८ अनुसार, “पोलिटिकल वेर्से” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सेकोन्दर्य स्रोतसभ: मैथिली साहित्य आ सन्दर्भ चौधरी, रधअक्रिशन.
- (B) मे कोलोनिअल पेरिओड आ अप्टेर, मइथइल अस्सेटेंड इट्सेलफ अस एक स्वएदुलेद भाषा (८थ स्वएदुले, इन्दिअन कोन्स्टिटुटिओन, २००३), येत साहित्यिक एस्टब्लिशमेन्ट रेमइनेद स्ट्रटिफिएद अलोग कस्टे आ पट्रोनगे लिनेस.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: सामाजिक & पोलिटिकल वेर्से (धअरि प्रश्न ी उथैये) X.
- (D) देक्कन सुल्टनटेस, बिदर, गोल्कोन्ड, बिजपुर, बेकमे नेक्स्ट प्रमुख सिटे क गजल देवेलोप्मेन्ट.

१४७. अध्याय ७८ “सियरम झा 'सरस'” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अस्पेक्ट क हुनकर कृति अलिगन्स सँ विदेह पत्रिका'स ब्रोअदेर समानान्तर इतिहास प्रोजेक्ट, एफफोर्ट केँ त्रिटे एक बेसी इन्क्लुसिवे, देमोक्रेटिसेद इतिहास क मैथिली साहित्य से अक्वोक्लेट्रेस कोन्ट्रिबुटिओन्स बेयोन्ड दोमिनन्ट कस्टे...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे बेगन ब्रिटिन्ग गीतसभ (गाट) मे हिघ स्कुल आ प्रोदुकेद मन्य कस्सेट्रेस मे वरिओउस स्ट्यूलेस, बुट फोउन्ड नो लस्टिन्ग सटिस्फाक्टिओन उन्टिल गजल फोर्म ट्रेव हिम.
- (C) केय फिगुरे: ओब्जेक्ट-पोएटिक्स सुभअद्र'स पोएट्र्य'स सभसँ प्रमुख चअरक्टेरिस्टिक अछि -मकिन्ग ओर्दिनर्य ओब्जेक्ट्स केन्टेर क पोएट्र्य: लअन्ड (वेस्सेल लेल रोडिन्ग लेअथएर), क्लय पोर्ट, सरि'स एट्रे, मट्रोक्क, सिक्क्ले.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सरस आ मैथिली गजल रेविवल: अन्वइन्हेर ाखअर सन्दर्भ किंसी.

१४८. अध्याय ७८ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोम्पराटिवे अनलिसिस: सरस अमोन्ग समकालीन मैथिली कविसभ XIV.
- (B) अभइनवगुप्त'स अभइनवभअरटि (१०थ-११थ केन्टुर्य CE), ग्रेअटेस्ट कोमेन्टरी पर नट्यशअस्त्र, इन्ट्रोदुकेस संकल्पना: क सधअरनिकरन, उनिवेर्सलिजटिओन क इन्डिविदुअल एमोटिओनल एक्स्पेरिएन्के इन्टो अएस्थएटिक एक्स्पेरिएन्के, से अछि दिरेक्ट्ल्य प्रासंगिक केँ...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से निर्विकल्पक आ सविकल्पक मे गजल शएर गॉगेअ'स दिस्टिन्क्टिओन बीच निर्विकल्पक प्रत्यक्षअ (प्रे-लिन्गुइस्टिक, इन्टेर्मेनटे दिरेक्ट एक्स्पेरिएन्के) आ सविकल्पक प्रत्यक्षअ (देर्मेनटे, कटेगोरिसेद एक्स्पेरिएन्के सँ कुअलिफिएर्स)...
- (D) थएय कोन्विकेद पेओप्ले, कुट दोन् सभ ट्रेएस क मिथिला आ टोओक थएम अवय.

१४९. अध्याय ७८ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दु सार कहैत अछि?

- (A) विदेह समानान्तर इतिहास होल्ड्स से मइन्स्ट्रेअम मैथिली साहित्यिक हिस्टोरिओग्राफ्य, अस कुरटेद द्वारा सहित्य अकदेमि सिन्के १९६५, अछि स्ट्रेमटिकल्ल्य प्रिविलेगेद एक उपेर-कस्टे (प्रेदोमिनन्ट्ल्य मइथइल ब्रह्मिन) कनोन किले सुप्रेस्सिन्ग देमोक्रेटिक, लोक...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अन्थओलोग्य अछि लॉग्रेस्ट कुरटेद कोल्लेक्टिओन क मैथिली स्त्री'स पोएट्र्य क आधुनिक पेरिओड.
- (C) पिवोटल मोमेन्ट कमे अरोउन्ड २००४, केन हे मेट उमेश मंडल, सुब-सम्पादक क विदेह आ सोन क ग्रेअट मैथिली उपन्यासकार जग्दिश प्रसाद मंडल.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से किछु टेएट मधउर: त्रवेलोगुए AS स्किएन्के-हुमनिस्ट ब्रिटिन्ग किछु टेएट मधउर (कोल्कट, २०१४) अछि एक फोउर-पर्ट त्रवेलोगुए कोवेरिन्ग अमेरिक (सँ १९७७, वियोगि'स फिर्स्ट पोस्टिन्ग अट बेर्केलेय), फ्रन्के (१९८४-८५, सँ परिवार), ओथएर...

१५०. अध्याय ७८ अनुसार, “विनिट उट्पल” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सिंह'स समीक्षात्मक निबंधसभ, धवनि (सुगोस्टिओन) ओपेरेटेस अट ट्वो लेवेल्स.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कुन्टक'स वक्रोक्तिजिवि (१०थ केन्टुर्य CE) एम्फअसिसेस वक्रोक्ति (ओब्लिकुए एक्स्प्रेसिओन) अस लिफेप्रिन्किप्ले क साहित्य.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गहबर गेएट (गीतसभ क देएप फोरेस्ट) ई स्लिम बुट प्रमुख १०-पगे कोल्लेक्टिओन क वेर्से रेप्रेसेन्ट्स योगनन्ड झा'स पोएटिक स्वर.
- (D) एक RTI इन्वेस्टिगटिओन (रिघट केँ इन्फोर्मटिओन) फिलेद द्वारा विनिट उट्पल आ अशइश अन्वइन्हेर (२०११२०१४) रेवेअलेद से ओवेर ९०% क सहित्य अकदेमि अनुवाद आ प्रकाशन अस्सिग्मेन्ट्स वेन्ट केँ फ्रिएन्ड्स आ रेलटिवेस क १०-मेम्बेर अद्विसोर्य बोअर्ड, आ से जेरो...

१५१. अध्याय ७८ (“सियरम झा 'सरस'”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?

- (A) सिग्निफिकन्के क मधउप'स एन्गमेन्ट सँ गजल कन्नोट हो ओवेस्टेटेद: ई गवे फोर्म इन्स्टिटुटिओनल प्रेस्टिगे क अस्सोकिअटिओन सँ अकदेमि-विन्निन्ग मइन्स्ट्रेअम क मैथिली साहित्यिक संस्कृति.
- (B) अगइन्स्ट ई इन्स्टिटुटिओनल बक्कद्रोप, अन्य 'सम्पूर्ण' समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन क सरस मुस्ट रेअद हुनकर कृति नहि केवल द्वारा वय क लेन्स क एकर इन्ट्रिन्सिक साहित्यिक मेरिट बुट अल्सो द्वारा वय क स्ट्रुक्चुरल कोन्ट्रिबुटिओन्स से अछि देर्मेनेद हुनकर समीक्षात्मक रेकेटिओन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बेकउसे ई छल कोम्पोसेद केन्टुरिएस बेफोरे हिम, अट एक टिमे केन पग छल नहि येत ओरिगिनटेद मे मिथिला.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नन्द'स केन्टेरिन्ग क हुनकर कथा अछि एक अक्ट क फेमिनिस्ट थएओलोगिकल रेविसिओन.

**१५२. अध्याय ७८ मे “गांगेऽउपधयवय” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई कोम्बिनटिओन, प्रख्यओलोगिकल एक्सपेर्टिसे, फेमिनिस्ट कोन्सिओउस्नेस्स, सामाजिक एन्गमेन्ट, आ साहित्यिक शिल्प, प्रोदुकेस एक स्वर से अछि उल्लेख अन्य ओथएर मे मैथिली स्त्री'स त्रिटिना.
- (B) पेन नमे 'नन्द', मेअनिना 'जोय', 'देलिघट', वा नमे क क्रिशन'स फोस्टर-फथएर मे पुरनिक लिने क इन्हेरिटन्के, अछि बोथ भक्तिपरक रेसोनन्के आ लोक वर्थ (अप्रोप्रिएटे लेल एक लेखक कोसे सामाजिक रेअलिस्म अछि ग्रोउन्देद मे गाम अप्फेक्टिओन).
- (C) विदेह समानान्तर इतिहास फुर्थएमोरे रेकोवेर्स फिगुरे क गांगेऽउपधयवय (क).
- (D) वेल्ल ब्रोउघट उर्न: स्टुदिएस मे स्टुक्चुरे क पोएट्र्य.

**१५३. “सियरम झा 'सरस'” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) हुनकर पेन नमे 'सरस', मेअनिना 'ग्रकेफुल', 'फ्लुइड', वा 'लिवेल्य' मे संस्कृत आ मैथिली, अप्रोप्रिएटेल्स कप्टुरेस बोथ ल्यिक स्वेएट्नेस्स आ सामाजिक अलेट्नेस्स से चअरक्टेरिजे हुनकर त्रिटिना.
- (B) रदिफ आ ह्यम् स्पस्टेम रदिफ (रेफ्रड्न) मे एअच गजल अछि सभसँ एक्सप्रेसिबे फोर्मल चओइके.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केँ मोवे बेयोन्ड इम्प्रेसिओनिस्टिक प्रइसे आ कोन्स्ट्रुक्ट एक रिगोरोउस स्वओलल्य एवलुअटिओन, अनल्यिसस स्न्थएसिजेस मुल्टिप्ले समीक्षात्मक फ्रमेवोर्कस: १.
- (D) गाम'स मन्य “अशफि” सुर्नमेस (अशअर्फिमन्दल, अशअर्फिथअकुर) संकेत करब से गोओदनेस्स छल ओन्के अबुन्दन्ट, बुट नोव ई अछि बेइना “लोओटेद.” ३.

**१५४. अध्याय ७८ (“सियरम झा 'सरस'”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई फ्रगमेन्टिओन अछि नहि इन्किदेन्टल; ई अछि स्प्यबोल क दलित हिस्टोरिकल कोन्सिओउस्नेस्स, केरे मेमोय अछि नहि कोले बुट स्टोलेन आ स्कट्टेरेद.
- (B) 'अन्वइन्हर फोर्मुल' अस प्रमार्अ थएओय स्टुक्चुरल समानान्तर बीच अन्वइन्हर'स एवलुअटिबे फोर्मुल आ गांगेऽअ'स प्रमार्अ थएओय अछि स्ट्रिकिना आ, गिवेन मैथिली सांस्कृतिक सन्दर्भ, उल्लेखकें केँ हो एन्टिरेल्य अक्किदेन्टल.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई एस्टब्लिशएस हिम अस एक अक्किबे पर्टिकिपन्ट मे ओर्गनिजेद मैथिली साहित्यिक संस्कृति मे झअखअन्द दिअस्पोर बेल्ट.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वेस्टर्न समीक्षात्मक थएओय ४.२.१ मिखैल बखटिन: कर्निवलेस्कुए, हेटेरोग्लोस्सिअ, दिअलोगिस्म बखटिन'स संकल्पना: क कर्निवलेस्कुए, फेस्टिबे इन्वेर्सिओन क सामाजिक हिअरर्चइएस, लउघटेर से एक्सपोसेस प्रेटेन्सिओन्स क पोवेर, अछि...

**१५५. अध्याय ७८ मे “झअखअन्द मिथिला मन्य” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कमट'स दिस्टिन्क्टिबे कोन्ट्रिबुटिओन अक्रोस्स सभ फोउर कृतिसभ, LĀL DEV Kāmट'स सभसँ दिस्टिन्क्टिबे कोन्ट्रिबुटिओन केँ मइथइला साहित्य अछि इन्टिग्रिटीओन क साहित्यिक आ प्रक्टिकल क्नोक्लेट्टे इन्सिदे एक सिन्गले उनिफिएद टेक्स्ट-प्रक्टिके.
- (B) जोउर्नलिस्ट'स कृति अछि इन्टिफिकटिओन आ वेरिफिकटिओन क व्यत्ति, गेनेरल प्रिन्किप्ले से गिवेस स्पेकिफिक ओब्सेर्वटिओन एकर सिग्निफिकन्के.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से देएपक मन्जुल'स चअरक्टेरिस्टिओन क चौधरी अस ' कबिर क मैथिली साहित्य' पोसिटिओन्स हिम मे एक सुबल्टेर्न कोउन्टेर-लिने क इन्हेरिटन्के केँ विद्यापति पदवलि ओर्थओदोक्स्य, टुथ-टेल्लेरे के रेफुसेस कोन्सोलिडिओन्स क हिघ...
- (D) हुनकर कोन्नेक्टिओन सँ झअखअन्द मिथिला मन्य (एक सांस्कृतिक ओर्गनिजटिओन लेल मैथिली स्पेअकेर्स रेसिदिना मे झअखअन्द) अछि कोन्फिर्मेट द्वारा कोलोफोन क धअरि प्रश्न ी उथैये (२०१५), कोन छल प्रकाशित उन्देर मन्च'स इम्प्रिन्ट मे रन्चइ.

**१५६. अध्याय ७८ “आखअर आखअर गेट सरस” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) हुनकर एअर्लिअर कोल्लेक्टिओन्स, नोटब्ल्य आखअर आखअर गेट सरस (सर्ल प्रकशअन, दर्भअन्ग, १९९९), संकेत करब रोओट्स मे दर्भअन्ग साहित्यिक वोल्ड, कोन्फिर्मिना एक त्रजेक्टोय ट्य्पिकल क मन्य समकालीन मैथिली त्रिटेर्स: बिर्थ आ एअल्य फोर्मटिओन मे मिथिला...
- (B) अध्याय प्लकेस डॉ. कमिनि कमयिनि आ कपिलेशवर रउट इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.
- (C) थएसे नथस ओपटेन बेलोन्गेद केँ लोवेर स्त्रट क समाज-स्वेएपेर्स, अर्रोव-मकेर्स, आ कोक्वेर्दस-आ हुनकर साहित्य, कप्टुरेद मे बल्लदस् लिके गोरक्षअ बिजोय, देखबैत अछि एक फुसिओन क शैव फइलोसोफ्य आ सेक्रेट योगिक दिस्कप्लिनेस.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई सम्पादित ग्रंथ क फिफ्टेन पेपेर्स अछि एक फोउन्डटिओनल रेफेरेन्के कृति लेल मैथिली लिन्गुइस्टिक्स मे नेपाल.

**१५७. अध्याय ७८ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) हुनकर घअजल्स आ कटा प्लके हिम मे लिने क इन्हेरिटन्के क मुस्लिम कोन्ट्रिबुटिओन केँ मैथिली 'स अरबी-पेर्सियन-ओरिगिन फोर्म्स.
- (B) हुनकर फकेबोओक-दोकुमेन्टेद सांगीतिक कोल्लेबोरटिओन सँ गायक धइरेन्द्र प्रेमशङ्ख आ सुनिल कुमार मल्लिक, प्रोदुकिन्ग मैथिली गजल रेकोर्डिन्स से किर्कुलटेद द्वारा वय क I लोवे मिथिला प्लटफोर्म, शओव्स हुनकर एनागमेन्ट सँ डिजिटल देमोक्रेटिजटिओन क...
- (C) दिफेरेन्के अछि नहि ओने क कुअलिटी बुट क पोसिटिओन: एअच ओपरेटस मे एक भिन्न फिएल्ड क मैथिली थएअटिकल एकोसिस्टेम.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से १३१५) सँ १३१ पगेस रेप्रेसेन्ट्स ओने क लगेस्ट सिन्ले पोएट्र्य कोन्ट्रिबुटिओन्स मे अभिलेख.

**१५८. “सियरम झा 'सरस'” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई स्थण्डिलस अल्लोव्स लेल एक "स्थण्डिलिक अस्सेस्मेन्ट" क साहित्य से रेस्पेक्ट्स इन्दिगेनोउस इन्टेल्लेक्टुअल त्रिडिटिओन्स क मिथिला किले एनागिन्ग सँ ग्लोबल अकदेमिक स्टन्डर्ड्स.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सुबसेकुएन्टल्य हे रेलेअसेद अप्रोक्सिमेटेल्य फिफ्टेन कस्सेट्स द्वारा वय क पुर्वअन्वअल सांगीतिक रेकोर्ड्स, पटन (१९७७-७८), कोन्ट्रिबुटिओन मैथिली आ भोजपुरि भजनस आ दुअल-भाषा गीतसभ.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ पेस्पेक्टिवे क नव्य-नय्य एपिस्टेमोलोजी, ई निबंध शओव्स एक सोफिस्टिकटेड उसे क अनुमन (इन्फेरेन्के) आ टर्क (समीक्षात्मक रेअसोनिन्ग).
- (D) ब्रेअदथ क हुनकर ओउटपुट, लिब्रक पोएट्र्य, गजल, सामाजिक-समीक्षात्मक वेर्से, शिशु/बाल 'स साहित्य, मर्क्स हिम अस एक साहित्यिक गेनेरलिस्ट मे सभसँ उचित सेन्से: एक लेखक के रेफुसेस स्पेकिअलिजटिओन आ इन्सिस्ट्स पर स्पेअकिन्ग केँ कोले क मैथिली सांस्कृतिक लिफे.

**१५९. अध्याय ७८ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) गांगेडअ उपअध्याय 'स अनलिप्सस क प्रत्यक्षअ (दिरेक्ट पेर्सेप्टिओन) अछि प्रासंगिक हेरे: ग्रन्धउघटेर 'स दिरेक्ट एक्स्पेरिएन्के क हुनकर ग्रन्धफथएर अछि एक फोर्म क परम-प्रत्यक्षअ (इम्मेडिएटे, उन्मेडिएटेड कोग्निटिओन) से ग्रोउन्ड्स सुबसेकुएन्ट समीक्षात्मक अस्सेस्मेन्ट मे एक...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि देखिबेद पर कोवेर अस 'एक पेएर्लेस्स कोल्लेक्टिओन क मैथिली गीत-पद' (एक पेएर्लेस्स कोल्लेक्टिओन क मैथिली गीत-पद, कोम्पोसेद द्वारा श्री सयिन झा 'सरस').
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ एक फेमिनिस्ट समीक्षात्मक पेस्पेक्टिवे, थएसे विरह पोएम्स पेफोर्म कोम्प्लेक्स गेन्द्रे नेगोटिअटिओन्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सफि 'स बइशअख मे दलन पर होल्ड्स ई फोउन्डटिओनल पोसिटिओन मे मैथिली: ई अछि फिर्स्ट, आ एकर एक्विस्टेन्के चअन्स मैथिली साहित्यिक लन्ड्सके पेर्मनेन्टल्य.

**१६०. “सियरम झा 'सरस'” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) ग्रंथ कोन्ट्रिबुटिओन ओवेर १०० गीतसभ ओगनिजेद अरोउन्ड थएमेस इन्क्लुदिन्ग: भक्तिपरक गीत-पद, लोवे गीतसभ (श्रीनगर), गीतसभ क देपटुरे आ सेपरटिओन (बिरह), नटुरे पोएट्र्य, आ सामाजिक कोम्मेन्टरी.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स बेचअन ठाकुर सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सेट पर ६ जुने २००३, दय केन प्रिमे मिनिस्टर क भारत छल केँ लय फोउन्डटिओन स्टोने क एक रइल्वय ब्रिदे ओवेर कोशङ अट निर्मल, कथा एस्टब्लिशएस एकर पोलिटिकल्लिस्टोरिकल सन्दर्भ सँ अनुसुअल प्रेक्सिसओन.
- (D) अस रवि भउशअन पथअक त्रिटेस: “गम्भइर लेखअन्कइन मन्यट नइ भएटइट देखइ कवि ग्रमक यअहोने अभइनन्दन पट्रे लेखअन मेन रुचइ लिअ लगलह”, सेएइन्ग से सेरिओउस त्रिटिन्ग रेकेइवेद नो रेकोग्निटिओन, कवि बेगन केँ टके इन्टरेस्ट मे त्रिटिन्ग कोन्ग्रेटुलटोरी...

**१६१. अध्याय ७८ (“सियरम झा 'सरस'”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोन्ट्रिबुटिओन आ प्रकाशन इन्फोर्मटिओन कपिलेशवर रउट, गाम: बेर्म, विअ: टमुरिय, दिस्ट्रिक्ट: मधुबनी, मिथिला, बिहार, ८४७४१०.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शिशु/बाल 'स पोएट्र्य आ Bāl गजल चौधरी 'स बाल गजल (शिशु/बाल 'स गजल) कोन्ट्रिबुटिओन्स मे सदेह ९, अलोन्सिदे कुम्हर आ बखअ Rānā, रेप्रेसेन्ट हुनकर एनागमेन्ट सँ पेदगोगिकल-साहित्यिक प्रोजेक्ट क देवेलोपिन्ग मैथिली...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि इट्सेलफ एक प्रमुख सांस्कृतिक अक्ट: ई क्लाइम्स गजल लेल संस्कृत सस्त्र लिने क इन्हेरिटन्के, अस्सेर्टिन्ग से फोर्म 'स फोर्मल देमन्ड्स छथि/अछि नहि "फोरेइन्ग" इम्पोजिटिओन्स बुट कन हो दोमेस्टिकटेड इन्सिदे मिथिला 'स ओव देएप लिने क...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शओनितयल पर्यर्क निशअन (एक कोल्लेक्टिओन क मैथिली घअजल्स) टिट्ले: 'ब्लोओडस्टइनेद फोओट्रिन्ट्स', एक देलिबेरेटेल्य विस्केरल आ पोलिटिकल्लय चअर्गेद टिट्ले लेल एक गजल कोल्लेक्टिओन.

**१६२. अध्याय ७८ में “सियरम झा 'सरस'” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर डॉ. कमिनि कमयिनि आ कपिलेशवर रउट, पोएट्रय, प्रोसे आ सामाजिक रेअलिस्म.
- (B) अक्टोर्स आ अक्ट्रेसस एक्स्पेरिएन्के रस द्वारा वय क प्रक्टिके आ इमगिनटिओन.
- (C) कोल्लेक्टिओन क घअजल्स छथि/अछि थएरे मे कोन त्रदिटिओनल थएमेस क लोवे, लोनिंग, आ इन्टोक्सिकटिओन छथि/अछि चअर्गेद सँ एक सामाजिक आ पोलिटिकल उन्देर्व.
- (D) हुनकर जुद्गमेन्ट्स छथि/अछि ग्रोउन्देद मे दिरेक्ट एक्स्पेरिएन्के: 'I अछि बेएन रेअदिना कर्नअमिट सिन्के १९८७' (क रजनन्दन लाल दास); 'I अछि सेएन रविन्द्र ठाकुर पेफोर्म टेन कै फिफ्टेएन टिमेस' (क गीतकार); 'I दोब्बलोअदेद आ रेअद अशओक'स कथासभ सँ विदेह...

**१६३. अध्याय ७८ “प्रश्न ी उथैये” विषयमे मुख्य रूपँ की बल दैत अछि?**

- (A) थएसे छथि/अछि सभ गस्लिघटिना टेचनिकुएस उसेद कै देमोरलिजे, कोन अछि बेएन एन्देद द्वारा समानान्तर स्ट्रेअम सँ हेल्प क कथा स्किएन्के.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से धअरि प्रश्न ी उथैये (झअखअन्द मिथिला मन्च, रन्चइ, २०१५; १स्ट एद.; प्रिन्ट रुन १०००) टिट्ले: 'शए अस्व्स ई कुएस्टिओन' (धअरि = शए/एक स्त्री; प्रश्न = कुएस्टिओन; ी उथैये = रइसेस ई).
- (C) हुनकर फोउर पोएम्स टोगेथएर प्रेसेन्ट एक पनोरम क एक सम्पूर्ण दलित स्त्री'स लिफे: सँ फिएल्द कै होमे, सँ लबोर कै मोथएर्होओद, सँ हुनोर कै दिग्निट्य.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सिंह'स मैथिली पोएट्रय, प्रकाशित मे विदेह: सदेह २६, रनोस अक्रोस्स थरेए दिस्टिन्क्ट रेगिस्टेर्स: फइलोसोफइकल-मेदिटिवे ('अटेएट', 'पस्ट'; 'ास', 'होपे'), ल्यिक-सामाजिक ('लोरि' 'लोरी'), पट्रिओटिक-एम्पथएटिक ('बअजु...

**१६४. अध्याय ७८ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि एक प्रमुख कोल्लेक्टिओन क मैथिली पोएम्स प्रकाशित मे २०१५ द्वारा झअखअन्द मिथिला मन्च, प्रिकेद अटर्स.२०.
- (B) फओएनिकिअन गोद्देस्स अस्टर्ट / एशटर फिन्ड्स हुनकर मैथिली उपमन मे फिगुरे क दुर्ग वा कलि; लेबनेसे केदर फोरेस्ट फिन्ड्स एकर उपमन मे सक्नेद ग्रोवेस क मैथिली लोक रेलिगिओन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लाल पर एवोलुटिओन क मैथिली लघु कथासभ, R.
- (D) कथा फोल्लोक्स Kājām होमे, क्हेरे हे दिस्कोवेर्स से हुनकर अद्विके-गिविना अछि नहि इम्प्रोवेद हुनकर ओव्न होउसेहोल्द; हुनकर परिवार अछि एअटेन रिक्के आ पुलसे हे छल होअर्दिना लेल अस्सेम्ब्ल्य'स फेअस्ट.

**१६५. “सियरम झा 'सरस'” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) नव्य न्याय्य लिने क इन्हेरिटन्के, लेल सभ एकर फइलोसोफइकल रिगोर, छल अप्रोप्रिअटेद द्वारा समे ब्रह्मिन-दोमिनटेड इन्स्टिटुटिओनल अप्परटुस से विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे कोन्टेस्ट्स.
- (B) प्रेफके इन्दिक्टस से ई कोल्लेक्टिओन अछि कोन्केर्नेद सँ कोन्दिटिओन क स्त्री, सामाजिक कुएस्टिओनिंग, आ पोलिटिक्स क सिलेन्के.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोल्लेगे, निर्मलि; वेएर कुन्वर सिंह उनिवेर्सिट्य, मधएपुर) प्रोविदेस एक स्वओललर्त्य इन्ट्रोदुक्टिओन सिटुअटिना मनु'स पोएटिक्स.
- (D) स्वओललर्त्य एक्समिनटिओन क कमट'स रोले रेवेअल्स एक स्ट्रुक्चरल अट्टेम्प्ट कै देमोक्रेटिजे मैथिली भाषा, मोविना ई सँ एक्स्क्लुसिवे दोमइन क त्रदिटिओनल स्वओललर्त्य एलिटेस इन्टो विब्रन्ट, ओफ्टेन कोन्टेन्टिओउस अरेनस क रेगिओनल पोलिटिक्स आ डिजिटल मेदिअ.

**१६६. “सियरम झा 'सरस'” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) कवि-चअरक्टेर'स हेर्मेनेउटिक इन्टेर्वेन्टिओन्स फ्लट्टेन पोल्यसेम्य क ओरिगिनल वेर्सेस.
- (B) हुनकर दोक्टरल अनुसंधान छल अल्सो बसेद पर हिस्टोरिकल आ टेचनिकल अस्पेक्ट्स क फलोओद्स आ वटेर मनगेमेन्ट.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से देस्क्रिबेद पर कोवेर अस 'एक कोल्लेक्टिओन क मैथिली गीत-पद लेल शिशु/बाल'.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से (२) एकह गधबेरे मे (अट समे जक्क्फुइट टिमे, पोएट्रय कोल्लेक्टिओन, २०२०): हुनकर सेकोन्ड कोल्लेक्टिओन, क्होसे टिट्ले अगइन एम्प्लोय्स एक देमोटिक टेम्पोरल इडिओम ('गधबेरे' = टिमे क एअटिना जक्क्फुइट, एक कोल्लोकुइअल एवेनिना होउर) कै अन्चओर ...

**१६७. अध्याय ७८ अनुसार, “सियरम झा 'सरस'” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे द्रव्स पर इन्दिअन अएस्थएटिक कटेगोरिएस (रस, अलम्कवर, धवनि) अस वेल्ल अस वेस्टर्न गेत्रे थएओर्य ( उपन्यास, लघु कथा, अनुवाद स्टुडिएस) विथओउट प्रिविलेगिन्ग एइथएर समीक्षात्मक फ्रमे.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई पोसिटिओन्स सरस अस ओने क रेलटिवेल्य फेव मैथिली त्रिटेर्स के अछि देदिकटेद सुस्टइनेद अट्टेन्टिओन केँ शिशु/ बाल'स साहित्य, एक गेत्रे क्रिटिकल्लय उन्देसर्वेद मे भाषा.
- (C) आधुनिक पेरिओद सव मैथिली'स स्ट्रुग्गले लेल ओप्पिफिकिअल रेकोग्निटिओन, एक स्ट्रुग्गले मे कोन देफिनिटिओन क 'स्टन्दर्ड' मैथिली अछि बेएन एक इन्स्ट्रुमेन्ट क कस्ते पोवेर.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से न एक व य एक, N य एक य एक E प इ स ट ए म ओ ल ओ ग इ क एक ल एक न एक ल य स इ स ( G एक न ग ए स एक U प एक द ह य एक य एक ) ५.१ टट्टवकिन्टमनि समीक्षात्मक फ्रमे गनोस उपधयय (फल. क.

**१६८. अध्याय ७८ (“सियरम झा 'सरस'”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ट ह ए ओ र ए ट इ क एक ल F र एक म ए व ओ र क I: I न द इ एक न L इ ट ए र एक र य C र इ ट इ क इ स म ४.१ रस थएओर्य: भअरटमुनि केँ अभइनवगुण्ट ओल्देस्ट आ सभसँ ौथओरिटटिवे समीक्षात्मक फ्रमे लेल इन्दिअन साहित्यिक क्रिटिकिस्म अछि रस थएओर्य...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई प्रेकेदेन्के ओवेर हिन्दी फिक्टिओन (द्वारा ओने केँ ट्वो येअर्स) अछि हिस्टोरिकल्लय प्रमुख नहि मेरेल्य अस एक बिब्लिओग्रफइक कुरिओसिटय बुट अस एविदेन्के से समानान्तर मोवेमेन्ट, वोर्किन्ग अट मर्गिन्स क इन्स्टिटुटिओनल रेकोग्निटिओन, छल कपब्ले क...
- (C) हुनकर इन्वोल्वेमेन्ट मे रेगिओनल एवेन्स, सुच अस "मिथिला रज्य परिसिमन जगिति यत्र" मे २०१८ आ "रुन लेल उनिट्य" मे २०१६, शओक्स एक कोम्पिटमेन्ट केँ एक उनिफिएद मिथिला पहचान से त्रन्स्केन्ड्स सुब-रेगिओनल आ कस्ते बोउन्डरिएस.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मर्क्सिस्ट साहित्यिक क्रिटिकिस्म टेर्य एअग्लेटोन'स मर्क्सिस्ट क्रिटिकिस्म इन्सिस्ट्स से साहित्य एन्कोदेस कोन्त्राडिक्टिओन्स क एकर सामाजिक फोर्मटिओन, नहि मेरेल्य अस 'रेफ्लेक्टिओन' बुट अस अक्टिवे इदेओलोगिकल प्रक्टिके.

**१६९. अध्याय ७८ मे “सियरम झा 'सरस'” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से भअरटमुनि रेकोग्निसेस एइघट प्रिमर्य रसस वा अएस्थएटिक 'फलवोउर्स': śṛṅgār (लोवे/बौट्य), हवस्य (कोमेद्य), करुṇā (कोम्पस्सिओन/पथओस), रउद्र (फुर्य), वार (हेरोइस्म), भअयव्नक (टेर्रो), बाभअट्स (दिस्युस्ट), आ अद्रउट (वोन्देर).
- (B) नव्य-न्यय'स प्रमन-केन्ट्रेद एपिस्टेमोलोग्य देमन्ड्स से सभ क्नोब्लेद्रे-क्लइम्स हो वलिदटेद द्वारा वय क प्रोपेर मेअन्स क क्नोब्लेद्रे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई ग्रंथ अर्गुएस लेल स्ट्रिक्ट फोर्मल स्टन्दर्ड्स अगइन्स्ट की अन्चइन्हर कल्लस 'कथइट गजल' (सो-कल्लेद गजल), कोम्पोसिटिओन्स से बेअर नमे बुट लक्क फोर्मल सुब्टेन्के.
- (D) Biहनि कथा लीने क इन्हेरिटन्के विदेह समानान्तर इतिहास (पर्ट ३२) स्पेकिफिकल्लय दोकुमेन्ट्स Biहनि कथा (सेएद कथा/मोर्निन्ग कथा) लीने क इन्हेरिटन्के अस एक दिस्टिन्क्टिवे मैथिली साहित्यिक फोर्म सँ देएप रोओट्स मे मौखिक लीने क इन्हेरिटन्के क...

**१७०. अध्याय ७८ “सियरम झा 'सरस'” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई लेखक छल अल्सो 'सवेद' द्वारा टरनन्ड विद्योगि अबोउट टेन-ट्वेल्वे येअर्स अगो, के उसेद केँ त्रिटे से हे छल इन्फ्लुएन्केद द्वारा पोएट्र्य आ इन्ट्रेंटेल्लय उसेद सोमेओने एल्से'स कोन्टेन्ट मे हुनकर ओव्न कृति, आ सो पर.
- (B) इन्फ्रस्ट्रुक्चुरे क स्पेअकिन्ग सेर्वेस अस इन्स्टिटुटिओनल समानान्तर केँ दोमिनन्ट नेपलि अकदेम्य.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से १०१६ CE) मे हुनकर अभइनवभवरटा कोम्मेन्टर्य अह्स निन्थ रस, śānt (त्रन्कुइलिट्य/पेअके), आ देएपेन्स थएओर्य द्वारा एक्स्प्लइनिन्ग केना रस अछि नहि मेरेल्य एक प्रोपेट्र्य क टेक्स्ट बुट एक एक्स्पेरिएन्के प्रोदुकेद मे प्रेपरेद (सहृदय)...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि प्रत्यक्ष अस फोउन्डटिओन क पोएटिक वलिदित्य.

**१७१. अध्याय ७८ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ट ह ए म एक ट इ क एक न एक ल य स इ स ५.१ पोएट्र्य क दिस्सेन्ट: दक्नेस्स आ एकर रेसिस्टन्के टिट्ले 'अन्हअरक विरोध मे', लिटेरेल्लय 'मे ओप्पोसिटिओन केँ दक्नेस्स', फुन्किटओन्स अस एथइकल केय केँ ठाकुर'स एन्टिरे साहित्यिक प्रोजेक्ट.
- (B) क्लोसेस्ट कोम्परिसोन मे मैथिली लीने क इन्हेरिटन्के अछि सँ त्रिटेर्स लिके ट्रिलोकनथ मिश्र (रन्जन) वा शअशइकन्ट (गिरहकट्ट, अकसदेएप), त्रिटेर्स के अछि प्रोदुकेद सुस्टइनेद बोदिएस क कृति अक्रोस्स मुल्टिप्ले गेत्रेस विथओउट अचइएविन्ग कनोनिकल...
- (C) थएसे छथि/अछि, उल्टिमेटेल्य, कुएस्टिओन्स से गङ्गेऽअ अस्केद क कोग्निटिओन, से विद्यवपटि अस्केद क देवोतिओन, से विदेह मोवेमेन्ट अस्व्स क साहित्यिक इतिहास, आ से LĀL DEV KāmT अस्व्स क दइल्य लिफे मे ट्वेन्थ-फिर्स्ट-केन्टुर्य मिथइलव.
- (D) अप्पिएद केँ सरस: दोमिनन्ट रस मे ाखअर ाखअर गेट सरस अछि śṛṅgār, बुट सरस'स श्रीनगर अछि नहि एरोटिक śṛṅgār क शास्त्रीय लीने क इन्हेरिटन्के.

### १७२. “सियरम झा 'सरस'” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?

- (A) विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक क्रमे मिश्र'स कृतिसभ छथि/अछि अनल्यज्जेद अस एक "समानान्तर इतिहास" से रेक्लडम्स स्वरसभ क मर्गिनलिजेद, स्वरसभ ओपटेन फिल्देरेद ओउट द्वारा "द्विपद मइन द्रइन" क ओम्फिकिअल इन्स्टिटुटिओनल गटेकेएपेर्स.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से धवनि आ क्रोव इमगे अनन्दवर्धन'स धवनि (सुग्गेस्टिओन/रेसोनन्के) अछि अप्रोप्रिअटे अनल्यटिकल टोओल लेल क्रोव पोएम.
- (C) ल्यिक प्रेफके स्पेअक्स मोविन्ल्य क गेएट (गीत) अस लेखक'स प्रिमर्य मोदे क एमोटिओनल टुथ-टेल्लिन्ग, पोसिटिओनिन्ग गीतसभ अस टेस्टिमोन्य केँ लिवेद एक्स्पेरिन्के.
- (D) हिस्टोरिकल अनुभाग (अध्याय २५) अछि सभसँ प्रमुख हिस्टोरिकल सुर्वेय क मैथिली गजल येत प्रोदुकेद, द्रविन्ग पर स्रोतसभ सँ विदेह अभिलेख आ लोकटिन्ग मैथिली गजल इन्सिदे ब्रोअदेर सन्दर्भ क मिथिला साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के आ...

### १७३. अध्याय ७८ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?

- (A) मे शओनितयल पर्यक निशअन, दोमिनन्ट रस शडप्स टोवर्द करुणा, कोम्पस्सिओनटे पथओस से अछि प्रोदुकेद केन गजल फोर्म'स त्रिदितिओनल वोकबुलर्य क वोउन्ड आ लोनिन्ग अछि अप्लिएद केँ सामाजिक-पोलिटिकल कोन्दिटिओन्स.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे प्रोविदेस कोम्परटिवे शएर सँ पंडित जेएवन झा, कविशवर सितरम झा, योगनन्द हिर, जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल', आ विजयन्थ झा केँ देमोन्स्ट्रेटे से मैथिली गजल सँ एकर एअर्लिएस्ट फअसे छल सुक्केस्फुल्ल्य मइन्टइनेद बहर.
- (C) पोएम "नव वर्शाक सन्दर्भ मे" कृतिसभ द्वारा धवनि: नेव येअर केलेब्रिटिओन, नोर्मल्ल्य एक टिमे क जोय, अछि चअर्गेद सँ ग्रिएफ लेल देपर्टेद "ललित बबु" विथओउट ई ग्रिएफ एवेर बेइन्ग स्टेटेद अस सुच.
- (D) विदेह प्लट्फोर्म, कोन पुब्लिशएस मिश्र'स कृतिसभ अलोन्सिदे टेक्स्ट्स मे टिहुट ( त्रिदितिओनल लिपि क मैथिली), देवनागरी, आ ब्रेल, अछि इट्सेल्फ एक कथन अबोउट लिन्गुइस्टिक प्लुरलिस्म आ इम्पोर्टन्के क मइन्टइनिन्ग फुल्ल रन्गे क एक भाषा'स...

### १७४. “सियरम झा 'सरस'” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?

- (A) मे धअरि प्रश्न ी उथैये, रउद्र आ वार अस्सेर्ट थएम्सेल्वेस अलोन्सिदे करुणा, अस कवि कोन्फ्रान्ट्स गेन्देर इन्जुस्टिके.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केना दोएस रेगिओनल ओपेरेटे अस एक माध्यम लेल अनिवेर्सल मे हुनकर फिक्टिओन?
- (C) अध्याय प्लेकेस अशओक (कथअकर अशओक) इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्पिक्क'स कुएस्टिओन 'कन सुबल्टेन स्पेअक?' फिन्ड्स एक पर्टिअल बुट प्रमुख उत्तर मे भरमर'स कृति: येस, बुट केवल द्वारा वय क सुस्टइनेद इन्स्टिटुटिओनल लबोअर, फोउन्दिन्ग जोउर्नल्स, एस्टब्लिशइन्ग पुब्लिशइन्ग इन्फ्रस्ट्रक्चुरे, बुइल्दिन्ग सांस्कृतिक...

### १७५. अध्याय ७८ अनुसार, “अनन्दवर्धन अनन्दवर्धन'स धवन्यलोक” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि कोन्दिटिओन स्पिक्क रेकोग्निसेस: सुबल्टेन अछि नहि वोइकेलेस्स बुट उन्हेअर्द इन्सिदे इन्स्टिटुटिओनल स्प्यटेम्स से शओउल्ड रेस्पोन्ड केँ हुनकर.
- (B) कोन्ट्रिबुटिओन क स्त्री'स रेसेर्वटिओन अछि अल्सो मे से.
- (C) सेकोन्ड प्रमुख थएमे अछि स्त्री'स स्ट्रुग्गले अगइन्स्ट पट्रिअर्चअल कोन्स्ट्रइन्ट.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से धवनि थएओर्य: अनन्दवर्धन अनन्दवर्धन'स धवन्यलोक (क).

### १७६. अध्याय ७८ (“सियरम झा 'सरस'”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर क्लोसेस्ट वेस्टेर्न अनलोगुए अछि फलश फिक्टिओन वा प्रोसे पोएम.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समानान्तर साहित्य मे मैथिली, एक लिने क इन्हेरिटन्के विदेह पत्रिका अछि दोकुमेन्टेद आ प्रोमोटेद, फिन्ड्स एकर प्रेकेदेन्ट मे वेदस ( नरऽअम्मा स्तन्जस अस समानान्तर साहित्य) आ अछि नहि एक रेकेन्ट इन्वेन्टिओन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य-न्यव्य इन्फेरेन्के: इफ ई हेअप एक्सिस्ट्स, थएन क्विटे दोवे अछि अब्सेन्ट (अभाव).
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से के) होल्ड्स से सोउल क पोएट्र्य (कव्यस्य ढट्मा) अछि धवनि, रेसोनन्के वा सुग्गेस्टिओन, कपकिट्य क वोर्दस केँ सिग्निफय मेअनिन्स बेयोन्ड हुनकर लिटेरल वा सेकोन्डर्य देनोटिओन.

### १७७. अध्याय ८० सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?

- (A) हुनकर लेखिअन कोन्टिनुअम निबंध ब्रिन्स रदिकल फेमिनिस्ट थएओर्य इन्टो मैथिली साहित्यिक डिस्कोउर्स; हुनकर नटुरे पोएट्र्य वलोरिसेस दोमेस्टिक स्त्री स्फएरे क मिथिला'स एकोलोगिकल संस्कृति; हुनकर शिशु/बाल'स पोएट्र्य कोन्ट्रिबुटेस केँ प्रोजेक्ट क बुइल्दिन्ग एक मैथिली...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर त्रेस्ट्लेर्स, फोर्मर्स, OBC फ्रेएदोम फिघटेर्स, मुस्लिम मुसिकिअन्स, आ दलित वोर्कर्स छथि/अछि कोन्स्टिटुटिवे क एकर सामाजिक रेअलिट्य बुट अब्सेन्ट सँ मइन्स्ट्रेअम अभिलेख.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से होवेवेर, सँ १९८४ ओन्वर्दस, हे उसेद हुनकर टेचनिकल क्वालेट्रे केँ उन्देस्टन्ड त्रिदितिओनल आ नटुरल बेहविओर क रिवेर्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ट ह ए L इ ट ए र ए क र य P ए क र ट न ए र स ह इ प: D एक म प एक ट इ L ए क ह एक क संकल्पना: क 'दम्पति लेखक' (साहित्यिक कोउप्ले) अछि एक नोटब्ले इफ उन्देस्टुडिएद इतिहास मे मैथिली साहित्य.

**१७८. अध्याय ८२ अनुसार, “डॉ. शङ्कर कुमार प्रसाद” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) हुनकर समीक्षात्मक निबंध पर दलित साहित्य, टोओ, एम्प्लोय्स वक्रोक्ति केन ई व्यंग्य उल्लेख करैत अछि से दिविदिना साहित्य द्वारा कस्टे अछि लिके दिविदिना एक रिवर द्वारा एकर बन्क्स, वटेर फ्लोक्स अन्वय.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नुमेरोस स्ट्रेअम्स ओरिगिनटिंग सँ हिमलयस गिबे बोथ फर्टिलिटी आ देस्ट्रुक्टिओन केँ प्लइन्स क मिथिला.
- (C) विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रेम 'स अक्कोउन्ट क ई त्रजेक्टोर्य अछि शअर्पर: ई उल्लेख करैत अछि से सहित्य अकदेमि स्ट्रेमटिकल्लय इग्नोरेड जन्दिश प्रसाद मंडल लेल देकदेस, से RTI इन्वेस्टिगटिओन कोन्फिर्मेट जेरो अस्सिग्नमेन्ट्स केँ हिम देखिटे हुनकर स्टुडि...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर सियरम झा 'सरस', गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर.

**१७९. अध्याय ८४ अनुसार, “के दस्टावेज” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से जानगा के दस्टावेज (दोकुमेन्ट्स क लिफे) अस एक टिट्ले इन्वोकेस दोकुमेन्ट-साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के, पोएम अस एविदेन्के, गीत अस हिस्टोरिकल रेकोर्ड.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से होवेवर, देरिंद अछि अक्कुसेद क टूयिन्ग केँ अप्रोप्रिएटे स्वर क स्त्री उन्देर गुइसे क पुरुष दिस्कोउर्से, केँ स्नट्च ौथओरिटि से स्त्री अछि पइन्स्टकिन्ल्य अचइएवेद, ौथओरिटि सँ कोन थएय स्पेअक लेल थएम्सेल्वेस.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से भक्तिपरक गेएट ओक्कुपिएस एक इन्टेरेस्टिन्ग मिहूले पोसिटिओन: ई अछि हुमन कोम्पोसिटिओन (नहि स्क्रिप्टुरे) बुट ई क्लइम्स ौथओरिटि क लिने क इन्हेरिटन्के (परम्पर) आ सन्किटिओन क कोम्मुनिटी प्रदर्शन.
- (D) कथा एन्ड्स सँ ट्वो मेन एम्ब्रकिन्ग, पोवेर्फुल ओम्फिकिअल आ सुबल्टेर्न शिशु नोव रेवेसेंद, क्लास हिएरर्चय आ कस्टे हिएरर्चय पुल्लेद अपर्ट.

**१८०. अध्याय ८६ मे “सुभअश चअन्द्र यदव” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फो ल क C उ ल ट उ र ए , R इ ट उ एक ल , एक न द O र एक ल ट एक द इ ट इ ओ न स ५.१ वोल्ड क लोक गीतसभ (लोकोएट) पेह्रप्स नो अस्पेक्ट क रेनु'स फिक्टिओन अछि बेसी दिस्टिन्क्टिवा बेसी देमन्दिना क रेअदेर थअन हुनकर एक्स्टेन्सिबे उसे क लोक गीतसभ.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केना मन्य स्किएन्के फिक्टिओन कथासभ, शिशु/बाल'स आ अदोलेस्केन्ट कथासभ आ पोएम्स छथि/अछि करेएरिस्ट कविसभ आ स्टोर्टेल्लेर्स ब्रिटिन्ग?
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि एक ग्रम-गाथ (गाम-नरटिवे) आ ग्रम-इतिहास (गाम-इतिहास) क हुनकर अन्केस्त्रल गाम कोइलख मे मधुबनी दिस्ट्रिक्ट.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से १४४८ CE), ब्रोटे भक्तिपरक गीत-पद (पदवलि) मे स्वर क रधअ आ क्रिशन से कोन्टिनुए केँ हो सुन्ग अक्रोस मिथिला, बेन्गल, आ नेपाल केँ ई दय.

**१८१. “सुभअश चअन्द्र यदव” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट बब्य शिशु रेमइन्स क्लोसे केँ मोथएर, सो थएय छथि/अछि बेसी इम्बुएद सँ सेमिओटिक फेमिनिने कुअलिटीएस, संगीत, पोएट्रय, आ ह्यर्थम; सो थएय रेजेक्ट मोथएर बुट देफिने थएम्सेल्वेस द्वारा वय क हुनकर.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से येत हुनकर सटिरे अक्विटेटेस Hार्य-रस (मे बक्लेल), हुनकर रोमान्टिक कथासभ अक्विटेटे S्रिंगार-रस (मे लाल भओउजि आ परस), आ हुनकर पोलिटिकल निबंधसभ अक्विटेटे रउद्र-रस ( फुर्य क इन्डेपेन्डेन्के दय सटिरे आ रखइ निबंध पर...
- (C) हुनकर साहित्यिक करेएर बेगन मे १९६५, सँ कोन्ट्रिबुटिओन्स केँ मैथिली जोर्नल्स आ मगजिनेस इन्क्लुदिना मिथिला दर्शअन, मिथिला मिहिर, शङ्खअ, आ कथअ पुशप.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एअच प्रेविओउस स्वओलर'स पोसिटिओन अछि ट्रेअटेद अस एक पक्षअ (प्रोपोसिटिओन) कोसे सधय अछि सुब्जेक्टेद केँ स्कुटिन्स क एकर हेटु (रेअसोन्स ओप्फेरेद).

**१८२. अध्याय ८७ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लेल एक समीक्षात्मक निबंध केँ फुन्किटिओन अस प्रमन, अस एक रेलिअब्ले इन्स्ट्रुमेन्ट क साहित्यिक क्नोव्लेद्रे, एकर लेखक मुस्ट हो एक अप्ट: एक पेसॉन सँ (एक) दिरेक्ट क्नोव्लेद्रे क टेक्स्ट बेइन्ग अस्सेस्सेद, (ब) सिन्केरे इन्टेन्ट मे कोम्मुनिकटिन्ग से...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट मे हन्ड्स टुर्नेद केँ एअर्थ सेन्सोर्य रिचनेस्स अछि प्रेसेन्ट - "मुद उप केँ क्नेएस", "टेरिब्ले दन्किन्ग क गुट मे स्टोमच", " संगीत क ब्रह्मिन वेस्सेल्स." सँ ई ओने उन्देस्टेन्ड्स से बोथ ट्यूप्स क भाषा छथि/अछि अवइलब्ले मे...
- (C) नेपाल बिद्यपति मैथिली अनुसंधान प्रिजे अवर्देद केँ हिम द्वारा मिनिस्ट्रय क संस्कृति, टोउरिस्म आ किविल अविअटिओन क नेपाल (क).
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सुबल्टेर्न रेक्लइमिन्ग: समीक्षात्मक फ्रेमे केलेब्रेटेस "समानान्तर साहित्य" से एक्सिस्ट्स इन्डेपेन्डेन्ट्लय क त्रदिटिओनल पोवेर स्ट्रुक्चुरेस.

**१८३. अध्याय ८७ “सुजित कुमार झा” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वक्रोक्ति थएओर्य (कुन्टक) कुन्टक'स वक्रोक्तिजावित (क.  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रोफेसिसओनल्लय, झा अछि बेएन एक जोउर्नलिस्ट लेल ओवेर ट्वो देकदेस.  
(C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फिफ्टेएन येअर्स छल पस्सेद सिन्के अबोलिटीओन क जमिन्दरि स्ट्रिस्ट, बुट लिने क इन्हेरिटन्के क प्लयिन्ग गमे क सर० मे गाम कोन्टिनुएद.  
(D) हुनकर जुद्धमेन्ट्स छथि/अछि ग्रीउन्देद मे दिरेक्ट एक्स्पेरिएन्के: 'I अछि बेएन रेअदिना कर्नअमिट सिन्के १९८७' (क रजनन्दन लाल दास); 'I अछि सेएन रविन्द्र ठाकुर पेफोर्म टेन कै फिफ्टेएन टिमेस' (क गीतकार); 'I दोव्लोअदेद आ रेअद अशओक'स कथासभ सँ विदेह...

**१८४. अध्याय ८७ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) मे 'गमक कटक हिघवय', लिटेरल हिघवय करिएस धवनि क देस्ट्रुक्टिओन क एवेयर्थइन्ग मैथिली गाम हिस्टोरिकल्लय एम्बोदिएद.  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य न्यय: सेकोन्दर्य स्रोतसभ फइल्लिप्स, स्टेफएन H.  
(C) हुनकर अवर्द्स इन्क्लुदे ABN नेक्स इन्टेग्रिटी होनोउर (२०६६ BS), रदिओ मिथिला सम्मन (२०६५ BS), आ मिथिला सम्मन सँ मिथिला Nāṭy कलā परिऽअद (२०६८ BS).  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्लिरे विद्यापति'स पदवलि (लोवे गीतसभ मे मैथिली), हुनकर संस्कृत कृतिसभ पुरुशअ परिक्षअ, किर्त्तिपटक, भउपरिक्रम, आ हुनकर अवहट्ट कोम्पोसिटिओन्स छथि/अछि वेल्स-क्नोव, व्यधइभअक्टि-टरनिगि छल रेमइनेद एस्सेन्टिअल्लय इनक्केसिब्ले कै...

**१८५. अध्याय ८७ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से विऽएऽअणअटा (कुअलिफिकटिओन) आ पोएटिक प्रेकिसिओन गणगेऽअ'स लोगिकल अनल्लिसस क विऽएऽअणअटा इल्लुमिनेस प्रेकिसिओन क बिनय भउशअन'स इमगेर्य.  
(B) कुओटिओन मर्क्स अरोउन्ड 'Jūū' सिग्नल एकर निक्कनमे स्टटुस क्लिरे रेटइनिन्ग ई अस पर्ट क हुनकर जोउर्नलिस्टिक पहचान.  
(C) मे 'धानिक भाटर' (इन्सिदे स्मोके, ओपेनिन्ग कथा क खअजुराबाला), फमिलिअर दोमेस्टिक अक्ट क कोओकिन्ग अछि रेन्देरेद स्त्रानो द्वारा फोकुस पर स्मोके अस एक मेडिउम क प्र्यओलोगिकल इन्टेरिओरिटी: किट्चएन'स हजे बेकोमेस चअरक्टेर'स मेन्टल फोग.  
(D) धरुपद क धओबि कोम्मुनिटी शास्त्रीय मैथिली लिने क इन्हेरिटन्के सँ विद्यापति ओन्वर्द्स सम्मिलित करैत अछि धरुपद (भक्तिपरक ल्रिग), एक गीत फोर्म चअरक्टेरिसेद द्वारा एकर देएप, स्टब्ले, उन्हुरिएद एक्स्प्लोरटिओन क स्पिरिटुअल एक्स्पेरिएन्के.

**१८६. अध्याय ८७ अनुसार, “नेव जोउर्नलिस्म” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) रेपोर्टर'स गजे: नेव जोउर्नलिस्म आ निबंध टोम वोल्फे'स नेव जोउर्नलिस्म आ गय टलेसे'स निबंधसभ एस्टब्लिश एक लिने क इन्हेरिटन्के क साहित्यिक नोन-फिक्टिओन मे कोन जोउर्नलिस्टिक सुब्जेक्ट-मट्टेर अछि रेन्देरेद द्वारा वय क नोवेलिस्टिक टेचनिकुएस: स्केने-द्वारा-स्केने...  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सेकोन्ड, देमिस्ट्रिफिकटिओन क कस्टे-बसेद इन्स्टिटुटिओनल कप्टुरे: सहिटी अकदेमि अवर्द्स लेल मैथिली, फिर्स्ट क कोन (१९६६) वेन्ट कै एक फइलोसोफय अकदेमिक टेक्स्ट रथएर थअन एक साहित्यिक कृति, छथि/अछि रेअद अस एविदेन्के क कस्टे-बसेद...  
(C) मैथिली अकदेम्य छल बिहर'स गोवेर्नेन्टल मेचअनिस्म लेल प्रोमोटिन्ग, पुब्लिशइन्ग, आ इन्स्टिटुटिओनल्लय सुप्पोर्टिन्ग मैथिली भाषा आ साहित्य.  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट टोदय, किएक दिद योउ नहि गिवे शएल्टेर कै ई त्रवेलेर?" मे राग कोलर (सँ विद्यापति पदवलि ओब्टइनेद सँ नेपाल): “हम एकसरि, पिअटम नहि गअम.” “टे मोहि टरटम देइटे थाम.” “I अम सभ अलोने, म्य बेलोवेद अछि नहि मे ...

**१८७. अध्याय ९१ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से झअरुदर आ नगर्जुन (यट्टि): TWO 'पेओप्ले'S कविसभ' कोम्परेद कोम्परिओन क झअरुदर सँ नगर्जुन (वइयनथ मिश्र, १९११-१९९८), मैथिली'स सभसँ केलेब्रेटेद जन कवि, क्नोव अस 'यट्टि' मे हुनकर मैथिली कृति आ 'नगर्जुन' मे हुनकर...  
(B) गाम इम्मेदिअटेल्स ब्रन्ड्स हुनकर अस मोरल्लय फल्लेन: 'रमन मस्टर कि बेटि कि कुमअरे बचअ भैले हेन' (रमन मस्टर'स दउघटेर छल एक शिशु ओउट क वेद्लोक्क).  
(C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से इ N D I एक N C R I T I C एक L F R एक M E W O R K: R एक S एक , D H V A N I , एक N D एक L एक N K A R एक ५.१ रस थएओर्य अप्लिएद कै टुटल पन्खइ फोउन्डटिओनल समीक्षात्मक फ्रमे क शास्त्रीय इन्दिअन अएस्थएटिक्स अछि रस थएओर्य, स्ट्रिस्टेसिदेद...  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लोकजिवन ौर लोकसहिटी (लोक लिफे आ लोक साहित्य) ई ७७-पगे स्वओलल्लय कृति अछि योगनन्द झा'स स्ट्रिस्टेडि एनागेमेन्ट सँ लोक लिने क इन्हेरिटन्के, मौखिक संस्कृति, कुस्टोम, गीत, नरटिवे, आ अनुष्ठानिक प्रक्टिके से फोर्म्स...

**१८८. “स्वरसभ सँ मिथिला” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से विभअ रनि'स भअग रउ (रुन अवय) अछि एक मैथिली प्लय सेट एन्टिरेल्य मे मिलिएउ क स्ट्रेट शिशु/बाल, बेगर्स, पोलिके ब्रुटलिट्य, आ उर्बन देस्टिटुटिओन.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समकालीन मैथिली नोवेलस नोव टक्कले कोम्प्लेक्स इस्सुएस सुच अस "लोवे जिहद," पोलिटिकल कोरुप्टिओन, आ स्टुग्लेस क "थर्ड गेन्देर".
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कल्पन झा'स हिन्दी अनुवाद क 'यअयअवरि' अछि एक प्रमुख अक्ट क इन्टर-लिंगुअल सांस्कृतिक लबोर इन्सिदे विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई हिघलिघट्स कोम्प्लिकिट्य क दोमेस्टिक स्फेरे (रेप्रेसेन्टेद द्वारा मोथएर-मे-लव) मे पट्रिअर्चअल विओलेन्के आ उटिलिजेस मैथिली सांस्कृतिक स्यबोल्स लिके सम्दओन (फरेवेल्ल गीतसभ) केँ बल देब त्रगिक अलिएनटिओन क स्त्री...

**१८९. अध्याय ९७ मे “कविअक अट्मोक्ति” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अनुभाग-हेअदिना क प्रेफके केँ गुन्जन'स इन्ट्रोडुक्टिओन, “कविअक अट्मोक्ति: कविअक अएन” ( कवि'स सेल्फ-लिबेरटिओन: मिरॉर क पोएट्र्य), ओपफेर्स एक स्ट्रिकिना संकल्पना:उअल फ्रमे: पोएट्र्य अस बोथ कवि'स सेल्फ-रेलेअसे आ मिरॉर मे कोन समाज सेएस...
- (B) झा कुओटेस अट लेन्थ गीतसभ क रविन्द्र ठाकुर, इन्क्लुदिना देएप्ल्य मोविना दिर्गे लेल मैथिली मोथएहोओद ('जन्म देलन्हि मअय मिथइलअक, सेहो कने सोचउ' ).
- (C) देवेलोप्मेन्ट क एक शिशु/बाल'स गजल लिने क इन्हेरिटन्के अछि एक प्रमुख कोन्ट्रिबुटिओन केँ मैथिली'स इन्स्टिटुटिओनल फुटुरे: ई इन्ट्रोडुकेस गजल फोर्म केँ शिशु/बाल द्वारा वय क अक्केस्सिब्ले, एन्जोयब्ले कोम्पोसिटिओन, बुइल्लिना एक रेअदेर आ लेखक बसे लेल अदुल्ट...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से T H E M A T I C एक N D L I T E R एक R Y एक N एक L Y S I S २.१ लन्ड्सकपे क मिथिला अस पोएटिक सुब्स्ट्रेट डॉ.

**१९०. अध्याय ९८ मे “गेरर्द गेनेट्टे'स” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोन्वेर्गेन्के क फ्रमेवोर्क्स समीक्षात्मक कोन्वेर्गेन्के अक्रोस्स सभ ओउर अनलिटिकल फ्रमेवोर्क्स अछि कोन्सिस्टेन्ट: इन्डिअन रस-धवनि अएस्थएटिक्स रेकोनिसेस करुण आ हवस्य अस दोमिनन्ट रसस मे फिक्टिओन, धवनि अस प्रिमर्य मोदे क...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फिर्स्ट, सभ थरेए ब्रिटेर्स शअरे एक प्रेओक्कुपटिओन सँ कोन्डिटिओन क एकोनोमिकल्ल्य आ सोकिअल्ल्य मार्गिनलिसेद: रनि'स स्ट्रेट शिशु/बाल आ दिसब्लेद बेगर्स; ठाकुर'स गुल्फ मिग्रन्ट वोर्केर्स; झा'स दोकुमेन्टिओन क पेदगोगिक...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लोक-गेएट आ नछअरि लिने क इन्हेरिटन्के नछअरि गीतसभ, उनिक्वए केँ मिथिला लिने क इन्हेरिटन्के, छथि/अछि अमोन्ग सभसँ टोनल्ल्य डिस्टिन्क्टिमे मे कोल्लेक्टिओन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नरटोलोगिकल्ल्य (अप्प्लियन्ग गेरर्द गेनेट्टे'स समीक्षात्मक फ्रमे), फोल्कटले ओपेरेटेस द्वारा वय क एक फुन्दमेन्टल्ल्य भिन्न नरटिमे टिमे आ मोओद सँ आधुनिक लघु कथा: एकर नरटिमे टिमे अछि एटेर्नल प्रेसेन्ट क म्थ, एकर मोओद...

**१९१. अध्याय १०० केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शिशु/बाल'स घअजल्स अलोन्सिदे एक स्टन्दर्द अदुल्ट गजल.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई निबंध अछि ह्रिदय नारायण झा'स प्रमुख दोकुमेन्टेद कोन्ट्रिबुटिओन केँ विदेह अभिलेख.
- (C) हुनकर सिग्निफिकन्के लिएस नहि मेरेल्य मे कुअन्टिट्य क हुनकर ओउटपुट, निनेटेएन प्रकाशित वोलुमेस आ हुन्नेट्स क रेकोर्देद गीतसभ, बुट मे कुअलिटेटिमे शइफ्ट हे ब्रोउघट अबोउट: हे मदे मैथिली प्रदर्शन संस्कृति एक माध्यम लेल अस्पिरिटिओन्स क ओर्दिनर्य पेओप्ले...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रेअदिन्स मे मैथिली भाषा, साहित्य आ संस्कृति (एद.).

**१९२. कोन ौदिएन्के अछि दिरेक्ट्ल्य सेर्वेद द्वारा शिशु/बाल'स साहित्य?**

- (A) केवल फोरेइग्न त्रवेल्लेर्स
- (B) योउन्ग रेअदेर्स आ लेअर्नेर्स क मैथिली
- (C) केवल कोउर्ट गेनेअलोगिस्ट्स
- (D) केवल नुमिस्मटिस्ट्स

**१९३. अध्याय १ सँ कोन विकल्प सही रूपँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) झा'स एक्स्प्लिकिट कल्ल लेल ौदो-दृश्य दोकुमेन्टिओन आ प्रकाशन क एन्डनोरेड लोक गीतसभ छल, अट टिमे क एकर २००९ विदेह प्रकाशन, अहेअद क मइन्स्ट्रेअम इन्स्टिटुटिओनल प्रक्टिके मे भारत.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्त्री त्रिटेस एक्स्क्लुदेड सँ सहित्य अकदेमि अस्सिग्मेन्ट्स एन्टिरेल्य.
- (C) पोथी कोवेस सेवेन्टेन अध्यायसभ से टोगेथर कोन्स्टिटुटे एक सामाजिक, सांस्कृतिक, एकोलोगिकल, एकोनोमिक, आ स्पिरिटुअल बिओग्रफय क अरेर गाम, एक गाम मे बेनिपट्टि ब्लोक्क क मधुबनी डिस्ट्रिक्ट, बिहार, सिटुअटेड अलोन्ग मधुबनी-बेनिपट्टि स्टेटे रोअद...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ एक नव्य न्याय पेस्पेक्टिवे, वेअक्नेस्स मे मिश्र'स एअर्लिअर कृति अछि की मिघट हो कल्लेद इन्सुफिफिकिएन्ट अवक्चएदकट, इन्सुफिफिकिएन्ट प्रेकिसिओन मे देलिमिटिन्ग स्कोपे क हुनकर नरटिवेस.

**१९४. अध्याय १ (“गजेन्द्र ठाकुर”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मर्क्स'स अक्कुमुलेट लबोर अछि मे पोएटिक दिअलोगुए सँ सोलन्कि'स "फ्रेएजिन्ग": इफ लबोर "फ्रेएजेस" -से अछि, स्ट्रिकेस - स्ट्रेम कोल्लप्सेस से रेस्ट्स पर ई लबोर.
- (B) अरुन्धति देवि, मिथइलअक विदुशइ महिल (स्त्री स्वओलर्स क मिथिला).
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गोहरगनेश सटिरे (व्यन्ज) सटिरिकल कोल्लेक्टिओन; टिट्ले इन्वोकेस कोमिक अर्चएट्ये 'गोहर गनेशअ'; अनल्यसेड विदेह ३५८ प्प.
- (D) आ एन्टिरे मिथिला बेगन कें स्टिर अस इफ एक द्रोउघट छल ब्रोकेन.

**१९५. अध्याय १ अनुसार, “रहुल सन्क्रित्ययन” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से महकवि विद्यापति: 'Āदि भअववना विनय दुअ पावय...', एक विद्यापति कोम्पोसिटिओन कें भअवनि/कलि, एस्टब्लिशइन्ग दिरेक्ट वंश-रेखा सँ ग्रेअटेस्ट शास्त्रीय मैथिली कवि कें लिबिन्ग लोक लिने क इन्हेरिटन्के.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्वओलर्स मे समानान्तर लिने क इन्हेरिटन्के, सुच अस रहुल सन्क्रित्ययन आ सुभअद्र झा, अछि प्रोविदेड एविदेन्के से लिन्गुइस्टिक फेअदुरेस क थएसे ओक्कुल गीतसभ छथि/अछि फुन्दमेन्टल्लय प्रोटो-मैथिली, रेफ्लेक्टिन्ग लिवेड एक्स्पेरिएन्के क...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सो, स्त्री शओउल्ड नहि हो सेएन अस ओब्जेक्ट्स क इन्फेरेन्के आ क्नोव्लेद्रे.
- (D) हुनकर कृति अछि प्रकाशित एक्स्क्लुसिवेल्य द्वारा वय क पल्लवि प्रकशअन, निर्मलि, आ अछि अर्चइवेद मे विदेह ए-पत्रिका (ISSN २२२९-५४७X).

**१९६. अध्याय १ “गजेन्द्र ठाकुर” विषयमे मुख्य रूपँ की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई सेर्वेस अस एक समीक्षात्मक ओवेर्विअ क इतिहास, चअल्लेन्गेस, आ एवोलुटिओन क मैथिली स्त्री'स पोएट्य.
- (B) रेसुल्ल अछि एक फोर्म क ङअब्दप्रमार्अ से सेर्वेस अस गेनुइने क्नोव्लेद्रे: इन्टेर्विअ्स प्रोटुके युक्तिसंगत कोन्निटिओन (प्रमार्) अबोउट स्टेटे क मैथिली साहित्य से कोउल्ड नहि हो ओब्डइनेद द्वारा अन्य ओथएर प्रमार्अ (नेइथएर पेर्सेप्टिओन नोर इन्फेरेन्के अलोने).
- (C) झा रेपेअटेड्लय इन्वोकेस लोन्गेविट्य क कोम्मिट्मेन्ट अस एक क्रिटेरिओन: रजनन्दन लाल दास वोर्केद लेल मैथिली लेल थइर्त्थ-फिवे येअर्स; रविन्द्र ठाकुर कोम्पोसेड मैथिली गीतसभ अक्रोस्स फिवे देकदेस; रम भओरोस पदि 'भरमर' अछि सेर्वेद मैथिली लेल नेअल्य फिवे देकदेस...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ओरिगिन्स क सुबल्टेर्न लिन्गुइस्टिक रेसिस्टन्के; मोबिलिट्य ओवेर सेदेन्ट्य कस्टे ओर्देर.

**१९७. अध्याय २ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) हुनकर पोएट्य कोन्सिस्टेन्ल्य स्पेअक्स लेल आ सँ पेस्पेक्टिवे क फर्मर्स, लबोउरेर्स, रुरल पोओर, स्त्री सुफ्फेरिन्ग उन्देर दोव्य विओलेन्के, आ दलित कोम्मुनिटिएस.
- (B) झा स्टन्ड्स मे ई लिने क इन्हेरिटन्के: हुनकर जोउर्नलिस्म आ हुनकर फिक्टिओन छथि/अछि नहि सेपरटे वोकटिओन्स बुट एक सिन्गले प्रोजेक्ट क बेअरिन्ग विट्नेस्स, दोकुमेन्टिन्ग सामाजिक लिफे सँ ओब्सेर्वटिओनल प्रेकिसिओन रेपोर्टर'स शिल्प त्रइन्स आ एमोटिओनल देपथ ...
- (C) हुनकर फोउर वोक्स्पर्पन्निन्ग भक्तिपरक गीत, सामाजिक-रेफोर्म गीत, लोरी, आ अनुवाद, कोन्स्टिटुटे एक सम्पूर्ण क्रेअटिवे लिफे से ओपेरेटस एन्टिरेल्य ओउट्सिदे अवर्द किर्कुइट, प्रिन्ट प्रकाशन एकोलोग्य, आ अकदेमिक कोन्फेरेन्के संस्कृति क मइन्स्ट्रेअम...
- (D) इन्डेर्मेनटे आ देर्मेनटे पेर्सेप्टिओन, गन्गेस'स कोरे थएओर्य थरेए ट्येस क ओर्दिनर्य पेर्सेप्टिओन अनुसार कें भअट्ट, ओर्दिनर्य पेर्सेप्टिओन अछि थरेए ट्येस: इ) इन्डेर्मेनटे पेर्सेप्टिओन (निर्विकल्पक), ी) देर्मेनटे पेर्सेप्टिओन (सविकल्पक); आ ीइ)...

### १९८. अध्याय २ “गनोस उपधयय” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से थ-१४थ केन्दुर्य CE), फोउन्दर क नव्य-न्ययय स्कूल क इन्दिअन एपिस्टेमोलोग्य, छल एक नटिवे क मिथिला, वेर्य सांस्कृतिक हेअर्टलन्द सँ कोन अमोद कुमार झा कोमेस.
- (B) हुनकर साहित्यिक क्रिटिकिस्म (रेविएस) शओव्स एनागेमेन्ट सँ एवलुअटिवे-स्वओललर्य लीने क इन्हेरिटन्के, किले हुनकर सांस्कृतिक निबंधसभ (मधुसूतना गाट, स्त्री'स अनुष्ठानिक गीत लीने क इन्हेरिटन्के) कोन्नेक्ट हिम केँ मिथिला'स लोक हेरिटगे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रघुनअथअ'स Diधइटि पर टट्टवकिन्तामइ अछि सिन्ले सभसँ प्रमुख सेकोन्दर्य टेक्स्ट क लीने क इन्हेरिटन्के, गेनेरटिना एकर ओव्न वस्त कोम्मेन्टर्य साहित्य सँ जगदास आ गदअधअर ओन्वर्दस.
- (D) इन्टेर्विएव कोल्लेक्टिओन हुम पुष्टै छ अछि इट्सेल्फ एक थर्ड स्पेके प्रदर्शन: मुन्नजि, अस इन्टेर्विएवेर, ओक्कुपिएस एक पोसिटिओन से अछि सिमुल्टेनोअउसल्य जोर्नलिस्टिक (एक वेस्टर्न-ओरिगिन फोर्म), साहित्यिक-समीक्षात्मक (ओपेरटिना इन्सिदे मैथिली लीने क इन्हेरिटन्के...

### १९९. अध्याय २ (“गनोस उपधयय”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सउस्सुरे'स थएओर्य क भाषा, स्पोकेन/ब्रिटैन, समकालीन साहित्य वा लिन्गुइस्टिक्स क हिस्टोरिकल पेस्पेक्टिवे, अन्य प्रमुख कृति वा पेसोन अछि प्रमुख, इम्पोर्टन्के अछि एक फेएलिन्ग, भाषा मे समकालीन टिमेस वा एकर हिस्टोरिकल...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मन्य पोएम्स एम्प्लोय एक रेपेटिटिवे, इन्कन्टोर्य स्ट्रुक्चरे रेमिनिस्केन्ट क लोक गीतसभ आ जगर (अवकेनिना) चअन्ट्स.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि एक पोलिटिकल्लय प्रमुख चओइके, ई इन्सिस्ट्स से मैथिली रेअदेर्स कन आ शओउल्द एन्कोउन्टेर मोदेर्निट्य'स ग्लोबल दिमेन्सिओन्स.
- (D) दउघटेर: शाए मर्रिएद सथए उपधयय क बभअनियम गाम, आ हुनकर सोन रटनकर अछि कहल गेल मे गेनेअलोगिकल रेकोर्ड्स अस गनोशअ'स ग्रन्डसोन.

### २००. अध्याय २ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से चौधरी रेप्रेसेन्ट्स लोक-भक्तिपरक सुबल्टेन लीने क इन्हेरिटन्के, मुसिकल्लय सोफइस्टिकटेद, थएओलोगिकल्लय देएप, इन्स्टिटुटिओनल्लय इन्विस्ब्ले, किले अचअर्य शअरन रेप्रेसेन्ट्स शास्त्रीय-स्वओललर्य इन्स्टिटुटिओनल लीने क इन्हेरिटन्के...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वल्टेर बेन्जमिन'स “ टस्क क अनुवादक” वल्टेर बेन्जमिन'स म्पिस्टकल-फइलोसोफइकल निबंध (१९२३, ट्रान्सलटेद आ इन्ट्रोदुकेद द्वारा हन्न्ह अरेन्ट मे इल्लुमिनटिओन्स) होल्ड्स से अनुवाद रेलेअसेस रेइने स्प्राच (पुरे भाषा), ...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से इ न द इ एक न C र इ ट इ क एक ल F र एक म ए व ओ र क स: R एक स एक, D ह व एक न इ, एक न द B ह ा म एक ह एक इन्दिअन शास्त्रीय समीक्षात्मक लीने क इन्हेरिटन्के ओफेर्स थरेए प्रिन्किपल फ्रमेवोर्क्स लेल साहित्यिक सिग्निफिकन्के अस्सेस्मेन्ट: (एक) रस थएओर्य...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फुर्थएमोरे, थएसे रेकोर्ड्स इदेन्टिफ्य हुनकर विफे, वल्लभअ, अस एक चअर्म्करिनि (सँ लेअथएर-टन्निंग कस्टे).१ समानान्तर रेसेअर्चएस अर्गुए थएसे फक्ट्स छल सुप्रेस्सेद केँ मइन्टइन एलिटे सामाजिक हिएरर्चइएस, देस्क्रिबिन्ग एरसुरे अस एक...

### २०१. “गनोस उपधयय” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दादाक गाट कोन्नेक्ट्स हुनकर कृति केँ स्त्री'स मौखिक सांस्कृतिक ट्रान्मिस्सिओन लीने क इन्हेरिटन्के से समानान्तर इतिहास प्रिजेस: ग्रन्थोथएर'स गीत अछि रेपोसिटोर्य क सभसँ अन्किएन्ट मैथिली लोक क्मोव्लेदे.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मटेरिअल्स लेल स्टुड्य क नव्य-न्यय लोकिग.
- (C) अभिलेख प्रोविदेस: एक कोन्सिस्टेन्ट्लय रेप्रोदुकेद फोउन्दिना एन्डोसमेन्ट कथन; एक पोसिटिओन क होनोउर मे विदेह कोम्मुनिट्य'स कनोनिकल फोउन्दिना लिस्ट; से एक्स्टेन्ड्स विदेह साहित्यिक मोवेमेन्ट'स कोन्नेन्स इन्टो इन्डेपेन्डेन्ट वेर्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई फोकुस पर नेपाल अल्सो सम्मिलित करैत अछि समकालीन फिगुरेस सुच अस रम भअरोस कपरि 'भरमर' आ सुजित कुमार झा, क्मोसे जोर्नलिस्म आ स्टोर्टेल्लिन्ग छथि/अछि अर्चइवेद अस एस्सेन्टिअल स्वरसभ क नेपल्मइथइलि एक्स्पेरिएन्के.

### २०२. अध्याय ३ मे “ मैथिली गजल” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?

- (A) मे मैथिली, झअरुदर पेफोर्म्स समे स्ट्रुक्चुरल रोले द्वारा वय क झअरु आ गाट, गिविन्ग स्वर केँ मिथिला'स स्त्री, फर्मर्स, आ सोकिअल्लय मार्गिनलिसेद कोम्मुनिटिएस.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि लन्द से प्रोदुकेद यज्जवल्क्य'स ब्रह्दरन्यक उपनिशअद, फइलोसोफइकल देबेटेस क मइट्टेयि, न्यय फइलोसोफय क गउटम, आ नव्य न्यय क गनोस उपधयय.
- (C) हुनकर बांग्ला घअजल्स मइन्टइन बहर दिस्किप्लिने किले देप्लोयिन्ग एक बांग्ला दिक्टिओन आ सांगीतिक सेन्सिबिलिट्य से मकेस थएम फेएल एन्टिरेल्लय नटिवे केँ भाषा.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्वेन वटेर कोमेस इन्टो रिवेर, थएसे विल्लगेर्स लेअवे हुनकर होमेस आ टके शएल्टेर पर हिघ एम्बन्क्मेन्ट्स.

**२०३. अध्याय ३ “हिदयन्थ मनोशकर” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई फमिलिअल स्ट्रुक्चर अछि एस्सेन्टिअल लेल सुर्विबल क एक मिनोरिट्य भाषा मे फके क लिन्गुइस्टिक हेगेमोन्य क हिन्दी आ अंग्रेजी.
- (B) हुनकर सभसँ उचित-क्नोव्न वेर्सेस छल सेट केँ संगीत द्वारा हिदयन्थ मनोशकर आ सुन्ग द्वारा लट मनोशकर आ अशअ भओस्ले, गिविन्ग मरथइ गजल एक मस्स सांस्कृतिक रेअच कोम्परब्ले केँ रेकोर्देद उर्दु गजल लिने क इन्हेरिटन्के.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हस्य ( कोमिक): "ओने पेसोनलिट्य: ट्वो पिक्चरेस" पोएम क्रेअटेस हस्य रस द्वारा जुक्स्टपोसिन्ग एक वेअल्थय त्रदेर (पोकोदिमल) सँ हुनकर अल्शअसिअन दोग आ एक "स्कोट्लन्ड गिर्ल" अगइन्स्ट बक्कद्रोप क एक "मग्निफिकेन्ट होटेल".
- (D) अन्चइन्हर'स विल्लिन्नेस्स केँ क्रिटिकुए सेनिओर फिगुरेस द्वारा नमे, इन्क्लुदिन्ग रेकिपिएन्ट्स क प्रमुख अवर्द्स, अछि इट्सेल्फ एक पोलिटिकल अक्ट.

**२०४. अध्याय ४ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) मे दलित पोएट्रय: अन्गेर अछि एक अएस्थएटिक कटेगोरी, नहि एक फलव.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से उन्देस्टर्दिन्ग थएसे फिगुरेस कोन्टेक्स्टुअलिसेस टट्वकिन्टामइ नहि अस एक सुद्देन इन्नोवटिओन बुट अस कुल्मिनटिओन क केन्टुरिएस क कुमुलटिवे मइथइल लोगिकल लिने क इन्हेरिटन्के.
- (C) कथा क्रिटिकुएस ब्रह्मिनिकल नोटिओन्स क अनुष्ठानिक ओब्लिगटिओन (फिलिअल दुत्य देफिनेद द्वारा सोन, नहि दउघटेर) किले सिमुल्तनेओउस्ल्य केलेब्रटिन्ग एक लोक्कटे मन'स अस्पिरटिओन आ अचइएवेमेन्ट.
- (D) गीतसभ रेनु उसेस स्पन फुल्ल रन्गे क मैथिली लोक गीत त्रदिटिओन्स: सोहर (बिर्थ गीतसभ), विवह गेएट (विवाह गीतसभ), बिदेसिअ (गीतसभ क अब्सेन्ट हुस्बन्ड्स/सेअसोनल मिग्रन्ट्स), समचअक्व (गीतसभ क समचअकेव फेस्टिवल), झउमर, कज्रि, आ छअथ गीतसभ.

**२०५. अध्याय ४ अनुसार, “दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) हुनकर कितटिओन प्रक्टिके अक्कनोव्लेद्देस थअक उनिवेर्सिट्य मनुस्क्रिप्ट, प्रोफेसर.
- (B) Vāsantā Gīt अलोन्सिदे समस्य क्रेअटेस एक चअरक्टेरिस्टिक समानान्तर इतिहास जुक्स्टपोसिटिओन: केलेब्रटिओन क स्पिन्ग प्लकेद अगइन्स्ट हर्द रेअलिट्य क 'प्रोब्लेम'.
- (C) दलित स्त्री अछि नेइथएर मेरेल्य एक रेप्रेसेन्टटिवे क दलिट्स नोर मेरेल्य क स्त्री -शए अछि एक थइर्द कटेगोरी क्कोसे एक्स्पेरिएन्के अछि भिन्न सँ आ बेसी कोम्प्लेक्स थअन एइथएर.
- (D) गीत लिने क इन्हेरिटन्के अछि कोल्लेक्टिवे अप्ट: अक्कुमुलटेद टेस्टिमोन्य क गेनेरटिओन्स क गायकसभ क्कोसे कोम्बिनेद ौथओरिट्य वलिदटेस लिने क इन्हेरिटन्के'स कोन्टेन्ट.

**२०६. अध्याय ६ (“दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) मे दलित साहित्य, थएसे ट्वो रसस अप्पेअर रेरेल्य बुट नहि एन्टिरेल्य अब्सेन्ट.
- (B) नर्तटिवे केन्ट्रेस पर बुल्कि, एक दलित/लोवेर्कस्टे स्त्री मे एक मिथिला गाम, आ रघअब, एक पोओर ब्रह्मिन योउथ, क्कोसे लोवे उन्फोल्ड्स अगइन्स्ट एक लन्ड्स्कपे क कस्टे ओप्प्रेसिओन, गेन्देर विओलेन्के, क्लस्स एक्स्प्लोइटटिओन, आ रुरल पोवेटर्च.
- (C) समीक्षात्मक फ्रमे'स फोउन्दिन्ग कोम्मिट्मेन्ट केँ सुबल्टेर्न, दलित, आ स्त्री'स स्वरसभ मे मैथिली साहित्य अछि एनक्टेद मे चौधरी'स कोर्पुस.
- (D) कोल्लेक्टिओन थउस बेलोन्स केँ लोन्ग लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली भक्तिपरक गेएट (गीत) अदूद्देस्सेद केँ गाम गोद्देस्स आ होउसेहोल्द देइत्य, एक लिने क इन्हेरिटन्के से रुन्स सँ लोक-रेलिगिओउस गीतसभ क मिथिला'स सुबल्टेर्न कोम्मुनिटिएस द्वारा वय क...

**२०७. अध्याय ७ “विद्यापति, प्रिमल कवि क मैथिली (प्रे-ज्योतिरिशवर)” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) अरबी वोर्द गजल (غزل) अछि थओउघट केँ देरिवे सँ एक रोओट अस्सोकिअटेद सँ अक्ट क स्पिन्निन्ग यर्न वा थरेअद, एक मेटफओर लेल वेअविन्ग क वोर्द्स, आ अछि अल्सो बेएन इन्टेप्रेटेद अस सोउन्ड क एक घिन्ग गजेल्ले, एक इमगे कोन्सोनन्ट सँ फोर्म'स...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे अछि दिस्टिन्क्ट सँ प्रिमल कवि क मैथिली, विद्यापति (प्रे-ज्योतिरिशवर).
- (C) थएओरेटिकल इम्प्लिकटिओन्स क ई कृति इन्टेर्सेक्ट सँ एक फुन्दमेन्टल कुएस्टिओन रइसेद इन्सिदे इन्दिअन ग्रामटिकल थओउघट द्वारा Mīmāṃsākas आ वइयवकराअस: की अछि मिनिमल फओनोलोगिकल उनिट क भाषा?
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कल्पन झा'स भक्तिपरक गीतसभ, अदूद्देस्सेद केँ स्त्री देइत्य (गोसउनिन), ओक्कुप्य एक स्पेकिफिक लोकस मे ई लिने क इन्हेरिटन्के: थएय एन्गगे शअक्ट स्त्रन्ड क मैथिली देवोतिओन, मे कोन गोद्देस्स अछि नहि दिस्टन्ट त्रन्स्केन्डेन्ट...

**२०८. “विद्यापति, प्रिमल कवि क मैथिली (प्रे-ज्योतिरिशवर)” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य-न्याय एपिस्टेमोलोग्य: गॉगेंडअ'स अनलिटिकल टेचनिकुए अप्लिएड कैं साहित्यिक क्रिटिकिस्म अप्लिकेटिओन क नव्य-न्याय एपिस्टेमोलोगिकल टेचनिकुए कैं साहित्यिक क्रिटिकिस्म अछि पेर्हप्स सभसँ दिस्टिन्क्टिभे आ इन्नोवेटिवे दिमेन्सिओन क ई...
- (B) क्रोव (कउआ) अछि ओने क सभसँ कुल्दुरल्लय लोअदेद बिर्दस मे इन्दिअन लिने क इन्हेरिटन्के: अस्सोकिअटेद सँ अन्केस्टोर्स, सँ इन्टेल्लिगेन्के आ कुन्निना, सँ लिमिनल स्पेके बीच दोमेस्टिक आ विल्द (क्रोव्स लिवे पर हुमन रेफुसे आ हबिटिओन)...
- (C) मैथिली गीतसभ सम्मिलित मे ज्योतिरिशवर'स संस्कृत प्लय धउर्तसमगम आ मे संस्कृत आ अवहट्थअ विद्यापति'स गोरक्षअ विजय छथि/अछि इन्दिक्टिवे क अन्किएन्ट लिने क इन्हेरिटन्के क पदवलि, आ इन्फ्लुएन्के क मैथिली पदवलि कन हो...
- (D) रेअल मैथिली स्त्री के अछि मिग्रटेद, वा वइटेद लेल मिग्रन्ट्स, छथि/अछि रेप्लकेद द्वारा एक साहित्यिक कोन्स्ट्रक्ट, विरहिनि (स्त्री मे सेपरटिओन) क सन्स्क्रिटिजेद पोएटिक्स.

**२०९. अध्याय ७ अनुसार, “अवधइअ ठाकुर” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हुनकर कोम्पोसिटिओन्स एन्टेरेद लोक भक्तिपरक लिने क इन्हेरिटन्के अलोन्सिदे अनोन्मोउस त्रिदिओनल गीतसभ अछि एक देमोन्स्त्रटिओन क मैथिली लिने क इन्हेरिटन्के'स रेफुसल कैं सेपरटे 'लेअर्नेद' आ 'पोपुलर' रेलिगिओउस संस्कृति.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सब्द प्रमार्अ (वेबल टेस्टिमोन्य): कवि रेपेअटेद्लय वलिदटेस हुनकर क्लइम्स द्वारा कितिना वेदस आ पुरनस, उसिना "युक्तिसंगत टेस्टिमोन्य" अस प्रिमर्य इन्स्ट्रुमेन्ट क क्नोव्लेद्रे (प्रमार्अ) कैं एस्टब्लिश नेकेस्सिट्य क देवोटिओन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शअलिग्रम यदव आ अवधइअ ठाकुर छथि/अछि विट्नेस्सेस कैं लिने क इन्हेरिटन्के क विशाफि गाम.
- (D) अधइअ (रिघट्स) अद्वेस्सेस कुएस्टिओन क लेगल आ किविक रिघट्स, लिकेल्य रिघट्स क स्त्री, दलिट्स, वा मार्गिनलिसेद कोम्मुनिटिएस, मे एक स्स्टेम से फोर्मल्लय ग्रन्ट्स रिघट्स बुट प्रक्टिकल्लय देनिएस थएम.

**२१०. “विद्यापति, प्रिमल कवि क मैथिली (प्रे-ज्योतिरिशवर)” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से इर मल्लिक अछि अल्सो स्मटअ सम्पादक क 'स्ट्रि कोन' अनुभाग क विदेह) मल्लिक'स पिएके एकस्टेन्ड्स फेमिनिस्ट समीक्षात्मक दिमेन्सिओन क रेकेप्टिओन, सिटुअटिना प्रेएटि ठाकुर'स कोन्ट्रिबुटिओन इन्सिदे ब्रोअदेर स्त्री'स लिने क इन्हेरिटन्के मे...
- (B) बिओग्रफइकल एविदेन्के अवइलब्ले सँ मुल्टिप्ले स्रोतसभ अछि कोन्सिस्टेन्ट: हे अछि देखिबेद अस एक 'सेनिओर गीतकार' अट सांस्कृतिक एवेन्ट्स ओर्गनिजेद द्वारा मिथिला सन्स्क्रिट परिशद मे बोकोरो स्टेएल किट्य (अस दोकुमेन्टेद मे पिओनेएर नेक्स्पेर'स स्टेटे एडिटिओन...
- (C) अर्यस कमे कैं मिथिला सँ वेस्टर्न पर्ट क भारत, आ बेफोरे हुनकर सेट्टुलेमेन्ट, सोमे भागसभ क वेदस छल अल्लेअथ एकस्टन्ट.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई रेगिओनल ग्रोउन्दिना चअल्लेन्गेस उनिवेर्सलिजिना टेन्डेन्किएस क बोथ शास्त्रीय संस्कृत अएस्थएटिक्स आ वेस्टर्न साहित्यिक थएओर्य.

**२११. अध्याय ८ “अभअ झा” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) अस एक अर्चइविस्ट आ सांस्कृतिक हिस्टोरिअन, हुनकर पोथी मैथिली वेब पत्रकरिटक इटिहस (एक इतिहास क मैथिली वेब जोर्नलिस्म, शअशइ प्रकशअन, २०२३) प्रोविदेस सभसँ व्यापक अक्कोउन्ट अवइलब्ले क केना मैथिली साहित्यिक संस्कृति फोउन्ड एकर प्रिमर्य...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से होवेवेर, सेकोन्दर्य स्त्री चअरक्टेर्स मे हुनकर नोवेल्स, पर्टिकुललर्य मे चअमेलि रनि आ अबर नहिटन, ओफ्टेन कोमे सँ लोवेर सामाजिक पोसिटिओन्स आ कर्त्य उपन्यास'स सभसँ इन्किसिवे सामाजिक कोम्मेन्टर्य.
- (C) समानान्तर इतिहास पेस्पेक्टिवे समझबैत अछि ई: बुच'स नोन-इन्स्टिटुटिओनल, नोन-अकदेमिक पोएटिक फोर्मटिओन मेअन्ट हे अब्सोर्बेद लिविना लोक लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली गीत (कोन अछि नटुरल्लय स्फओट-बसेद) रथएर थअन स्वओलस्टिक न्यय लिने क...
- (D) हुनकर इदेन्टिफिकेटिओन क 'मध्यमर्ग' (मिद्दले पथ) अस अशओक'स दोमिनन्ट अएस्थएटिक ओरिएन्टिओन मप्स ओन्टो रस समीक्षात्मक फ्रमे'स संकल्पना: क शअन्टरस, रस क फइलोसोफइकल एकुअनिमिट्य, स्टेटे से अरिसेस सँ सेएइना बेयोन्ड बोथ एकस्ट्रेमे ओप्टिमिस्म आ...

**२१२. अध्याय ९ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) गेएट (गीत-पोएम) अस साहित्यिक फोर्म: इन्दिअन थएओरेटिकल समीक्षात्मक फ्रमे ४.१ रस थएओर्य आ ल्य्रिक एमोटिओन ४.२ धवनि थएओर्य: रेसोन्के मे गीत ४.३ राग-भअस आ शास्त्रीय संगीत लिने क इन्हेरिटन्के ४.४ लोचअन'स रगटरन्गिनि आ मिथिला संगीत...
- (B) फोउन्डिओन क हुनकर अनुसंधान अछि नहि जुस्ट लबोरोटोर्य, बुट चौर्स, फिएल्ड्स, आ विल्लगेस त्रप्पेद इन्सिदे एम्बन्कमेन्ट्स मे नोर्थ बिहर, ढेरे हे कोन्टिनुओउस्ल्य त्रवेलेद.
- (C) हुनकर दोकुमेन्टेद कोन्ट्रिबुटिओन्स मे ट्वो सदेह वोलुमेस देमोन्स्त्रटे एक लेखक ढोसे स्ट्रेन्थस लिए मे कोम्प्रेस्सिओन, इरोन्य, आ समकालीन सामाजिक ओब्सेर्वटिओन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रदेएप बिहरि रेअड्स अबर नहिटन अगइन्स्ट ग्रइन: स्त्री'स मार्गिनल स्वरसभ छथि/अछि उपन्यास'स रेअल तर्क.

### २१३. अध्याय १० केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?

- (A) कथा क रमनन्द सहु के "नेवेर वोरे एक मोउस्टचए अगइन" अप्टेर ब्रिटिश पुल्लेद हुनकर मोउस्टचए हइस ओउट ओने द्वारा ओने अछि नहि मेरेल्य एक बिओग्रफइकल देटइल: ई रेसोनटेस सँ एन्टिरे स्टुक्चुरे क कोलोनिअल हुमिलिअटिओन आ एकर एम्बोदिएद अप्टेर्मथ.
- (B) झा कुओटेस अट लेन्थ गीतसभ क रविन्द्र ठाकुर, इन्क्लुदिंग देएप्ल्य मोविंग दिर्गे लेल मैथिली मोथएहोओद ('जन्म देलन्हि मअय मिथइलअक, सेहो कने सोचउ').
- (C) एक लेखक के अछि स्पेन्ट फोउर देकदेस ब्रिटिन्ग कथासभ अछि अल्सो एक रेअदेर क अनुसुअल देपथ आ होनेस्ट्य, हुनकर समीक्षात्मक अस्सेस्मेन्ट्स छथि/अछि इन्फोर्मेद द्वारा दिरेक्ट क्नोव्लेद्रे क की ई कोस्ट्स केँ ब्रिटे.
- (D) प्रेसेन्ट स्टुद्य दोकुमेन्ट्स थरेए कोन्फिर्मेद कोन्ट्रिबुटिओन्स (विदेह ३५८, विदेह ४०९, आ सिकन्ट ठाकुर विद्यलन्कर सेरिएस) आ हुनकर सुब्टन्टिबे समीक्षात्मक अनल्यिसस.

### २१४. "Mānūsāमहि स" पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?

- (A) मे समीक्षात्मक फ्रमे क लव्रेन्के बुएल्ल'स एकोक्रिटिकिस्म, मंडल'स पोएट्र्य पेफोर्म्स की बुएल्ल कल्लस 'एन्विरोन्मेन्टल रेप्रेसेन्टिओन', एक मोदे क ब्रिटिन्ग से टेकेस नोन-हुमन वोल्ड सेरिओउसल्य अस एक प्रेसेन्के आ एक फोर्के, नहि मेरेल्य अस बक्कद्रोप वा स्यम्बोल लेल...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर मोट्टो, Mānūsāमहि स॥स्कृताम (सँ अथअववेद: 'ग्लोरिफियन्ग हुमन फेमिनिने/सांस्कृतिक'), अन्नोउन्केस एकर कोउन्टेर-हेगेमोनिक, सुबल्टेर्निक्लुसिवे, गेन्देर-सेन्सिटिवे ओरिएन्टिओन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से इ न स ट इ ट उ ट इ ओ न एक ल एक न द S ओ क इ एक ल C ओ न ट र इ ब उ ट इ ओ न स ६.१ मैथिली अकदेम्य ठाकुर'स अप्पोइन्टमेन्ट केँ बिहर गोवेन्मेन्ट'स मैथिली अकदेम्य रेप्रेसेन्टेद सभसँ इन्स्टिटुटिओनल्ल्य कोन्सेकुएन्टिअल फअसे क हुनकर करेएर.
- (D) विदेह सम्मन लेल पेफोर्मिन्ग अर्ट्स रेकोग्निजेद, मे एकर एअर्लिएस्ट इटेरेटिओन्स: पर्मनन्द ठाकुर (हर्मोनियम), बुलन रउट (धओलक), बहदुर रम (रस्नचओक्कि प्लेयेर), आ हरि नारायण मंडल (त्रिट्य/नृत्य), लोक मुसिकिअन्स आ पेफोर्मेस के वोउल्द नेवेर अप्पेअर...

### २१५. अध्याय १४ मे "अन्जनि कुमार वेर्म, प्रभअट रइ भअट्ट, अश्रअफ रइन, प्रयस P" केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?

- (A) सभसँ सुस्टइनेद आ एमोटिओनल्ल्य पोवेर्फुल क थएसे छथि/अछि विरह गीतसभ, सेपरटेद विफे'स लमेन्ट लेल हुनकर अब्सेन्ट हुस्बन्द (गोने केँ किट्य, केँ 'पर्देश'), ब्रिटैन मे मैथिली स्त्री'स गीत लिने क इन्हेरिटन्के.
- (B) हुनकर नमे 'रइन' अछि एक मुस्लिम कोम्मुनिट्य सुर्नमे फोउन्ड मे मिथिला आ विदेर बिहर-UP रेगिओन, आ हुनकर फिर्स्ट नमे अश्रअफ अछि एक शास्त्रीय अरबी नमे मेअनिन्ग 'नोब्ले/होनोउरब्ले'.
- (C) हुनकर कथा कोल्लेक्टिओन दइदिगम (२०१७), सुब्जेक्ट क अभअ झा'स निबंध, कोन्टइन्स फिफ्टेन कथासभ.
- (D) मे ई अर्तिकले, मंडल अनल्यजेस ठाकुर'स मुल्तिफकेटेद रोले अस एक पिओनेएर क मैथिली डिजिटल जोउर्नलिस्म, हुनकर कोन्ट्रिबुटिओन्स केँ पंजी साहित्य, आ हुनकर देवेलोप्मेन्ट क मैथिली-अंग्रेजी कोम्पुटेर दिक्टिओनरिएस.

### २१६. अध्याय १५ अनुसार, "अर्विन्द ठाकुर" पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?

- (A) थएसे गीतसभ छथि/अछि मे लिने क इन्हेरिटन्के क मस्सिवे बोद्य क मौखिक स्त्री'स साहित्य (जअन्करि गेएट, सोहर, विवह गेएट) से सेर्वेस अस उनोप्फिकिअल साहित्यिक कनोन क मिथिला, साहित्य प्रोदुकेद द्वारा स्त्री, लेल स्त्री, मे दोमेस्टिक आ अनुष्ठानिक कोन्टेक्स्ट्स.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ललित झा'स कोन्ट्रिबुटिओन केँ ई संरक्षण प्रोजेक्ट प्लकेस हुनकर फिर्मल्य मे लिने क इन्हेरिटन्के क सांस्कृतिक कोन्सेर्वटिओन से, मे इन्दिअन सन्दर्भ, एक्स्टेन्ड्स सँ एदिटोर्स क वेदिक टेक्स्ट्स केँ कोम्पिलेर्स क पुरनस आ...
- (C) सुप्रेस्सिओन क ई टेस्टिमोन्य द्वारा रमनथ झा सेर्वेस अस की विदेह समीक्षात्मक फ्रमे कल्लस 'होनोउर-किल्लिन्ग क टुथ'एक विओलटिओन क गान्गेडअ'स ओव्न एपिस्टेमोलोगिकल स्टन्दर्ड्स, एक इरोन्य क हिघएस्ट इन्टेल्लेक्चुअल ओर्देर.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर अर्विन्द ठाकुर, फ्रेए-स्पिरिटेद स्वर क मैथिली.

### २१७. अध्याय १५ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से के), ओपफेर्स एक दिस्टिन्क्टिबे एपिस्टेमोलोगिकल समीक्षात्मक फ्रमे लेल अनल्यिसन्ग केना गीत-पोएट्र्य प्रोदुकेस क्नोव्लेद्रे आ युक्तिसंगत एक्स्पेरिएन्के.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बोथ मेन उसेद हुनकर सामाजिक मर्गिनलिट्य अस साहित्यिक रेसोर्के: हुनकर इन्टिमेटे क्नोव्लेद्रे क लिवेस क रुरल पोओर, स्त्री लेफ्ट बेहिन्द द्वारा मिग्रटिन्ग हुस्बन्द्स, विक्लिम्स क दोव्य आ कस्टे विओलेन्के, गवे हुनकर कृति एक ौथओरिट्य...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से भअरट मुनि रेकोग्निसेस एइघट प्रिमर्य रसस; अभइनवगुप्ट अह्स शअन्ट (सेरेनित्य) अस एक निन्थ.
- (D) हुनकर सेल्फ-देस्क्रिप्टिओन अस 'भअरट्वअदि' (इन्दिअन नटिओनलिस्ट) अछि इन्टेरेस्टिन्ग मे ई सन्दर्भ: ई सिग्नल्स एक कोम्पिटमेन्ट केँ कोन्स्टिटुटिओनल विसिओन क भारत, इन्क्लुसिवे, देमोक्रेटिक, सेकुलर, अस दिस्टिन्क्ट सँ एक हिन्दु-नटिओनलिस्ट वा कस्टे-सुप्रेमकिस्ट विसिओन.

**२१८. अध्याय १६ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव कवितः कोरे थपेमे: एक्स्पेरिमेन्टिओन मे पोएटिक फोर्म./ स्ट्रुक्चरलिस्ट: ब्रेअक सँ शास्त्रीय मेटेर: फ्रग्मेन्टेड पोएटिक उनिट्स / पोस्ट-स्ट्रुक्चरलिस्ट: भाषा रेसिस्ट्स क्लोसुरे / मोदेर्निस्ट/पोस्टमोदेर्निस्ट: एम्फासिस पर: अलिएनटिओन /...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दवादाक GAT कोन्नेक्ट्स हुनकर कृति केँ स्त्री'स मौखिक सांस्कृतिक ट्रान्स्मिस्सिओन लिने क इन्हेरिटन्के से समानान्तर इतिहास प्रिजेस: ग्रन्थोथए'स गीत अछि रेपोसिटोर्य क सभसँ अन्किएन्ट मैथिली लोक कनोब्लेदे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गिवेन मैथिली'स कोन्स्टिटुटिओनल रेकोग्निटिओन अस ओने क नेपाल'स नटिओनल लन्गुअगेस, अब्सेन्के क कोम्मेन्सुरे इन्स्टिटुटिओनल सुपोर्ट सँ नेपाल'स नटिओनल अकदेम्य अछि एक प्रमुख फइलुरे क देमोक्रेटिक सांस्कृतिक प्रोजेक्ट.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बग्मटि कथा: म्थओलोगिकल आ सांस्कृतिक सिग्निफिकन्के क बग्मटि: ओरिगिन: बग्मटि रिबेर ओरिगिनटेस सँ शइवपुरि मोउन्टइन रनो, अबोउट १६ कम नोर्थ-एअस्ट क कथमन्डु, नेपाल, अट एक अल्टिटुदे क अबोउट २८०० मेटेर्स.

**२१९. अध्याय १६ अनुसार, “उन्फिनिशएद कथा” सँ पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) रेकुर्रन्के क इमगे क बिर्द थरोउघओउट टेक्स्ट, सेल्म कोम्परेद अट वरिओउस बिन्दुसभ केँ एक फ्रेए बिर्द, एक बिर्द मे एक कगे, एक वोउन्देद बिर्द, गइन्स अद्विडिओनल रेसोनन्के मे मैथिली बेकउसे पन्खइ/पक्षइ मोटिफ अछि देएप्लय एम्बेदेद मे मैथिली लोक गीत...
- (B) अभइलशअ (२०२१): लघु कथा कोल्लेक्टिओन ५.४.१ एवोलुटिओन सँ अनुभउति अभइलशअ (देसिरे / अस्पिरिटिओन), प्रकाशित मे २०२१ द्वारा अन्टिक प्रकशअन प्लट.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नरटोलोग्य: टेचनिकुए, स्वर, आ 'उन्फिनिशएद कथा' सँ एक फोर्मल नरटोलोगिकल पेस्पेक्टिवे (द्रविन्ना पर Gêrद गेनेट्टे, सेय्मोउर चअट्मन, आ रुस्सिअन फोर्मलिस्ट्स), अशओक'स फिक्टिओन रेवेअल्स एक दिस्टिन्क्टिवे सेट क स्ट्रटेगिअस आ...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'Āब नइ नवरा रहब अनवरा / बनबइ सक्ता कऱ्होर यउ' ('नोव स्त्री विल्ल नहि रेमइन इल्लिरेटेर / वे विल्ल बेकोमे स्ट्रोन्ग आ फिर्म').

**२२०. “अशओक (कथअकर अशओक)” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से धवनि: दन्न प्रदर्शन सन्दर्भ क्रेअटेस एक रेसोनन्ट दोउब्ले मेअनिन्ना: लिटेरल 'वके उप' (केट) अद्वेस्सेद केँ देवोटेए'स मिन्द अछि सिमुल्टेनओउस सँ अक्टुअल फ्यासिकल अवकेनिन्ना हप्पेनिन्ना अस गीत अछि सुन्ना अट दन्न.
- (B) अशओक'स प्लके मे मैथिली साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के १ थरेए अशओक्स: कवि, स्टोयटेल्लेर, प्रोसे लेखक गजेन्द्र ठाकुर'स स्ट्रुक्चरल इन्सिघट, 'थपरे छथि/अछि थपरे अशओक्स: कवि अशओक, कथअकर अशओक, आ कथएटेर गद्य क लेखअक अशओक' (कवि अशओक...
- (C) मैथिली रेअदेर्स अछि नहि छल सुच स्ट्रोन्ग फिक्टिओन मे रेकेन्ट येअर्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मोथएहोओद आ वन्ट: एक स्पेकिअल रेअदिन्ग क अव अव अछि एक एक्स्त्राओर्दिनर्य कोउन्टेर-रेअदिन्ग क मोथएहोओद-पोएट्र्य.

**२२१. अध्याय २१ मे “कलिकन्ट झा 'बुच' आ सट्यनन्द पथअक” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) रेसुल्ट: एक कवि क हिघएस्ट कलिब्रे रेमइनेद इन्विसिब्ले केँ साहित्यिक एस्टब्लिशमेन्ट.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कल्पन झा'स भक्तिपरक गीतसभ, अद्वेस्सेद केँ स्त्री देइद्य (गोसउनिन), ओक्कुप्य एक स्पेकिफिक लोकस मे ई लिने क इन्हेरिटन्के: थपए एन्गगे शअक्ट स्त्रन्द क मैथिली देवोटीओन, मे कोन गोद्वेस्स अछि नहि दिस्टन्ट ट्रन्स्केन्डेन्ट...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सेकोन्दर्य स्रोतसभ: इन्दिअन समीक्षात्मक लिने क इन्हेरिटन्के भअरट मुनि.
- (D) फरसे फुन्क्टिओन्स लिंके एक धवनि-स्फओउ (एक्स्प्लोसिओन क सुग्गेस्टेद मेअनिन्ना) से रेअदेर मुस्ट रेअलिजे पर हुनकर ओव्न, एक्सक्लुसिअस भअखअन ककव सय्स: “थइन्क पर ई फोर्मुल, सभ मेअनिन्स विल्ल हो उन्डेस्टोओद.” क.

**२२२. अध्याय २१ “सटिरिकल पोएट्र्य” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) अफटेर से, इन्फ्लुक्स क स्टुदेन्ट्स सँ बेन्गल केँ मिथिला केअसेद, आ सँ ई, ओउटवर्ड फ्लोव क मिथिला'स प्लय्स आ पदवलि.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शअम्भउ कुमार सिंह सिंह, शअम्भउ कुमार. ‘मैथिली सहिद्यक कअल-निर्धअरन’.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सामाजिक-प्रोटेस्ट आ सटिरिकल पोएट्र्य: वअगत गअन (वेलकोमे गीत), बेटि बनल पहद (दउघटेर बेकोमेस एक मोउन्टइन), कअटेर क परिनम (कोन्सेकुएन्केस क दोड्र्य-वॉरिओर), नअरि सुनो (स्त्री, लिस्टेन), मिटिलअक दुर्दशअ (मिथिला'स मिसेर्य)...
- (D) पेन नमे 'नन्द', मेअनिन्ना 'जोय', 'देलिघट', वा नमे क क्रिशन'स फोस्टर-फथएर मे पुरनिक लिने क इन्हेरिटन्के, अछि बोथ भक्तिपरक रेसोनन्के आ लोक वर्मथ (अप्रोप्रिअटे लेल एक लेखक कोसे सामाजिक रेअलिस्म अछि ग्रोउन्डेद मे गाम अप्पेक्तिओन).

**२२३. अध्याय २१ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि नहि एक लिमिटिओन क हुनकर चअरक्टेरिस्टिओन बुट एकर एपिस्टेमोलोगिकल दिस्टिन्क्टिनेस्स, आ नव्य न्यय गिवेस उस संकल्पना: उअल वोकबुलर्य केँ नमे ई.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई मुल्टिलिन्गुअल टेक्स्टुरे अछि नहि 'कोदे-स्विट्चइन्ग' मे एक देफिकिट सेन्से बुट एक सोफिस्टिकटेड रेप्रेसेन्टिओन क अक्टुअल लिन्गुइस्टिक लिफे क उर्बन पोओर मे समकालीन भारत, एक लिफे मे कोन भओज्जुरि, मैथिली, हिन्दी, आ फिल्मि...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नटुरे आ लन्ड्स्कपे पोएट्र्य: जेथी करह ( ओल्ड रिवेर करेह), भअदइय होलि (मोन्सोओन होलि), गमय मोन पधै (I मिस्स गाम), पवस चौमस, चैटेए (स्प्रिन्ग गीतसभ).
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कमल चौधरी 'स सांस्कृतिक निबंधसभ 'देफमिलिअरिसे' मटेरिअल ओब्जेक्ट्स क स्त्री'स लिवेस द्वारा सुब्जेक्टिन्ग थएम केँ स्वओललर्य स्क्रुटिन्ग.

**२२४. “कलिकन्ट झा 'बुच' आ सट्यनन्द पथअक” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से थईर्द, हेट्वाभवास (फल्लकिओउस रेअसोनिन्ग): उन्देर-रेप्रेसेन्टिओन क स्त्री, दलिट्स, आ नोन्ब्रह्मिन कोम्मुनिटिएस मे अवर्द इतिहास कन्नोट हो एक्स्प्लइनेद द्वारा अन्य नेउत्रल थएओर्य क साहित्यिक मेरिट; ई अछि थएरेफोरे एक स्ट्रुक्चरल हेट्वाभवास...
- (B) मे मइन्स्ट्रेअम इन्डिअन फइलोसोफइकल हिस्टोरिओग्राफ्य, गन्नेस उपधयय अछि रेवेरेद अस उन्दिस्पुटेद अर्चइटेक्ट क नव्य-न्यय.
- (C) समानान्तर इतिहास पेस्पेक्टिवे समझबैत अछि ई: बुच'स नोन-इन्स्टिटुटिओनल, नोन-अकदेमिक पोएटिक फोर्मिओन मेअन्ट हे अब्सोर्बेद लिविन्ग लोक लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली गीत (कोन अछि नटुरल्लय स्फोट-बसेद) रथएर थअन स्वओलस्टिक न्यय लिने क...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कमट रेकोग्निसेस केय थएमेस क मुन्नि कमट'स कृति, लोनिन्ग, नोस्टलिज, आ रेसिलिएन्के क स्त्री स्वर मे दिअस्पोर, अस एक्सेन्टिअल कोम्पोनेन्ट्स क आधुनिक मैथिली एक्स्पेरिएन्के.

**२२५. “दिनेश कुमार मिश्र” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) थएसे छथि/अछि प्रेकिसेल्य थएमेस से विदेह समानान्तर इतिहास रेकोग्निसेस अस स्ट्रुक्चरल एक्स्क्लुदेद सँ इन्स्टिटुटिओनल मैथिली साहित्यिक कनोन.
- (B) अपर्ट सँ म्यथओलोगिकल टेक्स्ट्स, लेगेन्ड्स, फोल्क्लोरे, आ लोक गीतसभ, त्रिट्रेन इन्फोर्मिओन अबोउट कोसि छल प्रेपरेद द्वारा ब्रिटिश.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बोथ अस्सेर्ट दिग्निट्य आ वलिदिट्य क मैथिली अगइन्स्ट हेगेमोनिक प्रेस्सुरे क दोमिनन्ट लन्गुअगेस (नेपालि मे नेपाल, हिन्दी मे भारत) आ कनोनिकल साहित्यिक एस्टब्लिशमेन्ट्स.
- (D) थएसे स्त्री कविसभ अछि शओल हुनकर रेस्पेक्टिवे एक्स्प्रेसिओन्स मे हुनकर रेस्पेक्टिवे पोएट्र्य.

**२२६. अध्याय २२ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हेल्ल इन्सिदे एम्बन्क्मेन्ट्स: त्रगेद्य क ३८० विल्लगेस: केन एम्बन्क्मेन्ट्स छल बुइल्ट पर बोथ सिदेस क कोसि, विद्वत् बीच थएम रन्नेद सँ ५ केँ १६ क्म.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि एक सुब्टन्टिअल कृति, स्पन्निन्ग थइट्य पगेस मे सदेह ३० कोम्पिलिओन (पगेस ११५४-११८३), से कोम्बिनेस सांस्कृतिक अट्रोकिव्य, मुसिकोलोगिकल दोकुमेन्टिओन, रेलिगिओउस-सांस्कृतिक इतिहास, आ अन्थओलोगिकल प्रेसेन्टिओन क लोक गीतसभ.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रनजिट गुह आ गयट्रि स्पिवक: सुबल्टेर्न स्टुडिएस (१९८२-), अप्लिएड केँ दलिट-मधएसि सांस्कृतिक रेप्रेसेन्टिओन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ओने सेमोन होल्ड्स से स्त्री शओउल्ड अल्वय्स हो सुबोर्दिनटे केँ मेन.

**२२७. “त्रादिओनल अप्रोअच” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वचअस्पटि मिश्र: एक उन्परल्लेलेद स्वओलर क सभ शअस्त्रस.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सामाजिक-प्रोटेस्ट आ सटिरिकल पोएट्र्य: वअगट गअन (वेल्लोमे गीत), बेटि बनल पहाद (दउघटेर बेकोमेस एक मोउन्टइन्), कअटेर क परिनम (कोन्सेकुएन्केस क दोव्र्य-वर्रिओर), नअरि सुनो (स्त्री, लिस्टेन), मिटिलअक दुर्दशा (मिथिला'स मिसेर्य)...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोलिटिक्स क कनोव्लेद्रे आ त्रदिओनल अप्रोअच: एक प्रमुख पर्ट क डॉ.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि इन्डिअन लिटेरच्युरल थइन्किन्ग अट एकर सभसँ प्रोदुक्टिवे: नेइथएर रेवेरेन्ट अन्टिकुअरिअनिस्म नोर दिस्मिस्सिवे मोर्देनिस्म, बुट एक गेनुइने एनागेमेन्ट अक्रोस्स टिमे.

**२२८. अध्याय २२ में “कुमार मिश्र” के निरूपण से कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई इन्द्रेण्डेनके क जुद्धमेन्ट अछि इट्सेलफ एक फोर्म क समीक्षात्मक विटुए ररेल्य सेएन मे स्मल्ल साहित्यिक कोमुनिटिएस केरे सभसँ क्रिटिक्स छथि/अछि अल्सो फ्रिएन्ड्स, रिवल्स आ कोल्लेअगुएस क थओसे थएय समीक्षा.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फकेबोओक अछि एक मेदिउम क इम्मेदिकय, इन्फोर्मलिट्य, आ देमोक्रेटिक मस्स पर्टिकिपेटिओन, पोलर ओप्पोसिट के फोर्मल स्वओललर्थ मोनोग्राफ वा कनोनिकल साहित्यिक टेक्स्ट.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दिनेश कुमार मिश्र'स पोथी 'दुइ पटन के बिच मेइन' अछि नहि जुस्ट कथा क कोसि, बुट एक सेरिओउस अनल्यिसस क कोन्सेकुएन्केस क आधुनिक देवेलोप्मेन्ट मोडेल.
- (D) सभसँ सुस्टइनेद आ एमोटिओनल्लय पोवेर्फुल क थएसे छथि/अछि विरह गीतसभ, सेपरटेद विफे'स लमेन्ट लेल हुनकर अब्सेन्ट हुस्बन्द (गोने केँ किट्य, केँ 'पर्देश'), ब्रिट्रेन मे मैथिली स्त्री'स गीत लिने क इन्हेरिटन्के.

**२२९. अध्याय २२ “सिटब दियर” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) सिटुअटिओन मे सिटब दियर गाम (लोकनयक जयप्रकाश नारायण'स गाम) बेकमे समीक्षात्मक., अब्दिनिस्त्रटिवे फइलुरे आ रेलिएफ: गोवेन्मेन्ट फकेद हेअव्य क्रिटिकिस्म मे अस्सेम्ब्ल्य.
- (B) विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे कोन्सिस्टेन्ट्ल्य इन्सिस्ट्स पर कोन्टिनुइट्य बीच अदि कवि (प्रे-ज्योटिरिशवर विद्यापति), विद्यापति थअक्कुरह (१३५०-१४३५), आ देमोक्रेटिक मौखिक लिने क इन्हेरिटन्के से अछि त्रन्स्मिट्रेद हुनकर लेगक्य.
- (C) मे कमल'स कसे, स्त्री-वोइकेद गीतसभ रइसे इन्टेरेस्टिना कुएस्टिओन्स: एक पुरुष कवि वेन्ट्रिलोकुइसिना स्त्री पेस्पेक्टिवे मे एक त्रडिटिओनल्लय स्त्री गीत गेने.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केना अछि लोकलिजटिओन क उर्दु वोर्दस (प्रेसेन्ट मे टेलुगु टेलनान दिअलेक्ट) बेएन हन्ड्लेद मे मैथिली अनुवाद?

**२३०. अध्याय २२ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दु क सार कहैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्त्री क कटेगोरी क 'बबि', 'मइ', 'पिउस' उसेद केँ सय, 'केना दोएस हे प्रक्टिके मेदिकिने, बेइना सो शअमेलेस्स?' जन्चअन छल एक लोवेर क गीतसभ.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से (ब्रिट्रे, बुट दो नहि स्पेअक इल्ल क योउर मोथएर टोन्गुए मैथिली)”, एक वेसेँ द्वारा कविवर सिटरम झा से प्रोफोउन्ड्ल्य मोवेद योउना रज्जन्दन लाल दास ई पोएम'स इम्पक्ट पर योउना रज्जन्दन छल त्रन्स्फोर्मटिवे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मउन'स फिएल्ट्रोर्क देप्लोय्स बोथ: रव एन्कोउन्टेर सँ लोक लिने क इन्हेरिटन्के अस ई अक्कुअल्लय एक्सिस्ट्स, आ इन्टेप्रेटिवे फ्रमे से एनब्लेस हिम केँ रेकोग्निजे की हे अछि ओब्सर्विन्ग अस बेलोनिन्ग केँ सलहेस वा लोरिक वा बिहुल...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा वय क एक देएप एक्समिनटिओन क बिहर लेगिस्लटिवे अस्सेम्ब्ल्य देबटेस, समकालीन नेक्स्पेर अक्कोउन्ट्स, आ मौखिक हिस्टोरिएस, कथा क बिहर'स फ्लोओड्स आ द्रोउघट्स एमेगेस नहि अस एक सेरिएस क सेपरटे नटुरल दिसस्टेर्स, बुट अस एक...

**२३१. अध्याय २२ (“दिनेश कुमार मिश्र”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गोपल्लि झा 'गोपेश' एक कवि आ सांस्कृतिक क्रिटिक अनल्यजेद मे पर्ट ९६ लेल हुनकर रोले मे मइन्टइनिन्ग कोन्टिनुइट्य क मैथिली लिपिक त्रडिटिओन्स अमिदुस्ट प्रेस्सुरेस क मोदेर्निजटिओन.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बस्स अर्गुएद से थएय छल दोइना कृति अट एक लोवेर कोस्ट द्वारा वय क गाम पन्चअयट्स.
- (C) लोक गीत लिने क इन्हेरिटन्के कोन मे मिथिला अछि ओवेर्हेल्मिन्ल्य एक स्त्री'स लिने क इन्हेरिटन्के गिवेस रेनु'स स्त्री चअरक्टेर्स एक स्वर से पट्रिअर्चअल सामाजिक ओर्देर कन्नोट एन्टिरेल्य सुप्प्रेस्स.
- (D) हुनकर पोएट्र्य अछि फोर्मल्लय कोन्वेन्टिओनल, ओपटेन उसिना क्लेअर मेटेर्स, एन्ड-ह्युमस, आ स्टन्जइक दिविसिओन्स, क्रेअटिना एक गीत-लिके (गह्य) कुअलिट्य.

**२३२. अध्याय २३ मे “बेचअन ठाकुर”स प्लय” के निरूपण से कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ पोट्रेर एन्क्वक्लोपेदिअ'स निरूपण क गनोस'स ओव्न एक्सम्प्ले: इफ ओने थइन्क्स क गेनेरिक प्रोपेर्टिएस वा उनिवर्सल्लस अस हविना इन्स्टन्केस (अस मे वेस्टेर्न फइलोसोफय) रथएर थअन अस इन्हेरिन्ग मे पर्टिकुलर्स, ओने त्रन्सलटेस एक इन्डिअन विएव...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षा क बेचअन ठाकुर'स प्लय 'बेअक अप्पवन्नर एक नजरि' दुर्गनन्द मंडल'स समीक्षा क बेचअन ठाकुर'स प्लय पर दिशओनोउर दोने केँ दउघटेर्स ('बेअक अप्पवन्नर ओ चानर्दवा') अछि एक प्रमुख समीक्षात्मक दोकुमेन्ट.
- (C) राग छथि/अछि नमेद बुट नहि नोटटेद; मोवेमेन्ट अछि इन्दिक्टेद बुट नहि चओरेओग्रफएद; औदिएन्के इन्टेरक्टिओन अछि कहल गेल बुट नहि देस्क्रिबेद.
- (D) अप्प्लियन्ग फेमिनिस्ट थएओर्य, प्लय इल्लुस्त्रटेस नन्क्य चओदोरोव'स अनल्यिसस क मोथएर-दउघटेर रेप्रोडुक्टिओन क गेन्देर नोर्म्स: ई अछि मोथएर के सुप्प्रेस्सेस दउघटेर'स एदुकाटिओन, हविना इन्टेर्नल्लिसेद पट्रिअर्चअल वलुएस.

**२३३. अध्याय २५ (“हिटेन्द्र गुप्त (दिल्ली)”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गीतसभ आ गीत-पद (मैथिली) लल्लन प्रसाद ठाकुर कोम्पोसेद ओरिगिनल गीत-पद लेल सभ हुनकर प्लयस आ सेवेरल स्टन्ड-अलोने गीतसभ.
- (B) अप्पिलएद अस एक समीक्षात्मक मेथओदोलोग्य कें मंडल'स फिक्टीओन, ई ट्रिपार्टीटे अनलिटिकल स्ट्रक्चरे इल्लुमिनेटस हुनकर नरटिवे टेक्नीकए: विडिओ (सुब्रूटे): सामाजिक बोध क मैथिली गाम, एकर स्ट्रक्चरेस क कस्टे, किन्शइप, आ अग्रिकल्चुरल एकोनोमि...
- (C) अध्याय प्लकेस हिटेन्द्र गुप्त (दिल्ली) इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.
- (D) दलित स्त्री अछि नेइथएर मेरेल्य एक रेप्रेसेन्टेटिवे क दलिट्स नोर मेरेल्य क स्त्री -शए अछि एक थर्ड कटेगोरी क्लोसे एक्स्पेरिमेन्ट अछि भिन्न सँ आ बेसी कोम्प्लेक्स थअन एइथएर.

**२३४. अध्याय २५ मे “नहि खउलट नवकअ” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ एक एस्टिमेटेद ३०-५० मिल्लिओन स्पेअकेर्स, ई अछि अमोन्ग लर्गेस्ट इन्डियन लन्गुअगेस विथओउट एक सेपरटे स्टेटे.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'आब नहि खउलट नवकअ ऽअरबक दोकअन', समीक्षात्मक अनलिटिक्स ई पिपेके कोवेर्स बिहर गोवेर्मेन्ट'स पोलिक्व देकिसिओन कें प्रोहिबिट नेव लिक्चओर शओप लिक्केस, एक प्रमुख सामाजिक पोलिक्व कथा मे बिहर-झअर्खअन्ड पोलिटिकल लन्डस्केपे सँ...
- (C) हुनकर पोएट्र्य अछि सिमुल्तनेओउसल्य शास्त्रीय आ आधुनिक: शास्त्रीय मे एकर ग्रोउन्दिना मे संस्कृत रस थएओर्य आ लोक मौखिक लिने क इन्हेरिटन्के, आधुनिक मे एकर एन्गोमेन्ट सँ पोस्टकोलोनिअल रेअलिटीएस आ एकर फोर्मल्ल्य रेस्त्रइनेद, इमिग्रिस्टिक सेन्सिबिलिटि.
- (D) पोएम दोकुमेन्ट्स मुल्तिप्ले लयेर्स क एक मैथिली स्त्री'स लिफे, अग्रिकल्चुरल लबोउर, दोमेस्टिक ओप्रेसिओन, आ सांस्कृतिक लिने क इन्हेरिटन्के क स्त्री'स गीतसभ (सोहर अट बिर्थ, समदइन अट मर्रिअगे), विथओउट रोमन्टिकिसिना अन्य लयेर.

**२३५. अध्याय २७ अनुसार, “हृदय नारायण झा” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) रोमन्टिक गीतसभ ( विरह गीतसभ क सेपरटेद विफे, क्रिशन-रधअ गीतसभ) एवोके श्रीनार रस (लोवे), बोध सम्भओग श्रीनार (लोवे मे उनीओन, अस मे गोकुलशटमि गीतसभ) आ विप्रलम्भअ श्रीनार (लोवे मे सेपरटिओन, अस मे विफे'स मोन्सोओन...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर हृदय नारायण झा, सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन.
- (C) मैथिली, द्वारा विटुए क यदव'स देस्क्रिप्टिओन, अछि एन्टरेद कनोन क लन्गुअगेस से चअल्लेने धारणा से अग्रेएमेन्ट एन्कोदेस केवल नोमिनटिवे सुब्जेक्ट्स.
- (D) झा'स कथासभ दोकुमेन्ट कोन्सेकुएन्केस क थएसे दुअल मर्गिनलिसिटीओन्स पर इन्डिविदुअल लिवेस: मे 'चओअसन बवट', एमिग्रिटीओन क योउन्ग मेन अछि नहि एक पेर्सनल अट्टेन्टरे बुट एक फोर्केंद रेस्पन्से कें एकोनोमिक एक्स्कुलसिओन; मे 'Gaam घाँलपर', गाम-कैं-कित्य...

**२३६. अध्याय २७ मे “हृदय नारायण झा” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शए अछि नो लोन्गेर विब्रन्ट गिर्ल सँ किनेम; शए अछि स्केलेटल, पले, आ ब्रोकेन, एक विक्टिम क त्रिडिओनल मर्रिअगे स्ट्रैटेम.
- (B) गीतसभ एक्सिस्ट इन्सिदे आ लेल प्रदर्शन कोन्टेक्ट्स क मैथिली दिअस्पोर कोम्मुनिटी मे कोल्कट: पुज केलेब्रिटीओन्स, फेस्टिवल पेर्फोर्मेन्केस, सांस्कृतिक एवेन्ट्स ओर्गनिसेद द्वारा मिथिला सन्स्क्रिप्टि परिशद.
- (C) निबंध'स फुल्ल टिट्ले सिग्नल्स एकर ओरिएन्टिओन: ई अछि नहि एक केलेब्रिटीओन क एक लिविन्ग लिने क इन्हेरिटन्के बुट एक लमेन्ट लेल एक एन्डनोरेद ओने, आ एकर पुर्पोसे अछि सिमुल्तनेओउसल्य अर्चइवल (कें दोकुमेन्ट की अछि बेइन्ग लोस्ट) आ अक्विविस्ट (कें कल्ल लेल स्ट्रैटेमेटिक...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से अछि लेखक एक्स्पन्डेद साहित्यिक होरिजोन?

**२३७. अध्याय २७ “हृदय नारायण झा” विषयमे मुख्य रूपें की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से त्रिडिओनल: 'करु भअव सवगर पवर हे जनना...', एक भअक्ति सुरेंदेर गीत ('के अछि म्य बोअट, के अछि म्य बोअटमन, के विल्ल टके मे अक्रोस्स?') इन्वोकिन्ग गोद्वेस्स अस मोथएर-फेर्यमन.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से . "विथओउट बेन्ट स्पिने": पोएटिक देक्लरिटीओन क दलित दिग्निटी "कोमे, / इफ योउ कन कोमे, / I विल्ल टेअच योउ कें पिक्क उप बोनेस -/ I विल्ल शओव योउ एक स्पिने से अछि नहि बेन्ट." ई लिने अछि फइलोसोफइकल-पोलिटिकल एस्सेन्के क एन्टिरे...
- (C) अपटरे सेएइन्ग सभ ई, म्य हेअर्ट कोउल्द नहि स्टोप इट्सेलफ सँ ओप्पोसिन्ग ई, आ I ट्रिएद कें हिघलिघट ई एवेन्ट मे एक नेव वय आ अट समे टिमे ट्रिएद कें अद्विसे योउन्ग मेन आ स्त्री क नेव गेनेरिटीओन कें कोमे फोर्वर्ड ओपेन्ल्य.' ३.२ धअधैत नक्कि...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा वय क सभ थएसे लेन्सेस, बिम्बक पथअर एमेर्गेस अस एक प्रमुख कोल्लेक्टिओन मे आधुनिक मैथिली पोएट्र्य, विदे मे एकर सामाजिक रन्गे, फोर्मल्ल्य वरिएद, पोलिटिकल्ल्य अलेर्ट, आ हुमनिस्टिकल्ल्य कोम्मिट्टेद.

**२३८. अध्याय २७ सँ कोन विकल्प सही रूपें एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) फेमिनिस्ट कवि'स प्रत्यक्षक अ क स्त्री'स एक्स्पेरिमेंट, दिरेक्ट, एम्बोदिमेंट कनोवलेज क की ई मेअन्स कैं हो एक स्त्री मे मिथिला'स पट्टिअर्चअल सामाजिक स्ट्रक्चर, सेवेस अस एक फोर्म क प्रमॉन से कनोवलेज साहित्यिक लिने क इन्फेरेन्स'स पुरुष-दोमिनैन्स...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य-न्यय अनलिसिस क अनुवाद'स कनोवलेज-क्लइम्स अप्लियिंग अनुमान-खअन्ड (इन्फेरेन्स) समीक्षात्मक फ्रेम क गनोस'स टट्टवकिन्टमनि: अन्य अनुवाद क्लइम्स, इम्प्लिकिट, एक व्यष्टि, एक इन्वरिअबल कोन्कोमिटन्स, बीच ...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रत्यक्षक आ अनुमान मे लोक गीत अनलिसिस गॉगोस'स अनलिसिस क प्रत्यक्षक (दिरेक्ट पेक्पिओन) अस प्रिमर्य स्रोत क युक्तिसंगत कनोवलेज अछि प्रासंगिक कैं झा'स पोसिटिओन अस एक प्रकटिओनेर-अनल्यस्ट.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से उ म म एक र य एक स स ए स स म ए न रविन्द्र नथ ठाकुर छल सभसँ प्रमुख अर्चइटेक्ट क आधुनिक मैथिली प्रदर्शन संस्कृति मे सेकोन्ड हल्फ क ट्वेन्टिएथ केन्टुरी.

**२३९. अध्याय २८ सँ कोन विकल्प सही रूपें एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) हुनकर फोउर वोक्सस्पनिंग भक्तिपरक गीत, सामाजिक-रेफोर्म गीत, लोरी, आ अनुवाद, कोन्स्टिटुटे एक सम्पूर्ण क्रेअटिवे लिफे से ओपेरेस एन्टिरेल्य ओउटसिदे अवर्द किर्कुइट, प्रिन्ट प्रकाशन एकोलोग्य, आ अकदेमिक कोन्फेरेन्स संस्कृति क मइन्स्ट्रेअम...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सेकोन्ड, एक कोम्परटिवे अनलिसिस सिटुअटेस एअच बोद्य इन्सिदे ब्रोअदेर पन-इन्दिअन आ सोउथ एसिअन साहित्यिक अवर्दस लन्डस्केप.
- (C) टिटले इजोरियक अन्गइथइ मोर, मेअनिंग सोमेथइंग लिफे ' फिरेप्लेक क लिघट से अछि मिने', गेस्टुरेस अट फेमिनिने, दोमेस्टिक-सक्रेड स्पेक अस एक सिटे क क्रेअटिवे पहचान, एक ट्रोपे से रेकुर्स मे स्त्री'स ब्रिटिग अक्रोस मिथिला रेगिओन.
- (D) ठाकुर दोकुमेन्ट्स से जुय वोटेट, नहि पर साहित्यिक मेरिट, बुट अलोन्ग कस्टे लिनेस, रेसुल्टिग मे रेजेक्टिओन क मुन्नि कमट'स पोएट्र्य कोल्लेक्टिओन अन्टटह, कोन ठाकुर रेगर्दस अस स्पष्ट रूपें सुपेरीओर कृति, मे फवोउर क एक कन्दिदटे क्लोसे प्रिमर्य...

**२४०. अध्याय २८ ("मिथिला & मैथिली") मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रस-निःपट्टि (मनिफेस्टिओन क रस): दोएस ई साहित्य अचइएवे रस-निःपट्टि, वा दोएस ई फोउन्देर पर लिमिट्स क रस?
- (B) कथा अल्सो दोकुमेन्ट्स फअगुअ (होलि) लोक गीतसभ क रुल मिथिला, इन्क्लुदिंग स्त्री'स रिबल्ड कोउन्टेर-गीतसभ ('रो छओढ़ बज्जर खअसट...'), मेन'स गीतसभ ('टोहर लहग उहव देव रामोअसे...'), आ गेनेरल अट्मोस्फेरे क लिकेन्सेड सेक्सुअल प्लय...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य-न्यय एपिस्टेमोलोग्य नव्य-न्यय स्कूल, ओरिगिनटिग मे मिथिला सँ गनोशअ उपधयय'स टट्टवचइन्टमनि (१२थ-१३थ केन्टुरी), प्रोविदेस विदेह'स एपिस्टेमोलोगिकल ग्राउन्दिग.
- (D) रेसुल्ट अछि से क्लेन एक एम्बन्क्मेन्ट ब्रेअचएस, वटेर एन्टेर्स विल्लगेस सँ एक ग्रेअट हेइघट, कउसिग फर ग्रेअटेर देवस्टिओन.

**२४१. "मिथिला & मैथिली" पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) सहित्य अकदेमि'स कनोन अछि इम्प्लिकिट आ कोन्सेर्वटिवे; विदेह'स कनोन अछि एक्स्प्लिकिट आ रेवोलुटिओनर्य.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से चउल बुलि कन्य बनि गेलहुग (I बेकमे एक मिस्वइएवोउस गिर्ल अगइन्) एक ल्यिक पोएम प्रकाशित मे विदेह सदेह ३४, प.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुएल्ल'स क्रिटेरिअ लेल "एकोकेन्ट्रिक" साहित्य, से नोन्हुमन एन्विरोन्मेन्ट अछि प्रेसेन्ट नहि मेरेल्य अस एक फ्रेम बुट अस एक प्रेसेन्स; से हुमन इन्टेरेस्ट अछि नहि केवल इन्टेरेस्ट; से हुमन अक्कोउन्टबिलिट्य कैं एन्विरोन्मेन्ट अछि पर्ट क ...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मोमक पढइट अधअर (लिप्स मेल्तिग लिफे वक्स, २०४७ BS / १९९० CE), गेएट-गजल कोल्लेक्टिओन ई कोल्लेक्टिओन क गीतसभ आ घअजल्स शओव्स भरमर'स ल्यिकल रनो: एरोटिक आ रोमन्टिक, लिप्स मेल्तिग सँ देसिरे, मे कोन्त्रस्ट कैं ...

**२४२. अध्याय ३० मे "जग्दिश चअन्ड ठाकुर" केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्वेक्ट्स जग्दिश चअन्ड ठाकुर 'अनिल' सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रेम.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से थइर्द, हेटववभवास (फल्लकिओउस रेअसोनिग): उन्देर-प्रेसेन्टिओन क स्त्री, दलिट्स, आ नोन्ब्रह्मिन कोम्मुनिटिएस मे अवर्द इतिहास कन्नोट हो एक्स्प्लइनेड द्वारा अन्य नेउत्रल थएओर्य क साहित्यिक मेरिट; ई अछि थएएफोरे एक स्ट्रुक्चरल हेटववभवास...
- (C) हुनकर कोल्लेक्टिवे कृतिसभ, स्पनिंग पोएट्र्य मे भअशअ के न बन्टियो, इन्वेस्टिगटिवे निबन्धसभ मे गगर मे सगर: नव वइअरिफि, आ नरंतिवे रेअलिस्म मे रनियअन भइखअरिन, कोन्स्टिटुटे एक स्ट्रुक्चरल अट्ट्रेक्ट कैं दिस्मन्टले एलिटे हेगेमोन्य आ लिन्गुइस्टिक एक्स्क्लुसिओन.
- (D) गीतसभ रेनु उसेस स्पन फुल्ल रनो क मैथिली लोक गीत त्रिडिओन्स: सोहर (बिर्थ गीतसभ), विवह गेएट (विवाह गीतसभ), बिदेसिअ (गीतसभ क अब्सेन्ट हुस्बन्ड्स/सेअसोनल मिग्रन्ट्स), समचअक्व (गीतसभ क समचअक्व फेस्टिवल), झउमर, कज्जि, आ छअथ गीतसभ.

२४३. अध्याय ३० अनुसार, “जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल'” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?

- (A) टिटले अछि स्पटिअल्लय एवोकटिवे: 'धअर' मे मैथिली कन मेअन थरेशओल्द, बन्क, एद्रे, वा स्ट्रेअम; 'ओइ पर' मेअन्स 'पर से ओथएर सिदे' वा 'बेयोन्द.' टिटले थउस कोन्जुरेस एक लिमिनल पोएटिक्स, एक रेअचइन्ना टोवर्द की लिएस बेयोन्द इम्मेदिअटे एक्स्पेरिएन्के, क्थेएर...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि पन-थएइस्म मे स्पेकिफिकल्लय मिथिला भक्तिपरक मोदे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई कोम्मेन्द हिम केँ टेल्ल कथा क रम केँ " दउघटेर क विदेह" (सिट) मे हुनकर ओव्ल मोथएर टोन्गुए, मैथिली.
- (D) समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे अल्सो हेल्प्स उन्देस्टन्ड सिग्निफिकन्के क थरेए कोल्लेक्टिओन्स' सिमुल्तनेओउस प्रकाशन.

२४४. अध्याय ३० (“जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल'”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कल्पन झा पटन'स समीक्षात्मक प्रोसे, कोन मइन्स्ट्रेअम मैथिली साहित्यिक एस्टब्लिशमेन्ट अछि नेइथएर रेकोग्निसेद नोर स्प्टेमेटिकल्लय स्टुदिएद, अछि प्रेकिसेल्य किन्द क स्त्री'स समीक्षात्मक त्रिटिन्ग से ग्य्नोक्रिटिकिस्म देमन्ड्स हो रेकोवेरेद आ...
- (B) हुनकर गजल इमगेर्य कोम्बिनेस शास्त्रीय मैथिली लिपिक ट्रोपेस, बेलोवेद'स फके, मोन्सोओन एवेनिन्स, फलमे आ मोथ, सोउन्ड क वटेर, सँ समकालीन पोलिटिकल कोन्सिओउस्नेस्स: 'द्रुन्क' मे गजल अछि सोमेटिमेस ओप्प्रेसेद सुब्जेक्ट के अछि बेएन...
- (C) 'अन्चइन्हर ाखअर' गजल मोवेमेन्ट एक्स्टेन्ड्स अस फर अस नेपाल.
- (D) संकल्पना: क यमक (रेपेटिटिओन लेल रेसोनन्के) अछि दिरेक्ट्लय प्रासंगिक केँ रदिफ स्ट्रुक्चुरे: इदेन्टिकल वोर्ड्स क रदिफ, रेटुर्निन्ग मे भिन्न सेमन्टिक कोन्टेक्स्ट्स सँ एअच शएर, क्रेअटे एक धवनि-लिके रेसोनन्के एप्पेफेक्ट.

२४५. अध्याय ३० “जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल'” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से चअट्टेर्जेए'स रेसेअर्चएस मे एअल्य ट्वेन्टिएथ केन्चुर्य कोन्फिर्मद मैथिली'स स्टटुस अस एक इन्डेपेन्डेन्ट भाषा; आ सुब्सेकुएन्ट ग्रामरिअन्स अछि वोर्केद इन्सिदे बोथ मइन्स्ट्रेअम आ समानान्तर त्रिडिटिओन्स.
- (B) विदेह मोवेमेन्ट'स अचइएवेमेन्ट विदेह डिजिटल लिब्रर्य'स अर्चइविन्ग क विर्निट रस आ मुज्रिम अछि क्रेअटेद की दिद नहि प्रेविओउस्ल्य एक्सिस्ट: एक पुब्लिकल्य अक्केस्सिब्ले, ग्लोबल्लय रेअदब्ले अभिलेख क मैथिली दलित साहित्य.
- (C) रेपेअटेद उसे क 'टोर' (योउर / इन्फोर्मल सेकोन्ड पेसॉन) एस्टब्लिशएस इन्टिमक्य, पोएम अद्वेस्सेस एक बेलोवेद, एक मोथएर, मैथिली भाषा इट्सेलफ, वा लन्द क मिथिला.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि नहि नइवे ओप्टिमिस्म बुट की जमेसोन कल्लस 'उटोपिअन होरिजोन' क सामाजिक फिक्टिओन, इमगिनेद रेसोलुटिओन से केएप्स सामाजिक अस्पिरिटिओन अलिवे.

२४६. अध्याय ३० मे “जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल'” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'अनिल'स ौटोबिओग्रफय एन्टेर्स ई लिने क इन्हेरिटन्के, प्रेसुमब्ल्य नर्रटिन्ग हुनकर लिफे अस एक मैथिली लेखक अक्रोस्स देकदेस से सब भाषा'स स्टुग्ले लेल रेकोग्निटिओन, रिसे क डिजिटल पुब्लिशइन्ग रेवोलुटिओन, आ ...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ देवनन्द पंजी ३९-२, छअदन, जगद्गुरु गुरु गन्गेश'स सोन, सँ वभअनियम, जयदित्य'स सोन, सधउकर'स विफे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हिएरर्चय क फ्लोओद इन्टेन्सिट्य: मे मैथिली लोक लिफे, फ्लोओद अछि दिविदेद इन्टो फोल्लोविन्ग फिवे कटेगोरिएस: १.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एअच इस्सुए अछि मेटिकुलोउस्ल्य कुरटेद केँ सेवें बोथ अकदेमिक कोम्मुनिट्य आ स्टुदेन्ट्स प्रेपरिन्ग लेल कोम्पेटिटिवे एक्समिनिटिओन्स, पर्टिकुलर्लय उप्स्क मैथिली कोम्मुल्सोर्य पपेर.

२४७. अध्याय ३१ अनुसार, “ओउट्लोओक भारत'स” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एलइने शओवल्टेर'स संकल्पना: क 'ग्य्नोक्रिटिकिस्म', स्टुद्य क स्त्री'स साहित्य अस एक दिस्टिन्क्ट लिने क इन्हेरिटन्के, संकेत करैत अछि से शैल झा'स कृति शओउल्द हो रेअद नहि केवल मे रेलटिओन केँ हुनकर हुस्बन्ड'स ओएउव्रे बुट अस पर्ट क लिने क...
- (B) कथा 'जमिल', होवेवेर, संकेत करैत अछि एक बेसी समीक्षात्मक गेन्देर कोन्सिओउस्नेस्स: नमे इट्सेलफ (अरबी-मैथिली कोन्टेक्ट जोने) सिग्नल्स एक कोन्केर्न सँ स्त्री अट इन्टेर्सेक्टिओन क मुल्तिप्ले मर्गिनलिसिन्ग इदेन्टिफिएस.
- (C) लोक गीतसभ झा दोकुमेन्ट्स छथि/अछि प्रेकिसेल्य ई किन्द क कोल्लेक्टिवे मेमोर्य: गोसउनिक Gt 'रेमेम्बेर्स' होउसेहोल्द गोद्वेस्स मे एअच प्रदर्शन; परवट 'रेमेम्बेर्स' भक्तिपरक दव्न प्रक्टिके; कोइ Gt 'रेमेम्बेर्स' एकोलोगिकल आ...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्रिटिक्स अछि प्लकेद हुनकर कथासभ इन्सिदे लिने क इन्हेरिटन्के से ओउट्लोओक भारत'स कथअकर अशओक इदेन्टिफिएद अस कोन्स्टिटुटिन्ग एक 'व्यापक कोम्मुनिट्य इन्टेग्रटेद सँ मैथिली साहित्य द्वारा वय क हुनकर कृतिसभ', अलोन्सिदे रम विलस सहू...

**२४८. अध्याय ३२ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) त्रवेलोगुए क हुनकर १९८५ ट्रिप कँ सोविएट उनिओन कन हो रेअद अस एक पोस्टकोलोनिअल टेक्स्ट, एक्स्प्लोरिंग केना एक लेखक सँ एक फोर्मल कोलोनिजेट, अग्ररिअन समाज पेकेइवेस एक आधुनिक, इन्स्ट्रुअलिजेट सुपेर्पोवेर, रेफ्लेक्टिन्ग पर देवेलोप्मेन्ट, इडेओलोग्य, आ सांस्कृतिक...
- (B) कथा 'दअग' अछि कोल्लेक्टिओन'स सभसँ एक्स्प्लिकिट एनागेमेन्ट सँ स्त्री अगेन्क्य.
- (C) पोथी थउस सेर्वेस अस एक 'फकेबोओक मेट-इतिहास' क मिथिला: मित्रो-निबंधसभ, मेडिटिओन्स, सामाजिक ओब्सेर्विओन्स, आ सांस्कृतिक फ्रगमेन्ट्स डिस्ट्रिबुटेड पर सामाजिक मेडिअ आ नोव कोल्लेक्टिड मे प्रिन्ट.
- (D) पन्डेमिक गीतसभ देमोन्स्ट्रेट से त्रिडिओनल मैथिली गेएट फोर्म कन हो मदे कँ कर्क्य समकालीन सामाजिक आ पोलिटिकल कोन्टेन्ट विथओउट लोसिन्ग एकर सांगीतिक आ ल्यिकल चअरक्टेर.

**२४९. अध्याय ३२ सँ कोन विकल्प सही रूपँ एकटा बिन्दु सार कहैत अछि?**

- (A) त्रिडिओनल मिथिला गाम संस्कृति एकर लोक गीतसभ, एकर सेअसोनल रिटुअल्स, एकर कस्ते सोलिदरिटीएस आ कोन्फ्लिक्ट्स अछि शओव्न बेइन्ग एरोदेद द्वारा समे फोर्केस से छथि/अछि सुप्पोसेद कँ ब्रिन्ग प्रोग्रेस आ रेलिएफ.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई कोन्वेर्गेन्के रेवेअल्स एक देएपर सांस्कृतिक लोगिक: मे मिथिला, रम अछि नहि मेरेल्य हेरो क एक अवधइ एपिक बुट हुस्बन्द क मिथिला'स ओव्न दउघटेर सिट, एक क्लाइम से गिवेस सभ मैथिली रम-देवोटिओन एक टेरिटोरिअल-थएओलोगिकल...
- (C) विदेह सदेह २९ (को-नैथओरेद सँ रविभउशअन पथअक) विदेह सदेह अछि एक थएमटिक अन्थओलोग्य सेरिएस प्रकाशित द्वारा विदेह कोल्लेक्टिन्ग ' फिनेस्ट मैथिली प्रोसे आ पोएट्र्य' सँ पत्रिका'स ३५० इस्सुएस.
- (D) "मिर्रर" (पोस्टर) से दलित पेसोन सेएस सेट्स ओउट एक डिस्टोर्टेड सेल्फ-इमगे -इम्पोसेद द्वारा समाज.

**२५०. अध्याय ३२ मे "होमि K" केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सिंह'स समीक्षात्मक निबंधसभ, धवनि (सुग्गेस्टिओन) ओपेरेटस अट ट्वो लेवेलस.
- (B) झा रेपेअटेड्ल्य इन्वोकेस लोन्गेविट्य क कोम्पिटमेन्ट अस एक क्रिटिरेओन: रजनन्दन लाल दास वोर्केद लेल मैथिली लेल थइर्च-फिवे येअर्स; रविन्द्र ठाकुर कोम्पोसेद मैथिली गीतसभ अक्रोस्स फिवे देकदेस; रम भओरोस पदि 'भरमर' अछि सेर्वेद मैथिली लेल नेअल्य फिवे देकदेस...
- (C) अट्रिएन्ने रिच आ फेमिनिस्ट कोन्टिनुअम थएओर्य अट्रिएन्ने रिच'स 'कोम्पुल्सोर्य हेटेरोसेक्सुअलिटी आ लेस्बिअन एक्सिस्टेन्के' (१९८०) अछि दिरेक्ट थएओरेटिकल स्रोत लेल चौधरी'स सभसँ प्रमुख निबंध.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मिश्र'स ब्रिटिन्ग अछि अकुटेल्स अलेर्त कँ ई दन्ोर: हे दोकुमेन्ट्स केना उपेअर-कस्ते मिथिला पहचान आ सांस्कृतिक नटिओनलिस्म अछि ओपटेन सिलेन्केद दलित, स्त्री'स, आ अदिवसि स्वरसभ एवेन क्लेले केलेब्रिटिन्ग 'मैथिली संस्कृति.' होमि K.

**२५१. अध्याय ३३ मे "कल्पन झा" केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स कल्पन झा, दिल्ली सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.
- (B) सट्रस्य (रेसेम्ब्लन्के) बीच फिक्टिओनल चअरक्टेर्स (आ फइलोसोफइकल प्रक्टिटिओनेर क मिह्ले पथ गेनेरटेस नेव क्मोक्लेट्रे अबोउट फिक्टिओन: वे उन्डेस्टेन्ड हुनकर फोर्मल चओइकेस बेट्टेर द्वारा वय क ई अनलोग्य थअन वे वोउल्द द्वारा वय क एक पुरेल्य...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे रेमइनेद कोन्नेक्टेट कँ नेपाल मैथिली वोल्ड एवेन अपटेर रेडुर्निन्ग कँ भारत; अस डॉ.
- (D) कोल्लेक्टिओन फेअटुरेस कथासभ क स्त्री नविगटिन्ग पट्रिअर्चअल कोन्स्ट्रइन्ट्स सँ अस्पिरिटिओन आ अगेन्क्य; ओपेनिन्ग कथा 'गयट्रि, शइप्र, थ्रउटि ा मन्जिट सन बुक्छइय सभअक मन के बुझबअक ग्राह' सेट्स टोने लेल प्य्यओलोगिकल रेअलिस्म सँ सामाजिक...

**२५२. अध्याय ३३ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) हुनकर कथासभ आ समीक्षात्मक अप्रेकिअटिओन्स छथि/अछि ग्रोउन्डेड मे एपिस्टेमोलोगिकल देमन्ड्स क पेकेइविन्ग सामाजिक टुथ.
- (B) एक्स्प्लिकिट PDF अवइलबिलिटी क हुनकर कृतिसभ द्वारा वय क विदेह, मे कोन्स्ट्रस्ट कँ मइन्स्ट्रेअम मैथिली पुब्लिशएर्स के रेमइन् प्रिन्ट-बोउन्ड, पोसिटिओन्स कल्पन झा फिम्ल्य इन्सिदे विदेह समानान्तर साहित्यिक मोवेमेन्ट: क्लुस्टर क स्त्री आ सुबल्टेर्न त्रिटेर्स के...
- (C) कथा कप्टुरेस टेअसिन्ग, प्लयफुल्नेस्स, आ एरोटिक चअर्गे क होलि फेस्टिवल इन्सिदे स्ट्रुक्चुरेड किन्शइप रेलटिओन्स क एक मिथिला गाम होउसेहोल्ड.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'एक जोउर्नेय द्वारा वय क मैथिली साहित्य सँ कथअकर अशओक.' ओउट्लोओक भारत.

**२५३. “कल्पन झा, दिल्ली” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोम्परटिवे स्टुडि: मंडल अमोना मैथिली त्रिटेर्स वी.
- (B) हुनकर इन्क्लुसिओन अलोन्सिदे प्रेएटि ठाकुर, विभअ रनि, कमिनि कमयनि, सुस्मिठ पथअक, पन्न झा, आ प्रेमलट मिश्र प्रेम (अस कहल गेल द्वारा इर मल्लिक मे विदेह समानान्तर इतिहास पर्ट ८२) कोन्फिर्म्स हुनकर मेम्बर्शइप मे विदेह स्त्री'स कोउन्टेर-कनोन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से उन्टिल नोव, मे प्रे-मेदिएवल वा मेदिएवल पेरिओद, कट्ययन वा बदरयन अल्सो सेट लिमिट्स लेल स्त्री मे हुनकर रेस्पेक्टिवे धर्मशस्त्रस आ कोउल्द नहि गिवे थएम् हुनकर एक्स्पेक्टेड प्लके.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से अन्नेक्सुरे-२, एक समीक्षात्मक अप्रइसल क विद्यापति'स बिदेसिय एक समीक्षात्मक अप्रइसल क विद्यापति'स बिदेसिय I अप्रोअच ई मैथिली थएअट्रिकल टेक्स्ट, वा रथएर, ई प्रदर्शन लिपि रोओटेड मे विद्यापति'स पदवलि, सँ ...

**२५४. “कल्पन झा, दिल्ली” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) हुनकर एडिटोरिअल कृति पर विदेह सदेह ३१ एक्स्टेन्स बेयोन्ड क्रेअटिवे कोन्ट्रिबुटिओन केँ एक अक्ट क हिस्टोरिकल संरक्षण, कुरटिन्ग आ लेगिटिमिजिन्ग एक रनो क स्वरसभ, इन्क्लुदिन्ग मन्य सँ नोन-दोमिनन्ट कोम्मुनिटिएस, लेल अर्चइवल रेकोर्ड क मैथिली साहित्य.
- (B) टेर्म देरिवेस सँ संस्कृत ‘गो-स्वमि’ (मस्टर क सेन्सेस, लोर्ड), आ अछि उसेद मे मिथिला केँ देसिगन्टे बोथ देइत्य क एक होउसेहोल्ड श्रीने आ प्रेसिदिन्ग देइत्य क एक सक्रेड ग्रोवे वा विल्लगेसिटे (देओ-स्थअन).
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से अनुवाद प्रिजेस मैथिली येअर टिट्ले क अनुवाद अनुवादक टिट्ले क ओरिगिनल (भाषा/गेन्ने) लेखक २०२४ ारन्यक केशकर ठाकुर ारन्यक, (उपन्यास), बांग्ला भइभउटिभउशअन बन्धोपधयय २०२३ निल्कन्थअ मेनक मल्लिक...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गेन्देर आ पट्रिअर्य मे मिथिला मिथिला अछि एक रेगिओन देएप्ल्य स्ट्रुक्चरेद द्वारा ब्रह्मिनिकल पट्रिअर्य, सँ एक एलबोरटे स्स्टेम क कस्टे एन्डोगम्य, दोत्र्य (कोन अछि बेएन एक स्रोत क कोन्सिदेरब्ले विओलेन्के), आ पन्जेए स्स्टेम, ...

**२५५. अध्याय ३३ (“कल्पन झा, दिल्ली”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) वेल्ल ग्रोउघट उर्न: स्टुडिएस मे स्ट्रुक्चरे क पोएट्र्य.
- (B) गेन्ने दिस्टिन्क्टिओन अछि कृकिअल: गेएट (गीत) मे मैथिली करिएस एक भिन्न गेनेरिक स्ट्रुस सँ कविट (पोएम).
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से की मिघट अप्पेअर अट फिर्स्ट केँ हो एक नरॉव प्रोसोदिक कोन्केर्न ( सही अप्प्लिकटिओन क अरबी बहर केँ मैथिली गजल कोम्पोसिटिओन) रेवेअल्स इट्सेल्फ, उन्देर सुस्टइनेद समीक्षात्मक स्क्रुटिन्य, अस एक व्यापक एपिस्टेमोलोगिकल, पोलिटिकल, आ...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गेन्देर, किट्चएन, आ एपिस्टेमिक ौथओरिट्य दोमइन क फोओद आ किट्चएन अछि त्रिडिटिओनल्ल्य बेएन गेन्देर स्त्री मे मिथिला (अस मे सभसँ क इन्दिअन सांस्कृतिक वोर्ल्ड), आ वोक्बुलर्य क फोओद अछि बेएन त्रन्सिम्ट्रेड प्रिमरिल्य द्वारा वय...

**२५६. अध्याय ३३ मे “कल्पन झा” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) राय'स फिक्टिओन इट्सेल्फ कन हो रेअद अस प्रमअन सँ बेलोव: ई प्रोदुकेस कनोव्लेद्रे क सुबल्टेर्न मैथिली सामाजिक लिफे से एस्टब्लिशमेन्ट कनोन एरसेस वा डिस्टोर्ट्स.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से व्हेथएर ई अछि इन्टेन्देद रेगिस्टर क हुनकर सुर्नमे वा नहि, ई अक्कुइरेस मेअनिन्ग इन्सिदे विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे'स रेकुर्रेन्ट थएमे क एक्स्केल्लेन्के मर्गिनलिसेद द्वारा कनोनिकल एस्टब्लिशमेन्ट.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा चूसिन्ग गेएट फोर्म लेल हुनकर भक्तिपरक कृति, कल्पन झा पोसिटिओन्स हेर्सेल्फ इन्सिदे ओरल्ल्य ग्रोउन्देद फोल्क्रेल्लिगिओउस लिने क इन्हेरिटन्के रथएर थअन टेक्स्टुअल्ल्य ओरिएन्टेद मइन्स्ट्रेअम साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई मोवेमेन्ट उटिलिजेस डिजिटल प्लटफोर्म्स केँ ब्यस्स इन्स्टिटुटिओनल गटेस आ गिवे स्वर केँ "मिस्सिन्ग पोर्टिओन्स" क समाज- नोन-रेप्रेसेन्टेद अस्पेक्त्स क कस्टे, गेन्देर, आ सोकिओ-एकोनोमिक स्ट्रुगले.

**२५७. अध्याय ३३ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'रथअनथ झा'.
- (B) अल्थओउघ विदेह ओपेरेटस अस एक ओने-मन ओपेरेटिओन उन्देर गजेन्द्र ठाकुर, के सेर्वेस अस सोले सम्पादक, क्रिटिक, आ अर्बिटेर, ई रूपरेखा बनबैत अछि एकर "पुब्लिक नोमिनटिओन" प्रोकेस्स अस त्रन्स्परेन्ट.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कल्पन झा'स भक्तिपरक गीतसभ, अद्रेस्सेद केँ स्त्री देइत्य (गोसउनिन), ओक्कुप्य एक स्पेकिफिक लोकस मे ई लिने क इन्हेरिटन्के: थएय एनगे शअक्ट स्त्रन्द क मैथिली देवोतिओन, मे कोन गोदेस्स अछि नहि दिस्टन्ट त्रन्स्केन्देन्ट...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सुभअद्र'स पोएट्र्य अछि त्रिट्रेन सँ ई स्टन्ड्पोइन्ट.

**२५८. अध्याय ३३ अनुसार, “कल्पन झा, दिल्ली” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) मे नव्य-न्यय टेम्स, भक्तिपरक गेएट अस एक गेने मकेस एक स्पेकिफिक एपिस्टेमोलोगिकल क्लाइम: ई अस्सेर्ट्स ङअब्द-प्रमत्ता (वेबल टेस्टिमोन्य अस एक स्रोत क युक्तिसंगत कोग्निटिओन) द्वारा वय क मेदिउम क प्रयेर, मे कोन हुमन वोर्शइप्पर’स वेबल अद्वेस्स केँ ...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोन्सिस्टेन्ट इदेओलोगिकल क्लरिटी: प्रो-प्लन्नेद देवेलोप्मेन्ट, अन्ति-कोरुप्टिओन, प्रो-मिथिला स्टटेहोओद, प्रो-एकुइटब्ले वटेर आ लन्द मनगेमेन्ट.
- (C) अट से टिमे, फेमलेपोएट्यू छल लिमिटेड केँ ओप्पोसिटिओन अगइन्स्ट पुरुष-स्यस्टेम.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोस्ट-कोलोनिअल थएओर्य: भअभअ’स थइर्द स्पके होमि भअभअ’स संकल्पना: क थइर्द स्पके ( लोकटिओन क संस्कृति, १९९४), ट्विन्ड स्पके क सांस्कृतिक नेगोटिअटिओन मे कोन कोलोनिअल आ कोलोनिअल-सुब्जेक्ट मेअनिन्स छथि/अछि रेव्रिट्रेन, देस्क्रिबेस...

**२५९. “कल्पन झा, दिल्ली” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अवइलब्ले फ्रेएल्य अट विदेह.को.मे/पोथइ.हट्टम, मकिन्ना कृति अक्केस्सिब्ले केँ फुटुरे रेसेअर्चएर्स विथओउट कोस्ट बर्रिएर.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से थ केन्टुर्य CE), रेकोग्निसेस उपमा (सिमिले), रत्नपक (मेटफओर), आ व्यञ्जस्टुटि (इरोनिक प्रइसे) अस प्रिन्किपल पोएटिक फिगुरेस.
- (C) थएय छथि/अछि देसिग्नेद केँ हो सुन्ना कोल्लेक्टिवेल्य, मे ग्रोउप्स, पर सामाजिक ओक्कसिओन्स (पन्चअयट मेएटिन्स, स्त्री’स ग्रोउप्स, गाम अस्सेम्ब्लिएस), आ हुनकर हेंटोरिकल स्त्रटेग्य अछि से क शअरेद अप्पेक्टिवे एक्स्पेरिएन्के रथएर थअन इन्डिविदुअल कोन्विक्टिओन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई कोन्नेक्ट्स केँ रुस्सिअन फोर्मलिस्ट ओस्त्रनेनिए (देफमिलिअरिसटिओन), देमोन्स्त्रटिन्ग इन्डो-एउरोपेअन कोन्वेर्गेन्के क पोएटिक थएओर्य.

**२६०. अध्याय ३३ (“कल्पन झा, दिल्ली”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से भाषा अस पोलिटिकल अक्ट मे मैथिली साहित्यिक सन्दर्भ, चओइके क भाषा लेल साहित्यिक एक्स्प्रेसिओन अछि अल्वय्स बेएन पोलिटिकल्लय चअर्गेद.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गेने: स्मरनट्मक लेखअ सल्लइट-गुर्म्इट अछि एक कृति क हिस्टोरिकल रेमिनिस्केन्के आ बिओग्रफइकल रेकोन्स्ट्रुक्चिओन फोकुसेद पर ट्वो फ्रेएदोम फिघटेर्स क इन्डिअन इन्डेपेन्डेन्के मोवेमेन्ट सँ सुपउल रेगिओन: रम लक्षअन सल्लइट...
- (C) संरक्षण क एक लोरी लिने क इन्हेरिटन्के मे व्रिट्टेन आ डिजिटल फोर्म अछि थउस एक अक्ट क फेमिनिस्ट सांस्कृतिक पोलिटिक्स: ई रेस्कुएस सँ ओब्लिविओन एक फोर्म क स्त्री’स क्रेअटिवे लबोउर से अछि बेएन स्यस्टेमटिकल्लय एक्स्क्लुदेद सँ कनोनिकल साहित्यिक रेकोर्द.
- (D) अनल्यिसस ट्रव्स पर सभ फोउर्टेन फिलेस प्रोविदेद: प्लय्स, पोएट्यू कोल्लेक्टिओन्स, जोर्नल्स (मिथिला दर्शअन), आ मुल्टि-लिन्गुअल नचइकेट विविध कोम्पेन्डिउम.

**२६१. अध्याय ३३ मे “कल्पन झा’स” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से अनुवाद स्टुडिएस: एउगेने निद आ बेयोन्ड आधुनिक अनुवाद थएओर्य प्रोविदेस सभसँ दिरेक्ट वेस्टेर्न अनल्यिटिकल टोओल लेल एवलुअटिन्ग टुटल पन्खइ.
- (B) थएसे फोर्म्स, कोन प्रिओरिटिजे ब्रेविटी आ हेंटोरिकल रेवेर्सल, फिन्ड हुनकर आधुनिक देस्केन्डन्ट्स मे "सेएद कथासभ" (Baहिनि कथā) अर्चइवेद पर विदेह.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से देस्कर्टेस ब्रेअक्स सँ लिने क इन्हेरिटन्के, रेफुसिन्ग केँ किते स्रोतसभ; गङ्गेङअ, लिके सभ इन्डिअन फइलोसोफएर्स, अट्टचएस हिम्सेल्फ रेस्पेक्टुल्लय केँ हुनकर प्रेदेकेस्सोर उदयन एवेन व्हेन देपर्टिन्ग सँ हिम.
- (D) हुनकर ओव्न कृति थउस पर्टिक्लिपटेस मे विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे’स रेकोवेर्य क स्त्री’स साहित्यिक स्वरसभ, आ कल्पन झा’स अनुवाद क हुनकर त्रवेल नर्निटिवे एक्स्टेन्ड्स ई रेकोवेर्य इन्टो हिन्दी-रेअदिन्ग स्फएरे.

**२६२. अध्याय ३३ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) हुनकर चओइके क गीत-गेएट फोर्म रथएर थअन कवित (पोएम) वा कथअ (कथा) अछि इट्सेल्फ एक पोसिटिओनिन्ग इन्सिदे मैथिली साहित्यिक फिएल्द: गीतसभ छथि/अछि कोन्सिदेरेद एक लोवेर-प्रेस्टिगे फोर्म थअन ‘प्रोपेर’ साहित्यिक पोएट्यू, अस्सोकिअटेद सँ स्त्री’स दोमेस्टिक आ रेलिगिओउस...
- (B) अक्विटिडिएस: पर्टिक्लिपटेद मे एक प्रोटेस्ट मे देकेम्बेर १९८०, उन्देर अएगिस क 'मैथिली मुक्ति मोर्चअ', अगइन्स्ट बिहर गोवेर्न्मेन्ट'स देकिसिओन केँ मके उर्दु सेकोन्ड ओप्पिफिकिअल भाषा मे १९८०.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोन्टेक्स्टुअल फ्रमेवोर्क्स: थएओरिएस अप्लिएद II.एक इन्डिअन साहित्यिक क्रिटिकिस्म (रस, धवनि, ौकिट्य) II.B भअरट'स Nāययङास्त्र II.C वेस्टेर्न समीक्षात्मक थएओरिएस II.D विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे II.E बिहनि कथā व्स लघउकथā...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पल्लवि प्रकशअन, निर्मालि, फुन्किटओन्स अस प्रक्टिकल्लय अस एक प्रिन्ट अर्म द्वारा वय क कोन विदेह-अप्पिफिलिअटेद व्रिटेर्स रेअच फय्सिकल रेअदेर्स अक्रोस्स मैथिली-स्पेअकिन्ग बेल्ट क बिहर, झअर्खअन्ड, आ नेपाल.

**२६३. “थएमटिक स्थणएसिस” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) पोएम’स कुमुलटिवे स्ट्रक्चरे एनक्व्स सेन्से क उन्केअसिग प्रोदुक्तिवे लबोर: ‘सट्स्य से भएन्ट करइथ रहि’ (मेएटिग सँ टुथ कोन्टिनुओउसल्य), ‘गरेल मुर्दअकेम उखअरइथ रहि’ (उप्रोओटिग बुरिएद कोप्से क ओल्द फल्सेहोओदस), ‘नव-नव इटिहअस...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से यदव’स देकिसिओन केँ उसे आधुनिक स्ट्रक्चुरल आ गेनेरटिवे कटेगोरिएस रथएर थअन Pāṇिनिअन ओनेस अछि इट्सेलफ एक अक्व क मेथओदोलोगिकल देकोलोनिजटिओन, थओउघ ओने से सिमुल्टेओउसल्य द्रव्स पर सोफइस्टिकटिओन क वेस्टर्न कोम्परटिवे...
- (C) थएमटिक स्थणएसिस: कमल’स विसिओन क मिथिला आ वोल्ड ११.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे ब्रिटेस पोएट्र्य, टन्क, हइकु, लघु कथासभ, आ सेएद कथासभ, अक्रोस्स गेन्नेस बुट सँ एक कोन्सिस्टेन्ट एथइकल केन्ट्रे: वोल्ड क रुल पोओर, अग्ररिअन दिस्ट्रेस्सेद, कस्टे-ओप्प्रेस्सेद, आ गेन्दे-सुबोर्दिनटेद.

**२६४. “कमेशवर झा ‘कमल’” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) इन्टेर्नल स्वओललर्य कोन्ट्रोवेर्स्य बीच Āलोकपरम्पर (पकऽअधअर’स वंश-रेखा, फोल्लोवेद द्वारा यजुअपटि) आ Dūṣṇओद्धार-परम्पर (नहँरि’स वंश-रेखा) शओव्स केना ट्वो स्वूल्स, सेपरटेद द्वारा इन्टेप्रेटिवे डिफ्फरेन्केस अबोउट उपबोध-सिद्धअ आ...
- (B) इन्टेरेस्ट्स: देएप लोवे लेल मोथएर टोन्गुए मैथिली, रेअदिग आ ब्रिटिग, स्पेकिअल इन्टेरेस्ट मे पोएट्र्य, कथा, गीतसभ आ संगीत.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई इन्स्टिटुटिओनल पोसिटिओनिग अछि नहि इन्किदेन्टल: विदेह समानान्तर इतिहास रेकोग्निसेस मइन्स्ट्रेअम मैथिली साहित्यिक एस्टब्लिशमेन्ट अस स्यस्टेमटिकल्य एक्स्क्लुदिग देमोक्रेटिक लिने क इन्हेरिटन्के, आ मुन्नजि’स रोले अस सम्पादक...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मिहूले मैथिली १६००-१८३० AD देक्लिने मे हेअर्टलन्ड; इन्फ्लुएन्के मे नेपाल आ अस्सम.

**२६५. अध्याय ३५ (“कमेशवर झा ‘कमल’”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केय कथा अनल्यसेस कथा ‘चउट्कि भअरि नोउन’ (एक पिन्च क सल्ट, मिथिला मिहिर, १० सेप्टेम्बेर १९७८) अछि किटेद द्वारा चअन्देश अस फिनेस्ट एक्सम्प्ले क मउन’स फिक्टिओनल एकोनोम्य.
- (B) मे गन्नेस’स टेम्स, ई अछि कृति क साहित्यिक एपिस्टेमोलोग्य: रेप्लकिग फल्से कोग्निटिओन सँ युक्तिसंगत कोग्निटिओन द्वारा वय क रिगोरोउस आ पटिएन्ट अट्टेन्टिओन केँ अक्वअल ओब्जेक्ट क क्नोव्लेद्रे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ललित, आ मधुअ किशवर, आ एक्स्टेन्डेद केँ मैथिली साहित्य द्वारा फिगुरेस अस्सोकिअटेद सँ स्ट्रि कोन अनुभाग क विदेह, ओप्पेर्स एक समीक्षात्मक फ्रेमे लेल एवलुअटिग केना गेन्दे अछि कोन्स्ट्रुक्टेद मे ठाकुर’स टेक्स्ट्स.
- (D) मिथिला सन्स्क्रिट परिशद, कोल्कट, हुनकर पुब्लिशएर, अछि प्रेकिसेल्य सुच एक इन्स्टिटुटिओनल मेचअनिस्म: एक सांस्कृतिक ओर्गानिसटिओन क कोल्कट मैथिली दिअस्पोर देदिकटेद केँ संरक्षण आ प्रोमोटिओन क मैथिली भाषा आ संस्कृति फर सँ होमेलन्ड.

**२६६. अध्याय ३५ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से विर्गिनिअ वोओल्फ कोन्सिदेर्स एकोनोमिक इन्डेपेन्डेन्के आ प्रिवक्य नेकेस्सर्ज लेल एक स्त्री लेखक.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोस्टकोलोनिअल थएओय गयट्रि चअक्रवोर्त्थ स्पिचअर’स कुएस्टिओन ‘कन सुबल्टेर्न स्पेअक?’, आ हुनकर उत्तर से सुबल्टेर्न अछि स्यस्टेमटिकल्य देनिएद कोन्डिटिओन्स क स्पेच इन्सिदे कोलोनिअल आ पोस्टकोलोनिअल ओर्देर, अछि दिरेक्ट्ल्य...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कइलश कुमार मिश्र रेअदूस ई अस एक कथा से प्रोबेस कस्टे पट्रिअर्चय, विदोक्वोओद स्टिगम, आ स्त्री सोलिदरिटी; कट्न् झा प्रइसेस ई अस स्टिल्ल प्रासंगिक मे २०२५; डॉ.
- (D) फिर्स्ट एन्डूस सँ कवि’स सिग्नटुरे: ‘सुनहु दयनिधअन विनटि मोर / सकल कमल विघन करु दुर’, एस्टब्लिशइग कवि’स स्वर अस एक हुम्ब्ले पेटिटिओनेर बेफोरे देइत्य.

**२६७. अध्याय ३५ अनुसार, “मिथिला-केन्ट्रिक रमयन” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) सेरिएस अल्सो रेकोवेर्स देमोक्रेटिक स्वरसभ लिके सोम्देव (१९३४-२०२२), क्लोसे “ान्जुर” कोल्लेक्टिओन छल इदेन्टिफिएद अस एक समीक्षात्मक बुट लोन्ग-इग्नोरेद कोम्पोनेन्ट क आधुनिक कनोन.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ओवेर एक नेअर-ट्वो-थओउसन्ड-येअर इतिहास, देवेलोप्मेन्ट्स छल कोन्टिनुओउस.
- (C) थएसे गीतसभ छथि/अछि स्पेकिफिकल्य एम्बेदेद मे मिथिला-केन्ट्रिक रमयन लिने क इन्हेरिटन्के से रेगर्ड्स जनकि (सिट) अस दउघटेर क मिथिला सोइल.
- (D) हुनकर मट्टेद हइर अछि अदोर्नेद सँ गन्नेस, हुनकर बोद्य अछि स्पेअरेद सँ अश, आ एक गर्लन्ड क स्कुल्लस हन्स सँ हुनकर चएस्ट.

**२६८. अध्याय ३५ “कमेशवर झा 'कमल'” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) एक साहित्य क हुनकर ओज: ब्रिटिश स्त्री नोवेलिस्ट्स सँ ब्रान्ते केँ लेस्सिना.  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई थिएमेटिक रनो, सँ पेसोनल लमेन्ट केँ एक्सिस्टेन्टिअल कुएस्टिओनिना, सँ नटुरे इमगेर्य केँ सामाजिक क्रिटिकुए, शओव्स फुल्ल एमोटिओनल आ इन्टेल्लेक्टुअल स्पेक्ट्रम क मंडल'स पोएटिक विसिओन.  
(C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कमल'स फिरे नछअरि गीतसभ केलेब्रेटे शइव अस भओलनथ, दिगम्बर (स्क्वल्द), भअना-द्विन्किना अस्केटिक के मर्रिएस बौटिफुल गउरि देस्पिटे हुनकर अप्परेन्ट उन्सुइडबिलिटि, एक गेन्ने क कोमिक-भक्तिपरक गीत उनीकुए केँ मिथिला.  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्किएन्टिफिक आ आधुनिक ओउट्लोओक: मैथिली समाज मुस्ट शएद सुपेस्टिटिओउस आ "ओर्थओदोन्टिक" (रेअक्टिओनर्य) थइन्किना.

**२६९. अध्याय ३५ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) शइव विवह गीतसभ एक्स्प्लोरे मइय मइन'स (पर्वटि'स मोथएर'स) अन्विस्एटिएस अबोउट मर्रियिना हुनकर दउघटेर केँ ई उन्कोन्वेन्टिओनल देइत्य, एक दोमेस्टिक कोमेद्य रोओटेद मे लोक लिने क इन्हेरिटन्के.  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट कोन्फेरेन्के अछि दिसुप्टेद द्वारा एक कस्टे-बसेद क्रिसिस: एक स्त्री'स बोद्य अर्रिवेस दुरिना एवेन्ट, आ कुएस्टिओन क द्हेथएर शए शओउल्द हो बुरिएद अनुसार केँ हिन्दु वा मुस्लिम रिटेस ओपेन्स एक सामाजिक वोउन्ड अबोउट स्त्री'स इतिहास क...  
(C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई पेन नमे अछि इट्सेल्फ एक स्मल्ल समीक्षात्मक मनिफेस्टो.  
(D) थएओर्य / समीक्षात्मक फ्रमे लिने क इन्हेरिटन्के अप्लिकटिओन केँ चौधरी पोस्ट्मोदेर्निस्म / लटे कपिटलिस्म लिन्द हुट्चएओन (हिस्टोरिओग्राफइक मेटफिक्टिओन); फ्रेड्रिक जमेसोन (पोस्ट्मोदेर्निस्म) अयन'स मर्रिओर मोटिफ रइसेस मेटफिक्टिओनल कुएस्टिओन्स अबोउट रेप्रेसेन्टिओन.

**२७०. “कमेशवर झा 'कमल'” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बग्मटि कथा: म्थओलोगिकल आ सांस्कृतिक सिग्निफिकन्के क बग्मटि: ओरिगिन: बग्मटि रिवेर ओरिगिनटेस सँ शइवपुरि मोउन्डइन रनो, अबोउट १६ क्म नोर्थ-एअस्ट क कथमन्नु, नेपाल, अट एक अल्टिटुदे क अबोउट २८०० मेटेर्स.  
(B) थएसे छथि/अछि मे रेगिस्टर क त्रदिटिओनल स्त्री'स गीत गेन्नेस (सोहर, विवह गेएट, विदपट) से फोर्म मौखिक-अनुष्ठानिक साहित्य क मिथिला स्त्री.  
(C) अनल्यिसस अप्लिएस फुल्ल रनो क इन्दिअन आ वेस्टेर्न साहित्यिक थएओर्य, रस थएओर्य, धवनि थएओर्य, वेस्टेर्न ल्यिक् थएओर्य, इन्टेर्टेक्स्टुअलिटि, पोस्ट्कोलोनिअल क्रिटिकिस्म, नेव क्रिटिकिस्म, रेअदेर-रेस्पन्से थएओर्य, अलोन्सिदे विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक...  
(D) विदेह, प्रथम मैथिली पक्सिक E-पट्रिक.

**२७१. अध्याय ३५ अनुसार, “रस थएओर्य” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) कथा'स त्रगिक अर्क, द्हेरे लोवे बेकोमेस एक्स्प्लोइटिओन, त्रकेस लकनिअन त्रन्सिटिओन सँ इमगिनर्य रेगिस्टर (पुरे देसिरे, निर्विकल्पक पेर्केप्टिओन) केँ स्म्बोलिक रेगिस्टर (कस्टे-कोदेद सामाजिक लव) से देस्ट्रोय्स ई.  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्धिले प्रबोध नारायण सिंह छल एक प्रोदुक्त क "कुइत भारत" एर आ इनिटिअल स्टुग्मले लेल लिन्गुइस्टिक रेकोग्निटिओन, सेकोन्ड गेनेरटिओन सोउघट केँ प्रोफेस्सिओनलिजे मैथिली द्वारा वय क स्किएन्टिफिक लिन्गुइस्टिक्स आ अवन्ट-गर्दे साहित्य.  
(C) पोलिटिकिअन रमल मंडल मे 'कोथअ' देप्लोय्स कस्टे पहचान (ब्रह्मिन, दलित, OBC, मुस्लिम) अस कोउन्टेर्स मे एक गमे: 'कस्टिस्म आ रेलिगिओउस पहचान, हे टकेस अद्विके सँ ब्रह्मिन, होरोस्कोपे सँ दलित, ब्रेअद-दउघटेर सँ OBC, होनोउर सँ ...  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ट ह ए G ए ए ट ( S ओ न ग, P ओ ए म ) एक स L इ ट ए र एक र य फो र म: I न द इ एक न T ह ए ओ र ए ट इ क एक ल F र एक म ए व ओ र क ४.१ रस थएओर्य आ ल्यिक् एमोटिओन भअरट मुनि'स नट्यशअस्त्र ( क.

**२७२. अध्याय ३५ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रोमन जकोब्सोन'स पोएटिक फुन्किटिओन, दोमिनन्के क मेस्सगे ओवेर ओथएर फुन्किटिओन्स, हेल्प्स एक्स्प्लेन फोर्मल कोन्केन्ट्रिटिओन क कशयप'स प्रोसे.  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सोमे सेनिओर्स क मैथिली साहित्य छल केर्टइन्त्य कोन्फिर्मेद थइएवेस.) ई फ्रन्क अक्क्नोव्लेद्वेमेन्ट क योउन्ग लेखक'स लिमिटिओन्स, आ फ्रन्क अक्कुसटिओन अगइन्स्ट सेनिओर मैथिली साहित्यिक फिगुरेस क 'थएफ्ट', अछि कोन्सोनन्ट सँ ...  
(C) रोमन्टिक गीतसभ ( विरह गीतसभ क सेपरटेद विफे, क्रिशन-रधअ गीतसभ) एवोके श्रीनगर रस (लोवे), बोथ सम्भओग श्रीनगर (लोवे मे उनीओन, अस मे गोकुलशटमि गीतसभ) आ विप्रलम्भअ श्रीनगर (लोवे मे सेपरटिओन, अस मे विफे'स मोन्सोओन...  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से के) प्रोपोसेस से देफिनिना कुअलिटि क पोएट्य अछि वक्रोक्तिओब्लिकुए, टुर्नेद, वा ट्विस्टेद एक्स्प्रेस्सिओन, द्वारा कोन कवि अचइएवेस एक स्ट्रुक्चुरल 'स्त्रन्गेनेस्स' से देफिमिलिअरिसेस ओर्दिनर्य भाषा आ मकेस फमिलिअर नेव.

**२७३. “कमेशवर झा 'कमल'” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ललित'स स्त्री त्रिटिना मे भारत (१९९१) मे इन्दिअन लिने क इन्हेरिटन्के.
- (B) अस मैथिली कोन्टिनुएस कें नविगटे चअल्लेन्गेस क २१स्ट केन्दुर्य, एकर सुर्विवल विल्ल लिकेल्य देपेन्ड पर एकर अबिलिट्य कें इन्टेग्रेटे थएसे समानान्तर पेस्पेक्टिवेस इन्टो एक स्थणएटिक, इन्क्लुसिवे पहचान से त्रन्स्केन्ड्स नरोंव एलिटिस्म क पस्ट.
- (C) एवोलुटिओन क मैथिली उपन्यास मैथिली उपन्यास एमेर्गेद मे एअर्ल्य २०थ केन्दुर्य उन्देर इन्फ्लुएन्के क बांग्ला आ हिन्दी लिटेरेचरस.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कमल'स गीतसभ एक्सिस्ट मे ई ह्यिब्रद स्पके बीच शास्त्रीय आ लोक, बीच टेक्स्टुअल आ मौखिक, बीच संस्कृत-इन्फ्लुएन्केद भक्तिपरक लिने क इन्हेरिटन्के आ लिविन्ग वेर्नकुलर.

**२७४. अध्याय ३६ मे “फ्रन्ज फनोन” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोस्टकोलोनिअल क्रिटिकिस्म (फ्रन्ज फनोन, होमि भअभअ, गयट्रि स्पिवक, एद्वर्ड सइद) अद्रेस्सेस दोउब्ले मार्गिनलिजिओन क मैथिली साहित्य: फिर्स्ट, अस एक रेगिओनल भाषा ओवेशअदोवेद द्वारा हिन्दी मे इन्दिअन नटिओनल इमगिनर्य; सेकोन्ड...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'मैथिली मे डिजिटल स्पके.' भारत सेमिनर ७४२ (जुने २०२१).
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई ौटोबिओग्राफिकल रेअदेर-रेस्पोन्से मोदे अछि एक स्पेकिफिक पोलिटिकल फुन्क्टिओन मे मैथिली सन्दर्भ: ई देमोक्रेटिजेस क्रिटिकिस्म.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फेमिनिस्ट थएओर्य आ स्त्री'स स्वर मे कमल'स गीतसभ एक प्रमुख प्रोपोर्टिओन क कमल-टअल'स गीतसभ छथि/अछि त्रिट्रेन सँ पेस्पेक्टिवे क स्त्री स्वरसभ: देवोटेद विफे, योउन्ग ब्रिदे, मोथएर, सिस्तेर, देवोटेए-स्त्री बेफोरे ...

**२७५. अध्याय ३८ अनुसार, “डॉ. किर्तिनथ झा” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फेमिनिस्ट क्रिटिकिस्म शओक्स बोथ हुनकर एम्पथय सँ स्त्री आ लिमिट्स क पुरुषाथओरेद स्त्री सुब्जेक्टिविटी.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि प्रेक्सिसेल्य किन्ड क कुएस्टिओन से नव्य न्यय टेचनिकुए (दिस्कुस्सेद बेलोव) अछि एकुइपेद कें रेसोल्वे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लेल केन्दुरिएस, ई छल प्रक्टिसेद अल्मोस्ट एक्स्क्लुसिवेल्य द्वारा स्त्री पर मुद-प्लस्टरेद वल्लस क दोमेस्टिक इन्टेरिओर्स, पर्टिकुलरल्य कोहबर-घअर (नुष्टिअल चअम्बेर).
- (D) भक्तिपरक गीतसभ क्लाइम वलिदिट्य क बोथ त्रिडिओनल परम्पर (इन्हेरिटेद कनोव्लेद्रे) आ इन्दिविदुअल संगीतकार'स भअक्टि-अनुभव (भक्तिपरक एक्स्पेरिएन्के).

**२७६. “डॉ. किशअन करिगर” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोम्पराटिवे सन्दर्भ: लाल देव कमट अमोन्ग "रट्न्स" क मिथिला कें फुल्लय अप्प्रेकिएटे कमट'स सिग्निफिकन्के, ई अछि हेल्फुल कें कोम्परे हुनकर कृति सँ ओथएर फिगुरेस मेन्टिओनेद मे विदेह आ मइथइल मन्च अर्चइवेस.
- (B) नमे 'सुकन्य' बेलोन्स कें एक फिगुरे सँ महबभारत, योउन्ग स्त्री के मरिएद अन्किएन्ट सगे चयवन, आ ई म्यथओलोगिकल रेसोन्के रूपरेखा बनबैत अछि की प्रेफके देस्क्रिबेस अस एक समकालीन सामाजिक नरटिवे अबोउट एक योउन्ग स्त्री नविगटिन्ग...
- (C) हुनकर फथएर, श्री सिटनन्द रय ('नन्दु'), आ मोथएर, श्रीमति अनुपम देवि, प्रोविदेद एक दोमेस्टिक एन्विरोन्मेन्ट मर्केद द्वारा मौखिक त्रिडिओन्स क मैथिली स्पेच आ गीत.
- (D) हुनकर नरटोर मे 'कर्मवेएर' मकेस ई एक्स्प्लिकिट: 'मे सोइल आ वटेर क गाम थएरे अछि एवेर्य हप्पिनेस्स.' ई अछि नहि नइवे रुरलिस्म बुट एक पोलिटिकल क्लाइम: से अस्पिरिटिओन कें किट्य लिफे अछि पर्ट्यल्य एक सोकिअल्लय कोन्स्ट्रुक्टेद दिस्सटिस्फिक्टिओन, आ से...

**२७७. “कुमार पवन” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) हुनकर साहित्यिक फोर्मटिओन अछि से क एक लेखक क एक समानान्तर लिने क इन्हेरिटन्के: ओरिएन्टेद टोवर्द सामाजिक रेअलिस्म, टोवर्द लिवेस क मिद्दले-क्लस्स मैथिली स्त्री.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मन्य पोएम्स एम्प्लोय एक रेपेटिटिवे, इन्कन्टोर्ष स्ट्रुक्चुरे रेमिनिस्केन्ट क लोक गीतसभ आ जगर (अवकेनिन्ग) चअन्ट्स.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्ट्रुक्चुरल आ इमगिस्टिक अनल्लिस्सिस पोएम ओपेन्स सँ एक ट्रिप्ले रेफ्रइन, "नइह बिसरइचअ... नइह बिसरइचअ / एको पलक लेल नइह बिसरइचअ", से फुन्क्टिओन्स अस एक फोर्मल अनफओर बिन्दिन्ग पोएम'स थरेए मोवेमेन्ट्स टोगेथएर.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दलिट-इस्म कन गिवे 'कृट्च क रेसेर्वटिओन' कें मिथिला'स वोमन्सोकिएट्य.

**२७८. अध्याय ४४ सँ कोन विकल्प सही रूपँ एकटा बिन्दु क सार कहैत अछि?**

- (A) प्रकाशन क गेएट सन्ग्रह अछि थउस नहि एन्ड्रोइन्ट क गीतसभ' लिफे बुट एक संरक्षण/दिस्ट्रिबुटिओन मेचअनिस्म लेल प्रदर्शन लिने क इन्हेरिटन्के.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि नहि मेरेल्य पोएट्र्य -ई अछि एक दोकुमेन्ट क एक किविलिजटिओनल स्ट्रुग्गले.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मउन ग्रेव उप मे एक मिलिएउ सटुरटेद सँ टेक्स्टुरेस क मिथिला'स लिविन्ग संस्कृति: जमिन्दिर प्रोटोकल आ लन्थओलिन्ग स्ट्रुक्चुरेस पर ओने सिदे, हुनकर मोथएर'स लोक गीतसभ, क्लय-दोल्ल क्रफ्ट्स, आ किन्स्फोल्क'स त्रिडिओनल पेफोर्मिन्ग अर्ट्स पर ...
- (D) रोले क मैथिली भाषा मे हिन्दी प्रोसे ५.

**२७९. “डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन'” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रिचार्ड्स' अनलिटिकल समीक्षात्मक क्रमे क “मेअनिंग, फेएलिंग, टोने, आ इन्टेन्टिओन,” स्ट्रुक्चरल कोन्ट्रास्ट अछि स्टर्क: चौधरी'स भअज्जवलि भाषा अछि दिअलोगिक, कोन्वेर्सिओनल, मुसिकल्लय सुबोर्दिनटे: स्प्रिन्ट फोल्लोअ्स मेलोडिक...
- (B) एक साहित्य क हुनकर ओज: ब्रिटिश स्त्री नोवेलिस्ट्स सँ ब्रान्ते केँ लेस्सिन्ग.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सोकिअल्लय, हुनकर सिमुल्टेनेओउस एमेर्गेन्के सँ एक देमोक्रेसिड डिजिटल कोम्मुनिटी चअल्लेन्गेस इन्स्टिटुटिओनल साहित्यिक संस्कृति'स गटेकेएपिन्ग फुन्किटिओन: थएय दिद नहि नेएद अप्रोवल क सहित्य अकदेमि वा उनिवर्सिटी स्ल्लबुसेस केँ देवेलोप...
- (D) मे नेपाल हे लउन्वएद कुअर्टेल्य 'मैथिली' (मैथिली सहित्य परिशद, बिरटनगर, १९७०-७३), फिर्स्ट मैथिली साहित्यिक पत्रिका सँ नेपाल, एडिटिन्ग ई अस एक बि-नटिओनल सांस्कृतिक ब्रिदे.

**२८०. अध्याय ४४ (“डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन'”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अप्प्लियन्ग ऽअब्द क्रिटेरिअ: विफे'स इनिटिअल दिस्मिस्सल ('मइथइल अछि नहि ओउर भाषा') फइल्स योजनट, ई अछि सेमन्टिकल्लय इन्कोहेरेन्ट बेकउसे शए हेसैल्फ स्पेअक्स मैथिली.
- (B) इन्स्टिटुटिओनल इतिहास पोर्ट्रय्स हिम अस एक कोउर्टल्य कवि आ एक देवोउट ब्रह्मिन कोसे पदवलि (गीतसभ क रधअ आ क्रिशन) अचइएवेद लेगेन्डर्य स्टुडस अक्रोस्स एअस्टेर्न भारत, इन्फ्लुएन्किन्ग रेलिगिओउस साहित्य क बेनाल, ओदिशअ, आ अस्सम.
- (C) थएसे कुएस्टिओन्स रेमइन् ओपेन बेफोरे इन्दिअन साहित्यिक थएओर्य, आ ई अन्थओलोग्य पोसेस थएम् सँ उन्प्रेकेदेन्टेद इन्टेन्सिटी.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे छल समर्थित मे ई एन्टेप्रिसे द्वारा नेपाल गोवेर्नेन्ट ओप्पिफिकिअल्स आ द्वारा थएन प्रिमे मिनिस्टर मट्रिक प्रसाद कोइरल के वलुएद हुनकर स्वओलर्शइप आ फ्रिएन्डशइप.

**२८१. “टुमन कपोटे'स” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे छल चैर्मन क पटन ब्रन्च क केय भारत रेगिओनल कोउन्किल क इन्स्टिटुटे क चअर्टेरेद अक्कोउन्टन्ट्स क भारत (इकइ), आ प्लयेद एक फोउन्डटिओनल रोले मे एस्टब्लिशइन्ग इकइ'स दर्भअन्ना ब्रन्च, कोन ओपेनेद मे जनुअर्य २०२४...
- (B) सोहर (बिर्थ गीत), लगना (विवाह प्रोकेस्सिओनल), आ नाकवारा (एक फोर्म क मैथिली भक्तिपरक गीत) रेप्रेसेन्ट एन्टिरे लिफे-क्यक्ले गीत लिने क इन्हेरिटन्के क मिथिला, एक्सक्लुसिभ लिने क इन्हेरिटन्के से ह्रिदय नारायण झा दोकुमेन्टेद अस एन्डनोरेद मे...
- (C) विदेह समानान्तर इतिहास: अनमिक रज'स फेमिनिस्ट स्वर, अलोन्सिदे शअन्टि लक्ष्मि चौधरी'स आ मुन्नि कमट'स, सेर्वेस अस स्त्री'स स्त्रन्द क समानान्तर इतिहास'स देमोक्रेटिक अभिलेख.
- (D) हुनकर पोसिटिओन अछि क्लोसेर केँ से क टुमन कपोटे'स 'नोन-फिक्टिओन उपन्यास' मे एकर अम्बिडिओन केँ प्रोदुके साहित्यिक टेक्स्ट सँ दोकुमेन्टर्य मटेरिअल, बुट विथओउट अमेरिकन टेन्डेन्स्य टोवर्द लेखक'स एगो अस सुब्जेक्ट. मउन'स रेपोर्टिंगे अछि सिमुल्टेनेओउसल्य दोकुमेन्टिओन...

**२८२. अध्याय ४५ (“मेएन झा”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) वेर्य टिट्ले, उसिन्ग अंग्रेजी फरसे 'लेस्बिअन कोन्टिनुउम' अस एक मैथिली थएओरेटिकल संकल्पना:, सिग्नल्स एक दिरेक्ट एन्गगेमेन्ट सँ अट्रिएन्ने रिच'स ग्रोउन्डब्रेअकिन्ग १९८० निबंध 'कोम्पुल्सोर्य हेटेरोसेक्सुअलिटी आ लेस्बिअन एक्सिस्टेन्के', मे कोन रिच इन्ट्रोदुकेद 'लेस्बिअन...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क O M P L E T E C R I T I C एक L एक P P R E C I A T I O N ह्रिदय नारायण झा लोक कुलदुरिस्ट · लोकविद्य प्रक्टिटिओनेर · भक्तिपरक गायक · योग अदेप्ट इन्दिअन & वेस्टेर्न साहित्यिक थएओर्य · विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक क्रमे नव्य-न्यव्य...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि ौचइत्य अस सांस्कृतिक लोयल्लय, फिटनेस्स क लेखक केँ हुनकर लिने क इन्हेरिटन्के.
- (D) एक लेखक के एक्स्प्लोइट्स स्त्री मे पर्सोनल लिफे बुट केलेब्रेटेस स्त्री मे पोएट्य फइल्स एथइकल स्टन्दर्द क रा.

**२८३. “नन्द विलस राय” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गेन्द्रे आ पट्रिअर्चय मे मिथिला मिथिला अछि एक रेगिओन देएप्ल्य स्ट्रुक्चरेद द्वारा ब्रह्मिनिकल पट्रिअर्चय, सँ एक एलबोरेटे स्स्टेम क कस्टे एन्डोगम्य, दोब्रय (कोन अछि बेएन एक स्रोत क कोन्सिदेरब्ले विओलेन्के), आ पन्जेए स्स्टेम, ...
- (B) पाँजा स्स्टेम (गेनेअलोगिकल रेकोर्ड्स क मइथइल ब्राह्मण अ फमिलिएस), क कोन प्रेएटि ठाकुर अछि कोम्प्लेद, स्कन्नेद, आ कटलोगुएद ओवेर एलेवेन थओउसन्ड पल्म-लेअफ इन्स्क्रिप्टिओन्स लेल विदेह अभिलेख, अछि दिरेक्ल्य इन्टेर्ट्विनेद सँ सामाजिक स्ट्रुक्चुरेस से...
- (C) हुनकर कृति अछि प्रकाशित एक्स्क्लुसिवेल्य द्वारा वय क पल्लवि प्रकशअन, निर्मलि, आ अछि अर्चइवेद मे विदेह ए-पत्रिका (ISSN २२२९-५४७X).
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई टेचनिकुए, बोर्गेवेद सँ जोउर्नलिस्म बुट उसेद हेरे सँ साहित्यिक दिस्कप्लिने, शओव्स एक सोफइस्टिकटेद उन्देस्टिन्दिना क धवनि प्रिन्किप्ले: गीतसभ रेसोनेटे बेसी पोवेर्फुल्लय मे हुनकर जुक्स्टपोसिटिओन थअन अन्य अनलिटिकल कथन...

**२८४. अध्याय ५३ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दु क सार कहैत अछि?**

- (A) प्लय क्रिटिकुएस नहि केवल पट्रिअर्चय बुट स्त्री'स कोम्प्लिकिटि मे एकर रेप्रोड्युक्शियन, मकिन्ना ई बेसी नुअन्केद थअन स्त्राइडफोर्वर्ड विक्टिम-रेस्कुए नर्रटिवेस.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बेनिपुरि नर्रटि कथा क उगन, बुट हे अछि उन्क्लेअर व्हेथएर महदेव दन्केद पर S ैवसर्वस्वसअर क ओर्थओदोक्स संस्कृत आ अवहट्थअ विद्यापति मे कइलश, वा पर नृत्य फ्लोओर क प्रे-ज्योटिरिशवर विद्यापति.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्त्री'स कोल्लेगे (मगध उनिवर्सिटि), पट्न, सँ कोन शए रेटिरेद मे २००८.
- (D) Jānका Gīt (गीत कैं Jānका/सिट) अछि क पर्टिकुलर सिग्निफिकन्के: सिट/Jānका अछि प्रेसिदिन्ना दिविने फिगुरे क मिथिला (हुनकर बिर्थप्लके), आ भक्तिपरक कोम्पोसिटिओन कैं हुनकर अछि सभसँ लोकल्लय रोओटेद क सभ मैथिली साहित्यिक-रेलिगिओउस प्रक्टिकेस.

**२८५. अध्याय ५३ अनुसार, “नरेन्द्र झा आ पन्न झा” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गजेन्द्र ठाकुर'स नोटे मे से ग्रंथ अक्कनोक्लेट्रेस सिंह'स रोले अस एक "टूथ-सेएकिन्ना क्रिटिक" के रेकोग्निसेस कस्टेइस्म, कोम्मुनलिस्म, आ साहित्यिक ब्लक्कमइल इन्सिदे मैथिली साहित्यिक एकोस्स्टेम, एक गेस्टुरे कोन्सोनन्ट सँ विदेह...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शए छल एक अक्टिवे मेम्बेर क मैथिली महिला सन्ध, पट्न, सेर्विन्ना सुक्केस्सिवेल्य अस मेम्बेर, सेक्रेटरी, विके-प्रेसिदेन्ट, प्रेसिदेन्ट, आ अद्विसेर, शअपिन्ना ई इन्टो ओने क सभसँ एफफेक्टिवे मैथिली स्त्री'स ओर्गनाइजिओन्स.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कमल'स गीतसभ एक्सिस्ट मे ई ट्विब्रद स्पेके बीच शास्त्रीय आ लोक, बीच टेक्स्टुअल आ मौखिक, बीच संस्कृत-इन्फ्लुएन्केद भक्तिपरक लिने क इन्हेरिटन्के आ लिबिन्ना वेर्नकुलर.
- (D) कथा उत्तरसभ ई कुएस्टिओन सँ स्ट्रुक्चुरल इरोन्य रथएर थअन दिरेक्ट कथन, अनोथएर इन्स्टन्के क वक्रोक्ति (ओब्लिकुए एक्स्प्रेसिओन) से कुन्टक रेकोग्निसेस अस हल्मर्क क साहित्यिक एक्स्केल्लेन्के.

**२८६. अध्याय ५३ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) एक मेमोइर कोल्लेक्टिओन द्रविण पर पेर्सोनल आ मोवेमेन्ट इतिहास, मे कोन झा सिटुअटेस हुनकर ओव्न इन्टेल्लेक्चुअल फोर्मिओन इन्सिदे ब्रोअदेर अर्क क मिथिला-मैथिली मोवेमेन्ट सँ १९५०स द्वारा वय क २०००स.
- (B) कथा 'उदियडट' (अवकेनिन्ना, २६ जुल्य १९७६, मिथिला मिहिर) अछि कहल गेल लेल एकर अनुसुअल निरूपण क स्त्री कोन्सिओउस्नेस्स.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लेल एक मैथिली लेखक मे बिहर, व्हेरे हिन्दी दोमिनटेस एदुकाटिओन, मेडिअ, आ गोवेर्मेन्ट, त्रिटिन्ना मे मैथिली अछि एक पोलिटिकल चओइके, एक इन्सिस्टेन्के पर स्पेअकिन्ना मे ओने'स ओव्न टोन्गुए रथएर थअन टोन्गुए क दोमिनन्ट पोवेर.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से व्हेथएर त्रिटिन्ना गेएट, गजल, वा दार्धअ कविता, हुनकर प्रिमर्य मोदे अछि लिग्रिक: एक्स्प्रेसिओन क हेइघटेनेद एमोटिओनल एक्स्पेरिएन्के द्वारा वय क सांगीतिक भाषा.

**२८७. “थरेए स्वरसभ क मैथिली गजल” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) इम्मेदिअटे फेएड्रक्क लोओप, त्रिटिन्ना एक गजल, पोस्टिन्ना ई ओन्लिने, रेकेइविन्ना रेस्प्योन्सेस सँ ओथएर कविसभ आ रेअदेर्स, रेविनिन्ना बसेद पर टेचनिकल क्रिटिकिस्म, कोन्स्टिटुटेद लबोरटोरी क फोर्मल त्रइनिन्ना से मदे प्रिन्ट कोल्लेक्टिओन्स पोस्सिब्ले.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नटिओनल-लेवेल अवर्दस छथि/अछि हिघलिघटेद; एन्ट्रिएस इन्क्लुदे स्रोत उल्लेख करैत अछि व्हेरे इन्डेपेन्डेन्ट्लय वेरिफिएद.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मेएन झा'स फिक्टिओन अछि ग्रोउन्डेद मे प्रत्यक्षअ: स्पेकिफिक, ओब्सेर्वेद सामाजिक वोल्ड क मिथिला, एकर मिह्ले-क्लस्स दोमेस्टिक अर्नोमेन्ट्स, एकर स्त्री'स हेअल्थ क्रिसेस, अछि एपिस्टेमोलोगिकल स्टर्टिन्ना बिन्दु.
- (D) मुस्लिम पोपुलटिओन क टर्हुट (पर्टिकुलरल्य मे दर्भअन्ना, सहर्स, आ पुर्नअ) स्पोक्रे ई दिअलेक्ट, आ ैन-इ-अक्बारि मेन्टिओन्स नचारी गीतसभ क मिथिला, सुग्गेस्टिन्ना एक केन्टुरिएस-ओल्ड इन्टेर्फेके बीच पेर्सनल-इन्फ्लुएन्केद मुघअल कोउर्ट संस्कृति आ...

**२८८. अध्याय ५६ (“प्रदेएप पुशप”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समकालीन एर (पोस्ट-२०००) डिजिटल मेडिअ / सामाजिक अद्वोकेस्य वेब-बसेद जोर्नल्स आ सामाजिक क्रिटिकिस्म उसे क ए-जोर्नल्स लिके विदेह आ सामाजिक मेडिअ लेल भाषा अक्टिविस्म.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बबट Tāकइट एक्ट सेहन्ता (एक हक्क वइटिन्ना द्वारा रोअद) दिस्कोन्टेन्टमेन्ट, रमनु, गाम स्चूल.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से टोगेथएर, थरेए कोल्लेक्टिओन्स कोन्स्टिटुटेद एक सम्पूर्ण लिग्रिक गेओग्रफय क मैथिली स्त्री'स त्रदिटिओनल गीत: सक्रेद (भक्तिपरक गीतसभ), किविक (सामाजिक रेफोर्म गीतसभ), आ इन्टिमटे (लुल्लबिएस).
- (D) अध्याय प्लेकेस प्रदेएप पुशप इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.

**२८९. “प्रोफेसर. प्रेमशान्कर सिंह आ इलरनि सिंह” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) लघु कथासभ (लघु कथा) इन्क्लुदिना 'पन्दिटइन', 'बुरि रज', आ ओथएर्स दिस्प्लय हुनकर कपकट्य लेल कोम्प्रेसेड, इरोनिक सामाजिक नर्रटिवे मे लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली सटिरिकल फिक्टीओन.
- (B) टिटले इजोरियक अन्गइथइ मोर, मेअनिन्ग सोमेथइन्ग लिने 'फिरेप्लके क लिघट से अछि मिने', गेस्टुरेस अट फेमिनिने, दोमेस्टिक-सक्रेड स्पेके अस एक सिटे क क्रेअटिवे पहचान, एक ट्रोपे से रेकर्स मे स्त्री'स त्रिटिन्ग अक्रोस्स मिथिला रेगिओन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लोचन कवि (१५थ-१६थ केन्टुरी) छल एक मैथिली स्वओलर के ब्रोटे रगटरनिगि, ओने क सभसँ प्रमुख टेक्स्ट्स क मिथिला स्कूल क संगीत थएओर्य.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केय फिन्दिन्स क अध्याय: मैथिली गजल अछि एक दोकुमेन्टेड सही वंश-रेखा सँ पंडित जिवन झा (एअल्य २०थ केन्टुरी) द्वारा वय क कविवर सितरम झा, कशइकन्ट मिश्र 'मधुप', विजयन्थ झा, आ योगनन्द हेएर.

**२९०. “गजेन्द्र ठाकुर” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ध्वनि थएओर्य देमन्ड्स से की अछि सभसँ प्रमुख हो फोउन्ड नहि मे की अछि सइद बुट मे की रेसोनेटेस बेयोन्ड सयिन्ग.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई टोपोग्रफिकल इन्वेन्टोर क शअक्ट श्रीनेस अछि इट्सेलफ एक स्वओलल्य कोन्ट्रिबुटिओन क फिर्स्ट इम्पोर्टन्के: ई दोकुमेन्ट्स 'शअक्ट लन्डस्केप' क मिथिला मे एक स्पेस्टेमटिक वय, एस्टब्लिशइन्ग से भक्तिपरक लोक गीत लिने क इन्हेरिटन्के...
- (C) हुनकर प्रेसन्के मे विदेह अभिलेख सिटुअटेस हुनकर अस एक पर्टिकिपन्ट मे की गजेन्द्र ठाकुर कल्लस 'समानान्तर स्ट्रेअम' क मैथिली साहित्य: ओने से अछि इन्क्लुसिवे क लोवेर-कस्टे, स्त्री, आ नोन-एलिटे स्वरसभ.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोएट्र्य केन्ट्रेड पर छअथ फेस्टिवल, ग्रेअट ौटुमनल सुन वोर्शइप क बिहर आ मिथिला रेगिओन, ओब्सेर्वेड एस्पेकिअल्लय द्वारा अग्ररिअन आ लोवेर कस्टेस.

**२९१. अध्याय ५९ अनुसार, “सुर्य नारायण मिश्र” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) मैथिली साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के अछि एक लोन्ग इतिहास क साहित्यिक फमिलिएस, दर्भअन्ग-बसेड स्वओलल्य लिनेअगेस, फमिलिएस अस्सोकिअटेड सँ स्पेकिफिक गेन्नेस (पन्जिकर फमिलिएस, सांगीतिक फमिलिएस, मैथिली थएअट्रिकल फमिलिएस), आ विदेह...
- (B) मिथिला लन्डस्केप, एकर रिसेर्स, एकर पद्दय फिएल्ड्स, एकर गाम लनेस, एकर स्मल्ल टोव्न्स, अछि अल्वय्स अल्लेअद्य सामाजिक स्पेके, फ्रेडिघटेड सँ रेलटिओन्स क पोवेर आ सोलिदरिट्व.
- (C) हुनकर फथएर छल लटे सुर्य नारायण मिश्र आ हुनकर मोथएर लटे दयकशइ देवि, नमेस से रेकुर सँ अपफेक्टिवे सिग्निफिकन्के मे हुनकर मेमोइर आ ौटोबिओग्रफिकल फिक्टीओन, अन्वओरिन्ग हुनकर साहित्यिक इमगिनटिओन मे सोइल क मिथिला, अन्किएन्ट सांस्कृतिक...
- (D) विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रेम: स्कले क प्रयस प्रेमि'स कोन्ट्रिबुटिओन शओव्स अभिलेख'स कोम्पिट्मेन्ट केँ मस्स-स्कले देमोक्रेटिक साहित्यिक प्रोदुक्टीओन.

**२९२. अध्याय ५९ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) नव्य-न्यव्य एपिस्टेमोलोगिकल टेचनिकुए मैथिली साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के अछि उनिकुए मे एकर हिस्टोरिकल प्रोक्सिमिट्य केँ नव्य-न्यव्य स्कूल क लोकिग, फोउन्डेड द्वारा गांगेइअ उपबधयव्य मे मिथिला दुरिन्ग थइर्टेन्थ केन्टुरी.
- (B) मे मिथिला रिसिन्ग (अध्याय १२, 'स्टेटे होओद लेल मिथिला', प्य).
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मउन ग्रेव उप मे एक मिलिएउ सटुरटेड सँ टेक्स्टुरेस क मिथिला'स लिविन्ग संस्कृति: जमिन्दरि प्रोटोकल आ लन्धओल्दिन्ग स्ट्रुक्चुरेस पर ओने सिदे, हुनकर मोथएर'स लोक गीतसभ, क्लय-दोल्ल क्रफ्ट्स, आ किन्स्फोल्क'स त्रिडिटिओनल पेफोर्मिन्ग अर्ट्स पर ...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सन्योग, 'कोइन्किदेन्के': एक कोल्लेक्टीओन क लघु कथासभ मे मैथिली.

**२९३. अध्याय ६२ (“रम सोगर्थ यदव, शअशइधअर कुमार 'विदेह', शइव्शअन्कर सिंह ठाकुर, सन्ट”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) इन्दिअन अएस्थएटिक्स आ नव्य-न्यव्य आनन्दवर्धअन.
- (B) हुनकर साहित्यिक क्रिटिकिस्म (रेविएव्स) शओव्स एन्गगेमेन्ट सँ एवलुअटिवे-स्वओलल्य लिने क इन्हेरिटन्के, क्लिने हुनकर सांस्कृतिक निबंधसभ (मधुअवना गाट, स्त्री'स अनुष्ठानिक गीत लिने क इन्हेरिटन्के) कोन्नेक्ट हिम केँ मिथिला'स लोक हेरिटगे.
- (C) हुनकर लेगल करेएर अस एक मगिस्त्रटे, हुनकर फिक्टीओन अबोउट जुस्टिसे आ इन्जुस्टिसे, आ हुनकर निबंधसभ एक्स्प्लोरिन्ग 'रेसोलुटिओन' (समअधान) सभ संकेत करब एक लेखक लेल क्लोम साहित्य अछि नहि एक एस्कपे सँ वोल्ड बुट एक देएपेनेड एन्गगेमेन्ट सँ ई.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ), ट्वो फोउन्डटिओनल फिगुरेस मे ट्वेन्टिएथ आ ट्वेन्ट्यिर्स्ट केन्टुरी मैथिली त्रिटिन्ग.

**२९४. अध्याय ६२ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शए सयस की अछि दिफ्फिकुल्ट कै सय - ओप्रेसिओन क दलित मेन, ह्योक्रिस्य क उप्पेर-कस्टे फेमिनिस्म, कस्टे-पर्टिसन्शडप क स्टेटे अप्परटुस -विथओउट अन्य रेस्त्रइन्ट, विथओउट अन्य दिप्लोमक्य.
- (B) लोक गीत लिने क इन्हेरिटन्के कोन मे मिथिला अछि ओवेर्हैल्मिन्ल्य एक स्त्री'स लिने क इन्हेरिटन्के गिवेस रेनु'स स्त्री चअरक्टेर्स एक स्वर से पट्टिअर्चअल सामाजिक ओर्देर कन्नोट एन्टिरेल्य सुप्प्रेस्स.
- (C) थएओर्य / समीक्षात्मक फ्रेमे लिने क इन्हेरिटन्के अप्प्लिकेटिओन कै चौधरी पदवलि / भअक्विट अएस्थएटिक्स विद्यापति लिने क इन्हेरिटन्के; नवरस थएओर्य चौधरी'स प्रोसे ह्यर्थम बेअर्स पदवलि इन्फ्लुएन्के.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'दलित चा हम' अछि एक दिरेक्ट दलित पहचान अस्सेटिओन.

**२९५. अध्याय ६३ अनुसार, “हिन्दी-ब्लेन्डेड मैथिली” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अस एक लेखक सँ एक OBC कोम्मुनिट्य, हे ब्रिटेस सँ इन्सिडे मैथिली साहित्य क्लिसे सिमुल्तनेओउसल्य कोन्टेस्टिना एकर कनोन.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ मनुस्क्रिप्टि, बेइन्ग बोउन्ड द्वारा लिमिट्स क हुनकर एर, केएपिन्ग स्त्री मे शउद्र कटेगोर्य, थएरे अछि टल्क क पोउरिन्ग लेअद इन्टो एअर्स उपोन हेअरिना वेद-धवनि.
- (C) “बिहर कोकिल” लेगक्य: इर मल्लिक प्रोविदेस एक देस्क्रिप्टिवे सुर्वेय क शअर्द सिन्ह'स “विवह्योएट” अल्बम, लिस्टिना १६ त्रिदिटिओनल विवाह गीतसभ कटेगोरिजेड इन्टो सिदे एक आ सिदे B, सुच अस “ाज धअन्म कुट-उ रघउबर्ब सन” आ “बेसी बबुअ को नजरियो न लगे”.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्रिट्रेन लर्गेल्य मे हिन्दी-ब्लेन्डेड मैथिली प्रोसे, ई कोवेर्स हिस्टोरिकल, सोकिओकुल्टुरल, लिन्गुइस्टिक, आ बिओग्रफइकल टोपिक्स.

**२९६. “सुर्वेय ” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) ग्राम्मटिकल लिने क इन्हेरिटन्के सुर्वेय ओपेनिन्ग अध्याय अछि इट्सेलफ एक कोन्ट्रिबुटिओन कै हिस्टोरिओग्रफ्य क मैथिली लिन्गुइस्टिक्स.
- (B) पोएम दोकुमेन्ट्स मुल्तिप्ले लयेर्स क एक मैथिली स्त्री'स लिफे, अग्रिकुल्टुरल लबोउर, दोमेस्टिक ओप्रेसिओन, आ सांस्कृतिक लिने क इन्हेरिटन्के क स्त्री'स गीतसभ (सोहर अट बिर्थ, समदइन अट मर्रिअगे), विथओउट रोमन्टिकिसिन्ग अन्य लयेर.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे अछि कुर्रैन्टल्य अल्सो सम्पादक क धअर्मयन, फलशइप पेरिओडिकल क महविर मन्दिर टुस्ट, एक पत्रिका क संस्कृति, रेलिगिओन, आ स्वओलर्ल्य इन्कुइर्य.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से धइरेन्ड्र कुमार, “एक ग्लन्के अट बोथ क प्रेएटि ठाकुर'स पिक्चुरे कथा पोथीसभ” धइरेन्ड्र कुमार ब्रिटेस सँ एक रेअदेर-रेस्पन्से पोसिटिओन: “साहित्य बेकोमेस सम्पूर्ण केवल क्लेन ई अछि ब्रिट्रेन मे सभ गेन्नेस आ कोम्पोसिटिओन्स छथि/अछि मटुरे.

**२९७. अध्याय ६४ (“प्रोफेसर. डॉ. रमवटर यदव”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककै व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से होवेवेर, वेर्य अक्ट क स्टगिना स्त्री सुप्पेफेरिन्ग, क मकिन्ग विसिब्ले की अछि नोर्मल्ल्य कोन्फिनेड कै दोमेस्टिक स्पेकेपेफोर्म्स एक फेमिनिस्ट फुन्क्टिओन मे सन्दर्भ क गाम प्रदर्शन संस्कृति.
- (B) अस एक एन्गिनेएर अट टिस्को (एक वोर्किन्ग-क्लस्स इन्डुस्ट्रिअल सन्दर्भ) के क्रेअटेड प्लय्स अबोउट रुरल मिथिला लेल जम्हाएदूपुर मैथिली कोम्मुनिट्य, हे ओक्कुपिएद एक्सक्ट पोसिटिओन ग्राम्मिक देस्क्रिबेस: नहि एक देटचएद इन्टेल्लेक्टुअल बुट ओने एम्बेद्देड मे मटेरिअल...
- (C) ग्राम्मर अछि एक्स्प्लिकिटल्य स्क्वरोनिक, देस्क्रिबिन्ग स्ट्रक्चुरे क मैथिली अस ई छल स्पोकेन मे लटे १९७०स आ १९८०स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मिश्र'स कोन्ट्रिबुटिओन्स मे ई ग्रंथ इन्क्लुदे: लघु कथासभ (लघु कथासभ), साहित्यिक क्रिटिकिस्म, लोक-संस्कृति निबन्धसभ पर मैथिली लोक गीतसभ, विवाह गीतसभ, एकोलोगिकल त्रिदिटिओन्स, सउरथ'स सोम्नथ परल्लेल्स, पोथी रेविएक्स, आ...

**२९८. अध्याय ६५ “रम्देओ प्रसाद मंडल 'झअरुदर'” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से चअन्द्देशवर कवि, ई हिस्टोरिकल सुर्वेय क मैथिली साहित्य अछि एअर्लिएस्ट प्रमुख प्रकाशन आ एस्टब्लिशएस झअ'स स्वओलर्ल्य क्रेदेन्टिअल्स.
- (B) रेलटिओन्शडप बीच कोउप्लेट आ गीत अछि नहि मेरेल्य सेकुएन्टिअल बुट एपिस्टेमोलोगिकल: कोउप्लेट पोसेस प्रोब्लेम ( सव्धय, 'कै-हो-प्रोवेद' प्रोपोसिटिओन मे नव्य-न्यव्य लोडिगल टेम्स) आ गीत कोन्स्ट्रक्ट्स तर्क, अहुकेस ...
- (C) अन्वइन्डर ाखर मोवेमेन्ट अक्टेट अगइन्स्ट ई द्वारा गिविन्ग प्रेकेदेन्के कै स्त्री मे अवर्द किटटिओन्स.
- (D) राय'स मिथिला अछि नहि टिमेलेस्स पस्टोरल क सहिदय अकदेमि एस्टब्लिशमेन्ट'स प्रेफेरेड इमगेर्य.

**२९९. “रम्देओ प्रसाद मंडल 'झअरुदर'” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हेटवठभठस: फल्लकिएस क कनोनिकल क्रिटिकिस्म झा'स इम्प्लिकिट क्रिटिकुए क मइन्स्ट्रेअम मैथिली क्रिटिकिस्म, एकर टेन्डेन्स्य केँ प्रइसे क्रिटिक'स ओव्न किकर्ले आ इग्नोरे रेस्ट, अछि, मे नव्य-न्यव्य टेम्स, एक दिअग्नोसिस क हेटवठभठस...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फोउर्थ, आ सभसँ कोन्सेकुएन्टिअल्ल्य, ई सेर्वेस अस एक कोल्लेक्टिवे सेल्फ-पोर्त्रिट क विदेह समानान्तर साहित्य मोवेमेन्ट'स हुमन इन्फ्रस्ट्रक्चरे, पेओप्ले के अछि बुइल्ट देमोक्रेटिक मैथिली साहित्यिक प्रोजेक्ट ओने स्मल्ल अक्ट अट एक टिमे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फेमिनिस्ट क्रिटिकिस्म आ गेन्देर थएओर्य पोएम्स 'मअय हमर नव कुम्भ नहेलि' आ 'बउव केर उब्टन', अलोन्ग सँ कथा 'जमिल', एनागे दिरेक्ट्ल्य सँ रेप्रेसेन्टेशन क स्त्री मे मिथइलि समाज.
- (D) झअरुदर'स झअरुदर पोएम्स पेफोर्म एक्सक्लूजिव् इ कर्निवलेस्कुए फुन्किशन: थएय उसे पोपुलर लोक-गीत फोर्म, एअर्थय रुरल इमगेर्य (बुफफलो, ब्रोओम, फिएल्ड, लट्टिने), आ विगोरोउस सटिरिकल हुमोउर केँ एक्सपोसे आ रिदिकुले प्रेतेन्सिओन्स क मिथिला'स सामाजिक आ...

**३००. अध्याय ६६ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ल इ फ ए एक न द L इ ट ए र एक प ह य २.१ बिओग्रफइकल प्रोफिले जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' अछि एक मैथिली कवि, गीतकार, आ क्रेअटिवे लेखक सँ मिथिला रेगिओन.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शए अछि त्रन्सलटेड सेवेन पोथीसभ क थरेए सहित्य अकदेमि अवर्द-विन्निना मैथिली ौथओर्स इन्टो हिन्दी.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेफके: सिग्निफिकन्के क रमेश मे मैथिली साहित्य मैथिली, ओने क ट्वेन्ट्य-ट्वो कोन्स्टिटुटिओनल्ल्य रेकोग्निसेद लन्गुअगेस क भारत आ एक भाषा कोसे त्रिट्रेन साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के स्ट्रेट्चएएस बक्क केँ चअर्यवपदस क...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'मपिन्ग मर्गिन्स: इन्टेर्सेक्टिओनलिट्य, पहचान पोलिटिक्स, आ विओलेन्के अगइन्स्ट स्त्री क कोलोर.' स्टन्फोर्ड लव समीक्षा ४३.६ (१९९१): १२४१-१२९९.

**३०१. “रमेश आ मल झा” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई सटिरिकल मोदे अछि सभसँ सोकिअल्ल्य एनागेद स्त्रन्द क कर्न'स कृति, ई कोन्नेक्ट्स केँ ब्रोअदेर दुशयन्ट कुमार लिने क इन्हेरिटन्के क पोलिटिकल्ल्य एनागेद गजल से अशइश अन्चइन्हर आ गजेन्द्र ठाकुर अछि चअम्पिओनेद इन्सिदे...
- (B) इन्टेरेस्ट्स: देएप लोवे लेल मोथएर टोन्गुए मैथिली, रेअदिना आ त्रिटिना, स्पेकिअल इन्टेरेस्ट मे पोएट्र्य, कथा, गीतसभ आ संगीत.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्थएर एक्समिनिना एक सहित्य अकदेमि अन्थओलोग्य वा त्रिटिना एक पोएम अबोउट मोन्सोओन'स फइलुरे, हे अछि दोइना समे थइना: अट्टेन्दिना होनेस्ट्ल्य केँ एविदेन्के, रेसिस्टिना एअस्य कोन्क्लुसिओन, आ इन्सिस्टिना से भाषा, क्थएर मे...
- (D) एक स्पेकिअल अनुभाग अछि देवोटेद केँ बहअर देबते मे मैथिली गजल, एक कोन्ट्रोवेर्स्य दिरेक्ट्ल्य प्रासंगिक केँ फोर्मल चओइकेस विसिब्ले मे रमेश'स पोएटिक प्रक्टिके.

**३०२. “रमेश आ मल झा” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई सेर्वेस अस एक समीक्षात्मक ओवेर्विएव क इतिहास, चअल्लेन्गेस, आ एवोलुटिओन क मैथिली स्त्री'स पोएट्र्य.
- (B) गीत'स फोर्मल स्ट्रक्चरे, अल्टेर्नटिना 'रे' रेफ्रइन्स, फोउर-बेअट लिनेस, अछि चअरक्टेरिस्टिक क शास्त्रीय मैथिली भक्तिपरक स्ट्र्यले.
- (C) एक कोम्पोसिटिओन से क्रिटिकिसेस दिस्टन्ट टर्गेट्स (ए.ग., इन्टेर्नटिओनल फिगुरेस) अट नो पेसॉनल रिस्क केँ लेखक शओव्स कम कोउरगे थअन ओने से कोन्फ्रोन्ट्स प्रोक्सिमटे पोवेर.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रटेएक: एक कोल्लेक्टिओन क मैथिली सेएद कथासभ.

**३०३. “रमेश आ मल झा” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) हुनकर देमोन्स्ट्रटिओन से मैथिली वेब अग्रेएमेन्ट एन्कोदेस सामाजिक हिअरर्च्य आ सोलिदरिट्य अछि एक कोन्ट्रिबुटिओन केँ सोकिओलिन्गुइस्टिक लिने क इन्हेरिटन्के क लबोव (सामाजिक स्त्रटिफिकटिओन क भाषा वरिअटिओन), ब्रोव्न आ लेविन्सोन (फके थएओर्य), आ गोफ्फमन...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रिन्किप्लेस मे लेख-रेख रेअदिना अक्रोस्स पठहकायस मे लेख-रेख, ओने कन रेकोन्स्ट्रुक्ट हिट्थ झा'स इम्प्लिकिट समीक्षात्मक प्रिन्किप्लेस: (१) अक्केस्सिबिलिट्य, दोएस कृति कोम्मुनिकटे सँ एक विदे रेअदिना पुब्लिक विथओउट...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से किएक शओउल्ड नेग्लेक्ट वा इन्सुल्ट क स्त्री कविसभ कोल्लेक्टेद उन्टिल २००४ AD द्वारा थएन क्रिटिक-किकर्ले नहि हो कोन्सिदेरेद?
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गजल १५ अछि अमोन्ग सभसँ मुसिकल्ल्य अक्कोम्प्लिशएद मे सभ थरेए कोल्लेक्टिओन्स: 'कउव कुचौरल भओरे अन्नान सन्चअ परइट ौथइ सजन / छअम-छअम-छअम-छअम पयल बजइ खअनक उथअल कन्नन'.

**३०४. अध्याय ६६ अनुसार, “रमेश आ मल झा” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सत्यनन्द पथक'स गअम गेल छलहुन स्टन्ड्स अस सभसँ फुल्लय रेअलिसेद फिक्टीओनल अक्कोउन्ट क की ई मेअन्स केँ हो मैथिली आ दिस्प्लकेद: केँ कार्य एक भाषा, एक संस्कृति, एक सेट क ओमेन्स आ गीतसभ इन्टो एक किट्य से दोएस नहि कनोव थएम्...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कथासभ मे विदेह सदेह ३१ विदेह सदेह ३१ कोल्लेक्ट्स कशयप'स प्रोसे (प्प).
- (C) मे सुच एक टेरिब्ले सिटुअटिओन, व्हेन आ केना कन मिथिला-समाज प्रोविदे एक जुस्ट आ एकुअल स्पेके केँ एकर स्त्री-समाज? .....
- (D) एक समीक्षात्मक स्टुड क अशओक मैथिली कवि, फिक्टीओन लेखक, क्रिटिक आ सम्पादक

— अप्लियन्स: नेव क्रिटिकिस्म · स्ट्रुक्चुरलिस्म · मर्क्सिस्ट अएस्थएटिक्स · पोस्ट-कोलोनिअलिस्म फेमिनिस्म · रेअदेर-रेस्पोन्से थएओर्य · पोस्टमोदेर्निस्म ...

**३०५. अध्याय ६६ (“रमेश आ मल झा”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई स्ट्रुक्चुरल मेटफोर एन्कोदेस हुनकर पोएटिक फइलोसोफय: गीत अस मोवेमेन्ट, नहि मोनुमेन्ट.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से के) छल फिर्स्ट प्रमुख पेर्सिअन कवि केँ उसे गजल स्यस्टेमटिकल्लय अस एक माध्यम लेल सुफि स्पिरिटुअल टेअचइन्ग.
- (C) अनोथएर मटेर क कोन्फेर्न अछि से बेसी आ बेसी नेक्क्य एमेर्गिन्ग स्त्री कविसभ छथि/अछि टकिन्ग हप्पिनेस्स क किट्य; मन्य स्त्री कविसभ लिके पुरुष कविसभ छथि/अछि दोइन्ग पोएट्य-क्रेअटिओन सँ किट्य.
- (D) विदेह अभिलेख: सम्पूर्ण कृतिसभ कटलोगुए विदेह सदेह ७ (प्रेलिम\_७): हइकु / प्रोसे पोएट्य / टिलकोर, बथउअक T1मन, गजल १-८.

**३०६. “रमेश आ मल झा” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गिविन्ग सदनन्द एक नमे, गाम, आ अचइएवेमेन्ट -ई अछि पोलिटिक्स क पेर्सोन्होओद. " बिग्गेस्ट ओक्र" -ई देटइल सेएम्स अमुसिन्ग.
- (B) अध्याय प्लकेस मुनि कमट इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कस्ते आ मर्गिनलिजटिओन: एक प्रमुख क्रिटिकुए अछि मदे रेगर्दिन्ग लक्क क दलित आ मुस्लिम स्त्री'स स्वरसभ मे मैथिली साहित्य.
- (D) प्लय अछि नहि एक "टेक्स्ट" मे वेस्तेर्न सेन्से बुट एक लिपि-लेल-प्रदर्शन, एक दोकुमेन्ट से बिन्दुसभ टोवर्द एक एम्बोदिएद, सांगीतिक, अनुष्ठानिक एवेन्ट.

**३०७. अध्याय ६७ अनुसार, “रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपल्लि झा 'गोपेश' आ विज” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) स्त्री'स सुबोर्दिनटिओन इन्सिदे दोमेस्टिक-अनुष्ठानिक एकोनोम्य क मिथिला अछि प्रेसेन्ट मे गीतसभ बुट अछि रेन्देरेद अस अएस्थएटिक आ एमोटिओनल मटेरिअल रथएर थअन अस सामाजिक क्रिटिकुए.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कथा: "एक हन्डफुल क टेअर्स" (सुम्मर्य) नर्सटिवे एक्स्प्लोरेस लिफे क हेम, एक पोओर रुरल लबोरेर.
- (C) पत्रिका रन विथओउट अन्य इन्स्टिटुटिओनल फिनन्किअल सुपपोर्ट, सुस्टइनेद एन्टिरेल्य द्वारा वय क सुब्लिक्लिओन्स, कोम्मुनिट्य दोनटिओन्स, आ रज्जन्दन लाल दास'स ओव्न लबोउर आ रेसोउर्केस.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे अछि बेएन किटेद ओवेर एक थओउसन्द टिमेस मे इन्टेर्नटिओनल स्वओलर्शइप आ होनोउरेद द्वारा लिन्गुइस्टिक समाज क अमेरिक, गोवेर्न्मेन्ट क नेपाल, आ मैथिली कोम्मुनिट्य इट्सैल्फ.

**३०८. अध्याय ६९ “साहित्यिक क्रिटिकिस्म फोर्मलिस्म” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रेअदेर-रेस्पोन्से थएओर्य आ हेर्मेनेउटिक्स हन्स रोबर्ट जउस्स'स संकल्पना: क एर्वर्दुन्शओरिजोन्ट (होरिजोन क एक्स्पेक्टिओन्स, टोवर्द एक अएस्थएटिक क रेकेप्टिओन, १९७०) अछि पर्टिकुलर्ल्य इल्लुमिनटिन्ग लेल उट्पल'स अनुवाद प्रक्टिके.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कमट अछि लिस्टेद अमोन्ग 'समानान्तर स्त्री लिने क इन्हेरिटन्के' स्वरसभ, अलोन्सिदे विभअ रनि, कमिनि कमयनि, सुस्मिट पथअक, प्रेम्लट मिश्र प्रेम, आ पन्न झा, ब्रिटेर्स व्होसे कृति अछि बेएन स्यस्टेमटिकल्लय एक्स्क्लुदेद सँ सहित्य...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वेस्तेर्न साहित्यिक क्रिटिकिस्म फोर्मलिस्म: स्ट्रुक्चुरे अथएरेस केँ त्रदिटिओनल रगस (सांगीतिक मोदेस) सुच अस रेखट, धरुपद, आ भैरवि.
- (D) मे नेपाल हे लउन्वएद कुअर्टैल्य 'मैथिली' (मैथिली सहित्य परिशद, बिरट्न्गर, १९७०-७३), फिर्स्ट मैथिली साहित्यिक पत्रिका सँ नेपाल, एदिटिन्ग ई अस एक बि-नटिओनल सांस्कृतिक ब्रिदे.

**३०९. अध्याय ७३ अनुसार, “प्रदेएप पुशप” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा प्रोविदिना स्टुक्दुरेद, हिघ-कुअलिटि साहित्यिक मटेरिअल लेल स्टुदेन्ट्स, विदेह मोवेमेन्ट सेएक्स कैं रेक्लइम एदुकटिओनल स्पेके लेल मैथिली भाषा.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई रेप्रेसेन्ट्स सभसँ व्यापक स्वओललर्य आ टेस्टिमोनियल अस्सेस्मेन्ट क हुनकर लिफे आ कृति येत अस्सेम्ब्लेद, द्रविण पर निबंधसभ, समीक्षात्मक रेविएस, पेर्सोनल रेमिनिस्केन्सेस, आ फोर्मल अस्सेस्मेन्ट्स द्वारा क्रिटिक्स इन्क्लुदिना प्रदेएप पुशप...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से देश-भक्ति गेट: पट्रिओटिक गीतसभ पट्रिओटिक गीतसभ 'जय-जय मिथिला पवन धाम' आ 'रन के बअट बन्धु' रेप्रेसेन्ट भिन्न रेगिस्टेर्स क नटिओनल-सांस्कृतिक बेलोनिंग.
- (D) ब्रेअस्ट कन्केर कथा अछि लिटेरल्लय एक टेक्स्ट क 'क्विटे इन्क' ब्रिटिना से फ्लोक्स सँ स्पेकिफिक फक्सिकल एक्स्पेरिएन्के क स्त्री'स बोदिएस, सँ टेरिटीय से दोमिनन्ट मैथिली साहित्यिक डिस्कोउर्स अछि रेन्देरेड इन्विजिबल.

**३१०. अध्याय ७३ “प्रकाशित पोथीसभ” विषयमे मुख्य रूपँ की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि होमेलन्ड क Siṭā (दउघटेर क किन्ग जनक), क्रद्ले क नव्य न्याय स्कुल क लोगिक (गणेशअ'स टट्टुकिन्टामाङ छल कोम्पोसेद हेरे क.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ल इ ट ए र एक र य C एक र ए ए र एक न द P उ ब ल इ स ह ए द वो र क स ३.१ प्रकाशित पोथीसभ (चरोनोलोगिकल) रविन्द्र नथ ठाकुर प्रकाशित निनेटेएन वोलुमेस अक्रोस्स मैथिली आ हिन्दी, स्पन्निंग गीत कोल्लेक्टिओन्स, एक्स्पेरिमेन्टल वेर्स, एक उपन्यास, एक...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लाल देव कमट'स ओज कृति अस एक क्रिटिक आ सामाजिक कोम्मेन्टरी अछि एक दिरेक्ट देस्केन्डन्ट क ई मोर्देनिस्ट प्रोजेक्ट, कोन सोउघट कैं उटिलिजे साहित्य अस एक टोओल लेल रेगिओनल अवकेनिंग.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पर्ट IV: फोर्मल अनलिटिस आ पोएटिक टेक्निकुए ४.१ लिग्रिक स्वर पोएम्स क उजवर पर्वक खओज एम्प्लोय एक लिग्रिक स्वर से शइफ्ट्स बीच थरेए पोसिटिओन्स: फिस्ट्पेसोन सिन्गुलर (I-कवि पर एक पेर्सोनल कुएस्ट), सेकोन्ड-पेर्सोन...

**३११. अध्याय ७३ (“रविन्द्र नथ ठाकुर”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बेजबुरु क अस्समेसे, फकिर मोहन सेनपटि क ओदिस, अप्परओ क टेलुगु, केदर्थ बनेजेए क बांग्ला, थएसे ब्रिटेर्स सोमेटिमेस कमे ओउट मे सुप्पोर्ट क स्त्री, आ सोमेटिमेस अगइन्स्ट मोनेयलेन्देर्स क समाज.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केय कैं ई क्रिटिकुए अछि लेगक्य क हरिमोहन झा (१९०८-१९८४), एक उपन्यासकार आ सटिरिस्ट कोसे दिरेक्ट अट्टक्क्स पर कस्ते ओर्थओदोक्स्य आ ब्रह्मिन् ह्योक्रिस्य लेद कैं हुनकर स्पटेमटिक एक्स्क्लुसिओन सँ इन्स्टिटुटिओनल अक्कोलेदेस लिके सहित्य...
- (C) हुनकर सिग्निफिकन्के अछि नहि केवल साहित्यिक बुट एपिस्टेमोलोगिकलिन देएप सेन्से इन्टेन्देद द्वारा गनोस उपधयय'स नव्य-न्याय: हुनकर कृति सेर्वेस अस एक क्लइम कैं क्कोलेद्रे, एक सेट क टेस्टिमोनिएस अबोउट मैथिली वोल्ड से रेकुइरे फुल्ल अप्परटुस क...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे सेर्वेद अस गीतकार, को-दिरेक्टरी, आ स्क्रैएन्प्लय लेखक.

**३१२. अध्याय ७३ अनुसार, “रविन्द्र नथ ठाकुर” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) मिथइलअक नअरि ( स्त्री क मिथिला) ई पोएम अद्वेस्सेस गेन्द्रे इन्सिदे स्पेकिफिक सांस्कृतिक सन्दर्भ क मिथिला, एनागिना सँ कोम्प्लेक्स सामाजिक पोसिटिओन क मिथिला'स स्त्री, केलेब्रेटेद मे शास्त्रीय साहित्य आ लोक गीत, येत सुब्जेक्टेद कैं समे...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शइव कुमार प्रसाद, 'शअहर O गेल' (विदेह, इस्सुए १४) ३.२ धवनि सिद्धअन्ट (थएओर्य क सुग्गेस्टिओन / रेसोन्के), अनन्दवर्धन अनन्दवर्धन'स धवन्त्यलोक (९थ केन्ट.
- (C) ट्वो इम्मेदिएटेल्स फोर्मेद एक दुओ, आ सँ अप्रोक्सिमेटेल्य १९६६-१९६७ ओन्वर्द रविन्द्र-महेन्द्र पर्टनेर्शइप बेकमे सिन्ले सभसँ पोपुलर अक्ट पर मैथिली सांस्कृतिक किर्कुइट.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सेकोन्ड -दोमेस्टिकटिओन (मे कोन ओरिगिनल अछि अस्सिमिलटेद इन्टो टर्गेट भाषा'स संस्कृति): "रेवोलुटिओनर्य अक्ट," "अक्कुमुलेटेद पइन," "ओब्जेक्टिफिकटिओन" -थएसे छल त्रन्सलेटेद इन्टो भाषा फमिलिअर कैं मैथिली रेअदेर्स.

**३१३. अध्याय ७४ सँ कोन विकल्प सही रूपँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शअर्मिल रेगे अछि प्रेसेन्टेद संकल्पना: क एक "दलित फेमिनिस्ट स्टन्ड्पोइन्ट" मे ई सन्दर्भ - दलित स्त्री'स पेस्पेक्टिवे अछि एक एपिस्टेमोलोगिकल प्रिविलेगे, बेकउसे शए इन्हबिट्स देएपेस्ट लेवेल् क ओप्प्रेसिओन.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गयट्रि चअक्रवोर्त्य स्पिक्क'स कुएस्टिओन 'कन सुबल्टेर्न स्पेअक?' (१९८८) अछि प्रासंगिक कैं सोकिअल्लेफोर्म गीतसभ: स्त्री के सिना थएसे गीतसभ अबोउट अद्विक्टिओन लिबेरेटिओन छथि/अछि थएम्सेल्वेस ओपटेन सँ सामाजिक ग्रोउप्स सभसँ देवस्टेटेद द्वारा...
- (C) अध्याय उन्टेर्केस एक व्यापक एक्समिनटिओन क केना रेनु वोवे सांस्कृतिक फब्रिक क मिथिला आ लिन्गुइस्टिक टेक्स्टुरे क मैथिली इन्टो बोद्य क हुनकर हिन्दी साहित्य.
- (D) 'घओस्ट क एलेक्टिओन', हउन्टिना क पुब्लिक लिफे द्वारा एलेक्टोरल पोलिटिक्स, सँ एकर वोटे-बुयिना, एकर कस्ते मोबिलिसिटिओन, एकर कोरुप्टिओन आ विओलेन्के, अछि फिगुरेद अस एक ट्रेअम वा निघट्मेरे से प्रोटोगोनिस्ट बोथ एक्स्पेरिएन्केस आ (द्वारा वय क ट्रेअम-फ्रेमे)...

**३१४. अध्याय ७४ “फअनिशवर नथ रेनु” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) हुनकर अक्कोउन्ट क स्त्री'स सांस्कृतिक गथएरिना मे नोर्थ कचअर हिल्लस, ढेरै, लेल एक फेव दय्स, ट्रिबल स्त्री क सभ नग सुब-ग्रोउप्स गथएर मे कोम्मुनिटस, शअरिना त्रिदिओनल ट्रेस्स, गीतसभ, आ सांस्कृतिक क्कोव्लेट्ते, टेम्पोरलिय सुस्पेन्डे सँ ओर्दिनर्य सामाजिक...
- (B) देसिग्नटिओन क हिन्दी अस ओप्पिफिकल भाषा क बिहर, आ सुबसेकुएन्ट मर्गिनलिजटिओन क मैथिली मे एदुकटिओन आ अक्विनिस्त्रटिओन, क्रेअटेद एक सिटुअटिओन मे कोन मैथिली स्पेअकेर्स छल रेकुइरेद केँ त्रिटे मे हिन्दी लेल अन्य ओप्पिफिकल वा साहित्यिक पुर्णसे.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोस्ट-कोलोनिअल थएओर्य आ कुएस्टिओन क वोल्ड साहित्य मोवेमेन्ट क एक टेक्स्ट सँ अरबी (१९१२) केँ अंग्रेजी (१९५७ अनुवाद) केँ मैथिली (२०१६) एनक्व्स एक पोस्ट-कोलोनिअल साहित्यिक किर्कुइट से देसेर्वेस थएओरिसटिओन.
- (D) अप्लिएद केँ सरस: सरस'स घअजल्स दिस्प्लय वक्रोक्विट मे कुन्टक सेन्से: चअरक्टेरिस्टिकल्लय ओब्लिकुए अद्वेस्स क बेलोवेद (क्वैथएर हुमन, सामाजिक, वा मेटफिक्सिकल) द्वारा वय क फोर्मल कोन्वेन्टिओन्स क गजल क्रेअटेस एक कोन्सिस्टेन्ट 'स्त्रन्गेनेस्स', ...

**३१५. अध्याय ७५ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अब्सेन्के क दलिट ौटोबिओग्राफय मे मैथिली बेफोरे २०१४ अछि सभसँ प्रेकिसे एक्स्प्रेसिओन क ई स्ट्रुक्चरल एक्स्क्लुसिओन: ौटोबिओग्राफय अछि गेन्ने से सभसँ दिरेक्ट्लय अस्सेट्स वलुए आ वलिदिट्य क एक इन्डिविदुअल आ कोम्मुनिट'स सेल्फ-क्कोव्लेट्ते.
- (B) एक फेमिनिस्ट रेअदिना मिघट नोनेथएलेस्स बिन्दु केँ लिमिट्स क ई पुरुष-नैथओरेद स्त्री स्वर: स्त्री मे कमल'स गीतसभ छथि/अछि लर्गेल्य देफिनेद द्वारा हुनकर रेलटिओन्शइप्स (विफे क अब्सेन्ट हुस्बन्ड, दउघटेर क मइन, देवोटेए क मोथएर-गोदेस्स), आ हुनकर...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से इन्सिदे अंग्रेजी-भाषा दिस्कोउर्स पर इन्डिअन दिअस्पोर उपन्यास, ई रेमइन्स इन्विजिबल दुएँ केँ भाषा बर्रिएर.
- (D) मेनु: टेक्स्ट देस्क्रिबेस त्रिदिओनल मैथिली मेअल, इन्क्लुदिना वरिओउस वेगेटब्ले कुर्रिएस, रिक्के, पुल्सेस, कुर्द, आ मेअट.

**३१६. अध्याय ७७ अनुसार, “सन्तोश कुमार मिश्र” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: इन्डिअन अएस्थएटिक्स, Nāṭyaśāstra, आ रस थएओर्य विी.
- (B) सभसँ सुस्टइनेद आ एमोटिओनल्लय पोवेर्फुल क थएसे छथि/अछि विरह गीतसभ, सेपरटेद विफे'स लमेन्ट लेल हुनकर अब्सेन्ट हुस्बन्ड (गोने केँ किट्य, केँ 'पदेश'), त्रिट्रेन मे मैथिली स्त्री'स गीत लिने क इन्हेरिटन्के.
- (C) अध्याय प्लेकेस शअर्दिन्दु चौधरी इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.
- (D) रेपेअटेद 'मुद एन किए?' अछि धवनि सिग्नल, रेवेर्बेटिओन से एक्स्केएड्स लिटेरल कथन.

**३१७. “सन्तोश कुमार मिश्र” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) मे वेस्टर्न पोएट्र्य मेटफओर क फओएनिक्स ( म्यथओलोगिकल बिर्द से रिसेस रेबोर्न सँ अश) अछि कोन्सोनन्ट सँ ई -बुट फओएनिक्स अछि कोन्सुमेद मे अश आ थएन रिसेस.
- (B) इन्टेरेस्ट्स: देएप लोवे लेल मोथएर टोन्गुए मैथिली, रेअदिना आ त्रिटिना, स्पेकिअल इन्टेरेस्ट मे पोएट्र्य, कथा, गीतसभ आ संगीत.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई नेरुद-लिक्के फुसिओन क रेवोलुटिओनर्य सँ एवेर्दय अछि देएप्ल्य कोन्सोनन्ट सँ वफा'स इन्सिस्टेन्के पर एक सोकिअल्लय एन्गगेद पोएटिक्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रोलन्ड बर्थएस'स संकल्पना: क म्यथओलोगिअस, वय सांस्कृतिक सिग्नस नटुरलिसे हिस्टोरिकल कोन्स्ट्रुक्टिओन्स, इल्लुमिनेटेस मंडल'स समीक्षात्मक एन्गगेमेन्ट सँ म्यथओलोग्य क इज्जट (होनोउर): पन्गु आ इज्जट गम इज्जट बन्चएलो देम्यथओलोगिसे...

**३१८. अध्याय ७९ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से चअन्ड्र टल्पदे मोहन्ट्य'स क्रिटिकुए क वेस्टर्न फेमिनिस्ट टेन्डेन्क्य केँ कोन्स्ट्रुक्ट एक मोनोलिथइक 'थइर्द वोल्ड स्त्री' अस विक्किटम विथओउट अगेन्क्य अप्लिएस मे रेवेर्से हेरे: मनु'स स्त्री स्पेअकेर्स (मे मैथिली सन्दर्भ) छथि/अछि गिवेन स्वर...
- (B) विऽअहवरा Gīt, गीतसभ अद्वेस्सेद केँ स्नके-गोदेस्स विऽअहवरा (मन्स/मनसा मे बेनाल)सेर्वेस अस एक लिने क इन्हेरिटन्के क्लोसेल्लय कोन्नेक्टेद केँ अग्रिकुल्टुरल येअर आ थरेअट क स्नकेबिटे दुरिना मोन्सोओन.
- (C) रेस्टोरटिओन क बह आ कवफियत दिस्क्रिप्शिने अछि नहि मेरेल्लय अएस्थएटिक बुट पोलिटिकल: ई अस्सेट्स से सुबल्टेर्न त्रिटेट्स छथि/अछि कपब्ले क, आ देसेर्विन्ग क, समे फोर्मल मस्टेर्न अस एलिटे त्रिटेट्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सिंह बेगिन्स सँ फोउन्डटिओनल प्रोपोसिटिओन से साहित्य अछि ‘ अक्कुमुलटेद रेपोसिटोर्य क क्कोव्लेट्ते’ (‘ज्ञान रअशइक सन्चइट कोश’), आ से पेरिओडिसटिओन अछि नेकेस्सय लेल स्ट्रुक्चरल स्टुड्य, क्लिने अक्क्कोव्लेट्तिना से ...

**३१९. अध्याय ७९ “यत्र नार्यस्तु पोओज्यन्ते रमन्ते” विषयमे मुख्य रूपे की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट एअर्लिअर, किन्द क मस्स मिग्रटिओन सेएन मे भओज्पुरि रेगिओन छल उन्क्नोव मे मिथिला.  
(B) निबंध ओपेन्स सँ एक स्नोप्टिक इतिहास क पोसिटिओन क स्त्री मे इन्दिअन आ स्पेकिफिकल्लय मिथइलन्चअल समाज सँ वेदिक पेरिओद केँ प्रेसेन्ट, त्रकिन्ग परदोक्स से एक समाज कोन प्रोदोकेस फमोउस मक्सिम ‘यत्र नार्यस्तु पोओज्यन्ते रमन्ते’...  
(C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से येत, एक डिस्केर्निन्ग क्रिटिकुए रेवेअल्स से कोम्पोसिटिओन्स इन्सिदे से ग्रंथ अलिग्न बेसी क्लोसेल्य सँ त्रदिटिओन्स क गीत आ वेसे थअन सँ स्पेकिफिक अर्चइटेक्टुरे क गजल.  
(D) नेएद लेल एक देदिकटेद अन्थओलोग्य एक प्रमुख बिन्दु क इन्ट्रोदुक्तिओन अछि हिस्टोरिकल अब्सेन्के क एक कोल्लेक्टिवे ग्रंथ लेल स्त्री कविसभ: लक्क क कोल्लेक्टिओन: क्लिने पुरुष त्रिटेर्स अछि लोन्ग दोमिनटेद मैथिली साहित्यिक स्केने, स्त्री छल ओफटेन प्रकाशित केवल...

**३२०. अध्याय ८१ “कल्पन झा” विषयमे मुख्य रूपे की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से २५) २.४, कल्पन झा: ‘मैथिली सहित्यक सेवक नहिन, मैथिली भअसक सेवक: शअर्दिन्दु चौधरी’ (प्प).  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से होवेवेर, देरिंद अछि अक्कुसेद क टूयिन्ग केँ अप्प्रोप्रिअटे स्वर क स्त्री उन्देर गुइसे क पुरुष डिस्कोउर्से, केँ स्नट्च ौथओरिट्य से स्त्री अछि पइन्स्टकिन्ल्य अचइएवेद, ौथओरिट्य सँ कोन थएय स्पेअक लेल थएम्सेल्वेस.  
(C) अध्याय प्लकेस रविन्द नथ ठाकुर इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से विद्यापति’स पदवलि, हुनकर कोल्लेक्टिओन क गीतसभ केलेब्रटिन्ग लोवे क रधअ आ क्रिशन, फुसेद एरोटिक श्रीनगर रस सँ वइशनव भअक्ति मे वयस से एस्टब्लिशएद एक टेम्पलेट लेल मैथिली लिपिक कोन्किओउस्नेस्स से पेर्सिस्ट्स केँ प्रेसेन्ट.

**३२१. अध्याय ८३ मे “शइव कुमार झा ‘टिल्लु’” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केय कथासभ आ हुनकर अनल्यिसस ३.२.१ सुनन्द, गेन्देर, मोरल कोउरगे, आ गाम ह्योक्रिस्य ओपेनिन्ग कथा ‘सुनन्द’ अछि ओने क कोल्लेक्टिओन’स फिनेस्ट अचइएवेमेन्ट्स.  
(B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से त्रिटेर्स लिके रउट (एक फर्मेर सँ बेर्म गाम, मधुबनी) आ कोन्ट्रिबुटोर्स लिके कमिनि कमयिनि कर्त्य एक ौथओरिट्य क एम्बोदिएद एक्स्पेरिएन्के से अछि इट्सेल्फ एक फोर्म क एपिस्टेमोलोगिकल वलिदिट्य.  
(C) थएसे पोएम्स छथि/अछि फोर्मल्लय सभसँ त्रदिटिओनल मे कोल्लेक्टिओन, थएय एम्प्लोय गाट फोर्म सँ एकर रेफ्रइन्स, एकर कल्लन्द-रेस्पोन्से स्ट्रुक्चुरेस, आ एकर दिरेक्ट कोन्नेक्टिओन केँ मौखिक-पेफोर्मटिवे लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली लोक गीत.  
(D) एक साहित्य क हुनकर ओव्न: ब्रिटिश स्त्री नोवेलिस्ट्स सँ ब्रोन्टे केँ लेस्सिन्ग.

**३२२. “सिजन शएखअर ‘अज्नेय’, अछए लाल शअस्ट्रि, अनमिक रज, अनिल मल्लिक, अग्रन” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) झा’स “ग्रामाण महिलवक पहिचान” (रुरल स्त्री’स पहचान) शओव्स सुबल्टेन नेगोटिअटिन्ग मुल्तिप्ले रोलेस: “मवय, बहिन, पट्ना, ा बेण्णमे ओझवयवल छा”, लोस्ट मे मोथएर, सिस्टर, विफे, दउघटेर.  
(B) वेल्ल त्रौउघट उर्न: स्टुदिएस मे स्ट्रुक्चुरे क पोएट्र्य.  
(C) एन्दिन्ग क ‘मदन-अमर’ अछि एक फोर्मल मस्टेर्पिएके क की विदेह क्रिटिकिस्म कल्ल्स ‘सेएद लोगिक, एक एन्दिन्ग से ओपेन्स रथएर थअन क्लोसेस मेअनिन्ग’: ट्वो मेन एम्ब्रके; मदन वेएप्स; नो मोरल अछि स्टेटेद.  
(D) हुनकर सदेह १८ कोन्ट्रिबुटिओन अछि हुनकर सभसँ सुबस्टन्टिअल: एइघट गीत-पोएम्स क्लोसे टिट्लेस एन्कप्सुलेट हुनकर दोमिनन्ट थएमेस, Gīt Sām पहिने (बेफोरे गीत, सुग्गेस्टिन्ग प्रे-साहित्यिक मोमेन्ट क क्रेअटिवे संकल्पना:इओन), Hām (वे/I, फिर्स्ट-पेर्सोन प्लुरल अस्सेर्टिओन)...

**३२३. अध्याय ८४ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कमट रेकोग्निसेस केय थएमेस क मुन्नि कमट’स कृति, लोन्गिन्ग, नोस्टल्गिअ, आ रेसिलिएन्के क स्त्री स्वर मे दिअस्पोर, अस एस्सेन्टिअल कोम्पोनेन्ट्स क आधुनिक मैथिली एक्स्पेरिएन्के.  
(B) सभसँ पेर्सोनल्लय प्रमुख छल टिट्ले ‘अभइनव विद्यापति’ ( नेव विद्यापति), कोन्फेरेंद उपोन हिम मे पेर्सोन द्वारा एमिनेन्ट हिन्दी आ मैथिली कवि बब नगर्जुन (वइद्यनथ मिश्र यट्टि) अट एक पुब्लिक केरेमोन्य मे पुर्निअ.  
(C) अन्वइन्हर’स एक्स्पेरिटिसे मे मैथिली साहित्यिक इतिहास आ गेन्ने इतिहास गिवेस हुनकर अस्सेस्मेन्ट क शअर्दिन्दु चौधरी’स कोन्ट्रिबुटिओन एकर पर्टिकुलर ौथओरिट्य.  
(D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दददाक Gīt (ग्रन्धोथएर’स गीत) मे सदेह ९ अछि हुनकर सभसँ कुल्लुरल्लय स्पेकिफिक कोन्ट्रिबुटिओन: एक गीत मे लिने क इन्हेरिटन्के क ग्रन्धोथएर’स मौखिक त्रन्स्मिस्सिओन क लोक संस्कृति, रोले से मैथिली’स स्त्री’स मौखिक लिने क...

### ३२४. “समानान्तर इतिहास” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से थ केन्दुर्य CE, मिथिला) अछि फोउन्देर क नव्य न्याय (नेव लोगिक) स्थूल, दोमिनन्त लिने क इन्हेरिटन्के क फइलोसोफइकल अनलिसिस मे मिथिला लेल सेवेरल केन्दुरिएस.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वादक GAT कोन्नेक्ट्स हुनकर कृति केँ स्त्री'स मौखिक सांस्कृतिक ट्रान्स्मिस्सिओन लिने क इन्हेरिटन्के से समानान्तर इतिहास प्रिजेस: ग्रन्थोथए'स गीत अछि रेपोसिटोर्य क सभसँ अन्किएन्ट मैथिली लोक क्नोव्लेद.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रस-ध्वनि अनलिसिस भअरटमुनि'स थएओर्य क रस आ आनन्दवर्धन'स ध्वनि प्रोविदे प्रिमर्य इन्दिअन समीक्षात्मक समीक्षात्मक क्रमे लेल पुशप'स घअजल्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कमल'स सभसँ अक्कोम्प्लिशएद गीतसभ अचइएवे रस-ध्वनि: कोविद गीत 'जनि निकल्हु कटहु, अकरन' अचइएवेस बोथ लिटेरल सामाजिक इन्स्ट्रुक्चिओन आ रेसोनन्के क हुमन इसोलटिओन, लोस्ट कोम्मुनिटि, आ एक्सिस्टेन्टिअल लोन्गिना मे जुस्ट एक फेव लिनेस.

### ३२५. अध्याय ८४ (“सिजन शएखअर 'अज्जेय', अछए लाल शअस्टि, अनमिक रज, अनिल मल्लिक, अग्नेन”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?

- (A) लोक साहित्य लिने क इन्हेरिटन्के इट्सेल्फ अछि चअरक्टेरिसेद द्वारा एक दिस्टिन्क्टिबे किन्द क वक्रट, फोर्मुलइक ओब्लिक्वएनेस्स क प्रोवेब्स, रिड्लेस, आ त्रिदिटिओनल गीत-फोर्म्स से एन्कोदे मेअनिंग मे नोन-ओब्लिओउस वय्स.
- (B) मे 'रअन्द', कथा अछि फोकलिजेद द्वारा वय क मनि, योउना स्टुदेन्ट-नेफएव, व्होसे ग्रोविना सुप्रिसे आ अद्विरटिओन लेल हुनकर ौन्ट'स ौटोनोम्य स्ट्रुक्चुरेस नर्रटिवे'स इदेओलोगिकल मोवेमेन्ट सँ कोन्वेन्टिओन केँ लिबेरटिओन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य-न्याय: 'हम देह A विदेह', फइलोसोफइकल दिस्टिन्क्टिओन बीच एम्बोदिएद (देह) आ दिसेम्बोदिएद (विदेह) सेल्फ मप्स ओन्टो गॉगेंडअ'स दिस्टिन्क्टिओन बीच त्रटमन अस लोकुस क कोन्किओउस्नेस्स आ बोध अस ...
- (D) झअरुदर'स नारा झअरु पोएम्स स्पेअक सँ एक पोलिटिक्स क लोकटिओन से अछि सिमुल्तनेओउस्ल्य इन्सिदे आ ओउट्सिदे स्त्री'स एक्स्पेरिएन्के: अस एक मन सँ एक मर्गिनलिसेद कोम्मुनिटि, हे त्रिटेस अबोउट स्त्री'स ओप्प्रेसिओन सँ देएप एम्पथएटिक उन्देस्टिन्दिना बुट अल्सो सँ एक...

### ३२६. अध्याय ८५ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?

- (A) हुनकर समीक्षात्मक ब्रिटिन्स इन्क्लुदे बदलइट स्वर (२०११), मैथिली उपन्यस कि ालोचअन (२०२१), आ विशलेशअन (२०२२).
- (B) हुनकर अक्कोउन्ट क स्त्री'स सांस्कृतिक गथएरिना मे नोर्थ कचअर हिल्लस, व्हेरे, लेल एक फेव दय्स, ट्रिबल स्त्री क सभ नग सुब-ग्रीउप्स गथएर मे कोम्मुनिटस, शअरिना त्रिदिटिओनल ट्रेस्स, गीतसभ, आ सांस्कृतिक क्नोव्लेद, टेम्पोररिल्य सुस्पेन्देद सँ ओर्दिनर्य सामाजिक...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'एक समीक्षात्मक अनलिसिस क मैथिली लघु कथासभ: ट्वेन्थि फिर्स्ट केन्दुर्य.' विदेह एजोर्नल, २०२५.
- (D) क्रोव अछि प्लेकेद मे कोम्परटिवे रेलटिओन केँ कनोनिकल मैथिली कोकिल (कुक्कोओ), बुट विअ अन्तिथएसिस: हिथएटोँ उन्फमिलिअर ( क्रोव-कवि) अछि रेकोग्निजेद द्वारा वय क सिमिलरिटी-सँ-दिफ्फेरेन्के केँ फमिलिअर ( कुक्कोओ-कवि).

### ३२७. “सुभअश चअन्द्र यदव” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से टोगेथएर, थरेए कोल्लेक्टिओन्स कोन्स्टिटुटे एक सम्पूर्ण लिग्रिक गेओग्रफय क मैथिली स्त्री'स त्रिदिटिओनल गीत: सक्रेद (भक्तिपरक गीतसभ), किविक (सामाजिक रेफोर्म गीतसभ), आ इन्टिमटे (लुल्लबिएस).
- (B) फर्मेस छल स्टिल्ल प्लोउघइन्ग फिएल्ड्स, बुट विथओउट कोलोउर्फुल बर्ड्स, ई मिथिला दिद नहि सेएम लिंके से मिथिला अन्योरे.
- (C) एक समीक्षात्मक रेअदिना क एकर अर्चइटेक्टुरे रेवेअल्स इन्टेल्लेक्चुअल एकोलोग्य से समानान्तर लिटेरेट्युअर्स एन्डोर्सेद आ इन्हाबिटेद.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा उसिन्ग गेनेअलोगिकल रेकोर्ड्स अस एक टोओल लेल सामाजिक देकोन्स्ट्रुक्चिओन रथएर थअन कस्टे संरक्षण, अभिलेख फुन्किटओन्स अस एक पोवेर्फुल इन्स्ट्रुमेन्ट क सामाजिक जुस्टिसे.

### ३२८. अध्याय ८६ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?

- (A) लिने क इन्हेरिटन्के क मिथिला'स शअटपथअ ब्रह्मन आ मिथिला'स समानान्तर लिने क इन्हेरिटन्के भाषा मुस्ट अछि एक्सिस्टेद एवेन बेफोरे रिग्वेद, सभसँ अन्किएन्ट टेक्स्ट क वेदिक संस्कृत.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सोमे फिएल्ड कृति अछि बेएन दोने लेल लोक गीतसभ, लोक नर्रटिवेस, आ लोक देइटिएस मे मैथिली, बुट हर्द्ल्य अन्य फिएल्ड कृति अछि बेएन दोने लेल लोक टलेस.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सेकोन्ड, शए त्रिटेस एक्स्क्लुसिवेल्य मे पोएट्र्य, एक गेन्देरेद स्पेकिअलिसटिओन से देखबैत अछि बोथ लिने क इन्हेरिटन्के क स्त्री'स गीत आ लिग्रिक एक्स्प्रेसिओन मे मिथिला आ स्पेकिफिक कोन्दिटिओन्स क साहित्यिक प्रोदुक्चिओन मे दिअस्पोर.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फिशमन'स गिदस स्कले (ग्रदेद इन्टेर्गेनेरटिओनल दिसुप्तिओन स्कले) मेअसुरेस देग्रेए केँ कोन एक मिनोरिट्य भाषा अछि थरेअटेनेद द्वारा दोमिनन्त भाषा मे टेम्स क इन्टेर्गेनेरटिओनल ट्रान्स्मिस्सिओन.

**३२९. अध्याय ८६ में “सुभअश चअन्द्र यदव” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) लेखक दोएस नहि अछि कोन्ट्रोल ओवर टेक्स्ट.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ओथएर नोटब्ले कृतिसभ इन्क्लुदे शौर्य गअन (गीतसभ क वलोर), जनक नन्दिनि जनकि, आ पोएट्रय कोल्लेक्टिओन सन्झइय.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लजकोटर इन्टेरोगटेस शअमे कोदेस से कोन्फिने स्त्री.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से येत ई अछि सुन्ना मे समे भक्तिपरक कोम्मुनिटय सन्दर्भ अस अनोन्योउस लोक गीतसभ, देमोन्स्ट्रटिन्ग मुल्टि-रेगिस्टर चअरक्टेर क मैथिली भक्तिपरक संस्कृति.

**३३०. अध्याय ८६ (“सुभअश चअन्द्र यदव”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?**

- (A) आ ई प्रिओर क्नोव्लेद्वे क मेअनिन्ग अल्सो देपेन्ड्स पर रेअदेर'स प्रिओर इतिहास आ समकालीन समीक्षात्मक थएओरिएस आ इदेओलोगिएस; सभ थएसे छथि/अछि भागसभ क संस्कृति, सो केना कन थएय हो केप्ट अवय सँ स्ट्रक्चरे?
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वअगत गअन (वेल्कोमे गीत), मक्विर्सस्ट, धवनि, आ सामाजिक-रेअलिस्ट रेअदिन्स ाउ, ाउ, ाउ सभअक वअगत करइ छइ, / नइन मे समौ ह्रिदयसन धअरइ छइ. / उल्लअसक गेएट कटउ सगरो करुन-कन्दन, / उपटि रहल विपटि रहल...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रज्देओ मंडल, मैथिली लेखक: एक देदिकटेद स्टुद्य क रज्देओ मंडल, एक कवि आ उपन्यासकार के रेप्रेसेन्ट्स सुबल्टेर्न स्वर मे आधुनिक मैथिली फिक्शिन.
- (D) अनोथएर मटेर क कोन्फेर्न्स अछि से बेसी आ बेसी नेक्क एमेर्गिन्ग स्त्री कविसभ छथि/अछि टकिन्ग हप्पिनेस्स क किट्य; मन्य स्त्री कविसभ लिके पुरुष कविसभ छथि/अछि दोइन्ग पोएट्रय-क्रेअटिओन सँ किट्य.

**३३१. अध्याय ८८ में “Pātḥak Ji” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) गेएट (गीत) फोर्म मे मैथिली अछि नहि मेरेल्य एक साहित्यिक गेन्ने बुट एक पेफोर्मटिवे आ कोम्मुनल ओने, गीतसभ छथि/अछि सुन्ना अट फेस्टिवल्स, मे होमे, मे अनुष्ठानिक कोन्टेक्स्ट्स, आ अस एक्स्प्रेसिओन्स क सेअसोनल चअनो.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य न्यय: सेकोन्डर्य स्रोतसभ फइल्लिप्स, स्टेफएन H.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ पेस्पेक्टिवे क कुन्टक'स वक्रोकिट थएओर्य, थएओर्य से साहित्यिक एक्स्केल्लेन्के लिएस मे 'ओब्लिक्वुए एक्स्प्रेसिओन' वा क्रेअटिवे देविअटिओन सँ ओर्दिनर्य उसगे, पउटि अस एक साहित्यिक स्यबोल रेप्रेसेन्ट्स एक्सक्ल्युसिभ किन्ड क वक्र...
- (D) उपन्यासकार इन्ट्रोडुकेस रेअदेर'स (Pātḥak Ji) ग्रन्थउघटेर, कुम्कुम.

**३३२. अध्याय ८८ “सुशइल” विषयमे मुख्य रूपें की बल दैत अछि?**

- (A) हुनकर कृतिसभ, अर्चइवेद मे विदेह डिजिटल लिब्रर्य, कोल्लेक्टिवेल्य कोन्स्टिटुटे एक प्रमुख कोन्ट्रिबुटिओन कें मैथिली सांस्कृतिक हेरिटेगे.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लल्बबु ट्रिएस कें गेट रिद क करुन द्वारा वय क परगस, बुट हुनकर विफे अछि दिस्टुर्बेद द्वारा हेअरिन्ग ट्वो वोर्ड्स, "सेए, योउ'ल्ल हो देस्ट्रोयेद." मलय आ अजिट छथि/अछि मे गाम दुरिन्ग होट सुम्मेर.
- (C) अप्प्लियन्ग चओम्प्य'स गोवेर्मेन्ट-आ-बिन्दिन्ग (GB) समीक्षात्मक फ्रमे, कोन पोसिट्स से स्यन्टिफिक मोवेमेन्ट (सुच अस कुएस्टिओन फोर्मटिओन, सुब्जेक्ट रइसिन्ग, आ रेलटिविसिटिओन) अछि गोवेर्नेद द्वारा अब्स्त्रक्ट प्रिन्किप्लेस क गोवेर्मेन्ट, बिन्दिन्ग, आ कसे अस्सिगन्मेन्ट, कें...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समिक्षा/अलोचन/समलोचन (क्रिटिकिस्म आ समीक्षा): मइन्टइनिन्ग समीक्षात्मक स्टन्डर्ड्स नेकेस्सर्य लेल एक लिविन्ग साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के; रेविएक्स क प्रकाशित मैथिली गजल कृति, इदेन्टिफिकटिओन क फोर्मल एर्रोर्स, प्रइसे क सही...

**३३३. अध्याय ८८ “सुशइल” विषयमे मुख्य रूपें की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि, होवेवेर, कम एक पेर्सोनल फइलिन्ग थअन एक फोर्मल कोन्स्ट्रइन्ट: त्रिडिटिओनल गीत गेन्नेस हे कृतिसभ मे कर्य हुनकर गेन्देर अस्सुम्प्टिओन्स अस स्ट्रक्चुरल फेअदुरेस, आ इन्नोवटिओन मे ई दिमेन्सिओन वोउल्द रेकुइरे बेसी एक्स्पेरिमेन्टल...
- (B) झारख अस गेन्ने इन्नोवटिओन मे वोल्द साहित्य कें अस्सेस्स नोवेल्थ क झारख अस एक साहित्यिक फोर्म, ई अछि वोर्थ सिटुअटिन्ग ई इन्सिदे ग्लोबल टक्सोनोम्य क पोएटिक फोर्म्स से कोम्बिने मोरल क्रिटिकुए सँ लोक-ल्यिक स्ट्रक्चुरेस.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट Gāmbāḥa छल नो कोन्नेक्टिओन सँ हुनकर ओल्द मे-लक्स' परिवार मे ई गाम.
- (D) पोएम'स हॅटोरिकल पोवेर लिएस मे ई व्यत्पटि बेइन्ग एस्टब्लिशएद नहि अब्स्त्रक्त्व बुट द्वारा वय क कोन्क्रेटे हिस्टोरिकल एविदेन्के, फटे क अन्निक त्रिटेर्स कोसे कृतिसभ छल रेजेक्टेद द्वारा मैथिली साहित्यिक बोदिएस बेकउसे हुनकर दिअलेक्ट छल नहि 'स्टन्दर्द' मैथिली.

**३३४. अध्याय ८८ सँ कोन विकल्प सही रूपें एकटा बिन्दु सार कहैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट केन हे वेन्ट कें कोउटर्चर्ड्स क योउन्ग स्त्री, ई छल सोमेथइन्ग कें सेए.
- (B) हुनकर गेएट इम्प्ल्य एक मुसिकल्लय लिटेरेटे ौदिएन्के फमिलिअर सँ मैथिली ल्यिक लिने क इन्हेरिटन्के, एक ौदिएन्के से विल्ल हेअर मेलोदिक पोस्सिबिलिटिएस क हुनकर लिनेस.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फोर्मलिस्म, नेव क्रिटिकिस्म, आ नरटोलोग्य सँ एक नेव समीक्षात्मक स्टन्डपूइन्ट (I.एक).
- (D) विदेह एजोर्नल, २०२५. [कोम्मेमोरटिवे निबन्ध पर प्रोफेसर.

**३३५. “सुशङ्खल” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) थएरेफोरे, सँ कोम्पुलिसिओन से मन्य पोएम्स छल कै हो टकेन सँ स्त्री कवि'स पोएट्यू-कोल्लेक्टिओन्स आ मैथिली मगजिनेस, लेल ई, I विल्ल टके 'इन्टेन्टेडनेस्स' (ग्रिटिटुदे).
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से की छल बेएन बुरिएद - दलित'स वेदिक पहचान, हुनकर हिस्टोरिकल रिघट्स -कै दिग ई ओउट आ ब्रिन्ग ई फोर्थ बेकोमेस एक रेवोलुटिओनर्य अक्ट.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्त्री क कटेगोरी क 'बबि', 'मइ', 'पिउस' उसेद कै सय, 'केना दोएस हे प्रक्टिके मेदिकिने, बेइन्ग सो शअमेलेस्स?' जन्चअन छल एक लोवेर क गीतसभ.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सिनिवस'स दोमिनन्ट रस अछि करुन (कोम्पुलिसिओन/पथओस), एमोटिओनल रेगिस्टर अप्रोप्रिएटे कै सुफेरेन्स हे चरोनिकलेस: विदोव्स एक्स्क्लुदेद सँ रिटुअल्स, अगिन्ग मोथएर्स दिस्प्लेकेद द्वारा इन्दिफेरेन्ट सोन्स, कोम्मुनिटिएस लोसिन्ग हुनकर...

**३३६. अध्याय ८८ (“सुशङ्खल”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककै व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एअच सोन'स त्रजेक्टोरी अछि बोथ एक परिवार कथा आ एक नेपाल नटिओनल कथा.
- (B) मे मिथइलन्चअल, अस एलसेक्टेरे मे सोउथ असिअ, 'होनोउर' आ 'शअमे' फुन्किटिओन अस इन्फोर्मल कोदेस क सामाजिक रेगुलटिओन से ओफ्टेन कृति अगइन्ट स्त्री'स लेगल रिघट्स आ पेर्सोनल फ्रेएदोम.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे छल लइद हन्ट्स पर एक ब्रह्मिन; गाम वोउल्द बेकोमे एक मेस्स; वोउल्द थएरे हो एक 'भअर-चअनोर' (कोम्मोटिओन) वा एक 'भअर-दउर' (एक्स्कोम्मुनिकटिओन)?
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर फिबे शएर्स बुइल्द एक कुमुलटिवे एलेग्य लेल सांस्कृतिक पहचान क मिथिला गाम द्वारा वय क सुक्केस्सिवे ओब्सेर्विटीओन्स क स्पेकिफिक लोस्स: लिन्गुइस्टिक कोम्मुनिटि, फोओद संस्कृति, सांगीतिक लिने क इन्हेरिटन्के, परिवार बोन्ड्स, आ दोमेस्टिक...

**३३७. अध्याय ८८ (“सुशङ्खल”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककै व्यक्त करैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गाम सधबा होइत अछि ( गाम अछि गेट्टिन्ग सेट्टलेद) एक कथा मे एपिस्टोलर्य स्ट्रुले.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई टोपोग्रफिकल इन्वेन्टोरी क शअक्ट श्रीनेस अछि इट्सेलफ एक स्वओलर्य कोन्ट्रिबुटिओन क फिर्स्ट इम्पोर्टन्के: ई दोकुमेन्ट्स 'शअक्टि लन्डस्कापे' क मिथिला मे एक स्ट्रुटेमटिक वय, एस्टब्लिशइन्ग से भक्तिपरक लोक गीत लिने क इन्हेरिटन्के...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शए अछि स्पष्ट रूपेँ रेअद अशओक'स दइदिगम अट्टेन्टिवेल्येरे कथा-द्वारा-कथा सुम्मर्य शओव्स दिरेक्ट अक्कुन्टन्के सँ फिफ्टेन कथासभ, हुनकर प्लोट्स, चअरक्टेर्स, आ थएमेटिक कोन्केर्न्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सिंह दोएस नहि गेनेरलिसे अबोउट स्त्री'स ओप्रेसिओन मे अब्जक्ट बुट ग्रोउन्ड्स एअच क्लड्म मे स्पेकिफिक दिअलोगुए आ प्लोट.

**३३८. अध्याय ८९ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई हिघलिघट्स कोम्प्लिकिटि क दोमेस्टिक स्फएरे (रेप्रेसेन्टेद द्वारा मोथएर-मे-लव) मे पट्टिअर्चअल विओलेन्के आ उटिलिजेस मैथिली सांस्कृतिक स्म्बोल्स लिके सम्दओन (फरेवेल्ल गीतसभ) कै बल देब त्रगिक अलिएनटिओन क स्त्री...
- (B) हुनकर एदुकटिओन बेगन मे कर्यन आ वइद्यनथपुर विल्लगेस, कोन्टिनुइन्ग मे दर्भअन्ग, समस्टिपुर, पट्न, आ दिल्ली.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्रेअटिवे कृतिसभ: पोएट्यू, गजल, आ फिक्टिओन ओ एअलर्य इन्टेर्वेन्टिओन्स (हस्टकऽएप, Sākhā) ओ अपोकल्यप्से आ लोवे (प्रलय रहस्य, दुनिया घअर मेहान) ओ कोविद दिअर्य (धअरāsāया हेबअक समय) ओ मैथिली गजल (अपन युधअक Sākṣय) ओ...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से १४४८) द्वारा वय क कोलोनिअल-एर रेविवल्स कै प्रेसेन्ट डिजिटल रेनइस्सन्के एनब्लेद द्वारा विदेह प्लट्फोर्म.

**३३९. अध्याय ८९ (“टरनन्ड वियोगि”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककै व्यक्त करैत अछि?**

- (A) मेटेर कोन्ट्रोवेर्स्य वियोगि'स क्लड्म: मेटेर अछि एक "सन्क्रिटिक इम्पोजिटिओन" द्वारा एक "परसिटिक प्रिएस्ट्ल्य क्लस्स." रेफुटिओन: मेटेर एक्सिस्ट्स मे चअर्यपद (८थ-९थ क.), मल्ल किन्स' कृतिसभ, आ सइन्ड पोएट्यू.
- (B) सांस्कृतिक वोल्ड क मिथिला एकर लन्डस्कापे, एकर लोक गीतसभ, एकर अनुष्ठानिक कलेन्डर, एकर कस्टे आ गेन्देर इनमिक्स, एकर अन्किएन्ट साहित्यिक हेरिटगे मे मैथिली भाषा प्रोविदेस रेनु सँ नहि केवल हुनकर मटेरिअल बुट हुनकर फोर्म्स, हुनकर अएस्थएटिक्स, आ हुनकर एथइक्स.
- (C) विदेह सदेह १२ (प्रेलिम\_१२): गजल १-४, फोउर स्टन्डर्ड घअजल्स, हुनकर एअर्लिएस्ट नुम्बरेद कोन्ट्रिबुटिओन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्रिटिकिस्म ई साहित्यिक क्रिटिकिस्म अनल्यजेस गोपल्लि झा 'गोपेश'स "गुम्म भएल थअध छइ" (१९६६) द्वारा वय क एक स्क्वएसिस क शास्त्रीय इन्दिअन अएस्थएटिक्स, वेस्टर्न मोदेर्निस्ट थएओर्य, विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे, आ...

**३४०. “डॉ. उमेश मंडल” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से १०० CE) Vākस्पटा अछि अमोना सभसँ ब्रिल्लिअन्ट स्ट्रुटेमटिक फइलोसोफएर्स क इन्दिअन लिने क इन्हेरिटन्के.
- (B) थएसे छथि/अछि अनुष्ठानिक-सेअसोनल गीतसभ देएप्ल्य एम्बेदेद मे अग्रिकुल्टुरल-अनुष्ठानिक कलेन्डर क मिथिला.
- (C) सभसँ उचित लिनेस मे निस्टुकि ओपेरेटे प्रेकिसेल्य अट ई ध्वनि लेवेल: की पोएम 'सय्स' अछि सुर्फेके क एक देएपेर रेसोनन्के.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई एवेन्ट बेकमे एक स्म्बोलिक एवेन्ट क दलित स्त्री'स ओप्रेसिओन.

**३४१. अध्याय ११ मे “उमेश पस्वन” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) झा नविगटेस ई सँ रेअसोनब्ले स्किल्ल, फोकुसिन्ग लर्गेल्य पर इन्स्टिटुटिओनल कोन्ट्रिबुटिओन ( विदेह एजोर्नल, एकर अर्चइवेस, एकर रोले मे मैथिली साहित्य) रथएर थअन पर स्पेकिफिक टेक्स्टस.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लेल देकदेस, मैथिली साहित्यिक कनोन छल हेअविल्य इन्फ्लुएन्केद द्वारा दर्भअन्गकेन्ट्रिक "स्टन्दर्द," कोन ओफ्टेन प्रिओरिटीजेद लिन्गुइस्टिक रेगिस्टेर्स क स्रोटीय ब्रह्मिन्स आ गेनेअलोगिकल फोकुस क पंजी-प्रबन्धअ.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि रस मे मोदे क उद्सवह (एन्थउसिअस्म), भअरट'स स्थवयि भव लेल वाररस, एलेवटेद द्वारा वय क हिस्टोरिकल रेफेरेन्के (Āर्यभअत, चान्अक्य, दर्भअन्ग महारज) आ पोलिटिकल अस्पिरिटिओन.
- (D) पोएम दोकुमेन्ट्स मुल्टिप्ले लयेर्स क एक मैथिली स्त्री'स लिफे, अग्रिकुल्टुरल लबोउर, दोमेस्टिक ओप्रेसिओन, आ सांस्कृतिक लिने क इन्हेरिटन्के क स्त्री'स गीतसभ (सोहर अट बिर्थ, समदइन अट मरिअगे), विथओउट रोमन्टिकिसिन्ग अन्य लयेर.

**३४२. अध्याय ११ मे “उमेश पस्वन” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) पस्वन कोम्मुनिटीय मन के अछि अक्कुसेद क बेइन्ग अट ब्रोन्ग प्लके मे ब्रोन्ग टिमे; दलिट स्त्री लबेल्लेद 'चअरक्टेर्लेस्स' लेल रेस्कुइन्ग एक अबन्दोनेद इन्फन्ट; पोओर बोय व्होसे स्कुल एदुकटिओन अछि इन्टेरुप्टेद द्वारा एक रिच मन'स मनिपुलटिओन, थएसे छथि/अछि ...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'Tāकवक Ā भव मे Tहप्प अचइ कोसा महवसेटक Kāज.' विदेह सदेह १५ (प्रेलिम\_१५), पप.
- (C) गजल इन्फ्लुएन्के: अल्बम सिनेहिय द्वारा कुन्ज बिहारी मिश्र अछि रेविएवेद द्वारा प्रदेएप पुशप अस एक प्रमुख एक्स्पेरिमेन्ट मे मैथिली गजल-स्ट्यूले गीत, थओउघ ई उल्लेख करैत अछि टेचनिकल चअल्लेन्गेस क मइन्टइनिन्ग फोर्मल प्रोसोद्य (बेह आ कअफिय) मे आधुनिक पोप...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मनु'स नोटटिओन क स्ट्रल्ले कोउन्ट अप्टेर एअच गजल (ए.ग., 'सरल Vārणइक बह, वरणअ-१८' लेल गजल १) अछि एक पेदगोगिकल गेस्टुरे: ई टेअचएस सही प्रोसोदिक प्रक्टिके केँ रेअदेर्स आ मोदेल्स फोर्म'स टेचनिकल दिस्कप्लिने.

**३४३. अध्याय १२ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) रोमन्टिक गीतसभ ( विरह गीतसभ क सेपरटेद विफे, क्रिशन-रधअ गीतसभ) एवोके श्रीनार रस (लोवे), बोथ सम्भओग श्रीनार (लोवे मे उनिओन, अस मे गोकुलशटमि गीतसभ) आ विप्रलम्भअ श्रीनार (लोवे मे सेपरटिओन, अस मे विफे'स मोन्सोओन...
- (B) टिट्ले 'सदेह' (लितेरल्ल्य 'सँ बोद्य/सुब्टन्के') सिग्नल्स अस्पिरिटिओन केँ गिवे फक्सिकल, प्रिन्टब्ले फोर्म केँ की छल फिर्स्ट प्रकाशित दिगिटल्ल्य.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से जग्दिश चअन्ड ठाकुर 'अनिल' लोकटेस इन्टेर्विअ कोल्लेक्टिओन 'जेन O कहकन' अस एक दोकुमेन्ट क उनिकुए हिस्टोरिकल इम्पोर्टन्के, एक अभिलेख क मौखिक टेस्टिमोन्य सँ सेवेन फिगुरेस व्होसे फिर्स्ट-हन्ड अक्कोउन्ट्स क मैथिली मोवेमेन्ट'स...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे, देवेलोपेद द्वारा गजेन्द्र ठाकुर मे हुनकर रोले अस सम्पादक क विदेह (ISSN २२२९-५४७X), फिर्स्ट मैथिली फोर्टनिघट्ल्य ए-पत्रिका (लउन्वएद २००४...

**३४४. अध्याय १३ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) एक समानान्तर इतिहास क मिथिला आ मैथिली साहित्य.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से व्यष्टि आ लोगिक क राग नव्य न्यय संकल्पना: क व्यष्टि (इन्वरिअब्ले कोन्कोमिटन्के, उनिवेर्सल रुले से उन्देर्लिएस युक्तिसंगत इन्फेरेन्के) प्रोविदेस एक समीक्षात्मक फ्रमे लेल उन्देर्स्टन्दिन्ग राग स्ट्रस्टेम क इन्दिअन संगीत.
- (C) लेखक के प्रेकिसेल्य ओब्सेर्वेस पर्टिकुलर (विइएऽअ) सामाजिक कोन्डिटिओन्स क मिथिला, सुच अस रुलर दिस्प्लेकेमेन्ट वा गेन्देरेद हेअल्थ क्रिसेस, प्रोदुकेस एक कुअलिफिएद कोग्निटिओन (विइइऽअजतान) से रेवेअल्स उनिवेर्सल (सवमवन्त्य) टुथ क हुमन कोन्डिटिओन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नेइथएर रम्जि चौधरी नोर्देस्पिटे हुनकर इन्स्टिटुटिओनल स्टन्दिन्ग, अचअर्य रम्लोचअन शअरन अप्पेअर्स केँ अछि रेकेइवेद सहित्य अकदेमि रेकोग्निटिओन, पोइन्टिन्ग केँ कोन्टिनुएद ओपेरटिओन क इन्स्टिटुटिओनल गटेकेएपिन्ग एवेन लेल फिगुरेस इन्सिदे...

**३४५. “ विदेह समानान्तर ौदिओ विदेओ अभिलेख” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रमेश केदर कनन (कोल्लबोरटोर्स) मल झा सम्पादक बिन्दुसभ हिघलिघटेद मे ई निबन्ध C.C मिश्र २०: बुक्चइ DAI २१ फोउन्डटिओन क मैथिली स्त्री'स त्रिटिन्ग सम्पादक मल झा उल्लेख करैत अछि से मैथिली स्त्री'स त्रिटिन्ग स्टन्ड्स पर फिर्म...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई मुल्टिमेदिअ अप्प्रोअच अछि नहि मेरेल्य अएस्थएटिक; ई अछि एक स्ट्रटेगिक रेस्पोन्से केँ देक्लिनिन्ग लिटेरक्य मे ओरिगिनल टिहुट लिपि आ "इन्वसिओन" क हिन्दी आ नेपलि मेदिअ.
- (C) झा दोएस नहि ब्रिटे अबोउट लोक मुसिकिअन्स आ ग्रस्सोओट्स सांस्कृतिक वोर्केर्स मे ओनटे, सन्स्क्रिटिजेद रेगिस्टर क फोर्मल साहित्यिक क्रिटिकिस्म.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई छल कोन्सिदेरेद केँ हो मे फोर्म्स क लघु कथा, कथा, आ टले.

**३४६. “ एपिस्टेमोलॉजी क परल्लेलिस्म” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एअच सेअसोन अछि एकर त्रिदिऑनल गीत-ट्यूप्स, मेलोदिक मोदेस (राग-भअस), पेफोर्मेटिव ओक्कसिओन्स, आ एमोटिओनल रेगिस्टर्स.
- (B) प्रकाशन द्वारा मिथिला दर्पन प्रकाशन (मुम्बई) सँ सुपोर्ट क मिथिला दर्पन मनगेमेन्ट (प्रोप्राइटोर्स पुशप झा आ सन्जय कुमार झा) अछि इट्सेल्फ एक दिअस्पोर-द्विवेन पुब्लिशइंग अक्ट.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सुर्वेय क प्रमुख कृतिसभ ३.२.१ मोनक पउटि ( कोरल बेअद / स्म्बोल क मरिअद स्त्री) मोनक पउटि (९० पगेस) एनागोस सँ ओने क सभसँ कुल्टुरल्लय चअर्गेद ओब्जेक्ट्स मे मैथिली स्त्री'स लिवेस: मोनक (कोरल) पउटि (स्ट्रिन्ग वा...
- (D) विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रेम देमन्देद से एवेर्य स्वर हो हेअर्द पर बसिस क साहित्यिक मेरिट रथएर थअन कस्टे प्रिविलेगे.

**३४७. “योगनन्द झा, कम्म चौधरी आ ललित झा” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) ग्रंथ कोन्टइन्स ओवर १०० गीतसभ ओर्गनिजेद अरोउन्ड थएमेस इन्क्लुदिन्ग: भक्तिपरक गीत-पद, लोवे गीतसभ (श्रीनगर), गीतसभ क देपटुरे आ सेपरटिओन (बिरह), नटुरे पोएट्रय, आ सामाजिक कोम्मेन्टरी.
- (B) ङान्ट रस (पेअके क क्लरिटी) अछि गोअल: सटिस्फाक्टिओन से कोमेस सँ उन्देस्टन्दिन्ग एक कोम्प्लेक्स स्ट्रुक्चर.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्त्री त्रिटेस मे मैथिली अछि बेएन स्ट्रुक्चरल्लय एकस्क्लुदेद सँ ओप्फिअल साहित्यिक इन्फ्रस्ट्रुक्चर.
- (D) गनोस'स अनल्लिस्स क सब्द-प्रमन (वेबल टेस्टिमोन्य अस एक मेअन्स क युक्तिसंगत क्नोव्लेद्रे) अछि दिरेक्ट्लय प्रासंगिक: लेल गनोस, वलिदिटी क वेबल टेस्टिमोन्य देपेन्ड्स पर ट्रस्ट्वोर्थइनेस्स क स्पेअकेर (अप्टवक्य) आ प्रेकिसिओन क वोर्ड-मेअनिन्ग...

**३४८. अध्याय १०० सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे वोर्केद लेल सभसँ क हुनकर लिफे सँ ओउट्सिदे मइन्स्ट्रेअम इन्स्टिटुटिओनल किर्कुइट, मे एक प्रोविन्किअल स्वओललर्य मोदे से विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रेम रेकोग्निसेस अस चअरक्टेरिस्टिक क एकर कोउन्टेर-कनोनिक्ल लिने क इन्हेरिटन्के.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से भअभअ, आ गयट्रि चअक्वोर्त्य स्पिक्व ओप्फेर टोओल्स लेल रेअदिन्ग मिश्र'स एनागोमेन्ट सँ पहचान, भाषा, आ सांस्कृतिक सुर्विवल.
- (C) मैथिली अछि हुनकर मोथएर टोन्गुए, आ नेपाल आ हिन्दी हुनकर अक्कुइरेद सेकोन्ड लन्गुअगेस, एक बिओग्रफइकल फाक्ट क नो स्मल्ल सिग्निफिकन्के: हे अछि एक नटिवे स्पेअकेर स्वओलर क एक भाषा हे स्पेन्ट एक लिफेटीमे अनल्लिस्सन्ग फोर्मल्लय, एक पोसिटिओन से गिवेस हिम दुअल...
- (D) गायक अछि थएरेफोरे, मे शास्त्रीय इन्दिअन समीक्षात्मक फ्रेम, एक प्रिमर्य रस-मेदिउम: ओने द्वारा वय क व्होसे स्वर एमोटिओनल एस्सेन्केस क टेक्स्ट छथि/अछि मदे ौदिब्ले आ फेल्ड.

**३४९. अध्याय १०० सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से जकोब्सोन'स 'पोएटिक फुन्किऑन', प्रोजेक्टिओन क प्रिन्किप्ले क एक्कुइवलेन्के सँ अक्सिस क सेलेक्टिओन ओन्टो अक्सिस क कोम्बिनेटिओन, अछि विसिब्ल्य ओपेरेटिवे मे खएबइयन'स रेफ्रइन स्ट्रुक्चर.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: इन्दिअन फ्रेमवोर्क्स | ६.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई कोन्टइन्स यदव'स ओव्न ' मैथिली भाषा आ लिन्गुइस्टिक्स: एक ओवेर्विअ' (पप).
- (D) हुनकर सोन सट्यजिट मिश्र स्टुडिएद तबला अट ग्रुअटे लेवेल्; ट्वो सोन्स सन्ग; हुनकर दउघटेर अछि एक पेफोर्मिन्ग गायक मे सुगम आ लोक संगीत.

**३५०. “रंजना झा” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?**

- (A) सखुआवाली ( नारी विमर्श केन्द्रित ) भपटियाहीमे भेल ८३ म सगर राति दीप जरयमे पठित कथा सभक संकलन
- (B) इलारानी सिंह ( सौजन्य - नचिकेता )
- (C) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )
- (D) प्रीति ठाकुर

**३५१. “मैथिली ठाकुर” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?**

- (A) अणिमा सिंह ( सौजन्य - नचिकेता )
- (B) १.कामिनीक पांच टा कविता आ ओइपर मधुकान्त झाक टिप्पणी
- (C) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )
- (D) रजनी छाबड़ा (सौजन्य- डॉ शिव कुमार प्रसाद)

**३५२. “रजनी पल्लवी” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?**

- (A) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )
- (B) डॉ . कमला चौधरी ( सौजन्य - कमला चौधरी )
- (C) सुस्मिता पाठक ( सौजन्य - केदार कानन / शिवशंकर श्रीनिवास )
- (D) डॉ . ललिता झा ( सौजन्य - ललिता झा )

३५३. “गजल - ३” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) कल्पना झा, पटना (सौजन्य- कल्पना झा)
- (B) अनूदित साहित्य आ समानान्तर इतिहास
- (C) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )
- (D) सुस्मिता पाठक ( सौजन्य - केदार कानन / शिवशंकर श्रीनिवास )

३५४. “झिझि या” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) चौबटिया (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)
- (B) बृखेश चन्द्र लाल , जनकपुरक सौजन्यसँ
- (C) कृष्ण कुमार कश्यपसँ गजेन्द्र ठाकुर द्वारा लेल साक्षात्कार
- (D) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)

३५५. “पूनम मिश्र” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) जगदीश चन्द्र ठाकुर ( ३ टा बाल कविता जइमे २ टा कविता बेबी चाइल्डपर )
- (B) डॉ . कामिनी कामायनी
- (C) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )
- (D) आभा झा (सौजन्य- आभा झा)

३५६. प्रेमलता मिश्र ‘प्रेम’क मूल्यांकन कठिन किएक कहल जा सकैत अछि?

- (A) अभिनय क्षणिक कला अछि आ पुरान रंगमंचीय प्रस्तुति सभक पर्याप्त रेकर्डिंग उपलब्ध नहि होइत
- (B) लेखन असंभव
- (C) हुनकर काज महत्त्वहीन
- (D) रंगमंच साहित्य नहि

३५७. “सौम्या झा” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )
- (B) मुन्नी कामत ( सौजन्य - मुन्नी कामत )
- (C) अरुन्धती देवी ( सौजन्य - रमानन्द झा " रमण " )
- (D) लेखिका सभक रचना

३५८. ‘मैथिलीमे अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरणक इतिहास’ शीर्षकसँ कोन आलोचनात्मक क्षेत्र खुलैत अछि?

- (A) अनुवाद केँ स्वतन्त्र कला, सिद्धान्त आ इतिहास सहित पढ़बाक क्षेत्र
- (B) अनुवादमे सांस्कृतिक अर्थ नहि
- (C) अनुवाद समीक्षा सँ बाहर
- (D) अनुवाद केवल शब्द बदलब

३५९. नाटक विधामे ‘मंचनयोग्यता’ आ ‘पाठयोग्यता’ अलग-अलग किएक परखल जाए?

- (A) लिखित संवाद नीक हो सकैत अछि, मुदा मंच पर गति, दृश्य, ध्वनि आ अभिनयक माँग अलग होइत अछि
- (B) पाठयोग्यता नाटकमे बेकार अछि
- (C) मंचनयोग्यता केवल कवितामे होइत अछि
- (D) दुनू सदैव एके बात अछि

३६०. प्लेटो आ अरस्तू सन विचारकक प्रसंग समीक्षाशास्त्रमे कोन भूमिका निभबैत अछि?

- (A) गजल छन्द गनैत अछि
- (B) कला पर प्राच्य-पाश्चात्य दार्शनिक बहसक पृष्ठभूमि देइत अछि
- (C) केवल नाटकक पात्र-सूची बनबैत अछि
- (D) कथा-कथन रोकेत अछि

३६१. “सौम्या झा ❀” कोन उप-समूह/सूचीमे भेटैत अछि?

- (A) ❀ मुन्नी कामत ( सौजन्य - मुन्नी कामत )
- (B) ❀ मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )
- (C) ❀ प्रेमलता मिश्र प्रेम
- (D) ❀ डॉ . कामिनी कामायनी

३६२. “अनामिका झा” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )
- (B) खोज आ इण्डेक्स
- (C) डॉ . कामिनी कामायनी
- (D) नीता झा ( सौजन्य - नीता झा )

३६३. प्रेमलता मिश्रक अभिनय पर ‘वर्तमानमे ९०% मूल्यांकन संभव नहि’ सन विचार कोन चेतावनी दैत अछि?

- (A) प्रदर्शन-कला केँ समय पर रिकॉर्ड, लिखित आ संग्रहित नहि केलासँ इतिहास खो जाइत अछि
- (B) संग्रहणक जरूरत नहि
- (C) रंगमंच क्षणिक तें तुच्छ
- (D) मूल्यांकन असंभव तें छोड़ू

३६४. बाल गजलमे विद्यालयक प्रसंग कखन कलात्मक बनैत अछि?

- (A) जखन केवल नियमावली पढ़ाओल जाए
- (B) जखन पाठशाला केवल उपदेश नहि, बच्चाक हँसी, डर, दोस्ती आ खोजक संसार बनैत अछि
- (C) जखन कविता परीक्षा-सूची बनि जाए
- (D) जखन बालकक आवाज नहि हो

३६५. “दीपशिखा झा” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )
- (B) लक्ष्मी ठाकुर
- (C) लेखिका सभक रचना
- (D) नीता झा ( सौजन्य - नीता झा )

३६६. प्रेमलता मिश्रक मूल्यांकनमे ‘दक्षता’ पर जोर रंगमंचक कोन पक्ष देखबैत अछि?

- (A) अभिनय सहज बिना अभ्यास
- (B) दक्षता केवल प्रमाणपत्र
- (C) अभिनय अभ्यास, अनुशासन, समय-बोध, संवाद, देह-भाषा आ मंच-सामूहिकता पर आधारित कला अछि
- (D) मंच पर अनुशासन नहि

३६७. ‘कला लेल वरिष्ठता नै दक्षता मापदंड छै’ कथन कोन मूल्य स्थापित करैत अछि?

- (A) कला मे पद, उमेर वा प्रतिष्ठा नहि, कौशल, साधना आ प्रस्तुति-क्षमता निर्णायक अछि
- (B) कला मे अभ्यासक जरूरत नहि
- (C) दक्षता गौण
- (D) वरिष्ठता ही कला

३६८. “अपन मैथिली” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) मैलोरंग-१ ( सौजन्य- प्रकाश झा )
- (B) मैथिली सीखू · संकेत भाषा
- (C) मैथिली गजल ( गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )
- (D) यू-ट्यूब चैनल आ रेडियो

३६९. सियाराम झा 'सरस', स्व. कलानन्द भट्ट आ डॉ. राजेन्द्र विमल केर सामूहिक उल्लेख कोन बात लेल अछि?

- (A) खाँटी मैथिली गजलकारक रूपमे चिन्हल जाइत छथि
- (B) ई सभ केवल नाटककार छलाह
- (C) ई सभ महिला हस्ताक्षर छलाह
- (D) ई सभ गजल-विधाक विरोधी छलाह

३७०. 'नाटकक विकास'क चर्चा केवल लेखक-नामसँ किएक पूर्ण नहि होइत?

- (A) विकासमे पाठ, मंच, दर्शक, संस्था, आलोचना, भाषा आ तकनीक सभ सम्मिलित अछि
- (B) लेखक-नाम पर्याप्त अछि
- (C) दर्शकक भूमिका शून्य अछि
- (D) मंचन इतिहाससँ बाहर अछि

३७१. नाटकक समीक्षा मे 'भावनापूर्ण संवाद आ क्रियाकलाप' पर जोर किएक अछि?

- (A) नाटक केवल उपन्यासक सार अछि
- (B) नाटक मंचीय क्रिया आ संवादसँ जीवित होइत अछि
- (C) नाटकमे दर्शकक भूमिका नहि
- (D) नाटकमे कथानक नहि होए

३७२. प्रेमलता मिश्रक काज पर प्रश्न बनबैत समय कोन प्रकारक प्रश्न कमजोर मानल जाएत?

- (A) रंगमंच-दर्शन
- (B) नारी-सशक्तिकरण
- (C) केवल कोन लेख कोन पृष्ठ पर अछि वा अनुक्रम संख्या कतेक अछि
- (D) स्मृति-लेखन

३७३. प्रेमलता मिश्रक योगदानक शिक्षण-उपयोगिता की अछि?

- (A) मैथिली रंगमंच, स्त्री-अध्ययन, प्रदर्शन-कला आ सांस्कृतिक इतिहास पढ़ेबामे उदाहरण रूपे
- (B) शिक्षणमे उपयोग नहि
- (C) स्त्री-अध्ययन असंगत
- (D) रंगमंच पाठ्यक्रम बाहर

३७४. बाल गजलमे पर्यावरण-चेतना केना कलात्मक बनि सकैत अछि?

- (A) चिड़ै, पेड़, नदी, वर्षा संग बच्चाक आत्मीय संबंध रचि
- (B) प्रकृति-विरोधी नारा देलासँ
- (C) केवल आदेश-पत्र देलासँ
- (D) सभी बिम्ब हटाएलासँ

३७५. 'सांचा सोनारकें नहि गढ़बाक कला होइछ' समीक्षा-शीर्षकक गजल-संदर्भमे अर्थ की अछि?

- (A) समीक्षा बेकार
- (B) सोनारक कथा मात्र
- (C) गजल-रचना मे शिल्प-संस्कार, कसौटी आ परिष्कारक अनिवार्यता
- (D) गजल बिना नियमक होइत अछि

३७६. 'परकाया-प्रवेश' बाल लेखकक लेल किएक आवश्यक कहल गेल?

- (A) लेखक बच्चाक मन, दृष्टि आ अनुभव-जगतमे प्रवेश कए लिखए
- (B) लेखक केवल अपन वयस्क अनुभव रखए
- (C) बालक पात्र हटाए
- (D) कथा ऐतिहासिक निबंध बनि जाए

३७७. अनुवादित बालनाटक वा कथा मे भाषा-सादगीक अर्थ की नहि अछि?

- (A) सादगी केवल छोटे वाक्य
- (B) सादगी मतलब खराब भाषा
- (C) सादगी मतलब सपाटपन नहि; बाल-मानसक अनुरूप स्पष्ट, जीवंत, लययुक्त भाषा
- (D) सादगी मतलब विचारहीनता

३७८. बहर अथवा लय बाल गजलमे किएक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लय केवल नाटकक गुण अछि
- (B) लय बाल-साहित्यमे हानिकारक अछि
- (C) लय सँ अर्थ नष्ट होइत अछि
- (D) लय स्मरण, पाठ, गायन आ रस-ग्रहणकें सहज बनबैत अछि

३७९. बाल गजलमे 'सरल भाषा'क अर्थ की नहि अछि?

- (A) सरलता मतलब छंदहीनता
- (B) सरलता मतलब केवल टूटी भाषा
- (C) सरलता सपाट, अशुद्ध वा कलाहीन भाषा नहि अछि
- (D) सरलता मतलब विचारहीनता

३८०. बाल गजलमे पुनरुक्ति कब कलात्मक बनैत अछि?

- (A) हर पुनरुक्ति गलती अछि
- (B) जखन ओ लय, रदीफ, खेल वा भाव-वृद्धि करैत अछि
- (C) पुनरुक्ति अर्थहीन सजावट
- (D) पुनरुक्ति सदैव पृष्ठ भरबाक साधन

३८१. हुनकर मूल्यांकनमे 'कवि' आ 'सेवी' शब्दक मेल कोन अर्थ दैत अछि?

- (A) कला आ सेवा विरोधी
- (B) कला मातृभाषा, समाज आ लोकस्मृति सेवा बनि सकैत अछि
- (C) सेवा साहित्य घटबैत अछि
- (D) कवि केवल सौंदर्यकर्मी

३८२. गजलमे 'भावना'क आलोचना कखन कएल जाए?

- (A) जखन भाषा स्वाभाविक हो
- (B) जखन बहर सही हो
- (C) जखन भाव सघन हो
- (D) जखन भावना कृत्रिम, उधार, अतिनाटकीय वा शिल्पहीन हो

३८३. "गजल-३" कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) कृष्ण कुमार कश्यपसँ गजेन्द्र ठाकुर द्वारा लेल साक्षात्कार
- (B) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)
- (C) विभिन्न भाषासँ अनूदित गद्य आ पद्य रचना (खण्ड-२) (विदेह [www.videha.co.in/](http://www.videha.co.in/) पेटार अंक १-३५० सँ)
- (D) मैथिली सीखू · संकेत भाषा

३८४. "बहरे मुतकारिब" कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) विदेह/सदेह अंक आ नाट्य/नाटक विशेष सामग्री
- (B) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)
- (C) मैथिली सीखू लेअर्न मैथिली
- (D) मैथिली- भोजपुरी अकादमी , द्वारका , नई दिल्ली सेमीनार

३८५. “सुरेन्द्र राउत” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) पोथड़ हर्द्वक्क
- (B) सगर राति दीप जरय आ नाट्य उत्सव
- (C) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)
- (D) यू-ट्यूब चैनल आ रेडियो

३८६. “मैथिली - नेपाली सीखू” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)
- (B) न्केट भअशअ सन्नाम
- (C) यू-ट्यूब चैनल आ रेडियो
- (D) विदेह/सदेह अंक आ नाट्य/नाटक विशेष सामग्री

३८७. “गजेन्द्र ठाकुर — ४७. उल्कामुख (नाटक) (२०२३)” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)
- (B) प्राचीन नाटक / अंकिया नाट / शास्त्रीय मैथिली रंगमंच
- (C) ऑडियो बुक · रीड-अलाउड · संकेत भाषा
- (D) विदेह पोथी सँ नाटक/नाट्य/एकांकी पोथी

३८८. “१५ लक्ष्मीदेव — कुमारहरण नाट शत स्कंध रावण वध (अंकिया नाट)” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)
- (B) सगर राति दीप जरय आ नाट्य उत्सव
- (C) प्राचीन नाटक / अंकिया नाट / शास्त्रीय मैथिली रंगमंच
- (D) विदेह मैथिली साहित्य/ नाट्य/ कविता/ परिचर्चा उत्सव

३८९. “काठक लोक- महेन्द्र मलंगिया भाग- १” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) मैलोरंग-१ ( सौजन्य- प्रकाश झा)
- (B) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)
- (C) न्केट भअशअ सन्नाम
- (D) प्राचीन नाटक / अंकिया नाट / शास्त्रीय मैथिली रंगमंच

३९०. “ओब्नेर I लोवे मिथिला” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) यू-ट्यूब चैनल आ रेडियो
- (B) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)
- (C) मैथिली सीखू लेअर्न मैथिली
- (D) मैथिली सीखू · संकेत भाषा

३९१. “रश्मि दत्त” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) "विदेह" इस्ट मैथिली फोर्टनिघटल्य एजोर्नल अभिलेख क ौदिओस-विदेओस ' विदेह ' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका ऑडियो- वीडियो आर्काइव मैथिली ऑडियो- वीडियो संकलन (पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल) ऑडियो- वीडियो देखबाक लेल सबधित लिंकें क्लिक करू। लेल विएविन् ौदिओस-विदेओस क्लिक रेस्पेक्टिबे लिन्क्स.
- (B) यू-ट्यूब चैनल आ रेडियो
- (C) खोज आ इण्डेक्स
- (D) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)

३९२. “लोक कला केन्द्र” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) सगर राति दीप जरय आ नाट्य उत्सव
- (B) खोज आ इण्डेक्स
- (C) यू-ट्यूब चैनल आ रेडियो
- (D) "विदेह" इस्ट मैथिली फोर्टनिघटल्य एजोर्नल अभिलेख क ौदिओस-विदेओस ' विदेह ' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका ऑडियो- वीडियो आर्काइव मैथिली ऑडियो- वीडियो संकलन (पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल) ऑडियो- वीडियो देखबाक लेल सबधित लिंकें क्लिक करू। लेल विएविन् ौदिओस-विदेओस क्लिक रेस्पेक्टिबे लिन्क्स.

३९३. “गजेन्द्र ठाकुर — ४६. गंगा ब्रिज (नाटक) (२०२३)” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) विदेह पोथी सँ नाटक/नाट्य/एकांकी पोथी
- (B) मैथिली फिल्म आ रंगमंच
- (C) २२ नोवेंबर २०१२ उगन रे- द्वारा शओल नारायण (प्रे-ज्योतिरिशवर नोन ब्रह्मिन विद्यापति'स लिफे एपिसोदे)
- (D) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)

३९४. “मैथिली पथशाला द्वारा वन्दन झा” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)
- (B) मैथिली सीखू लेअन मैथिली
- (C) मैथिली- भोजपुरी अकादमी , द्वारका , नई दिल्ली सेमीनार
- (D) चौबटिया (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

३९५. “मैथिली ऑडियो बुक्स” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) मैथिली सीखू · संकेत भाषा
- (B) ौदिओबोओक्स (अंग्रेजी अनुवाद क मैथिली साहित्य)
- (C) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)
- (D) ऑडियो बुक · रीड-अलाउड · संकेत भाषा

३९६. “विदेह आ सदेह दुनू” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)
- (B) विदेह सदेह २८
- (C) "विदेह" इस्ट मैथिली फोर्टनिघटल्य एजोर्नल अभिलेख क ौदिओस-विदेओस ' विदेह ' प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका ऑडियो- वीडियो आर्काइव मैथिली ऑडियो- वीडियो संकलन (पूर्णतः अव्यवसायिक उद्देश्य आ मात्र एकेडमिक प्रयोग लेल) ऑडियो- वीडियो देखबाक लेल सबधित लिंक क्लिक करू। लेल विएविन्ग ौदिओस-विदेओस क्लिक रस्पेक्टिवे लिन्क्स.
- (D) २२ नोवेंबर २०१२ उगन रे- द्वारा शओल नारायण (प्रे-ज्योतिरिशवर नोन ब्रह्मिन विद्यापति'स लिफे एपिसोदे)

३९७. “पोथड़ टोमे १” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) पोथड़ हर्द्वक्क
- (B) मैथिली मोविएस पर रेन्ट
- (C) प्राचीन नाटक / अंकिया नाट / शास्त्रीय मैथिली रंगमंच
- (D) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)

३९८. “ कोमेट'स कोम: लोस्ट मे फ्रोजेन क्लोउड्स (२०२६) ौदिओबोओक” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) ौदिओबोओक्स (अंग्रेजी अनुवाद क मैथिली साहित्य)
- (B) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)
- (C) खोज आ इण्डेक्स
- (D) चौबटिया (सौजन्य- धीरेन्द्र प्रेमर्षि)

३९९. “फ्लोवेर्स ब्लोओमिंग पर एक विथएरेड ट्रे (२०२५) ौदिओबोओक” कोन भाग/उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि?

- (A) मैथिली सीखू · संकेत भाषा
- (B) [सेरिएस आईएसबीएन नुम्बर: ९७८-९३-५८१२-४८६-६]
- (C) ौदिओबोओक्स (अंग्रेजी अनुवाद क मैथिली साहित्य)
- (D) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)

४००. “अन्यइन्टर अखअर: रेकोर्ड सँ २०१४ कँ २०१५” केर निरूपण अनुसार, कोन कथन सही अछि?

- (A) ई निरूपित करैत अछि मटेर अस फोल्लोक्स: मन्य मैथिली गजल-कोम्पोसेस छल उन्दिस्किप्लिनेद सँ बिन्दु क विएव क मेटे
- (B) ई प्रस्तुत करैत अछि बिन्दु से मे ौगुस्ट २०१५ थएरे छल एक टोटल क एडिघट पोस्ट्स: फोउर घअजल्स द्वारा कुन्दन कुमार कर्न जि आ फोउर घअजल्स द्वारा अशइश अन्यइन्टर
- (C) विषय अप्पेन्डिक्स १ अप्पेअर्स मे ओउटलिने क कृति आ अछि पर्ट क सम्पूर्ण कोवेरगे क मैथिली गजल
- (D) ई रूपरेखा बनबैत अछि इदेअ ई वय: सरासर भूल करते हैं उन्हें जो प्यार करते हैं बुराई कर रहे हैं और अस्वीकार करते हैं उन्हें अवकाश ही इतना कहां है मुझसे मिलने का किसी से पूछ लेते हैं यही उपकार करते हैं जो ऊंचे चढ़ के चलते हैं वे नीचे देखते हरदम

#### ४०१. अध्याय २ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि देस्क्रिबेद पर कोवेर अस 'एक पेएल्लेस्स कोल्लेक्टिओन क मैथिली गीत-पद' (एक पेएल्लेस्स कोल्लेक्टिओन क मैथिली गीत-पद, कोम्पोसेद द्वारा श्री सयिन झा 'सरस').
- (B) नव्य-न्याय समीक्षात्मक फ्रमे अछि पेकुलिअर्ली अप्प्रोप्रिएट लेल एवलुएटिओन क मउन'स कृति: बोथ गॉगेंड आ मउन छथि/अछि प्रोदुक्त्स क समे सोइल.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वक्रोक्ति आ भअव्थ झा'स साहित्यिक स्वर मे हुनकर मैथिली क्रेअटिवे त्रिटिन्ग, पार्टिकुलर्ली बिहनि कथअस (उल्ल-लघु कथासभ) आ लोन्ग कथा घउरि ाउ कमल, भअव्थ झा एम्प्लोय्स की कुन्टक'स वक्रोक्तिजिविट वोउल्द कल्ल...
- (D) मे हुनकर हिन्दी मोनोग्रफ, भारतीय साहित्य के निर्माता: गंगेश उपाध्याय, उदयनथ झा 'अशओक' दटेस गन्गेस केँ अप्प्रोक्सिमेटेल्य १३००-१३५० CE.

#### ४०२. “शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से आधुनिक इन्डियन क्रिटिकिस्म हजरि प्रसाद द्विवेदि (१९०७-१९७९) कोन्ट्रिबुटेद संकल्पना: क 'जन्पद चएन' (रेगिओनल लोक कोन्सिओउस्नेस्स) अस देमोक्रेटिक कोरे क वेर्नकुलर साहित्य, अर्गुइन्ग से सभसँ वितल इन्डियन साहित्यिक लिने क...
- (B) गॉगेंड देफेन्ड्स उपमत्तन अस एक इन्डेपेन्डेन्ट प्रमार्ग बेकउसे सिमिलरिट्य-बसेद क्नोव्लेदे कन्नोट हो रेदुकेद केँ इन्फेरेन्के: क्नोविन्ग से नन्द'स परिवार रेसेम्ब्लेस मेमोइरिस्टिक नोवेल्स क नगर्जुन/यट्टि रेकुइरेस पेर्केइविन्ग सिमिलरिट्य, नहि जुस्ट इन्फेर्न्ग ई...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नटक क लेल (१९७४): लेल एक प्लय / लेल सके क नाटक Nāटकक लेल अछि एक मेटथएअटेरिकल कृति मे लिने क इन्हेरिटन्के क प्लय्स-अबोउट-प्लय्स, पिरन्डेल्लो'स सिक्स चअरक्टेर्स मे सेअर्च क एक लेखक, अनोउइल्ह'स अन्टिगोने, ब्रेचट'स ...
- (D) विदेह सदेह १५ (प्रेलिम\_१५): लेस्बियन कोन्टिनुउम (लेस्बियन कॉन्टिन्युअम) / Māट्रूट्व (मोथएहोओद) / नेटवर्ज (लेअदेर), प्य.

#### ४०३. “लेस्बियन कोन्टिनुउम” निबंध” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सफि'स टेक्स्ट कोन्फिर्म्स ई: हुनकर इन्डिविदुअल जोउर्नेय सँ मन्थ केँ नेपाल केँ पुन्जब केँ बंगालोरे आ बक्क अछि अल्सो जोउर्नेय क थओउसन्ड्स क मैथिली दलित मिग्रन्ट्स के फोल्लोव समे रोउटे द्विवेन द्वारा समे पोवेर्ट्य आ समे...
- (B) हुनकर नो एन्ट्यू: Mā प्रविश छल फिर्स्ट प्रमुख मैथिली प्लय केँ हो प्रकाशित अस एक ए-टेक्स्ट द्वारा वय क विदेह एजोर्नल, गजेन्द्र ठाकुर'स २१-पगे इन्ट्रोदुक्तिओन केँ प्लय अछि इट्सेल्फ एक लन्डार्क क मैथिली रंगमंच क्रिटिकिस्म.
- (C) सुफि लिने क इन्हेरिटन्के, कोन कमे केँ दोमिनटे पेर्सिअन गजल, अछि मे सोमे सेन्से एक स्ट्रथएसिस क बोथ पोलेस: ई टकेस सेल्फ-अन्निहिलटिन्ग देवोटीओन क उधरि लोवे आ अप्पिएस ई केँ दिविने, व्हिले रेटइनिन्ग सेन्सुओउस इमगेर्य क हेजजि लिने...
- (D) 'लेस्बियन कोन्टिनुउम' निबंध: एक लन्डार्क मे मैथिली फेमिनिस्ट क्रिटिकिस्म शअन्ति लक्ष्मि चौधरी'स 'लेस्बियन कोन्टिनुउम' (लेस्बियन कॉन्टिन्युअम), प्रकाशित मे विदेह सदेह १५ अलोन्सिदे 'Māट्रूट्व' (मोथएहोओद) आ 'नेटवर्ज', अछि अमोन्ग सभसँ थएओरेटिकल्ल्य...

#### ४०४. “अनुभाग २१” मे चलल विवेचनसँ कोन कथन मेल खाइत?

- (A) ई निरूपित करैत अछि मट्टेर अस फोल्लोव्स: मन्य मैथिली गजल-कोम्पोसेर्स छल उन्दिस्किप्लिनेद सँ बिन्दु क विएव क मेट्रे
- (B) ई अछि अल्सो नेएदेद केँ क्नोव से मइथइल्स सेअर्च लेल रथअ आ क्रिशन मे विद्यापति'स एक्स्प्रेसिओन्स सुच अस कुच-पयोधअर आ सो पर
- (C) ई निरूपित करैत अछि मट्टेर अस फोल्लोव्स: मे रेअलिट्य, कविट्ट छल फिर्स्ट केवल एक मेट्रे; लटेर ई एक्स्पन्डेद आ मन्य दिविसिओन्स आ सुब्दिविसिओन्स सुच अस भैरव, कल्लेद पयव्वर मे बांग्ला, रूप्-घअनव्वकअरा, घअनव्वकअरा, मन्हरा आ ओथएर्स छल फोर्मेद
- (D) ई रूपरेखा बनबैत अछि इदेअ ई वय: होवेवेर, व्हेन रेअदेर्स टके पस्त अस कफिय क मस्त मे मट्टल, ई बेकोमेस ओब्लिगटोर्य से कफिय क एवेर्य शएर हो स्त

#### ४०५. “शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एअर्ली स्ट्रुक्चरल निरूपण क मैथिली अग्रेएमेन्ट मे एक नेपलेसे लिन्गुइस्टिक्स सन्दर्भ, प्रोविदिन्ग एम्पिरिकल फोउन्डटिओन लेल लटेर कोल्लबोरटिवे कृति सँ बिक्केल आ बिसन्ग.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से इ न ट र ओ द उ क ट इ ओ न: एक Q उ इ ए ट G इ एक न ट ओ फ M एक इ ट ह इ ल इ L इ ट ए र एक ट उ र ए रज्जन्दन लाल दास (राजनन्दन लाल दास) स्टन्ड्स अमोन्ग सभसँ सेल्फलेस्स, देदिकटेद, आ कुइएट्ल्य कोन्सेकुएन्टिअल फिगुरेस मे इतिहास क आधुनिक...
- (C) हुनकर प्रेलिम\_१४ पिएके 'मतिभरम' (कोन्फुसिओन/देलुसिओन) अछि एक टिट्ले से रेसोनटेस सँ फेमिनिस्ट क्रिटिकुए क फल्ले कोन्सिओउस्नेस्स, कुएस्टिओन क व्होसे वलुएस आ व्होसे रेअलिट्य कोन्स्टिटुटे नोर्मटिवे समीक्षात्मक फ्रमे से स्त्री छथि/अछि एक्स्पेक्टेद केँ अक्केप्ट.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कशयप आ शअशइ बल'स कृति थउस स्टन्ड्स इन्सिदे एक थएओरेटिकल्ल्य रेस्पेक्टब्ले लिने क इन्हेरिटन्के, एवेन इफ ई सिट्स उन्कोम्फोर्टब्ल्य सँ समकालीन सामाजिक कोन्सेर्वटिस्म.

४०६. “७” मे चलल विवेचनसँ कोन कथन मेल खाइत?

- (A) ई समझबैत अछि से लिकेविसे मे साहित्य, मे इनिटिअल मंच ओने मय एन्टेर थरोउघ टलेन्ट वा थरोउघ स्टुद्य, बुट लटेर, कैं बेकोमे सम्पूर्ण, टलेन्टेद मुस्ट अछि स्टुद्य आ स्टुदिओउस मुस्ट अछि टलेन्ट
- (B) ई निरूपित करैत अछि मट्टेर अस फोल्लोव्स: मन्य मैथिली गजल-कोम्पोसेर्स छल उन्दिस्किप्लिनेद सँ बिन्दु क विएव क मेट्रे
- (C) ई निरूपित करैत अछि मट्टेर अस फोल्लोव्स: भाषा-देपेन्डेन्ट सिग्निफिएस से अस प्रिन्किप्लेस क भाषा चअनो, प्रिन्किप्लेस क गजल अल्सो चअनो, एक्स्केप्ट लेल रदिफ आ स्थलबिक पट्टेर्न, से अछि, बहर
- (D) ई प्रस्तुत करैत अछि बिन्दु से बुट हेरे ओने मुस्ट रेमेम्बेर से गजल अल्वय्स देपेन्ड्स उपोन् प्रोनुन्किअटिओन; आ व्हेन योउ आ लेखक छथि/अछि हेअरिन्ग मे दइल्य प्रक्टिके से फिर्स्ट प्रोनुन्किअटिओन-स्ट्यूले क इ अछि विदेल्स्य उसेद, थएन सोफइस्ट्यू क

४०७. अनुसार कैं गद्यांश, की छथि/अछि एफ्फेक्ट्स क इन्दिस्क्रिमिनेट उसे क फेर्टिलिजेर्स? (सीसैट-२०१३) १. अद्विडिओन क पोल्लुटन्ट्स कैं सोइल आ वटेर. २. देस्ट्रुक्टिओन देकोम्पोसेर क मिक्रोओर्गानिस्म मे सोइल. ३. नुट्रिएन्ट एन्ट्रिचमेन्ट क वटेर बोदिएस. ४. क्रेअटिओन क अल्लाल ब्लोओम्स. सेलेक्ट सही उत्तर सँ कोदेस गिवेन बेलोव:

- (A) १, २ आ ३ केवल
- (B) १, ३ आ ४ केवल
- (C) २ अरिद ४ केवल
- (D) १, २, ३ आ ४

४०८. की स्पेकिफिक मोन्थ अछि रेकोम्मेन्डेद लेल द्रूयिन्ग आ मइन्टइनिन्ग पल्म-लेअफ (टलपत्र) पंजी रेकोर्ड्स?

- (A) बेकउसे वस्त मजोरिटीय क हिस्टोरिकल पंजी मनुस्क्रिप्ट्स छथि/अछि त्रिट्रेन एक्स्क्लुसिवेल्य मे से लिपि.
- (B) B.एक. (बचएलोर क अर्ट्स), इन्दिक्टिन्ग हुनकर एदुकटिओनल कुअलिफिकटिओन.
- (C) मोन्थ व्हेन सुन अछि मे जोदिअक सिग्न क लेओ (सिम्भअ), रोउघल्य १६ ौगुस्ट कैं १५ सेप्टेम्बेर.
- (D) अक्कोउन्टन्ट गेनेरल.

४०९. 'पन्चअ द्रविद' ब्रह्मिन्स बेलोन्ग कैं रेगिओन्स सोउथ क \_\_\_\_\_.

- (A) B.एक. (बचएलोर क अर्ट्स), इन्दिक्टिन्ग हुनकर एदुकटिओनल कुअलिफिकटिओन.
- (B) थएय छथि/अछि लोकटेद सोउथ क विन्ध्य मोउन्टइन्स.
- (C) MA आ BL
- (D) विन्ध्य मोउन्टइन्स

४१०. की छल प्रोफेस्सिओनल टिट्ले क फअनिशवर्नथ, एक देस्केन्डन्ट क शयनमनन्द?

- (A) हे अछि एक प्रोमिनेन्ट दिस्किप्ले क द्वरिक पेएथ शअन्करचअर्य स्वरुपनन्द सरस्वति.
- (B) ०९ जुल्य २००८ (वेदनेस्दय).
- (C) B.एक. (बचएलोर क अर्ट्स), इन्दिक्टिन्ग हुनकर एदुकटिओनल कुअलिफिकटिओन.
- (D) सअथ समुन्दर पअर.

४११. मे अनुभाग (४८), के छथि/अछि शिशु/बाल क 'इशवर्दट्ट'?

- (A) परस्मनि, कुलनन्द, आ इन्द्रमनिय
- (B) पछबरिपर (वा पछबरिब).
- (C) ब्रह्मिन्स, कयस्थअस, आ क्षअट्रियस.
- (D) B.एक. (बचएलोर क अर्ट्स), इन्दिक्टिन्ग हुनकर एदुकटिओनल कुअलिफिकटिओन.

४१२. 'पत्र पंजी' कमे इन्टो कोम्मोन उसगे अप्रोक्सिमेटेल्य केना मन्य येअर्स अगो?

- (A) मइथइल ग्रोउप.
- (B) ५०० येअर्स.
- (C) B.एक. (बचएलोर क अर्ट्स), इन्दिक्टिन्ग हुनकर एदुकटिओनल कुअलिफिकटिओन.
- (D) गेनोमे मपिन्ग.

**४१३. संकल्पना: प्रवर**

- (A) देवल
- (B) देफिनिटिओन: मोओलस छथि/अछि ओफटेन ग्रीउपेद द्वारा हुनकर गोत्रस; लेल इन्स्टन्के, 'पलि' आ 'हरिअम्ब' बेलोना केँ वट्स गोत्र.
- (C) M.M. ट्रिवेनिभअट्ट.
- (D) देफिनिटिओन: स्पेकिफिक सुब्सेट क दिस्टिन्गुइशएद अन्केस्टोर्स भीतर एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.

**४१४. की दोएस 'बेजि' क एक मोओल रेप्रेसेन्ट मे एक परिवार'स इतिहास?**

- (A) गोत्रस व्होसे अन्केस्टोर्स कोम्पोसेद थरेए स्पेकिफिक सुक्टस क रिग्वेद.
- (B) स्पेकिफिक सगे-अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेद सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (C) ट्रि-नयन-भअट्ट.
- (D) स्पेकिफिक फोउन्दिना इन्डिविदुअल सँ क्लोम से ब्रन्च क परिवार ओरिगिनटेद.

**४१५. केना मन्य प्रिमर्य 'मुलस' (रोओट्स) छल देटेर्मिनेद अस सभसँ सिग्निफिकन्ट दुरिना १३२६ AD क्लास्सिफिकेटिओन?**

- (A) एक वंश-रेखा से क्लाइम्स थरेए रिशइ अन्केस्टोर्स अस कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (B) थरेए (सन्डिल्य, असिट, आ देवल).
- (C) पन्च-प्रवर.
- (D) ३४ (लटेर एक्स्पन्डेद केँ ३५).

**४१६. की अछि डिफ्फेरेन्के बीच 'ट्रिप्रवर' आ 'पन्चअप्रवर' गोत्रस?**

- (A) टुल्सिदट्ट चौधरी क नहस खौअल मोओल.
- (B) एक वंश-रेखा क रिशइ अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेद सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (C) ट्रिप्रवर गोत्रस अछि ३ देसिग्नटेद वेदिक अन्केस्टोर्स, व्हिले पन्चअप्रवर अछि ५.
- (D) कशयप.

**४१७. की अछि टोटल नुम्बर क 'मोओल्स' (ओरिगिनल रोओट विल्लगेस) रेकोर्डेद मे पंजी रेकोर्ड्स?**

- (A) एक वंश-रेखा क रिशइ अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेद सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (B) वसुदेव आ शउक्देव.
- (C) १६७
- (D) सिम्शएशवर.

**४१८. 'मुल ग्रम' रेप्रेसेन्ट्स \_\_\_\_\_ क एक पर्टिकुलर परिवार ब्रन्च.**

- (A) ओरिगिनल अन्केस्ट्रल रेसिदेन्के.
- (B) देफिनिटिओन: ओरिगिनल अन्केस्ट्रल गाम वा 'रोओट' उसेद केँ इदेन्टिफाय एक मइथइल ब्रह्मिन'स वंश-रेखा मे पंजी स्ट्रिटेम.
- (C) रमकन्ट.
- (D) नुम्बर क अन्केस्टोर्स (थरेए वा फिवे) के छल रिग्वेदिक ह्यन्स कोम्पोसेर्स.

**४१९. संकल्पना: पन्च-प्रवर गोत्रस**

- (A) ट्रि-प्रवर (थरेए अन्केस्टोर्स) आ पन्च-प्रवर (फिवे अन्केस्टोर्स).
- (B) ई मुस्ट अछि फिवे अन्केस्टोर्स के कोम्पोसेद ह्यन्स मे रिग्वेद.
- (C) एक्सम्प्ले: वट्स, सवर्न, आ भअट्टज (मे सोमे कोन्टेक्स्ट्स) छथि/अछि एक्सम्प्लेस क गोत्रस सँ फिवे ह्यन्स-कोम्पोसिन्ग अन्केस्टोर्स.
- (D) नुम्बर क अन्केस्टोर्स (उसुअल्लय थरेए वा फिवे) के छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.

**४२०. मे मइथइल ब्रह्मिन गेनेअलोग्य, की दोएस टेर्म 'उदेध' सिग्निफाय?**

- (A) नुम्बर क अन्केस्टोर्स (उसुअल्लय थरेए वा फिवे) के छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (B) विशअ.
- (C) शअन्डिल्य.
- (D) देटइलेद इन्ट्रोडुक्टेओन आ इदेन्टिफिकेटिओन क ३२ अन्केस्टोर्स.

४२१. 'वट्स' गोत्र अछि अस्सोकिअटेद सँ कोन सेट क फिवे प्रवरस?

- (A) ौर्व, चयवन, भर्गव, जमदग्न्य, आ अणुवन.
- (B) ओने हुन्द्रे आ सिक्स्थ-सेवेन.
- (C) शअन्दिल्य
- (D) एक वंश-रेखा से क्लडम्स थरेए रिशइ अन्केस्टोर्स अस कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.

४२२. कोन अन्केस्टोर क 'मन्दि' मुल अछि किटेद अस एक 'बिजि पुरुशअ' सँ रेकोर्ड्स दटिन्ग बक्क केँ ४०० AD?

- (A) इन्टेमेंदिअटे टिएर क अन्केस्ट्रल ओरिगिन्स, सुच अस दिग्बरे, बेलउन्चए, आ पनिचओभए.
- (B) महमहो ट्रिवेनिभअट.
- (C) सेएर्स (वा कोम्पोसेर्स/मन्त्र-द्रशट).
- (D) ओरिगिनल गाम नमे अछि रेटइनेद अस 'मोओल', बुट नेव गाम अछि अद्देद अस कुर्रेन्ट रेसिदेन्के.

४२३. की अछि टोटल नुम्बेर क 'मुल' (ओरिगिनल रोओट्स) एस्टब्लिशएद मे पंजी प्रबन्ध?

- (A) पहि जिज्वल.
- (B) नुम्बेर क अन्केस्टोर्स (थरेए वा फिवे) के छल रिग्वेदिक ह्यन् कोम्पोसेर्स.
- (C) १६७
- (D) जटुकर्न.

४२४. अन्किएन्ट मथएमेटिकिअन \_\_\_\_\_ अछि मेन्टिओनेद मे पंजी वंश-रेखा उन्देर मन्दअर मुल.

- (A) हविना फिवे अन्केस्टोर्स के छल ौथओर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (B) एक वंश-रेखा दोसे थरेए अन्किएन्ट अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (C) वट्स, सवर्न, आ बिदह (वा गर्ग मे सोमे लिस्ट्स).
- (D) अर्यभअट

४२५. की अछि दिफ्फेरेन्के बीच 'ट्रि-प्रवर' आ 'पन्चअ-प्रवर'?

- (A) नुम्बेर क अन्केस्टोर्स (थरेए वा फिवे) के छल रिग्वेदिक ह्यन् कोम्पोसेर्स.
- (B) वट्स, सवर्न, आ गर्ग.
- (C) २०.
- (D) जनक्लल.

४२६. देफिने टेर्म 'ट्रि-प्रवर' मे सन्दर्भ क मइथइल गोत्रस.

- (A) केवल ओने (कशयप).
- (B) खअन्दबल.
- (C) थएय अछि थरेए अन्केस्टोर्स के कोम्पोसेद रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (D) लिनेअगेस दोसे थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स (सुकटस).

४२७. की देफिनेस 'ट्रि-प्रवर' कटेगोर्य मे पंजी स्पस्टेम?

- (A) कशयप
- (B) फिर्स्ट (हिघएस्ट) कटेगोर्य क रोओट्स.
- (C) नग्रम
- (D) क्लन्स दोसे थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.

४२८. संकल्पना: प्रवर

- (A) परशअर (ट्रि-प्रवर) वा स्पेकिफिक ब्रन्चएस भीतर वट्स/सवर्न.
- (B) एक वंश-रेखा दोरे थरेए अन्केस्टोर्स छथि/अछि क्रेदिटेद सँ कोम्पोसिन्ग रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (C) रिग्वेद
- (D) देफिनिटिओन: लिस्ट क सगे-अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेद सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.

४२९. की देफिनेस 'ट्रि-प्रवर' ग्राउप भीतर मइथइल ब्रह्मिन्स?

- (A) २० गोत्रस.
- (B) ३५ (ओरिगिनल्लय ३४, प्लुस खअनम ब्रन्च क फअन्दह मोओल).
- (C) गउटम.
- (D) लिनेअगेस व्होसे थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.

४३०. की देफिनेस 'पन्च-प्रवर' ग्राउप भीतर मइथइल ब्रह्मिन्स?

- (A) पत्र
- (B) लिनेअगेस व्होसे फिवे अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (C) सन्दिल्य, असिट, आ देवल.
- (D) ओरिगिनल अन्केस्टोर/प्रोगेनिटोर.

४३१. की अछि दिफेरेन्के बीच 'मुल' आ 'मुल ग्रम'?

- (A) मुल अछि ओरिगिनल अन्केस्ट्रल गाम; मुल ग्रम अछि गाम व्हरे परिवार कुरेन्ट्लय रेसिदेस.
- (B) ३४ (वा ३५ इन्क्लुदिना खअमु ब्रन्च क फअन्दह मुल).
- (C) अन्केस्टोर्स के छल रेकोग्निजेद अस ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (D) रट्णपनि.

४३२. मे मइथइल परम्परा, एक 'ट्रि-प्रवर' गोत्र अछि ओने व्होसे अन्केस्टोर्स कोम्पोसेद थरेए \_\_\_\_\_ क रिग्वेद.

- (A) द्वारा त्रकिन्ना बक्क केँ कोम्मोन अन्केस्टोर के फिर्स्ट सेट्टुलेद मे ओरिगिनल मुल-ग्रम.
- (B) स्पेकिफिक अन्केस्टोर्स के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (C) सुक्वटस (ह्यन्स)
- (D) नरउन.

४३३. 'पन्चअ-प्रवर' लेल वट्स गोत्र सम्मिलित करैत अछि ओर्व, चयवन, भअर्गव, जमदग्न्य, आ \_\_\_\_\_.

- (A) सन्दिल्य, वट्स, कस्यप, आ परशअर (अल्सो सवर्न, भअरद्वज, आ कट्ययन).
- (B) अप्नुवन
- (C) एक वंश-रेखा से क्लइम्स थरेए रिशइ अन्केस्टोर्स अस कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (D) थरेए (सन्दिल्य, असिट, आ देवल).

४३४. सगे अन्केस्टोर्स इडेन्टिफिएद मे प्रवर स्ट्रिप थि/अछि देस्क्रिबेद अस ओरिगिनल \_\_\_\_\_ क रिग्वेदिक ह्यन्स.

- (A) परशअर गोत्र.
- (B) सेएर्स (वा कोम्पोसेर्स/मन्त्र-द्रशट).
- (C) देटइलेद इन्ट्रोदुक्तिओन क ३२ अन्केस्टोर्स स्पन्निंग सेवेन गेनेरटिओन्स.
- (D) सट्लखअ सटोली

४३५. संकल्पना: 'अट्यन्ट थ्रएस्थअ' मुलस

- (A) देफिनिटिओन: फिर्स्ट-ग्रदे अन्केस्ट्रल लिनेअगेस, इन्क्लुदिना नमेस लिके खअदउरे, खौअरे, आ सरिसबे.
- (B) स्पेकिफिक अन्केस्टोर्स के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (C) जनक्लल.
- (D) एक्सम्प्ले: वट्स, सवर्न, आ भअर्द्वज (मे सोमे कोन्टेक्स्ट्स) थि/अछि एक्सम्प्लेस क गोत्रस सँ फिवे ह्यन्-कोम्पोसिना अन्केस्टोर्स.

४३६. मे पंजी स्ट्रिप, की दोएस 'ट्रि-प्रवर' सिग्निफय?

- (A) थएय शअरे ौर्व, चयवन, भअर्गव, जमदग्न्य, आ अप्नुवन.
- (B) नरउन.
- (C) एक वंश-रेखा से क्लइम्स थरेए रिशइ अन्केस्टोर्स अस कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (D) ट्रि-प्रवर नमेस थरेए ह्यन्-कोम्पोसिना अन्केस्टोर्स, व्हिले पन्चअ-प्रवर नमेस फिवे.

४३७. एक वंश-रेखा क्लाइमिना फिवे रिशइ अन्केस्टोर्स अस वेदिक ह्यन्स कोम्पोसेर्स अछि रेफेरेंद केँ अस \_\_\_\_\_.

- (A) कशायप
- (B) भअरद्वज, अन्गिरस, आ बर्हस्पत्य (ट्रिप्रवर).
- (C) पन्च-प्रवर.
- (D) सुभअश चअन्द्र.

४३८. की अछि 'ट्रि-प्रवर' देफिनिटिओन मे मिथिला गेनेअलोग्य?

- (A) थर्ड कटेगोर्य, इन्क्लुदिना मोओल्स लिके दिघवे, बेल्हउन्चए, आ एकहटे.
- (B) लिनेअगेस कोसे फिवे अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (C) एक वंश-रेखा त्रकिना बक्क केँ थरेए स्पेकिफिक वेदिक सगे अन्केस्टोर्स.
- (D) टरन्देव, केदर्नथ, आ रमनथ.

४३९. पंजी रेकोर्ड्स कोन्टइन हिस्टोरिकल उल्लेख करैत अछि पर अन्केस्टोर्स' एदुकाटिओनल टिट्लेस आ साहित्यिक अचइएवेमेन्ट्स; की दोएस ई इन्डिकटे?

- (A) वट्स, सवर्न, आ भअरद्वज (थओउघ टेक्स्ट लिस्ट्स भअर्गव/वट्स/सवर्न वरिअन्ट्स).
- (B) वट्स, सवर्न, आ गर्ज.
- (C) स्पेकिफिक अन्केस्टोर्स के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (D) ई सेर्वेस अस एक सांस्कृतिक आ इन्टेलेक्चुअल इतिहास क रेगिओन बेयोन्ड सिम्प्ले गेनेअलोग्य.

४४०. की अछि स्पेकिफिक मेअनिना क 'प्रवर' मे मैथिली गेनेअलोगिकल स्ट्रुक्चर?

- (A) ट्रि-प्रवर.
- (B) ब्रह्मपुर मोओल.
- (C) चअन्द्रनन्द, मथउरनन्द, आ सचइदनन्द
- (D) अन्केस्टोर्स के छल रेकोग्निजेद अस ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.

४४१. केना दोएस पंजी स्ट्रुक्चर त्रक्क 'प्रवस' (मिग्रटिओन)?

- (A) द्वारा रेकोर्दिना बोथ 'मुल' (ओरिगिनल गाम) आ कुर्रेंट 'दिह' (सेट्ट्लेमेन्ट गाम).
- (B) एअर्लिअट कनोव अन्केस्टोर वा प्रोगेनिटोर क एक स्पेकिफिक क्लन/ब्रन्च.
- (C) वशइस्थअ.
- (D) से थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.

४४२. मे पंजी स्ट्रुक्चर, की दोएस टर्म 'प्रवर' सिग्निफिय?

- (A) स्पेकिफिक अन्केस्टोर्स के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स (सुक्तस).
- (B) सरिसब खअन्गुद मोओल.
- (C) सोदपूर अछि ओने क दिस्टिन्क्ट 'मोओल्स' उसेद केँ त्रक्क मइथइल ब्रह्मिन अन्केस्टूय.
- (D) कउशइक.

४४३. की अछि 'मध्यम मोओल'?

- (A) इन्टेमेंदिअटे वा मिहूले कटेगोर्य क अन्केस्ट्रल विल्लगेस.
- (B) ट्रिप्रवर (थरेए अन्केस्टोर्स) आ पन्चअप्रवर (फिवे अन्केस्टोर्स).
- (C) सेएर्स (वा कोम्पोसेर्स/मन्त्र-द्रशट).
- (D) बुलिदथ.

४४४. कोन गोत्र अछि प्रवरस शअक्वि, वशइस्थअ, आ परशअर?

- (A) बेकउसे थएय शअरे समे अन्केस्टोर्स (पन्चअ-प्रवर) देस्पिटे भिन्न नमेस.
- (B) परशअर.
- (C) स्पेकिफिक नुम्बर क अन्केस्टोर्स (उसुअल्लय थरेए वा फिवे) के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (D) उग्रहदेव.

४४५. मे मइथइल परम्परा, की छथि/अछि 'प्रवर्स'?

- (A) ई लिस्ट्स सभ गोत्रस आ हुनकर कॉर्रेस्पोंडिंग अन्किएन्ट मोओलस.
- (B) ओरिगिनल अन्केस्ट्रल गाम क एक पर्टिकुलर वंश-रेखा.
- (C) स्पेकिफिक सगे-अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेड सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यम्स.
- (D) थएय छल सेलेक्टेड बसेद पर हुनकर हिस्टोरिकल प्रोमिनेन्के आ पुरिट्य अट टिमे क फोर्मलिसटिओन.

४४६. सन्दिल्य गोत्र इडेन्टिफिएस सँ कोन स्पेकिफिक प्रवर्स?

- (A) मन्दइ (मन्दरि).
- (B) स्पेकिफिक सगे-अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेड सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यम्स.
- (C) एअर्लिएस्ट क्नोव्न प्रोगेनिटोर वा अन्केस्टोर क एक स्पेकिफिक वंश-रेखा वा क्लन.
- (D) सन्दिल्य, असिट, आ देवल.

४४७. की छल 'टन्त्र-वर्दिक'स' विएव पर वंश-रेखा संरक्षण?

- (A) हिघ-बोर्न फमिलिएस शओउल्ड मइन्टइन कोम्मुनिट्य रेकोर्ड्स (समुह-लेखय) कें रेमेम्बर हुनकर अन्केस्टोर्स' कुअलिटिएस आ फ्लक्स.
- (B) लिनेअगेस व्होसे थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यम्स.
- (C) कशयप, अवट्सर, आ नइधरुव (ट्रि-प्रवर).
- (D) ३४ (लटेर एक्स्पन्डेड कें ३५).

४४८. कोन गोत्र अछि एक्स्क्लुसिवेल्य फोउन्ड अमोन्ग कर्न कयस्थअस अनुसार कें स्रोत मटेरिअल?

- (A) अयन्य श्राएस्थअ (फिर्स्ट कटेगोर्य).
- (B) कशयप गोत्र.
- (C) महमहोपधयय हल्युधअ.
- (D) एक वंश-रेखा क रिशइ अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेड सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यम्स.

४४९. केना मन्य प्रिमर्य 'मोओल्स' (ओरिगिनल अन्केस्ट्रल विल्लगेस) छल इनिटिअल्ल्य इडेन्टिफिएड मे पंजी स्ट्रिटेम?

- (A) नुम्बेर क अन्केस्टोर्स (उसुअल्ल्य थरेए वा फिवे) के छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यम्स.
- (B) १६७
- (C) कट्ययन गोत्र.
- (D) रोओट वा अन्केस्ट्रल गाम

४५०. के छल 'बेएजि पुरुश' क सोदपूर मोओल?

- (A) स्पेकिफिक नुम्बेर क अन्केस्टोर्स (उसुअल्ल्य थरेए वा फिवे) के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यम्स.
- (B) टिर्थअयिभअट्ट
- (C) महमहोपधयय प्रजपटि.
- (D) सिक्स (शअन्दिल्य, वट्स, कशयप, अलम्बुकअक्ष, गउटम, आ गर्ज).

४५१. संकल्पना: पअटि पंजी

- (A) एक रेगिस्टर से मेन्टिओन्स कुर्रेंट मोओलग्रम (गाम क रेसिदेन्के) आ अछि बेएन मे उसे लेल अबोउट ५०० येअर्स.
- (B) स्पेकिफिक सगे-अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेड सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यम्स.
- (C) ट्रिलोचअन भअट्ट.
- (D) थइर्च-फोउर.

४५२. मे ट्रि-प्रवर क 'शअन्दिल्य' गोत्र, के छथि/अछि थरेए सगेस?

- (A) शअन्दिल्य, असिट, आ देवल.
- (B) लिनेअगेस व्होसे थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यम्स.
- (C) गोपल.
- (D) ओरिगिनल अन्केस्टोर्स (बेएजि पुरुश) आ हुनकर प्रिमर्य अन्केस्ट्रल विल्लगेस.

४५३. मे पंजी रेकोर्ड्स, केना मन्य 'मोओल्ग्रम्स' (ओरिगिनल अन्केस्ट्रल विल्लगेस) छल इनिटिअल्लय एस्टब्लिशएद?

- (A) ३४ (लटेर ३५).
- (B) १६७
- (C) खअरउरे, खौवरे, वा बुधअबरे (अमोन्ग ओथएर्स).
- (D) स्पेकिफिक नुम्बेर क अन्केस्टोर्स (उसुअल्लय थरेए वा फिवे) के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.

४५४. गेनेअलोगिकल रेकोर्ड क ३२ स्पेकिफिक अन्केस्टोर्स उसेद मे पंजी स्ट्रैम अछि कल्लेद \_\_\_\_\_.

- (A) ई देपेन्ड्स पर क्थेएर थरेए वा फिवे अन्केस्टोर्स (रिशइस) ौथओरेद ह्यन्स मे रिग्वेद.
- (B) अलम्बकक्ष (अमोन्ग ओथएर्स सुच अस गउटम आ वसिशथअ).
- (C) से थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (D) यटि-परिचअय.

४५५. की अछि 'सखअ पंजी'?

- (A) ओरिगिनल अन्केस्ट्रल गाम वा रोओट वंश-रेखा क एक परिवार.
- (B) एक देटइलेद रेकोर्ड क ब्रन्चएस आ सुब-ब्रन्चएस क एक परिवार वंश-रेखा, त्रकिन्ग एकस्पन्सिओन सँ ओरिगिनल मोओल.
- (C) एक वंश-रेखा कोसे थरेए अन्किएन्ट अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (D) ७४

४५६. 'टन्त्र वर्टिक' संकेत करैत अछि से 'समुह लेखय' छल मइन्टइनेद स्पेकिफिकल्लय केँ अवोइद फोर्गेट्टिन्ग अन्केस्टोर्स क कोन ट्वो कस्टेस?

- (A) ओझओलि बेलउच
- (B) गनाधअर (१/१).
- (C) स्पेकिफिक अन्केस्टोर्स के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (D) क्षअट्रियस आ ब्रह्मिन्स.

४५७. कोन गोत्र सम्मिलित करैत अछि प्रवरस: सन्दिल्य, असिट, आ देवल?

- (A) कशयप.
- (B) सन्दिल्य.
- (C) ग्रीउप क इल्लुस्ट्रीओउस रिशइ अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेद सँ एक स्पेकिफिक गोत्र.
- (D) स्पेकिफिक अन्केस्टोर्स के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स (सुकटस).

४५८. की देफिनेस एक 'ट्रि-प्रवर' वंश-रेखा मे मइथइल परम्परा?

- (A) एक वंश-रेखा कोसे थरेए अन्किएन्ट अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (B) ट्वेन्ट्य.
- (C) ई मेअन्स केँ कोल्लेक्ट, गथएर, वा अक्कुमुलटे इन्फोर्मिओन.
- (D) १६७ मोओल्स.

४५९. की देफिनेस 'शअखअ पंजी' स्पेकिफिकल्लय?

- (A) स्पेकिफिक सगे-अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेद सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (B) शअन्दिल्य.
- (C) एक देटइलेद रेकोर्ड त्रकिन्ग एक वंश-रेखा सँ बेएजि पुरुशअ दोन् केँ कुरेन्ट देस्केन्दन्ट्स, इन्क्लुदिन्ग टिट्लेस आ एदुकटिओन.
- (D) एक ट्रि-प्रवर गोत्र सँ अन्केस्टोर्स कट्ययन, विशनु, आ अग्निरस.

४६०. की अछि टोटल नुम्बेर क प्रिमर्य 'गोत्रस' इदेन्टिफिएद भीतर मइथइल ब्रह्मिन कोम्मुनिट्य अनुसार केँ स्रोत?

- (A) मन्नु.
- (B) ौर्व, चयवन, भअर्गव, जमदग्न्य, आ अज्जवन.
- (C) २०
- (D) लिनेअगेस कोसे फिवे अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.

४६१. कोन गोत्र अछि शअरेद द्वारा सभ कर्न कयस्थअस मे मिथिला?

- (A) कशयप.
- (B) १६७
- (C) ३२
- (D) एक वंश-रेखा क रिशइ अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेद सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.

४६२. देफिने 'प्रवर' मे सन्दर्भ क पंजी स्ट्रैम.

- (A) कशयप गोत्र.
- (B) थएय अछि फिवे अन्केस्टोर्स के कोम्पोसेद रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (C) २०
- (D) स्पेकिफिक नुम्बर क अन्केस्टोर्स (उसुअल्लय थरेए वा फिवे) के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.

४६३. की अछि 'समुह-लेखय' अस देस्क्रिबेद द्वारा कुमरिल भअट्ट?

- (A) थएय छथि/अछि कशयप, अवट्सर, आ नइधरुव.
- (B) थइर्टेन.
- (C) देफिनिटिओन: लिस्ट क सगे-अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेद सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (D) एक कोल्लेक्टिवे ब्रिट्टेन रेगिस्ट्रय केँ प्रेवेन्ट फोर्गेट्टिना क अन्केस्टोर्स आ एन्सुरे वंश-रेखा पुरिट्य.

४६४. केना मन्य दिस्टिन्क्ट 'मोओल-ग्रम्स' छल एवेन्टुअल्लय रेदुकेद केँ ३४ वा ३५ प्रिमर्य ओनेस?

- (A) कशयप.
- (B) १६७
- (C) स्पेकिफिक सगे-अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेद सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (D) थएय सभ बेलोना केँ एक सिन्ले गोत्र: कशयप.

४६५. मे पंजी स्ट्रैम, की दोएस 'ट्रि-प्रवर' सिग्निफय अबोउट ओने'स अन्केस्टोर्स?

- (A) से थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (B) ट्रि-प्रवर इदेन्टिफिएस थरेए सगे अन्केस्टोर्स, किले पन्च-प्रवर इदेन्टिफिएस फिवे.
- (C) एअर्लिअस्ट कनोव्न कोम्मोन अन्केस्टोर क एक स्पेकिफिक मुल.
- (D) मोओल अछि अन्केस्ट्रल रोओट गाम, किले ग्रम अछि कुर्रेन्ट प्लके क रेसिदेन्के.

४६६. केना मन्य मइन 'प्रवरस' छथि/अछि अस्सोकिअटेद सँ 'सन्दिन्य' गोत्र?

- (A) २०
- (B) लिनेअगेस क्लोसे फिवे अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (C) श्री मनि ठाकुर.
- (D) थरेए (सन्दिन्य, असिट, आ देवल).

४६७. कोन संस्कृत दिक्विओनर्य देफिनेस 'गोत्र' अस हविना एलेवेन मेअनिन्स, इन्क्लुदिना 'मोउन्टइन' आ 'वंश-रेखा'?

- (A) वचअस्पट्य.
- (B) शअन्दिन्य, वट्स, कशयप, सवर्न, परशअर, भअरद्वज, आ कट्ययन.
- (C) स्पेकिफिक अन्केस्टोर्स के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स (सुकटस).
- (D) बेएजि पुरुश.

४६८. की देटेर्मिनेस क्लेथएर एक ब्रह्मिन वंश-रेखा अछि 'ट्रि-प्रवर' वा 'पन्च-प्रवर'?

- (A) नुम्बर क अन्केस्टोर्स (थरेए वा फिवे) के छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (B) सेवेन (सन्दिन्य, वट्स, कशयप, सवर्न, परशअर, भअरद्वज, आ कट्ययन).
- (C) मोओल, उटेट्थ, गोत्र, आ पत्र.
- (D) दरिहँर.

४६९. केना मन्य प्रिमर्य गोत्रस छथि/अछि त्रिदिटिओनल्लय रेकोग्निजेद अमोन्ग मइथइल ब्रह्मिन्स अनुसार केँ स्रोत मटेरिअल?

- (A) स्पेकिफिक ओरिगिनल गाम अस्सोकिअटेद सँ एक पर्टिकुलर मोओल (वंश-रेखा).
- (B) मोओल अछि ओरिगिनल अन्केस्त्रल गाम, कहिले मोओलग्रम अछि स्पेकिफिक गाम केरे वंश-रेखा रेसिदेद दुर्निग पंजी'स फोर्मलिसटिओन.
- (C) ट्वेन्ट्य (२०) गोत्रस.
- (D) लिनेअगेस कोसे थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.

४७०. देफिने 'प्रवर' मे सन्दर्भ क मइथइल ब्रह्मिन्स गेनेअलोग्य.

- (A) ट्रिलथइ
- (B) शअन्दिल्य
- (C) एक वंश-रेखा क रिशइ अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेद सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (D) एअर्लिएस्ट क्नोव प्रोगेनिटोर वा फोउन्देर क एक स्पेकिफिक वंश-रेखा वा 'मुल'.

४७१. की अछि प्रिमर्य गोत्र फोल्लोवेद द्वारा सभ कर्न कयस्थअस?

- (A) ३४ (लटेर ३५ सँ अद्विदिओन क 'फअन्दह' ब्रन्च).
- (B) कशयप.
- (C) अन्किएन्ट सगे अन्केस्टोर्स के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (D) ौर्व, चयवन, भर्गव, जमदग्न्य, आ अप्नवन.

४७२. लिस्ट सेवेन सभसँ प्रोमिनेन्ट आ वेल्ल-क्नोव गोत्रस मे मइथइल ब्रह्मिन्स कोम्मुनिट्य.

- (A) सेएर्स (वा कोम्पोसेर्स/मन्त्र-द्रशट).
- (B) ई मुस्ट अछि थरेए अन्केस्टोर्स के कोम्पोसेद ह्यन्स मे रिग्वेद.
- (C) एक देटइलेद गेनेअलोगिकल इन्ट्रोदुक्तिओन एन्कोम्पस्सिन्ग ३२ ब्रन्चएस क अन्केस्टोर्स.
- (D) शअन्दिल्य, वट्स, कशयप, सवर्न, परशअर, भअरद्वज आ कट्ययन.

४७३. देफिने 'प्रवर' मे मइथइल ब्रह्मिन्स गेनेअलोगिकल स्ट्रटेम.

- (A) गन्धअर.
- (B) नुम्बेर क अन्केस्टोर्स (उसुअल्लय थरेए वा फिवे) के छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (C) वट्स, सवर्न, आ भअर्वे.
- (D) अन्केस्त्रल गाम वा प्लके क ओरिगिन क हुनकर वंश-रेखा.

४७४. कोन गोत्र अछि अस्सोकिअटेद सँ सगेस शअक्विट, वशइस्थअ, आ परशअर?

- (A) सेएर्स (वा कोम्पोसेर्स/मन्त्र-द्रशट).
- (B) परशअर.
- (C) ट्वो: ट्रि-प्रवर आ पन्च-प्रवर.
- (D) २०

४७५. कोन मइथइल ब्रह्मिन्स गोत्र अछि हिघएस्ट नुम्बेर क ब्रन्चएस (७४)?

- (A) लिनेअगेस कोसे फिवे अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (B) कशयप.
- (C) एअर्लिएस्ट क्नोव प्रोगेनिटोर वा रोओट अन्केस्टोर क एक स्पेकिफिक वंश-रेखा रेकोर्देद मे पंजी.
- (D) अन्केस्त्रल गाम वा रोओट क एक वंश-रेखा.

४७६. पंजी स्ट्रटेम क्लस्सिफिएस 'उट्टल' फमिलिएस. की दोएस ई मेअन?

- (A) एअर्लिएस्ट क्नोव अन्केस्टोर सँ कोम एक स्पेकिफिक वंश-रेखा वा 'मोओल' ओरिगिनटेस.
- (B) वट्स, सवर्न, आ गर्ग.
- (C) ई रेफेर्स केँ एक वंश-रेखा कोसे थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (D) फमिलिएस से अछि मिग्रटेद वा मोवेद सँ हुनकर ओरिगिनल 'मुल ग्रम'.

**४७७. की अछि 'गुत्र पंजी' ?**

- (A) शअन्दिल्य, वट्स, कशयप, सवर्न, परशअर, भअरद्वज, आ कट्ययन.
- (B) कर्मह नदुअर
- (C) नुम्बेर क अन्केस्टोर्स (थरेए वा फिवे) के छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (D) एक रेगिस्टर से लिस्ट्स सभ रेकोग्निजेद गोत्रस आ हुनकर अस्सोकिअटेद ओरिगिनल मुलस.

**४७८. अनुसार केँ पंजी, चैटन्य महप्रभउ छल दिस्किप्ले क कोन मइथइल स्वओलर?**

- (A) ई रेफेर्स केँ एक वंश-रेखा दोसे थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (B) इलमपटि उपधयय (कटिह मुल).
- (C) ट्वेन्ट्य (२०) गोत्रस.
- (D) ३४ (लटेर ३५ सँ अद्विटीओन क 'फअन्दह' ब्रन्च).

**४७९. मे मइथइल ब्रह्मिन टर्मिनोलोग्य, की देफिनेस एक 'प्रवर' ?**

- (A) मोओल रेफेर्स केँ रोओट क्लन, क्लिले मोओलग्रम रेफेर्स केँ स्पेकिफिक गाम क्लेरे से ब्रन्च सेट्टुलेद.
- (B) स्पेकिफिक अन्केस्टोर्स के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (C) ई कोन्टइन्स सभ 'गोत्रस' (क्लन्स) आ हुनकर अन्किएन्ट 'मोओल्स' (रोओट्स).
- (D) देर

**४८०. मे पंजी क्लस्सिफिकटिओन, की अछि एक 'मोओलग्रम' ?**

- (A) सेएर्स (वा कोम्पोसेर्स/मन्त्र-द्रशट).
- (B) थरेए (ट्रि-प्रवर: सन्दिल्य, असिट, देवल).
- (C) ट्रिविक्रम भअट्ट
- (D) स्पेकिफिक गाम क्लेरे एक ब्रन्च क एक 'मोओल' एवेन्टुअल्लय सेट्टुलेद आ बेकमे इडेन्टिफिएद सँ.

**४८१. की अछि 'पत्र पंजी' ?**

- (A) लक्षमिकन्ट.
- (B) २०
- (C) ई रेफेर्स केँ नुम्बेर क दिस्टिन्गुइशएद अन्केस्टोर्स (थरेए वा फिवे) के छल सेएर्स वा कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (D) एक रेकोर्ड देटइलिन्ग 'मोओलग्रमस' (सेट्टुलेद विल्लगेस) क वरिओउस लिनेअगेस, मे उसे लेल अबोउट ५०० येअर्स.

**४८२. मे गेनेअलोगिकल टेम्स, की दोएस 'प्रवर' देनोटे?**

- (A) अन्किएन्ट सगे अन्केस्टोर्स के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (B) वट्स गोत्र.
- (C) अलखर नन्दपुर
- (D) देफिनिटीओन: स्पेकिफिक सुब्सेट क दिस्टिन्गुइशएद अन्केस्टोर्स भीतर एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.

**४८३. की अछि सिग्निफिकन्के क अन्केस्ट्रल गाम नमेस लिके 'बेहट', 'भौर', वा 'लोह' मे पंजी?**

- (A) थएय सेर्वे अस 'मुलग्रमस' केँ दिस्टिन्गुइश भिन्न ब्रन्चएस क समे 'मुल'.
- (B) मुल अछि ओरिगिनल अन्केस्ट्रल रोओट, क्लिले मुल-ग्रम अछि स्पेकिफिक गाम क रेसिडेन्के अट टिमे पंजी छल रेकोर्देद.
- (C) एअर्लिएस्ट क्लोव अन्केस्टोर वा प्रोगेनिटोर क एक स्पेकिफिक वंश-रेखा.
- (D) नुम्बेर क अन्केस्टोर्स (थरेए वा फिवे) के छल रिग्वेदिक ह्यन् कोम्पोसेर्स.

**४८४. की दोएस एक 'मुल' रेप्रेसेन्ट मे गेनेअलोगिकल रेकोर्ड क एक मइथइल ब्रह्मिन?**

- (A) ट्वेन्ट्य (२०).
- (B) ओरिगिनल गाम वा प्लके क ओरिगिन क हुनकर परिवार वंश-रेखा.
- (C) शअन्दिल्य.
- (D) स्पेकिफिक सगे-अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेद सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.

४८५. की अछि दिफ्फेरेन्के बीच 'ट्रि-प्रवर' आ 'पन्चअ-प्रवर' मे मइथइल ब्रह्मिन फमिलिएस?

- (A) केवल ओने (कशयप).
- (B) ई रेफर्स केँ नुम्बेर क दिस्टिन्गुइशएद अन्केस्टोर्स (थरेए वा फिवे) के छल सेएर्स वा कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (C) भअरद्वज, अन्निरस, आ बर्हस्पत्य.
- (D) वट्स, सवर्न, आ भअरद्वज (थओउघ सोमेटिमेस लिस्टेद अस वट्स, सवर्न, आ गर्ग मे वरिअन्ट्स).

४८६. की दोएस 'मुल पंजी' रेकोर्ड?

- (A) नुम्बेर क अन्केस्टोर्स (थरेए वा फिवे) के छल रिग्वेदिक ह्यन्स कोम्पोसेर्स.
- (B) गोत्रस दोसे अन्केस्टोर्स कोम्पोसेद थरेए स्पेकिफिक सुक्टस क रिग्वेद.
- (C) ओरिगिनल गाम रेकोर्ड्स आ प्रिमर्य लिनेअगेस अस्सोकिअटेद सँ थओसे विल्लगेस.
- (D) जयक्रिशन

४८७. अनुसार केँ पंजी प्रबन्धअ, केना मन्य 'प्रवरस' देफिने एक 'ट्रि-प्रवर' वंश-रेखा?

- (A) १६७.
- (B) ३४ (लटेर ३५ सँ अद्विऑन क 'फअन्दह' ब्रन्च).
- (C) थरेए अन्केस्टोर्स के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (D) सोदपुर्.

४८८. इदेन्टिफ्य गोत्र: एकर सगेस छथि/अछि शअन्दिल्य, असिट, आ देवल.

- (A) परशअर.
- (B) शअन्दिल्य.
- (C) लिनेअगेस दोसे थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (D) ओने हुन्द्रेद आ सिक्स्ट्य-सेवेन (१६७).

४८९. की अछि देफिनिऑन क 'ट्रिप्रवर' मे मइथइल ब्रह्मिन स्ट्रैम?

- (A) कशयप
- (B) मे छअन्दोज आ वजसनेयि वेदिक ब्रन्चएस.
- (C) ई रेफर्स केँ एक वंश-रेखा दोसे थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (D) थइर्त्य-फोउर.

४९०. लिनेअगेस दोरे फिवे अन्केस्टोर्स कोम्पोसेद रिग्वेदिक ह्यन्स छथि/अछि कटेगोरिसेद अस \_\_\_\_.

- (A) सेवेन (शअन्दिल्य, वट्स, कशयप, सवर्न, परशअर, भअरद्वज, कट्ययन).
- (B) ट्रिलोकन भअट्ट.
- (C) पन्चअप्रवर.
- (D) लिनेअगेस दोसे थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स (सुक्टस).

४९१. हिस्टोरिकल फिगुरे 'विद्यापति ठाकुर' बेलोन्स केँ कोन स्पेकिफिक मोओल आ गोत्र?

- (A) एक फोर्मल इन्ट्रोडुक्ऑन कोवेरिन्ग सेवेन गेनेरऑिऑन्स क अन्केस्टोर्स.
- (B) लिनेअगेस दोसे फिवे अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (C) करम्हे रोउनि.
- (D) बिसफइ मोओल आ कशयप गोत्र.

४९२. संकल्पना: क 'प्रवर' रेफर्स केँ अन्केस्टोर्स के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क ह्यन्स मे \_\_\_\_.

- (A) रिग्वेद
- (B) थइर्त्य-ट्वो.
- (C) केवल ओने: कस्यप.
- (D) कशयप.

४९३. एन्ट्रय लेल 'घअर्बरन' मेन्टिओन्स 'धउग्र बुधवल'. की अछि 'धउग्र'?

- (A) बुधवल मुल.
- (B) महमहोपधयय हलयुधअ.
- (C) स्पेकिफिक अन्केस्टोर्स के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.
- (D) एक स्पेकिफिक सुब-ब्रन्च वा गाम रेलटेड केँ बुधवल मोओल.

४९४. इन्दिबिदुअल बनि दउहित्र हइल्स सँ कोन मोओल?

- (A) ३२ अन्केस्टोर्स.
- (B) स्पेकिफिक सगे-अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेड सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (C) खौवल
- (D) हे अछि एअर्लिएस्ट क्नोव्न अन्केस्टोर सँ कोम वंश-रेखा अछि ओम्फिकिअल्लय त्रक्केद.

४९५. कोन स्पेकिफिक गाम/क्लन अछि रेफेरेन्स केँ अस 'सोदपूर' मे वंश-रेखा एन्ट्रीएस?

- (A) सोदपूर अछि ओने क दिस्टिन्क्ट 'मोओल्स' उसेद केँ त्रक्क मइथइल ब्रह्मिन अन्केस्टूय.
- (B) देफिनिटिओन: स्पेकिफिक सुब्सेट क दिस्टिन्गुइशएद अन्केस्टोर्स भीतर एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (C) वट्स आ कशायप.
- (D) ३४ (लटेर एक्स्पन्डेद केँ ३५).

४९६. सोन क भअग्वनदट्ट, नमेद छअन्द्रदेव, बेलोन्स केँ कोन मोओल?

- (A) गोपिनथ झा, सोन क यदुनथ झा क दरिहर रटउलि मोओल.
- (B) देफिनिटिओन: लिस्ट क सगे-अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेड सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (C) कर्मह.
- (D) सकर्हि.

४९७. इशदट्ट अछि सोन क कोन इन्दिबिदुअल सँ पन्दुअ मोओल?

- (A) लिनेअगेस कोसे थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स (सुक्टस).
- (B) शअन्दिल्य, असिट, आ देवल.
- (C) मुनि.
- (D) गोत्रस कोसे अन्केस्टोर्स कोम्पोसेद थरेए स्पेकिफिक सुक्टस क रिग्वेद.

४९८. के अछि इदेन्टिफिएद अस 'बिजि' क रुचइल एखअर ब्रन्च?

- (A) ३४ (लटेर ३५ सँ अद्विटिओन क 'खअम' ब्रन्च क फअनन्दह).
- (B) हरिशवर
- (C) ई त्रकेस हुनकर वंश-रेखा थरोउघ सेवेन गेनेरटिओन्स बेफोरे हिम आ हुनकर देस्केन्दन्ट्स उप केँ प्रेसेन्ट दय.
- (D) देफिनिटिओन: लिस्ट क सगे-अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेड सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.

४९९. दिघवे पउनि मोओल ओरिगिनटेस सँ कोन स्पेकिफिक इन्दिबिदुअल?

- (A) एक वंश-रेखा क रिशइ अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेड सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.
- (B) १६७
- (C) कस्यप अछि केवल गोत्र उसेद द्वारा मइथइल कर्न कयस्थअस.
- (D) अचइमिट, सोन क मोहर.

५००. मे सोदपूर महिय मोओल, के छथि/अछि सोन्स क जनर्दन?

- (A) बटेशनथ आ सुर्यनथ.
- (B) शयम्लल, भीम्लल, आ मुनिलल.
- (C) सदुपधयय भअनुक
- (D) नुम्बर क अन्केस्टोर्स (थरेए वा फिवे) के छल रिग्वेदिक ह्यन्स कोम्पोसेर्स.

५०१. कोन अन्केस्त्रल रोओट (मुल) अछि अस्सोकिअटेद सँ वंश-रेखा स्टर्टिंग सँ 'केशअव' आ 'नारायण' ?

- (A) टुए.
- (B) ई रेफर्स कें नुम्बेर क दिस्टिन्गुइशएद अन्केस्टोर्स (थरेए वा फिवे) के छल सेएर्स वा कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यम्स.
- (C) सुर्गन पिन्दोखअर
- (D) पन्चअ-प्रवर.

५०२. के छथि/अछि सोन्स क श्रीलल मे खअन्दिल (खअदोउरे) देशअल मोओल?

- (A) परशअर.
- (B) थरेए अन्केस्टोर्स के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यम्स.
- (C) एक वंश-रेखा कोसे अन्केस्टोर्स छथि/अछि क्रेदिटेद सँ कोम्पोसिंग फिवे रिग्वेदिक ह्यम्स (सुक्त्स).
- (D) सोनइ, पनलल, बक्चइ, आ नित्यनन्द.

५०३. मे धओल्बज्ज मोओल क पविनोभ भइत्थइ, के छथि/अछि सोन्स क यदुनथ?

- (A) दमोदर आ मथउरनन्द.
- (B) अन्किएन्ट मुलस (रोओट्स).
- (C) १६७
- (D) अन्केस्टोर्स के छल रेकोग्निजेद अस ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यम्स.

५०४. मे कुजोउलि नयम मोओल, के छथि/अछि सोन्स क अम्भइनधअर?

- (A) थरेए अन्केस्टोर्स के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यम्स.
- (B) कशइनथ, जय्मथ, आ प्रेमनथ.
- (C) नारायण, महेन्द्र, सुरेन्द्र, आ शअन्कर.
- (D) सेवेन गेनेरटिओन्स.

५०५. \_\_\_\_\_ मोओल सम्मिलित करैत अछि सुल्थअनपुर रेगिओन आ ब्रन्चएस लिके बरिलियस नर्सम.

- (A) ट्वेन्ट्य.
- (B) पलसिनि
- (C) बिजि प्रियन्कर
- (D) से थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यम्स.

५०६. मे पलिखअद महिशइ मोओल जमुअ वंश-रेखा, के अछि फथएर क गोविन्द?

- (A) कशयप.
- (B) सेएर्स (वा कोम्पोसेर्स/मन्त्र-द्रशट).
- (C) विर्यमनि.
- (D) अयन्थ श्रएस्थअ (फिर्स्ट), सेकोन्द ग्रेदे, आ मध्यम (मिद्दले).

५०७. मे वंश-रेखा क रधअकन्ट, की अछि रेकोर्देद 'मोओल' (अन्केस्त्रल रोओट) आ 'ग्रम' (गाम)?

- (A) नदुअद मोओल आ भअटोट्टर ग्रम.
- (B) अन्केस्टोर्स के छल रेकोग्निजेद अस ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यम्स.
- (C) शअन्दिल्य.
- (D) द्वारा रेकोर्दिना 'मुल्ग्रम' (ओरिगिनल गाम) आ सुब्सेकुएन्ट 'देरग्रम' (सेट्टुलेद गाम).

५०८. मोओल 'खअन्दल' अछि अल्सो रेफेरेद कें अस \_\_\_\_\_ मे टेक्स्ट.

- (A) लिनेअगेस कोसे फिवे अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यम्स.
- (B) ई अछि एक वंश-रेखा कोसे थरेए अन्केस्टोर्स छथि/अछि क्रेदिटेद सँ कोम्पोसिंग वेदिक ह्यम्स.
- (C) खअदोउरे
- (D) ई मर्क्स स्टर्टिंग बिन्दु वा रोओट सँ कोन सभ सुब्सेकुएन्ट ब्रन्चएस क एक परिवार छथि/अछि त्रक्केद.

५०९. अन्केस्त्रल गाम (मोओल) क फय्सिकिअन डॉ गन्यट अछि \_\_\_\_\_.

- (A) बन्सिधअर.
- (B) सलम्पुर.
- (C) देफिनिटिओन: स्पेकिफिक सुब्सेट क दिस्टिन्गुइशएद अन्केस्टोर्स भीतर एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यम्स.
- (D) फिर्स्ट वा हिघएस्ट कटेगोरि क लिनेअगेस, इन्क्लुदिना मोओल्स लिके खअदोरे, खौअरे, आ सरिसब.

५१०. की अछि 'पत्र पंजी' प्रिमरिल्य उसेद के रेकोर्ड?

- (A) ई अछि बेएन उसेद लेल अप्रोक्सिमेटेल्य ५०० येअर्स के मेन्टिओन 'मोओल-ग्रम' (अन्केस्त्रल गाम).
- (B) एक वंश-रेखा दोसे थरेए अन्किएन्ट अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यम्स.
- (C) अन्किएन्ट मुलस (लिनेअगेस).
- (D) कशयप

५११. कोन मुल दिद प्रोगेनिटोर 'ट्रिविक्रम भअट्ट' बेलोना के?

- (A) थएरे छथि/अछि २० इदेन्टिफिएद गोत्रस.
- (B) मन्दइ (मन्दरि).
- (C) अन्किएन्ट सगे अन्केस्टोर्स के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यम्स.
- (D) मन्दर दिह

५१२. दुरिग कोन हिस्टोरिकल पेरिओद छल 'पंजी प्रबन्ध' फोर्मल्ल्य एस्टब्लिशएद?

- (A) लटे मेदिएवल पेरिओद, स्पेकिफिकल्ल्य अरोउन्ड १३२६ AD (शअक १२४८).
- (B) नट्थउक
- (C) ब्रजनन्द.
- (D) मस्टर क अर्ट्स (MA).

५१३. के छल 'महमहो-पधयय' आ संगीतकार क 'पुरुशओट्टम' सखअ पंजी?

- (A) विजयदट्ट.
- (B) मधअव.
- (C) बचअरु.
- (D) पुरुशओट्टम झा.

५१४. कोन मइथइल रुलेर अछि क्रेदिटेद सँ फोर्मलिसिना पंजी स्ट्रिम मे १३२६ AD (शअक १२४८)?

- (A) बचएलोर क अर्ट्स (BA) आ बचएलोर क एदुकटिओन (बेद).
- (B) श्री मोहन, मन्मोहन, आ ब्रज्मोहन.
- (C) किना हरिसिम्हदेव.
- (D) मधयन्दिनि (वा वजसनेयि).

५१५. कोन किना क कर्नट द्यनस्ट्य इनिटिअटेद स्ट्रिमेटिक पंजी प्रबन्ध मे मिथिला?

- (A) मस्टर क अर्ट्स (MA).
- (B) महरज हरिसिम्हदेव.
- (C) रजेश, मोहित, आ विजयेश.
- (D) शइवदेव.

५१६. कोन रोओट (मुल) अछि अस्सोकिअटेद सँ परिवार क महमहोपधयय वर्धअमन?

- (A) गोविन्द
- (B) BA (बचएलोर क अर्ट्स).
- (C) खअलिस.
- (D) मधउ सधउको.

५१७. टेक्स्ट लिस्ट्स 'महदेव' अस एक सोन क व्होम मे अनुभाग कोन्केर्निंग 'विरेस्वर'?

- (A) BA (बचएलोर क अर्ट्स).
- (B) बन्क ओफिफिकल (बन्क पदधइकरि).
- (C) महरज मधअव सिंह.
- (D) विरेस्वर.

५१८. के अछि इडेन्टिफिएद अस सोन क बधअन?

- (A) बेहेरधइ.
- (B) पद्मनन्द, सचचइदनन्द, जिवनन्द, आ बलक्रिशन.
- (C) बचएलोर क अर्ट्स (BA).
- (D) अमरुक

५१९. अनुसार केँ अनुभाग (७७), के छथि/अछि ट्वो सोन्स क महि?

- (A) रज्जुमर, नरेश, आ फूल
- (B) दुर्गादट्ट आ भअवनिदट्ट.
- (C) मस्टर क अर्ट्स (MA).
- (D) गोवर्धअन

५२०. सोन्स क नन्दिपट छल नेन, पदर्थ, आ \_\_\_\_\_.

- (A) नो दिरेक्ट सोन्स छथि/अछि लिस्टेद; हे छल सुक्केएदेद द्वारा हुनकर ब्रोथएर रमेशवर सिंह.
- (B) मस्टर क अर्ट्स (MA).
- (C) एक्नथ.
- (D) रमनथ आ देवनथ.

५२१. के अछि फथएर क रमेशवर मे गन्गोर बधउवल ब्रन्च?

- (A) रन्गइ.
- (B) बचएलोर क अर्ट्स (BA).
- (C) १०९७ AD.
- (D) पंडित हरिनथ उपधयय उन्क्नोविन्ल्य मरिएद एक क्लोसे रेलटिवे दुए केँ एक लक्क क गेनेअलोगिकल रेकोर्ड्स.

५२२. मे भअभइनि पदुम कुमग्रम वंश-रेखा, के छल सोन क केशअव?

- (A) बचएलोर क अर्ट्स (BA).
- (B) शअन्करदट्ट.
- (C) हे छल एक BA-कुअलिफिएद टेअचएर आ एक सामाजिक वोर्केर.
- (D) कलिदस

५२३. की अछि अकदेमिक कुअलिफिकटिओन क कपिलेशवर, सोन क गजनन्द?

- (A) १३२६ AD (कोर्रेस्पोंदिन्ग केँ शअक १२४८).
- (B) पंडित हरिनथ उपधयय उन्क्नोविन्ल्य मरिएद एक क्लोसे रेलटिवे दुए केँ एक लक्क क गेनेअलोगिकल रेकोर्ड्स.
- (C) भअवदेव.
- (D) मस्टर क अर्ट्स (MA) आ बचएलोर क एदुकटिओन (बेद).

५२४. इडेन्टिफिय अकदेमिक देग्रेए क विद्यनथ सँ फअर्सवनि ब्रन्च.

- (A) वसुदेव.
- (B) शयम सुन्दर (अल्सो क्मोव्न अस मनगेर).
- (C) मधयन्दिन ब्रन्च.
- (D) बचएलोर क अर्ट्स (BA) आ बचएलोर क एदुकटिओन (बेद).

५२५. की छल हिघएस्ट अकदेमिक देग्रेए ओब्टइनेद द्वारा भअग्वन्जि?

- (A) मस्टर क अर्ट्स (MA).
- (B) १३२६ AD (सक १२४८).
- (C) विजयदट्ट
- (D) वटेर (जल), ओइल (टइल), आ लोओसे बिन्दिना (शइथइल-बन्धअन).

५२६. की अकदेमिक कुअलिफिकेटिओन अछि एक्स्प्लिकिट्लय मेन्टिओनेद लेल क्रिशननन्द'स सोन्स, नवेएन कुमार आ अर्विन्द?

- (A) अशइश, सन्तोश, आ मनिश.
- (B) सिजन
- (C) बचएलोर क अर्ट्स (BA).
- (D) बसुकिनथ

५२७. नमे सोन्स क वपट मे पवोलि वंश-रेखा.

- (A) वटेर, ओइल, आ लोओसे वा वेअक बिन्दिना.
- (B) बचएलोर क अर्ट्स (BA).
- (C) यशओधअर, जग्गदर आ हलधअर.
- (D) कम्लनन्द सिंह अछि रेफेरेद केँ सँ टिट्ले क 'रज'.

५२८. अनुसार केँ वंश-रेखा, गननथ (अलिअस गनेश) हेल्द कोन अकदेमिक देग्रेए?

- (A) क्षअट्रियस (स्पेकिफिकल्लय गन्धअवरिय रज्जुट्स).
- (B) अमनथ, विजयनथ, आ अशविनि
- (C) BA (बचएलोर क अर्ट्स).
- (D) मन्त्राउनि (मन्गल्वनि)

५२९. कोन क्लन प्रोविदेद मटेर्नल ओरिगिन (दउ) लेल सोन्स क यदुनन्दन?

- (A) निखउटि (स्पेकिफिकल्लय रम्दुट).
- (B) यदल्वअन्द्र
- (C) प्रिन्किपल क B.N. कोल्लेगे, पटन.
- (D) बचएलोर क अर्ट्स (BA) आ बचएलोर क एदुकटिओन (बेद).

५३०. इदेन्टिफ्य थरेए सोन्स क कपिलेशवर मे पोथइअ ब्रन्च.

- (A) गउरिकन्ट.
- (B) शअम्भउ, शएखअर, आ शअन्कनथ
- (C) अदित्य नारायण.
- (D) BA (बचएलोर क अर्ट्स).

५३१. मे खअन्दल ब्रन्च, के छथि/अछि सोन्स क सन्कर्शअन (शौन)?

- (A) मस्टर क अर्ट्स (MA).
- (B) १३२६ AD (सक १२४८).
- (C) भअद्रेशवर, दमोदर, बइकुन्थ, निलकन्थ, श्रीकन्ट, आ धयन्कन्ट.
- (D) उपधयय (यटिन्द्र नथ).

५३२. कोन अकदेमिक देग्रेए दोएस इन्डिविदुअल विवेक कशयप होल्द?

- (A) शअम्भउनथ आ केदर्नथ.
- (B) मस्टर क अर्ट्स (MA).
- (C) गनेशअदट्ट.
- (D) मोदनन्द झा.

५३३. के छल फथएर क फोर्मेर अद्वोकटे गेनेरल टरकन्ट?

- (A) महमहोपधयय.
- (B) रिद्धड़.
- (C) गयदट्ट.
- (D) मस्टर क अर्ट्स (MA) आ बचएलोर क एदुकटिओन (बेद).

५३४. की छथि/अछि थरेए स्पेकिफिक दनोर्स एक पंजी मनुस्क्रिप्ट मुस्ट हो प्रोटेक्टेड सँ अनुसार कैं त्रिदिऑनल वेर्सेस?

- (A) बचएलोर क अर्ट्स (BA).
- (B) चअटुर्धअरिक क्रिशनदेव आ हरिदेव.
- (C) वटेर (जल), ओइल (टइल), आ लोओसे बिन्दिना (शथइल बन्धन).
- (D) विशनुपटि.

५३५. सँ कोन गाम दिद विफे क घननन्द (मोथएर क चअबन/बचौ) ओरिगिनेट?

- (A) B.एक. (बचएलोर क अर्ट्स).
- (B) मन्मोहन.
- (C) महविर, मोटिनन्दन, देक्किनन्दन, आ मयनन्दन.
- (D) बुधवल (देस्केन्दन्ट क जगन्नथ).

५३६. इदेन्टिफाय एदुकटिओनल कुअलिफिकेटिओन्स क ब्रह्मनन्द, सोन क झउलनन्द.

- (A) B.एक. (बचएलोर क अर्ट्स).
- (B) सुन्दर.
- (C) टोफलल, शयमलल आ इशवललल.
- (D) निट्यनन्द आ रुनन्द.

५३७. “एदिटोरिअल, ब्लेस्सिन्स आ मैथिली फिर्स्ट्स” अनुभाग अनुसार, कोन कथन सही अछि?

- (A) स्क्रैण्शओट क कोम्मेन्ट अछि बेइना गिवेन अट एन्ड
- (B) हे अछि दोने स्पेकिअल कृति पर पंजी मनगेमेन्ट, सुच अस: १
- (C) एअर्ल्य इतिहास क मैथिली पिक्टुरे कथा (२००२ कैं २०१६) द्रविना (मकिना पिक्टुरेस) अछि ओने क ओल्देस्ट अर्ट्स
- (D) लिटरेटेडर्स छथि/अछि एक सेपरटे अनुभाग, इन्स्टिटुटिओन्स छथि/अछि सेपरटे

५३८. “गाम दिरेक्टोर के टुर्नेद क्रन्क: K.N.T.” अनुभाग अनुसार, कोन कथन सही अछि?

- (A) हे छल कोम्पोसेड पदवलि, आ हुनकर विद्यपट नअच छल फमोउस मे से टिमे
- (B) इफ I छल वन्टेद, I कोउल्द अछि गिवेन सभ लिन्क्स वा इमगेस मे ओने प्लके, बुट I थइन्क से रेअदेर्स शओउल्द गेट बेसी रेफेरेन्केस मे ओने प्लके
- (C) पर ई ओक्कसिओन, ई छल देकिदेद कैं मंच प्लय्स लेल ट्वो निघट्स (प्रोबब्ल्य मे ६१-६२)
- (D) वेल्ल-क्नोव्न् अन्केस्टोर्स क रिशइ शओनक छथि/अछि कल्लेद प्रवर अमोना मइथइल ब्रह्मिन्स, मेअनिना कोम्पोसेर्स क ह्यन्स क रिग्वेद छथि/अछि प्रवर्स

५३९. ई अनुभाग “गाम दिरेक्टोर के टुर्नेद क्रन्क” विषयमे मुख्य रूपें की संकेत करैत अछि?

- (A) अल्मोस्ट सभ स्पेकिअल इस्सुएस फोकुसेड पर क्रेअटोर्स अछि नोव कोमे ओउट अस प्रिन्ट-पर-देमन्ड पोथीसभ
- (B) केना I विल्ल मनगे म्य लिविना, से अछि लेल मे कैं थइन्क, दोन'ट योउ पोके योउर नोसे इन्टो ई! “-”सिर, सिर!
- (C) चअरक्टेर मे योउर उपन्यास सय्स मे ई रेगर्द: “फल्लिना कोप्सेस, हुनकर फमिलिएस सभ ब्रियेना
- (D) मे समानान्तर परम्परा क बिदपट नच, नृत्य-नाटक क विद्यापति गीत-पद (प्रेदटिना ज्योटिरिशवर) अछि पेफोर्मेद

५४०. “गाम दिरेक्टोर के टुर्नेद क्रन्क: K.N.T.” अनुभाग अनुसार, कोन कथन सही अछि?

- (A) लेट ई हो उन्देस्टोओद व्हेथएर ई अछि म्य प्रेजुदिके वा लक्क क टिमे, बेकउसे I नेवेर रेअद विदेह प्रोपेल्य, नोर दिद I एवेर अट्टेम्प्ट कैं उन्देस्टन्ड गजेन्द्र ठाकुर
- (B) इफ से छल नहि कसे, थएन भओलनथ झा, रेसिदेन्ट क कोइल्खअ आ संगीतकार क 'अगुर्बन', वोउल्द अछि केप्ट हुनकर पेन नमे अस 'सहस्त्रबधअनेए' इन्स्टेअद क “धउम्केटु” (कोमेट)
- (C) पेओप्ले सँ ग्रोओम'स सिदे आ ब्रिदे'स सिदे वोउल्द सिट टोगेथएर आ देकिदे बसेद पर हुनकर ओव्न् इन्ट्रोडुक्टिओन्स व्हेथएर मर्रिअगे क एक पर्टिकुलर बोय सँ एक पर्टिकुलर गिर्ल शओउल्द हप्पेन वा नहि
- (D) आ पुशइना असिदे गुअर्द अस इफ हे छल नोथइना, थएय पुशएद स्लिघट्ल्य ओपेन दोओर क रोओम आ एन्टेरेद

५४१. “दुशान पंजी: गजेन्द्र ठाकुर'स उनिवर्सल कोन्ट्रिबुटिओन कें मैथिली संस्कृति” अनुभाग अनुसार, कोन कथन सही अछि?

- (A) प्रेएटि ठाकुर अछि इन्ट्रोदुकेद हुनकर इम्मेन्से टलेन्ट
- (B) अमोन्ग मइथइल ब्रह्मिन्स, थएरे छथि/अछि ट्वो ट्यूप्स क प्रवर फमिलिएस - ट्रिप्रवर आ पन्चअप्रवर
- (C) थएय वोउल्द होल्द एक मेएटिन्ग अट स्कूल नेक्स्ट दय, इन्विटे ओप्फिकिअल्स आ ओप्फिके बेअरेर्स क इन्स्टिटुटिओन, आ रेकेड्वे ई मे से केरेमोन्य
- (D) वेल्ल-क्नोव्न् अन्केस्टोर्स क रिशइ शओनक छथि/अछि कल्लेद प्रवर अमोन्ग मइथइल ब्रह्मिन्स, मेअनिन्ग कोम्पोसेर्स क ह्यम्स क रिग्वेद छथि/अछि प्रवर्स

५४२. “दुशान पंजी: गजेन्द्र ठाकुर'स उनिवर्सल कोन्ट्रिबुटिओन कें मैथिली संस्कृति” केर तर्कसँ कोन बिन्दु सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?

- (A) गोविन्द झा'स लिस्ट कन हो कल्लेद एर्रोनेओउस आ इन्कोम्प्लेते मे लिघट क ओथएर ट्वो लिस्ट्स, सोमे बिन्दुसभ नेएद कोन्सिदेरटिओन
- (B) मे समानान्तर परम्परा क बिदपट नच, नृत्य-नाटक क विद्यापति गीत-पद (प्रेदटिन्ग ज्योटिरिशवर) अछि पेफोर्मद
- (C) एअर्ल्य जपनेसे अट्टेम्प्ट्स लिके ६८२ CE निहोन शओकि ग्लोस्सर्य क चइनेसे चअरक्टेर्स आ ओल्देस्ट एक्स्टन्ट जपनेसे लेक्सिकोन, टेन्नेइ बन्शओ मेइगि (८३५ CE), छल अल्सो सिग्निफिकन्ट एम्फोर्ट्स
- (D) ब्रोअद्ल्य, फिर्स्ट फिवे छथि/अछि कल्लेद पन्चअ गउद आ लट्टेर फिवे छथि/अछि कल्लेद पन्चअ द्रविद

५४३. “सहस्त्रबधअनेए: मे म्य विएव” केर तर्कसँ कोन बिन्दु सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?

- (A) एक सिम्प्ले कुएस्टिओन मय अरिसे मे रेअदेर'स मिन्द: छथि/अछि सम्पादक क विदेह वा पेओप्ले अस्सोकिअटेद सँ ई क्नोव्लेद्रेअब्ले मे सभ थएसे स्क्रिप्ट्स?
- (B) एकर चअरक्टेर्स, व्हिले बेलोनिन्ग कें मधुबनी दिस्ट्रिक्ट ( कथा'स थरेअद इन्दिक्टेस ई), त्रवेल कें पट्न, दिल्ली, आ कल्कुट्ट
- (C) इफ से छल नहि कसे, थएन भओलनथ झा, रेसिदेन्ट क कोइल्खअ आ संगीतकार क 'अगुर्बन', वोउल्द अछि केप्ट हुनकर पेन नमे अस 'सहस्त्रबधअनेए' इन्स्टेअद क “धउम्केटु” (कोमेट)
- (D) देव्जरयन ठाकुर, लाल बबु, मधुबन जि, इन्द्रकन्ट जि, एट्क., आ ई ग्रोउप, मे रेटलिअटिओन लेल इन्सुल्ड कें धअनेशवर जि, एवेन्टुअल्ल्य गोद लन्द्लोर्ड'स एल्देस्ट सोन इम्प्रिसोनेद मे एक लोकक-उप लेल एक वेएक

५४४. ई अनुभाग “सहस्त्रबधअनेए” विषयमे मुख्य रूपेँ की संकेत करैत अछि?

- (A) इफ से छल नहि कसे, थएन भओलनथ झा, रेसिदेन्ट क कोइल्खअ आ संगीतकार क 'अगुर्बन', वोउल्द अछि केप्ट हुनकर पेन नमे अस 'सहस्त्रबधअनेए' इन्स्टेअद क “धउम्केटु” (कोमेट)
- (B) कें नोर्थ छथि/अछि गोपलखअ-रम्बएटरि-शअन्कर्पुर् आ कें सोउथ छथि/अछि महिनथपुर-नरुअर-हइन्थइबलि, भैरब-स्थअन, बिदेशवर-स्थअन, लोह-कथन, एट्क
- (C) सो I बेलिएवे से अल्थओउघ ई पोथी अछि दिरेक्ट्ल्य अबोउट गजेन्द्र ठाकुर आ प्रेएटि ठाकुर, ई अल्सो एवलुअटेस फोउर पेओप्ले सँ एक साहित्यिक पेर्स्येक्टिवे
- (D) सँ ई एम्फोर्ट क योउर्स, कथासभ से छल बेकोमिन्ग एक्स्टिन्क्ट अछि कोमे अलिवे अगइन

५४५. “एक लेट्टेर लेल कुरुक्षेत्रम अन्तर्मनक” केर तर्कसँ कोन बिन्दु सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?

- (A) दिस्कुस्सिन्ग टिर्हुट लिपि, मन्य मइथइल स्वओलर्स, बेफोरे अन्योने एल्से, देक्लरे दर्भअन्ग महरज लक्षमिशवर सिंह अस एक ओप्पोनेन्ट क टिर्हुट आ एक पट्टोन क देवनागरी
- (B) इफ से छल नहि कसे, थएन भओलनथ झा, रेसिदेन्ट क कोइल्खअ आ संगीतकार क 'अगुर्बन', वोउल्द अछि केप्ट हुनकर पेन नमे अस 'सहस्त्रबधअनेए' इन्स्टेअद क “धउम्केटु” (कोमेट)
- (C) मे अनुवाद, वे कन कल्ल थएम मुल्टि-वोइकेदनेस्स, दिअलोगुए-ओरिएन्टिओन, आ फेस्टिवलिजटिओन
- (D) जोउर्नेय अछि बेकोमे लोन्ग नोव...." अनुसंधान-निबंध-क्रिटिकिस्म मे बेगिन्निन्ग, थएरे अछि 'खइस्स शइट-बसन्ट', बसेद पर फिएल्ड कृति

५४६. कवि कमेशवर चौधरी'स कोल्लेक्टिओन 'सनेस' (मेस्सगे) अछि चअरक्टेरिसेद द्वारा कोन दोमिनन्ट रसस अनुसार कें अध्याय?

- (A) Śṛṅgār आ Hāsya
- (B) Śānt (पेअके) आ Vīr (हेरोइस्म क मिन्द)
- (C) रुद्र आ बिभअट्स
- (D) करुण आ अद्भुत

५४७. समानान्तर इतिहास इडेन्टिफिएस थरेए ‘समानान्तर’ अकदेमिएस इन्स्टिटुटेद द्वारा विदेह. कोन क फोल्लोविन्ग अछि ओने क थएम?

- (A) समानान्तर हिन्दी अकदेमि
- (B) समानान्तर सहित्य अकदेमि, समानान्तर ललित कल अकदेमि, आ समानान्तर सन्नोएट नटक अकदेमि
- (C) समानान्तर उर्दु अकदेमि
- (D) समानान्तर संस्कृत अकदेमि

५४८. चौधरी'स सुर्वेय अछि प्रइसेद लेल एकर निरूपण क प्रे-विद्यापति पेरिओद. कोन कृति दोएस हे उसे केँ रेकोन्स्ट्रुक्ट एअलर्त्य मैथिली प्रोसे संस्कृति?

- (A) टट्टवकिन्टवमण्ड
- (B) वरणनवरटनवरकर आ उमपटि'स नाटक
- (C) चअर्यपद केवल
- (D) गोरक्षअविजय

५४९. कोन ओने क फोल्लोविन्ग अछि एक कृति अट्टिबुटेद केँ प्लयिघट भअस? (२०२४)

- (A) {'लबेल': 'एक', 'टेक्स्ट': 'कव्यलन्कर'}
- (B) {'लबेल': 'ब', 'टेक्स्ट': 'नट्यशअस्त्र'}
- (C) {'लबेल': 'क', 'टेक्स्ट': 'मध्यम-व्ययोग'}
- (D) {'लबेल': 'द', 'टेक्स्ट': 'महभअशय'}

५५०. के अमोना फोल्लोविन्ग रुलेर्स मे अन्किएन्ट भारत छल अस्सुमेद टिट्लेस 'मट्टविलस', विचइत्रचइट्ट आ 'गुनभअर'? (२०२५)

- (A) {'लबेल': 'एक', 'टेक्स्ट': 'महेन्द्रवर्मन I'}
- (B) {'लबेल': 'ब', 'टेक्स्ट': 'सिंहविशनु'}
- (C) {'लबेल': 'क', 'टेक्स्ट': 'नरसिंहवर्मन I'}
- (D) {'लबेल': 'द', 'टेक्स्ट': 'सिंहवर्मन'}

५५१. सँ रेफरेन्के केँ फोओद चैन्स मे एकोस्पेस्टेस, कोन क फोल्लोविन्ग किन्ट्स क ओर्गनिस्म अछि/छथि/अछि क्नोन् अस देकोम्पोसेर ओर्गनिस्म/ओर्गनिस्मस? (२०१३) १. विरुस २. फुन्नि ३. बक्टेरिअ सेलेक्ट सही उत्तर उसिना कोदे गिवेन बेलोव:

- (A) {'लबेल': 'एक', 'टेक्स्ट': '१ केवल'}
- (B) {'लबेल': 'ब', 'टेक्स्ट': '२ आ ३ केवल'}
- (C) {'लबेल': 'क', 'टेक्स्ट': '१ आ ३ केवल'}
- (D) {'लबेल': 'द', 'टेक्स्ट': '१, २ आ ३'}

५५२. कोन्सिदेर फोल्लोविन्ग कथनसभ सँ रेगर्द केँ फिल्म 'बोओना': १. फिल्म अछि रेकेन्टल्य वोन ब्रिटिश अकदेम्य क फिल्म आ टेलेविसिओन अर्ट्स (बफ्ट) अवर्द मे शिशु/बाल'स आ परिवार फिल्म कटेगोर्य. २. फिल्म अछि दिरेक्टदेद द्वारा लक्षमिप्रिय देवि. ३. ई अछि फिर्स्ट इन्दिअन फिल्म केँ विन एक बफ्ट अवर्द मे शिशु/बाल'स आ परिवार फिल्म कटेगोर्य. कोन क कथनसभ गिवेन अबोवे अछि/छथि/अछि सही?

- (A) {'लबेल': 'एक', 'टेक्स्ट': '१, २ आ ३'}
- (B) {'लबेल': 'ब', 'टेक्स्ट': '२ आ ३ केवल'}
- (C) {'लबेल': 'क', 'टेक्स्ट': '१ आ २ केवल'}
- (D) {'लबेल': 'द', 'टेक्स्ट': '३ केवल'}

५५३. कोन २०थ-केन्टुर्य बांग्ला कवि, अट हेइघट क बेन्गल रेनइस्सन्के, कोम्पोसेद हुनकर एअलर्त्य 'भअनुसिन्धअ थअकुरेर पदवलि' मे ब्रजबुलि, इनिटिअल्ल्य प्रेसेन्टिना थएम अस कृति क एक नेक्क्य डिस्कोवेरेद मेदिएवल कवि?

- (A) कजि नज्जुल इस्लम
- (B) जिवननन्द दास
- (C) रबिन्द्रनथ टगोरे
- (D) बुद्धअदेब बोसे

५५४. ओर्गनिस्टिओन क अर्चएओलोगिकल वोर्क्षओप्स अछि हेल्पेद केँ क्रेअटे अवरेनेस्स अबोउट:

- (A) अर्ट्स आ क्रफ्ट्स
- (B) बुइल्ट हेरिटगे
- (C) बम्बोओ आ काष्ठकला
- (D) गमेस आ स्पोर्ट्स

५५५. कोन क फोल्लोविंग अरेअस छथि/अछि कोवेरेद मे अनुसंधान, देवेलोपमेन्ट आ मनगेमेन्ट द्वारा ैक्टे? १६० ओस्वल UGC NET पपेर - १  
येअर-विसे सोल्वेद पपेस एक. होटेल मनगेमेन्ट B. टोव्न प्लन्निंग C. फअर्मक्व D. अप्लिएद अर्ट्स आ स्किएन्के E. एग्निनेएरिंग F. कोम्मेर्के आ त्रदे  
G. एदुकटिओन चूसे सही कोदे सँ विकल्पसभ गिवेन बेलोव.

- (A) एक, B, C, D आ E
- (B) एक, B, C, D, E, F आ G
- (C) एक, C, D आ F केवल
- (D) एक, D, आ E केवल

५५६. Q9८. कोन गेन्ने छल स्ट्रोनोर थअन प्रोसे दुरिन्ग मिद्दले पेरिओद?

- (A) एक. गीत-पद आ नाटक
- (B) B. उपन्यास
- (C) C. स्किएन्टिफिक निबंध
- (D) D. ौटोबिओग्राफय

५५७. अध्याय २ मे “गनोस उपधयय” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई पेदगोगिकल्लिटेरर्य प्रोजेक्ट अछि एन्टिरेल्य कोन्सिस्टेन्ट सँ विदेह समानान्तर इतिहास'स कोम्मिट्मेन्ट केँ देवेलोपिन्ग एवेर्य रेगिस्टर आ ौदिएन्के क मैथिली साहित्य.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से देस्कर्टेस ब्रेअक्स सँ लिने क इन्हेरिटन्के, रेफुसिन्ग केँ किटे स्रोतसभ; गङ्गेड, लिंके सभ इन्दिअन फइलोसोफएर्स, अट्टचएस हिम्सेल्फ रेस्पेक्टफुल्लय केँ हुनकर प्रेदेकेस्सोर उदयन एवेन केन देपर्टिन्ग सँ हिम.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सम्पादित द्वारा गजेन्द्र ठाकुर सँ नाटक सम्पादक बेचअन ठाकुर, ई प्रकाशन कोम्पिलेद पेफोर्मिन्ग अर्ट्स अक्विटिविद्य सँ विदेह इस्सुएस ५१-१०० आ प्रोविदेद एक समीक्षात्मक अनल्यिसस क कस्टे-बसेद रंगमंच (जाटिग्रस्ट रन्मन्च) वेर्सुस देमोक्रेटिक...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सन्नेएट नटक अकदेमि आ मैथिली पेफोर्मिन्ग अर्ट्स VI.

५५८. अध्याय २ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?

- (A) अकदेमिक सुवेन्स क मैथिली लघु कथा एक्स्प्लिकिट्लय लिस्ट ई कोल्लेक्टिओन अमोन्ग प्रमुख कोन्ट्रिबुटिओन्स क देकदे.
- (B) मंच दिरेक्टिओन्स छथि/अछि मिनिमल: " कवि विद्यापति एन्टेर्स," " योउन्ग स्त्री ओपेन्स एक शओप, स्म्बोलिकल्लय," "दक्नेस्स स्प्रेअट्स." एक प्रदर्शन स्टुडिएस स्वओलर वोउल्ड अस्क: की अछि बेइन्ग दोकुमेन्टेद हेरे?
- (C) अक्विटिविद्य थएओर्य थएरे अछि एक लोन्ग-स्टन्दिन्ग डिस्पुटे बीच नइययिकस आ वइयकरनस (ग्रम्मरिअन्स) रेगर्दिन्ग प्रिमर्य मेअनिन्ग क वेब.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से १४४८]], कवि कोसे गीत-पद छथि/अछि सो एम्बेद्देद मे मैथिली सांस्कृतिक पहचान से थएय सुर्विवे मे लिविन्ग मौखिक प्रदर्शन केँ ई दय.

५५९. अध्याय २२ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वेस्टेर्न समीक्षात्मक त्रिदिटिओन्स, फेनोमेनोलोग्य, स्ट्रुक्चुरलिस्म, पोस्ट-कोलोनिअल थएओर्य, आ इन्टेक्स्टुअलिट्कोम्प्लेटे अनल्यिटिकल अप्परटुस.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से इ दो नहि उन्देस्टन्ड की अछि बसिस क ई कथन, फोल्क्लोरे वा लेगेन्ड.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सिंह'स एडिटिओन ब्रिन्स ई टेक्स्ट इन्टो मैथिली साहित्यिक पुब्लिक स्फएरे लेल फिर्स्ट टिमे, एक सिग्नल अक्ट क सांस्कृतिक रेपट्रिअटिओन.
- (D) इन्स्टिटुटिओनल एन्गगेमेन्ट सँ मैथिली पेफोर्मिन्ग अर्ट्स मैथिली पोस्सेस्सेस एक्स्त्राओर्दिनरिल्य रिच पेफोर्मिन्ग अर्ट्स त्रिदिटिओन्स: बिदेसिअ आ नटुअ नृत्य फोर्म्स, सम-चअकेव फेस्टिवल त्रिदिटिओन्स, झइझइअ आ जिटिय लोक पेफोर्मन्केस, मैथिली रंगमंच लिने...

५६०. “हिटेन्द्र गुप्त (दिल्ली)” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गुप्त'स पिएके पर लिकुओर पोलिक्य शओव्स ौचइट्य मे एकर चओइके क सुब्जेक्ट (दिरेक्ट्लय प्रासंगिक केँ बिहर/मिथिला कोम्मुनिट्य रेअदिन्ग विदेह), एकर रेगिस्टर (जोउर्नलिस्टिक प्रोसे, नहि साहित्यिक एलबोरटिओन), आ एकर प्लकेमेन्ट मे सदेह २३...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से इलरनि सिंह इलरनि सिंह अछि एक मैथिली स्त्री लेखक, प्लय्रिघट, आ कवि कोसे कृति अछि अस्सोकिअटेद सँ विदेह कोर्पुस आ ब्रोअदेर लिने क इन्हेरिटन्के क स्त्री'स त्रिटिन्ग मे मैथिली.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से १४४८]], कवि कोसे गीत-पद छथि/अछि सो एम्बेद्देद मे मैथिली सांस्कृतिक पहचान से थएय सुर्विवे मे लिविन्ग मौखिक प्रदर्शन केँ ई दय.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बोर्डिएउ: लिन्गुइस्टिक कपिटल आ फिएल्ड थएओर्य पिएरे बोर्डिएउ'स थएओर्य क लिन्गुइस्टिक कपिटल (भाषा आ स्म्बोलिक पोवेर, १९९१) अनल्येसिस भाषा अस एक फोर्म क कपिटल से कोन्फेर्स सामाजिक पोवेर पर एकर स्पेअकेर्स.

**५६१. अध्याय २८ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) इन्स्टिटुटिओनल एनागमेन्ट सँ मैथिली पेफॉर्मिन्ग अर्ट्स मैथिली पोस्सेस्सेस एक्स्त्राओर्डिनरिल्य रिच पेफॉर्मिन्ग अर्ट्स त्रिडिओन्स: बिदेसिअ आ नटुअ नृत्य फोर्म्स, सम-चअकेव फेस्टिवल त्रिडिओन्स, झड़झड़आ आ जितिय लोक पेफॉर्मन्केस, मैथिली रंगमंच लिने...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ट ह ए म एक ट इ क एक न एक ल य स इ स ओ H इ स ब्र इ ट इ न ग ७.१ अब्सुर्द अस सामाजिक क्रिटिकुए रेकुर्रिन्ग टेर्म अजगुट (अब्सुर्दिट्य, इन्कोन्गुइड्य, सोमेथइन्ग ओउट क प्लके) मे टिटुले बद अजगुट देखअल सिग्नल्स एक फइलोसोफइकल-अएस्थएटिक...
- (C) हुनकर पोएटिक अचइएवेमेन्ट अछि ई: शए नेवेर कोम्प्लइन्स -शए बेअर्स विट्नेस्स.
- (D) निबंधसभ रेपेअटेड्ल्य गेस्टुरे टोवर्द एक स्टुक्चुरे क फेएलिन्ग से अछि नो अदेकुअटे नमे मे मैथिली साहित्यिक दिस्कोउर्स: मिक्स्टुरे क प्रिदे, ग्रिएफ, हेल्थलेस्नेस्स, आ स्टुब्बोर्न होपेफुल्नेस्स से चअरक्टेरिजेस लिवेद एक्स्पेरिएन्के क कोम्प्लेक्स् मैथिली सांस्कृतिक...

**५६२. “गजेन्द्र ठाकुर” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई देटइल उन्देस्कोरिस हुनकर पोसिटिओन अस एक लेखक ओपेरटिन्ग एन्टिरेल्य ओउटसिदे अकदेमिक आ इन्स्टिटुटिओनल फ्रमेवोर्क्स इन्सिदे कोन सभसँ 'रेकोग्निसेद' मैथिली त्रिटेर्स अछि बेएन बसेद.
- (B) सभसँ उचित क हुनकर गीत-पद अचइएवे कोम्प्रेस्सिओन आ रेसोनन्के क शास्त्रीय पदवलि क्लिरे अद्वेस्सिन्ग सामाजिक कोन्टेन्ट क समकालीन पोलिटिकल पोएट्य.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई गिवेस स्वर केँ थअरु, रज्ज्शइ, आ ओथएर सुबल्टेर्न कोम्मुनिटिएस क नेपाल टेरेइ क्लोसे सांस्कृतिक वोल्ड छल इन्विसिब्ले मे दोमिनन्ट साहित्यिक कनोन्स क बोथ हिन्दी आ नेपालि.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सम्पादित द्वारा गजेन्द्र ठाकुर सँ नाटक सम्पादक बेचअन ठाकुर, ई प्रकाशन कोम्प्लेद पेफॉर्मिन्ग अर्ट्स अक्टिविटीय सँ विदेह इस्सुएस ५१-१०० आ प्रोविदेद एक समीक्षात्मक अनलिसिस क कस्टे-बसेद रंगमंच (जट्टिग्रस्त रन्मन्च) वेर्सुस देमोक्रेटिक...

**५६३. अध्याय ३८ अनुसार, “डॉ. किर्तिनथ झा” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) थएमटिक & समीक्षात्मक अनलिसिस प्रनव झा'स कोर्पुस अछि विदेह समानान्तर इतिहास'स सभसँ व्यापक सिन्ले-लेखक दोकुमेन्टिओन क समकालीन मैथिली समाज'स डिजिटल त्रान्सिटिओन: फकेबोओक Kē कक्कर ( फकेबोओक क्लिर्), Āनलान पिपेकेस मे समे...
- (B) मे २०२२, शए छल कोन्फेरेन्ड सन्नेट नटक अकदेमि अवर्द, भारत'स हिघएस्ट नटिओनल रेकोग्निटिओन मे पेफॉर्मिन्ग अर्ट्स, लेल हुनकर कोन्ट्रिबुटिओन केँ इन्डिअन रंगमंच अस एक अक्टोर.
- (C) मैथिली मे नेपाल ओक्कुपिएस एक दोउब्ल्य सुबल्टेर्न पोसिटिओन: मर्गिनलिसेद बोथ द्वारा नेपालि-भाषा नटिओनल संस्कृति आ द्वारा भारत-केन्ट्रिक मैथिली साहित्यिक एस्टब्लिशमेन्ट से लर्गेल्ड इग्नोरेस नेपालेसे मैथिली त्रिटेर्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर डॉ. किर्तिनथ झा, फय्सिकिअन, अनुवादक, लघु कथा लेखक आ सांस्कृतिक ब्रिदे.

**५६४. अध्याय ४७ अनुसार, “मुन्नि कमट” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अदोप्टिबे सोन फिगुरे (पोस्पुट) मे कथा अछि उल्टिमेटेल्य अम्बिगुओउस: अछि ई बिओलोगिकल सोन विनोद के अछि फइलेद केँ रेटुर्न?
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि कोन्सिस्टेन्ट सँ हुनकर जोर्नलिस्टिक त्रइनिन्ग आ हुनकर रंगमंच बक्कगोउन्ड: बोथ अर्ट्स से प्रिविलेगे एक्स्टेर्नल, विसिब्ले, स्पेकेन.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे इमगिनेस मेदिएवल सइन्ट-कवि अस एक आधुनिक "फ्रेएलन्केर" वा एक कोर्पुट IAS ओफिफेर.
- (D) टेअचएर'स अर्रिबल अक्टिविटेस एक रेवेर्सल क फोर्नुमे से अछि बोथ ड्रमटिकल्ल्य सटिस्फियन्ग आ थएमटिकल्ल्य पोइन्टेद.

**५६५. अध्याय ५७ अनुसार, “प्रेएटि ठाकुर'स” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गयट्रि स्पिच'स कुएस्टिओन “कन सुबल्टेर्न स्पेअक?” रेसोनटेस सँ पर्टिकुलर फोर्के मे सन्दर्भ क प्रेएटि ठाकुर'स रेकोवेर्य क नोन-ब्रह्मिन लोक हेरोएस.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से यअयअवरि (हिन्दी अनुवाद: कल्पन झा).
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि कोन्सिस्टेन्ट सँ हुनकर जोर्नलिस्टिक त्रइनिन्ग आ हुनकर रंगमंच बक्कगोउन्ड: बोथ अर्ट्स से प्रिविलेगे एक्स्टेर्नल, विसिब्ले, स्पेकेन.
- (D) हुनकर पोलिटिकल कोन्सिओउस्नेस्स अछि स्पेकिफिकल्ल्य लिन्गुइस्टिक: रिघट्स हे ड्रमटिसेस छथि/अछि भाषा रिघट्स, सांस्कृतिक रिघट्स, रिघट क एक कोम्मुनिटी केँ एक्सिस्ट आ एक्स्प्रेस इट्सेल्फ मे एकर ओव्न मोथएर टोन्गुए.

**५६६. अध्याय ६० “रज्देओ मंडल” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) मे फोरेवोर्ड केँ जअल, हे स्टेटस: 'I अछि मदे एक स्मल्ल एफफोर्ट, एवेन विथओउट बेइन्ग स्किल्लेद मे सुब्जेक्ट.' ई चअरक्टेरिस्टिक मोदेस्टिअ अछि अक्कोम्पनिएद द्वारा एक क्लेअर अवरेनेस्स क पुर्पोस: केँ कोन्ट्रिबुटे केँ देवेलोप्मेन्ट क एक मैथिली स्क्रैएन्प्लय लिने क...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दिवेर्सिटी क मैथिली साहित्य: मैथिली साहित्य, सँ विद्यापति केँ प्रेसेन्ट, अछि इम्मेन्सेल्य दिवेर्स, एपिक्स, पद्यवला (गीत-पद), लोक रंगमंच, आधुनिक पोएट्रय, नोवेल्स, लघु कथासभ, दलित ब्रिटिन्ग, स्त्री'स ब्रिटिन्ग, दिअस्पोरिक ब्रिटिन्ग.
- (C) अनन्दवर्धन: धवन्यलोक, थएओर्य क धवनि (पोएटिक रेसोनन्के/सुग्गेस्टिओन).
- (D) मैथिली स्पेन्ट मिद-२०थ केन्टुर्य अस एक उन्नेकोग्निजेद भाषा, एक्स्क्लुदेद सँ एइघथ स्वएदुले क इन्दिअन कोन्स्टिटुटिओन उन्टिल २००३, फिघटिन्ग लेल इन्स्टिटुटिओनल रेकोग्निटिओन अगइन्स्ट हेगेमोन्य क हिन्दी.

**५६७. अध्याय ६६ मे “रमेश आ मल झा” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रेफरेन्केद मे विदेह समानान्तर इतिहास आ मे D.C.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अस्पिरेस टोवर्द रोउथ रंगमंच, पोलिटिकल्लय एन्गगेद, रोओटेद मे कोम्मुनिटी, उसिन्ग पोपुलर फोर्म्स आ वेर्नकुलर भाषा, क्लिे अल्सो रेअचइन्ग टोवर्द होल्य रंगमंच: रंगमंच से टोउचएस इन्विसिब्ले, सक्नेद, ...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे उल्लेख करैत अछि से अन्य प्रिन्टिन्ग एवेन्ट मे मैथिली अछि रेसुल्ट क एक "साहित्यिक पेर्सिस्टेन्के" (जिह्) आ पेर्सोनल फिनन्किअल सक्किफिके, ओफ्टेन ओक्कुर्निंग मे एक सामाजिक एन्विरोन्मेन्ट क्लेरे वेअलथय एलिटे छथि/अछि इन्दिफेरेन्ट केँ सांस्कृतिक प्रोदुक्चिओन.
- (D) एक PAR एक L L E L H I S T O R Y O F M एक I T H I L I L I T E R A T U R E समीक्षात्मक अप्प्रेकिअटिओन्स शअन्टि लक्ष्मि चौधरी & रजेएव रन्जन मिश्र फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार · गजल कवि & भक्तिपरक संगीतकार इन्दिअन & वेस्टर्न साहित्यिक थएओर्य · विदेह समानान्तर...

**५६८. अध्याय ६८ (“गजेन्द्र ठाकुर”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?**

- (A) एक रेलटेद रेअदिन्ग मे अध्याय अछि से अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स गजेन्द्र ठाकुर सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.
- (B) मे २०२२, शए छल कोन्फेरेन्ड सन्गोएट नटक अकदेमि अवर्द, भारत'स हिघएस्ट नटिओनल रेकोग्निटिओन मे पेफोर्मिन्ग अर्ट्स, लेल हुनकर कोन्ट्रिबुटिओन केँ इन्दिअन रंगमंच अस एक अक्टोर.
- (C) मे भाषा क रम्पोन्ड विल्लिअम्स' सांस्कृतिक मटेरिअलिस्म, अचअर्य शअरन रेप्रेसेन्ट्स एक “दोमिनन्ट” फिगुरे मे इन्स्टिटुटिओनल सेन्से, येट हुनकर कृति पर मैथिली ग्रामर आ मनस अनुवाद सिमुल्तनेओउसल्य ओपेरेटेद अस एक “रेसिदुअल” सांस्कृतिक फोर्म...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कुन्टक'स वक्त्रोक्ति: 'नवका बहुरियत' अस एक टिट्ले अछि ओब्लिक्वेल्य पोलिटिकल, नेव दउघटेर-मे-लव अछि नोमिनल्लय एक दोमेस्टिक सुब्जेक्ट बुट मे मैथिली सामाजिक रेअलिटी शए अछि सुब्जेक्ट क दोन्य देमन्ड्स, दोमेस्टिक एक्स्पेक्टिओन्स, आ पोटेन्टिअल...

**५६९. “फअनिशवर नथ रेनु” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से १४४८ CE), ब्रोटे भक्तिपरक गीत-पद (पदवलि) मे स्वर क रधअ आ क्रिशन से कोन्टिनुए केँ हो सुन्ग अक्रोस्स मिथिला, बेनाल, आ नेपाल केँ ई दय.
- (B) अगस्ट्य सप्पिट अचइएवेमेन्ट पेर्हप्स सभसँ द्रामटिकल्लय इल्लुस्त्रटिवे क भअव्थ झा'स स्वओलल्य मेथओद अछि हुनकर एदिटिओन आ अनुवाद क अगस्ट्य सप्पिट, एक संस्कृत वडशनव अगम टेक्स्ट पर वोर्शडप क रम.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पक्षअधअर आ ओथएर मिथिला टेअचएर्स दिद नहि अल्लोव कोप्पिन्ग क टट्टवचइन्टमनि!
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ) अलिग्न सँ पदवलि क प्रे-ज्योटिरीशवर विद्यापति, बुट दो नहि अलिग्न सँ पोएटिक सोफइस्टिकटिओन क संस्कृत आ अवहट्थअ विद्यापति.

**५७०. “डॉ. शअम्भउ कुमार सिंह” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) मे अनन्दवर्धन'स टेम्स, ई अछि विवर्तन धवनि (त्रन्स्फोर्मटिवे सुग्गेस्टिओन): स्टेटेद मेअनिन्ग ( महभअरट म्थ) अछि रेप्लकेद द्वारा एक बेसी पोवेर्फुल उन्स्टेटेद मेअनिन्ग (समकालीन कस्टे-सेक्सुअल ओप्प्रेसिओन).
- (B) हुनकर सिग्निफिकन्के अछि नहि केवल साहित्यिक बुट एपिस्टेमोलोगिकलिन देएप सेन्से इन्टेन्देद द्वारा गन्गोस उपधयय'स नव्य-न्यतय: हुनकर कृति सेर्वेस अस एक क्लाइम केँ क्लेक्लेट्रे, एक सेट क टेस्टिमोनिएस अबोउट मैथिली वोर्ल्ड से रेकुइरे फुल्ल अप्परटुस क...
- (C) मे २०२२, शए छल कोन्फेरेन्ड सन्गोएट नटक अकदेमि अवर्द, भारत'स हिघएस्ट नटिओनल रेकोग्निटिओन मे पेफोर्मिन्ग अर्ट्स, लेल हुनकर कोन्ट्रिबुटिओन केँ इन्दिअन रंगमंच अस एक अक्टोर.
- (D) ौचइट्य थएओर्य (क्षएमेन्ड'स ौचइट्यविचअरचअर्चा, क.

५७१. अध्याय ८० (“शान्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?

- (A) विदेह सदेह ९ (प्रेलिम\_९): Bāl गजल १-४ / कुम्हर / बर्खअ Rānā.
- (B) "दोओशानन पंजी" वा ब्लक्कबोओक, दिगितिजेद आ रेलैअसेद द्वारा विदेह मे २००९, सेवेस अस एक प्रिमर्य टोओल क अर्चइवल रेसिस्टन्के, एक्स्पोजिना गेनेअलोगिकल "सेक्रेट्स" सुच अस मरिअगे क फइलोसोफएर गन्गेश उपधयय कें एक स्त्री सँ एक लोवेर कस्टे...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से साहित्य अछि एक कुरेन्ट से दोएस नहि मेरेल्य फलोव इन्सिदे एकर बन्क्स, ई ब्रेअक्स एकर बन्क्स आ इनुन्टेस एअर्थ-लिके हेअर्ट, सभ वय कें एवेर्य शओरे.) ई अछि डॉ.
- (D) हुनकर नो एन्ट्यू: Mā प्रविश छल फिर्स्ट प्रमुख मैथिली प्लय कें हो प्रकाशित अस एक ए-टेक्स्ट द्वारा वय क विदेह एजोर्नल, गजेन्द्र ठाकुर'स २१-पगे इन्ट्रोदुक्तिओन कें प्लय अछि इट्सैल्फ एक लन्डार्क क मैथिली रंगमंच क्रिटिकिस्म.

५७२. अध्याय ८० मे “शान्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रिच'स 'लेस्बिअन कोन्टिनुअम' छल देवेलोपेद मे एक वेस्टर्न फेमिनिस्ट सन्दर्भ बुट अछि ब्रोअद क्रोस्स-सांस्कृतिक अप्लिकबिलिटी: एकर केय तर्क अछि से हेटेरोसेक्सुअलिटी अछि एक कोम्प्लुसोर्य सामाजिक इन्स्टिटुटिओन रथएर थअन एक नटुरल वा इनेविटब्ले...
- (B) अध्याय प्लकेस सुजित कुमार झा इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.
- (C) एक्स्टर्नल लिफे-स्ट्रुग्ले क स्ट्रुग्लिना स्त्री कोम्मुनिटी आ इन्टेर्नल मिन्द'स कोन्फ्लिक्ट, बोथ अछि कोमे मे हुनकर पोएट्यू.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रदिओ द्रमस आ सेरिअल्स ठाकुर ब्रोटे आ प्रोदुकेद एक्स्टेन्सिवेल्य लेल सभ भारत रदिओ पट्न आ दर्भअना.

५७३. अध्याय ८० केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?

- (A) मे पोएट्यू इट्सैल्फ, ओउत्रगे आ रेबेल्लिओन अगइन्स्ट स्त्री-मन रेलटिओन्शइप, पुरुष-दोमिनटेड स्स्टेम, आ स्त्री-मिसेर्य पोर्त्रयल, एट्क., अछि कोमे.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्ट्रुक्चुरलिस्म आ सेमिओटिक्स: सउस्सुरे, बर्थएस, जकोब्सोन फेर्दिनन्द दे सउस्सुरे'स दिस्टिन्क्टिओन बीच लन्गुए (भाषा स्स्टेम) आ परोले (इन्डिविदुअल उट्टेरेन्के) अछि फोउन्डिओनल.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गजल: रेगिस्टर आ स्ट्यूले हुनकर गजल कोन्ट्रिबुटिओन्स स्पन मुल्टिप्ले सदेह बोलुमेस (७, ११, १४, १५) आ इन्क्लुदे बोथ घअजल्स मे स्टन्दर्द अदुल्ट रेगिस्टर आ शिशु/बाल'स घअजल्स (सदेह ९).
- (D) थएसे रेसोलुटिओन्स छथि/अछि नहि नइवे ओटिप्सिमि बुट लोकसन्ग्रह, नाटककार'स ओब्लिगटिओन कें 'होल्द समाज टोगेथएर' द्वारा देमोन्स्ट्रटिना से अल्टेर्नेटिवेस कें ओप्रेस्सिओन छथि/अछि पोस्सिब्ले.

५७४. “अद्रिएन्ने रिच” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?

- (A) मे नचइकेट'स नाटक, स्ट्रुक्चुरल प्रिन्किप्ले क द्रमटिक इन्फेरेन्के, वय ौदिएन्केस मोवे सँ सिग्नस कें कोन्क्लुसिओन्स अबोउट चअरक्टेर, मोटिवटिओन, आ सामाजिक कउसटिओन, अछि हिघल्य देवेलोपेद.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सेएमअक ओहि पअर, एक उपन्यास क क्रोस्सिना बोउन्दरिएस ( टिट्ले त्रन्सलटेस अस 'बेयोन्ड बोर्डर').
- (C) अद्रिएन्ने रिच आ फेमिनिस्ट कोन्टिनुअम थएओर्य अद्रिएन्ने रिच'स 'कोम्प्लुसोर्य हेटेरोसेक्सुअलिटी आ लेस्बिअन एक्सिस्टेन्के' (१९८०) अछि दिरेक्ट थएओरेटिकल स्रोत लेल चौधरी'स सभसँ प्रमुख निबन्ध.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से उट्पल'स मैथिली मुस्ट ब्रिदे भओज्पुरि-इन्फ्लेक्टेद हिन्दी क सिंह'स अस्सि घअट्स सँ टिहुट ग्रम्मर क मिथिला, एक गेनुइनेल्य कोम्प्लेक्स सांस्कृतिक अनुवाद ओपेरटिओन.

५७५. अध्याय ८० मे “शान्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कथासभ एक्स्प्लोरे रुरल मैथिली समाज: एकर सुपेस्टिटिओन्स, सोकिओ-पोलिटिकल प्रेस्सुरेस, एक्स्प्लोइटिटिओन क टेअचएर्स, कोन्डिटिओन क स्त्री.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एलइने शओवल्तेर'स ग्य्नोक्रिटिकिस्म (एक साहित्य क हुनकर ओव्न, १९७७) प्रोविदेस एक कोम्प्लेमेन्टर्य समीक्षात्मक फ्रमे: प्रोजेक्ट क रेकोवेरिना आ थएओरिसिना स्त्री'स साहित्यिक लीने क इन्हेरिटन्के अस एक दिस्टिन्क्ट बोद्य सँ एकर ओव्न अएस्थएटिक...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'Dū hjar dś Śrāvaṇak Dīśy' अछि फलोओद दोकुमेन्टर्य पोएट्यू: पोएम अस एक स्केने (दाईय), प्रेकिसेल्य दटेद, सँ एक स्पेकिफिक मोमेन्ट क नटुरल-सामाजिक कटस्ट्रोफए.
- (D) एक मन वल्क्स अक्रोस्स ई एम्प्ट्य स्पके क्लिस्ट सोमेओने एल्से अछि वट्चइना हिम, आ ई अछि सभ से अछि नेएदेद लेल एक अक्ट क रंगमंच कें हो एनागेद.” ब्रोओक'स समीक्षात्मक फ्रमे क देअदल्य, होल्य, रोउघ, आ इम्मेदिअटे रंगमंच प्रोविदेस एक उसेफल वोकबुलर्य लेल पोसिटिओनिना...

५७६. अध्याय ८० (“शान्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेव रन्जन मिश्र”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हम ाबि रहल छी, 'I अम कोमिना': एक उपन्यास केन्द्रिना पर रेटर्न वा अर्रिवल.  
 (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे अछि अट ओन्के एक क्रेअटिवे प्रक्टिओनेर आ एक स्ट्रुटेमटिक थएओरिस्ट; एक कोल्लेक्टर क ओथएस' स्वरसभ आ एक क्रेअटोर क हुनकर ओव; एक लेखक रोओटेद मे कोशइ फ्लोओद प्लइन क सुपउल आ एक प्रक्टिओनेर क ग्लोबल्लय रेसोनन्ट फोर्म्स (हइकु, गजल...  
 (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गोपल्लि झा 'गोपेश', कोसे गुम्म भएलहहह छ छल प्रकाशित द्वारा थउधअ परिवर, कजिपुर, पट्न, ब्रोटे बोथ नाटक आ पोएट्र्य.  
 (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हइकु/प्रोसे पोएट्र्य/टिलकोर, बथउअ क Tामन, गजल १-८.

५७७. अध्याय ८२ मे “ओब्लिकुए एक्स्प्रेसिओन” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वक्रोक्ति सिद्धअन्त (थएओर्य क ओब्लिकुए एक्स्प्रेसिओन) वक्रोक्ति सिद्धअन्त, कुन्तक कुन्तक'स वक्रोक्तिजिविट (क.  
 (B) इन्स्टिटुटिओनल एन्गगेमेन्ट सँ मैथिली पेफोर्मिन्ग अर्ट्स मैथिली पोस्सेस्सेस एक्स्त्राओर्दिनरिल्य रिच पेफोर्मिन्ग अर्ट्स त्रिदिटिओन्स: बिदेसिअ आ नटुअ नृत्य फोर्म्स, सम-चअकेव फेस्टिवल त्रिदिटिओन्स, झइझइअ आ जिटिय लोक पेफोर्मन्केस, मैथिली रंगमंच लिने...  
 (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ) अग्रेन्द्र यदव अछि एक मैथिली फिक्टिओन लेखक मे लघु-फोर्म लिने क इन्हेरिटन्के, सँ ट्वो कोन्फिर्मेट विदेह कोन्ट्रिबुटिओन्स मे सदेह ३३ आ ३४.  
 (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि एक ब्रोअदेर बुट नहि इन्फिनिटेल् ब्रोअद व्याप्ति: ई स्टिल्ल रेकुइरेस एक देमोन्स्ट्रब्ले कोन्नेक्टिओन कें मैथिली साहित्यिक-सांस्कृतिक लिने क इन्हेरिटन्के.

५७८. अध्याय ८२ केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रसाद'स समीक्षात्मक निबंध पर सखारेए-पेटअरेए अछि इट्सल्फ एक देमोन्स्ट्रटिओन क वक्रोक्ति अट कोम्पोसिटिओनल लेवल (प्रसन्ना-वक्रट).  
 (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दिवेसिंत्थ क मैथिली साहित्य: मैथिली साहित्य, सँ विद्यापति कें प्रेसेन्ट, अछि इम्मनेसल्थ दिवेसँ, एपिक्स, पद्यवला (गीत-पद), लोक रंगमंच, आधुनिक पोएट्र्य, नोवेल्स, लघु कथासभ, दलित ब्रिटिन्ग, स्त्री'स ब्रिटिन्ग, दिअस्पोरिक ब्रिटिन्ग.  
 (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई दोकुमेन्टर्य अट्टेन्टिओन कें मटेरिअल रेअलिट्य, की क्रकउएर कल्लस 'फोउन्ड कथा' अस ओप्पोसेद कें 'स्टगेद कथा', गिवेस हुनकर प्लय्स एक सामाजिक-रेअलिस्ट दिमेन्सिओन से फिल्म थएओर्य हेल्प्स इल्लुमिनेट.  
 (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से यदव'स करेएर-लोना अद्वोकक्य लेल मैथिली मे नेपलेसे एदुकटिओन अछि एक प्रक्टिकल अप्लिकटिओन क ई समीक्षात्मक फ्रेम, आ हुनकर अकदेमिक एन्गगेमेन्ट सँ LHR लिने क इन्हेरिटन्के प्लकेस हिम इन्सिदे सभसँ प्रोग्रेसिबे कुरेन्ट क...

५७९. अध्याय ८८ (“सुशइल”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककें व्यक्त करैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे गोएस कें मुजप्फर्पुर लेल कोउर्ट दटे बुट दोएस नहि गो कें गाम.  
 (B) विदेह डिजिटल लिब्रर्य'स अर्चइविन्ग क बेचअन ठाकुर'स फिवे प्रमुख प्लय्स, बेटिक अपमन ा छइनदैवि, बअप भएल पिट्टि ा अधइकअर, भाट, बिस्वस्थअट, आ ून्व-नेएचएन्सुरेस से ई रेमर्कब्ले बोद्य क ग्रस्सोओट्स थएअट्रिकल कृति अछि अक्केसिब्ले कें...  
 (C) अनुमन (इन्फेरेन्टिअल क्मोव्लेद्रे) अछि अक्विटदेद केन ौदिएन्के इन्फेर्स सामाजिक कउसेस सँ ट्रमटिक एफफेक्ट्स.  
 (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गोपेश'स गीत-पद देमोन्स्ट्रेट मस्टेर्य क उपमा (सिमिले), रूपक (मेटफोर), आ उट्प्रेक़ा (फन्क्य वा पोएटिक कोन्केइट).

५८०. “ विदेह समानान्तर ौदिओ विदेओ अभिलेख” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क ओ न क ल उ स इ ओ न: T ह ए F ल एक स ह एक न द W ह एक ट I ट I ल ल उ म इ न एक ट ए स 'Ksअप्रभā', मोमेन्टर्य फ्लश क लिघट्निन्ग, अछि एक हुम्ब्ले टिट्ले लेल एक लेखक के दिस्क्लइम्स मन्ट्ले क 'नटुरल कवि.' बुट फ्लश क लिघट्निन्ग, मे...  
 (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गजेन्द्र ठाकुर'स एक्स्टेन्देद समीक्षात्मक अनल्यिसस मे रज्देओ मंडल: मैथिली लेखक प्लकेस ई मे दिरेक्ट कोम्परिसोन सँ नगर्जुन-यट्टि'स परो, केवल एअर्लिअर मैथिली उपन्यास से अट्टेम्प्टेद एक फिर्स्ट-हन्ड अक्कोउन्ट क एक स्पेकिफिक कस्टे...  
 (C) मे टेम्स क प्रोफेसिओनल बक्कप्रोउन्ड, हे वोर्केद अस एक रेसेअर्चअर अट इन्डिर गन्धइ नटिओनल केन्ट्रे लेल अर्ट्स (इग्नक), नेव दिल्ली, भारत'स प्रेमिएर नटिओनल इन्स्टिटुटिओन लेल सांस्कृतिक अनुसंधान, केरे हे छल अस्सोकिअटेद सँ लोकसम्पद (जन्यद सम्पद)...  
 (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लिन्गुइस्टिक पेरिओद देवेलोप्मेन्टल मंच केय चअरक्टेरिस्टिक्स मे समानान्तर इतिहास ५०० BC, १०० BC पलि (एअल्य प्रक्रिट) कनोनिकल बुद्धइस्ट भाषा; एअल्य वेर्नकुलर शइफ्ट्स.

#### ५८१. अध्याय १७ सँ कोन विकल्प सही रूपेँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?

- (A) कोल्लेक्टिओन स्पन्स लोवे गीत-पद मे विरह (सेपरटिओन) मोदे, फेस्टिवे पोएम्स पर होलि, चैट, आ सेअसोनल क्यक्ले, मेदिटिओन्स पर सामाजिक देकय आ सांस्कृतिक लोस्स, पोलिटिकल्लय चअर्गेद वेसेंस पर कस्टे आ अग्ररिअन इन्जुस्टिके, एन्विरोन्मेन्टल लमेन्ट, आ...
- (B) हुनकर एल्देस्ट सोन, सुभअश कुमार कमट, अछि एक अक्टिवे कम्पइग्नेर, आ हुनकर मिह्ले सोन, कइलश कुमार अनन्द, अछि एमेर्गिन्ग अस एक प्रमुख स्वर मे समकालीन मैथिली साहित्य.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एक धउर जमिन (ओने धउर क लन्द), अग्ररिअन कुएस्टिओन, दिस्पोस्सेस्सिओन प्रेफके (ब्रिटैन द्वारा उत्पल हिम्सेल्फ) अछि एक रेमर्कब्ले दोकुमेन्ट क पोएटिक सेल्फ-अवरेनेस्स.
- (D) मंडल'स ट्रामटिसटिओन क ई कोन्फ्लिक्ट द्वारा वय क मेदिउम क एक गाम पन्चअयट स्केने गिवेस ई बोथ लेगल वेइघट (अप्पेअल कैं कोन्स्टिटुटिओनल रिघट्स) आ लोकल स्पेकिफिकिटी (रेकोग्निसब्ले सामाजिक इन्मिक्स क मिथिला गाम गोवर्नन्के).

#### ५८२. “दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बीच ट्वो कथासभ थएरे अछि एक पोएटिक परदोक्स: क्रोव अछि कथा क एक्स्टेर्नल रेअलिट्कोम्मुनिटी, अनुष्ठानिक, पोवेर-रेलटिओन्स; ब्लक्क इन्क अछि कथा क इन्टेर्नल रेअलिटी -पेर्सनल रेलटिओन्सइप, शिशु-प्स्खओलोग्य, आ कस्टे'स...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सुभअद्र'स फोउर पोएम्स टोगेथएर क्रेअटे एक एपिक क दलित स्त्री'स लिफे -फ्रग्मेन्टेद, बुट सम्पूर्ण.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से भअरट ब्रिटेस मे नट्यशअस्त्र (अध्याय ६): 'रस अछि प्रोदुकेद सँ कोम्बिनिटिओन क विभअव, अनुभअव, आ व्यभइचअरि भअव.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बोथ छथि/अछि पिओनेएर्स मे हुनकर फिएल्ड्स; कमट मे जोउर्नलिस्म/पोलिटिक्स, प्रेम मे पेफोर्मिन्ग अर्ट्स.

#### ५८३. “हरिमोहन झा” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मनु'स नोटटिओन क स्ट्रल्लब्ले कोउन्ट अफ्टेर एअच गजल (ए.ग., 'सरल Vārṇṇइक बह, वरṇअ-१८' लेल गजल १) अछि एक पेदगोगिकल गेस्टुरे: ई टेअचएस सही प्रोसोदिक प्रक्टिके कैं रेअदेर्स आ मोदेल्स फोर्म'स टेचनिकल दिस्कप्लिने.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रस, लिटेरल्लय “टस्टे” वा “फलवोउर”, देनोटेस अएस्थएटिक एमोटिओन वा सेन्टिमेन्ट एवोकेद मे सहिदय (रेकेप्टिवे रेअदेर).
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से देस्क्रिबेद पर कोवेर अस 'एक कोल्लेक्टिओन क मैथिली गीत-पद लेल शिशु/बाल'.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा रेसुरेक्किन्ग विडएड्यट (सुब्टन्टिविटी) क इन्दिअन फइलोसोफइकल लिने क इन्हेरिटन्के, झा देक्लरेद: वे छथि/अछि नहि एक प्रेदिकटे क योउर इतिहास; वे छथि/अछि सुब्जेक्ट क ओउर ओव.

#### ५८४. “रबिन्द्र नारायण मिश्र” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?

- (A) थएओर्य / समीक्षात्मक फ्रमे लिने क इन्हेरिटन्के अप्लिकटिओन कैं चौधरी ौचइटी क्षएमेन्ट (ौचइटीविचअर) चौधरी'स ह्यिब्रद मैथिली, कोम्बिनिन्ग वेर्नकुलर रोओट्स सँ दिअस्पोर-इन्फ्लेक्टेद वोकबुलर्येमोन्स्त्रटेस कोन्टेक्स्टुअल प्रोप्रिएट्य.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फूल टिट्लि ा टुलबुल [फलोवेर्स, बुट्रेफ्लिएस, आ बब्ब्लिन्ग ब्रोओक: एक कोल्लेक्टिओन क मैथिली गीत-पद लेल शिशु/बाल].
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे ट्रक्स पर इन्दिअन अएस्थएटिक कटेगोरिएस (रस, अलम्कवर, धवनि) अस वेल्स अस वेस्टेर्न गेन्ने थएओर्य (उपन्यास, लघु कथा, अनुवाद स्टुदिएस) विथओउट प्रिविलेगिन्ग एड्थएर समीक्षात्मक फ्रमे.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रसन्नावश, 'द्वारा ओक्कसिओन' वा 'इन्किदेन्टल्लय': एक कोल्लेक्टिओन क पेर्सनल निबंधसभ आ रेमिनिस्केन्केस.

#### ५८५. “रम्लोचअन ठाकुर” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा स्ट्रस्टेमटिकल्लय कोल्लेक्टिन्ग, एदिटिन्ग, आ पुब्लिशइन्ग मैथिली लोक टलेस, ठाकुर प्रेसेर्वेद एक लिविन्ग अभिलेख क मौखिक संस्कृति से मिघट ओथएर्विसे अछि बेएन लोस्ट मे कोन्दिटिओन्स क एकोनोमिक मिग्रटिओन आ सांस्कृतिक मर्गिन्लिसटिओन...
- (B) दिस्कोउर्से, सेल्फ-रेफ्लेक्टिओन, आ परदिग्म क बोथ छथि/अछि मे अक्कोर्दन्के सँ मैथिली प्स्वए.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फूल टिट्लि ा टुलबुल [फलोवेर्स, बुट्रेफ्लिएस, आ बब्ब्लिन्ग ब्रोओक: एक कोल्लेक्टिओन क मैथिली गीत-पद लेल शिशु/बाल].
- (D) विदेह कोम्मेन्ट्री चअरक्टेरिसेस हिम अस एक लेखक क इन्टेग्रिटी आ कोउरगे, ओने के अछि मइन्टइनेद 'रेएध कि हद्दि' मे एक साहित्यिक एन्विरोन्मेन्ट ह्वेरे इन्स्टिटुटिओनल प्रेस्सुरेस फ्रेकुएन्ट्लय कोम्प्रोमिसे क्रेअटिवे आ समीक्षात्मक इन्डेपेन्डेन्के.

**५८६. अध्याय ८० में “बर्खअ Rānā” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फुटुरे दिरेक्टिओन्स इन्क्लुदे: देटइलेद क्लोसे रेअदिन्स क इन्दिबिदुअल नोवेल्स सँ रेफेरेन्के केँ ओरिगिनल मैथिली टेक्स्ट्स; इन्टेर्विअस सँ लेखक अबोउट हुनकर क्रेअटिवे मेथओद आ थएमेटिक प्रेओक्कुपटिओन्स; एक स्टुड्य क हुनकर रेकेप्टिओन इन्सिदे ...
- (B) कोन्सिस्टेन्क्य क स्फल्लब्ले कोउन्टिना थरोउघओउट हुनकर घअजल्स शओव्स स्स्टेमेटिक प्रोसोदिक दिस्किप्लिने.
- (C) थएओर्य / समीक्षात्मक फ्रमे लिने क इन्हेरिटन्के अप्लिकटिओन केँ चौधरी लुकव्क्सिअन रेअलिस्म गेओर्ग लुकव्क्स (थएओर्य क उपन्यास; स्टुडिएस मे एउरोपेअन रेअलिस्म) प्रोटगोनिस्ट्स छथि/अछि 'प्रोब्लेमेटिक इन्दिबिदुअल्स' क्लोसे इन्नेर वोल्ड अछि मे टेन्सिओन सँ सामाजिक रेअलिटि.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शिशु/बाल'स घअजल्स अलोन्सिदे नटुरे पोएम्स कुम्हर (पोट्टेर) आ बर्खअ Rānā (रइन कुीन), देमोन्स्ट्रटिना एन्गगेमेन्ट सँ पेदगोगिकल आ शिशु/बाल'स साहित्यिक स्त्रन्द क विदेह.

**५८७. अध्याय ८० में “शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोन्क्लुसिओन: एन्डुरिना लेगव्य क सिंह-धअर होउसेहोल्ड सेअर्च लेल इतिहास क प्रेमशअन्कर सिंह आ इल रनि सिंह रेवेअल्स एक कथा से अछि फर बेसी थअन एक सिम्प्ले बिओग्रफय.
- (B) बबल गजल अछि एक विदेह इन्नोवटिओन: गजल फोर्म, अदप्टेद लेल शिशु/बाल सँ सिम्प्लेर वोकबुलर्य, अक्केस्सिब्ले इमगेर्य, आ प्लय्फुल थएमेस क्लिले मइन्टइनिना फोर्मल स्टुक्चुरे क बहर आ रदिफ.
- (C) मे इतिहास क मैथिली साहित्यिक क्रिटिकिस्म, इन्फ्लुएन्के क बोथ त्रिडिओनल इन्दिअन थएओरिएस (रस, अलन्कर, धवनि, रिदि, ौकित्य) आ आधुनिक वेस्टर्न थएओरिएस (मर्क्सिस्म, फेमिनिस्म, पोस्टमोदेर्निस्म, पोस्टकोलोनिअलिस्म) अछि एविदेन्ट.
- (D) 'अहन्केन कि चअहि?' पोएम सँ चअक्रव्युह मकेस ई कोन्केन एक्स्प्लिकिट, मैथिली भाषा अछि एक रेसोउर्के से पोवेर सेएक्स केँ अप्रोप्रिएटे, आ कवि'स रोले अछि केँ रेसिस्ट से अप्रोप्रिएटिओन क्लिले एक्स्पन्दिना भाषा'स कपकित्य लेल देमोक्रटिक...

**५८८. “सुशइल” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) हुनकर कोन्क्लुसिओन्स छथि/अछि उन्स्पेरिना, एक संगीतकार के अछि त्रिट्रेन घअजल्स लेल फिफ्ट्य येअर्स विथओउट मस्टेरिना बहर अछि, मे अन्चइन्हर'स अस्सेस्मेन्ट, सिम्प्ल्य नहि त्रिट्रेन गजल.
- (B) अध्याय प्लकेस लक्स्मन झा 'सगर' आ शैल झा 'सगर' इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्लेन एक शिशु लेअर्न्स भाषा, एक सिग्निफिएर अछि टउघट लेल एक सिग्निफिएद.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गुप्ट'स पिएके पर लिकुओर पोलिक्य शओव्स ौचइत्य मे एकर चओइके क सुब्जेक्ट (दिरेक्ट्ल्य प्रासंगिक केँ बिहर/मिथिला कोम्मुनिट्य रेअदिना विदेह), एकर रेगिस्टर (जोउर्नलिस्टिक प्रोसे, नहि साहित्यिक एलबोरटिओन), आ एकर प्लकेमेन्ट मे सदेह २३...

**५८९. अध्याय २ अनुसार, “रिवल स्चूल्स सब्द-खअन्द” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दिअलेक्टिकल एन्गगेमेन्ट्स सँ रिवल स्चूल्स सब्द-खअन्द अछि एक बट्टलेफिएल्ड क इदेअस क्लेरे गन्नेशअ देफेन्ड्स न्यय-वइशएशइक वोल्टिअव अगइन्स्ट मिमम्सकस आ ग्रामरिअन्स.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से १४४८ CE), ब्रोटे भक्तिपरक गीत-पद (पदवलि) मे स्वर क रधअ आ क्रिशन से कोन्टिनुए केँ हो सुना अक्रोस्स मिथिला, बेनाल, आ नेपाल केँ ई दय.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ग्य्नोक्रिटिकिस्म इन्सिस्ट्स पर रेकोवेर्य आ अनल्यिसस क स्त्री'स त्रिटिना, बोथ क्रेअटिवे आ समीक्षात्मक, अस एक एस्सेन्टिअल कोम्पोनेन्ट क अन्य सम्पूर्ण साहित्यिक इतिहास.
- (D) फोरेवोर्ड द्वारा क्रिशन दुट्ट पलिवल क सस्ट सहित्य मंडल एचओएस ई: मिथिला अछि बेएन सिदेलिनेद आ मर्गिनलिसेद देस्पिटे इम्मेन्से नटुरल रेसोउर्केस, आ नेएड्स स्पेकिअल अट्टेन्टिओन आ करे.

**५९०. अध्याय ६६ अनुसार, “रमेश आ मल झा” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अप्लिकटिओन क नव्य न्यत्रय केँ थएसे टेक्स्ट्स अछि थअस नहि मेरेल्य एक मेथओदोलोगिकल इम्पोर्ट सँ एल्सेक्लेरे, ई अछि एक होमेकोमिना क सोर्ट्स, एक अप्लिकटिओन क मिथइल'स ओव्न इन्टेल्लेक्चुअल लिने क इन्हेरिटन्के केँ एकर समकालीन साहित्य.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि एक बुर्निना चअल्लेन्गे बेफोरे टोदय'स स्त्री कविसभ, टिमे, समाज, आ साहित्य.
- (C) सन्नोएट नटक अकदेमि अछि रेकोग्निजेद इन्दिबिदुअल पेफोर्मेस मे थएसे त्रिडिओन्स बुट अछि नहि क्रेअटेद अन्य देदिकटेद इन्स्टिटुटिओनल इन्फ्रस्ट्रक्चुरे लेल अनुसंधान, त्रिडिनिना, वा संरक्षण स्पेकिफिक केँ मिथिला पेफोर्मेस अर्ट्स कोम्प्लेक्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे मप्स चअन्गेस मे लन्द उसे, अर्चइटेक्चुरे, सामाजिक रेलटिओन्स, आ एकोनोमिक अक्टिविटीएस मे मिथिला गाम.

५९१. अध्याय ६७ “रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपल्लि झा 'गोपेश' आ विज” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गोपेश'स गीत-पद देमोन्स्ट्रेट मस्टेय क उपमा (सिमिले), रूपक (मेटफोर), आ उट्प्रेकड़ा (फन्क्य वा पोएटिक कोन्केइट).
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रुरल स्वरसभ: थएरे अछि एक कोन्केर्न से सभसँ नेव स्त्री कविसभ छथि/अछि कोमिन्ग सँ उर्बन बक्क्योउन्ड्स.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई इन्डेपेन्डेन्के अछि नहि मेरे कोन्त्रिअनिस्म; ई अछि हर्द-वोन फ्रेएदोम क एक लेखक के अछि सुस्टइनेद एक कोहेरेन्ट आ देवेलोपिन्ग साहित्यिक विसिओन अक्रोस्स थरेए देकदेस क कोन्टिनुओउस क्रेअटिवे कृति.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' उसेस टेर्म 'चउम्बकिय लेखक' (मग्नेटिक त्रिटिन्ग) लेल अबर नहिटन, एक फोर्मुलटिओन से कप्टुरेस धवनि प्रेकिसेल्य: त्रिटिन्ग अत्रक्ट्स विथओउट एक्स्प्लइनिन्ग एकर पुल्ल.

५९२. अध्याय ६९ मे “पंडित रज्जि चौधरी आ अचअर्य रम्लोचअन शअरन” केर निरूपणसँ कोन बिन्दु सुसंगत अछि?

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मेअनिन्ग, केना कन थएरे हो एक पेर्मनेन्ट वा फिक्सेड स्ट्रक्चरे क अन्य लोक टले?
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से धवनि (सुग्गेस्टिओन): कवि उसेस अभइधवा (लिटरेल मेअनिन्ग) केँ देस्क्रिबे सेअसोन्स (चौमस) बुट संकेत करैत अछि विरह (सेपरटिओन सँ दिविने) द्वारा वय क स्य्बोल क पिनिन्ग ब्रिदे मे मोन्थ क चैट.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सुभअद्र'स अव देपिक्ट्स लबोर क एक सिन्ले दय क एक उन्नमेद मोथएर -एक मिक्रो-इतिहास.
- (D) टट्वकिन्टामाण्ड छल कोम्पोसेद मे समे संस्कृति, मइथइल ब्रह्मन इन्टेल्लेक्टुअल संस्कृति क मेदिएवल मिथिला, से प्रोदुकेद विद्यापति, कन्द झा, आ अनोन्यमोउस कोम्पोसेस क पराट्टा आ गोसउनिक GIT.

५९३. अध्याय ८० (“शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र”) मे कोन विकल्प अध्यायक तर्ककेँ व्यक्त करैत अछि?

- (A) थएओर्य / समीक्षात्मक फ्रेमे लिने क इन्हेरिटन्के अप्लिकटिओन केँ चौधरी पोस्टकोलोनिअल थएओर्य होमि भअभअ (लोकटिओन क संस्कृति); गयट्रि स्पिक्क (कन सुबल्टेन स्पेअक?) प्रोटगोनिस्ट्स इन्हबिट भअभअ'स 'थइर्द स्पेके' क ह्यिब्रद सांस्कृतिक फोर्मटिओन.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ललित'स स्त्री त्रिटिन्ग मे भारत (१९९१) मे इन्डिअन लिने क इन्हेरिटन्के.
- (C) अध्याय प्लकेस शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोन्स्ट्रुक्टिन्ग नेव बहर्स स्पेकिफिक केँ मैथिली फओनेटिक्स.

५९४. अध्याय ८० “समीक्षात्मक अप्प्रेकिअटिओन्स शअन्ति लक्ष्मि चौधरी” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?

- (A) एक PAR एक L L E L H I S T O R Y O F M एक I T H I L I T E R A T U R E समीक्षात्मक अप्प्रेकिअटिओन्स शअन्ति लक्ष्मि चौधरी & रजेएव रन्जन मिश्र फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार · गजल कवि & भक्तिपरक संगीतकार इन्डिअन & वेस्टर्न साहित्यिक थएओर्य · विदेह समानान्तर...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बेह (मेटेर) फिक्सेड कुअन्टल पट्टेन क लोन्ग (गुरु/२) आ लघु (लघु/१) स्थलब्लेस; देरिवेद सँ अरबी अरुज; ~१९ प्रिन्किपल बहस मे उर्दु लिने क इन्हेरिटन्के.
- (C) हुनकर सुर्वेय क ट्वेन्टिएथ केन्टुर्य, व्हिले इन्क्लुदिन्ग सोमे स्त्री त्रिटिन्ग, दोएस नहि स्पस्टेमटिकल्लय एनागे सँ कुएस्टिओन क किएक स्त्री'स स्वरसभ अछि बेएन सुप्प्रेसेद मे मैथिली साहित्यिक इन्स्टिटुटिओन्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई इन्किदेन्ट शओव्स इम्पक्ट क कथा-स्किएन्के.

५९५. “शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?

- (A) पोएम एनक्व्स की दलित स्वओलर्स कल्ल 'म्यथओलोगिकल कोउन्टेर-रेअदिन्ग': उसिन्ग दोमिनन्ट संस्कृति'स ओव्न सक्रेद कथासभ केँ क्रिटिकुए दोमिनन्ट संस्कृति'स एक्सेर्किसे क पोवेर.
- (B) मे बदल'स पोएम "Mā" (मोथएर), लिटेरल सुब्जेक्ट अछि कवि'स मोथएर, बुट धवनि एक्स्टेन्ड्स ओउटवर्ड केँ एन्कोम्पस्स मोथएर-टोन्गुए (झअर्खअन्द'स अदिवसि लन्गुअगेस, हिन्दी, मैथिली मे झा'स अनुवाद), मोथएर्लन्ड ( चओट नगपुर लन्डस्कपे), आ...
- (C) हुनकर सुर्नमे चौधरी इन्डिकटेस ओरिगिन्स मे चौधरी कोम्मुनिटय क मिथिला, एक कोम्मुनिटय सँ एक स्ट्रोन्ग प्रेसेन्के मे मधुबनी डिस्ट्रिक्ट आ ब्रोअदेर मिथिला रेगिओन, हिस्टोरिकल्लय अस्सोकिअटेद सँ अग्रिकुलचुरल आ अक्विनिस्त्रटिवे रोलेस.
- (D) गाम आ मिथिला मइन्स्ट्रेअम रेलटिओन्शइप बीच अरेर आ मइन्स्ट्रेअम मिथिला सांस्कृतिक-साहित्यिक एस्टब्लिशमेन्ट अछि ओने क सिमुल्टेनेओउस कोन्नेक्टिओन आ एक्स्क्लुसिओन.

**५९६. “शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पन्न झा'स निबंध 'नरिलेखनक कथा-दिशा' ( कथा-दिशा क स्त्री त्रिटेस) अछि इट्सेलफ एक कोन्ट्रिबुटिओन केँ ई फेमिनिस्ट साहित्यिक इतिहास प्रोजेक्ट इन्सिदे मैथिली: शए दोकुमेन्ट्स एमेगेन्के आ देवेलोपमेन्ट क मैथिली स्त्री'स...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कमिनि कमयिनि एक कवि कोसे कृति अछि फ्रेकुएन्टल्य फेअदुरेद मे सदेह अर्चइवेस लेल एकर एमोटिवे देपथ आ एकर एक्स्प्लोरटिओन क फेमिनिने एक्स्पेरिएन्के मे आधुनिक मइथइल दिअस्योर.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्रिस्टेव'स 'मटेर्नल सेमिओटिक', प्रे-ओएडिपल, हर्थमिक, बोदिल्य दिमेन्सिओन क भाषा से पोएट्र्य उनिकुएल्य रेकुपेरटेस, अछि एविदेन्ट मे पोएम'स इन्कन्टोर्य कुअलिट्य; बुट पोएम सिमुल्टेनेओउसल्य रेप्रोदुकेस पट्रिअर्चअल इदेअल क...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से टिलकोर (टरो प्लन्ट/कोलोकसिअ) आ बथूआ (चएनोपोदिउम/पिग्वेएद, एअटेन अस लेअफ्य ग्रेएन्स मे मैथिली कोओकिन्ग) छथि/अछि नहि मेरेल्य पेअसन्ट सुब्जेक्ट्स बुट स्पेकिफिक प्रेसेन्केस मे मिथिला किट्चएन-गर्देन लन्डस्केपे से कर्ष्य सांस्कृतिक...

**५९७. “रइन कुीन” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) कोन्स्ट लोक/विद्वान (पेओप्ले/स्वओलर) आ गढ़म/जजमढ़न (गाम/पट्टोन) अछि देफिनिटिओनल अन्तिथएसिस क समानान्तर साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के.
- (B) मोवेमेन्ट होल्ड्स से इन्स्टिटुटिओनल अट्टेम्प्ट्स केँ क्लाइम हिम अस एक पुरेल्य ब्रह्मिनिकल इकोन द्वारा ओर्गनिजटिओन्स लिके चएटन समिति अछि एस्सेन्टिअल्ल्य "मुर्देरेद" त्रन्स-सेक्टरिअन आ हुमनिस्ट स्पिरिट क हुनकर पोएट्र्य.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रम भअरोस कपदि 'भरमर', 'स्रोत क म्य इन्टेल्लेक्टुअल थइस्ट' रम भअरोस कपदि 'भरमर' अछि अमोना सभसँ प्रोलिफिक आ वेर्सिटिले फिगुरेस मे समकालीन मैथिली साहित्य.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बर्खअ Rāna (रइन कुीन) पेसॉनिफिएस मोन्सोओन अस एक स्त्री सोवेरेइग्न, एक मोवे कोन्सिस्टेन्ट सँ इन्दिअन लिने क इन्हेरिटन्के क गेन्देरिन्ग नटुरल फोर्केस आ कोन्सिस्टेन्ट अल्सो सँ फेमिनिस्ट इम्प्लिकटिओन्स क एलेवटिन्ग फेमिनिने मे...

**५९८. अध्याय ८० अनुसार, “शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्पिक्'स संकल्पना: क 'सुबल्टेर्न स्त्री' अछि अल्सो प्रासंगिक केँ गहिकि नजरि'स पोर्त्रइदुरे क स्त्री फिगुरेस, स्त्री के कर्ष्य वटेर, मनगे पोस्ट-फसल प्रोकेस्सिन्ग, नविगटे देब्ट आ देपेन्डेन्क्य, कोसे स्वरसभ छथि/अछि प्रेसेन्ट मे कमट'स...
- (B) इन्फ्लुएन्के आ लेगक्य नव्य-नव्यय्य स्कूल टट्व-किन्टवमण्ड रपिदल्य एक्लिप्सेद सभ प्रिओर नव्यय्य साहित्य.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कुम्हर (पोट्टेर) संकेत करैत अछि एक एन्गगेमेन्ट सँ शिल्प लिने क इन्हेरिटन्के क मिथिला, स्पेकिफिकल्ल्य पोट्टेर कोम्मुनिट्य कोसे एअर्थएन्वरे अछि फोउन्डटिओनल केँ मैथिली अनुष्ठानिक आ दोमेस्टिक लिफे.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से देवनागरी मैथिली लिपि, क्नोव्न अस मिथइलक्षअर वा टिहुट, अछि क ग्रेअट अन्टिकुइड्य, एवोल्विन्ग सँ एक एअस्टेर्न वरिएट्य क गुप्त लिपि दिस्टिन्क्ट सँ नगरि फोर्म्स.

**५९९. अध्याय ८० “शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र” विषयमे मुख्य रूपेँ की बल दैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स दुर्गनन्द मंडल सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से विनयनन्द झा'स अन्नोटेटेड लिस्ट क पोथीसभ सम्पादित सँ झा'स मनुस्क्रिप्ट्स, भैरव लाल दास'स निबंध पर झा'स अनुसंधान विसिओन, मुन्नजि'स निबंध पर झा'स कोन्ट्रिबुटिओन केँ एस्टब्लिशइन्ग कनोनिकल स्टटुस क बिहनि कथअ (उलत्र-लघु...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सन्दर्भ सहित एस्टब्लिशएस एक मोडेल क फोरेन्सिक साहित्यिक क्रिटिकिस्ममेद, एविदेन्केद, फोर्मल्ल्य ग्रोउन्डेद, से रेप्रेसेन्ट्स एक गेनुइने मेथओदोलोगिकल इन्नोवटिओन मे मैथिली समीक्षात्मक दिस्कोउर्स.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से चौधरी'स कृति मे विदेह अभिलेख अछि ग्यनोक्रिटिक मे शओवल्टेर'स सेन्से: ई प्रोदुकेस साहित्यिक-समीक्षात्मक आ क्रेअटिवे कृति से केन्ट्रेस स्त्री'स एक्स्पेरिएन्के आ स्त्री'स सांस्कृतिक फोर्म्स.

**६००. अध्याय ८० केर समीक्षात्मक दिशासँ कोन उत्तर मेल खाइत अछि?**

- (A) मे भक्तिपरक त्रिदिटिओन्स क नोर्थ भारत, रस क सेपरटिओन अछि इट्सेलफ एक फोर्म क कोम्मुनिओन.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य-नव्यय्य आ एपिस्टेमोलोग्य क फेमिनिस्ट क्नोव्लेद्रे गण्डअ'स टट्वकिन्टवमण्ड'स अनल्लिसस क प्रत्यक्षअ (दिरैक्ट पेर्सेप्टिओन) अस सभसँ रेलिअब्ले प्रमार्अ अछि प्रासंगिक केँ फेमिनिस्ट एपिस्टेमोलोग्य मे एक स्पेकिफिक वय.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से धइरेन्द्र'स फोरेवोर्ड अछि त्रिट्रेन सँ नेपाल, कोन अछि प्रमुख: मैथिली-स्पेअकिन्ग वोर्ल्ड स्पन्स भारत-नेपाल बोर्डेर, आ रेकोग्निटिओन क एक लेखक सँ ओने सिदे क से बोर्डेर द्वारा एक क्रिटिक सँ ओथएर अछि एक फोर्म क सांस्कृतिक...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बइथअ इन्फेर्स से हुनकर दउधटेर'स एलोपेमेन्ट रेप्रेसेन्ट्स एक प्रक्टिकल सोलुटिओन; गाम इन्फेर्स से ई रेप्रेसेन्ट्स एक मोरल कटस्ट्रोफए.

**६०१. “शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फेमिनिस्ट स्टन्डपॉइन्ट थएओर्य, पर्टिकुलरलर्य सन्दर्भ 'हर्दिना'स तर्क ( स्किपेन्के कुएस्टिओन मे फेमिनिस्म, १९८६) से कनोव्लेद्रे प्रोदुकेद सँ स्टन्डपॉइन्ट क ओप्रेसिसेद अछि एपिस्टेमिकल्लय प्रिविलेगेद बेकउसे ई अछि अवकेस्स कैं रेअलिटीएस...
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से डॉ कइलश कुमार मिश्र कोम्परेस चौधरी'स सिग्निफिकन्के कैं से क सुन्दरल बहुगुन (चइप्को मोवेमेन्ट) आ कइलश सट्यर्थइ (बचपन बचओ अन्दोलन): एकोलोगिकल-सांस्कृतिक अक्टिविस्ट्स कोसे कृति त्रन्स्केन्ड्स नरोंव एन्विरोन्मेन्टलिस्म कैं...
- (C) मोथएर'स रोले अस टेअचएर क मैथिली ('मट्रिभअशअ') मकेस हुनकर देअथ एक फिगुरे लेल थरेअटेनेद लिन्गुइस्टिक एक्स्टिन्क्टिओन.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क र इ ट इ क एक ल एक प प र ए क इ एक ट इ ओ न: T ह ए G ह एक ज एक ल टू एक द इ ट इ ओ न ( S ह ओ न इ ट एक य एक ल P एक य एक र क N इ स ह एक न ) शओनियल पर्यक निशान ('ब्लोओदूस्टइनेद फोओटूप्रिन्ट्स') प्लकेस सरस इन्सिदे सभसँ टेचनिकल्लय देमन्दिना आ...

**६०२. अध्याय ८० सँ कोन विकल्प सही रूपँ एकटा बिन्दुक सार कहैत अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन' सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रेम.
- (B) फेमिनिस्ट कवि'स प्रत्यक्ष अ क स्त्री'स एक्स्पेरिएन्के, दिरेक्ट, एम्बोदिएद कनोव्लेद्रे क की ई मेअन्स कैं हो एक स्त्री मे मिथिला'स पट्रिअर्चअल सामाजिक स्ट्रक्चरे, सेर्वेस अस एक फोर्म क प्रमार्अ से कनोनिकल साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के'स पुरुष-दोमिनटेद...
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से भअरट'स Nāṭyaśāstra आ इन्दिअन शास्त्रीय अएस्थएटिक्स ३.२.१ रस थएओर्य अप्लिएद कैं मंडल'स फिक्टीओन भअरट'स Nāṭyaśāstra रेकोनिसेस एडिष्ट प्रिमर्य रसस (अएस्थएटिक एमोटिओन्स): Śṛṅgār (लोवे/बौध्य), Hāsya (हमोअर), करुणअ...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से टोगेथएर, थएय सम्पूर्ण एक स्पेक्ट्रम से ओपिफिकिअल कनोन कन्नोट अवकोम्मोदे.

**६०३. “लेस्बिअन कोन्टिनुअम” पर अध्यायक विवेचनक सभसँ उचित पाठ की अछि?**

- (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि हुनकर देबुट कोल्लेक्टिओन आ कृति से वोन विदेह भअशअ सम्मन २०१४.
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से चौधरी'स लेस्बिअन कोन्टिनुअम निबंध आ Māṭṛत्व पिएके कोन्स्टिटुटे अनुमत्तन (इन्फेरेन्टिअल) अर्गुमेन्ट्स सँ ओब्सेर्वेद सामाजिक फक्ट्स कैं गेनेरल कोन्क्लुसिओन्स अबोउट नटुरे क पट्रिअर्चअल कोम्पुलिसिओन आ स्त्री'स अल्टेर्नेटिवे सोलिदरिटीएस.
- (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क ह एक प ट ए र V I: T ह ए V इ द ए ह एक P एक र एक ल ल ए ल T ह ए एक ट र ए एक स C उ ल ट उ र एक ल M ओ व ए म ए न ट ६.१ २०१२ विदेह मैथिली नट्य उत्सव, एक लन्डन एवेन्ट फिर्स्ट विदेह मैथिली नट्य उत्सव (२०१२), दोकुमेन्टेद मे ...
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पथअक'स अनुवाद अछि नहि सेर्विले रेप्रोदुक्टीओन बुट एक अक्टिवे नेगोटिअटिओन: हे अप्रोप्रिएटेस प्रेस्टिगे क निरल'स ओएउव्रे क्ले इन्सिस्टिन्ग पर मैथिली'स ओव्न फओनोलोगिकल, ग्रामटिकल, आ अएस्थएटिक रेसोउर्केस.

**६०४. “शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र” केर सन्दर्भमे कोन कथन सही अछि?**

- (A) इन्दिअन अएस्थएटिक्स (रस-धवनि): हुनकर पोएट्र्य ैम्स लेल एक क्लेअर, दिदक्टिक रस: ओपटेन ङान्ट (पेअके क उन्देस्टन्दिना) वा वार (हेरोइस्म क नटिओनल प्रिदे, अस मे 'शउभ चअन्द्रयअन').
- (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से त्रन्सिटिओन कैं नव्य-न्यय: परदिग्म शइफ्ट: सँ प्रमेय कैं प्रमन अस कर्ल H.
- (C) समीक्षात्मक फ्रेम'स फोउन्दिना कोम्मिट्मेन्ट कैं सुबल्टेन्ट, दलिट, आ स्त्री'स स्वरसभ मे मैथिली साहित्य अछि एनक्टेद मे चौधरी'स कोर्पुस.
- (D) कथा बुइल्ड्स टोवर्ड्स एक रेवेलटिओन क सामाजिक इन्जुस्टिक्के, आ एल्देर्य स्त्री'स टेस्टिमोन्य, स्वोन सँ फोर्मुल "इफ I लिए, मय मय बोध हो स्ट्रक्क द्वारा लिघट्निना, मय मय लिम्ब्स केअसे कैं फुन्किटिओन, मय I हो रेफुसेद एन्ट्र्य इन्टो सिट'स बिर्थप्लके", अछि...

**६०५. अध्याय ८० अनुसार, “शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र” पर विवेचनसँ कोन कथन सभसँ बेसी मेल खाइत अछि?**

- (A) टेक्स्ट'स सभसँ स्ट्रिक्निंग सामाजिक-अन्थरोपोलोगिकल क्लइम अछि एकर इन्सिस्टेन्के पर गाम'स ापसि सउहअर्द (इन्टेर-कोम्मुनिट्य हमोन्य).
- (B) मे एक लिने क इन्हेरिटन्के क्लेरे स्त्री'स पोएट्र्य अछि बेएन लर्गेल्य कोन्फिनेद कैं भक्तिपरक आ दोमेस्टिक रेगिस्टेर्स, चौधरी'स थएओरेटिकल आ सटिरिकल अम्बिडिओन ( नेटवर्ज निबंध अस पोलिटिकल सटिरे) रेप्रेसेन्ट्स एक प्रमुख एक्स्पन्सिओन क मैथिली स्त्री'स...
- (C) फथएर्थए नर्तोर'स ग्रन्थफथएर, टेल्लस एक कथा: क्लेन हे छल योउन्ग, अनोथएर मन वोउल्द गिवे हिम चइवुर (फलट्टेनेद रिक्के) आ मन्गोएस, स्मल्ल किन्द्नेस्सेस से रेप्रेसेन्टेद रेअल गेनेरोसिट्य.
- (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट मे दलिट पोएट्र्य कथअसिस अछि क एक भिन्न नटुरे.

**उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)**

**१. (B)** अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट टोदय ई सेएम्स से I अछि एक दुट्य कैं पेफोर्म.' वोर्द प्रत्यवर्टन इट्सेल्फ, मेअनिना बोथ 'रेटुर्न' आ 'रेस्टिटुटिओन/रेस्टोरटिओन', एन्कोदेस दुअल नटुरे क टेक्स्ट: एक पेसोनल रेटुर्न कैं स्वर अफ्टेर ग्रिएफ, आ एक साहित्यिक... — अध्याय ४२ निरूपित करैत अछि लल्लन प्रसाद ठाकुर आ कुसुम ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे लल्लन प्रसाद ठाकुर आ कुसुम ठाकुर — रंगमंच, गीत, मेमोइर आ लिफे-

विट्नेस्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट दोदय ई सेएम्स से I अछि एक दुट्य कैं पेफोर्म.' वोर्ड प्रत्यवर्तन इट्सेल्फ, मेअनिन्ग बोथ 'रेटुर्न' आ 'रेस्टिटुटिओन/रेस्टोरटिओन', एन्कोदेस दुअल नटुरे क टेक्स्ट: एक पेर्सनल रेटुर्न कैं स्वर अप्टेर ग्रिएफ, आ एक साहित्यिक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से चउल बुलि कन्य बनि गेलहुम (I बेकमे एक मिस्चइएवोउस गिर्ल अगइन) एक ल्यिक पोएम प्रकाशित मे विदेह सदेह ३४, प. —** अध्याय ४२ निरूपित करैत अछि बुलि कन्य बनि गेलहु अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे लल्लन प्रसाद ठाकुर आ कुसुम ठाकुर — रंगमंच, गीत, मेमोइर आ लिफे-विट्नेस्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से चउल बुलि कन्य बनि गेलहुम (I बेकमे एक मिस्चइएवोउस गिर्ल अगइन) एक ल्यिक पोएम प्रकाशित मे विदेह सदेह ३४, प. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३. (D) अभइलशअ (लोनिन्ग) एक पोएम मे विदेह सदेह ३४, प. —** अध्याय ४२ निरूपित करैत अछि लल्लन प्रसाद ठाकुर आ कुसुम ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे लल्लन प्रसाद ठाकुर आ कुसुम ठाकुर — रंगमंच, गीत, मेमोइर आ लिफे-विट्नेस्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अभइलशअ (लोनिन्ग) एक पोएम मे विदेह सदेह ३४, प. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**४. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से PART III: THEORETIC एक LFR एक MEWORKS, THEATRE, FILM & DR एक M एक ३.१ भअरट मुनि'स Nāṭyaśāstra: फोउन्डटिओनल समीक्षात्मक फ्रमे ३.१.१ ओरिगिन आ पुर्पोसे क नाटक Nāṭyaśāstra (कोम्पोसेद बीच क. —** अध्याय ४२ निरूपित करैत अछि भअरट मुनि'स Nāṭyaśāstra अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे लल्लन प्रसाद ठाकुर आ कुसुम ठाकुर — रंगमंच, गीत, मेमोइर आ लिफे-विट्नेस्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से PART III: THEORETIC एक LFR एक MEWORKS, THEATRE, FILM & DR एक M एक ३.१ भअरट मुनि'स Nāṭyaśāstra: फोउन्डटिओनल समीक्षात्मक फ्रमे ३.१.१ ओरिगिन आ पुर्पोसे क नाटक Nāṭyaśāstra (कोम्पोसेद बीच क. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पुर्ननद दास पर मैथिली लोक गीतसभ मे एक क्लस्स सेस्सिओन छल, द्वारा मउन'स ओव्न अक्कोउन्ट, पिवोटल एवेन्ट से अवकेनेद हुनकर वोक्किओन. —** अध्याय ४४ निरूपित करैत अछि डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन' — बिओग्रफय, इन्टेल्लेक्टुअल जोउर्नेय आ फ्रग्रन्के-सेएकिन्ग क्रिटिक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से पुर्ननद दास पर मैथिली लोक गीतसभ मे एक क्लस्स सेस्सिओन छल, द्वारा मउन'स ओव्न अक्कोउन्ट, पिवोटल एवेन्ट से अवकेनेद हुनकर वोक्किओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नरेन्द्र नारायण सिंह 'निरल' रेकल्स से केन मेएटिन्ग मउन लेल फिर्स्ट टिमे अट पट्न्'स कशइ प्रसाद जयस्वल अनुसंधान इन्स्टिटुटे मे २००२, हे छल दिसमेंद द्वारा सिम्लिकिट्य आ वर्मथ क एल्देर्ल्य स्वओलर. —** अध्याय ४४ निरूपित करैत अछि नारायण सिंह अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन' — बिओग्रफय, इन्टेल्लेक्टुअल जोउर्नेय आ फ्रग्रन्के-सेएकिन्ग क्रिटिक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से नरेन्द्र नारायण सिंह 'निरल' रेकल्स से केन मेएटिन्ग मउन लेल फिर्स्ट टिमे अट पट्न्'स कशइ प्रसाद जयस्वल अनुसंधान इन्स्टिटुटे मे २००२, हे छल दिसमेंद द्वारा सिम्लिकिट्य आ वर्मथ क एल्देर्ल्य स्वओलर. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**७. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे छल एक टिरेलेस्स फिएल्डोर्केर: केरेवेर हे लिवेद, हसनपुर, दर्भअन्ग, बिरट्न्गर, मोरन्ग, महूर, हे वोउल्द त्रवेल सँ गाम कैं गाम, सेएकिन्ग ओउट लोक-गायकसभ, हेरेदित्य पेफोर्मर्स, पन्जिक कुस्टोदिअन्स, आ रुरल इन्फोर्मन्ट्स. —** अध्याय ४४ निरूपित करैत अछि डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन' — बिओग्रफय, इन्टेल्लेक्टुअल जोउर्नेय आ फ्रग्रन्के-सेएकिन्ग क्रिटिक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे छल एक टिरेलेस्स फिएल्डोर्केर: केरेवेर हे लिवेद, हसनपुर, दर्भअन्ग, बिरट्न्गर, मोरन्ग, महूर, हे वोउल्द त्रवेल सँ गाम कैं गाम, सेएकिन्ग ओउट लोक-गायकसभ, हेरेदित्य पेफोर्मर्स, पन्जिक कुस्टोदिअन्स, आ रुरल इन्फोर्मन्ट्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**८. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सुबिट्लेद “मैथिली विहिनिकथā sāṅkलन” (कोल्लेक्टिओन क मैथिली सेएद कथासभ). —** अध्याय ४६ निरूपित करैत अछि मुन्निज अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे मुन्निज — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से सुबिट्लेद “मैथिली विहिनिकथā sāṅkलन” (कोल्लेक्टिओन क मैथिली सेएद कथासभ). बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**९. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से टोगेथएर, ट्वो टिट्लेस एनक्ट एक दिअलेक्टिकल मोवेमेन्ट से अछि केय कैं कमट'स पोएटिक मेथओद. —** अध्याय ४७ निरूपित करैत अछि मुन्नि कमट अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे मुन्नि कमट — रंगमंच, नाटक आ साहित्यिक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से टोगेथएर, ट्वो टिट्लेस एनक्ट एक दिअलेक्टिकल मोवेमेन्ट से अछि केय कैं कमट'स पोएटिक मेथओद. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१०. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से येत हुनकर पोएट्य अछि नहि विथओउट शिल्प: इन्टेर्नल सोउन्ड पट्टेन्स, रेपेटिटिओन्स, आ देप्लोय्मेन्ट क लोक-रेगिस्टर वोक्बुलर्य क्रेअटे एक दिस्टिन्क्टिभे मुसिकलिट्य. —** अध्याय ४७ निरूपित करैत अछि मुन्नि कमट अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे मुन्नि कमट — रंगमंच, नाटक आ साहित्यिक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से येत हुनकर पोएट्य अछि नहि विथओउट

शिल्प: इन्टर्नल सोउन्ड पट्टेन्स, रेपेटिटिओन्स, आ देप्लोय्मेन्ट क लोक-रेगिस्टर वोकबुलर्य क्रेअटे एक डिस्टिन्क्टिवे मुसिकलिट्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मिश्र किटेस ठाकुर'स फमोउस सटिरिकल कोउप्लेट पर बुद्धिनथ मिश्र: "बुद्धीनथ मिश्राक सकल रचन अर्थअप्रधान / हिन्दी मे टइन गवइट चअहि सोहर ा सम्दौन", एक बिटिन्ग क्रिटिकुए क एक लेखक के त्रिटेस मे मैथिली बुट थएन...** — अध्याय ४८ निरूपित करैत अछि बुद्धिनथ मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे नबो नारायण मिश्र — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से मिश्र किटेस ठाकुर'स फमोउस सटिरिकल कोउप्लेट पर बुद्धिनथ मिश्र: "बुद्धीनथ मिश्राक सकल रचन अर्थअप्रधान / हिन्दी मे टइन गवइट चअहि सोहर ा सम्दौन", एक बिटिन्ग क्रिटिकुए क एक लेखक के त्रिटेस मे मैथिली बुट थएन... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१२. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से त्रिट्रेन मे सन्दर्भ क एमेर्गेन्स्य (१९७५-७७) आ एकर अप्टेर्मथ, प्लय एनागेस सँ कुएस्टिओन क पोलिटिकल रेसिस्टन्के, अन्दोलन मे हिन्दी-मैथिली मेअन्स सिमुल्तनेओउसल्य एक “मोवेमेन्ट” (पोलिटिकल), एक “विब्रिटिओन” वा “ओस्किल्लिटिओन”...** — अध्याय ४९ निरूपित करैत अछि प्रोफेसर. उदय नरयन सिंह 'नचइकेट' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रोफेसर. उदय नरयन सिंह 'नचइकेट' — कवि, प्लयिघट, लिन्गुइस्ट, निबंधकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से त्रिट्रेन मे सन्दर्भ क एमेर्गेन्स्य (१९७५-७७) आ एकर अप्टेर्मथ, प्लय एनागेस सँ कुएस्टिओन क पोलिटिकल रेसिस्टन्के, अन्दोलन मे हिन्दी-मैथिली मेअन्स सिमुल्तनेओउसल्य एक “मोवेमेन्ट” (पोलिटिकल), एक “विब्रिटिओन” वा “ओस्किल्लिटिओन”... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१३. (D) अध्याय प्लेकेस नरयन्जि चौधरी इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.** — अध्याय ५२ निरूपित करैत अछि नरयन्जि चौधरी अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे नरयन्जि चौधरी — एन्विरोन्मेन्टल अक्टिविस्ट आ वटेर हेरिटगे गुअर्दिअन क मिथिला. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय प्लेकेस नरयन्जि चौधरी इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१४. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्केक्ट्स नरेन्द्र झा आ पन्न झा सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.** — अध्याय ५३ निरूपित करैत अछि नरेन्द्र झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे नरेन्द्र झा आ पन्न झा — व्यापक समीक्षात्मक अनुसंधान प्रतिवेदन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्केक्ट्स नरेन्द्र झा आ पन्न झा सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१५. (C) हुनकर कोम्मोन थरेअद अछि सामाजिक कोम्मिट्मेन्ट, लिन्गुइस्टिक इन्नोवटिओन मे मैथिली वेर्नकुलर, आ एक इन्सिस्टेन्के पर रेकोवेरिन्ग सुबल्टेर्न लिफे-एक्स्पेरिएन्के सँ इन्विसिबिलिट्य.** — अध्याय ५४ निरूपित करैत अछि निने समकालीन मैथिली स्वरसभ अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे निने समकालीन मैथिली स्वरसभ — रम्जि प्रसाद मंडल, पं. बल गोविन्द 'अर्य', रमेश्वर प्रसाद मंडल, रम चन्द्र राय, डॉ. बचएश्वर झा, कमेश्वर चौधरी, नारायण यदव, डॉ. शउभ कुमार बर्नवल आ झौल पस्वन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर कोम्मोन थरेअद अछि सामाजिक कोम्मिट्मेन्ट, लिन्गुइस्टिक इन्नोवटिओन मे मैथिली वेर्नकुलर, आ एक इन्सिस्टेन्के पर रेकोवेरिन्ग सुबल्टेर्न लिफे-एक्स्पेरिएन्के सँ इन्विसिबिलिट्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१६. (B) मे टेम्स क नव्य न्यय अनल्यिसस क हुनकर सम्पूर्ण पोएटिक प्रोजेक्ट, मंडल कृतिसभ सँ की गन्गेस वोउल्ड कल्ल सन्निकर्शअ, स्पेकिअल कोन्टैक्ट रेलटिओन बीच एक वोर्ड आ ओब्जेक्ट ई कोग्निसेस.** — अध्याय ५४ निरूपित करैत अछि निने समकालीन मैथिली स्वरसभ अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे निने समकालीन मैथिली स्वरसभ — रम्जि प्रसाद मंडल, पं. बल गोविन्द 'अर्य', रमेश्वर प्रसाद मंडल, रम चन्द्र राय, डॉ. बचएश्वर झा, कमेश्वर चौधरी, नारायण यदव, डॉ. शउभ कुमार बर्नवल आ झौल पस्वन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे टेम्स क नव्य न्यय अनल्यिसस क हुनकर सम्पूर्ण पोएटिक प्रोजेक्ट, मंडल कृतिसभ सँ की गन्गेस वोउल्ड कल्ल सन्निकर्शअ, स्पेकिअल कोन्टैक्ट रेलटिओन बीच एक वोर्ड आ ओब्जेक्ट ई कोग्निसेस. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१७. (D) विदेह-अन्चइन्हर प्लट्फोर्म: एक समानान्तर साहित्यिक रेवोलुटिओन ४.** — अध्याय ५५ निरूपित करैत अछि समानान्तर साहित्यिक रेवोलुटिओन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे थरेए स्वरसभ क मैथिली गजल — ओम प्रकाश झा, अमित मिश्र आ चअन्दन कुमार झा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे विदेह-अन्चइन्हर प्लट्फोर्म: एक समानान्तर साहित्यिक रेवोलुटिओन ४. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१८. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'जन-गनक सेवक भएल देशअक भार चै / जन्तअक मरि टक बनल बुधइयअर चै'.** — अध्याय ५५ निरूपित करैत अछि थरेए स्वरसभ क मैथिली गजल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे थरेए स्वरसभ क मैथिली गजल — ओम प्रकाश झा, अमित मिश्र आ चअन्दन कुमार झा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'जन-गनक सेवक भएल देशअक भार चै / जन्तअक मरि टक बनल बुधइयअर चै'. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१९. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे बेगन त्रिटिन्ग गीतसभ (गाट) मे हिघ स्कूल आ प्रोदुकेद मन्य कस्सेट्रेस मे वरिओउस स्ट्यूलेस, बुट फोउन्ड नो लस्टिन्ग सटिस्फाक्टिओन उन्टिल गजल फोर्म द्रेव हिम.** — अध्याय ५६ निरूपित करैत अछि प्रदेएप पुशप अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रदेएप पुशप — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे बेगन त्रिटिन्ग गीतसभ (गाट) मे हिघ स्कूल आ

प्रोदुकेद मन्य कस्सेट्स मे वरिओउस स्ट्यूलेस, बुट फोउन्ड नो लस्टिन्ग सटिस्फाक्टिओन उन्टिल गजल फोर्म ट्रेव हिम. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२०. (C) पोथी कोन्टइन्स अट लेअस्ट १९ नुम्बरेद घअजल्स कोवेरिन्ग फुल्ल रन्गे क विदेह मैथिली गजल लिने क इन्हेरिटन्के: सामाजिक प्रोटेस्ट, पोलिटिकल सटिरे, मिग्रिटीओन आ उर्बन अलियनटिओन, लोवे आ बेत्रयल, सांस्कृतिक एरोसिओन, गाम लिफे, आ कवि'स...** — अध्याय ५६ निरूपित करैत अछि प्रदेएप पुशप अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रदेएप पुशप — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे पोथी कोन्टइन्स अट लेअस्ट १९ नुम्बरेद घअजल्स कोवेरिन्ग फुल्ल रन्गे क विदेह मैथिली गजल लिने क इन्हेरिटन्के: सामाजिक प्रोटेस्ट, पोलिटिकल सटिरे, मिग्रिटीओन आ उर्बन अलियनटिओन, लोवे आ बेत्रयल, सांस्कृतिक एरोसिओन, गाम लिफे, आ कवि'स... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२१. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गजल ९'स एन्टिरे ट्रमटिक स्ट्रुक्चरे, 'i कोन गवम चै?' (की गाम अछि ई?), अछि एक मेदिटिओन पर गाम से अछि बेकोमे उन्नेकोग्निसब्ले: सोहर आ लगनि लोक गीतसभ रेप्लकेद द्वारा DJ नोइसे; स्मेल्ल क टुर्मेरिक आ...** — अध्याय ५६ निरूपित करैत अछि प्रदेएप पुशप अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रदेएप पुशप — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से गजल ९'स एन्टिरे ट्रमटिक स्ट्रुक्चरे, 'i कोन गवम चै?' (की गाम अछि ई?), अछि एक मेदिटिओन पर गाम से अछि बेकोमे उन्नेकोग्निसब्ले: सोहर आ लगनि लोक गीतसभ रेप्लकेद द्वारा DJ नोइसे; स्मेल्ल क टुर्मेरिक आ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२२. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेएटि ठाकुर अदप्ट्स ई मेदिएवल टेक्स्ट लेल एक शिशु ौदिएन्के, प्रोविदिन्ग इल्लुस्ट्रटिओन्स आ सिम्प्लिफिएद नरटिवे फ्रमिन्ग मे मैथिली.** — अध्याय ५७ निरूपित करैत अछि प्रेएटि ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रेएटि ठाकुर — पिओनेएर क मैथिली शिशु/बाल'स पिक्चरे-कथा साहित्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेएटि ठाकुर अदप्ट्स ई मेदिएवल टेक्स्ट लेल एक शिशु ौदिएन्के, प्रोविदिन्ग इल्लुस्ट्रटिओन्स आ सिम्प्लिफिएद नरटिवे फ्रमिन्ग मे मैथिली. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२३. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेएटि ठाकुर के, अलोन्ग सँ फिर्स्ट संकल्पना:उअलिजटिओन क पिक्चरे कथा, अल्सो गवे ई फोर्म क एक पोथी...** — अध्याय ५७ निरूपित करैत अछि प्रेएटि ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रेएटि ठाकुर — पिओनेएर क मैथिली शिशु/बाल'स पिक्चरे-कथा साहित्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेएटि ठाकुर के, अलोन्ग सँ फिर्स्ट संकल्पना:उअलिजटिओन क पिक्चरे कथा, अल्सो गवे ई फोर्म क एक पोथी... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२४. (A) विदेह प्लट्फोर्म, एस्टब्लिशएद आ सम्पादित द्वारा गजेन्द्र ठाकुर, अछि बेएन एक समीक्षात्मक माध्यम लेल संरक्षण करैत आ प्रसार मैथिली साहित्य मे डिजिटल युग, आ मिश्र अछि अमोन्ग एकर प्रमुख कोन्ट्रिबुटोर्स.** — अध्याय ५९ निरूपित करैत अछि गजेन्द्र ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रबिन्द्र नारायण मिश्र — उपन्यासकार, कथा-लेखक आ निबंधकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे विदेह प्लट्फोर्म, एस्टब्लिशएद आ सम्पादित द्वारा गजेन्द्र ठाकुर, अछि बेएन एक समीक्षात्मक माध्यम लेल संरक्षण करैत आ प्रसार मैथिली साहित्य मे डिजिटल युग, आ मिश्र अछि अमोन्ग एकर प्रमुख कोन्ट्रिबुटोर्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२५. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्केक्ट्स रज्देओ मंडल सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.** — अध्याय ६० निरूपित करैत अछि रज्देओ मंडल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रज्देओ मंडल — कवि, उपन्यासकार, नाटककार, स्क्रैएन्लय लेखक आ लघु-कथा लेखक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्केक्ट्स रज्देओ मंडल सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२६. (D) अगइन्स्ट ई बक्कगोउन्ड क ब्रह्मिन सांस्कृतिक हेगेमोन्य, हुनकर एमेर्गेन्के अस फिर्स्ट धअनुक-कस्ते उपन्यासकार मे मैथिली, हुनकर सुस्टइनेद ओउट्पुट अक्रोस्स मुल्टिप्ले गेन्नेस, आ हुनकर कोन्सिस्टेन्ट थएमटिक फोकुस पर OBC कोम्मुनिट्य लिफे कोन्स्टिटुटे एक साहित्यिक-पोलिटिकल अक्ट क...** — अध्याय ६० निरूपित करैत अछि रज्देओ मंडल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रज्देओ मंडल — कवि, उपन्यासकार, नाटककार, स्क्रैएन्लय लेखक आ लघु-कथा लेखक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अगइन्स्ट ई बक्कगोउन्ड क ब्रह्मिन सांस्कृतिक हेगेमोन्य, हुनकर एमेर्गेन्के अस फिर्स्ट धअनुक-कस्ते उपन्यासकार मे मैथिली, हुनकर सुस्टइनेद ओउट्पुट अक्रोस्स मुल्टिप्ले गेन्नेस, आ हुनकर कोन्सिस्टेन्ट थएमटिक फोकुस पर OBC कोम्मुनिट्य लिफे कोन्स्टिटुटे एक साहित्यिक-पोलिटिकल अक्ट क... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२७. (A) स्क्रैएन्लय फोर्म अछि प्रमुख मे इट्सेल्फ: मैथिली स्क्रैएन्लय त्रिटिन्ग अछि एक ररे गेन्ने, आ मंडल'स प्रेफके केँ जअल उल्लेख करैत अछि से हे उन्देर्तोओक स्क्रैएन्लय त्रिटिन्ग 'सेएइन्ग अब्सेन्के क स्क्रैएन्लयस मे मैथिली साहित्य.' ई अक्ट क गेन्ने-पिओनेएरिन्ग...** — अध्याय ६० निरूपित करैत अछि रज्देओ मंडल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रज्देओ मंडल — कवि, उपन्यासकार, नाटककार, स्क्रैएन्लय लेखक आ लघु-कथा लेखक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे स्क्रैएन्लय फोर्म अछि प्रमुख मे इट्सेल्फ: मैथिली स्क्रैएन्लय त्रिटिन्ग अछि एक ररे गेन्ने, आ मंडल'स प्रेफके केँ जअल उल्लेख करैत अछि से हे उन्देर्तोओक स्क्रैएन्लय त्रिटिन्ग 'सेएइन्ग अब्सेन्के क स्क्रैएन्लयस मे मैथिली साहित्य.' ई अक्ट क गेन्ने-पिओनेएरिन्ग... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२८. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्वेथएर ई सुक्केएदेद वा फइलेद, देकिसिओन अछि लेल समाज केँ मके.** 'ई देफेरल केँ सामाजिक जुद्गमेन्ट, नहि केँ अकदेमिक क्रिटिक्स वा साहित्यिक एस्टब्लिशमेन्ट्स बुट केँ 'समाज' (समज), देखबैत अछि मंडल'स उन्देस्टन्दिना क साहित्य अस एक... — अध्याय ६० निरूपित करैत अछि रज्देओ मंडल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रज्देओ मंडल — कवि, उपन्यासकार, नाटककार, स्क्रैएन्लय लेखक आ लघु-कथा लेखक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्वेथएर ई सुक्केएदेद वा फइलेद, देकिसिओन अछि लेल समाज केँ मके.' ई देफेरल केँ सामाजिक जुद्गमेन्ट, नहि केँ अकदेमिक क्रिटिक्स वा साहित्यिक एस्टब्लिशमेन्ट्स बुट केँ 'समाज' (समज), देखबैत अछि मंडल'स उन्देस्टन्दिना क साहित्य अस एक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२९. (A) अखअर रन लेल अप्रोक्सिमेटेल्य ओने येअर, विशएशअन्क उल्लेख करैत अछि ई छल 'वेर्य पोपुलर लेल एक क्लिले, बुट लिके सभसँ मैथिली जोउर्नल्स, ई छल लघु-लिबेद.'** ई एक्स्पेरिएन्के टउघट रज्जन्दन लाल दास से सुर्विवल क एक मैथिली पत्रिका रेकुइरेद एक्स्त्रओर्दिनर्य... — अध्याय ६१ निरूपित करैत अछि रज्जन्दन लाल दास अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रज्जन्दन लाल दास — देवोटेद सेर्वन्ट क मैथिली भाषा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अखअर रन लेल अप्रोक्सिमेटेल्य ओने येअर, विशएशअन्क उल्लेख करैत अछि ई छल 'वेर्य पोपुलर लेल एक क्लिले, बुट लिके सभसँ मैथिली जोउर्नल्स, ई छल लघु-लिबेद.' ई एक्स्पेरिएन्के टउघट रज्जन्दन लाल दास से सुर्विवल क एक मैथिली पत्रिका रेकुइरेद एक्स्त्रओर्दिनर्य... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३०. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्केर्न्स अचअर्य रमनन्द मंडल सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.** — अध्याय ६३ निरूपित करैत अछि अचअर्य रमनन्द मंडल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अचअर्य रमनन्द मंडल — समीक्षात्मक अनुसंधान प्रतिवेदन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्केर्न्स अचअर्य रमनन्द मंडल सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३१. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वक्रोक्ति थएओर्य (कुन्टक) कुन्टक'स वक्रोक्तिजाविट (क.** — अध्याय ६३ निरूपित करैत अछि कुन्टक'स वक्रोक्तिजाविट अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अचअर्य रमनन्द मंडल — समीक्षात्मक अनुसंधान प्रतिवेदन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से वक्रोक्ति थएओर्य (कुन्टक) कुन्टक'स वक्रोक्तिजाविट (क. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३२. (A) अध्याय प्लकेस प्रोफेसर. डॉ. रमवटर यदव इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.** — अध्याय ६४ निरूपित करैत अछि प्रोफेसर. डॉ. रमवटर यदव अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रोफेसर. डॉ. रमवटर यदव — लिनुइस्ट, फओनेटिकिअन, ग्रम्मरिअन आ स्वओलर क मैथिली. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय प्लकेस प्रोफेसर. डॉ. रमवटर यदव इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३३. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नसलिजटिओन मे मैथिली ओपेरेटेस अट फओनेमिक लेवेल, एक दिस्टिन्क्टिओन बीच मौखिक आ नसल वोवेलस अछि ग्रम्मटिकल्लय प्रमुख, आ यदव'स अकोउस्टिक एविदेन्के (१९८२) देमोन्स्ट्रेटेड से नसल कोअर्टिकुलटिओन पट्टेन्स मे मैथिली दिप्फेर...** — अध्याय ६४ निरूपित करैत अछि प्रोफेसर. डॉ. रमवटर यदव अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रोफेसर. डॉ. रमवटर यदव — लिनुइस्ट, फओनेटिकिअन, ग्रम्मरिअन आ स्वओलर क मैथिली. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से नसलिजटिओन मे मैथिली ओपेरेटेस अट फओनेमिक लेवेल, एक दिस्टिन्क्टिओन बीच मौखिक आ नसल वोवेलस अछि ग्रम्मटिकल्लय प्रमुख, आ यदव'स अकोउस्टिक एविदेन्के (१९८२) देमोन्स्ट्रेटेड से नसल कोअर्टिकुलटिओन पट्टेन्स मे मैथिली दिप्फेर... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३४. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बिओग्रफइकल इन्ट्रोडुक्टिओन: फर्मेर-बर्द क मिथिला III.** — अध्याय ६५ निरूपित करैत अछि रम्देओ प्रसाद मंडल 'झअरुदर' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रम्देओ प्रसाद मंडल 'झअरुदर' — जन कवि आ इन्वेन्टोर क झअरु साहित्यिक फोर्म. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से बिओग्रफइकल इन्ट्रोडुक्टिओन: फर्मेर-बर्द क मिथिला III. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३५. (B) कोल्लेक्टिओन कोन्टइन्स एक प्रार्थअनā (प्रयेर), एक झअण्दā Gīt (फ्लग गीत केलेब्रटिना इन्दिअन नटिओनल पहचान द्वारा वय क मिथिला'स पेस्पेक्तिवे), मुल्तिप्ले गाट, आ नुमेरोउस झाररū पोएम्स.** — अध्याय ६५ निरूपित करैत अछि रम्देओ प्रसाद मंडल 'झअरुदर' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रम्देओ प्रसाद मंडल 'झअरुदर' — जन कवि आ इन्वेन्टोर क झअरु साहित्यिक फोर्म. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे कोल्लेक्टिओन कोन्टइन्स एक प्रार्थअनā (प्रयेर), एक झअण्दā Gīt (फ्लग गीत केलेब्रटिना इन्दिअन नटिओनल पहचान द्वारा वय क मिथिला'स पेस्पेक्तिवे), मुल्तिप्ले गाट, आ नुमेरोउस झाररū पोएम्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३६. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एन्विरोन्मेन्टल कोन्सिओउस्नेस्स: कवि अस एकोलोगिकल अक्टिविस्ट ओने क झअरुदर'स सभसँ दिस्टिन्क्टिवे कोन्ट्रिबुटिओन्स अछि हुनकर सुस्टइनेद अट्टेन्टिओन केँ एन्विरोन्मेन्टल देग्रदटिओन.** — अध्याय ६५ निरूपित करैत अछि एकोलोगिकल अक्टिविस्ट ओने अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रम्देओ प्रसाद मंडल 'झअरुदर' — जन कवि आ इन्वेन्टोर क झअरु साहित्यिक फोर्म. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से एन्विरोन्मेन्टल कोन्सिओउस्नेस्स: कवि अस एकोलोगिकल अक्टिविस्ट ओने क झअरुदर'स सभसँ दिस्टिन्क्टिवे कोन्ट्रिबुटिओन्स अछि हुनकर सुस्टइनेद अट्टेन्टिओन केँ एन्विरोन्मेन्टल देग्रदटिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३७. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ग्रन्थिक: ओर्गनिक इन्टेल्लेक्टुअल आ लोक संस्कृति अन्टोनिओ ग्रन्थिक'स संकल्पना: क 'ओर्गनिक इन्टेल्लेक्टुअल' (प्रिसोन नोटेबोओक्स, १९२९-३५), इन्टेल्लेक्टुअल के एमेर्गेस सँ इन्सिदे एक सुबल्टेन क्लस्स आ देवेलोप्स क्लस्स'स ओब्ज... —** अध्याय ६५ निरूपित करैत अछि लोक संस्कृति अन्टोनिओ ग्रन्थिक'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमदेओ प्रसाद मंडल 'झअरुदर' — जन कवि आ इन्वेन्टोर क झअरु साहित्यिक फोर्म. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ग्रन्थिक: ओर्गनिक इन्टेल्लेक्टुअल आ लोक संस्कृति अन्टोनिओ ग्रन्थिक'स संकल्पना: क 'ओर्गनिक इन्टेल्लेक्टुअल' (प्रिसोन नोटेबोओक्स, १९२९-३५), इन्टेल्लेक्टुअल के एमेर्गेस सँ इन्सिदे एक सुबल्टेन क्लस्स आ देवेलोप्स क्लस्स'स ओब्ज... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३८. (A) फिर्स्ट एडिटिओन छल प्रकाशित मे २००४ द्वारा किसुन सन्कल्प लोक, सुपउल, आ छल लउन्चएद अट एक केरेमोन्य मे दर्भअन्ना द्वारा रेनोव्नेद स्टोयर्टल्लेर अशओक. —** अध्याय ६६ निरूपित करैत अछि किसुन सन्कल्प लोक अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश आ मल झा — अनुसंधान आ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे फिर्स्ट एडिटिओन छल प्रकाशित मे २००४ द्वारा किसुन सन्कल्प लोक, सुपउल, आ छल लउन्चएद अट एक केरेमोन्य मे दर्भअन्ना द्वारा रेनोव्नेद स्टोयर्टल्लेर अशओक. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३९. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से के) आ हुनकर ध्वन्यतलोक कोम्मेन्टय पर ँनन्दवर्धन'स ध्वनि ('रेसोनन्के') थएओर्य टोगेथएर फोर्म सभसँ सोफिस्टिकटेड प्रे-आधुनिक थएओर्य क अएस्थएटिक एक्स्पेरिएन्के. —** अध्याय ६७ निरूपित करैत अछि रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपलजि झा 'गोपेश' आ विज अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपलजि झा 'गोपेश' आ विजय नथ झा — फोउर मैथिली मस्टेर्स क समानान्तर परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से के) आ हुनकर ध्वन्यतलोक कोम्मेन्टय पर ँनन्दवर्धन'स ध्वनि ('रेसोनन्के') थएओर्य टोगेथएर फोर्म सभसँ सोफिस्टिकटेड प्रे-आधुनिक थएओर्य क अएस्थएटिक एक्स्पेरिएन्के. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**४०. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से विजयनथ झा'स घअजल्स मे अह्मिक लेल आ सुस्टइनेद मेट्रे क हुनकर Kāmāyana अनुवाद सुम्मोन ङान्ट रस द्वारा वय क फइलोसोफइकल एकुइपोइसे. —** अध्याय ६७ निरूपित करैत अछि अह्मिक लेल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपलजि झा 'गोपेश' आ विजय नथ झा — फोउर मैथिली मस्टेर्स क समानान्तर परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से विजयनथ झा'स घअजल्स मे अह्मिक लेल आ सुस्टइनेद मेट्रे क हुनकर Kāmāyana अनुवाद सुम्मोन ङान्ट रस द्वारा वय क फइलोसोफइकल एकुइपोइसे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**४१. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गोपेश'स कोन्डेन्सेद नाटक गुम्म भएलह्मह छ ( 'सुदेल्य ई बेकमे सिलेन्ट') ओपेरेटेस अल्मोस्ट एन्टिरेल्य द्वारा वय क एक सुस्टइनेद वक्रोक्टि, कोल्लोकुइअल सुप्रिसे स्टुक्दुरेस से कोन्केअल फइलोसोफइकल फ्रेइघट. —** अध्याय ६७ निरूपित करैत अछि गुम्म भएलह्मह छ अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपलजि झा 'गोपेश' आ विजय नथ झा — फोउर मैथिली मस्टेर्स क समानान्तर परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से गोपेश'स कोन्डेन्सेद नाटक गुम्म भएलह्मह छ ( 'सुदेल्य ई बेकमे सिलेन्ट') ओपेरेटेस अल्मोस्ट एन्टिरेल्य द्वारा वय क एक सुस्टइनेद वक्रोक्टि, कोल्लोकुइअल सुप्रिसे स्टुक्दुरेस से कोन्केअल फइलोसोफइकल फ्रेइघट. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**४२. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर गजेन्द्र ठाकुर, ओरिगिनल पोएम मे मैथिली, त्रन्सलटेद इन्टो अंग्रेजी. —** अध्याय ६८ निरूपित करैत अछि गजेन्द्र ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गजेन्द्र ठाकुर — ओरिगिनल पोएम मे मैथिली, त्रन्सलटेद इन्टो अंग्रेजी. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर गजेन्द्र ठाकुर, ओरिगिनल पोएम मे मैथिली, त्रन्सलटेद इन्टो अंग्रेजी. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**४३. (B) अध्याय अल्सो रेदुर्न्स केँ ई इदेअ: अध्याय प्लकेस गजेन्द्र ठाकुर इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य. —** अध्याय ६८ निरूपित करैत अछि गजेन्द्र ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गजेन्द्र ठाकुर — ओरिगिनल पोएम मे मैथिली, त्रन्सलटेद इन्टो अंग्रेजी. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय अल्सो रेदुर्न्स केँ ई इदेअ: अध्याय प्लकेस गजेन्द्र ठाकुर इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**४४. (A) कवि'स ग्रन्धफथएर छल एक केलेब्रेटेद गायक (गवय्य) कोसे प्रिमर्य दोमइन छल भक्तिपरक गीतसभ (भअक्टि गेएट) केँ युगुअल सर्कर, सिट-रम, आ ई सांगीतिक इन्हेरिटन्के छल देकिसिवे लेल ग्रन्धसोन. —** अध्याय ६९ निरूपित करैत अछि युगुअल सर्कर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे पंडित रमजि चौधरी आ अचअर्य रम्लोचअन शअरन — रुद्रपुर रेकेन्सिओन्स आ मइथइल देवोटीओन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे कवि'स ग्रन्धफथएर छल एक केलेब्रेटेद गायक (गवय्य) कोसे प्रिमर्य दोमइन छल भक्तिपरक गीतसभ (भअक्टि गेएट) केँ युगुअल सर्कर, सिट-रम, आ ई सांगीतिक इन्हेरिटन्के छल देकिसिवे लेल ग्रन्धसोन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**४५. (B) अवर्दस आ रेकोग्निटिओन भअशअ-भअरटि सम्मन (२००३-०४) द्वारा किइल (केय इन्स्टिटुटे क इन्दिअन लन्गुअगेस, म्यसोरे) लेल अनुवाद विदेह सम्मन २०१२ (एकुइवलेन्ट क एक समानान्तर सहित्य अकदेमि अवर्द), अनुवाद प्रिजेकोन्फेरेद द्वारा विदेह पत्रिका प्रबोध सहित्य... —** अध्याय ७० निरूपित करैत अछि रेकोग्निटिओन भअशअ-भअरटि सम्मन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रम्लोचअन ठाकुर — समीक्षात्मक स्टुद्य क कृतिसभ. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अवर्दस आ रेकोग्निटिओन भअशअ-भअरटि सम्मन (२००३-०४) द्वारा किइल (केय इन्स्टिटुटे क इन्दिअन लन्गुअगेस, म्यसोरे)

लेल अनुवाद विदेह सम्मन २०१२ (एकुइवलेन्ट क एक समानान्तर सहित्य अकदेमि अवर्द), अनुवाद प्रिजेकोन्फेरेंद द्वारा विदेह पत्रिका प्रबोध सहित्य... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**४६. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लेल रविभउशअन पथअक'स प्लय रिहर्सल, दोमिनन्ट रस अछि करुन ( त्रिग्वपथएटिक), इन्फ्लेक्टेद सँ एक पेर्सिस्टेन्ट उन्देर्टोने क रउद्र ( त्रथफुल) दिरेक्टेद अट कस्टे दिस्क्रिमिनटिओन.** — अध्याय ७२ निरूपित करैत अछि रविभउशअन पथअक'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रविभउशअन पथअक आ कुमार मनोज कशयप — समीक्षात्मक अनुसंधान आ प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से लेल रविभउशअन पथअक'स प्लय रिहर्सल, दोमिनन्ट रस अछि करुन ( त्रिग्वपथएटिक), इन्फ्लेक्टेद सँ एक पेर्सिस्टेन्ट उन्देर्टोने क रउद्र ( त्रथफुल) दिरेक्टेद अट कस्टे दिस्क्रिमिनटिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**४७. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लुकक्स'स दिस्टिन्क्टिओन बीच नटुरलिस्म (मेरे सुर्फके देस्क्रिप्टिओन) आ रेअलिस्म ( रेवेलटिओन क उन्देर्लिन्ग सामाजिक टोटलिट्य द्वारा वय क ट्यूपिकल चअरक्टेर्स) अछि इल्लुमिनटिना लेल कशयप'स लघउ-कथअस: फिगुरेस लिके बड्थअ वशएर्मन...** — अध्याय ७२ निरूपित करैत अछि रविभउशअन पथअक आ कुमार मनोज कशयप अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रविभउशअन पथअक आ कुमार मनोज कशयप — समीक्षात्मक अनुसंधान आ प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से लुकक्स'स दिस्टिन्क्टिओन बीच नटुरलिस्म (मेरे सुर्फके देस्क्रिप्टिओन) आ रेअलिस्म ( रेवेलटिओन क उन्देर्लिन्ग सामाजिक टोटलिट्य द्वारा वय क ट्यूपिकल चअरक्टेर्स) अछि इल्लुमिनटिना लेल कशयप'स लघउ-कथअस: फिगुरेस लिके बड्थअ वशएर्मन... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**४८. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मोन्थस इल्लेन्स) लस्ट रिटेस हरिद्वर, उट्टरखअन्द परिवार थरेए सोन्स, ट्वो दउघटेर्स; सोन अविन्द्र ठाकुर, संगीत एदुकटोर प्रिमर्य लन्गुअगेस मैथिली, हिन्दी, संस्कृत पेन नमे / टिट्ले 'अभइनव विद्यापति' (कोन्फेरेंद द्वारा बब नगर्जुन...** — अध्याय ७३ निरूपित करैत अछि लस्ट रिटेस हरिद्वर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रविन्द्र नथ ठाकुर — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से मोन्थस इल्लेन्स) लस्ट रिटेस हरिद्वर, उट्टरखअन्द परिवार थरेए सोन्स, ट्वो दउघटेर्स; सोन अविन्द्र ठाकुर, संगीत एदुकटोर प्रिमर्य लन्गुअगेस मैथिली, हिन्दी, संस्कृत पेन नमे / टिट्ले 'अभइनव विद्यापति' (कोन्फेरेंद द्वारा बब नगर्जुन... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**४९. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ओवेर सिक्स देकदेस क सुस्टइनेद क्रेअटिवे कृति, हे त्रन्स्फोर्मेद लन्ड्स्कपे क मैथिली गीत, नाटक, आ वेर्से, रेअचइन्ग ौदिएन्केस से नो साहित्यिक टेक्स्ट कोउल्द अछि रेअचएद पर एकर ओव्न.** — अध्याय ७३ निरूपित करैत अछि रविन्द्र नथ ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रविन्द्र नथ ठाकुर — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ओवेर सिक्स देकदेस क सुस्टइनेद क्रेअटिवे कृति, हे त्रन्स्फोर्मेद लन्ड्स्कपे क मैथिली गीत, नाटक, आ वेर्से, रेअचइन्ग ौदिएन्केस से नो साहित्यिक टेक्स्ट कोउल्द अछि रेअचएद पर एकर ओव्न. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५०. (B) हुनकर परिवार सम्मिलित करैत अछि हुनकर जोर्नलिस्ट सोन अविन्द्र ठाकुर, के ब्रोउघट नेव्स क हुनकर पस्सिन्ग केँ पुब्लिक अट्टेन्टिओन.** — अध्याय ७३ निरूपित करैत अछि अविन्द्र ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रविन्द्र नथ ठाकुर — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर परिवार सम्मिलित करैत अछि हुनकर जोर्नलिस्ट सोन अविन्द्र ठाकुर, के ब्रोउघट नेव्स क हुनकर पस्सिन्ग केँ पुब्लिक अट्टेन्टिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५१. (D) अद्विटीओनल्ल्य हे ब्रोटे हिन्दी सांगीतिक प्रोग्राम्मेस आ एक वेर्से नाटक उट्टर विद्यापति लेल अकशवनि दर्भअन्ग.** — अध्याय ७३ निरूपित करैत अछि उट्टर विद्यापति अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रविन्द्र नथ ठाकुर — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अद्विटीओनल्ल्य हे ब्रोटे हिन्दी सांगीतिक प्रोग्राम्मेस आ एक वेर्से नाटक उट्टर विद्यापति लेल अकशवनि दर्भअन्ग. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५२. (A) सुन्ग लिने क इन्हेरिटन्के रविन्द्र नथ ठाकुर'स पहचान अस बोथ कवि आ मंच गायक कोन्नेक्ट्स हिम केँ ओल्देस्ट आ सभसँ कोन्टिनुओउस थरेअद मे मैथिली साहित्य: सुन्ग ल्यिग.** — अध्याय ७३ निरूपित करैत अछि रविन्द्र नथ ठाकुर'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रविन्द्र नथ ठाकुर — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे सुन्ग लिने क इन्हेरिटन्के रविन्द्र नथ ठाकुर'स पहचान अस बोथ कवि आ मंच गायक कोन्नेक्ट्स हिम केँ ओल्देस्ट आ सभसँ कोन्टिनुओउस थरेअद मे मैथिली साहित्य: सुन्ग ल्यिग. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५३. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोम्पुटेर ट्युप्सेट्टिन्ग द्वारा गन्गान्श गुन्जन झा आ विनिट ठाकुर.** — अध्याय ७७ निरूपित करैत अछि गन्गान्श गुन्जन झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सन्तोश कुमार मिश्र — कवि, लघु-कथा लेखक आ सांस्कृतिक अक्टिविस्ट. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोम्पुटेर ट्युप्सेट्टिन्ग द्वारा गन्गान्श गुन्जन झा आ विनिट ठाकुर. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५४. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: गजल लिने क इन्हेरिटन्के (शओनिटयल पयर्क निशअन) IX.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि शओनिटयल पयर्क निशअन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स

साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: गजल लिने क इन्हेरिटन्के (शओनितयल पर्यक निशअन) IX. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५५. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: प्रोसे विसिओन (सोन्हुल इजोटबल खड्कि) XII.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि प्रोसे विसिओन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: प्रोसे विसिओन (सोन्हुल इजोटबल खड्कि) XII. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५६. (B) एपिस्टेमोलोगिकल रिगोउर गांगेडअ देवेलोपेद देस्पिटे, आ पेह्रप्स बेकउसे क, ई मर्गिनलिजिटीओन अछि मेथओदोलोगिकल्लय इल्लुमिनटिना लेल किन्द क देमोक्रटिक साहित्यिक क्रिटिकिस्म विदेह समीक्षात्मक फ्रमे अद्वोकेटस.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे एपिस्टेमोलोगिकल रिगोउर गांगेडअ देवेलोपेद देस्पिटे, आ पेह्रप्स बेकउसे क, ई मर्गिनलिजिटीओन अछि मेथओदोलोगिकल्लय इल्लुमिनटिना लेल किन्द क देमोक्रटिक साहित्यिक क्रिटिकिस्म विदेह समीक्षात्मक फ्रमे अद्वोकेटस. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५७. (C) प्रेफके सिटुअटेस कोल्लेक्टिओन इन्सिदे शास्त्रीय गेएट लिने क इन्हेरिटन्के हिले अस्सेर्टिना एक वेर्नकुलर, देमोक्रटिक सेन्सिबिलिटि.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे प्रेफके सिटुअटेस कोल्लेक्टिओन इन्सिदे शास्त्रीय गेएट लिने क इन्हेरिटन्के हिले अस्सेर्टिना एक वेर्नकुलर, देमोक्रटिक सेन्सिबिलिटि. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५८. (A) नमे शअन्ति लक्ष्मि (पेअके + गोह्रेस्स क प्रोस्पेरेटि) एन्कोदेस त्रिदिटीओनल मैथिली दुअल नमिना प्रक्टिके, बुट हुनकर साहित्यिक कृति स्स्टेमटिकल्लय इन्टेर्रोगटेस सामाजिक अस्सुम्प्टिओन्स एम्बेदेद मे सुच त्रिदिटीओनल इदेन्टिटीएस.** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि शअन्ति लक्ष्मि अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे नमे शअन्ति लक्ष्मि (पेअके + गोह्रेस्स क प्रोस्पेरेटि) एन्कोदेस त्रिदिटीओनल मैथिली दुअल नमिना प्रक्टिके, बुट हुनकर साहित्यिक कृति स्स्टेमटिकल्लय इन्टेर्रोगटेस सामाजिक अस्सुम्प्टिओन्स एम्बेदेद मे सुच त्रिदिटीओनल इदेन्टिटीएस. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५९. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रसाद अछि बेएन एक कोन्ट्रिबुटोर अक्रोस्स मुल्टिप्ले देकदेस क ई अभिलेख, अप्पेअरिना मे इस्सुएस अस एअलर्थ अस इस्सुए १४ आ कोन्ट्रिबुटोर द्वारा वय क इस्सुए ३७ आ ब्रोअदेर ४३८-इस्सुए रुन.** — अध्याय ८२ निरूपित करैत अछि डॉ. शङ्ख कुमार प्रसाद अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. शङ्ख कुमार प्रसाद — कवि, लघु कथा लेखक, साहित्यिक क्रिटिक आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रसाद अछि बेएन एक कोन्ट्रिबुटोर अक्रोस्स मुल्टिप्ले देकदेस क ई अभिलेख, अप्पेअरिना मे इस्सुएस अस एअलर्थ अस इस्सुए १४ आ कोन्ट्रिबुटोर द्वारा वय क इस्सुए ३७ आ ब्रोअदेर ४३८-इस्सुए रुन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६०. (B) हुनकर समीक्षात्मक निबंध पर दलित साहित्य एक्स्प्लिकिट्लय इन्टेर्रोगटेस पोलिटिकल एकोनोम्य क भाषा आ कनोन-फोर्मिटीओन.** — अध्याय ८२ निरूपित करैत अछि डॉ. शङ्ख कुमार प्रसाद अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. शङ्ख कुमार प्रसाद — कवि, लघु कथा लेखक, साहित्यिक क्रिटिक आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर समीक्षात्मक निबंध पर दलित साहित्य एक्स्प्लिकिट्लय इन्टेर्रोगटेस पोलिटिकल एकोनोम्य क भाषा आ कनोन-फोर्मिटीओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६१. (D) पोएम्स अबोउट कस्ते, 'द्विजक मुहंइअय सन्नसना / अचओप सोओटि कहिट' (' थरेअद क ट्विके-बोर्न, अलोन्सिदे / उन्टोउचअब्ले'स ब्लोओद फ्लोविना...'), देप्लोय एक बिट्टेर, कोन्डेन्सेद इरोन्य से रेकल्लस दलित साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के'स रेफुसल क...** — अध्याय ८३ निरूपित करैत अछि शङ्ख कुमार झा 'टिल्लु' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शङ्ख कुमार झा 'टिल्लु' — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे पोएम्स अबोउट कस्ते, 'द्विजक मुहंइअय सन्नसना / अचओप सोओटि कहिट' (' थरेअद क ट्विके-बोर्न, अलोन्सिदे / उन्टोउचअब्ले'स ब्लोओद फ्लोविना...'), देप्लोय एक बिट्टेर, कोन्डेन्सेद इरोन्य से रेकल्लस दलित साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के'स रेफुसल क... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६२. (C) हुनकर सदेह ७ कोन्ट्रिबुटिओन एस्टब्लिशएस हुनकर रनो इम्मेदिअटेल्स: गिट (गीत), Āजवद गजल १-३ (थरेए फ्रेए घअजल्स), हम कहि दइट चा (I विल्ल/दो सय ई, एक अस्सेर्टिओन क स्वर), आ स्वाकवरोक्ति.** — अध्याय ८४ निरूपित करैत अछि हम कहि दइट चा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे स्रिजन शएखअर 'अज्जेय', अछए लाल शअस्ट्रि, अनमिक रज, अनिल मल्लिक, अग्रेन्द्र यदव आ प्रनव झा — समीक्षात्मक अप्पेअरिटीओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर सदेह ७ कोन्ट्रिबुटिओन एस्टब्लिशएस हुनकर रनो इम्मेदिअटेल्स: गिट (गीत), Āजवद गजल १-३ (थरेए फ्रेए घअजल्स), हम कहि दइट चा (I विल्ल/दो सय ई, एक अस्सेर्टिओन क स्वर), आ स्वाकवरोक्ति. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६३. (D) हुनकर सदेह ३४ पिएके 'रिपठरुअ' (प्रतिवेदन), एक मैथिली लघु फिक्टीओन पिएके सँ एक अंग्रेजी/हिन्दी-ओरिगिन टिट्ले, अछि फोर्मल्लय इन्नोवटिवे मे उसिना बुरैक्रटिक-जोर्नलिस्टिक गेन्ने ('प्रतिवेदन') अस एक साहित्यिक फ्रमे लेल फिक्टीओन, क्रेअटिना एक दोकुमेन्टरी-फिक्टीओनल**

**टिप्पण.** — अध्याय ८४ निरूपित करैत अछि सिजन शएखअर 'अज्जेय', अछए लाल शअस्टि, अनमिक रज, अनि अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सिजन शएखअर 'अज्जेय', अछए लाल शअस्टि, अनमिक रज, अनिल मल्लिक, अग्नेन्द्र यदव आ प्रनव झा — समीक्षात्मक अप्प्रेकिअटिओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर सदेह ३४ पिएके 'रिपराउ' (प्रतिवेदन), एक मैथिली लघु फिक्शिन पिएके सँ एक अंग्रेजी/हिन्दी-ओरिगिन टिटूले, अछि फोर्मल्लय इन्नोवेटिवे मे उसिना बुरौक्राटिक-जोर्नलिस्टिक गेने ('प्रतिवेदन') अस एक साहित्यिक क्रमे लेल फिक्शिन, क्रेअटिना एक दोकुमेन्टरी-फिक्शिनल टिप्पण. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६४. (A) स्टुद्य अप्लिएस बोथ वेस्टेर्न्स समीक्षात्मक क्रमेवोर्क्स, इन्क्लुदिना नेव क्रिटिकिस्म, नरटोलोग्य, पोस्ट्कोलोनिअल थएओर्य, आ फेमिनिस्ट क्रिटिकिस्म, आ इन्दिअन थएओरेटिकल त्रिडिटिओन्स, फोरेमोस्ट अमोना थएम रस-धवनि अएस्थएटिक्स आ, केन्त्रल्लय, नव्य न्यय...** — अध्याय ८५ निरूपित करैत अछि नेव क्रिटिकिस्म अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शइव्शअन्कर सिनिवस — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे स्टुद्य अप्लिएस बोथ वेस्टेर्न्स समीक्षात्मक क्रमेवोर्क्स, इन्क्लुदिना नेव क्रिटिकिस्म, नरटोलोग्य, पोस्ट्कोलोनिअल थएओर्य, आ फेमिनिस्ट क्रिटिकिस्म, आ इन्दिअन थएओरेटिकल त्रिडिटिओन्स, फोरेमोस्ट अमोना थएम रस-धवनि अएस्थएटिक्स आ, केन्त्रल्लय, नव्य न्यय... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६५. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रम प्यरि देवि, केँ व्होम हे अट्टिबुटेस हुनकर एअर्लिअस्ट कथा-लिस्टेनिना आ स्टोर्टेल्लिना इन्स्टिन्क्ट्स.** — अध्याय ८५ निरूपित करैत अछि प्यरि देवि अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शइव्शअन्कर सिनिवस — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से रम प्यरि देवि, केँ व्होम हे अट्टिबुटेस हुनकर एअर्लिअस्ट कथा-लिस्टेनिना आ स्टोर्टेल्लिना इन्स्टिन्क्ट्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६६. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे कोम्प्लेटेड हुनकर M.एक. आ फ.D. आ वेन्ट पर केँ सेर्वे अस एक लेक्चुरे मे मैथिली.** — अध्याय ८५ निरूपित करैत अछि शइव्शअन्कर सिनिवस अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शइव्शअन्कर सिनिवस — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे कोम्प्लेटेड हुनकर M.एक. आ फ.D. आ वेन्ट पर केँ सेर्वे अस एक लेक्चुरे मे मैथिली. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६७. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोन्टइन्स विदेल्य-दिस्कुस्सेड कथा "सिनुहर्," त्रन्सलटेड द्वारा गजेन्द्र ठाकुर इन्टो अंग्रेजी.** — अध्याय ८५ निरूपित करैत अछि गजेन्द्र ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शइव्शअन्कर सिनिवस — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोन्टइन्स विदेल्य-दिस्कुस्सेड कथा "सिनुहर्," त्रन्सलटेड द्वारा गजेन्द्र ठाकुर इन्टो अंग्रेजी. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६८. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क गुन कथअ (२०१४), कथा क कुअलिटिएस / मेरिट ई कोल्लेक्टिओन एक्स्प्लोरेस की ई मेअन्स केँ अछि आ केँ लोसे मोरल कुअलिटिएस (गुन) मे एक मर्केटिसेड वोर्ल्ड.** — अध्याय ८५ निरूपित करैत अछि गुन कथअ अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शइव्शअन्कर सिनिवस — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से क गुन कथअ (२०१४), कथा क कुअलिटिएस / मेरिट ई कोल्लेक्टिओन एक्स्प्लोरेस की ई मेअन्स केँ अछि आ केँ लोसे मोरल कुअलिटिएस (गुन) मे एक मर्केटिसेड वोर्ल्ड. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६९. (A) मे मैथिली लोक टलेस कोम्प्लेटेड द्वारा रम्लोचअन ठाकुर, कोन वे अछि मदे बसिस क ई वेर्य ब्रिएफ स्टुद्य, थएरे छथि/अछि वेर्य फेव ौथएन्टिक मैथिली लोक टलेस.** — अध्याय ८६ निरूपित करैत अछि रम्लोचअन ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुभअश चअन्द्र यदव — निट नवल सुभअश चअन्द्र यदव. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे मैथिली लोक टलेस कोम्प्लेटेड द्वारा रम्लोचअन ठाकुर, कोन वे अछि मदे बसिस क ई वेर्य ब्रिएफ स्टुद्य, थएरे छथि/अछि वेर्य फेव ौथएन्टिक मैथिली लोक टलेस. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**७०. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सोमे (मैथिली) साहित्यिक फिगुरेस कल्ल ओउर एम्फअसिस पर ई बिन्दु एक अट्टेम्प्ट केँ फ्रग्मेन्ट साहित्य, बुट ओउर प्रिओरिट्य अछि मैथिली, मैथिली साहित्य मोवेमेन्ट; इफ ई भाषा अछि धिना, थएन की अछि उसे क देस्ट्रुक्टिवे...** — अध्याय ८६ निरूपित करैत अछि सुभअश चअन्द्र यदव अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुभअश चअन्द्र यदव — निट नवल सुभअश चअन्द्र यदव. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से सोमे (मैथिली) साहित्यिक फिगुरेस कल्ल ओउर एम्फअसिस पर ई बिन्दु एक अट्टेम्प्ट केँ फ्रग्मेन्ट साहित्य, बुट ओउर प्रिओरिट्य अछि मैथिली, मैथिली साहित्य मोवेमेन्ट; इफ ई भाषा अछि धिना, थएन की अछि उसे क देस्ट्रुक्टिवे... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**७१. (B) मे ई दुशअन पंजी, थएरे छल त्रिट्रेन रेकोर्ड्स क ब्रह्मिन्स मर्यिना ओथएर कस्टेस, एस्पेकिअल्लय दलिट्स आ मुस्लिम्स, वा मर्यिना अपटेर हुस्बन्ड'स देअथ.** — अध्याय ८८ निरूपित करैत अछि दुशअन पंजी अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुशइल — एवेर नेव / निट नवल सुशइल. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे ई दुशअन पंजी, थएरे छल त्रिट्रेन रेकोर्ड्स क ब्रह्मिन्स मर्यिना ओथएर कस्टेस, एस्पेकिअल्लय दलिट्स आ मुस्लिम्स, वा मर्यिना अपटेर हुस्बन्ड'स देअथ. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**७२. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से योउ छथि/अछि रिघट, ई एक्स्केर्ट अछि सँ सभसँ उचित मैथिली लोवे कथा, 'प्रेम ने बतइ उपजय'.** — अध्याय ८८ निरूपित करैत अछि प्रेम ने बतइ उपजय' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुशइल — एवेर नेव / निट नवल सुशइल. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे

अध्याय उल्लेख करैत अछि से योउ छथि/अछि रिघट, ई एक्स्केर्ट अछि सँ सभसँ उचित मैथिली लोवे कथा, 'प्रेम ने बतइ उपजय'. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**७३. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वेस्टर्न समीक्षात्मक थएओर्य ग्राम्स्क & स्पिवक: वियोगि चअल्लेन्गोस ब्रह्मिनिकल सांस्कृतिक हेगेमोन्य. —**

अध्याय ८९ निरूपित करैत अछि टरनन्द वियोगि अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे टरनन्द वियोगि — बेयोन्द हॅटोरिक: फ्रकटुरेद स्वर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से वेस्टर्न समीक्षात्मक थएओर्य ग्राम्स्क & स्पिवक: वियोगि चअल्लेन्गोस ब्रह्मिनिकल सांस्कृतिक हेगेमोन्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**७४. (B) हड़कु आ टन्क सेकुएन्केस छथि/अछि पर्टिकुलर्ल्य इन्टरेस्टिन्ग मे ई रेगर्द: थएसे फोर्म्स, बोरोवेद सँ जपनेसे लिने क इन्हेरिटन्के बुट नटुरलिसेद इन्टो मैथिली, पेफोर्म एक किन्द क फोर्मल कोम्प्रेस्सिओन से एनक्व्स कवि'स ओव्न सिटुअटिओन, एक स्वर... —** अध्याय ९० निरूपित करैत अछि डॉ.

उमेश मंडल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. उमेश मंडल — अक्ट क नमिन्ना उन्नमेद. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हड़कु आ टन्क सेकुएन्केस छथि/अछि पर्टिकुलर्ल्य इन्टरेस्टिन्ग मे ई रेगर्द: थएसे फोर्म्स, बोरोवेद सँ जपनेसे लिने क इन्हेरिटन्के बुट नटुरलिसेद इन्टो मैथिली, पेफोर्म एक किन्द क फोर्मल कोम्प्रेस्सिओन से एनक्व्स कवि'स ओव्न सिटुअटिओन, एक स्वर... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**७५. (B) मिथइलअक नअरि ( स्त्री क मिथिला) ई पोएम अद्द्रेस्सेस गेन्देर इन्सिदे स्पेकिफिक सांस्कृतिक सन्दर्भ क मिथिला, एनागिन्ग सँ कोम्प्लेक्स सामाजिक पोसिटिओन क मिथिला'स स्त्री, केलेब्रेटेद मे शास्त्रीय साहित्य आ लोक गीत, येत सुब्जेक्टेद कें समे... —** अध्याय ९१ निरूपित करैत अछि मिथइलअक नअरि अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे उमेश पस्वन — कवि, लघु कथा लेखक आ दलित स्वर क मिथिला. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मिथइलअक नअरि ( स्त्री क मिथिला) ई पोएम अद्द्रेस्सेस गेन्देर इन्सिदे स्पेकिफिक सांस्कृतिक सन्दर्भ क मिथिला, एनागिन्ग सँ कोम्प्लेक्स सामाजिक पोसिटिओन क मिथिला'स स्त्री, केलेब्रेटेद मे शास्त्रीय साहित्य आ लोक गीत, येत सुब्जेक्टेद कें समे... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**७६. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्के-२०० CE), एक व्यापक ट्रेअटिसे पर द्रमटिक कोम्पोसिटिओन, प्रदर्शन, स्टगिन्ग, संगीत, आ नृत्य. —**

अध्याय ९२ निरूपित करैत अछि स्वरसभ सँ मिथिला अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे स्वरसभ सँ मिथिला — विभअ रनि, बिन्देशवर ठाकुर आ अन्मोल झा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्के-२०० CE), एक व्यापक ट्रेअटिसे पर द्रमटिक कोम्पोसिटिओन, प्रदर्शन, स्टगिन्ग, संगीत, आ नृत्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**७७. (A) मे भग्न रउ, मंच दिरेक्टिओन्स एक्स्प्लिकिट्ल्य इन्विटे ौदिएन्के इन्टो द्रमटिक अक्टिओन: एक 'दरडअक' (स्पेक्टोर) चअरक्टेर अछि लिस्टेद मे द्रमटिस पेसॉनए आ देलिवेर्स लिनेस सँ इन्सिदे ौदिएन्के स्पेके. —** अध्याय ९२ निरूपित करैत अछि स्वरसभ सँ मिथिला अपन व्यापक विवेचनक

भाग रूपमे स्वरसभ सँ मिथिला — विभअ रनि, बिन्देशवर ठाकुर आ अन्मोल झा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे भग्न रउ, मंच दिरेक्टिओन्स एक्स्प्लिकिट्ल्य इन्विटे ौदिएन्के इन्टो द्रमटिक अक्टिओन: एक 'दरडअक' (स्पेक्टोर) चअरक्टेर अछि लिस्टेद मे द्रमटिस पेसॉनए आ देलिवेर्स लिनेस सँ इन्सिदे ौदिएन्के स्पेके. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**७८. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्रेचट'स एपिक रंगमंच बेटोल्ड ब्रेचट'स वेफ्रेम्डुनसेफेक्ट (अलिएनटिओन एफफेक्ट, V-एफफेक्ट) सेएक्स कें प्रेवेन्ट ौदिएन्के सँ इदेन्टिफियिन्ग एमोटिओनल्ल्य सँ चअरक्टेर्स सो से थएय कन मइन्टइन समीक्षात्मक दिस्टन्के आ रेकोनिसे सामाजिक... —** अध्याय

९२ निरूपित करैत अछि एपिक रंगमंच बेटोल्ड ब्रेचट'स वेफ्रेम्डुनसेफेक्ट अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे स्वरसभ सँ मिथिला — विभअ रनि, बिन्देशवर ठाकुर आ अन्मोल झा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्रेचट'स एपिक रंगमंच बेटोल्ड ब्रेचट'स वेफ्रेम्डुनसेफेक्ट (अलिएनटिओन एफफेक्ट, V-एफफेक्ट) सेएक्स कें प्रेवेन्ट ौदिएन्के सँ इदेन्टिफियिन्ग एमोटिओनल्ल्य सँ चअरक्टेर्स सो से थएय कन मइन्टइन समीक्षात्मक दिस्टन्के आ रेकोनिसे सामाजिक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**७९. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई समीक्षात्मक फ्रमे रेकोनिसेस निने दिस्टिन्क्ट लयेर्स क हिस्टोरिकल सुप्प्रेस्सिओन, इन्क्लुदिन्ग बुद्धइस्ट चअर्यपद फोउन्डटिओन्स आ कोन्ट्रिबुटिओन्स क नेपल्सिदे मैथिली कोम्मुनिट्य. —** अध्याय ९३ निरूपित करैत अछि बुद्धइस्ट चअर्यपद अपन व्यापक विवेचनक

भाग रूपमे विदेह इस्सुएस ३५९-४३८ — एपिस्टेमोलोगिकल आ कनोनिकल ट्रान्सफोर्मटिओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई समीक्षात्मक फ्रमे रेकोनिसेस निने दिस्टिन्क्ट लयेर्स क हिस्टोरिकल सुप्प्रेस्सिओन, इन्क्लुदिन्ग बुद्धइस्ट चअर्यपद फोउन्डटिओन्स आ कोन्ट्रिबुटिओन्स क नेपल्सिदे मैथिली कोम्मुनिट्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**८०. (C) हिस्टोरिकल्ल्य इदेन्टिफिएद सँ अन्किएन्ट किन्दोम क विदेह, होमेलन्द क सिट आ इन्टेल्लेक्टुअल क्रद्ले क नव्य न्यवय स्कूल क**

**लोगिक्मिथइल अछि लोन्ग बेएन एक केन्टर क इन्डिअन किविलिजटिओन. —** अध्याय ९४ निरूपित करैत अछि विदेह समानान्तर ौदिओ विदेओ अभिलेख अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे विदेह समानान्तर ौदिओ विदेओ अभिलेख — डिजिटल रेमेदिअटिओन आ सुबल्लेर्न हिस्टोरिओग्राफय. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हिस्टोरिकल्ल्य इदेन्टिफिएद सँ अन्किएन्ट किन्दोम क विदेह, होमेलन्द क सिट आ इन्टेल्लेक्टुअल क्रद्ले क नव्य न्यवय स्कूल क लोगिक्मिथइल अछि लोन्ग बेएन एक केन्टर क इन्डिअन किविलिजटिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**८१. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रविन्द्र नथ ठाकुर गीत/नाटक कोन्फेर्द टिट्ले "अभइनव विद्यापति"; ट्रान्सफोर्मेद मैथिली प्रदर्शन संस्कृति. —**

अध्याय ९४ निरूपित करैत अछि नथ ठाकुर गीत अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे विदेह समानान्तर ौदिओ विदेओ अभिलेख — डिजिटल रेमेदिअटिओन आ

सुबल्टेर्न हिस्टोरिओग्राफ़ी. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से रविन्द्र नथ ठाकुर गीत/नाटक कोन्फेरेन्स टिट्ले "अभिनव विद्यापति"; ट्रन्स्फोर्मेड मैथिली प्रदर्शन संस्कृति. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्फेरेन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**८२. (B) 'सुबेकुएन्ट फिगुरेस Vāकस्पटि मिऽर II, रघुनवथअ ऽइरोमण्ड, मथउरवणवथअ टर्कववागऽअ एलबोरटेद ई अप्परटुस इन्टो सभसँ टेचनिकल्लय प्रेकिसे स्पस्टेम क एपिस्टेमोलोगिकल अनल्लिसस मे इन्दिअन लिने क इन्हेरिटन्के.** — अध्याय ९६ निरूपित करैत अछि Vāकस्पटि मिऽर II अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे एपिस्टेमोलोग्य क परल्लेलिस्म — विदेह सदेह सेरिएस आ मैथिली डिजिटल रेनइस्सन्के. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे 'सुबेकुएन्ट फिगुरेस Vāकस्पटि मिऽर II, रघुनवथअ ऽइरोमण्ड, मथउरवणवथअ टर्कववागऽअ एलबोरटेद ई अप्परटुस इन्टो सभसँ टेचनिकल्लय प्रेकिसे स्पस्टेम क एपिस्टेमोलोगिकल अनल्लिसस मे इन्दिअन लिने क इन्हेरिटन्के. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्फेरेन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**८३. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क ओ न क ल उ स इ ओ न: T ह ए L इ ग ह ट ट ह ए एक ग ए C एक स ट स एक समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन मुस्ट कनोव व्हेन केँ स्पेअक आ व्हेन केँ स्टोप.** — अध्याय ९६ निरूपित करैत अछि एपिस्टेमोलोग्य क परल्लेलिस्म अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे एपिस्टेमोलोग्य क परल्लेलिस्म — विदेह सदेह सेरिएस आ मैथिली डिजिटल रेनइस्सन्के. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से क ओ न क ल उ स इ ओ न: T ह ए L इ ग ह ट ट ह ए एक ग ए C एक स ट स एक समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन मुस्ट कनोव व्हेन केँ स्पेअक आ व्हेन केँ स्टोप. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्फेरेन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**८४. (D) विदेह-सदेह अभिलेख: देटइलेद अनल्लिसस क ३७ स्पेकिअल इस्सुएस इन्वेन्टोर्य आ अनल्लिसस क विदेह सदेह १-३७ विदेह सदेह सेरिएस अछि स्ट्रुक्चुरेद केँ प्रोविदे एक व्यापक सुर्वेय क मैथिली साहित्य अक्रोस्स गेन्नेस, थएमेस, आ देवेलोप्मेन्टल स्टगेस.** — अध्याय ९६ निरूपित करैत अछि देटइलेद अनल्लिसस अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे एपिस्टेमोलोग्य क परल्लेलिस्म — विदेह सदेह सेरिएस आ मैथिली डिजिटल रेनइस्सन्के. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे विदेह-सदेह अभिलेख: देटइलेद अनल्लिसस क ३७ स्पेकिअल इस्सुएस इन्वेन्टोर्य आ अनल्लिसस क विदेह सदेह १-३७ विदेह सदेह सेरिएस अछि स्ट्रुक्चुरेद केँ प्रोविदे एक व्यापक सुर्वेय क मैथिली साहित्य अक्रोस्स गेन्नेस, थएमेस, आ देवेलोप्मेन्टल स्टगेस. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्फेरेन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**८५. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्के-२०० CE) आ थएओरिजेद द्वारा वय क ध्वनि (रेसोनन्के) द्वारा Āनन्दवर्धन मे ध्वन्यवलोक (क.** — अध्याय ९७ निरूपित करैत अछि विनेएट उट्पल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे विनेएट उट्पल — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्के-२०० CE) आ थएओरिजेद द्वारा वय क ध्वनि (रेसोनन्के) द्वारा Āनन्दवर्धन मे ध्वन्यवलोक (क. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्फेरेन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**८६. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क ह एक प ट ए र I I: C र इ ट इ क एक ल एक प प र ए क इ एक ट इ ओ न ओ फ यो ग एक न एक न द J ह एक २.१ बिओग्राफ़िकल आ कोन्टेक्स्टुअल ओवेर्विएव योगनन्द झा स्टन्ड्स अस ओने क सभसँ वेसंटिले आ प्रोलिफिक कोन्ट्रिबुटोर्स केँ ट्वेन्टिएथकेन्टुर्य मैथिली...** — अध्याय ९८ निरूपित करैत अछि कोन्टेक्स्टुअल ओवेर्विएव योगनन्द झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे योगनन्द झा, कम्ल चौधरी आ ललित झा — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से क ह एक प ट ए र I I: C र इ ट इ क एक ल एक प प र ए क इ एक ट इ ओ न ओ फ यो ग एक न एक न द J ह एक २.१ बिओग्राफ़िकल आ कोन्टेक्स्टुअल ओवेर्विएव योगनन्द झा स्टन्ड्स अस ओने क सभसँ वेसंटिले आ प्रोलिफिक कोन्ट्रिबुटोर्स केँ ट्वेन्टिएथकेन्टुर्य मैथिली... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्फेरेन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**८७. (D) सेएद कथा वा वेर्य लघु कथा** — अध्याय समझबैत अछि बाहनि अस एक सेएद-लिके, एक्स्ट्रेमेल्थ ब्रिएफ नर्रटिवे: स्मल्ल मे सिजे बुट कपब्ले क कर्णिंग एक फुल्ल एमोटिओनल आ थएमटिक वोल्ड.

**८८. (D) सदेह ५ अछि लेल बाहनि/विहनि कथा, व्हिले सदेह ६ अछि लेल लघु कथा** — अध्याय निरूपित करैत अछि सेपरटे नुम्बेरिंग क थएसे अन्थओलोगिएस अस एक बिब्लिओग्राफ़िक डिस्टिन्क्टिओन बीच अदजकेन्ट लघु प्रोसे फोर्म्स.

**८९. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ग्रिएसॉन (१८५१-१९४१), मैथिली चरेस्टोमथय, ग्रम्मर.** — अध्याय १ निरूपित करैत अछि गजेन्द्र ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गजेन्द्र ठाकुर — एक समानान्तर इतिहास क मिथिला & मैथिली साहित्य (पर्ट १-१००). नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ग्रिएसॉन (१८५१-१९४१), मैथिली चरेस्टोमथय, ग्रम्मर. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्फेरेन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**९०. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ पोटेर एन्क्वल्तोपेदिअ'स निरूपण क गनोस'स ओव्न एक्सम्प्ले: इफ ओने थइन्क्स क गेनेरिक प्रोपेर्टिएस वा उनिवेर्सल्स अस हविना इन्स्टन्केस (अस मे वेस्टेर्न फइलोसोफय) रथएर थअन अस इन्हेरिन्ग मे पर्टिकुलर्स, ओने ट्रन्सलटेस एक इन्दिअन विएव...** — अध्याय २ निरूपित करैत अछि पोटेर एन्क्वल्तोपेदिअ'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गनोस उपधयय — लिफे, लोगिक, आ लेगक्य मे नव्य-न्यय परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से सँ पोटेर एन्क्वल्तोपेदिअ'स निरूपण क गनोस'स ओव्न एक्सम्प्ले: इफ ओने थइन्क्स क गेनेरिक प्रोपेर्टिएस वा उनिवेर्सल्स अस हविना इन्स्टन्केस (अस मे वेस्टेर्न फइलोसोफय) रथएर थअन अस इन्हेरिन्ग मे पर्टिकुलर्स, ओने ट्रन्सलटेस एक इन्दिअन विएव... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्फेरेन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**९१. (D) स्वओलर के एनागेद पकसधअर मिस्र मे देबते ( संस्कृत/अवहट्ट विद्यापति) छल एक भिन्न पेसॉन सँ लोक-ल्लिगिक कवि व्होसे गीतसभ स्प्रेअद अक्रोस्स एअस्टेर्न भारत.** — अध्याय २ निरूपित करैत अछि पकसधअर मिस्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गनोस उपधयय — लिफे, लोगिक, आ लेगक्य

मे नव्य-न्यय परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे स्वओलर के एन्गोद पकसधर मिस मे देबटे ( संस्कृत/अवहट्ट विद्यापति) छल एक भिन्न पेसोन सँ लोक-लिपिक कवि दोसे गीतसभ स्प्रेअद अक्रोस्स एअस्टेर्न भारत. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१२. (D) सुफि लिने क इन्हेरिटन्के, कोन कमे केँ दोमिनटे पेर्सिअन गजल, अछि मे सोमे सेन्से एक स्थण्डिलस क बोथ पोलेस: ई टकेस सेल्फ-अन्निहिलेटिन्ग देवोटीओन क उधरि लोवे आ अप्लिएस ई केँ दिविने, हिले रेटइनिन्ग सेन्सुओउस इमगेर्य क हेजजि लिने...** — अध्याय ३ निरूपित करैत अछि मैथिली गजल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे मैथिली गजल — इतिहास, थएओर्य, रेविवल, आ अन्वइन्हर एर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे सुफि लिने क इन्हेरिटन्के, कोन कमे केँ दोमिनटे पेर्सिअन गजल, अछि मे सोमे सेन्से एक स्थण्डिलस क बोथ पोलेस: ई टकेस सेल्फ-अन्निहिलेटिन्ग देवोटीओन क उधरि लोवे आ अप्लिएस ई केँ दिविने, हिले रेटइनिन्ग सेन्सुओउस इमगेर्य क हेजजि लिने... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१३. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दअग देह्लिव (१८३१-१९०५) छल ग्रेअट पोपुलरिसेर क ई एर: हुनकर घअजल्स छल मेलोदिओउस, क्लेअर, एमोटीओनल्ल्य इम्मेदिअटे, आ इदेअल्ल्य सुइटेद केँ सांगीतिक प्रदर्शन.** — अध्याय ३ निरूपित करैत अछि मैथिली गजल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे मैथिली गजल — इतिहास, थएओर्य, रेविवल, आ अन्वइन्हर एर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से दअग देह्लिव (१८३१-१९०५) छल ग्रेअट पोपुलरिसेर क ई एर: हुनकर घअजल्स छल मेलोदिओउस, क्लेअर, एमोटीओनल्ल्य इम्मेदिअटे, आ इदेअल्ल्य सुइटेद केँ सांगीतिक प्रदर्शन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१४. (C) मे बांग्ला, गजल अर्रिवेद विअ इन्टेल्लेक्टुअल आ सांस्कृतिक फेर्मन्ट क निनेटेएन्थ-केन्दुर्य कल्कुट्ट.** — अध्याय ३ निरूपित करैत अछि मैथिली गजल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे मैथिली गजल — इतिहास, थएओर्य, रेविवल, आ अन्वइन्हर एर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे बांग्ला, गजल अर्रिवेद विअ इन्टेल्लेक्टुअल आ सांस्कृतिक फेर्मन्ट क निनेटेएन्थ-केन्दुर्य कल्कुट्ट. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१५. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्केक्ट्स दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रेमे.** — अध्याय ४ निरूपित करैत अछि दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म — टेलुगु दलित साहित्य मे मैथिली अनुवाद. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्केक्ट्स दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रेमे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१६. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई कथा छल अल्सो मे किर्कुलटिओन रेगर्दिन्ग ग्रेअट कवि विद्यापति ( लेखक क प्रे-ज्योतिरिशवर मैथिली पदवलि), आ लटेर बेकमे अस्सोकिअटेद सँ विद्यापति थअक्कुर ( लेखक मे संस्कृत आ अवहट्थअ) अस वेल्ल.** — अध्याय ७ निरूपित करैत अछि ज्योतिरिशवर मैथिली पदवलि अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे विद्यापति, प्रिमल कवि क मैथिली (प्रे-ज्योतिरिशवर). नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई कथा छल अल्सो मे किर्कुलटिओन रेगर्दिन्ग ग्रेअट कवि विद्यापति ( लेखक क प्रे-ज्योतिरिशवर मैथिली पदवलि), आ लटेर बेकमे अस्सोकिअटेद सँ विद्यापति थअक्कुर ( लेखक मे संस्कृत आ अवहट्थअ) अस वेल्ल. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१७. (A) ैर फोर्के अनुभाग क हुनकर प्रेफके, ह्वेरे हे देस्क्रिबेस केना मैथिली 'दलन' (गथएरिन्ग प्लके) अट्मोस्फेरे छल रेक्रेअटेद मे बर्क्क कोन्वेर्सिटीओन्स अमोन्ग सोल्दिअर्स सँ मिथिला, अछि प्रेकिसेल्य भअभअ'स 'थइर्द स्पके': एक सांस्कृतिक प्रोदुक्टीओन से अछि नेइथएर...** — अध्याय १० निरूपित करैत अछि अजित कुमार झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अजित कुमार झा — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे ैर फोर्के अनुभाग क हुनकर प्रेफके, ह्वेरे हे देस्क्रिबेस केना मैथिली 'दलन' (गथएरिन्ग प्लके) अट्मोस्फेरे छल रेक्रेअटेद मे बर्क्क कोन्वेर्सिटीओन्स अमोन्ग सोल्दिअर्स सँ मिथिला, अछि प्रेकिसेल्य भअभअ'स 'थइर्द स्पके': एक सांस्कृतिक प्रोदुक्टीओन से अछि नेइथएर... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१८. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से झा'स प्रेफके एक्स्प्लिकिट्ल्य एन्गोस सँ वेस्टेर्न संकल्पना: क 'रेफ्लेक्टीओन' (अंग्रेजी वोर्ड उसेद) आ एकर ट्रन्स्फोर्मिटीओन इन्टो इन्दिअन अएस्थएटिक समीक्षात्मक फ्रेमे क बिम्ब, नोटीन्ग से इमगे थएओर्य अछि बेएन एक्स्टेन्सिवेल्य दिस्कुस्सेद मे...** — अध्याय ११ निरूपित करैत अछि अमोद कुमार झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अमोद कुमार झा — कवि, सम्पादक, क्रिटिक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से झा'स प्रेफके एक्स्प्लिकिट्ल्य एन्गोस सँ वेस्टेर्न संकल्पना: क 'रेफ्लेक्टीओन' (अंग्रेजी वोर्ड उसेद) आ एकर ट्रन्स्फोर्मिटीओन इन्टो इन्दिअन अएस्थएटिक समीक्षात्मक फ्रेमे क बिम्ब, नोटीन्ग से इमगे थएओर्य अछि बेएन एक्स्टेन्सिवेल्य दिस्कुस्सेद मे... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१९. (A) हुनकर फथएर श्री क्रिशन चअन्द्र मिश्र आ मोथएर सिमटि गम्भइर मिश्र नुर्दुरिद हिम मे एक रेगिओन से अछि बेएन, सिन्के अट लेअस्ट एर क प्रे-ज्योतिरिशवर विद्यापति, क्लिक्ले क मैथिली साहित्यिक सेन्सिबिलिटि.** — अध्याय १३ निरूपित करैत अछि श्री क्रिशन चअन्द्र मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अशइश अन्वइन्हर — घअजलेएर, कवि, क्रिटिक, सम्पादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर फथएर श्री क्रिशन चअन्द्र मिश्र आ मोथएर सिमटि गम्भइर मिश्र नुर्दुरिद हिम मे एक रेगिओन से अछि बेएन, सिन्के अट लेअस्ट एर क प्रे-ज्योतिरिशवर विद्यापति, क्लिक्ले क मैथिली साहित्यिक सेन्सिबिलिटि. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१००. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सदेह १ शओव्स हुनकर शिशु/बाल'स पोएट्र्य स्त्रन्द (चउनमुन चउनमुन करइट किरिब, चइर्पिन्ग बिर्द).** — अध्याय १४ निरूपित करैत अछि चउनमुन चउनमुन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अन्जनि कुमार वेर्म, प्रभअट रइ भअट्ट, अश्रअफ रइन, प्रयस प्रेमि मइथइल, अब्दुर रज्जक आ रवि मिश्र भअर्दज — समीक्षात्मक अप्प्रेकिअटिओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से सदेह १ शओव्स हुनकर शिशु/बाल'स पोएट्र्य स्त्रन्द (चउनमुन चउनमुन करइट किरिब, चइर्पिन्ग बिर्द). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१०१. (B) ग्राम्मटिकल लिने क इन्हेरिटन्के (व्यकरण), कोन भअव्थ झा'स ओव्न फथएर पं.** — अध्याय १८ निरूपित करैत अछि भअव्थ झा'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे पंडित भअव्थ झा — स्वओलर, मनुस्क्रिप्टोलोगिस्ट, एपिग्राफइस्ट आ सांस्कृतिक प्रेसेर्वटिओनिस्ट. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे ग्राम्मटिकल लिने क इन्हेरिटन्के (व्यकरण), कोन भअव्थ झा'स ओव्न फथएर पं. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१०२. (D) मे उजतर पर्वक खओज, टिट्ले'स धवनि ओपेरटिओन अछि एक्सेम्प्लर्य: एक्स्प्रेसेद मेअनिन्ग अछि “एक सेअर्च लेल फेस्टिवल क लिघट”;** इन्दिक्टेद मेअनिन्ग अछि “ कवि सेएक्स सांस्कृतिक आ कोम्मुनल इल्लुमिनटिओन लेल हुनकर पेओप्ले”; सुगोस्टेद मेअनिन्ग ओपेन्स ओन्टो... — अध्याय २० निरूपित करैत अछि बिनय भउशअन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे बिनय भउशअन — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे उजतर पर्वक खओज, टिट्ले'स धवनि ओपेरटिओन अछि एक्सेम्प्लर्य: एक्स्प्रेसेद मेअनिन्ग अछि “एक सेअर्च लेल फेस्टिवल क लिघट”; इन्दिक्टेद मेअनिन्ग अछि “ कवि सेएक्स सांस्कृतिक आ कोम्मुनल इल्लुमिनटिओन लेल हुनकर पेओप्ले”; सुगोस्टेद मेअनिन्ग ओपेन्स ओन्टो... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१०३. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से उजतर पर्वक खओज एनक्ट्स एक प्रेकिसेल्य होमोलोगोउस कुएस्ट मे मैथिली सांस्कृतिक सन्दर्भ.** — अध्याय २० निरूपित करैत अछि पर्वक खओज अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे बिनय भउशअन — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से उजतर पर्वक खओज एनक्ट्स एक प्रेकिसेल्य होमोलोगोउस कुएस्ट मे मैथिली सांस्कृतिक सन्दर्भ. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१०४. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केँ अक्केस् ई, अनुमत्तन अछि रेकुइरेद: इन्फेरेन्के सँ विसिब्ले सिग्नस (बाकी कुस्टोम्स, एल्देर मेमोर्य, लोक गीतसभ) केँ देएपेर सांस्कृतिक रेअलिट्य थएय इन्दिक्टे.** — अध्याय २० निरूपित करैत अछि बिनय भउशअन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे बिनय भउशअन — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से केँ अक्केस् ई, अनुमत्तन अछि रेकुइरेद: इन्फेरेन्के सँ विसिब्ले सिग्नस (बाकी कुस्टोम्स, एल्देर मेमोर्य, लोक गीतसभ) केँ देएपेर सांस्कृतिक रेअलिट्य थएय इन्दिक्टे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१०५. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नेट्रल'स संकल्पना: क 'सांगीतिक कनोन', सेट क कृतिसभ रेगर्देद अस एक्सेम्प्लर्य इन्सिदे एक लिने क इन्हेरिटन्के, अछि प्रासंगिक केँ झा'स मुल्टि-रेगिस्टर प्रेसेन्टिओन.** — अध्याय २७ निरूपित करैत अछि ह्रिदय नारायण झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे ह्रिदय नारायण झा — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से नेट्रल'स संकल्पना: क 'सांगीतिक कनोन', सेट क कृतिसभ रेगर्देद अस एक्सेम्प्लर्य इन्सिदे एक लिने क इन्हेरिटन्के, अछि प्रासंगिक केँ झा'स मुल्टि-रेगिस्टर प्रेसेन्टिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१०६. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से चइल्हूद आ दिसबिलिट्य: 'चओन्हव' कथा 'चओन्हव' अछि मनु'स सभसँ नरटिवेल्य अम्बिटिओउस कृति आ देसेर्वेस एक्स्टेन्देद कोन्सिदेरटिओन.** — अध्याय २९ निरूपित करैत अछि चओन्हव' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे जगदनन्द झा 'मनु' — कवि, घअजलिस्ट आ सेएद-कथा लेखक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से चइल्हूद आ दिसबिलिट्य: 'चओन्हव' कथा 'चओन्हव' अछि मनु'स सभसँ नरटिवेल्य अम्बिटिओउस कृति आ देसेर्वेस एक्स्टेन्देद कोन्सिदेरटिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१०७. (A) कथा अछि सिमुल्टेनेओउसल्य एक मेदिटिओन पर शिशु नेग्लेक्ट मे मिग्रन्ट फमिलिएस, पर इनदेकुअक्य क रुल हेअल्थकरे इन्फ्रस्ट्रुक्चुरे, आ पर पर्टिकुलर सुफ्फेरिन्ग क इन्टेल्लिगेन्ट, सेन्सिटिवे शिशु के अछि अकदेमिकल्ल्य ब्रिल्लिअन्ट (टोप क हुनकर क्लस्स) बुट...** — अध्याय २९ निरूपित करैत अछि जगदनन्द झा 'मनु' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे जगदनन्द झा 'मनु' — कवि, घअजलिस्ट आ सेएद-कथा लेखक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे कथा अछि सिमुल्टेनेओउसल्य एक मेदिटिओन पर शिशु नेग्लेक्ट मे मिग्रन्ट फमिलिएस, पर इनदेकुअक्य क रुल हेअल्थकरे इन्फ्रस्ट्रुक्चुरे, आ पर पर्टिकुलर सुफ्फेरिन्ग क इन्टेल्लिगेन्ट, सेन्सिटिवे शिशु के अछि अकदेमिकल्ल्य ब्रिल्लिअन्ट (टोप क हुनकर क्लस्स) बुट... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१०८. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई एक्स्पन्सिओन अछि इट्सेल्फ एक देमोक्रटिसिन्ग गेस्टुरे: ई रेमोवेस गजल सँ एकर स्टटुस अस एक एलिटे फोर्म लेल साहित्यिक कोन्नोइस्सेउर्स आ मकेस ई अवइलब्ले केँ शिशु/बाल आ भक्तिपरक कोम्मुनिटिएस.** — अध्याय २९ निरूपित करैत अछि जगदनन्द झा 'मनु' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे जगदनन्द झा 'मनु' — कवि, घअजलिस्ट आ सेएद-कथा लेखक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई एक्स्पन्सिओन अछि इट्सेल्फ एक देमोक्रटिसिन्ग गेस्टुरे: ई रेमोवेस गजल सँ एकर स्टटुस अस एक एलिटे फोर्म लेल साहित्यिक कोन्नोइस्सेउर्स आ मकेस ई अवइलब्ले केँ शिशु/बाल आ भक्तिपरक कोम्मुनिटिएस. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११०. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से थरेए क हुनकर शिशु/बाल'स पोएम्स छल लटेर अन्थओलोगिसेद मे विदेह शइशउ उट्सव (शिशु/बाल'स फेस्टिवल) कोल्लेक्टिओन, ट्वो क कोन छल पोएम्स अबोउट 'बब्य शिशु', एक टेन्देर, इन्टिमेटे ल्यिक मोदे से उन्देस्कॉरेस कवि'स सेन्सिटिविट्य केँ...** — अध्याय ३० निरूपित करैत अछि शिशु/बाल'स फेस्टिवल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' — कवि, गीतकार आ गजल संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से थरेए क हुनकर शिशु/बाल'स पोएम्स छल लटेर अन्थओलोगिसेद मे विदेह शइशउ उट्सव (शिशु/बाल'स फेस्टिवल) कोल्लेक्टिओन, ट्वो क कोन छल पोएम्स अबोउट 'बब्य शिशु', एक टेन्देर, इन्टिमेटे ल्यिक मोदे से उन्देस्कॉरेस कवि'स सेन्सिटिविट्य केँ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११०. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अर्चइवल करे देखबैत अछि विदेह'स कोम्पिट्मेन्ट केँ साहित्यिक संरक्षण.** — अध्याय ३० निरूपित करैत अछि जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' — कवि, गीतकार आ गजल संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अर्चइवल करे देखबैत अछि विदेह'स कोम्पिट्मेन्ट केँ साहित्यिक संरक्षण. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१११. (D) मैथिली शिशु/बाल'स साहित्य अछि हिस्टोरिकल्लय बेएन उन्देद्वेलोपेद रेलटिवे केँ हिन्दी आ बांग्ला, आ कोन्ट्रिबुटिओन्स केँ ई गेन्ने कर्य बोथ पेदगोगिकल आ सांस्कृतिक संरक्षण इम्पोर्टन्के.** — अध्याय ३० निरूपित करैत अछि जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' — कवि, गीतकार आ गजल संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मैथिली शिशु/बाल'स साहित्य अछि हिस्टोरिकल्लय बेएन उन्देद्वेलोपेद रेलटिवे केँ हिन्दी आ बांग्ला, आ कोन्ट्रिबुटिओन्स केँ ई गेन्ने कर्य बोथ पेदगोगिकल आ सांस्कृतिक संरक्षण इम्पोर्टन्के. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११२. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन कर्बि ट्रिबल स्त्री चअल्लेन्गेस हिम लेल नहि वेअरिन्ग त्रिदिओनल मैथिली क्लोथइन्ग दुरिन्ग हुनकर सांस्कृतिक संरक्षण वोर्क्षओप, हुनकर रेस्पोन्से अछि एक अक्ट क गेनुइने रेफ्लेक्सिविट्य, अक्क्नोव्लेडिन्ग हुनकर ओव्न सांस्कृतिक अलिएनटिओन आ मकिन्ग एक...** — अध्याय ३२ निरूपित करैत अछि डॉ. कइलश कुमार मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. कइलश कुमार मिश्र — समीक्षात्मक अनुसंधान आ प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन कर्बि ट्रिबल स्त्री चअल्लेन्गेस हिम लेल नहि वेअरिन्ग त्रिदिओनल मैथिली क्लोथइन्ग दुरिन्ग हुनकर सांस्कृतिक संरक्षण वोर्क्षओप, हुनकर रेस्पोन्से अछि एक अक्ट क गेनुइने रेफ्लेक्सिविट्य, अक्क्नोव्लेडिन्ग हुनकर ओव्न सांस्कृतिक अलिएनटिओन आ मकिन्ग एक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११३. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा कोम्पिटिन्ग थएम केँ त्रिटिन्ग आ केँ डिजिटल अभिलेख, कल्पन झा पेफॉर्म्स एक दोउब्ले अक्ट: क्रेअटिवे कोम्पोसिटिओन आ सांस्कृतिक संरक्षण.** — अध्याय ३३ निरूपित करैत अछि कल्पन झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा कोम्पिटिन्ग थएम केँ त्रिटिन्ग आ केँ डिजिटल अभिलेख, कल्पन झा पेफॉर्म्स एक दोउब्ले अक्ट: क्रेअटिवे कोम्पोसिटिओन आ सांस्कृतिक संरक्षण. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११४. (D) अभइनवगुप्त'स एलबोरटिओन क वट्सल्यरस रेकोग्निसेस एकर विभअव (देतेर्मिनन्ट) अस सिघट आ हेल्प्लेस्नेस्स क शिशु; एकर अनुभअव (कोन्सेकुएन्ट) अस टेन्देर मोवेमेन्ट्स क मोथएर (रोक्किन्ग, स्ट्रोकिन्ग, सिग्निन्ग); आ एकर व्यभइचअरिभअव (त्रन्सिएन्ट...** — अध्याय ३३ निरूपित करैत अछि कल्पन झा, दिल्ली अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अभइनवगुप्त'स एलबोरटिओन क वट्सल्यरस रेकोग्निसेस एकर विभअव (देतेर्मिनन्ट) अस सिघट आ हेल्प्लेस्नेस्स क शिशु; एकर अनुभअव (कोन्सेकुएन्ट) अस टेन्देर मोवेमेन्ट्स क मोथएर (रोक्किन्ग, स्ट्रोकिन्ग, सिग्निन्ग); आ एकर व्यभइचअरिभअव (त्रन्सिएन्ट... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११५. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई प्लकेमेन्ट सिटुअटेस हुनकर इन्सिदे की समीक्षात्मक फ्रमे रेकोग्निसेस अस देमोक्रटिक, स्त्री'स लिने क इन्हेरिटन्के मे मैथिली, एक लिने क इन्हेरिटन्के से मइन्स्ट्रेअम कनोन, दोमिनटेद द्वारा पुरुष मइथइल ब्रह्मन आ कयस्थअ त्रिटेर्स...** — अध्याय ३३ निरूपित करैत अछि मइथइल ब्रह्मन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई प्लकेमेन्ट सिटुअटेस हुनकर इन्सिदे की समीक्षात्मक फ्रमे रेकोग्निसेस अस देमोक्रटिक, स्त्री'स लिने क इन्हेरिटन्के मे मैथिली, एक लिने क इन्हेरिटन्के से मइन्स्ट्रेअम कनोन, दोमिनटेद द्वारा पुरुष मइथइल ब्रह्मन आ कयस्थअ त्रिटेर्स... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११६. (D) थएसे एम्प्लोय कोन्वेन्टिओन्स क शास्त्रीय देवि स्टोत्रम (ह्यम्न) क्ले मइन्टइनिन्ग अक्केस्सिबिलिट्य द्वारा वय क फोल्कदिओम मैथिली.** — अध्याय ३५ निरूपित करैत अछि कमेशवर झा 'कमल' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कमेशवर झा 'कमल' — गेएट, गीत-पोएम आ मैथिली ल्यिक परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे थएसे एम्प्लोय कोन्वेन्टिओन्स क शास्त्रीय देवि स्टोत्रम (ह्यम्न) क्ले मइन्टइनिन्ग अक्केस्सिबिलिट्य द्वारा वय क फोल्कदिओम मैथिली. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११७. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से राग-भअस आ शास्त्रीय संगीत लिने क इन्हेरिटन्के प्रेफके केँ कमल-टअल एक्स्प्लिकिट्लय मेन्टिओन्स राग-भअस (लोक-शास्त्रीय मेलोदिक मोदेस) लिने क इन्हेरिटन्के क मिथिला आ रेग्रेट्स से 'बहुट रस लोक-रग अब अलोपिट भअ गल...** — अध्याय ३५ निरूपित करैत अछि शास्त्रीय संगीत अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कमेशवर झा 'कमल' — गेएट, गीत-पोएम आ मैथिली ल्यिक परम्परा. नव शब्दावलीमे,

मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से राग-भअस आ शास्त्रीय संगीत लिने क इन्हेरिटन्के प्रेफके केँ कमल-टअल एक्स्प्लिकिटल्य मेन्टिओन्स राग-भअस (लोक-शास्त्रीय मेलोदिक मोदेस) लिने क इन्हेरिटन्के क मिथिला आ रेग्रेट्स से 'बहुत रस लोक-रग अब अलोपिट भअ गल... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११८. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से विद्यापति'स कथन अबोउट इनेफ्फबिलिटि क लोवे, से भाषा अल्वय्स फल्ल्स लघु क एक्स्पेरिएन्के, अछि फोउन्डिओनल फइलोसोफइकल पोसिटिओन क मैथिली गेट लिने क इन्हेरिटन्के, आ कमल'स गीतसभ कन हो रेअद अस सुक्केस्सिवे... —** अध्याय ३५ निरूपित करैत अछि कमेशवर झा 'कमल' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कमेशवर झा 'कमल' — गेट, गीत-पोएम आ मैथिली ल्यिक परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से विद्यापति'स कथन अबोउट इनेफ्फबिलिटि क लोवे, से भाषा अल्वय्स फल्ल्स लघु क एक्स्पेरिएन्के, अछि फोउन्डिओनल फइलोसोफइकल पोसिटिओन क मैथिली गेट लिने क इन्हेरिटन्के, आ कमल'स गीतसभ कन हो रेअद अस सुक्केस्सिवे... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११९. (D) कथा वेअवेस टोगेथएर सेवेरल नर्रटिवे थरेअद्स: एन्मिटि बीच ट्वो ब्रोथएर्स (सर्बन Bābū आ Rāghav लल) ओवेर हुनकर धिन्ग मोथएर'स लेगक्य; गेनेरटिओनल टेन्सिओन्स इन्सिदे कनियā Kākā'स परिवार; प्रेदटोर्य एकोनोमिक लोगिक क गाम/ मर्केट... —** अध्याय ४० निरूपित करैत अछि सर्बन Bābū अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कुमार पवन — फिक्टिओन लेखक, सटिरिस्ट आ कवि. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे कथा वेअवेस टोगेथएर सेवेरल नर्रटिवे थरेअद्स: एन्मिटि बीच ट्वो ब्रोथएर्स (सर्बन Bābū आ Rāghav लल) ओवेर हुनकर धिन्ग मोथएर'स लेगक्य; गेनेरटिओनल टेन्सिओन्स इन्सिदे कनियā Kākā'स परिवार; प्रेदटोर्य एकोनोमिक लोगिक क गाम/ मर्केट... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१२०. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रत्नखएलववन मिर्जर 'Rāghav' (बोर्न २५ अप्रिल १९१६), त्रकिन्ग हुनकर त्रजेक्टोर्य सँ चइल्हूद मे एक गाम क दर्भअन्ग डिस्ट्रिक्ट द्वारा वय क नटिओनलिस्ट अक्टिविस्म, इम्प्रिसोन्मेन्ट मे १९४२, आ पोस्ट-इन्डेपेन्डेन्के एदुकटिओनल लेअदर्शइप. —** अध्याय ४९ निरूपित करैत अछि लाल देव कमट अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे लाल देव कमट — जोउर्नलिस्म, साहित्य आ मिथिला अद्रोकक्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से रत्नखएलववन मिर्जर 'Rāghav' (बोर्न २५ अप्रिल १९१६), त्रकिन्ग हुनकर त्रजेक्टोर्य सँ चइल्हूद मे एक गाम क दर्भअन्ग डिस्ट्रिक्ट द्वारा वय क नटिओनलिस्ट अक्टिविस्म, इम्प्रिसोन्मेन्ट मे १९४२, आ पोस्ट-इन्डेपेन्डेन्के एदुकटिओनल लेअदर्शइप. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१२१. (B) विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे: इन्स्टिटुटिओनल सन्दर्भ II. —** अध्याय ५० निरूपित करैत अछि इन्स्टिटुटिओनल सन्दर्भ II अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे नन्द कुमार मिश्र 'नन्द' — उपन्यासकार, लघु-कथा लेखक, कवि आ शिशु/बाल'स उपन्यासकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे: इन्स्टिटुटिओनल सन्दर्भ II. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१२२. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: गाम मेमोर्य (गअम्पअर) XV. —** अध्याय ५० निरूपित करैत अछि गाम मेमोर्य अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे नन्द कुमार मिश्र 'नन्द' — उपन्यासकार, लघु-कथा लेखक, कवि आ शिशु/बाल'स उपन्यासकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: गाम मेमोर्य (गअम्पअर) XV. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१२३. (D) पोएम्स सँ कव्य सरिट (२०१९) शओव करेफुल अट्टेन्टिओन केँ सोउन्ड पट्टेर्निन्ग, ह्यर्थमिक रेकुरेन्के, आ फओनेटिक टेक्स्टुरे क मैथिली: अल्लिटेरेटिओन, वोवेल हर्मोनिक्स, आ चअरक्टेरिस्टिक कदेन्केस क मवट्र प्रोसोदिक स्पस्टेम छथि/अछि सभ देप्लोयेद सँ... —** अध्याय ५० निरूपित करैत अछि कव्य सरिट अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे नन्द कुमार मिश्र 'नन्द' — उपन्यासकार, लघु-कथा लेखक, कवि आ शिशु/बाल'स उपन्यासकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे पोएम्स सँ कव्य सरिट (२०१९) शओव करेफुल अट्टेन्टिओन केँ सोउन्ड पट्टेर्निन्ग, ह्यर्थमिक रेकुरेन्के, आ फओनेटिक टेक्स्टुरे क मैथिली: अल्लिटेरेटिओन, वोवेल हर्मोनिक्स, आ चअरक्टेरिस्टिक कदेन्केस क मवट्र प्रोसोदिक स्पस्टेम छथि/अछि सभ देप्लोयेद सँ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१२४. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोस्ट्कोलोनिअल थएओर्य: स्पिक्, भअभअ, सइद गयट्रि चअक्रवोर्त्थ स्पिक्'स कुएस्टिओन 'कन सुबल्टेर्न स्पेअक?' अछि पर्टिकुलर उर्गेन्क्य मे सन्दर्भ क नन्द'स सामाजिक नोवेल्स, व्हेरे लोवेर-कस्टे, लोवेर-क्लस्स, आ स्त्री चअरक्टेर्स छथि/अछि... —** अध्याय ५० निरूपित करैत अछि सइद गयट्रि चअक्रवोर्त्थ स्पिक्'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे नन्द कुमार मिश्र 'नन्द' — उपन्यासकार, लघु-कथा लेखक, कवि आ शिशु/बाल'स उपन्यासकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोस्ट्कोलोनिअल थएओर्य: स्पिक्, भअभअ, सइद गयट्रि चअक्रवोर्त्थ स्पिक्'स कुएस्टिओन 'कन सुबल्टेर्न स्पेअक?' अछि पर्टिकुलर उर्गेन्क्य मे सन्दर्भ क नन्द'स सामाजिक नोवेल्स, व्हेरे लोवेर-कस्टे, लोवेर-क्लस्स, आ स्त्री चअरक्टेर्स छथि/अछि... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१२५. (B) अध्याय प्लकेस नन्द विलस राय इन्सिदे विदेह समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य. —** अध्याय ५१ निरूपित करैत अछि नन्द विलस राय अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे नन्द विलस राय — फिक्टिओन, बिहनि कथन आ देमोक्रेटिक समानान्तर साहित्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय प्लकेस नन्द विलस राय इन्सिदे विदेह समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११६. (C) अगइन्स्ट प्रदर्शन (पेफॉर्मटिवे पिएट्य, पेफॉर्मटिवे फिलिअल दुट्य, पेफॉर्मटिवे उपेर-कस्टे स्टुस), राय'स फिक्टिओन वलोरिसेस**

**ौथएन्टिक: रेअल करे, रेअल देवोटिओन, रेअल सोलिदरिट्य.** — अध्याय ५१ निरूपित करैत अछि नन्द विलस राय अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे नन्द विलस राय — फिक्टिओन, बिहनि कथअ आ देमोक्रटिक समानान्तर साहित्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अगइन्स्ट प्रदर्शन (पेफॉर्मटिवे पिएट्य, पेफॉर्मटिवे फिलिअल दुट्य, पेफॉर्मटिवे उपेर-कस्टे स्टुस), राय'स फिक्टिओन वलोरिसेस ौथएन्टिक: रेअल करे, रेअल देवोटिओन, रेअल सोलिदरिट्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११७. (D) एक समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन क मैथिली गीत-संगीतकार आ लेखक रम्लोचअन ठाकुर, देमोन्स्ट्रटिन्ग पुशप'स एनागेमेन्ट सँ विदेह समानान्तर इतिहास'स प्रोजेक्ट क दोकुमेन्टिन्ग देमोक्रटिक मैथिली साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के.** — अध्याय ५६ निरूपित करैत अछि रम्लोचअन ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रदेएप पुशप — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे एक समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन क मैथिली गीत-संगीतकार आ लेखक रम्लोचअन ठाकुर, देमोन्स्ट्रटिन्ग पुशप'स एनागेमेन्ट सँ विदेह समानान्तर इतिहास'स प्रोजेक्ट क दोकुमेन्टिन्ग देमोक्रटिक मैथिली साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११८. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रुबायत प्रदेएप पुशप अछि प्रकाशित रुबायत ( पेर्सिअन/उर्दु कुअत्रइन फोर्म) मे विदेह सदेह २३ आ २५, देमोन्स्ट्रटिन्ग एनागेमेन्ट सँ फुल्ल रनो क गजल'स रेलटेड पेर्सिअन-ओरिगिन फोर्म्स अस देवेलोपेद मे मैथिली विदेह...** — अध्याय ५६ निरूपित करैत अछि प्रदेएप पुशप अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रदेएप पुशप — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से रुबायत प्रदेएप पुशप अछि प्रकाशित रुबायत ( पेर्सिअन/उर्दु कुअत्रइन फोर्म) मे विदेह सदेह २३ आ २५, देमोन्स्ट्रटिन्ग एनागेमेन्ट सँ फुल्ल रनो क गजल'स रेलटेड पेर्सिअन-ओरिगिन फोर्म्स अस देवेलोपेद मे मैथिली विदेह... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**११९. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेएटि ठाकुर: केय फिर्स्ट्स मे मैथिली साहित्य थएसे "फिर्स्ट्स" छथि/अछि दोकुमेन्टेद मे मुल्टिप्ले स्रोतसभ, इन्क्लुदिन्ग टेस्टिमोन्य कोल्लेक्टेद मे प्रेएटि करन सेटु बन्हल, रेदेफिनिन्ग मैथिली (एद.** — अध्याय ५७ निरूपित करैत अछि केय फिर्स्ट्स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रेएटि ठाकुर — पिओनेएर क मैथिली शिशु/बाल'स पिक्टुरे-कथा साहित्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेएटि ठाकुर: केय फिर्स्ट्स मे मैथिली साहित्य थएसे "फिर्स्ट्स" छथि/अछि दोकुमेन्टेद मे मुल्टिप्ले स्रोतसभ, इन्क्लुदिन्ग टेस्टिमोन्य कोल्लेक्टेद मे प्रेएटि करन सेटु बन्हल, रेदेफिनिन्ग मैथिली (एद. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१२०. (C) अर्चइवल कोन्ट्रिबुटिओन: ११,००० पल्म-लेअफ पंजी इन्स्क्रिप्टिओन्स कोम्पिलेद, स्कन्नेद & कटलोगुएद द्वारा प्रेएटि ठाकुर (सँ गजेन्द्र ठाकुर, नगेन्द्र कुमार झा, आ पन्जिकर विद्यनन्द झा).** — अध्याय ५७ निरूपित करैत अछि अर्चइवल कोन्ट्रिबुटिओन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रेएटि ठाकुर — पिओनेएर क मैथिली शिशु/बाल'स पिक्टुरे-कथा साहित्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अर्चइवल कोन्ट्रिबुटिओन: ११,००० पल्म-लेअफ पंजी इन्स्क्रिप्टिओन्स कोम्पिलेद, स्कन्नेद & कटलोगुएद द्वारा प्रेएटि ठाकुर (सँ गजेन्द्र ठाकुर, नगेन्द्र कुमार झा, आ पन्जिकर विद्यनन्द झा). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१२१. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रोदेरिक्क म्किगल्लिस आ इदेओलोग्य क शिशु/बाल'स साहित्य रोदेरिक्क म्किगल्लिस ( निम्ब्ले रेअदेर, १९९६) होल्ड्स से शिशु/बाल'स साहित्य अछि नेवेर पोलिटिकल्लय नेउत्रल बुट अल्वय्स इदेओलोगिकल्लय लदेन, टेअचइन्ग शिशु/बाल की केँ वलुए...** — अध्याय ५७ निरूपित करैत अछि शिशु/बाल'स साहित्य रोदेरिक्क म्किगल्लिस अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रेएटि ठाकुर — पिओनेएर क मैथिली शिशु/बाल'स पिक्टुरे-कथा साहित्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से रोदेरिक्क म्किगल्लिस आ इदेओलोग्य क शिशु/बाल'स साहित्य रोदेरिक्क म्किगल्लिस ( निम्ब्ले रेअदेर, १९९६) होल्ड्स से शिशु/बाल'स साहित्य अछि नेवेर पोलिटिकल्लय नेउत्रल बुट अल्वय्स इदेओलोगिकल्लय लदेन, टेअचइन्ग शिशु/बाल की केँ वलुए... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१२२. (C) गङ्गेअ'स एपिस्टेमोलोग्य: स्किएन्के कोम्मुनिकटोर'स टस्क अछि प्रेकिसेल्य से क त्रन्स्मिटिन्ग युक्तिसंगत क्नोव्लेद्रे (प्रमā) अबोउट नटुरल वोल्ड द्वारा वय क सही टेस्टिमोन्य (इअब्दप्रमāअ) केँ एक शिशु ौदिएन्के, पेदगोगिकल प्रोजेक्ट क नव्य-न्यय रेअलिसेद मे...** — अध्याय ६२ निरूपित करैत अछि रम सोगर्थ यदव, शअशइधअर कुमार 'विदेह', शइव्शअन्कर सिन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रम सोगर्थ यदव, शअशइधअर कुमार 'विदेह', शइव्शअन्कर सिंह ठाकुर, सन्तोश कुमार राय 'बटोहि', सुबोध कुमार ठाकुर, सुबोध झा आ सुभअश कुमार कमट — समीक्षात्मक अप्प्रेकिअटिओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे गङ्गेअ'स एपिस्टेमोलोग्य: स्किएन्के कोम्मुनिकटोर'स टस्क अछि प्रेकिसेल्य से क त्रन्स्मिटिन्ग युक्तिसंगत क्नोव्लेद्रे (प्रमā) अबोउट नटुरल वोल्ड द्वारा वय क सही टेस्टिमोन्य (इअब्दप्रमāअ) केँ एक शिशु ौदिएन्के, पेदगोगिकल प्रोजेक्ट क नव्य-न्यय रेअलिसेद मे... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१२३. (C) अध्याय प्लकेस रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपल्लि झा 'गोपेश' आ विजय नथ झा इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.** — अध्याय ६७ निरूपित करैत अछि रमेश नारायण अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपल्लि झा 'गोपेश' आ विजय नथ झा — फोउर मैथिली मस्टेस क समानान्तर परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय प्लकेस रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपल्लि झा 'गोपेश' आ विजय नथ झा इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१२४. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फेमिनिस्ट आ दलित समीक्षात्मक पेस्पेक्टिवेस फेमिनिस्ट साहित्यिक थएओर्य, सँ विगिनिअ वोओल्फ'स एक रोओम क ओने'स ओन् केँ बेल्ल होओक्स, देमन्ड्स अट्टेन्टिओन केँ ग्रेसेन्टिओन क स्त्री आ गेन्देरेद स्टुक्दुरेस क साहित्यिक प्रोदुक्तिओन.** — अध्याय ६७ निरूपित करैत अछि दलित समीक्षात्मक पेस्पेक्टिवेस फेमिनिस्ट अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपल्लि झा 'गोपेश' आ

विजय नथ झा — फोउर मैथिली मस्टेर्स क समानान्तर परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से फेमिनिस्ट आ दलित समीक्षात्मक पेर्सपेक्टिवस फेमिनिस्ट साहित्यिक थएओर्य, सँ विगिनिअ वोओल्फ'स एक रोओम क ओने'स ओव्न कैं बेल्ल होओक्स, देमन्ड्स अट्टेन्टिओन कैं रेप्रेसेन्टिओन क स्त्री आ गेन्देरेद स्ट्रुक्चरेस क साहित्यिक प्रोदुक्चिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१३५. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्केर्न्स पंडित रम्जि चौधरी आ अचअर्य रम्लोचअन शअरन सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रेम.** — अध्याय ६९ निरूपित करैत अछि पंडित रम्जि चौधरी अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे पंडित रम्जि चौधरी आ अचअर्य रम्लोचअन शअरन — रुद्रपुर रेकेन्सिओन्स आ मइथइल देवोटीओन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्केर्न्स पंडित रम्जि चौधरी आ अचअर्य रम्लोचअन शअरन सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रेम. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१३६. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मार्च १९४८) प्रिके: ट्वो अन्नस सेलेक्टेड ह्यम ट्रान्सलटिओन्स १.** — अध्याय ६९ निरूपित करैत अछि ट्वो अन्नस सेलेक्टेड ह्यम ट्रान्सलटिओन्स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे पंडित रम्जि चौधरी आ अचअर्य रम्लोचअन शअरन — रुद्रपुर रेकेन्सिओन्स आ मइथइल देवोटीओन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से मार्च १९४८) प्रिके: ट्वो अन्नस सेलेक्टेड ह्यम ट्रान्सलटिओन्स १. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१३७. (B) लेखक'स प्रेफके: "एक ब्रिएफ बक्कग्राउन्ड" लेखक, रम लोचअन शअरन, देस्क्रिबेस दिविने इन्स्पिरटिओन बेहिन्द ई मैथिली अनुवाद: इन्स्पिरटिओन (१९५७ AD / २०१४ विक्रम सम्वत): क्ले सिट्टिन्ग पर बन्क्स क सरयु रिबर मे अयोधय दुरिन्ग एक...** — अध्याय ६९ निरूपित करैत अछि लेखक'स प्रेफके अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे पंडित रम्जि चौधरी आ अचअर्य रम्लोचअन शअरन — रुद्रपुर रेकेन्सिओन्स आ मइथइल देवोटीओन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे लेखक'स प्रेफके: "एक ब्रिएफ बक्कग्राउन्ड" लेखक, रम लोचअन शअरन, देस्क्रिबेस दिविने इन्स्पिरटिओन बेहिन्द ई मैथिली अनुवाद: इन्स्पिरटिओन (१९५७ AD / २०१४ विक्रम सम्वत): क्ले सिट्टिन्ग पर बन्क्स क सरयु रिबर मे अयोधय दुरिन्ग एक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१३८. (C) हेअव्वास्टर'स गेन्टले रेस्पोन्से, से खइचरि स्वएमे, उन्लिके प्रिवटे स्कूलस, केएप्स शिशु/बाल रोओटेड मे हुनकर कोम्मुनिटि आ वलुएस रथएर थअन अलिएनटिन्ग थएम सँ परिवार, गाम, आ मोथएर टोन्गुए, अछि एक मिक्कोकोस्म क कोल्लेक्टिओन'स सामाजिक फइलोसोफय.** — अध्याय ७१ निरूपित करैत अछि रम विलस सहू अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रम विलस सहू — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हेअव्वास्टर'स गेन्टले रेस्पोन्से, से खइचरि स्वएमे, उन्लिके प्रिवटे स्कूलस, केएप्स शिशु/बाल रोओटेड मे हुनकर कोम्मुनिटि आ वलुएस रथएर थअन अलिएनटिन्ग थएम सँ परिवार, गाम, आ मोथएर टोन्गुए, अछि एक मिक्कोकोस्म क कोल्लेक्टिओन'स सामाजिक फइलोसोफय. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१३९. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर सियरम झा 'सरस', गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर सियरम झा 'सरस', गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१४०. (D) अध्याय प्लकेस सियरम झा 'सरस' इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय प्लकेस सियरम झा 'सरस' इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१४१. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्केर्न्स सियरम झा 'सरस' सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रेम.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्केर्न्स सियरम झा 'सरस' सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रेम. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१४२. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेफटोर्य नोटे पर विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रेम II.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेफटोर्य नोटे पर विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रेम II. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१४३. (D) थएओरेटिकल समीक्षात्मक फ्रेम I: इन्डिअन क्रिटिकिस्म (रस, धवनि, ौकित्य, वक्रोक्ति) V.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य

बिन्दु ई अछि जे थएओरेटिकल समीक्षात्मक फ़रमे I: इन्दिअन क्रिटिकिस्म (रस, ध्वनि, ौकित्य, वक्रोक्ति) V. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१४४. (D) थएओरेटिकल समीक्षात्मक फ़रमे III: नव्य-न्यव्य एपिस्टेमोलोग्य अस साहित्यिक मेथओद VII.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि नव्य-न्यव्य एपिस्टेमोलोग्य अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे थएओरेटिकल समीक्षात्मक फ़रमे III: नव्य-न्यव्य एपिस्टेमोलोग्य अस साहित्यिक मेथओद VII. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१४५. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: पोएट्र्य आ गीत-पद (गेएट) वी.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: पोएट्र्य आ गीत-पद (गेएट) वी. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१४६. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: सामाजिक & पोलिटिकल वेर्से (धअरि प्रश्न ी उथैये) X.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि पोलिटिकल वेर्से अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन: सामाजिक & पोलिटिकल वेर्से (धअरि प्रश्न ी उथैये) X. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१४७. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सरस आ मैथिली गजल रेविवल: अन्चइन्हर ाखअर सन्दर्भ किसी.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से सरस आ मैथिली गजल रेविवल: अन्चइन्हर ाखअर सन्दर्भ किसी. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१४८. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोम्परटिवे अनल्यिसस: सरस अमोना समकालीन मैथिली कविसभ XIV.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि समकालीन मैथिली कविसभ XIV अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से कोम्परटिवे अनल्यिसस: सरस अमोना समकालीन मैथिली कविसभ XIV. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१४९. (A) विदेह समानान्तर इतिहास होल्ड्स से मइन्स्ट्रेअम मैथिली साहित्यिक हिस्टोरिओग्राफ्य, अस कुरटेद द्वारा सहित्य अकदेमि सिन्के १९६५, अछि स्स्टेमेटिकल्ल्य प्रिविलेगेद एक उप्पेर-कस्टे (प्रेदोमिनन्ट्ल्य मइथइल ब्रह्मिन) कनोन क्लिले सुप्प्रेस्सिन्ग देमोक्रेटिक, लोक...** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सहित्य अकदेमि अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे विदेह समानान्तर इतिहास होल्ड्स से मइन्स्ट्रेअम मैथिली साहित्यिक हिस्टोरिओग्राफ्य, अस कुरटेद द्वारा सहित्य अकदेमि सिन्के १९६५, अछि स्स्टेमेटिकल्ल्य प्रिविलेगेद एक उप्पेर-कस्टे (प्रेदोमिनन्ट्ल्य मइथइल ब्रह्मिन) कनोन क्लिले सुप्प्रेस्सिन्ग देमोक्रेटिक, लोक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१५०. (D) एक RTI इन्वेस्टिगटिओन (रिघट कें इन्फोर्मटिओन) फिलेद द्वारा विनित उट्पल आ अशइश अन्चइन्हर (२०११२०१४) रेवेअलेद से ओवेर ९०% क सहित्य अकदेमि अनुवाद आ प्रकाशन अस्सिग्मेन्ट्स वेन्ट कें फ्रिएन्ड्स आ रेलटिवेस क १०-मेम्बेर अद्विसोर्य बोअर्द, आ से जेरो...** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि विनित उट्पल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे एक RTI इन्वेस्टिगटिओन (रिघट कें इन्फोर्मटिओन) फिलेद द्वारा विनित उट्पल आ अशइश अन्चइन्हर (२०११२०१४) रेवेअलेद से ओवेर ९०% क सहित्य अकदेमि अनुवाद आ प्रकाशन अस्सिग्मेन्ट्स वेन्ट कें फ्रिएन्ड्स आ रेलटिवेस क १०-मेम्बेर अद्विसोर्य बोअर्द, आ से जेरो... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१५१. (B) अगइन्स्ट ई इन्स्टिटुटिओनल बक्कद्रोप, अन्य 'सम्पूर्ण' समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन क सरस मुस्ट रेअद हुनकर कृति नहि केवल द्वारा वय क लेन्स क एकर इन्ट्रिन्सिक साहित्यिक मेरिट बुट अल्सो द्वारा वय क स्ट्रक्चुरल कोन्दिटिओन्स से अछि देटेर्मिनेद हुनकर समीक्षात्मक रेकेप्टिओन.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अगइन्स्ट ई इन्स्टिटुटिओनल बक्कद्रोप, अन्य 'सम्पूर्ण' समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन क सरस मुस्ट रेअद हुनकर कृति नहि केवल द्वारा वय क लेन्स क एकर इन्ट्रिन्सिक साहित्यिक मेरिट बुट अल्सो द्वारा वय क स्ट्रक्चुरल कोन्दिटिओन्स से अछि देटेर्मिनेद हुनकर समीक्षात्मक रेकेप्टिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१५२. (C) विदेह समानान्तर इतिहास फुर्थएमोरे रेकोवेर्स फिगुरे क गांगेअ उपवधयव्य (क.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि गांगेअ उपवधयव्य अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे विदेह समानान्तर इतिहास फुर्थएमोरे रेकोवेर्स फिगुरे क गांगेअ उपवधयव्य (क. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१५३. (A) हुनकर पेन नमे 'सरस', मेअनिंग 'ग्रकेफुल', 'फ्लुइड', वा 'लिवेल्य' मे संस्कृत आ मैथिली, अप्रोप्रिअटेल्य कप्टुरेस बोथ लिग्रिक स्वेएटनेस्स आ सामाजिक अलेटनेस्स से चअरक्टेरिजे हुनकर त्रिटिना. —** अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर पेन नमे 'सरस', मेअनिंग 'ग्रकेफुल', 'फ्लुइड', वा 'लिवेल्य' मे संस्कृत आ मैथिली, अप्रोप्रिअटेल्य कप्टुरेस बोथ लिग्रिक स्वेएटनेस्स आ सामाजिक अलेटनेस्स से चअरक्टेरिजे हुनकर त्रिटिना. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१५४. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई एस्टब्लिशएस हिम अस एक अक्टिवे पर्टिकिपन्ट मे ओर्गनिजेद मैथिली साहित्यिक संस्कृति मे झअर्खअन्द दिअस्पोर बेल्ट. —** अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई एस्टब्लिशएस हिम अस एक अक्टिवे पर्टिकिपन्ट मे ओर्गनिजेद मैथिली साहित्यिक संस्कृति मे झअर्खअन्द दिअस्पोर बेल्ट. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१५५. (D) हुनकर कोन्वेक्टिओन सँ झअर्खअन्द मिथिला मन्च (एक सांस्कृतिक ओर्गनिजटिओन लेल मैथिली स्पेअकेर्स रेसिदिना मे झअर्खअन्द) अछि कोन्फिर्मेद द्वारा कोलोफओन क धअरि प्रश्न ी उथैये (२०१५), कोन छल प्रकाशित उन्देर मन्च'स इम्प्रिन्ट मे रन्चइ. —** अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि झअर्खअन्द मिथिला मन्च अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर कोन्वेक्टिओन सँ झअर्खअन्द मिथिला मन्च (एक सांस्कृतिक ओर्गनिजटिओन लेल मैथिली स्पेअकेर्स रेसिदिना मे झअर्खअन्द) अछि कोन्फिर्मेद द्वारा कोलोफओन क धअरि प्रश्न ी उथैये (२०१५), कोन छल प्रकाशित उन्देर मन्च'स इम्प्रिन्ट मे रन्चइ. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१५६. (A) हुनकर एअर्लिअर कोल्लेक्टिओन्स, नोटब्ल्य ाखअर ाखअर गेएट सरस (सर्ल प्रकशअन, दर्भअना, १९९९), संकेत करब रोओट्स मे दर्भअना साहित्यिक वोल्ड, कोन्फिर्मिना एक त्रजेक्टोर्य ट्यिकल क मन्च समकालीन मैथिली त्रिटेर्स: बिर्थ आ एअर्ल्य फोर्मटिओन मे मिथिला... —** अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि ाखअर ाखअर गेएट सरस अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर एअर्लिअर कोल्लेक्टिओन्स, नोटब्ल्य ाखअर ाखअर गेएट सरस (सर्ल प्रकशअन, दर्भअना, १९९९), संकेत करब रोओट्स मे दर्भअना साहित्यिक वोल्ड, कोन्फिर्मिना एक त्रजेक्टोर्य ट्यिकल क मन्च समकालीन मैथिली त्रिटेर्स: बिर्थ आ एअर्ल्य फोर्मटिओन मे मिथिला... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१५७. (B) हुनकर फकेबोओक-दोकुमेन्टेद सांगीतिक कोल्लबोरटिओन सँ गायक धइरेन्द्र प्रेमशङ्ख आ सुनिल कुमार मल्लिक, प्रोदुकिना मैथिली गजल रेकोर्दिन्स से किर्कुलटेद द्वारा वय क I लोवे मिथिला प्लट्फोर्म, शओव्स हुनकर एनागेमेन्ट सँ डिजिटल देमोक्रटिजटिओन क... —** अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि धइरेन्द्र प्रेमशङ्ख अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर फकेबोओक-दोकुमेन्टेद सांगीतिक कोल्लबोरटिओन सँ गायक धइरेन्द्र प्रेमशङ्ख आ सुनिल कुमार मल्लिक, प्रोदुकिना मैथिली गजल रेकोर्दिन्स से किर्कुलटेद द्वारा वय क I लोवे मिथिला प्लट्फोर्म, शओव्स हुनकर एनागेमेन्ट सँ डिजिटल देमोक्रटिजटिओन क... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१५८. (D) ब्रेअदथ क हुनकर ओउटपुट, लिग्रिक पोएट्र्य, गजल, सामाजिक-समीक्षात्मक वेर्स, शिशु/बाल'स साहित्य, मर्क्स हिम अस एक साहित्यिक गेनेरलिस्ट मे सभसँ उचित सेन्से: एक लेखक के रेफुसेस स्पेकिअलिजटिओन आ इन्सिस्ट्स पर स्पेअकिना केँ क्कोले क मैथिली सांस्कृतिक लिफे. —** अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे ब्रेअदथ क हुनकर ओउटपुट, लिग्रिक पोएट्र्य, गजल, सामाजिक-समीक्षात्मक वेर्स, शिशु/बाल'स साहित्य, मर्क्स हिम अस एक साहित्यिक गेनेरलिस्ट मे सभसँ उचित सेन्से: एक लेखक के रेफुसेस स्पेकिअलिजटिओन आ इन्सिस्ट्स पर स्पेअकिना केँ क्कोले क मैथिली सांस्कृतिक लिफे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१५९. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि देस्क्रिबेद पर कोवेर अस 'एक पेएर्लेस्स कोल्लेक्टिओन क मैथिली गीत-पद' (एक पेएर्लेस्स कोल्लेक्टिओन क मैथिली गीत-पद, कोम्पोसेद द्वारा श्री सयिन झा 'सरस'). —** अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि श्री सयिन झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि देस्क्रिबेद पर कोवेर अस 'एक पेएर्लेस्स कोल्लेक्टिओन क मैथिली गीत-पद' (एक पेएर्लेस्स कोल्लेक्टिओन क मैथिली गीत-पद, कोम्पोसेद द्वारा श्री सयिन झा 'सरस'). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१६०. (A) ग्रंथ कोन्टइन्स ओवेर १०० गीतसभ ओर्गनिजेद अरोउन्ड थएमेस इन्क्लुदिना: भक्तिपरक गीत-पद, लोवे गीतसभ (श्रीनगर), गीतसभ क देपटुरे आ सेपरटिओन (बिरह), नदुरे पोएट्र्य, आ सामाजिक कोम्मेन्ट्री. —** अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे ग्रंथ कोन्टइन्स ओवेर १०० गीतसभ ओर्गनिजेद अरोउन्ड थएमेस इन्क्लुदिना: भक्तिपरक गीत-पद, लोवे गीतसभ (श्रीनगर), गीतसभ क देपटुरे आ सेपरटिओन (बिरह), नदुरे पोएट्र्य, आ सामाजिक कोम्मेन्ट्री. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१६१. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शओनितयल पयर्क निशअन (एक कोल्लेक्टिओन क मैथिली घअजल्स) टिट्ले: 'ब्लोओड्स्टइनेद फोओट्प्रिन्ट्स', एक देलिबेरेटेल्य विस्केरल आ पोलिटिकल्लय चअर्गेद टिट्ले लेल एक गजल कोल्लेक्टिओन. —** अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि पयर्क

निशान अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से शओनितयल पर्यक निशान (एक कोल्लेक्टिओन क मैथिली घअजल्स) टिट्ले: 'ब्लोओदस्टइनेद फोओट्प्रिन्ट्स', एक देलिबेरेटेल्य विस्केरल आ पोलिटिकल्लय चअर्गेद टिट्ले लेल एक गजल कोल्लेक्टिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१६२. (C) कोल्लेक्टिओन क घअजल्स छथि/अछि थएरे मे कोन त्रदिटिओनल थएमेस क लोवे, लोनिग्ना, आ इन्टोक्सिकटिओन छथि/अछि चअर्गेद सँ एक सामाजिक आ पोलिटिकल उन्देर्तौव.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे कोल्लेक्टिओन क घअजल्स छथि/अछि थएरे मे कोन त्रदिटिओनल थएमेस क लोवे, लोनिग्ना, आ इन्टोक्सिकटिओन छथि/अछि चअर्गेद सँ एक सामाजिक आ पोलिटिकल उन्देर्तौव. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१६३. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से धअरि प्रश्न ी उथैये (झअर्खअन्द मिथिला मन्च, रन्चइ, २०१५; १स्ट एद.; प्रिन्ट रुन १०००) टिट्ले: 'शए अस्क्स ई कुएस्टिओन' (धअरि = शए/एक स्त्री; प्रश्न = कुएस्टिओन; ी उथैये = रइसेस ई).** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि प्रश्न ी उथैये अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से धअरि प्रश्न ी उथैये (झअर्खअन्द मिथिला मन्च, रन्चइ, २०१५; १स्ट एद.; प्रिन्ट रुन १०००) टिट्ले: 'शए अस्क्स ई कुएस्टिओन' (धअरि = शए/एक स्त्री; प्रश्न = कुएस्टिओन; ी उथैये = रइसेस ई). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१६४. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि एक प्रमुख कोल्लेक्टिओन क मैथिली पोएम्स प्रकाशित मे २०१५ द्वारा झअर्खअन्द मिथिला मन्च, प्रिकेद अट र्स.२०.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि झअर्खअन्द मिथिला मन्च अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि एक प्रमुख कोल्लेक्टिओन क मैथिली पोएम्स प्रकाशित मे २०१५ द्वारा झअर्खअन्द मिथिला मन्च, प्रिकेद अट र्स.२०. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१६५. (B) प्रेफके इन्डिकटेस से ई कोल्लेक्टिओन अछि कोन्केर्नेद सँ कोन्दिटिओन क स्त्री, सामाजिक कुएस्टिओनिन्ग, आ पोलिटिक्स क सिलेन्के.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे प्रेफके इन्डिकटेस से ई कोल्लेक्टिओन अछि कोन्केर्नेद सँ कोन्दिटिओन क स्त्री, सामाजिक कुएस्टिओनिन्ग, आ पोलिटिक्स क सिलेन्के. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१६६. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से देस्क्रिबेद पर कोवेर अस 'एक कोल्लेक्टिओन क मैथिली गीत-पद लेल शिशु/बाल'.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से देस्क्रिबेद पर कोवेर अस 'एक कोल्लेक्टिओन क मैथिली गीत-पद लेल शिशु/बाल'. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१६७. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई पोसिटिओन्स सरस अस ओने क रेलटिवेल्य फेव मैथिली त्रिटेर्स के अछि देदिकटेद सुस्टइनेद अट्टेन्टिओन केँ शिशु/बाल'स साहित्य, एक गेन्ने क्रिटिकल्लय उन्देर्सेर्वेद मे भाषा.** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई पोसिटिओन्स सरस अस ओने क रेलटिवेल्य फेव मैथिली त्रिटेर्स के अछि देदिकटेद सुस्टइनेद अट्टेन्टिओन केँ शिशु/बाल'स साहित्य, एक गेन्ने क्रिटिकल्लय उन्देर्सेर्वेद मे भाषा. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१६८. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ट ह ए ओ र ए ट इ क एक ल F र एक म ए व ओ र क I: I न द इ एक न L इ ट ए र एक र य C र इ ट इ क इ स म ४.१ रस थएओर्य: भअरटमुनि केँ अभइनवगुप्ट ओल्देस्ट आ सभसँ ौथओरिटटिवे समीक्षात्मक फ्रमे लेल इन्दिअन साहित्यिक क्रिटिकिस्म अछि रस थएओर्य...** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि रस थएओर्य अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ट ह ए ओ र ए ट इ क एक ल F र एक म ए व ओ र क I: I न द इ एक न L इ ट ए र एक र य C र इ ट इ क इ स म ४.१ रस थएओर्य: भअरटमुनि केँ अभइनवगुप्ट ओल्देस्ट आ सभसँ ौथओरिटटिवे समीक्षात्मक फ्रमे लेल इन्दिअन साहित्यिक क्रिटिकिस्म अछि रस थएओर्य... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१६९. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से भअरटमुनि रेकोग्निसेस एङ्घट प्रिमर्य रसस वा अएस्थएटिक 'फलवोउर्स': śrīṅgār (लोवे/बौट्य), हवस्य (कोमेद्य), करुṇā (कोम्पस्सिओन/पथओस), रउद्र (फुर्य), वार (हेरोइस्म), भअयव्नक (टेरॉर), बाभअट्स (दिसगुस्ट), आ अङ्गुट (वोन्देर).** — अध्याय ७८ निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्टर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से भअरटमुनि रेकोग्निसेस एङ्घट प्रिमर्य रसस वा अएस्थएटिक 'फलवोउर्स': śrīṅgār (लोवे/बौट्य), हवस्य (कोमेद्य), करुṇā (कोम्पस्सिओन/पथओस), रउद्र (फुर्य), वार (हेरोइस्म), भअयव्नक (टेरॉर), बाभअट्स (दिसगुस्ट), आ अङ्गुट (वोन्देर). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१७०. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से १०१६ CE) मे हुनकर अभइनवभारता कोम्मेन्टरी अह्स निन्थ रस, ऽवन्त (त्रन्कुइलित्य/पेअके), आ देएपेन्स थएओर्य द्वारा एकस्पलइनिंग केना रस अछि नहि मेरेल्य एक प्रोपेर्ट्य क टेक्स्ट बुट एक एक्स्पेरिएन्के प्रोदुकेद मे प्रेपरेद (सहृदय)... — अध्याय ७८** निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्तेर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से १०१६ CE) मे हुनकर अभइनवभारता कोम्मेन्टरी अह्स निन्थ रस, ऽवन्त (त्रन्कुइलित्य/पेअके), आ देएपेन्स थएओर्य द्वारा एकस्पलइनिंग केना रस अछि नहि मेरेल्य एक प्रोपेर्ट्य क टेक्स्ट बुट एक एक्स्पेरिएन्के प्रोदुकेद मे प्रेपरेद (सहृदय)... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१७१. (D) अप्लिएद केँ सरस: दोमिनन्ट रस मे ाखअर ाखअर गेएट सरस अछि ऽग्रिंगार, बुट सरस'स श्रीनार अछि नहि एरोटिक ऽग्रिंगार क शास्त्रीय लिने क इन्हेरिटन्के. — अध्याय ७८** निरूपित करैत अछि ाखअर ाखअर गेएट सरस अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्तेर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अप्लिएद केँ सरस: दोमिनन्ट रस मे ाखअर ाखअर गेएट सरस अछि ऽग्रिंगार, बुट सरस'स श्रीनार अछि नहि एरोटिक ऽग्रिंगार क शास्त्रीय लिने क इन्हेरिटन्के. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१७२. (C) ल्यिक प्रेफके स्पेअक्स मोविन्ल्य क गेएट (गीत) अस लेखक'स प्रिमर्य मोदे क एमोटिओनल टुथ-टेल्लिंग, पोसिटिओनिंग गीतसभ अस टेस्टिमोनी केँ लिवेद एक्स्पेरिएन्के. — अध्याय ७८** निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्तेर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे ल्यिक प्रेफके स्पेअक्स मोविन्ल्य क गेएट (गीत) अस लेखक'स प्रिमर्य मोदे क एमोटिओनल टुथ-टेल्लिंग, पोसिटिओनिंग गीतसभ अस टेस्टिमोनी केँ लिवेद एक्स्पेरिएन्के. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१७३. (A) मे शओनितयल पर्यर्क निशअन, दोमिनन्ट रस शइफ्ट्स टोवर्द करुणा, कोम्पस्सिओनते पथओस से अछि प्रोदुकेद व्हेन गजल फोर्म'स त्रदिटिओनल वोकबुलर्य क वोउन्ड आ लोनिंग अछि अप्लिएद केँ सामाजिक-पोलिटिकल कोन्दिटिओन्स. — अध्याय ७८** निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्तेर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे शओनितयल पर्यर्क निशअन, दोमिनन्ट रस शइफ्ट्स टोवर्द करुणा, कोम्पस्सिओनते पथओस से अछि प्रोदुकेद व्हेन गजल फोर्म'स त्रदिटिओनल वोकबुलर्य क वोउन्ड आ लोनिंग अछि अप्लिएद केँ सामाजिक-पोलिटिकल कोन्दिटिओन्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१७४. (A) मे धअरि प्रश्न ी उथैये, रउद्र आ वार अस्सेट थएम्सेल्वेस अलोन्सिदे करुणा, अस कवि कोन्फ्रोन्ट्स गेन्देर इन्जुस्टिके. — अध्याय ७८** निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्तेर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे धअरि प्रश्न ी उथैये, रउद्र आ वार अस्सेट थएम्सेल्वेस अलोन्सिदे करुणा, अस कवि कोन्फ्रोन्ट्स गेन्देर इन्जुस्टिके. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१७५. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से धवनि थएओर्य: अनन्दवर्धन अनन्दवर्धन'स धवन्यलोक (क. — अध्याय ७८** निरूपित करैत अछि अनन्दवर्धन अनन्दवर्धन'स धवन्यलोक अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्तेर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से धवनि थएओर्य: अनन्दवर्धन अनन्दवर्धन'स धवन्यलोक (क. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१७६. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से के) होल्ड्स से सोउल क पोएट्र्य (कव्यस्य ाट्मा) अछि धवनि, रेसोनन्के वा सुगोस्टिओन, कपकित्य क वोर्दस केँ सिग्निफ्य मेअनिन्स बेयोन्ड हुनकर लिटेरल वा सेकोन्डर्य देनोटिओन. — अध्याय ७८** निरूपित करैत अछि सियरम झा 'सरस' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सियरम झा 'सरस' — गीतकार, कवि, गजल मस्तेर आ शिशु/बाल'स साहित्य पिओनेएर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से के) होल्ड्स से सोउल क पोएट्र्य (कव्यस्य ाट्मा) अछि धवनि, रेसोनन्के वा सुगोस्टिओन, कपकित्य क वोर्दस केँ सिग्निफ्य मेअनिन्स बेयोन्ड हुनकर लिटेरल वा सेकोन्डर्य देनोटिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१७७. (A) हुनकर लेखिअन कोन्टिनुउम निबंध ब्रिन्स रदिकल फेमिनिस्ट थएओर्य इन्टो मैथिली साहित्यिक दिस्कोउर्स; हुनकर नदुरे पोएट्र्य वलोरिसेस दोमेस्टिक स्त्री स्फेरे क मिथिला'स एकोलोगिकल संस्कृति; हुनकर शिशु/बाल'स पोएट्र्य कोन्ट्रिबुटेस केँ प्रोजेक्ट क बुइल्लिन्ग एक मैथिली... — अध्याय ८०** निरूपित करैत अछि शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर लेखिअन कोन्टिनुउम निबंध ब्रिन्स रदिकल फेमिनिस्ट थएओर्य इन्टो मैथिली साहित्यिक दिस्कोउर्स; हुनकर नदुरे पोएट्र्य वलोरिसेस दोमेस्टिक स्त्री स्फेरे क मिथिला'स एकोलोगिकल संस्कृति; हुनकर शिशु/बाल'स पोएट्र्य कोन्ट्रिबुटेस केँ प्रोजेक्ट क बुइल्लिन्ग एक मैथिली... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१७८. (A) हुनकर समीक्षात्मक निबंध पर दलित साहित्य, दोओ, एम्प्लोय्स वक्रोक्ति व्हेन ई व्रल्य उल्लेख करैत अछि से दिविदिन्ग साहित्य द्वारा कस्टे अछि लिके दिविदिन्ग एक रिवेर द्वारा एकर बन्क्स, वटेर फ्लोव्स अन्वय. — अध्याय ८२** निरूपित करैत अछि डॉ. शइव कुमार प्रसाद अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. शइव कुमार प्रसाद — कवि, लघु कथा लेखक, साहित्यिक क्रिटिक आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर समीक्षात्मक

निबंध पर दलित साहित्य, टोओ, एम्प्लोय्स वक्रोक्ति व्हेन ई ब्रुल्ल्य उल्लेख करैत अछि से दिविदिना साहित्य द्वारा कस्टे अछि लिके दिविदिना एक रिवर द्वारा एकर बन्क्स, वटेर फलोक्स अन्यवय. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१७९. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से जानगा के दस्तवेज (दोकुमेन्ट्स क लिफे) अस एक टिट्ले इन्वोकेस दोकुमेन्ट्य-साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के, पोएम अस एविदेन्के, गीत अस हिस्टोरिकल रेकोर्ड. —** अध्याय ८४ निरूपित करैत अछि के दस्तवेज अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे स्रिजन शएखअर 'अज्जेय', अछए लाल शअस्टि, अनमिक रज, अनिल मल्लिक, अग्रेन्द्र यदव आ प्रनव झा — समीक्षात्मक अप्प्रेकिअटिओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से जानगा के दस्तवेज (दोकुमेन्ट्स क लिफे) अस एक टिट्ले इन्वोकेस दोकुमेन्ट्य-साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के, पोएम अस एविदेन्के, गीत अस हिस्टोरिकल रेकोर्ड. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१८०. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केना मन्य स्किएन्के फिक्टिओन कथासभ, शिशु/बाल'स आ अदोलेस्केन्ट कथासभ आ पोएम्स छथि/अछि करेएरिस्ट कविसभ आ स्टोयर्टेल्लेर्स ब्रिटिना? —** अध्याय ८६ निरूपित करैत अछि सुभअश चअन्द्र यदव अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुभअश चअन्द्र यदव — नित नवल सुभअश चअन्द्र यदव. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से केना मन्य स्किएन्के फिक्टिओन कथासभ, शिशु/बाल'स आ अदोलेस्केन्ट कथासभ आ पोएम्स छथि/अछि करेएरिस्ट कविसभ आ स्टोयर्टेल्लेर्स ब्रिटिना? बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१८१. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट बब्य शिशु रेमइन्स क्लोसे केँ मोथएर, सो थएय छथि/अछि बेसी इम्बुएद सँ सेमिओटिक फेमिनिने कुअलिटिएस, संगीत, पोएट्र्य, आ ह्यर्थम; सो थएय रेजेक्ट मोथएर बुट देफिने थएम्सेल्वेस द्वारा वय क हुनकर. —** अध्याय ८६ निरूपित करैत अछि सुभअश चअन्द्र यदव अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुभअश चअन्द्र यदव — नित नवल सुभअश चअन्द्र यदव. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट बब्य शिशु रेमइन्स क्लोसे केँ मोथएर, सो थएय छथि/अछि बेसी इम्बुएद सँ सेमिओटिक फेमिनिने कुअलिटिएस, संगीत, पोएट्र्य, आ ह्यर्थम; सो थएय रेजेक्ट मोथएर बुट देफिने थएम्सेल्वेस द्वारा वय क हुनकर. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१८२. (C) नेपाल बिद्यपति मैथिली अनुसंधान प्रिजे अवर्देद केँ हिम द्वारा मिनिस्ट्र्य क संस्कृति, टोउरिस्म आ किविल अविअटिओन क नेपाल (क. —** अध्याय ८७ निरूपित करैत अछि किविल अविअटिओन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुजित कुमार झा — जोउर्नलिस्ट, स्टोयर्टेल्ले, शिशु/बाल'स लेखक आ मेमोइरिस्ट. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे नेपाल बिद्यपति मैथिली अनुसंधान प्रिजे अवर्देद केँ हिम द्वारा मिनिस्ट्र्य क संस्कृति, टोउरिस्म आ किविल अविअटिओन क नेपाल (क. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१८३. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रोफेस्सिओनल्ल्य, झा अछि बेएन एक जोउर्नलिस्ट लेल ओवेर ट्वो देकदेस. —** अध्याय ८७ निरूपित करैत अछि सुजित कुमार झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुजित कुमार झा — जोउर्नलिस्ट, स्टोयर्टेल्ले, शिशु/बाल'स लेखक आ मेमोइरिस्ट. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रोफेस्सिओनल्ल्य, झा अछि बेएन एक जोउर्नलिस्ट लेल ओवेर ट्वो देकदेस. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१८४. (C) हुनकर अवर्दस इन्क्लुदे ABN नेक्स इन्टेग्रिट्य होनोउर (२०६६ BS), रदिओ मिथिला सम्मन (२०६५ BS), आ मिथिला सम्मन सँ मिथिला Nāṭ्य कला परिऽअद (२०६८ BS). —** अध्याय ८७ निरूपित करैत अछि ABN नेक्स इन्टेग्रिट्य होनोउर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुजित कुमार झा — जोउर्नलिस्ट, स्टोयर्टेल्ले, शिशु/बाल'स लेखक आ मेमोइरिस्ट. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर अवर्दस इन्क्लुदे ABN नेक्स इन्टेग्रिट्य होनोउर (२०६६ BS), रदिओ मिथिला सम्मन (२०६५ BS), आ मिथिला सम्मन सँ मिथिला Nāṭ्य कला परिऽअद (२०६८ BS). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१८५. (C) मे 'धृानिक भाटर' (इन्सिदे स्मोके, ओपेनिना कथा क खअजुराबतला), फमिलिअर दोमेस्टिक अक्ट क कोओकिना अछि रेन्देरेद स्त्रनो द्वारा फोकुस पर स्मोके अस एक मेदिउम क प्रख्यओलोगिकल इन्टेरिओरिट्य: किट्चएन'स हजे बेकोमेस चअरक्टेर'स मेन्टल फोग. —** अध्याय ८७ निरूपित करैत अछि धृानिक भाटर' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुजित कुमार झा — जोउर्नलिस्ट, स्टोयर्टेल्ले, शिशु/बाल'स लेखक आ मेमोइरिस्ट. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे 'धृानिक भाटर' (इन्सिदे स्मोके, ओपेनिना कथा क खअजुराबतला), फमिलिअर दोमेस्टिक अक्ट क कोओकिना अछि रेन्देरेद स्त्रनो द्वारा फोकुस पर स्मोके अस एक मेदिउम क प्रख्यओलोगिकल इन्टेरिओरिट्य: किट्चएन'स हजे बेकोमेस चअरक्टेर'स मेन्टल फोग. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१८६. (A) रेपोर्टर'स गजे: नेव जोउर्नलिस्म आ निबंध टोम वोल्फे'स नेव जोउर्नलिस्म आ गय टलेसे'स निबंधसभ एस्टब्लिश एक लिने क इन्हेरिटन्के क साहित्यिक नोन-फिक्टिओन मे कोन जोउर्नलिस्टिक सुब्जेक्ट-मट्टेर अछि रेन्देरेद द्वारा वय क नोवेलिस्टिक टेचनिकुएस: स्केने-द्वारा-स्केने... —** अध्याय ८७ निरूपित करैत अछि नेव जोउर्नलिस्म अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुजित कुमार झा — जोउर्नलिस्ट, स्टोयर्टेल्ले, शिशु/बाल'स लेखक आ मेमोइरिस्ट. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे रेपोर्टर'स गजे: नेव जोउर्नलिस्म आ निबंध टोम वोल्फे'स नेव जोउर्नलिस्म आ गय टलेसे'स निबंधसभ एस्टब्लिश एक लिने क इन्हेरिटन्के क साहित्यिक नोन-फिक्टिओन मे कोन जोउर्नलिस्टिक सुब्जेक्ट-मट्टेर अछि रेन्देरेद द्वारा वय क नोवेलिस्टिक टेचनिकुएस: स्केने-द्वारा-स्केने... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१८७. (B) गाम इम्मेदिअटेल्य ब्रन्ड्स हुनकर अस मोरल्ल्य फल्लेन: 'रमन मस्टेर कि बेटि कि कुमअरे बचअ भैले हेन' (रमन मस्टेर'स दउघटेर छल एक शिशु ओउट क वेदूलोक्क). —** अध्याय ९१ निरूपित करैत अछि रमन मस्टेर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे उमेश पस्वन — कवि, लघु कथा लेखक आ

दलित स्वर क मिथिला. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे गाम इम्मेदिअटेल्स ब्रन्ड्स हुनकर अस मोरल्लय फल्लेन: 'रमन मस्टर कि बेटी कि कुमअरे बचअ भैले हेन' (रमन मस्टर'स दउघटेर छल एक शिशु ओउट क वेद्लोक्क). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१८८. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से विभअ रनि'स भवग रउ (रुन अवय) अछि एक मैथिली प्लय सेट एन्टिरेल्य मे मिलिएउ क स्ट्रेएट शिशु/बाल, बेगर्स, पोलिके ब्रुटलिट्य, आ उर्बन देस्टिटुटिओन.** — अध्याय १२ निरूपित करैत अछि रनि'स भवग रउ अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे स्वरसभ सँ मिथिला — विभअ रनि, बिन्देशवर ठाकुर आ अन्मोल झा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से विभअ रनि'स भवग रउ (रुन अवय) अछि एक मैथिली प्लय सेट एन्टिरेल्य मे मिलिएउ क स्ट्रेएट शिशु/बाल, बेगर्स, पोलिके ब्रुटलिट्य, आ उर्बन देस्टिटुटिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१८९. (A) अनुभाग-हेअदिना क प्रेफके केँ गुन्जन'स इन्ट्रोदुकिओन, “कविअक अट्मोकिट: कविअक अएन” ( कवि'स सेल्फ-लिबेरेटिओन: मिर्रोर क पोएट्र्य), ओफेर्स एक स्ट्रिकिन्ग संकल्पना:उअल फ्रमे: पोएट्र्य अस बोथ कवि'स सेल्फ-रेलेअसे आ मिर्रोर मे कोन समाज सेएस...** — अध्याय १७ निरूपित करैत अछि कविअक अट्मोकिट अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे विनेएट उट्पल — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अनुभाग-हेअदिना क प्रेफके केँ गुन्जन'स इन्ट्रोदुकिओन, “कविअक अट्मोकिट: कविअक अएन” ( कवि'स सेल्फ-लिबेरेटिओन: मिर्रोर क पोएट्र्य), ओफेर्स एक स्ट्रिकिन्ग संकल्पना:उअल फ्रमे: पोएट्र्य अस बोथ कवि'स सेल्फ-रेलेअसे आ मिर्रोर मे कोन समाज सेएस... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१९०. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नरटोलोगिकल्लय (अप्लियन्ग गेरर्द गेनेट्रे'स समीक्षात्मक फ्रमे), फोल्कटले ओपेरेटस द्वारा वय क एक फुन्दमेन्टल्लय भिन्न नरटिवे टिमे आ मोओद सँ आधुनिक लघु कथा: एकर नरटिवे टिमे अछि एटेर्नल प्रेसेन्ट क म्यथ, एकर मोओद...** — अध्याय १८ निरूपित करैत अछि गेरर्द गेनेट्रे'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे योगनन्द झा, कमल चौधरी आ ललित झा — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से नरटोलोगिकल्लय (अप्लियन्ग गेरर्द गेनेट्रे'स समीक्षात्मक फ्रमे), फोल्कटले ओपेरेटस द्वारा वय क एक फुन्दमेन्टल्लय भिन्न नरटिवे टिमे आ मोओद सँ आधुनिक लघु कथा: एकर नरटिवे टिमे अछि एटेर्नल प्रेसेन्ट क म्यथ, एकर मोओद... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१९१. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रेअदिन्स मे मैथिली भाषा, साहित्य आ संस्कृति (एद.).** — अध्याय १०० निरूपित करैत अछि प्रोफेसर. डॉ. योगेन्द्र P. यदव अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रोफेसर. डॉ. योगेन्द्र P. यदव — मैथिली लिन्गुइस्ट आ भाषा पोलिक्य अर्चइटेक्ट. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से रेअदिन्स मे मैथिली भाषा, साहित्य आ संस्कृति (एद.). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१९२. (B) योउन्ग रेअदेर्स आ लेअर्नेर्स क मैथिली** — शिशु/बाल'स साहित्य मट्रेर्स बेकउसे ई हेल्प्स नेव रेअदेर्स एन्टेर भाषा एअर्ल्य थरोउघ कथा, इमगे, गीत, आ सिम्प्ले नरटिवे.

**१९३. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्त्री त्रिटेर्स एक्स्क्लुदेद सँ सहित्य अकदेमि अस्सिग्नमेन्ट्स एन्टिरेल्य.** — अध्याय १ निरूपित करैत अछि सहित्य अकदेमि अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गजेन्द्र ठाकुर — एक समानान्तर इतिहास क मिथिला & मैथिली साहित्य (पर्ट १-१००). नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्त्री त्रिटेर्स एक्स्क्लुदेद सँ सहित्य अकदेमि अस्सिग्नमेन्ट्स एन्टिरेल्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१९४. (B) अरुन्धहटि देवि, मिथइलअक विदुशइ महिल (स्त्री स्वओलर्स क मिथिला).** — अध्याय १ निरूपित करैत अछि अरुन्धहटि देवि अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गजेन्द्र ठाकुर — एक समानान्तर इतिहास क मिथिला & मैथिली साहित्य (पर्ट १-१००). नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अरुन्धहटि देवि, मिथइलअक विदुशइ महिल (स्त्री स्वओलर्स क मिथिला). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१९५. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्वओलर्स मे समानान्तर लिने क इन्हेरिटन्के, सुच अस रहल सन्क्रिट्ययन आ सुभअद्र झा, अछि प्रोविदेद एविदेन्के से लिन्गुइस्टिक फेअटुरेस क थएसे ओक्कुल्ट गीतसभ छथि/अछि फुन्दमेन्टल्लय प्रोटो-मैथिली, रेफ्लेक्किन्ग लिवेद एक्स्पेरिएन्के क...** — अध्याय १ निरूपित करैत अछि रहल सन्क्रिट्ययन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गजेन्द्र ठाकुर — एक समानान्तर इतिहास क मिथिला & मैथिली साहित्य (पर्ट १-१००). नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्वओलर्स मे समानान्तर लिने क इन्हेरिटन्के, सुच अस रहल सन्क्रिट्ययन आ सुभअद्र झा, अछि प्रोविदेद एविदेन्के से लिन्गुइस्टिक फेअटुरेस क थएसे ओक्कुल्ट गीतसभ छथि/अछि फुन्दमेन्टल्लय प्रोटो-मैथिली, रेफ्लेक्किन्ग लिवेद एक्स्पेरिएन्के क... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१९६. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ओरिगिन्स क सुबल्टेर्न लिन्गुइस्टिक रेसिस्टन्के; मोबिलिट्य ओवेर सेदेन्ट्य कस्टे ओर्देर.** — अध्याय १ निरूपित करैत अछि गजेन्द्र ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गजेन्द्र ठाकुर — एक समानान्तर इतिहास क मिथिला & मैथिली साहित्य (पर्ट १-१००). नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ओरिगिन्स क सुबल्टेर्न लिन्गुइस्टिक रेसिस्टन्के; मोबिलिट्य ओवेर सेदेन्ट्य कस्टे ओर्देर. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१९७. (D) इन्डेर्मिन्टे आ देटेर्मिन्टे पेर्केप्टिओन, गनोस'स कोरे थएओर्य थरेए ट्येस क ओर्दिनर्य पेर्केप्टिओन अनुसार केँ भअट्ट, ओर्दिनर्य पेर्केप्टिओन अछि थरेए ट्येस: इ) इन्डेर्मिन्टे पेर्केप्टिओन (निर्विकल्पक), ी) देटेर्मिन्टे पेर्केप्टिओन (सविकल्पक); आ ीइ)...** — अध्याय २ निरूपित करैत अछि

देतेर्मिनटे पेकेटिओन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गनोस उपधयय — लिफे, लोचिक, आ लेगक्य मे नव्य-न्यय परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे इन्टेर्मिनटे आ देतेर्मिनटे पेकेटिओन, गनोस'स कोरे थएओर्य थरेए ट्येस क ओर्दिनर्य पेकेटिओन अनुसार केँ भअट्ट, ओर्दिनर्य पेकेटिओन अछि थरेए ट्येस: इ) इन्टेर्मिनटे पेकेटिओन (निर्विकल्पक), ी) देतेर्मिनटे पेकेटिओन (सविकल्पक); आ ीइ)... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१९८. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रघुनन्धर'स Diधइति पर टट्वकिन्तमइ अछि सिनले सभसँ प्रमुख सेकोन्दर्य टेक्स्ट क लीने क इन्हेरिटन्के, गेनेरटिन्ग एकर ओव्न वस्त कोम्मेन्टर्य साहित्य सँ जगदास आ गदाधर ओन्वर्द्स.** — अध्याय २ निरूपित करैत अछि गनोस उपधयय अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गनोस उपधयय — लिफे, लोचिक, आ लेगक्य मे नव्य-न्यय परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से रघुनन्धर'स Diधइति पर टट्वकिन्तमइ अछि सिनले सभसँ प्रमुख सेकोन्दर्य टेक्स्ट क लीने क इन्हेरिटन्के, गेनेरटिन्ग एकर ओव्न वस्त कोम्मेन्टर्य साहित्य सँ जगदास आ गदाधर ओन्वर्द्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**१९९. (D) दउघटेर: शाए मरिएद सथए उपधयय क बभअनियम गाम, आ हुनकर सोन रटनकर अछि कहल गेल मे गेनेअलोगिकल रेकोर्द्स अस गनोशअ'स ग्रन्द्सोन.** — अध्याय २ निरूपित करैत अछि सथए उपधयय अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गनोस उपधयय — लिफे, लोचिक, आ लेगक्य मे नव्य-न्यय परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे दउघटेर: शाए मरिएद सथए उपधयय क बभअनियम गाम, आ हुनकर सोन रटनकर अछि कहल गेल मे गेनेअलोगिकल रेकोर्द्स अस गनोशअ'स ग्रन्द्सोन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२००. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फुर्थएमोरे, थएसे रेकोर्द्स इदेन्टिफ्य हुनकर विफे, वल्लभअ, अस एक चअमर्करिनि (सँ लेअथएर-टन्निना कस्टे).१ समानान्तर रेसेअर्चएर्स अर्गुए थएसे फक्ट्स छल सुप्रेस्सेद केँ मइन्टइन एलिटे सामाजिक हिएरर्चइएस, देस्क्रिबिन्ग एरसुरे अस एक...** — अध्याय २ निरूपित करैत अछि गनोस उपधयय अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गनोस उपधयय — लिफे, लोचिक, आ लेगक्य मे नव्य-न्यय परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से फुर्थएमोरे, थएसे रेकोर्द्स इदेन्टिफ्य हुनकर विफे, वल्लभअ, अस एक चअमर्करिनि (सँ लेअथएर-टन्निना कस्टे).१ समानान्तर रेसेअर्चएर्स अर्गुए थएसे फक्ट्स छल सुप्रेस्सेद केँ मइन्टइन एलिटे सामाजिक हिएरर्चइएस, देस्क्रिबिन्ग एरसुरे अस एक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२०१. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मटेरिअल्स लेल स्टुद्य क नव्य-न्यय लोचिक.** — अध्याय २ निरूपित करैत अछि नव्य-न्यय लोचिक अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गनोस उपधयय — लिफे, लोचिक, आ लेगक्य मे नव्य-न्यय परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से मटेरिअल्स लेल स्टुद्य क नव्य-न्यय लोचिक. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२०२. (C) हुनकर बांग्ला घअजल्स मइन्टइन बहर दिस्किप्लिने क्लिले देप्लोयिन्ग एक बांग्ला दिक्विओन आ सांगीतिक सेन्सिबिलिट्य से मकेस थएम फेएल एन्टिरेल्य नटिवे केँ भाषा.** — अध्याय ३ निरूपित करैत अछि मैथिली गजल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे मैथिली गजल — इतिहास, थएओर्य, रेविवल, आ अन्चइन्हर एर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर बांग्ला घअजल्स मइन्टइन बहर दिस्किप्लिने क्लिले देप्लोयिन्ग एक बांग्ला दिक्विओन आ सांगीतिक सेन्सिबिलिट्य से मकेस थएम फेएल एन्टिरेल्य नटिवे केँ भाषा. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२०३. (B) हुनकर सभसँ उचित-क्नोव्न वेसेंस छल सेट केँ संगीत द्वारा हिदयन्थ मनोशकर आ सुन्ग द्वारा लट मनोशकर आ अशअ भओस्ले, गिविन्ग मरथइ गजल एक मस्स सांस्कृतिक रेअच कोम्परब्ले केँ रेकोर्देद उर्दु गजल लीने क इन्हेरिटन्के.** — अध्याय ३ निरूपित करैत अछि हिदयन्थ मनोशकर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे मैथिली गजल — इतिहास, थएओर्य, रेविवल, आ अन्चइन्हर एर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर सभसँ उचित-क्नोव्न वेसेंस छल सेट केँ संगीत द्वारा हिदयन्थ मनोशकर आ सुन्ग द्वारा लट मनोशकर आ अशअ भओस्ले, गिविन्ग मरथइ गजल एक मस्स सांस्कृतिक रेअच कोम्परब्ले केँ रेकोर्देद उर्दु गजल लीने क इन्हेरिटन्के. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२०४. (A) मे दलित पोएट्र्य: अन्गेर अछि एक अएस्थएटिक कटेगोर्य, नहि एक फ्लव.** — अध्याय ४ निरूपित करैत अछि दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म — टेलुगु दलित साहित्य मे मैथिली अनुवाद. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे दलित पोएट्र्य: अन्गेर अछि एक अएस्थएटिक कटेगोर्य, नहि एक फ्लव. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२०५. (C) दलित स्त्री अछि नेइथएर मेरेल्य एक रेप्रेसेन्टटिवे क दलिट्स नोर मेरेल्य क स्त्री -शाए अछि एक थइर्द कटेगोर्य क्लोसे एक्स्पेरिएन्के अछि भिन्न सँ आ बेसी कोम्प्लेक्स थअन एइथएर.** — अध्याय ४ निरूपित करैत अछि दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म — टेलुगु दलित साहित्य मे मैथिली अनुवाद. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे दलित स्त्री अछि नेइथएर मेरेल्य एक रेप्रेसेन्टटिवे क दलिट्स नोर मेरेल्य क स्त्री -शाए अछि एक थइर्द कटेगोर्य क्लोसे एक्स्पेरिएन्के अछि भिन्न सँ आ बेसी कोम्प्लेक्स थअन एइथएर. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२०६. (A) मे दलित साहित्य, थएसे ट्वो रसस अप्पेअर ररेल्य बुट नहि एन्टिरेल्य अब्सेन्ट.** — अध्याय ६ निरूपित करैत अछि दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म — ओदिअ दलित साहित्य मे मैथिली अनुवाद. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे दलित साहित्य, थएसे ट्वो रसस अप्पेअर ररेल्य बुट नहि एन्टिरेल्य अब्सेन्ट. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२०७. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे अछि दिस्टिन्क्ट सँ प्रिमल कवि क मैथिली, विद्यापति (प्रे-ज्योतिरिशवर).** — अध्याय ७ निरूपित करैत अछि विद्यापति, प्रिमल कवि क मैथिली (प्रे-ज्योतिरिशवर) अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे विद्यापति, प्रिमल कवि क मैथिली (प्रे-ज्योतिरिशवर). नव शब्दावलीमे,

मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे अछि दिस्टिन्क्ट सँ प्रिमल कवि क मैथिली, विद्यापति (प्रे-ज्योतिरिशवर). बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२०८. (C) मैथिली गीतसभ सम्मिलित मे ज्योतिरिशवर'स संस्कृत प्लय धउर्तसमगम आ मे संस्कृत आ अवहट्थअ विद्यापति'स गोरक्षअ विजय छथि/ अछि इन्दिकटिबे क अन्किएन्ट लिने क इन्हेरिटन्के क पदवलि, आ इन्फ्लुएन्के क मैथिली पदवलि कन हो...** — अध्याय ७ निरूपित करैत अछि ज्योतिरिशवर'स संस्कृत अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे विद्यापति, प्रिमल कवि क मैथिली (प्रे-ज्योतिरिशवर). नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मैथिली गीतसभ सम्मिलित मे ज्योतिरिशवर'स संस्कृत प्लय धउर्तसमगम आ मे संस्कृत आ अवहट्थअ विद्यापति'स गोरक्षअ विजय छथि/अछि इन्दिकटिबे क अन्किएन्ट लिने क इन्हेरिटन्के क पदवलि, आ इन्फ्लुएन्के क मैथिली पदवलि कन हो... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२०९. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शअलिग्रम यदव आ अवधइअ ठाकुर छथि/अछि विट्नेस्सेस कें लिने क इन्हेरिटन्के क विशाफि गाम.** — अध्याय ७ निरूपित करैत अछि अवधइअ ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे विद्यापति, प्रिमल कवि क मैथिली (प्रे-ज्योतिरिशवर). नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से शअलिग्रम यदव आ अवधइअ ठाकुर छथि/अछि विट्नेस्सेस कें लिने क इन्हेरिटन्के क विशाफि गाम. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२१०. (C) अर्यस कमे कें मिथिला सँ वेस्टर्न पर्ट क भारत, आ बेफोरे हुनकर सेट्टलेमेन्ट, सोमे भागसभ क वेदस छल अल्लेअद्य एक्स्टन्ट.** — अध्याय ७ निरूपित करैत अछि विद्यापति, प्रिमल कवि क मैथिली (प्रे-ज्योतिरिशवर) अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे विद्यापति, प्रिमल कवि क मैथिली (प्रे-ज्योतिरिशवर). नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अर्यस कमे कें मिथिला सँ वेस्टर्न पर्ट क भारत, आ बेफोरे हुनकर सेट्टलेमेन्ट, सोमे भागसभ क वेदस छल अल्लेअद्य एक्स्टन्ट. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२११. (D) हुनकर इदेन्टिफिकेटिओन क 'मध्यमर्ग' (मिहूले पथ) अस अशओक'स दोमिनन्ट अएस्थएटिक ओरिएन्टिओन मप्स ओन्टो रस समीक्षात्मक फ्रमे'स संकल्पना: क शअन्टरस, रस क फइलोसोफइकल एकुअनिमिड्य, स्टेटे से अरिसेस सँ सेएइन्ग बेयोन्ड बोथ एक्स्ट्रेमे ओप्टिमिस्म आ...** — अध्याय ८ निरूपित करैत अछि अभअ झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अभअ झा — साहित्यिक क्रिटिक आ निबंधकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर इदेन्टिफिकेटिओन क 'मध्यमर्ग' (मिहूले पथ) अस अशओक'स दोमिनन्ट अएस्थएटिक ओरिएन्टिओन मप्स ओन्टो रस समीक्षात्मक फ्रमे'स संकल्पना: क शअन्टरस, रस क फइलोसोफइकल एकुअनिमिड्य, स्टेटे से अरिसेस सँ सेएइन्ग बेयोन्ड बोथ एक्स्ट्रेमे ओप्टिमिस्म आ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२१२. (C) हुनकर दोकुमेन्टेद कोन्ट्रिबुटिओन्स मे ट्वो सदेह वोलुमेस देमोन्स्ट्रेट एक लेखक क्लोसे स्ट्रेन्थस लिए मे कोम्प्रेस्सिओन, इरोन्य, आ समकालीन सामाजिक ओब्सेर्वेटिओन.** — अध्याय ९ निरूपित करैत अछि अभइलश ठाकुर आ कुन्दन कुमार कर्न अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अभइलश ठाकुर आ कुन्दन कुमार कर्न — समीक्षात्मक अप्रोकिअटिओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर दोकुमेन्टेद कोन्ट्रिबुटिओन्स मे ट्वो सदेह वोलुमेस देमोन्स्ट्रेट एक लेखक क्लोसे स्ट्रेन्थस लिए मे कोम्प्रेस्सिओन, इरोन्य, आ समकालीन सामाजिक ओब्सेर्वेटिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२१३. (B) झा कुओटेस अट लेन्थ गीतसभ क रविन्द्र ठाकुर, इन्क्लुदिन्ग देएप्ल्य मोविन्ग दिर्गे लेल मैथिली मोथएहोओद ('जन्म देलन्हि मअय मिथइलअक, सेहो कने सोचउ').** — अध्याय १० निरूपित करैत अछि रविन्द्र ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अजित कुमार झा — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे झा कुओटेस अट लेन्थ गीतसभ क रविन्द्र ठाकुर, इन्क्लुदिन्ग देएप्ल्य मोविन्ग दिर्गे लेल मैथिली मोथएहोओद ('जन्म देलन्हि मअय मिथइलअक, सेहो कने सोचउ'). बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२१४. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर मोट्टो, Mānūṣmहि सṃस्कṛtām (सँ अथअर्ववेद: 'ग्लोरिफियन्ग हुमन फेमिनिने/सांस्कृतिक'), अन्नोउन्केस एकर कोउन्टेर-हेगेमोनिक, सुबल्टेर्निन्क्लुसिवे, गेन्दे-सेन्सिटिवे ओरिएन्टिओन.** — अध्याय १३ निरूपित करैत अछि Mānūṣmहि स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अशइश अन्वइन्हर — घअजलेएर, कवि, क्रिटिक, सम्पादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर मोट्टो, Mānūṣmहि सṃस्कṛtām (सँ अथअर्ववेद: 'ग्लोरिफियन्ग हुमन फेमिनिने/सांस्कृतिक'), अन्नोउन्केस एकर कोउन्टेर-हेगेमोनिक, सुबल्टेर्निन्क्लुसिवे, गेन्दे-सेन्सिटिवे ओरिएन्टिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२१५. (B) हुनकर नमे 'रइन' अछि एक मुस्लिम कोम्मुनिट्य सुर्नमे फोउन्ड मे मिथिला आ विदेर बिहर-UP रेगिओन, आ हुनकर फिर्स्ट नमे अश्रअफ अछि एक शास्त्रीय अरबी नमे मेअनिन्ग 'नोब्ले/होनोरब्ले'.** — अध्याय १४ निरूपित करैत अछि अन्जनि कुमार वेर्म, प्रभअट रइ भअट्ट, अश्रअफ रइन, प्रयस P अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अन्जनि कुमार वेर्म, प्रभअट रइ भअट्ट, अश्रअफ रइन, प्रयस प्रेमि मइथइल, अब्दुर रज्जक आ रवि मिश्र भअट्ट — समीक्षात्मक अप्रोकिअटिओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर नमे 'रइन' अछि एक मुस्लिम कोम्मुनिट्य सुर्नमे फोउन्ड मे मिथिला आ विदेर बिहर-UP रेगिओन, आ हुनकर फिर्स्ट नमे अश्रअफ अछि एक शास्त्रीय अरबी नमे मेअनिन्ग 'नोब्ले/होनोरब्ले'. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२१६. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर अर्विन्द ठाकुर, फ्रेए-स्पिरिटेद स्वर क मैथिली.** — अध्याय १५ निरूपित करैत अछि अर्विन्द ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अर्विन्द ठाकुर — फ्रेए-स्पिरिटेद स्वर क मैथिली. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर अर्विन्द ठाकुर, फ्रेए-स्पिरिटेद स्वर क मैथिली. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२१७. (D) हुनकर सेल्फ-देस्क्रिप्शियन अस 'भअरट्वअदि' (इन्दिअन नटिओनलिस्ट) अछि इन्टेरेस्टिन्ग मे ई सन्दर्भः ई सिग्नल्स एक कोम्पिटमेन्ट कैं कोन्स्टिटुटिओनल विसिओन क भारत, इन्क्लुसिवे, देमोक्रेटिक, सेकुलर, अस दिस्टिन्क्ट सँ एक हिन्दु-नटिओनलिस्ट वा कस्टे-सुप्रेमकिस्ट विसिओन. —** अध्याय १५ निरूपित करैत अछि अर्विन्द ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अर्विन्द ठाकुर — फ्रेण्ड-स्परिटेड स्वर क मैथिली. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर सेल्फ-देस्क्रिप्शियन अस 'भअरट्वअदि' (इन्दिअन नटिओनलिस्ट) अछि इन्टेरेस्टिन्ग मे ई सन्दर्भः ई सिग्नल्स एक कोम्पिटमेन्ट कैं कोन्स्टिटुटिओनल विसिओन क भारत, इन्क्लुसिवे, देमोक्रेटिक, सेकुलर, अस दिस्टिन्क्ट सँ एक हिन्दु-नटिओनलिस्ट वा कस्टे-सुप्रेमकिस्ट विसिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२१८. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव कवितः कोरे थएमेः एक्स्पेरिमेन्टिओन मे पोएटिक फोर्म. / स्ट्रुक्चुरलिस्टः ब्रेअक सँ शास्त्रीय मेटेरः फ्रगमेन्टेड पोएटिक उनिट्स / पोस्ट-स्ट्रुक्चुरलिस्टः भाषा रेसिस्ट्स क्लोसुरे / मोर्देनिस्ट / पोस्टमोर्देनिस्टः एम्फासिस परः अलिएनटिओन / ... —** अध्याय १६ निरूपित करैत अछि कोरे थएमे अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अशओक (कथअकर अशओक) — कवि, फिक्शियन लेखक, क्रिटिक आ सम्पादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव कवितः कोरे थएमेः एक्स्पेरिमेन्टिओन मे पोएटिक फोर्म. / स्ट्रुक्चुरलिस्टः ब्रेअक सँ शास्त्रीय मेटेरः फ्रगमेन्टेड पोएटिक उनिट्स / पोस्ट-स्ट्रुक्चुरलिस्टः भाषा रेसिस्ट्स क्लोसुरे / मोर्देनिस्ट / पोस्टमोर्देनिस्टः एम्फासिस परः अलिएनटिओन / ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२१९. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नरटोलोग्यः टेचनिकुए, स्वर, आ 'उन्फिनिशएद कथा' सँ एक फोर्मल नरटोलोगिकल पेस्पेक्टिवे (द्विगुण पर Gêrard Genette, सेय्मोउर चअट्मन, आ रुस्सिअन फोर्मलिस्ट्स), अशओक'स फिक्शियन रेवेअल्स एक दिस्टिन्क्टिवे सेट क स्ट्रटेगिअस आ... —** अध्याय १६ निरूपित करैत अछि उन्फिनिशएद कथा' सँ अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अशओक (कथअकर अशओक) — कवि, फिक्शियन लेखक, क्रिटिक आ सम्पादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से नरटोलोग्यः टेचनिकुए, स्वर, आ 'उन्फिनिशएद कथा' सँ एक फोर्मल नरटोलोगिकल पेस्पेक्टिवे (द्विगुण पर Gêrard Genette, सेय्मोउर चअट्मन, आ रुस्सिअन फोर्मलिस्ट्स), अशओक'स फिक्शियन रेवेअल्स एक दिस्टिन्क्टिवे सेट क स्ट्रटेगिअस आ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२२०. (B) अशओक'स प्लके मे मैथिली साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के १ थरेए अशओक्सः कवि, स्टोयर्टल्लेर, प्रोसे लेखक गजेन्द्र ठाकुर'स स्ट्रुक्चुरल इन्सिघट, 'थएरे छथि/अछि थरेए अशओक्सः कवि अशओक, कथअकर अशओक, आ कथएटेर गद्य क लेखक अशओक' (कवि अशओक... —** अध्याय १६ निरूपित करैत अछि अशओक'स प्लके अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अशओक (कथअकर अशओक) — कवि, फिक्शियन लेखक, क्रिटिक आ सम्पादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अशओक'स प्लके मे मैथिली साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के १ थरेए अशओक्सः कवि, स्टोयर्टल्लेर, प्रोसे लेखक गजेन्द्र ठाकुर'स स्ट्रुक्चुरल इन्सिघट, 'थएरे छथि/अछि थरेए अशओक्सः कवि अशओक, कथअकर अशओक, आ कथएटेर गद्य क लेखक अशओक' (कवि अशओक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२२१. (A) रेसुल्टः एक कवि क हिघएस्ट कलिब्रे रेमइनेद इन्विसिब्ले कैं साहित्यिक एस्टब्लिशमेन्ट. —** अध्याय २१ निरूपित करैत अछि कलिकन्ट झा 'बुच' आ सट्यनन्द पथअक अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कलिकन्ट झा 'बुच' आ सट्यनन्द पथअक — कुर्सेद लन्द, दिस्प्लकेमेन्ट आ मोर्देनिस्ट स्वर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे रेसुल्टः एक कवि क हिघएस्ट कलिब्रे रेमइनेद इन्विसिब्ले कैं साहित्यिक एस्टब्लिशमेन्ट. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२२२. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सामाजिक-प्रोटेस्ट आ सटिरिकल पोएट्र्यः वअगत गअन (वेल्लोमे गीत), बेटि बनल पहाद (दउघटेर बेकोमेस एक मोउन्टइन), कअटेर क परिणम (कोन्सेकुएन्केस क दोब्र्य-वर्रिओर), नअरि सुनो (स्त्री, लिस्टेन), मिटिलअक दुर्दशअ (मिथिला'स मिसेर्य)... —** अध्याय २१ निरूपित करैत अछि सटिरिकल पोएट्र्य अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कलिकन्ट झा 'बुच' आ सट्यनन्द पथअक — कुर्सेद लन्द, दिस्प्लकेमेन्ट आ मोर्देनिस्ट स्वर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से सामाजिक-प्रोटेस्ट आ सटिरिकल पोएट्र्यः वअगत गअन (वेल्लोमे गीत), बेटि बनल पहाद (दउघटेर बेकोमेस एक मोउन्टइन), कअटेर क परिणम (कोन्सेकुएन्केस क दोब्र्य-वर्रिओर), नअरि सुनो (स्त्री, लिस्टेन), मिटिलअक दुर्दशअ (मिथिला'स मिसेर्य)... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२२३. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नटुरे आ लन्दस्कुपे पोएट्र्यः जेथी करह ( ओल्द रिवेर करेह), भअदइय होलि (मोन्सोओन होलि), गमय मोन पधै (I मिस्स गाम), पवस चौमस, चैटेए (स्प्रिन्ग गीतसभ). —** अध्याय २१ निरूपित करैत अछि लन्दस्कुपे पोएट्र्य अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कलिकन्ट झा 'बुच' आ सट्यनन्द पथअक — कुर्सेद लन्द, दिस्प्लकेमेन्ट आ मोर्देनिस्ट स्वर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से नटुरे आ लन्दस्कुपे पोएट्र्यः जेथी करह ( ओल्द रिवेर करेह), भअदइय होलि (मोन्सोओन होलि), गमय मोन पधै (I मिस्स गाम), पवस चौमस, चैटेए (स्प्रिन्ग गीतसभ). बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२२४. (C) समानान्तर इतिहास पेस्पेक्टिवे समझबैत अछि ईः बुच'स नोन-इन्स्टिटुटिओनल, नोन-अकदेमिक पोएटिक फोर्मटिओन मेअन्ट हे अब्सोर्बेद लिबिन्ग लोक लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली गीत (कोन अछि नटुरल्ल्य स्फओट-बसेद) रथएर थअन स्वओलस्टिक न्यय लिने क... —** अध्याय २१ निरूपित करैत अछि कलिकन्ट झा 'बुच' आ सट्यनन्द पथअक अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कलिकन्ट झा 'बुच' आ सट्यनन्द पथअक — कुर्सेद लन्द, दिस्प्लकेमेन्ट आ मोर्देनिस्ट स्वर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे समानान्तर इतिहास पेस्पेक्टिवे समझबैत अछि ईः बुच'स नोन-इन्स्टिटुटिओनल, नोन-अकदेमिक पोएटिक फोर्मटिओन मेअन्ट हे अब्सोर्बेद लिबिन्ग लोक लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली गीत (कोन अछि नटुरल्ल्य स्फओट-बसेद) रथएर थअन स्वओलस्टिक न्यय लिने क... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कैं भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२२५. (B) अपर्ट सँ म्थओलोगिकल टेक्स्ट्स, लेगेन्ड्स, फोल्क्लोरे, आ लोक गीतसभ, त्रिट्रेन इन्फोर्मिओन अबोउट कोसि छल प्रेपरेद द्वारा ब्रिटिश. —** अध्याय २२ निरूपित करैत अछि दिनेश कुमार मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे दिनेश कुमार मिश्र — एवेर नेव / निट नवल दिनेश कुमार मिश्र. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अपर्ट सँ म्थओलोगिकल टेक्स्ट्स, लेगेन्ड्स, फोल्क्लोरे, आ लोक गीतसभ, त्रिट्रेन इन्फोर्मिओन अबोउट कोसि छल प्रेपरेद द्वारा ब्रिटिश. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२२६. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हेल्ल इन्सिदे एम्बन्क्मेन्ट्स: त्रगेद्य क ३८० विल्लगेस: व्हेन एम्बन्क्मेन्ट्स छल बुइल्ट पर बोथ सिदेस क कोसि, विद्ध बीच थएम रनोद सँ ५ कें १६ कम. —** अध्याय २२ निरूपित करैत अछि दिनेश कुमार मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे दिनेश कुमार मिश्र — एवेर नेव / निट नवल दिनेश कुमार मिश्र. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से हेल्ल इन्सिदे एम्बन्क्मेन्ट्स: त्रगेद्य क ३८० विल्लगेस: व्हेन एम्बन्क्मेन्ट्स छल बुइल्ट पर बोथ सिदेस क कोसि, विद्ध बीच थएम रनोद सँ ५ कें १६ कम. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२२७. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोलिटिक्स क क्न्वोव्लेद्रे आ त्रदिटिओनल अप्रोअच: एक प्रमुख पर्ट क डॉ. —** अध्याय २२ निरूपित करैत अछि त्रदिटिओनल अप्रोअच अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे दिनेश कुमार मिश्र — एवेर नेव / निट नवल दिनेश कुमार मिश्र. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोलिटिक्स क क्न्वोव्लेद्रे आ त्रदिटिओनल अप्रोअच: एक प्रमुख पर्ट क डॉ. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२२८. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दिनेश कुमार मिश्र'स पोथी 'दुइ पटन के बिच मेइन' अछि नहि जुस्ट कथा क कोसि, बुट एक सेरिओउस अनल्लिसस क कोन्सेकुएन्केस क आधुनिक देवेलोप्मेन्ट मोदेल. —** अध्याय २२ निरूपित करैत अछि कुमार मिश्र'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे दिनेश कुमार मिश्र — एवेर नेव / निट नवल दिनेश कुमार मिश्र. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से दिनेश कुमार मिश्र'स पोथी 'दुइ पटन के बिच मेइन' अछि नहि जुस्ट कथा क कोसि, बुट एक सेरिओउस अनल्लिसस क कोन्सेकुएन्केस क आधुनिक देवेलोप्मेन्ट मोदेल. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२२९. (A) सिटुअटिओन मे सिटब दियर गाम (लोकनयक जयप्रकश नारायण'स गाम) बेकमे समीक्षात्मक., अविनिस्त्रटिवे फइलुरे आ रेलिएफ: गोवेर्न्मेन्ट फकेद हेअव्य क्रिटिकिस्म मे अस्सेम्ब्ल्य. —** अध्याय २२ निरूपित करैत अछि सिटब दियर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे दिनेश कुमार मिश्र — एवेर नेव / निट नवल दिनेश कुमार मिश्र. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे सिटुअटिओन मे सिटब दियर गाम (लोकनयक जयप्रकश नारायण'स गाम) बेकमे समीक्षात्मक., अविनिस्त्रटिवे फइलुरे आ रेलिएफ: गोवेर्न्मेन्ट फकेद हेअव्य क्रिटिकिस्म मे अस्सेम्ब्ल्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२३०. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा वय क एक देएण एक्समिनटिओन क बिहर लेगिस्लटिवे अस्सेम्ब्ल्य देबटेस, समकालीन नेव्स्पेर अक्कोउन्ट्स, आ मौखिक हिस्टोरिएस, कथा क बिहर'स फ्लोओड्स आ द्रोउघट्स एमेर्गेस नहि अस एक सेरिएस क सेपरटे नटुरल दिसस्टेर्स, बुट अस एक... —** अध्याय २२ निरूपित करैत अछि बिहर लेगिस्लटिवे अस्सेम्ब्ल्य अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे दिनेश कुमार मिश्र — एवेर नेव / निट नवल दिनेश कुमार मिश्र. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा वय क एक देएण एक्समिनटिओन क बिहर लेगिस्लटिवे अस्सेम्ब्ल्य देबटेस, समकालीन नेव्स्पेर अक्कोउन्ट्स, आ मौखिक हिस्टोरिएस, कथा क बिहर'स फ्लोओड्स आ द्रोउघट्स एमेर्गेस नहि अस एक सेरिएस क सेपरटे नटुरल दिसस्टेर्स, बुट अस एक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२३१. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्स अर्गुएद से थएय छल दोइन्ग कृति अट एक लोवेर कोस्ट द्वारा वय क गाम पन्चअयट्स. —** अध्याय २२ निरूपित करैत अछि दिनेश कुमार मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे दिनेश कुमार मिश्र — एवेर नेव / निट नवल दिनेश कुमार मिश्र. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्स अर्गुएद से थएय छल दोइन्ग कृति अट एक लोवेर कोस्ट द्वारा वय क गाम पन्चअयट्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२३२. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षा क बेचअन ठाकुर'स प्लय 'बेङ्क अप्पत्तनपर एक नजरि' दुर्गनन्द मंडल'स समीक्षा क बेचअन ठाकुर'स प्लय पर दिशओनोउर दोने कें दउघटेर्स ('बेङ्क अप्पत्तन ाओ चानर्देवा') अछि एक प्रमुख समीक्षात्मक दोकुमेन्ट. —** अध्याय २३ निरूपित करैत अछि बेचअन ठाकुर'स प्लय अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे दुर्गनन्द मंडल — समीक्षात्मक अनुसंधान आ प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से समीक्षा क बेचअन ठाकुर'स प्लय 'बेङ्क अप्पत्तनपर एक नजरि' दुर्गनन्द मंडल'स समीक्षा क बेचअन ठाकुर'स प्लय पर दिशओनोउर दोने कें दउघटेर्स ('बेङ्क अप्पत्तन ाओ चानर्देवा') अछि एक प्रमुख समीक्षात्मक दोकुमेन्ट. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२३३. (C) अध्याय प्लकेस हिटेन्द्र गुप्त (दिल्ली) इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य. —** अध्याय २५ निरूपित करैत अछि हिटेन्द्र गुप्त अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे हिटेन्द्र गुप्त (दिल्ली) — मैथिली जोर्नलिस्ट आ सांस्कृतिक रेपोर्टर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय प्लकेस हिटेन्द्र गुप्त (दिल्ली) इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु कें भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२३४. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'Aब नहि खउलट नवकऱऱ Sअरऱबक दोकऱन', समीक्षात्मक अनल्लिसस ई पिपेके कोवेर्स बिहर गोवेर्न्मेन्ट'स पोलिक्य देकिसिओन कें प्रोहिबिट नेव लिकुओर शओप लिकेन्केस, एक प्रमुख सामाजिक पोलिक्य कथा मे बिहर-झअर्खअन्द पोलिटिकल लन्दूस्कपे सँ...**

— अध्याय २५ निरूपित करैत अछि नहि खउलट नवकअ अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे हिटेन्द्र गुप्त (दिल्ली) — मैथिली जोउर्नलिस्ट आ सांस्कृतिक रेपोर्टर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'Aब नहि खउलट नवकअ Sअरअबक दोकअन', समीक्षात्मक अनलिस्सस ई पिएके कोवेर्स बिहर गोवेर्मेन्ट'स पोलिक्य देकिसिओन केँ प्रोहिबिट नेव लिकुओर शओप लिकेन्केस, एक प्रमुख सामाजिक पोलिक्य कथा मे बिहर-झअखअन्द पोलिटिकल लन्दस्कपे सँ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२३५. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर ह्रिदय नारायण झा, सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन.** — अध्याय २७ निरूपित करैत अछि ह्रिदय नारायण झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे ह्रिदय नारायण झा — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर ह्रिदय नारायण झा, सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२३६. (C) निबंध'स फुल्ल टिट्ले सिग्नल्स एकर ओरिएन्टिओन: ई अछि नहि एक केलेब्रिटीओन क एक लिबिन्ग लिने क इन्हेरिटन्के बुट एक लमेन्ट लेल एक एन्डनोरेद ओने, आ एकर पुर्पोसे अछि सिमुल्तनेओउस्त्य अर्चइवल (केँ दोकुमेन्ट की अछि बेइन्ग लोस्ट) आ अक्विविस्ट (केँ कल्ल लेल स्पेस्टेमटिक...** — अध्याय २७ निरूपित करैत अछि ह्रिदय नारायण झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे ह्रिदय नारायण झा — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे निबंध'स फुल्ल टिट्ले सिग्नल्स एकर ओरिएन्टिओन: ई अछि नहि एक केलेब्रिटीओन क एक लिबिन्ग लिने क इन्हेरिटन्के बुट एक लमेन्ट लेल एक एन्डनोरेद ओने, आ एकर पुर्पोसे अछि सिमुल्तनेओउस्त्य अर्चइवल (केँ दोकुमेन्ट की अछि बेइन्ग लोस्ट) आ अक्विविस्ट (केँ कल्ल लेल स्पेस्टेमटिक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२३७. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से त्रिदिओनल: 'करु भअव सअगर पअर हे जनना...', एक भअक्वि सुरेन्दर गीत ('के अछि म्य बोअट, के अछि म्य बोअटमन, के विल्ल टके मे अक्रोस्स?') इन्वोकिन्ग गोदेस्स अस मोथएर-फेर्म्न.** — अध्याय २७ निरूपित करैत अछि ह्रिदय नारायण झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे ह्रिदय नारायण झा — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से त्रिदिओनल: 'करु भअव सअगर पअर हे जनना...', एक भअक्वि सुरेन्दर गीत ('के अछि म्य बोअट, के अछि म्य बोअटमन, के विल्ल टके मे अक्रोस्स?') इन्वोकिन्ग गोदेस्स अस मोथएर-फेर्म्न. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२३८. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रत्यक्ष आ अनुमान मे लोक गीत अनलिस्सस गान्गेअ'स अनलिस्सस क प्रत्यक्ष (डिरेक्ट पेक्टेओन) अस प्रिमर्य स्रोत क युक्तिसंगत क्नोव्लेद्रे अछि प्रासंगिक केँ झा'स पोसिटिओन अस एक प्रक्विटीओनेर-अनल्यस्ट.** — अध्याय २७ निरूपित करैत अछि लोक गीत अनलिस्सस गान्गेअ'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे ह्रिदय नारायण झा — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रत्यक्ष आ अनुमान मे लोक गीत अनलिस्सस गान्गेअ'स अनलिस्सस क प्रत्यक्ष (डिरेक्ट पेक्टेओन) अस प्रिमर्य स्रोत क युक्तिसंगत क्नोव्लेद्रे अछि प्रासंगिक केँ झा'स पोसिटिओन अस एक प्रक्विटीओनेर-अनल्यस्ट. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२३९. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सेकोन्ड, एक कोम्परटिवे अनलिस्सस सिटुअटेस एअच बोद्य इन्सिदे ब्रोअदेर पन-इन्दिअन आ सोउथ असिअन साहित्यिक अवर्द्स लन्दस्कपे.** — अध्याय २८ निरूपित करैत अछि सोउथ असिअन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे मिथिला & मैथिली — समीक्षात्मक अनलिस्सस क इन्स्टिटुटिओन्स, अवर्द्स आ रेकोग्निटिओन फ्रमेवोर्क्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से सेकोन्ड, एक कोम्परटिवे अनलिस्सस सिटुअटेस एअच बोद्य इन्सिदे ब्रोअदेर पन-इन्दिअन आ सोउथ असिअन साहित्यिक अवर्द्स लन्दस्कपे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२४०. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य-न्यत्रय एपिस्टेमोलोग्य नव्य-न्यत्रय स्चूल, ओरिगिनटिन्ग मे मिथिला सँ गनोशअ उपधयय'स टट्वचइन्टमनि (१२थ-१३थ केन्टुरी), प्रोविदेस विदेह'स एपिस्टेमोलोगिकल ग्रोउन्दिन्ग.** — अध्याय २८ निरूपित करैत अछि नव्य-न्यत्रय एपिस्टेमोलोग्य नव्य-न्यत्रय स्चूल, ओरिगिनटिन्ग मे मिथिला सँ गनोशअ उपधयय'स टट्वचइन्टमनि (१२थ-१३थ केन्टुरी), प्रोविदेस विदेह'स एपिस्टेमोलोगिकल ग्रोउन्दिन्ग. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२४१. (A) सहित्य अकदेमि'स कनोन अछि इम्प्लिकिट आ कोन्सेर्वटिवे; विदेह'स कनोन अछि एक्स्प्लिकिट आ रेवोलुटिओनर्य.** — अध्याय २८ निरूपित करैत अछि मिथिला & मैथिली अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे मिथिला & मैथिली — समीक्षात्मक अनलिस्सस क इन्स्टिटुटिओन्स, अवर्द्स आ रेकोग्निटिओन फ्रमेवोर्क्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे सहित्य अकदेमि'स कनोन अछि इम्प्लिकिट आ कोन्सेर्वटिवे; विदेह'स कनोन अछि एक्स्प्लिकिट आ रेवोलुटिओनर्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२४२. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.** — अध्याय ३० निरूपित करैत अछि जग्दिश चअन्द्र ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' — कवि, गीतकार आ गजल संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२४३. (A)** टिट्ले अछि स्पटिअल्लय एवोकटिवे: 'धअर' मे मैथिली कन मेअन थरेशओल्द, बन्क, एद्रे, वा स्ट्रेअम; 'ओइ पर' मेअन्स 'पर से ओथएर सिदे' वा 'बेयोन्द.' टिट्ले थउस कोन्जुरेस एक लिमिनल पोएटिक्स, एक रेअचइन्ग टोवर्द की लिएस बेयोन्द इम्मेदिअटे एक्स्पेरिएन्के, क्थेथएर... — अध्याय ३० निरूपित करैत अछि जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' — कवि, गीतकार आ गजल संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे टिट्ले अछि स्पटिअल्लय एवोकटिवे: 'धअर' मे मैथिली कन मेअन थरेशओल्द, बन्क, एद्रे, वा स्ट्रेअम; 'ओइ पर' मेअन्स 'पर से ओथएर सिदे' वा 'बेयोन्द.' टिट्ले थउस कोन्जुरेस एक लिमिनल पोएटिक्स, एक रेअचइन्ग टोवर्द की लिएस बेयोन्द इम्मेदिअटे एक्स्पेरिएन्के, क्थेथएर... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२४४. (B)** हुनकर गजल इमगेर्य कोम्बिनेस शास्त्रीय मैथिली ल्यिक ट्रोपेस, बेलोवेद'स फके, मोन्सोओन एवेनिन्स, फलमे आ मोथ, सोउन्ड क वटेर, सँ समकालीन पोलिटिकल कोन्किओउस्नेस्स: 'द्रुन्क' मे गजल अछि सोमेटिमेस ओप्प्रेस्सेद सुब्जेक्ट के अछि बेएन... — अध्याय ३० निरूपित करैत अछि जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' — कवि, गीतकार आ गजल संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर गजल इमगेर्य कोम्बिनेस शास्त्रीय मैथिली ल्यिक ट्रोपेस, बेलोवेद'स फके, मोन्सोओन एवेनिन्स, फलमे आ मोथ, सोउन्ड क वटेर, सँ समकालीन पोलिटिकल कोन्किओउस्नेस्स: 'द्रुन्क' मे गजल अछि सोमेटिमेस ओप्प्रेस्सेद सुब्जेक्ट के अछि बेएन... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२४५. (C)** रेपेअटेद उसे क 'टोर' (योउर / इन्फोर्मल सेकोन्ड पेसॉन) एस्टब्लिशएस इन्टिमक्य, पोएम अद्रेस्सेस एक बेलोवेद, एक मोथएर, मैथिली भाषा इट्सेल्फ, वा लन्द क मिथिला. — अध्याय ३० निरूपित करैत अछि जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' — कवि, गीतकार आ गजल संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे रेपेअटेद उसे क 'टोर' (योउर / इन्फोर्मल सेकोन्ड पेसॉन) एस्टब्लिशएस इन्टिमक्य, पोएम अद्रेस्सेस एक बेलोवेद, एक मोथएर, मैथिली भाषा इट्सेल्फ, वा लन्द क मिथिला. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२४६. (A)** अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'अनिल'स ौटोबिओग्रफय एन्टेर्स ई लिने क इन्हेरिटन्के, प्रेसुमब्ल्य नरटिन्ग हुनकर लिफे अस एक मैथिली लेखक अक्रोस्स देकदेस से सब भाषा'स स्टुग्ले लेल रेकोग्निटिओन, रिसे क डिजिटल पुब्लिशइन्ग रेवोलुटिओन, आ ... — अध्याय ३० निरूपित करैत अछि जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे जग्दिश चअन्द्र ठाकुर 'अनिल' — कवि, गीतकार आ गजल संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'अनिल'स ौटोबिओग्रफय एन्टेर्स ई लिने क इन्हेरिटन्के, प्रेसुमब्ल्य नरटिन्ग हुनकर लिफे अस एक मैथिली लेखक अक्रोस्स देकदेस से सब भाषा'स स्टुग्ले लेल रेकोग्निटिओन, रिसे क डिजिटल पुब्लिशइन्ग रेवोलुटिओन, आ ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२४७. (D)** अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्रिटिक्स अछि प्लकेद हुनकर कथासभ इन्सिदे लिने क इन्हेरिटन्के से ओउट्लोओक भारत'स कथअकर अशओक इदेन्टिफिएद अस कोन्स्टिटुटिन्ग एक 'व्यापक कोम्मुनिटय इन्टेग्रटेद सँ मैथिली साहित्य द्वारा वय क हुनकर कृतिसभ', अलोन्सिदे रम विलस सहू... — अध्याय ३१ निरूपित करैत अछि ओउट्लोओक भारत'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे जग्दिश प्रसाद मंडल — उपन्यासकार, लघु-कथा लेखक आ फर्मेर-लिटरेचर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्रिटिक्स अछि प्लकेद हुनकर कथासभ इन्सिदे लिने क इन्हेरिटन्के से ओउट्लोओक भारत'स कथअकर अशओक इदेन्टिफिएद अस कोन्स्टिटुटिन्ग एक 'व्यापक कोम्मुनिटय इन्टेग्रटेद सँ मैथिली साहित्य द्वारा वय क हुनकर कृतिसभ', अलोन्सिदे रम विलस सहू... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२४८. (C)** पोथी थउस सेर्वेस अस एक 'फकेबोओक मेट-इतिहास' क मिथिला: मिक्को-निबंधसभ, मेदिटिओन्स, सामाजिक ओब्सेर्विओन्स, आ सांस्कृतिक फ्रग्मेन्ट्स दिस्ट्रिबुटेद पर सामाजिक मेदिअ आ नोव कोल्लेक्टेद मे प्रिन्ट. — अध्याय ३२ निरूपित करैत अछि फकेबोओक मेट-इतिहास' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. कइलश कुमार मिश्र — समीक्षात्मक अनुसंधान आ प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे पोथी थउस सेर्वेस अस एक 'फकेबोओक मेट-इतिहास' क मिथिला: मिक्को-निबंधसभ, मेदिटिओन्स, सामाजिक ओब्सेर्विओन्स, आ सांस्कृतिक फ्रग्मेन्ट्स दिस्ट्रिबुटेद पर सामाजिक मेदिअ आ नोव कोल्लेक्टेद मे प्रिन्ट. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२४९. (C)** विदेह सदेह २९ (कोनैथओरेद सँ रविभउशअन पथअक) विदेह सदेह अछि एक थएमटिक अन्थओलोग्य सेरिएस प्रकाशित द्वारा विदेह कोल्लेक्टिन्ग ' फिनेस्ट मैथिली प्रोसे आ पोएट्रय' सँ पत्रिका'स ३५० इस्सुएस. — अध्याय ३२ निरूपित करैत अछि रविभउशअन पथअक अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. कइलश कुमार मिश्र — समीक्षात्मक अनुसंधान आ प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे विदेह सदेह २९ (कोनैथओरेद सँ रविभउशअन पथअक) विदेह सदेह अछि एक थएमटिक अन्थओलोग्य सेरिएस प्रकाशित द्वारा विदेह कोल्लेक्टिन्ग ' फिनेस्ट मैथिली प्रोसे आ पोएट्रय' सँ पत्रिका'स ३५० इस्सुएस. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२५०. (D)** अध्याय उल्लेख करैत अछि से मिश्र'स त्रिटिन्ग अछि अकुटेल्य अलेर्त केँ ई दनोर: हे दोकुमेन्ट्स केना उप्पेर-कस्ते मिथिला पहचान आ सांस्कृतिक नटिओनलिस्म अछि ओफटेन सिलेन्केद दलिट, स्त्री'स, आ अदिवसि स्वरसभ एवेन क्लिले केलेब्रटिन्ग 'मैथिली संस्कृति.' होमि K. — अध्याय ३२ निरूपित करैत अछि होमि K अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. कइलश कुमार मिश्र — समीक्षात्मक अनुसंधान आ प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से मिश्र'स त्रिटिन्ग अछि अकुटेल्य अलेर्त केँ ई दनोर: हे दोकुमेन्ट्स केना उप्पेर-कस्ते मिथिला पहचान आ सांस्कृतिक नटिओनलिस्म अछि ओफटेन सिलेन्केद दलिट, स्त्री'स, आ अदिवसि स्वरसभ एवेन क्लिले केलेब्रटिन्ग 'मैथिली संस्कृति.' होमि K. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२५१. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स कल्पन झा, दिल्ली सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक क्रमे.** — अध्याय ३३ निरूपित करैत अछि कल्पन झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स कल्पन झा, दिल्ली सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक क्रमे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२५२. (B) एक्स्प्लिकिट PDF अवइलबिलिटि क हुनकर कृतिसभ द्वारा वय क विदेह, मे कोन्स्ट्रक्ट केँ मइन्स्ट्रेअम मैथिली पुब्लिशर्स के रेमइन प्रिन्ट-बोउन्ड, पोसिटिओन्स कल्पन झा फिर्म्थ इन्सिदे विदेह समानान्तर साहित्यिक मोवेमेन्ट: क्लुस्टर क स्त्री आ सुबल्टेर्न त्रिटेर्स के...** — अध्याय ३३ निरूपित करैत अछि कल्पन झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे एक्स्प्लिकिट PDF अवइलबिलिटि क हुनकर कृतिसभ द्वारा वय क विदेह, मे कोन्स्ट्रक्ट केँ मइन्स्ट्रेअम मैथिली पुब्लिशर्स के रेमइन प्रिन्ट-बोउन्ड, पोसिटिओन्स कल्पन झा फिर्म्थ इन्सिदे विदेह समानान्तर साहित्यिक मोवेमेन्ट: क्लुस्टर क स्त्री आ सुबल्टेर्न त्रिटेर्स के... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२५३. (B) हुनकर इन्क्लुसिओन अलोन्सिदे प्रेएटि ठाकुर, विभअ रनि, कमिनि कमयनि, सुस्मिट पथअक, पन्न झा, आ प्रेम्लट मिश्र प्रेम (अस कहल गेल द्वारा इर मल्लिक मे विदेह समानान्तर इतिहास पर्ट ८२) कोन्फिर्म्स हुनकर मेम्बर्शइप मे विदेह स्त्री'स कोउन्टेर-कनोन.** — अध्याय ३३ निरूपित करैत अछि प्रेएटि ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर इन्क्लुसिओन अलोन्सिदे प्रेएटि ठाकुर, विभअ रनि, कमिनि कमयनि, सुस्मिट पथअक, पन्न झा, आ प्रेम्लट मिश्र प्रेम (अस कहल गेल द्वारा इर मल्लिक मे विदेह समानान्तर इतिहास पर्ट ८२) कोन्फिर्म्स हुनकर मेम्बर्शइप मे विदेह स्त्री'स कोउन्टेर-कनोन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२५४. (B) टेर्म देरिवेस सँ संस्कृत 'गो-स्वमि' (मस्टर क सेन्सेस, लोर्ड), आ अछि उसेद मे मिथिला केँ देसिगनटे बोथ देइत्य क एक होउसेहोल्ड श्रीने आ प्रेसिदिना देइत्य क एक सक्रेद ग्रोवे वा विल्लगेसिटे (देओ-स्थअन).** — अध्याय ३३ निरूपित करैत अछि कल्पन झा, दिल्ली अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे टेर्म देरिवेस सँ संस्कृत 'गो-स्वमि' (मस्टर क सेन्सेस, लोर्ड), आ अछि उसेद मे मिथिला केँ देसिगनटे बोथ देइत्य क एक होउसेहोल्ड श्रीने आ प्रेसिदिना देइत्य क एक सक्रेद ग्रोवे वा विल्लगेसिटे (देओ-स्थअन). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२५५. (B) गेन्ने दिस्टिन्क्टिओन अछि क्लिकअल: गेएट (गीत) मे मैथिली करिएस एक भिन्न गेनेरिक स्टटुस सँ कविट (पोएम).** — अध्याय ३३ निरूपित करैत अछि कल्पन झा, दिल्ली अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे गेन्ने दिस्टिन्क्टिओन अछि क्लिकअल: गेएट (गीत) मे मैथिली करिएस एक भिन्न गेनेरिक स्टटुस सँ कविट (पोएम). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२५६. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा चूसिना गेएट फोर्म लेल हुनकर भक्तिपरक कृति, कल्पन झा पोसिटिओन्स हेर्सेल्फ इन्सिदे ओरल्लय ग्रोउन्डेड फोल्क्रेल्लिगिओउस लिने क इन्हेरिटन्के रथएर थअन टेक्स्टुअल्लय ओरिएन्टेड मइन्स्ट्रेअम साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के.** — अध्याय ३३ निरूपित करैत अछि कल्पन झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा चूसिना गेएट फोर्म लेल हुनकर भक्तिपरक कृति, कल्पन झा पोसिटिओन्स हेर्सेल्फ इन्सिदे ओरल्लय ग्रोउन्डेड फोल्क्रेल्लिगिओउस लिने क इन्हेरिटन्के रथएर थअन टेक्स्टुअल्लय ओरिएन्टेड मइन्स्ट्रेअम साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२५७. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कल्पन झा'स भक्तिपरक गीतसभ, अद्देस्सेद केँ स्त्री देइत्य (गोसउनिन), ओक्कुप्य एक स्पेकिफिक लोकस मे ई लिने क इन्हेरिटन्के: थएय एन्गगे शअक्ट स्त्रन्ड क मैथिली देवोतिओन, मे कोन गोद्देस्स अछि नहि दिस्टन्ट त्रन्स्केन्डेन्ट...** — अध्याय ३३ निरूपित करैत अछि कल्पन झा, दिल्ली अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से कल्पन झा'स भक्तिपरक गीतसभ, अद्देस्सेद केँ स्त्री देइत्य (गोसउनिन), ओक्कुप्य एक स्पेकिफिक लोकस मे ई लिने क इन्हेरिटन्के: थएय एन्गगे शअक्ट स्त्रन्ड क मैथिली देवोतिओन, मे कोन गोद्देस्स अछि नहि दिस्टन्ट त्रन्स्केन्डेन्ट... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२५८. (A) मे नव्य-न्यय टेम्स, भक्तिपरक गेएट अस एक गेन्ने मकेस एक स्पेकिफिक एपिस्टेमोलोगिकल क्लाइम: ई अस्सेट्स ङअब्द-प्रमअ (वेर्बल टेस्टिमोन्य अस एक स्रोत क युक्तिसंगत कोग्निटिओन) द्वारा वय क मेदिउम क प्रयेर, मे कोन हुमन वोर्शइप्पेर'स वेर्बल अद्देस्स केँ ...** — अध्याय ३३ निरूपित करैत अछि कल्पन झा, दिल्ली अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे नव्य-न्यय टेम्स, भक्तिपरक गेएट अस एक गेन्ने मकेस एक स्पेकिफिक एपिस्टेमोलोगिकल क्लाइम: ई अस्सेट्स ङअब्द-प्रमअ (वेर्बल टेस्टिमोन्य अस एक स्रोत क युक्तिसंगत कोग्निटिओन) द्वारा वय क मेदिउम क प्रयेर, मे कोन हुमन वोर्शइप्पेर'स वेर्बल अद्देस्स केँ ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२५९. (C) थएय छथि/अछि देसिगनेद केँ हो सुन्ग कोल्लेक्टिवेल्य, मे ग्रोउप्स, पर सामाजिक ओक्कसिओन्स (पन्वअयट मेएटिन्स, स्त्री'स ग्रोउप्स, गाम अस्सेम्ब्लिएस), आ हुनकर हेंटोरिकल स्त्रटेग्य अछि से क शअरेद अप्पेक्क्टिवे एक्स्पेरिएन्के रथएर थअन इन्डिविदुअल कोन्विक्टिओन.** — अध्याय ३३

निरूपित करैत अछि कल्पन झा, दिल्ली अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे थएय छथि/अछि देसिगनेद केँ हो सुन्ना कोल्लेक्टिवेल्य, मे ग्रोउप्स, पर सामाजिक ओक्कसिओन्स (पन्चअयट मेएटिन्स, स्त्री'स ग्रोउप्स, गाम अस्सेम्ब्लिएस), आ हुनकर हेंदोरिकल स्ट्रटेग्य अछि से क शअरेद अप्पेक्टिवे एक्स्पेरिण्के रथएर थअन इन्डिविदुअल कोन्विक्टिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२६०. (C) संरक्षण क एक लोरी लिने क इन्हेरिटन्के मे ब्रिटैन आ डिजिटल फोर्म अछि थउस एक अक्ट क फेमिनिस्ट सांस्कृतिक पोलिटिक्स: ई रेस्कुएस सँ ओब्लिविओन एक फोर्म क स्त्री'स क्रेअटिवे लबोउर से अछि बेएन स्प्टेमटिकल्लय एक्स्क्लुदेद सँ कनोनिकल साहित्यिक रेकोर्ड.** — अध्याय ३३

निरूपित करैत अछि कल्पन झा, दिल्ली अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे संरक्षण क एक लोरी लिने क इन्हेरिटन्के मे ब्रिटैन आ डिजिटल फोर्म अछि थउस एक अक्ट क फेमिनिस्ट सांस्कृतिक पोलिटिक्स: ई रेस्कुएस सँ ओब्लिविओन एक फोर्म क स्त्री'स क्रेअटिवे लबोउर से अछि बेएन स्प्टेमटिकल्लय एक्स्क्लुदेद सँ कनोनिकल साहित्यिक रेकोर्ड. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२६१. (D) हुनकर ओव्न कृति थउस पर्टिकिपेटेस मे विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे'स रेकोवेर्य क स्त्री'स साहित्यिक स्वरसभ, आ कल्पन झा'स अनुवाद क हुनकर त्रवेल नर्रटिवे एक्स्टेन्ड्स ई रेकोवेर्य इन्टो हिन्दी-रेअदिना स्फएरे.** — अध्याय ३३ निरूपित करैत अछि कल्पन झा'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर ओव्न कृति थउस पर्टिकिपेटेस मे विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे'स रेकोवेर्य क स्त्री'स साहित्यिक स्वरसभ, आ कल्पन झा'स अनुवाद क हुनकर त्रवेल नर्रटिवे एक्स्टेन्ड्स ई रेकोवेर्य इन्टो हिन्दी-रेअदिना स्फएरे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२६२. (A) हुनकर चओइके क गीत-गेएट फोर्म रथएर थअन कवित (पोएम) वा कथअ (कथा) अछि इट्सेल्फ एक पोसिटिओनिन्ग इन्सिदे मैथिली साहित्यिक फिएल्ड: गीतसभ छथि/अछि कोन्सिदेरेद एक लोवेर-प्रेस्टिगे फोर्म थअन 'प्रोपेर' साहित्यिक पोएट्र्य, अस्सोकिअटेद सँ स्त्री'स दोमेस्टिक आ रेलिगिओउस...** — अध्याय ३३ निरूपित करैत अछि कल्पन झा, दिल्ली अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कल्पन झा, दिल्ली — गीत-कवि, भक्तिपरक गीतकार आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर चओइके क गीत-गेएट फोर्म रथएर थअन कवित (पोएम) वा कथअ (कथा) अछि इट्सेल्फ एक पोसिटिओनिन्ग इन्सिदे मैथिली साहित्यिक फिएल्ड: गीतसभ छथि/अछि कोन्सिदेरेद एक लोवेर-प्रेस्टिगे फोर्म थअन 'प्रोपेर' साहित्यिक पोएट्र्य, अस्सोकिअटेद सँ स्त्री'स दोमेस्टिक आ रेलिगिओउस... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२६३. (C) थएमटिक स्थणएसिस: कमल'स विसिओन क मिथिला आ वोल्ड ११.** — अध्याय ३५ निरूपित करैत अछि थएमटिक स्थणएसिस अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कमलेश्वर झा 'कमल' — गेएट, गीत-पोएम आ मैथिली लिग्रिक परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे थएमटिक स्थणएसिस: कमल'स विसिओन क मिथिला आ वोल्ड ११. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२६४. (B) इन्टेरेस्ट्स: देएप लोवे लेल मोथएर टोन्गुए मैथिली, रेअदिना आ ब्रिटिन्ग, स्पेकिअल इन्टेरेस्ट मे पोएट्र्य, कथा, गीतसभ आ संगीत.** — अध्याय ३५ निरूपित करैत अछि कमलेश्वर झा 'कमल' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कमलेश्वर झा 'कमल' — गेएट, गीत-पोएम आ मैथिली लिग्रिक परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे इन्टेरेस्ट्स: देएप लोवे लेल मोथएर टोन्गुए मैथिली, रेअदिना आ ब्रिटिन्ग, स्पेकिअल इन्टेरेस्ट मे पोएट्र्य, कथा, गीतसभ आ संगीत. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२६५. (D) मिथिला सन्स्क्रिट परिशद, कोल्कट, हुनकर पुब्लिशएर, अछि प्रेकिसेल्य सुच एक इन्स्टिटुटिओनल मेचअनिस्म: एक सांस्कृतिक ओर्गानिसटिओन क कोल्कट मैथिली दिअस्पोर देदिकटेद केँ संरक्षण आ प्रोमोटिओन क मैथिली भाषा आ संस्कृति फर सँ होमेलन्ड.** — अध्याय ३५ निरूपित करैत अछि कोल्कट मैथिली अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कमलेश्वर झा 'कमल' — गेएट, गीत-पोएम आ मैथिली लिग्रिक परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मिथिला सन्स्क्रिट परिशद, कोल्कट, हुनकर पुब्लिशएर, अछि प्रेकिसेल्य सुच एक इन्स्टिटुटिओनल मेचअनिस्म: एक सांस्कृतिक ओर्गानिसटिओन क कोल्कट मैथिली दिअस्पोर देदिकटेद केँ संरक्षण आ प्रोमोटिओन क मैथिली भाषा आ संस्कृति फर सँ होमेलन्ड. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२६६. (D) फिर्स्ट एन्ड्स सँ कवि'स सिग्नदुरे: 'सुनहु दयनिधअन विनटि मोर / सकल कमल विघन करु दुर', एस्टब्लिशइन्ग कवि'स स्वर अस एक हुम्ब्ले पेटिटिओनेर बेफोरे देइत्य.** — अध्याय ३५ निरूपित करैत अछि सकल कमल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कमलेश्वर झा 'कमल' — गेएट, गीत-पोएम आ मैथिली लिग्रिक परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे फिर्स्ट एन्ड्स सँ कवि'स सिग्नदुरे: 'सुनहु दयनिधअन विनटि मोर / सकल कमल विघन करु दुर', एस्टब्लिशइन्ग कवि'स स्वर अस एक हुम्ब्ले पेटिटिओनेर बेफोरे देइत्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२६७. (C) थएसे गीतसभ छथि/अछि स्पेकिफिकल्लय एम्बेदेद मे मिथिला-केन्ट्रिक रमयन लिने क इन्हेरिटन्के से रेगर्ड्स जनकि (सिट) अस दउघटेर क मिथिला सोइल.** — अध्याय ३५ निरूपित करैत अछि मिथिला-केन्ट्रिक रमयन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कमलेश्वर झा 'कमल' — गेएट, गीत-पोएम आ मैथिली लिग्रिक परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे थएसे गीतसभ छथि/अछि स्पेकिफिकल्लय एम्बेदेद मे मिथिला-केन्ट्रिक रमयन लिने क इन्हेरिटन्के से रेगर्ड्स जनकि (सिट) अस दउघटेर क मिथिला सोइल. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२६८. (C)** अध्याय उल्लेख करैत अछि से कमल'स फिवे नछअरि गीतसभ केलेब्रटे शइव अस भओलनथ, दिगम्बर (स्वयंलद), भअन्ग-द्विक्किन्ग अस्केटिक के मरिएस बैटिफुल गउरि देस्पिटे हुनकर अप्परेन्ट उन्सुइटबिलिटि, एक गेत्रे क कोमिक-भक्तिपरक गीत उनिकुए केँ मिथिला. — अध्याय ३५ निरूपित करैत अछि कमेशवर झा 'कमल' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कमेशवर झा 'कमल' — गेएट, गीत-पोएम आ मैथिली ल्यिक परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से कमल'स फिवे नछअरि गीतसभ केलेब्रटे शइव अस भओलनथ, दिगम्बर (स्वयंलद), भअन्ग-द्विक्किन्ग अस्केटिक के मरिएस बैटिफुल गउरि देस्पिटे हुनकर अप्परेन्ट उन्सुइटबिलिटि, एक गेत्रे क कोमिक-भक्तिपरक गीत उनिकुए केँ मिथिला. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२६९. (A)** शइव विवह गीतसभ एक्स्प्लोरे मइय मइन'स (पर्वटि'स मोथएर'स) अन्क्सिएटिएस अबोउट मर्यिन्ग हुनकर दउघटेर केँ ई उन्कोन्वेन्टिओनल देइत्य, एक दोमेस्टिक कोमेद्य रोओटेद मे लोक लिने क इन्हेरिटन्के. — अध्याय ३५ निरूपित करैत अछि मइय मइन'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कमेशवर झा 'कमल' — गेएट, गीत-पोएम आ मैथिली ल्यिक परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे शइव विवह गीतसभ एक्स्प्लोरे मइय मइन'स (पर्वटि'स मोथएर'स) अन्क्सिएटिएस अबोउट मर्यिन्ग हुनकर दउघटेर केँ ई उन्कोन्वेन्टिओनल देइत्य, एक दोमेस्टिक कोमेद्य रोओटेद मे लोक लिने क इन्हेरिटन्के. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२७०. (B)** थएसे छथि/अछि मे रेगिस्टर क त्रिदिटिओनल स्त्री'स गीत गेत्रेस (सोहर, विवह गेएट, विदपट) से फोर्म मौखिक-अनुष्ठानिक साहित्य क मिथिला स्त्री. — अध्याय ३५ निरूपित करैत अछि कमेशवर झा 'कमल' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कमेशवर झा 'कमल' — गेएट, गीत-पोएम आ मैथिली ल्यिक परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे थएसे छथि/अछि मे रेगिस्टर क त्रिदिटिओनल स्त्री'स गीत गेत्रेस (सोहर, विवह गेएट, विदपट) से फोर्म मौखिक-अनुष्ठानिक साहित्य क मिथिला स्त्री. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२७१. (D)** अध्याय उल्लेख करैत अछि से ट ह ए G ए ए ट ( S ओ न ग, P ओ ए म ) एक स L इ ट ए र एक र य फो र म: I न द इ एक न T ह ए ओ र ए ट इ क एक ल F र एक म ए व ओ र क ४.१ स थएओर्य आ ल्यिक एमोटिओन भअरट मुनि'स नट्यशअस्त्र (क. — अध्याय ३५ निरूपित करैत अछि रस थएओर्य अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कमेशवर झा 'कमल' — गेएट, गीत-पोएम आ मैथिली ल्यिक परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ट ह ए G ए ए ट ( S ओ न ग, P ओ ए म ) एक स L इ ट ए र एक र य फो र म: I न द इ एक न T ह ए ओ र ए ट इ क एक ल F र एक म ए व ओ र क ४.१ स थएओर्य आ ल्यिक एमोटिओन भअरट मुनि'स नट्यशअस्त्र (क. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२७२. (C)** रोमन्टिक गीतसभ ( विरह गीतसभ क सेपरटेद विफे, क्रिशन-रधअ गीतसभ) एवोके श्रीनार रस (लोवे), बोथ सम्भओग श्रीनार (लोवे मे उनिओन, अस मे गोकुलशटमि गीतसभ) आ विप्रलम्भअ श्रीनार (लोवे मे सेपरटिओन, अस मे विफे'स मोन्सोओन... — अध्याय ३५ निरूपित करैत अछि श्रीनार रस अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कमेशवर झा 'कमल' — गेएट, गीत-पोएम आ मैथिली ल्यिक परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे रोमन्टिक गीतसभ ( विरह गीतसभ क सेपरटेद विफे, क्रिशन-रधअ गीतसभ) एवोके श्रीनार रस (लोवे), बोथ सम्भओग श्रीनार (लोवे मे उनिओन, अस मे गोकुलशटमि गीतसभ) आ विप्रलम्भअ श्रीनार (लोवे मे सेपरटिओन, अस मे विफे'स मोन्सोओन... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२७३. (D)** अध्याय उल्लेख करैत अछि से कमल'स गीतसभ एक्सिस्ट मे ई ह्यिब्रद स्पके बीच शास्त्रीय आ लोक, बीच टेक्स्टुअल आ मौखिक, बीच संस्कृत-इन्फ्लुएन्केद भक्तिपरक लिने क इन्हेरिटन्के आ लिविन्ग वेर्नकुलर. — अध्याय ३५ निरूपित करैत अछि कमेशवर झा 'कमल' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कमेशवर झा 'कमल' — गेएट, गीत-पोएम आ मैथिली ल्यिक परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से कमल'स गीतसभ एक्सिस्ट मे ई ह्यिब्रद स्पके बीच शास्त्रीय आ लोक, बीच टेक्स्टुअल आ मौखिक, बीच संस्कृत-इन्फ्लुएन्केद भक्तिपरक लिने क इन्हेरिटन्के आ लिविन्ग वेर्नकुलर. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२७४. (A)** अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोस्टकोलोनिअल क्रिटिकिस्म (फ्रन्ट्ज फनोन, होमि भअभअ, गयट्रि स्पिक्क, एद्वर्ड सइद) अद्वेस्सेस दोउब्ले मर्गिनलिजिटिओन क मैथिली साहित्य: फिर्स्ट, अस एक रेगिओनल भाषा ओवेशअदोवेद द्वारा हिन्दी मे इन्दिअन नटिओनल इमगिनर्य; सेकोन्ड... — अध्याय ३६ निरूपित करैत अछि फ्रन्ट्ज फनोन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. कमिनि कमयिनि आ कपिलेशवर रउट — पोएट्र्य, प्रोसे आ सामाजिक रेअलिस्म. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से पोस्टकोलोनिअल क्रिटिकिस्म (फ्रन्ट्ज फनोन, होमि भअभअ, गयट्रि स्पिक्क, एद्वर्ड सइद) अद्वेस्सेस दोउब्ले मर्गिनलिजिटिओन क मैथिली साहित्य: फिर्स्ट, अस एक रेगिओनल भाषा ओवेशअदोवेद द्वारा हिन्दी मे इन्दिअन नटिओनल इमगिनर्य; सेकोन्ड... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२७५. (B)** अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि प्रेकिसेल्य किन्द क कुएस्टिओन से नव्य न्यय टेचनिकुए (दिस्कुस्सेद बेलोव) अछि एकुइप्पेद केँ रेसोल्वे. — अध्याय ३८ निरूपित करैत अछि डॉ. किर्तिनथ झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. किर्तिनथ झा — फय्सिकिअन, अनुवादक, लघु कथा लेखक आ सांस्कृतिक ब्रिद्रे. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि प्रेकिसेल्य किन्द क कुएस्टिओन से नव्य न्यय टेचनिकुए (दिस्कुस्सेद बेलोव) अछि एकुइप्पेद केँ रेसोल्वे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२७६. (C)** हुनकर फथएर, श्री सिटनन्द रय ('नन्दु'), आ मोथएर, श्रीमटि अनुपम देवि, प्रोविदेद एक दोमेस्टिक एन्विरोन्मेन्ट मर्केद द्वारा मौखिक त्रिदिटिओन्स क मैथिली स्पेच आ गीत. — अध्याय ३९ निरूपित करैत अछि श्री सिटनन्द रय अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. किशअन करिगर — कवि, हुमोरिस्ट, जोर्नलिस्ट आ सुबल्टेर्न स्वर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर फथएर, श्री सिटनन्द रय ('नन्दु'), आ मोथएर, श्रीमटि अनुपम देवि,

प्रोविदेद एक दोमेस्टिक एन्विरोन्मेन्ट मर्केद द्वारा मौखिक त्रिदिओन्स क मैथिली स्पेच आ गीत. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२७७. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्ट्रुक्चरल आ इमगिस्टिक अनलिसिस पोएम ओपेन्स सँ एक ट्रिप्ले रेफ्रइन, "नइह बिसरइचअ... नइह बिसरइचअ / एको पलक लेल नइह बिसरइचअ", से फुन्किटओन्स अस एक फोर्मल अनफओर बिन्दिना पोएम'स थरेए मोवेमेन्ट्स टोगेथएर. —** अध्याय ४० निरूपित करैत अछि इमगिस्टिक अनलिसिस अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे कुमार पवन — फिक्किटओन लेखक, सटिरिस्ट आ कवि. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्ट्रुक्चरल आ इमगिस्टिक अनलिसिस पोएम ओपेन्स सँ एक ट्रिप्ले रेफ्रइन, "नइह बिसरइचअ... नइह बिसरइचअ / एको पलक लेल नइह बिसरइचअ", से फुन्किटओन्स अस एक फोर्मल अनफओर बिन्दिना पोएम'स थरेए मोवेमेन्ट्स टोगेथएर. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२७८. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से मउन ग्रेव उप मे एक मिलिएउ सटुरटेद सँ टेक्स्टुरेस क मिथिला'स लिविना संस्कृति: जमिन्दर प्रोटोकल आ लन्धओल्दिना स्ट्रुक्चुरेस पर ओने सिदे, हुनकर मोथएर'स लोक गीतसभ, क्लय-दोल्ल क्रफ्ट्स, आ किन्स्फोल्क'स त्रिदिओनल पेफोर्मिना अर्ट्स पर ...** — अध्याय ४४ निरूपित करैत अछि डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन' — बिओग्रफय, इन्टेल्लेक्टुअल जोउर्नेय आ फ्रग्नन्के-सेएकिना क्रिटिक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से मउन ग्रेव उप मे एक मिलिएउ सटुरटेद सँ टेक्स्टुरेस क मिथिला'स लिविना संस्कृति: जमिन्दर प्रोटोकल आ लन्धओल्दिना स्ट्रुक्चुरेस पर ओने सिदे, हुनकर मोथएर'स लोक गीतसभ, क्लय-दोल्ल क्रफ्ट्स, आ किन्स्फोल्क'स त्रिदिओनल पेफोर्मिना अर्ट्स पर ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२७९. (D) मे नेपाल हे लउन्वएद कुअर्टेल्य 'मैथिली' (मैथिली सहित्य परिशद, बिरटनगर, १९७०-७३), फिर्स्ट मैथिली साहित्यिक पत्रिका सँ नेपाल, एदिदिना ई अस एक बि-नटिओनल सांस्कृतिक ब्रिदे. —** अध्याय ४४ निरूपित करैत अछि डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन' — बिओग्रफय, इन्टेल्लेक्टुअल जोउर्नेय आ फ्रग्नन्के-सेएकिना क्रिटिक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे नेपाल हे लउन्वएद कुअर्टेल्य 'मैथिली' (मैथिली सहित्य परिशद, बिरटनगर, १९७०-७३), फिर्स्ट मैथिली साहित्यिक पत्रिका सँ नेपाल, एदिदिना ई अस एक बि-नटिओनल सांस्कृतिक ब्रिदे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२८०. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे छल समर्थित मे ई एन्टेप्रिसे द्वारा नेपाल गोवेन्मेन्ट ओप्फिकिअल्स आ द्वारा थएन ग्रिमे मिनिस्टर मट्रिक प्रसाद कोइरल के वलुएद हुनकर स्वओलर्शइप आ फ्रिएन्ड्शइप. —** अध्याय ४४ निरूपित करैत अछि ग्रिमे मिनिस्टर मट्रिक प्रसाद कोइरल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन' — बिओग्रफय, इन्टेल्लेक्टुअल जोउर्नेय आ फ्रग्नन्के-सेएकिना क्रिटिक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे छल समर्थित मे ई एन्टेप्रिसे द्वारा नेपाल गोवेन्मेन्ट ओप्फिकिअल्स आ द्वारा थएन ग्रिमे मिनिस्टर मट्रिक प्रसाद कोइरल के वलुएद हुनकर स्वओलर्शइप आ फ्रिएन्ड्शइप. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२८१. (D) हुनकर पोसिटिओन अछि क्लोसेर केँ से क टुमन कपोटे'स 'नोन-फिक्किटओन उपन्यास' मे एकर अम्बिटिओन केँ प्रोदुके साहित्यिक टेक्स्ट सँ दोकुमेन्टर्य मटेरिअल, बुट विथओउट अमेरिकन टेन्डेन्क्य टोवर्द लेखक'स एगो अस सुब्जेक्ट. मउन'स रेपोर्टींग अछि सिमुल्तनेओउसल्य दोकुमेन्टिओन...** — अध्याय ४४ निरूपित करैत अछि टुमन कपोटे'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मउन' — बिओग्रफय, इन्टेल्लेक्टुअल जोउर्नेय आ फ्रग्नन्के-सेएकिना क्रिटिक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर पोसिटिओन अछि क्लोसेर केँ से क टुमन कपोटे'स 'नोन-फिक्किटओन उपन्यास' मे एकर अम्बिटिओन केँ प्रोदुके साहित्यिक टेक्स्ट सँ दोकुमेन्टर्य मटेरिअल, बुट विथओउट अमेरिकन टेन्डेन्क्य टोवर्द लेखक'स एगो अस सुब्जेक्ट. मउन'स रेपोर्टींग अछि सिमुल्तनेओउसल्य दोकुमेन्टिओन... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२८२. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि ाँचइत्य अस सांस्कृतिक लोयल्य, फिट्नेस्स क लेखक केँ हुनकर लिने क इन्हेरिटन्के. —** अध्याय ४५ निरूपित करैत अछि मेएन झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे मेएन झा — कथा-लेखक आ फेमिनिस्ट स्वर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि ाँचइत्य अस सांस्कृतिक लोयल्य, फिट्नेस्स क लेखक केँ हुनकर लिने क इन्हेरिटन्के. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२८३. (C) हुनकर कृति अछि प्रकाशित एक्स्क्लुसिवेल्य द्वारा वय क पल्लवि प्रकशअन, निर्मलि, आ अछि अर्चइवेद मे विदेह ए-पत्रिका (ISSN २२२९-५४७X).** — अध्याय ५१ निरूपित करैत अछि पल्लवि प्रकशअन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे नन्द विलस राय — फिक्किटओन, बिहनि कथअ आ देमोक्रेटिक समानान्तर साहित्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर कृति अछि प्रकाशित एक्स्क्लुसिवेल्य द्वारा वय क पल्लवि प्रकशअन, निर्मलि, आ अछि अर्चइवेद मे विदेह ए-पत्रिका (ISSN २२२९-५४७X). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२८४. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्त्री'स कोल्लेगे (मगध उनिवेर्सिट्य), पट्न, सँ कोन शए रेडिरेद मे २००८. —** अध्याय ५३ निरूपित करैत अछि मगध उनिवेर्सिट्य अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे नरेन्द्र झा आ पन्न झा — व्यापक समीक्षात्मक अनुसंधान प्रतिवेदन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्त्री'स कोल्लेगे (मगध उनिवेर्सिट्य), पट्न, सँ कोन शए रेडिरेद मे २००८. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२८५. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शए छल एक अक्किवे मेम्बर क मैथिली महिला सन्ध, पट्न, सेर्विना सुक्केस्सिवेल्य अस मेम्बर, सेक्रेटर्य, विके-प्रेसिदेन्ट, प्रेसिदेन्ट, आ अड्विसेर, शअपिना ई इन्टो ओने क सभसँ एप्फेक्किवे मैथिली स्त्री'स ओर्गानिसटिओन्स. —** अध्याय ५३ निरूपित करैत अछि नरेन्द्र

झा आ पन्न झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे नरेन्द्र झा आ पन्न झा — व्यापक समीक्षात्मक अनुसंधान प्रतिवेदन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से शए छल एक अक्टिवे मेम्बर क मैथिली महिला सन्ध, पटन, सेर्विना सुक्केस्सिवेल्य अस मेम्बर, सेक्रेटरी, विके-प्रेसिडेन्ट, प्रेसिडेन्ट, आ अद्विसेर, शअपिना ई इन्टो ओने क सभसँ एफफेक्टिवे मैथिली स्त्री'स ओर्गनिसाटिओन्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२८६. (A) एक मेमोइर कोल्लेक्टिओन द्रविणा पर पेसॉनल आ मोवेमेन्ट इतिहास, मे कोन झा सिटुअटेस हुनकर ओव्न इन्टेल्लेक्टुअल फोर्मिटीओन इन्सिदे ब्रोअदेर अर्क क मिथिला-मैथिली मोवेमेन्ट सँ १९५०स द्वारा वय क २०००स. —** अध्याय ५३ निरूपित करैत अछि नरेन्द्र झा आ पन्न झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे नरेन्द्र झा आ पन्न झा — व्यापक समीक्षात्मक अनुसंधान प्रतिवेदन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे एक मेमोइर कोल्लेक्टिओन द्रविणा पर पेसॉनल आ मोवेमेन्ट इतिहास, मे कोन झा सिटुअटेस हुनकर ओव्न इन्टेल्लेक्टुअल फोर्मिटीओन इन्सिदे ब्रोअदेर अर्क क मिथिला-मैथिली मोवेमेन्ट सँ १९५०स द्वारा वय क २०००स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२८७. (A) इम्मेदिअटे फेएद्वक्क लोओप, त्रिटिना एक गजल, पोस्टिना ई ओन्लिने, रेकेइविना रेस्पोजेस सँ ओथएर कविसभ आ रेअदेर्स, रेविसिना बसेद पर टेचनिकल क्रिटिकिस्म, कोन्स्टिटुटेद लबोरोटोय क फोर्मल त्रइनिंग से मदे प्रिन्ट कोल्लेक्टिओन्स पोस्सिब्ले. —** अध्याय ५५ निरूपित करैत अछि थरेए स्वरसभ क मैथिली गजल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे थरेए स्वरसभ क मैथिली गजल — ओम प्रकश झा, अमिट मिश्र आ चअन्दन कुमार झा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे इम्मेदिअटे फेएद्वक्क लोओप, त्रिटिना एक गजल, पोस्टिना ई ओन्लिने, रेकेइविना रेस्पोजेस सँ ओथएर कविसभ आ रेअदेर्स, रेविसिना बसेद पर टेचनिकल क्रिटिकिस्म, कोन्स्टिटुटेद लबोरोटोय क फोर्मल त्रइनिंग से मदे प्रिन्ट कोल्लेक्टिओन्स पोस्सिब्ले. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२८८. (D) अध्याय प्लकेस प्रदेएप पुशप इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य. —** अध्याय ५६ निरूपित करैत अछि प्रदेएप पुशप अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रदेएप पुशप — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय प्लकेस प्रदेएप पुशप इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२८९. (B) टिट्ले इजोरियक अन्गइथइ मोर, मेअनिना सोमेथइना लिके ' फिरेप्लके क लिघट से अछि मिने', गेस्टुरेस अट फेमिनिने, दोमेस्टिक-सक्रेद स्पके अस एक सिटे क क्रेअटिवे पहचान, एक ट्रोपे से रेकुर्स मे स्त्री'स त्रिटिना अक्रोस्स मिथिला रेगिओन. —** अध्याय ५८ निरूपित करैत अछि इजोरियक अन्गइथइ मोर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रोफेसर. प्रेम्शअन्कर सिंह आ इलरनि सिंह — समीक्षात्मक अनुसंधान आ प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे टिट्ले इजोरियक अन्गइथइ मोर, मेअनिना सोमेथइना लिके ' फिरेप्लके क लिघट से अछि मिने', गेस्टुरेस अट फेमिनिने, दोमेस्टिक-सक्रेद स्पके अस एक सिटे क क्रेअटिवे पहचान, एक ट्रोपे से रेकुर्स मे स्त्री'स त्रिटिना अक्रोस्स मिथिला रेगिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२९०. (C) हुनकर प्रेसेन्के मे विदेह अभिलेख सिटुअटेस हुनकर अस एक पर्टिकिपन्ट मे की गजेन्द्र ठाकुर कल्लस 'समानान्तर स्ट्रेअम' क मैथिली साहित्य: ओने से अछि इन्क्लुसिवे क लोवेर-कस्टे, स्त्री, आ नोन-एलिटे स्वरसभ. —** अध्याय ५८ निरूपित करैत अछि गजेन्द्र ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रोफेसर. प्रेम्शअन्कर सिंह आ इलरनि सिंह — समीक्षात्मक अनुसंधान आ प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर प्रेसेन्के मे विदेह अभिलेख सिटुअटेस हुनकर अस एक पर्टिकिपन्ट मे की गजेन्द्र ठाकुर कल्लस 'समानान्तर स्ट्रेअम' क मैथिली साहित्य: ओने से अछि इन्क्लुसिवे क लोवेर-कस्टे, स्त्री, आ नोन-एलिटे स्वरसभ. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२९१. (C) हुनकर फथएर छल लटे सुर्य नारायण मिश्र आ हुनकर मोथएर लटे दयकशइ देवि, नमेस से रेकुर सँ अपफेक्टिवे सिग्निफिकन्के मे हुनकर मेमोइर आ ौटोबिओग्रफइकल फिक्टिओन, अन्चओरिना हुनकर साहित्यिक इमगिनटिओन मे सोइल क मिथिला, अन्किएन्ट सांस्कृतिक... —** अध्याय ५९ निरूपित करैत अछि सुर्य नारायण मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रबिन्द्र नारायण मिश्र — उपन्यासकार, कथा-लेखक आ निबंधकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर फथएर छल लटे सुर्य नारायण मिश्र आ हुनकर मोथएर लटे दयकशइ देवि, नमेस से रेकुर सँ अपफेक्टिवे सिग्निफिकन्के मे हुनकर मेमोइर आ ौटोबिओग्रफइकल फिक्टिओन, अन्चओरिना हुनकर साहित्यिक इमगिनटिओन मे सोइल क मिथिला, अन्किएन्ट सांस्कृतिक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२९२. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सन्योग, 'कोइन्किदेन्के': एक कोल्लेक्टिओन क लघु कथासभ मे मैथिली. —** अध्याय ५९ निरूपित करैत अछि रबिन्द्र नारायण मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रबिन्द्र नारायण मिश्र — उपन्यासकार, कथा-लेखक आ निबंधकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से सन्योग, 'कोइन्किदेन्के': एक कोल्लेक्टिओन क लघु कथासभ मे मैथिली. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२९३. (B) हुनकर साहित्यिक क्रिटिकिस्म (रेविएक्स) शओव्स एनागेमेन्ट सँ एवलुअटिवे-स्चओललर्य लिने क इन्हेरिटन्के, क्लिले हुनकर सांस्कृतिक निबंधसभ (मधउसवना गाट, स्त्री'स अनुष्ठानिक गीत लिने क इन्हेरिटन्के) कोन्केट हिम केँ मिथिला'स लोक हेरिटगे. —** अध्याय ६२ निरूपित करैत अछि रम सोगर्थ यदव, शअशइधअर कुमार 'विदेह', शइव्शअन्कर सिन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रम सोगर्थ यदव, शअशइधअर कुमार 'विदेह', शइव्शअन्कर सिंह ठाकुर, सन्तोश कुमार राय 'बटोहि', सुबोध कुमार ठाकुर, सुबोध झा आ सुभअश कुमार कमट — समीक्षात्मक अप्प्रेकिअटिओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर साहित्यिक क्रिटिकिस्म (रेविएक्स) शओव्स एनागेमेन्ट सँ एवलुअटिवे-स्चओललर्य लिने क इन्हेरिटन्के, क्लिले हुनकर सांस्कृतिक निबंधसभ

(मधुसूदन गाँव, स्त्री'स अनुष्ठानिक गीत लिने क इन्हेरिटन्के) कोन्नेक्ट हिम केँ मिथिला'स लोक हेरिटगे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२९४. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'दलित चा हम' अछि एक दिरेक्ट दलित पहचान अस्सेर्टिओन.** — अध्याय ६२ निरूपित करैत अछि दलित चा हम' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रम सोगर्थ यदव, शशशङ्कर कुमार 'विदेह', शङ्करानन्द सिंह ठाकुर, सन्तोष कुमार राय 'बटोहि', सुबोध कुमार ठाकुर, सुबोध झा आ सुभश कुमार कमट — समीक्षात्मक अप्प्रेकिएटिओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से 'दलित चा हम' अछि एक दिरेक्ट दलित पहचान अस्सेर्टिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२९५. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्रिट्रेन लर्गेन्य मे हिन्दी-ब्लेन्डेड मैथिली प्रोसे, ई कोवेर्स हिस्टोरिकल, सोकिओकुल्टुरल, लिन्गुइस्टिक, आ बिओग्रफिकल टोपिक्स.** — अध्याय ६३ निरूपित करैत अछि हिन्दी-ब्लेन्डेड मैथिली अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे अचर्य रमनन्द मंडल — समीक्षात्मक अनुसंधान प्रतिवेदन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ब्रिट्रेन लर्गेन्य मे हिन्दी-ब्लेन्डेड मैथिली प्रोसे, ई कोवेर्स हिस्टोरिकल, सोकिओकुल्टुरल, लिन्गुइस्टिक, आ बिओग्रफिकल टोपिक्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२९६. (A) ग्रामटिकल लिने क इन्हेरिटन्के सुर्वेय ओपेनिन्ग अध्याय अछि इट्सेलफ एक कोन्ट्रिबुटिओन केँ हिस्टोरिओग्राफ्य क मैथिली लिन्गुइस्टिक्स.** — अध्याय ६४ निरूपित करैत अछि सुर्वेय अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रोफेसर. डॉ. रमवटर यदव — लिन्गुइस्ट, फोनेटिकिअन, ग्रामरिअन आ स्वओलर क मैथिली. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे ग्रामटिकल लिने क इन्हेरिटन्के सुर्वेय ओपेनिन्ग अध्याय अछि इट्सेलफ एक कोन्ट्रिबुटिओन केँ हिस्टोरिओग्राफ्य क मैथिली लिन्गुइस्टिक्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२९७. (C) ग्रामर अछि एक्सप्लिकिट्ल्य स्क्वरोनिक, देस्क्रिबिन्ग स्ट्रक्चरे क मैथिली अस ई छल स्पेकेन मे लटे १९७०स आ १९८०स.** — अध्याय ६४ निरूपित करैत अछि प्रोफेसर. डॉ. रमवटर यदव अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रोफेसर. डॉ. रमवटर यदव — लिन्गुइस्ट, फोनेटिकिअन, ग्रामरिअन आ स्वओलर क मैथिली. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे ग्रामर अछि एक्सप्लिकिट्ल्य स्क्वरोनिक, देस्क्रिबिन्ग स्ट्रक्चरे क मैथिली अस ई छल स्पेकेन मे लटे १९७०स आ १९८०स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२९८. (B) रेलटिओन्शइप बीच कोउप्लेट आ गीत अछि नहि मेरेल्य सेकुएन्टिअल बुट एपिस्टेमोलोगिकल: कोउप्लेट पोसेस प्रोब्लेम ( सवधय, 'कै-हो-प्रोवेद' प्रोपोसिटिओन मे नव्य-न्यवय लोडिकल टेम्स) आ गीत कोन्स्ट्रक्ट्स तर्क, अड्केस ...** — अध्याय ६५ निरूपित करैत अछि रमदेओ प्रसाद मंडल 'झअरुदर' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमदेओ प्रसाद मंडल 'झअरुदर' — जन कवि आ इन्वेन्टर क झअरु साहित्यिक फोर्म. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे रेलटिओन्शइप बीच कोउप्लेट आ गीत अछि नहि मेरेल्य सेकुएन्टिअल बुट एपिस्टेमोलोगिकल: कोउप्लेट पोसेस प्रोब्लेम ( सवधय, 'कै-हो-प्रोवेद' प्रोपोसिटिओन मे नव्य-न्यवय लोडिकल टेम्स) आ गीत कोन्स्ट्रक्ट्स तर्क, अड्केस ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**२९९. (D) झअरुदर'स झतरा पोएम्स पेफोर्म एक्सक्लुसिव ई कर्निवलेस्कुए फुन्किओन: थएय उसे पोपुलर लोक-गीत फोर्म, एअर्थय रुरल इमगेर्य (बुफलो, ब्रोओम, फिएल्ड, लट्रिने), आ विगोरोउस सटिरिकल हुमोर केँ एक्सपोसे आ रिडिकुले प्रेटेन्सिओन्स क मिथिला'स सामाजिक आ...** — अध्याय ६५ निरूपित करैत अछि रमदेओ प्रसाद मंडल 'झअरुदर' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमदेओ प्रसाद मंडल 'झअरुदर' — जन कवि आ इन्वेन्टर क झअरु साहित्यिक फोर्म. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे झअरुदर'स झतरा पोएम्स पेफोर्म एक्सक्लुसिव ई कर्निवलेस्कुए फुन्किओन: थएय उसे पोपुलर लोक-गीत फोर्म, एअर्थय रुरल इमगेर्य (बुफलो, ब्रोओम, फिएल्ड, लट्रिने), आ विगोरोउस सटिरिकल हुमोर केँ एक्सपोसे आ रिडिकुले प्रेटेन्सिओन्स क मिथिला'स सामाजिक आ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३००. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेफके: सिग्निफिकन्के क रमेश मे मैथिली साहित्य मैथिली, ओने क ट्वेन्ट्य-ट्वो कोन्स्ट्रुटिओनल्ल्य रेकोनिसेड लन्गुअगेस क भारत आ एक भाषा कोसे ब्रिट्रेन साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के स्ट्रेट्चएस बक्क केँ चअर्यतपदस क...** — अध्याय ६६ निरूपित करैत अछि रमेश आ मल झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश आ मल झा — अनुसंधान आ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रेफके: सिग्निफिकन्के क रमेश मे मैथिली साहित्य मैथिली, ओने क ट्वेन्ट्य-ट्वो कोन्स्ट्रुटिओनल्ल्य रेकोनिसेड लन्गुअगेस क भारत आ एक भाषा कोसे ब्रिट्रेन साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के स्ट्रेट्चएस बक्क केँ चअर्यतपदस क... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३०१. (D) एक स्पेकिअल अनुभाग अछि देवोटेड केँ बहतर देबते मे मैथिली गजल, एक कोन्ट्रोवेर्स्य दिरेक्ट्ल्य प्रासंगिक केँ फोर्मल चओइकेस विसिब्ले मे रमेश'स पोएटिक प्रक्टिके.** — अध्याय ६६ निरूपित करैत अछि रमेश आ मल झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश आ मल झा — अनुसंधान आ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे एक स्पेकिअल अनुभाग अछि देवोटेड केँ बहतर देबते मे मैथिली गजल, एक कोन्ट्रोवेर्स्य दिरेक्ट्ल्य प्रासंगिक केँ फोर्मल चओइकेस विसिब्ले मे रमेश'स पोएटिक प्रक्टिके. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्नेक्ट्स आ थएफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३०२. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई सेर्वेस अस एक समीक्षात्मक ओवेर्विएव क इतिहास, चअल्लेन्गेस, आ एवोलुटिओन क मैथिली स्त्री'स पोएट्र्य.** — अध्याय ६६ निरूपित करैत अछि रमेश आ मल झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश आ मल झा — अनुसंधान आ समीक्षात्मक प्रशंसा/

मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई सेवेस अस एक समीक्षात्मक ओवेर्विज क इतिहास, चअल्लेनोस, आ एवोलुटिओन क मैथिली स्त्री'स पोएट्र्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३०३. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से किएक शओउल्ड नेग्लेक्ट वा इन्सुल्ट क स्त्री कविसभ कोल्लेक्टेट उन्टिल २००४ AD द्वारा थएन क्रिटिक-किक्लें नहि हो कोन्सिदेरेद?** — अध्याय ६६ निरूपित करैत अछि रमेश आ मल झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश आ मल झा — अनुसंधान आ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से किएक शओउल्ड नेग्लेक्ट वा इन्सुल्ट क स्त्री कविसभ कोल्लेक्टेट उन्टिल २००४ AD द्वारा थएन क्रिटिक-किक्लें नहि हो कोन्सिदेरेद? बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३०४. (C) मे सुच एक टेरिब्ले सिटुअटिओन, व्हेन आ केना कन मिथिला-समाज प्रोविदे एक जुस्ट आ एकुअल स्पेके केँ एकर स्त्री-समाज? .....** — अध्याय ६६ निरूपित करैत अछि रमेश आ मल झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश आ मल झा — अनुसंधान आ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे सुच एक टेरिब्ले सिटुअटिओन, व्हेन आ केना कन मिथिला-समाज प्रोविदे एक जुस्ट आ एकुअल स्पेके केँ एकर स्त्री-समाज? ..... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३०५. (C) अनोथएर मट्टेर क कोन्केर्न्स अछि से बेसी आ बेसी नेक्क्य एमेर्गिन्ग स्त्री कविसभ छथि/अछि टकिन्ग हप्पिनेस्स क किट्य; मन्य स्त्री कविसभ लिके पुरुष कविसभ छथि/अछि दोइन्ग पोएट्र्य-क्रेअटिओन सँ किट्य.** — अध्याय ६६ निरूपित करैत अछि रमेश आ मल झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश आ मल झा — अनुसंधान आ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अनोथएर मट्टेर क कोन्केर्न्स अछि से बेसी आ बेसी नेक्क्य एमेर्गिन्ग स्त्री कविसभ छथि/अछि टकिन्ग हप्पिनेस्स क किट्य; मन्य स्त्री कविसभ लिके पुरुष कविसभ छथि/अछि दोइन्ग पोएट्र्य-क्रेअटिओन सँ किट्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३०६. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कस्ते आ मर्गिनलिजटिओन: एक प्रमुख क्रिटिकुए अछि मदे रेगर्दिन्ग लक्क क दलित आ मुस्लिम स्त्री'स स्वरसभ मे मैथिली साहित्य.** — अध्याय ६६ निरूपित करैत अछि रमेश आ मल झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश आ मल झा — अनुसंधान आ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से कस्ते आ मर्गिनलिजटिओन: एक प्रमुख क्रिटिकुए अछि मदे रेगर्दिन्ग लक्क क दलित आ मुस्लिम स्त्री'स स्वरसभ मे मैथिली साहित्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३०७. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कथा: "एक हन्ड्फुल क टेअर्स" (सुम्मर्य) नर्तिते एक्स्प्लोरेस लिफे क हेम, एक पोओर रुरल लबोरेर.** — अध्याय ६७ निरूपित करैत अछि रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपल्लि झा 'गोपेश' आ विज अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपल्लि झा 'गोपेश' आ विजय नथ झा — फोउर मैथिली मस्टेर्स क समानान्तर परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से कथा: "एक हन्ड्फुल क टेअर्स" (सुम्मर्य) नर्तिते एक्स्प्लोरेस लिफे क हेम, एक पोओर रुरल लबोरेर. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३०८. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वेस्टर्न साहित्यिक क्रिटिकिस्म फोर्मलिस्म: स्ट्रुक्चुरे अधएरेस केँ त्रिदिओनल रगस (सांगीतिक मोदेस) सुच अस रेखट, धरुपद, आ भैरवि.** — अध्याय ६९ निरूपित करैत अछि साहित्यिक क्रिटिकिस्म फोर्मलिस्म अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे पंडित रमजि चौधरी आ अचअर्य रम्लोचअन शअरन — रुद्रपुर रेकेन्सिओन्स आ मड्थइल देवोतिओन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से वेस्टर्न साहित्यिक क्रिटिकिस्म फोर्मलिस्म: स्ट्रुक्चुरे अधएरेस केँ त्रिदिओनल रगस (सांगीतिक मोदेस) सुच अस रेखट, धरुपद, आ भैरवि. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३०९. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई रेप्रेसेन्ट्स सभसँ व्यापक स्वओललर्त्य आ टेस्टिमोनिअल अस्सेस्मेन्ट क हुनकर लिफे आ कृति येत अस्सेम्ब्लेद, द्रविण पर निबंधसभ, समीक्षात्मक रेविजन्स, पेसॉनल रेमिनिस्केन्सेस, आ फोर्मल अस्सेस्मेन्ट्स द्वारा क्रिटिक्स इन्क्लुदिन्ग प्रदेएप पुशप...** — अध्याय ७३ निरूपित करैत अछि प्रदेएप पुशप अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रविन्द्र नथ ठाकुर — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई रेप्रेसेन्ट्स सभसँ व्यापक स्वओललर्त्य आ टेस्टिमोनिअल अस्सेस्मेन्ट क हुनकर लिफे आ कृति येत अस्सेम्ब्लेद, द्रविण पर निबंधसभ, समीक्षात्मक रेविजन्स, पेसॉनल रेमिनिस्केन्सेस, आ फोर्मल अस्सेस्मेन्ट्स द्वारा क्रिटिक्स इन्क्लुदिन्ग प्रदेएप पुशप... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३१०. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ल इ ट ए र एक र य C एक र ए ए र एक न द P उ ब ल इ स ह ए द वो र क स ३.१ प्रकाशित पोथीसभ (चरोनोलोगिकल) रविन्द्र नथ ठाकुर प्रकाशित निनेटेएन वोलुमेस अक्रोस्स मैथिली आ हिन्दी, स्पन्निन्ग गीत कोल्लेक्टिओन्स, एक्स्पेरिमेन्टल वेर्से, एक उपन्यास, एक...** — अध्याय ७३ निरूपित करैत अछि प्रकाशित पोथीसभ अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रविन्द्र नथ ठाकुर — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ल इ ट ए र एक र य C एक र ए ए र एक न द P उ ब ल इ स ह ए द वो र क स ३.१ प्रकाशित पोथीसभ (चरोनोलोगिकल) रविन्द्र नथ ठाकुर प्रकाशित निनेटेएन वोलुमेस अक्रोस्स मैथिली आ हिन्दी, स्पन्निन्ग गीत कोल्लेक्टिओन्स, एक्स्पेरिमेन्टल वेर्से, एक उपन्यास, एक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३११. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे सेर्वेद अस गीतकार, को-दिरेक्टोर, आ स्क्रैएन्ल्य लेखक.** — अध्याय ७३ निरूपित करैत अछि रविन्द्र नथ ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रविन्द्र नथ ठाकुर — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि

से हे सेवेंद अस गीतकार, को-डिरेक्टर, आ स्क्रिप्टलेखक. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३१२. (C) ट्वो इम्मेडिएटलेय फोर्मेट एक दुओ, आ सँ अप्रोक्सिमेटलेय १९६६-१९६७ ओन्वर्ड रविन्द्र-महेन्द्र पर्टनेशइप बेकमे सिनले सभसँ पोपुलर अक्ट पर मैथिली सांस्कृतिक किर्कुइट.** — अध्याय ७३ निरूपित करैत अछि रविन्द्र नथ ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रविन्द्र नथ ठाकुर — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे ट्वो इम्मेडिएटलेय फोर्मेट एक दुओ, आ सँ अप्रोक्सिमेटलेय १९६६-१९६७ ओन्वर्ड रविन्द्र-महेन्द्र पर्टनेशइप बेकमे सिनले सभसँ पोपुलर अक्ट पर मैथिली सांस्कृतिक किर्कुइट. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३१३. (C) अध्याय उन्टेरेकस एक व्यापक एक्समिनटिओन क केना रेनु वोवे सांस्कृतिक फब्रिक क मिथिला आ लिन्गुइस्टिक टेक्स्टुरे क मैथिली इन्टो बोद्य क हुनकर हिन्दी साहित्य.** — अध्याय ७४ निरूपित करैत अछि फअनिशवर नथ रेनु अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे फअनिशवर नथ रेनु — मिथिला आ मैथिली मे हुनकर साहित्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उन्टेरेकस एक व्यापक एक्समिनटिओन क केना रेनु वोवे सांस्कृतिक फब्रिक क मिथिला आ लिन्गुइस्टिक टेक्स्टुरे क मैथिली इन्टो बोद्य क हुनकर हिन्दी साहित्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३१४. (B) देसिग्नटिओन क हिन्दी अस ओप्फिकिअल भाषा क बिहर, आ सुबेकुएन्ट मर्गिनलिजटिओन क मैथिली मे एदुकटिओन आ अक्विनिस्त्रटिओन, क्रेअटेड एक सिटुअटिओन मे कोन मैथिली स्पेअकेर्स छल रेकुइरेड केँ त्रिटे मे हिन्दी लेल अन्य ओप्फिकिअल वा साहित्यिक पुर्पोसे.** — अध्याय ७४ निरूपित करैत अछि फअनिशवर नथ रेनु अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे फअनिशवर नथ रेनु — मिथिला आ मैथिली मे हुनकर साहित्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे देसिग्नटिओन क हिन्दी अस ओप्फिकिअल भाषा क बिहर, आ सुबेकुएन्ट मर्गिनलिजटिओन क मैथिली मे एदुकटिओन आ अक्विनिस्त्रटिओन, क्रेअटेड एक सिटुअटिओन मे कोन मैथिली स्पेअकेर्स छल रेकुइरेड केँ त्रिटे मे हिन्दी लेल अन्य ओप्फिकिअल वा साहित्यिक पुर्पोसे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३१५. (A) अब्सेन्के क दलिट ौटोबिओग्राफ मे मैथिली बेफोरे २०१४ अछि सभसँ प्रेकिसे एक्स्प्रेसिओन क ई स्पस्टेमटिक एक्स्क्लुसिओन:** ौटोबिओग्राफ अछि गेन्ने से सभसँ दिरेक्टलेय अस्सेर्ट्स वलुए आ वलिदित्य क एक इन्डिविदुअल आ कोम्मुनित्य'स सेल्फ-क्नोव्लेड्ने. — अध्याय ७५ निरूपित करैत अछि सन्देश कुमार सफि अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सन्देश कुमार सफि — फिर्स्ट दलिट ौटोबिओग्राफ मे मैथिली. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अब्सेन्के क दलिट ौटोबिओग्राफ मे मैथिली बेफोरे २०१४ अछि सभसँ प्रेकिसे एक्स्प्रेसिओन क ई स्पस्टेमटिक एक्स्क्लुसिओन: ौटोबिओग्राफ अछि गेन्ने से सभसँ दिरेक्टलेय अस्सेर्ट्स वलुए आ वलिदित्य क एक इन्डिविदुअल आ कोम्मुनित्य'स सेल्फ-क्नोव्लेड्ने. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३१६. (D) रेपेअटेड 'मुद एन किए?' अछि ध्वनि सिग्नल, रेवेर्बेटिओन से एक्स्केएड्स लिटेरल कथन.** — अध्याय ७७ निरूपित करैत अछि सन्देश कुमार मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सन्देश कुमार मिश्र — कवि, लघु-कथा लेखक आ सांस्कृतिक अक्टिविस्ट. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे रेपेअटेड 'मुद एन किए?' अछि ध्वनि सिग्नल, रेवेर्बेटिओन से एक्स्केएड्स लिटेरल कथन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३१७. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई नेरुद-लिके फुसिओन क रेवोलुटिओनर्य सँ एवेर्दय अछि देएप्ल्य कोन्सोनन्ट सँ व्फ'स इन्सिस्टेन्के पर एक सोकिअल्लय एनागेद पोएटिक्स.** — अध्याय ७७ निरूपित करैत अछि सन्देश कुमार मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सन्देश कुमार मिश्र — कवि, लघु-कथा लेखक आ सांस्कृतिक अक्टिविस्ट. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई नेरुद-लिके फुसिओन क रेवोलुटिओनर्य सँ एवेर्दय अछि देएप्ल्य कोन्सोनन्ट सँ व्फ'स इन्सिस्टेन्के पर एक सोकिअल्लय एनागेद पोएटिक्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३१८. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सिंह बेगिन्स सँ फोउन्डटिओनल प्रोपोसिटिओन से साहित्य अछि ' अक्कुमुलटेड रेपोसिटोर्य क क्नोव्लेड्ने' ('ज्ञान रअशइक सन्चइट कोश'), आ से पेरिओडिसिटिओन अछि नेकेस्सर्य लेल स्पस्टेमटिक स्टुद्य, क्लिले अक्क्नोव्लेड्निंग से ...** — अध्याय ७९ निरूपित करैत अछि डॉ. शअम्भु कुमार सिंह अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. शअम्भु कुमार सिंह — स्वओलर, अनुवादक, क्रिटिक, कवि आ एदुकेटर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से सिंह बेगिन्स सँ फोउन्डटिओनल प्रोपोसिटिओन से साहित्य अछि ' अक्कुमुलटेड रेपोसिटोर्य क क्नोव्लेड्ने' ('ज्ञान रअशइक सन्चइट कोश'), आ से पेरिओडिसिटिओन अछि नेकेस्सर्य लेल स्पस्टेमटिक स्टुद्य, क्लिले अक्क्नोव्लेड्निंग से ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३१९. (B) निबन्ध ओपेन्स सँ एक स्प्योप्टिक इतिहास क पोसिटिओन क स्त्री मे इन्डिअन आ स्पेकिफिकल्लय मिथइलन्चअल समाज सँ वेदिक पेरिओद केँ प्रेसेन्ट, त्रकिन्ग परदोक्स से एक समाज कोन प्रोदुकेस फमोउस मक्सिम 'यत्र नार्यस्तु पोओज्यन्टे रमन्टे...** — अध्याय ७९ निरूपित करैत अछि यत्र नार्यस्तु पोओज्यन्टे रमन्टे अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. शअम्भु कुमार सिंह — स्वओलर, अनुवादक, क्रिटिक, कवि आ एदुकेटर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे निबन्ध ओपेन्स सँ एक स्प्योप्टिक इतिहास क पोसिटिओन क स्त्री मे इन्डिअन आ स्पेकिफिकल्लय मिथइलन्चअल समाज सँ वेदिक पेरिओद केँ प्रेसेन्ट, त्रकिन्ग परदोक्स से एक समाज कोन प्रोदुकेस फमोउस मक्सिम 'यत्र नार्यस्तु पोओज्यन्टे रमन्टे... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३२०. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से २५) २.४, कल्पन झा: 'मैथिली सहित्यक सेवक नहिन, मैथिली भअसक सेवक: शअर्दिन्दु चौधरी' (प्प.** — अध्याय ८१ निरूपित करैत अछि कल्पन झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअर्दिन्दु चौधरी — लेखक, लिन्गुइस्ट, सटिरिस्ट, सम्पादक आ सांस्कृतिक

अक्विविस्ट. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से २५) २.४, कल्पन झा: 'मैथिली सहित्यक सेवक नहिन, मैथिली भअसक सेवक: शअर्दिन्दु चौधरी' (प. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३२१. (C) थएसे पोएम्स छथि/अछि फोर्मल्लय सभसँ त्रिदिटिओनल मे कोल्लेक्टिओन, थएय एम्प्लोय गाट फोर्म सँ एकर रेफ्रइन्स, एकर कल्लन्द-रेस्पोन्से स्ट्रुक्चुरेस, आ एकर दिरेक्ट कोन्नेक्टिओन केँ मौखिक-पेफोर्मटिवे लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली लोक गीत.** — अध्याय ८३ निरूपित करैत अछि शइव कुमार झा 'टिल्लु' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शइव कुमार झा 'टिल्लु' — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे थएसे पोएम्स छथि/अछि फोर्मल्लय सभसँ त्रिदिटिओनल मे कोल्लेक्टिओन, थएय एम्प्लोय गाट फोर्म सँ एकर रेफ्रइन्स, एकर कल्लन्द-रेस्पोन्से स्ट्रुक्चुरेस, आ एकर दिरेक्ट कोन्नेक्टिओन केँ मौखिक-पेफोर्मटिवे लिने क इन्हेरिटन्के क मैथिली लोक गीत. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३२२. (D) हुनकर सदेह १८ कोन्ट्रिबुटिओन अछि हुनकर सभसँ सुब्टन्टिअल: एडघट गीत-पोएम्स कोसे टिट्लेस एन्कप्सुलटे हुनकर दोमिनन्त थएमेस, Gīt Sām पहिने (बेफोरे गीत, सुग्गेस्टिन्ग प्रे-साहित्यिक मोमेन्ट क क्रेअटिवे संकल्पना:इओन), Hām (वे/I, फिर्स्ट-पेसॉन प्लुरल अस्सेर्टिओन)... —** अध्याय ८४ निरूपित करैत अछि Gīt Sā अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सिजन शाएखअर 'अज्जेय', अछए लाल शअस्ट्रि, अनमिक रज, अनिल मल्लिक, अग्नेन्द्र यदव आ प्रनव झा — समीक्षात्मक अप्प्रेकिअटिओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर सदेह १८ कोन्ट्रिबुटिओन अछि हुनकर सभसँ सुब्टन्टिअल: एडघट गीत-पोएम्स कोसे टिट्लेस एन्कप्सुलटे हुनकर दोमिनन्त थएमेस, Gīt Sām पहिने (बेफोरे गीत, सुग्गेस्टिन्ग प्रे-साहित्यिक मोमेन्ट क क्रेअटिवे संकल्पना:इओन), Hām (वे/I, फिर्स्ट-पेसॉन प्लुरल अस्सेर्टिओन)... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३२३. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दददाक Gīt (ग्रन्धोथएर'स गीत) मे सदेह ९ अछि हुनकर सभसँ कुल्टुरल्लय स्पेकिफिक कोन्ट्रिबुटिओन: एक गीत मे लिने क इन्हेरिटन्के क ग्रन्धोथएर'स मौखिक त्रन्स्मिस्सिओन क लोक संस्कृति, रोले से मैथिली'स स्त्री'स मौखिक लिने क...** — अध्याय ८४ निरूपित करैत अछि ग्रन्धोथएर'स गीत अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सिजन शाएखअर 'अज्जेय', अछए लाल शअस्ट्रि, अनमिक रज, अनिल मल्लिक, अग्नेन्द्र यदव आ प्रनव झा — समीक्षात्मक अप्प्रेकिअटिओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से दददाक Gīt (ग्रन्धोथएर'स गीत) मे सदेह ९ अछि हुनकर सभसँ कुल्टुरल्लय स्पेकिफिक कोन्ट्रिबुटिओन: एक गीत मे लिने क इन्हेरिटन्के क ग्रन्धोथएर'स मौखिक त्रन्स्मिस्सिओन क लोक संस्कृति, रोले से मैथिली'स स्त्री'स मौखिक लिने क... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३२४. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दददाक Gīt कोन्नेक्ट्स हुनकर कृति केँ स्त्री'स मौखिक सांस्कृतिक त्रन्स्मिस्सिओन लिने क इन्हेरिटन्के से समानान्तर इतिहास प्रिजेस: ग्रन्धोथएर'स गीत अछि रेपोसिटोर्य क सभसँ अन्किएन्ट मैथिली लोक क्नोव्लेद्रे.** — अध्याय ८४ निरूपित करैत अछि समानान्तर इतिहास अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सिजन शाएखअर 'अज्जेय', अछए लाल शअस्ट्रि, अनमिक रज, अनिल मल्लिक, अग्नेन्द्र यदव आ प्रनव झा — समीक्षात्मक अप्प्रेकिअटिओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से दददाक Gīt कोन्नेक्ट्स हुनकर कृति केँ स्त्री'स मौखिक सांस्कृतिक त्रन्स्मिस्सिओन लिने क इन्हेरिटन्के से समानान्तर इतिहास प्रिजेस: ग्रन्धोथएर'स गीत अछि रेपोसिटोर्य क सभसँ अन्किएन्ट मैथिली लोक क्नोव्लेद्रे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३२५. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य-न्ययः 'हम देह Ā विदेह', फइलोसोफइकल दिस्टिन्क्टिओन बीच एम्बोदिएद (देह) आ दिसेम्बोदिएद (विदेह) सेल्फ मप्स ओन्टो गांगेऽअ'स दिस्टिन्क्टिओन बीच ढट्मन अस लोकुस क कोन्सिओउस्नेस्स आ बोद्य अस ...** — अध्याय ८४ निरूपित करैत अछि हम देह अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सिजन शाएखअर 'अज्जेय', अछए लाल शअस्ट्रि, अनमिक रज, अनिल मल्लिक, अग्नेन्द्र यदव आ प्रनव झा — समीक्षात्मक अप्प्रेकिअटिओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य-न्ययः 'हम देह Ā विदेह', फइलोसोफइकल दिस्टिन्क्टिओन बीच एम्बोदिएद (देह) आ दिसेम्बोदिएद (विदेह) सेल्फ मप्स ओन्टो गांगेऽअ'स दिस्टिन्क्टिओन बीच ढट्मन अस लोकुस क कोन्सिओउस्नेस्स आ बोद्य अस ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३२६. (A) हुनकर समीक्षात्मक त्रिटिन्स इन्क्लुदे बदलइट स्वर (२०११), मैथिली उपन्यस कि ालोचअन (२०२१), आ विशलेशअन (२०२२).** — अध्याय ८५ निरूपित करैत अछि बदलइट स्वर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शइवशअन्कर सिनिवस — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर समीक्षात्मक त्रिटिन्स इन्क्लुदे बदलइट स्वर (२०११), मैथिली उपन्यस कि ालोचअन (२०२१), आ विशलेशअन (२०२२). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३२७. (B) फर्मस छल स्टिल्ल प्लोउघइन्ग फिएल्ड्स, बुट विथओउट कोलोउफुल बिर्दस, ई मिथिला दिद नहि सेएम लिके से मिथिला अन्योरे.** — अध्याय ८६ निरूपित करैत अछि सुभअश चअन्द्र यदव अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुभअश चअन्द्र यदव — निट नवल सुभअश चअन्द्र यदव. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे फर्मस छल स्टिल्ल प्लोउघइन्ग फिएल्ड्स, बुट विथओउट कोलोउफुल बिर्दस, ई मिथिला दिद नहि सेएम लिके से मिथिला अन्योरे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३२८. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सोमे फिएल्ड कृति अछि बेएन दोने लेल लोक गीतसभ, लोक नर्रटिवेस, आ लोक देइटिएस मे मैथिली, बुट हर्द्ल्य अन्य फिएल्ड कृति अछि बेएन दोने लेल लोक टलेस.** — अध्याय ८६ निरूपित करैत अछि सुभअश चअन्द्र यदव अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुभअश चअन्द्र यदव — निट नवल सुभअश चअन्द्र यदव. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से सोमे फिएल्ड कृति अछि बेएन दोने लेल लोक गीतसभ, लोक नर्रटिवेस, आ लोक देइटिएस मे मैथिली, बुट हर्द्ल्य अन्य फिएल्ड कृति अछि बेएन दोने लेल लोक टलेस. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३३९. (A) लेखक दोएस नहि अछि कोन्ट्रोल ओवेर टेक्स्ट.** — अध्याय ८६ निरूपित करैत अछि सुभअश चअन्द्र यदव अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुभअश चअन्द्र यदव — नित नवल सुभअश चअन्द्र यदव. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे लेखक दोएस नहि अछि कोन्ट्रोल ओवेर टेक्स्ट. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३३०. (A) आ ई प्रिओर क्नोव्लेद्रे क मेअनिन्ग अल्सो देपेन्ड्स पर रेअदेर'स प्रिओर इतिहास आ समकालीन समीक्षात्मक थएओरिएस आ इदेओलोगिएस; सभ थएसे छथि/अछि भागसभ क संस्कृति, सो केना कन थएय हो केष्ट अवय सँ स्ट्रक्चुरे?** — अध्याय ८६ निरूपित करैत अछि सुभअश चअन्द्र यदव अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुभअश चअन्द्र यदव — नित नवल सुभअश चअन्द्र यदव. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे आ ई प्रिओर क्नोव्लेद्रे क मेअनिन्ग अल्सो देपेन्ड्स पर रेअदेर'स प्रिओर इतिहास आ समकालीन समीक्षात्मक थएओरिएस आ इदेओलोगिएस; सभ थएसे छथि/अछि भागसभ क संस्कृति, सो केना कन थएय हो केष्ट अवय सँ स्ट्रक्चुरे? बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३३१. (D) उपन्यासकार इन्ट्रोदुकेस रेअदेर'स (Pātḥak Ji) ग्रन्धउघटेर, कुम्कुम.** — अध्याय ८८ निरूपित करैत अछि Pātḥak Ji अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुशइल — एवेर नेव / नित नवल सुशइल. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे उपन्यासकार इन्ट्रोदुकेस रेअदेर'स (Pātḥak Ji) ग्रन्धउघटेर, कुम्कुम. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३३२. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लल्बबु ट्रिएस केँ गेट रिद क करुन द्वारा वय क परगस, बुट हुनकर विफे अछि दिस्टुर्बेद द्वारा हेअरिन्ग ट्वो वोर्दस, "सेए, योउ'ल्ल हो देस्ट्रोयेद." मलय आ अजित छथि/अछि मे गाम दुरिन्ग होट सुम्मेर.** — अध्याय ८८ निरूपित करैत अछि सुशइल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुशइल — एवेर नेव / नित नवल सुशइल. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से लल्बबु ट्रिएस केँ गेट रिद क करुन द्वारा वय क परगस, बुट हुनकर विफे अछि दिस्टुर्बेद द्वारा हेअरिन्ग ट्वो वोर्दस, "सेए, योउ'ल्ल हो देस्ट्रोयेद." मलय आ अजित छथि/अछि मे गाम दुरिन्ग होट सुम्मेर. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३३३. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट Gaṃbāṭṭa छल नो कोन्वेक्टिओन सँ हुनकर ओल्द मे-लव्स' परिवार मे ई गाम.** — अध्याय ८८ निरूपित करैत अछि सुशइल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुशइल — एवेर नेव / नित नवल सुशइल. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट Gaṃbāṭṭa छल नो कोन्वेक्टिओन सँ हुनकर ओल्द मे-लव्स' परिवार मे ई गाम. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३३४. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट व्हेन हे वेन्ट केँ कोउटर्चर्ड्स क योउन्ग स्त्री, ई छल सोमेथइन्ग केँ सेए.** — अध्याय ८८ निरूपित करैत अछि सुशइल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुशइल — एवेर नेव / नित नवल सुशइल. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से बुट व्हेन हे वेन्ट केँ कोउटर्चर्ड्स क योउन्ग स्त्री, ई छल सोमेथइन्ग केँ सेए. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३३५. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्त्री क कटेगोर्य क 'बबि', 'मइ', 'पिउस' उसेद केँ सय, 'केना दोएस हे प्रक्विके मेदिकिने, बेइन्ग सो शअमेलेस्स?' ज्ञान्चअन छल एक लोवेर क गीतसभ.** — अध्याय ८८ निरूपित करैत अछि सुशइल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुशइल — एवेर नेव / नित नवल सुशइल. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से स्त्री क कटेगोर्य क 'बबि', 'मइ', 'पिउस' उसेद केँ सय, 'केना दोएस हे प्रक्विके मेदिकिने, बेइन्ग सो शअमेलेस्स?' ज्ञान्चअन छल एक लोवेर क गीतसभ. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३३६. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे छल लइद हन्ड्स पर एक ब्रह्मिन; गाम वोउल्द बेकोमे एक मेस्स; वोउल्द थएरे हो एक 'भअर-चअनोर' (कोम्मोटिओन) वा एक 'भअर-दउर' (एक्स्कोम्मुनिकटिओन)?** — अध्याय ८८ निरूपित करैत अछि सुशइल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुशइल — एवेर नेव / नित नवल सुशइल. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे छल लइद हन्ड्स पर एक ब्रह्मिन; गाम वोउल्द बेकोमे एक मेस्स; वोउल्द थएरे हो एक 'भअर-चअनोर' (कोम्मोटिओन) वा एक 'भअर-दउर' (एक्स्कोम्मुनिकटिओन)? बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३३७. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गत्तम सधबत्त होइट अछइ ( गाम अछि गेटिन्ग सेट्टलेद) एक कथा मे एपिस्टोलर्य स्ट्य्ले.** — अध्याय ८८ निरूपित करैत अछि सधबत्त होइट अछइ अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुशइल — एवेर नेव / नित नवल सुशइल. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से गत्तम सधबत्त होइट अछइ ( गाम अछि गेटिन्ग सेट्टलेद) एक कथा मे एपिस्टोलर्य स्ट्य्ले. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३३८. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्रेअटिवे कृतिसभ: पोएट्यू, गजल, आ फिक्विओन ओ एअलर्य इन्टेर्वेन्टिओन्स (हस्ट्कऽएप, Sāṅṅṅ) ओ अपोकल्यप्से आ लोवे (प्रलय रहस्य, दुनियत्त घअर मेहान) ओ कोविद दिअर्य (धअरऽऽया हेबत्तक समय) ओ मैथिली गजल (अपन युधअक Sāṅṅṅ) ओ...** — अध्याय ८९ निरूपित करैत अछि एअलर्य इन्टेर्वेन्टिओन्स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे टरनन्द वियोगि — बेयोन्ड हेंटोरिक: फ्रक्चुरेद स्वर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से क्रेअटिवे कृतिसभ: पोएट्यू, गजल, आ फिक्विओन ओ एअलर्य इन्टेर्वेन्टिओन्स (हस्ट्कऽएप, Sāṅṅṅ) ओ अपोकल्यप्से आ लोवे (प्रलय रहस्य, दुनियत्त घअर मेहान) ओ कोविद दिअर्य (धअरऽऽया हेबत्तक समय) ओ मैथिली गजल (अपन युधअक Sāṅṅṅ) ओ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३३९. (A) मीटर कोन्ट्रोवेर्स्य वियोगि'स क्लाइमः मीटर अछि एक "सन्क्रिटिक इम्पोसिटिओन" द्वारा एक "परसिटिक प्रिएस्ट्ल्य क्लस्स." रेफुटिओनः मीटर एक्सिस्ट्स मे चअर्यपद (८थ-९थ क.), मल्ल किन्स' कृतिसभ, आ सइन्ट पोएट्र्य. —** अध्याय ८९ निरूपित करैत अछि टरनन्द वियोगि अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे टरनन्द वियोगि — बेयोन्ड हेंटोरिकः फ्रक्चुरेड स्वर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मीटर कोन्ट्रोवेर्स्य वियोगि'स क्लाइमः मीटर अछि एक "सन्क्रिटिक इम्पोसिटिओन" द्वारा एक "परसिटिक प्रिएस्ट्ल्य क्लस्स." रेफुटिओनः मीटर एक्सिस्ट्स मे चअर्यपद (८थ-९थ क.), मल्ल किन्स' कृतिसभ, आ सइन्ट पोएट्र्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३४०. (C) सभसँ उचित लिनेस मे निस्टुकि ओपरेटे प्रेकिसेल्य अट ई धवनि लेवेलः की पोएम 'सय्स' अछि सुर्फके क एक देएपेर रेसोनन्के. —** अध्याय ९० निरूपित करैत अछि डॉ. उमेश मंडल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. उमेश मंडल — अक्ट क नमिन्ना उन्नमेद. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे सभसँ उचित लिनेस मे निस्टुकि ओपरेटे प्रेकिसेल्य अट ई धवनि लेवेलः की पोएम 'सय्स' अछि सुर्फके क एक देएपेर रेसोनन्के. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३४१. (D) पोएम दोकुमेन्ट्स मुल्टिप्ले लयेर्स क एक मैथिली स्त्री'स लिफे, अग्रिकुल्लुरल लबोउर, दोमेस्टिक ओप्रेसिओन, आ सांस्कृतिक लिने क इन्हेरिटन्के क स्त्री'स गीतसभ (सोहर अट बिर्थ, समदइन अट मर्रिअगे), विथओउट रोमन्टिकिसिन्ना अन्य लयेर. —** अध्याय ९१ निरूपित करैत अछि उमेश पस्वन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे उमेश पस्वन — कवि, लघु कथा लेखक आ दलित स्वर क मिथिला. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे पोएम दोकुमेन्ट्स मुल्टिप्ले लयेर्स क एक मैथिली स्त्री'स लिफे, अग्रिकुल्लुरल लबोउर, दोमेस्टिक ओप्रेसिओन, आ सांस्कृतिक लिने क इन्हेरिटन्के क स्त्री'स गीतसभ (सोहर अट बिर्थ, समदइन अट मर्रिअगे), विथओउट रोमन्टिकिसिन्ना अन्य लयेर. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३४२. (A) पस्वन कोम्मुनिट्य मन के अछि अक्कुसेद क बेइन्ना अट ब्रोन्ग प्लके मे ब्रोन्ग टिमे; दलित स्त्री लबेल्लेद 'चअरक्टेर्लेस्स' लेल रेस्कुइन्ना एक अबन्दोनेद इन्फन्ट; पोओर बोय क्लोसे स्कूल एदुकटिओन अछि इन्टेर्प्टेद द्वारा एक रिच मन'स मनिपुलटिओन, थएसे छथि/अछि ... —** अध्याय ९१ निरूपित करैत अछि उमेश पस्वन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे उमेश पस्वन — कवि, लघु कथा लेखक आ दलित स्वर क मिथिला. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे पस्वन कोम्मुनिट्य मन के अछि अक्कुसेद क बेइन्ना अट ब्रोन्ग प्लके मे ब्रोन्ग टिमे; दलित स्त्री लबेल्लेद 'चअरक्टेर्लेस्स' लेल रेस्कुइन्ना एक अबन्दोनेद इन्फन्ट; पोओर बोय क्लोसे स्कूल एदुकटिओन अछि इन्टेर्प्टेद द्वारा एक रिच मन'स मनिपुलटिओन, थएसे छथि/अछि ... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३४३. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे, देवेलोपेद द्वारा गजेन्द्र ठाकुर मे हुनकर रोले अस सम्पादक क विदेह (ISSN २२२९-५४७X), फिर्स्ट मैथिली फोर्द्निघट्ल्य ए-पत्रिका (लउन्चएद २००४... —** अध्याय ९२ निरूपित करैत अछि गजेन्द्र ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे स्वरसभ सँ मिथिला — विभअ रनि, बिन्देशवर ठाकुर आ अन्मोल झा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से द विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे, देवेलोपेद द्वारा गजेन्द्र ठाकुर मे हुनकर रोले अस सम्पादक क विदेह (ISSN २२२९-५४७X), फिर्स्ट मैथिली फोर्द्निघट्ल्य ए-पत्रिका (लउन्चएद २००४... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३४४. (C) लेखक के प्रेकिसेल्य ओब्सेर्वेस पर्टिकुलर (विडिअ) सामाजिक कोन्दिटिओन्स क मिथिला, सुच अस रुरल डिस्प्लकेमेन्ट वा गेन्देरेद हेअल्थ क्रिसेस, प्रोदुकेस एक कुअलिफिएद कोग्निटिओन (विडिअअजॉन) से रेवेअल्स उनिवेर्सल (सबमबान्य) टुथ क हुमन कोन्दिटिओन. —** अध्याय ९३ निरूपित करैत अछि विदेह इस्सुएस ३५१-४३८ अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे विदेह इस्सुएस ३५१-४३८ — एपिस्टेमोलोगिकल आ कनोनिकल ट्रन्स्फोर्मटिओन्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे लेखक के प्रेकिसेल्य ओब्सेर्वेस पर्टिकुलर (विडिअ) सामाजिक कोन्दिटिओन्स क मिथिला, सुच अस रुरल डिस्प्लकेमेन्ट वा गेन्देरेद हेअल्थ क्रिसेस, प्रोदुकेस एक कुअलिफिएद कोग्निटिओन (विडिअअजॉन) से रेवेअल्स उनिवेर्सल (सबमबान्य) टुथ क हुमन कोन्दिटिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३४५. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई मुल्टिमेदिअ अप्रोअच अछि नहि मेरेल्य अएस्थएटिक; ई अछि एक स्त्रटेगिक रेस्पन्से केँ देक्लिनिन्ना लिटेरेक्य मे ओरिगिनल टिहुट लिपि आ "इन्वसिओन" क हिन्दी आ नेपालि मेदिअ. —** अध्याय ९४ निरूपित करैत अछि विदेह समानान्तर ौदिओ विदेओ अभिलेख अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे विदेह समानान्तर ौदिओ विदेओ अभिलेख — डिजिटल रेमेदिअटिओन आ सुबल्टेर्न हिस्टोरिओग्राफ्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई मुल्टिमेदिअ अप्रोअच अछि नहि मेरेल्य अएस्थएटिक; ई अछि एक स्त्रटेगिक रेस्पन्से केँ देक्लिनिन्ना लिटेरेक्य मे ओरिगिनल टिहुट लिपि आ "इन्वसिओन" क हिन्दी आ नेपालि मेदिअ. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३४६. (D) विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे देमन्देद से एवेर्य स्वर हो हेअर्द पर बसिस क साहित्यिक मेरिट रथएर थअन कस्टे प्रिविलेगे. —** अध्याय ९६ निरूपित करैत अछि एपिस्टेमोलोग्य क परल्लेलिस्म अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे एपिस्टेमोलोग्य क परल्लेलिस्म — विदेह सदेह सेरिएस आ मैथिली डिजिटल रेनइस्सन्के. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे विदेह समानान्तर इतिहास समीक्षात्मक फ्रमे देमन्देद से एवेर्य स्वर हो हेअर्द पर बसिस क साहित्यिक मेरिट रथएर थअन कस्टे प्रिविलेगे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३४७. (D) गनोस'स अनल्यिसस क सब्द-प्रमन (वेर्बल टेस्टिमोन्य अस एक मेअन्स क युक्तिसंगत क्नोव्लेद्रे) अछि दिरेक्ट्ल्य प्रासंगिकः लेल गनोस, वलिदिट्य क वेर्बल टेस्टिमोन्य देपेन्ड्स पर टुस्ट्वोर्थइनेस्स क स्पेअकेर (अप्टवक्य) आ प्रेकिसिओन क बोर्द-मेअनिन्ना... —** अध्याय ९८ निरूपित करैत

अछि योगनन्द झा, कमल चौधरी आ ललित झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे योगनन्द झा, कमल चौधरी आ ललित झा — समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे गनोस'स अनलिक्सस क सब्द-प्रमन (वेबल टेस्टिमोन्य अस एक मेअन्स क युक्तिसंगत कनोव्लेद्रे) अछि दिरेक्ट्ल्य प्रासंगिक: लेल गनोस, वलिदिट्य क वेबल टेस्टिमोन्य देपेन्ड्स पर टुस्ट्वोर्थइनेस्स क स्पेअकेर (अप्टवक्य) आ प्रेकिसिओन क बोर्ड-मेअनिना... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३४८. (C) मैथिली अछि हुनकर मोथएर टोन्गुए, आ नेपालि आ हिन्दी हुनकर अक्कुइरेद सेकोन्द लन्गुअगेस, एक बिओग्रफइकल फक्ट क नो स्मल्ल सिग्निफिकन्के:** हे अछि एक नटिवे स्पेअकेर स्वओलर क एक भाषा हे स्पेन्ट एक लिफेटिमे अनलिक्सस फोर्मल्ल्य, एक पोसिटिओन से गिवेस हिम दुअल... — अध्याय १०० निरूपित करैत अछि प्रोफेसर. डॉ. योगेन्द्र P. यदव अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रोफेसर. डॉ. योगेन्द्र P. यदव — मैथिली लिन्गुइस्ट आ भाषा पोलिक्य अर्चइटेक्ट. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मैथिली अछि हुनकर मोथएर टोन्गुए, आ नेपालि आ हिन्दी हुनकर अक्कुइरेद सेकोन्द लन्गुअगेस, एक बिओग्रफइकल फक्ट क नो स्मल्ल सिग्निफिकन्के: हे अछि एक नटिवे स्पेअकेर स्वओलर क एक भाषा हे स्पेन्ट एक लिफेटिमे अनलिक्सस फोर्मल्ल्य, एक पोसिटिओन से गिवेस हिम दुअल... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३४९. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई कोन्टइन्स यदव'स ओव्न ' मैथिली भाषा आ लिन्गुइस्टिक्स: एक ओवेर्विएव' (प्प.** — अध्याय १०० निरूपित करैत अछि प्रोफेसर. डॉ. योगेन्द्र P. यदव अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रोफेसर. डॉ. योगेन्द्र P. यदव — मैथिली लिन्गुइस्ट आ भाषा पोलिक्य अर्चइटेक्ट. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई कोन्टइन्स यदव'स ओव्न ' मैथिली भाषा आ लिन्गुइस्टिक्स: एक ओवेर्विएव' (प्प. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**३५०. (C) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )** — व्याख्या: “रंजना झा” प्रविष्टि “मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।

**३५१. (C) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )** — व्याख्या: “मैथिली ठाकुर” प्रविष्टि “मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।

**३५२. (A) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )** — व्याख्या: “रंजनी पल्लवी” प्रविष्टि “मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।

**३५३. (C) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )** — व्याख्या: “गजल - ३” प्रविष्टि “मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।

**३५४. (B) बृखेश चन्द्र लाल , जनकपुरक सौजन्यसँ** — “झिझि या” प्रविष्टि “बृखेश चन्द्र लाल , जनकपुरक सौजन्यसँ” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।

**३५५. (C) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )** — व्याख्या: “पूनम मिश्र” प्रविष्टि “मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।

**३५६. (A) अभिनय क्षणिक कला अछि आ पुरान रंगमंचीय प्रस्तुति सभक पर्याप्त रेकॉर्डिंग उपलब्ध नहि होइत** — रंगकर्मी के मूल्यांकनमे स्मृति, साक्षात्कार, संस्मरण आ उपलब्ध रेकॉर्डिंग सभ महत्वपूर्ण साक्ष्य बनैत अछि।

**३५७. (A) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )** — व्याख्या: “सौम्या झा” प्रविष्टि “मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।

**३५८. (A) अनुवाद केँ स्वतन्त्र कला, सिद्धान्त आ इतिहास सहित पढ़बाक क्षेत्र** — अनुवाद-कलाक शास्त्रीयकरण मतलब ओकर विधि, परम्परा आ मूल्यांकनक मानक बनएब।

**३५९. (A) लिखित संवाद नीक हो सकैत अछि, मुदा मंच पर गति, दृश्य, ध्वनि आ अभिनयक माँग अलग होइत अछि** — नाटक पाठ सेहो अछि, पर मंचीय कला सेहो; तँ समीक्षा दुनू पक्ष पर दृष्टि रखैत अछि।

**३६०. (B) कला पर प्राच्य-पाश्चात्य दार्शनिक बहसक पृष्ठभूमि देइत अछि** — समीक्षा सिद्धान्त ऐतिहासिक दार्शनिक प्रश्नसँ जुड़ैत अछि—कला सत्य, आनंद, ज्ञान वा अनुकरण की अछि।

**३६१. (B) ❀ मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )** — व्याख्या: ई प्रविष्टि “❀ मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )” नामक उप-समूहमे सूचीबद्ध अछि; सेही आधार पर उत्तर चुनल जाय।

**३६२. (A) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )** — व्याख्या: “अनामिका झा” प्रविष्टि “मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।

**३६३. (A) प्रदर्शन-कला केँ समय पर रिकॉर्ड, लिखित आ संग्रहित नहि केलासँ इतिहास खो जाइत अछि** — ई कथन अभिलेखनक अत्यावश्यकता पर बल दैत अछि।

३६४. (B) जखन पाठशाला केवल उपदेश नहि, बच्चाक हँसी, डर, दोस्ती आ खोजक संसार बनैत अछि — विद्यालय बाल-जीवनक प्रमुख क्षेत्र अछि; साहित्य ओकर भावनात्मक रूप देखबैत अछि।
३६५. (A) मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती ) — व्याख्या: “दीपशिखा झा” प्रविष्टि “मैथिली गजल ( गजल - गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती )” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।
३६६. (C) अभिनय अभ्यास, अनुशासन, समय-बोध, संवाद, देह-भाषा आ मंच-सामूहिकता पर आधारित कला अछि — थिएटरमे प्रतिभा संग कठोर अभ्यास आ टीम-निष्ठा जरूरी अछि।
३६७. (A) कला मे पद, उमेर वा प्रतिष्ठा नहि, कौशल, साधना आ प्रस्तुति-क्षमता निर्णायक अछि — ई कथन रंगमंचक पेशेवर नैतिकता आ गुणवत्ता-केंद्रित दृष्टि दर्शाबैत अछि।
३६८. (D) यू-ट्यूब चैनल आ रेडियो — “अपन मैथिली” प्रविष्टि “यू-ट्यूब चैनल आ रेडियो” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।
३६९. (A) खाँटी मैथिली गजलकारक रूपमे चिन्हल जाइत छथि — लेख ई नामसभकेँ खाँटी गजलकारक रूपमे रेखांकित करैत अछि।
३७०. (A) विकासमे पाठ, मंच, दर्शक, संस्था, आलोचना, भाषा आ तकनीक सभ सम्मिलित अछि — नाट्य-विधा सामूहिक सामाजिक कला अछि; ओकर इतिहास कई स्तर पर बनैत अछि।
३७१. (B) नाटक मंचीय क्रिया आ संवादसँ जीवित होइत अछि — संपादकीय नाटकक विशेषता रूपमे संवाद, भाव आ क्रियाकेँ चिन्हित करैत अछि।
३७२. (C) केवल कोन लेख कोन पृष्ठ पर अछि वा अनुक्रम संख्या कतेक अछि — उच्च-स्तरक प्रश्न रचना/कला-दृष्टि आ सांस्कृतिक अर्थ पर आधारित होएबाक चाही।
३७३. (A) मैथिली रंगमंच, स्त्री-अध्ययन, प्रदर्शन-कला आ सांस्कृतिक इतिहास पढ़ेबामे उदाहरण रूपे — हुनकर काज बहुविषयी अध्ययन लेल सामग्री दैत अछि।
३७४. (A) चिड़ै, पेड़, नदी, वर्षा संग बच्चाक आत्मीय संबंध रचि — बालक प्रकृतिसँ सीधे जुड़ैत अछि; एहि संबंधमे पर्यावरण-संवेदना सहज बनैत अछि।
३७५. (C) गजल-रचना मे शिल्प-संस्कार, कसौटी आ परिष्कारक अनिवार्यता — गजल शिल्प धातु-कर्म जकाँ कसावट आ निर्माणक कला माँगैत अछि।
३७६. (A) लेखक बच्चाक मन, दृष्टि आ अनुभव-जगतमे प्रवेश कए लिखए — बाल-साहित्य रचबाक लेल लेखककेँ बच्चा-संवेदना भीतर सँ अनुभव करबाक कला चाही।
३७७. (C) सादगी मतलब सपाटपन नहि; बाल-मानसक अनुरूप स्पष्ट, जीवंत, लययुक्त भाषा — बाल साहित्यक अनुवादमे सरलता आ कलात्मकता दुनू चाही।
३७८. (D) लय स्मरण, पाठ, गायन आ रस-ग्रहणकेँ सहज बनबैत अछि — बाल पाठक श्रवण-आधारित ग्रहण बेसी करैत अछि; लय ओकरा कविता सँ जोड़ैत अछि।
३७९. (C) सरलता सपाट, अशुद्ध वा कलाहीन भाषा नहि अछि — नीक बाल-भाषा सुगम रहैत अछि, मुदा ओकरा मे लय, सटीकता, शुद्धता आ सौंदर्य रहैत अछि।
३८०. (B) जखन ओ लय, रदीफ, खेल वा भाव-वृद्धि करैत अछि — सजग पुनरावृत्ति बच्चाक स्मरण आ सहभागिता बढ़बैत अछि।
३८१. (B) कला मातृभाषा, समाज आ लोकस्मृति सेवा बनि सकैत अछि — हुनकर कवित्व सेवा-भावक संग जुड़ल अछि।
३८२. (D) जखन भावना कृत्रिम, उधार, अतिनाटकीय वा शिल्पहीन हो — प्रामाणिकता आ कलात्मकता भावक कसौटी अछि।
३८३. (B) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती) — “गजल-३” प्रविष्टि “मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।
३८४. (B) मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती) — “बहरे मुतकारिब” प्रविष्टि “मैथिली गजल (गजल- गजेन्द्र ठाकुर , गायन दीक्षा भारती)” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।
३८५. (D) यू-ट्यूब चैनल आ रेडियो — “सुरेन्द्र राउत” प्रविष्टि “यू-ट्यूब चैनल आ रेडियो” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।
३८६. (C) यू-ट्यूब चैनल आ रेडियो — “मैथिली - नेपाली सीखू” प्रविष्टि “यू-ट्यूब चैनल आ रेडियो” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।
३८७. (D) विदेह पोथी सँ नाटक/नाट्य/एकांकी पोथी — “गजेन्द्र ठाकुर — ४७. उल्कामुख (नाटक) (२०२३)” प्रविष्टि “विदेह पोथी सँ नाटक/नाट्य/ एकांकी पोथी” भाग/उप-समूहमे देल अछि; सेही आधार पर सही उत्तर चुनल जाय।



क्रिटिकिस्म शअन्ति लक्ष्मि चौधरी'स 'लेस्बियन कोन्टिनुअम' (लेस्बियन कॉन्टिन्युअम), प्रकाशित मे विदेह सदेह १५ अलोनिसदे 'Mātrāṇṭv' (मोथएहोओद) आ 'नेटाजा', अछि अमोना सभसँ थएओरेटिकल्लय... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**४०४. (A) ई निरूपित करैत अछि मट्टेर अस फोल्लोव्स: मन्य मैथिली गजल-कोम्पोसेस छल उन्दिस्किप्लिनेद सँ बिन्दु क विएव क मेट्रे** — ई उत्तर एहि विषयसँ मेल खाइत अछि कारण विवेचन एकरा एहि बिन्दुसँ जोड़ैत अछि: ई निरूपित करैत अछि मट्टेर अस फोल्लोव्स: मन्य मैथिली गजल-कोम्पोसेस छल उन्दिस्किप्लिनेद सँ बिन्दु क विएव क मेट्रे ओथएर विकल्पसभ रेफेर केँ भिन्न भागसभ क पोथी.

**४०५. (C) हुनकर प्रेलिम\_१४ पिएके 'मटिभरम' (कोन्फुसिओन/देलुसिओन) अछि एक टिट्ले से रेसोनटेस सँ फेमिनिस्ट क्रिटिकुए क फल्से कोन्स्किओउस्नेस्स, कुएस्टिओन क दोसे वलुएस आ दोसे रेअलित्य कोन्स्टिटुटे नोर्मटिवे समीक्षात्मक फ्रमे से स्त्री छथि/अछि एक्स्पेक्टेद केँ अक्केप्ट.** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर प्रेलिम\_१४ पिएके 'मटिभरम' (कोन्फुसिओन/देलुसिओन) अछि एक टिट्ले से रेसोनटेस सँ फेमिनिस्ट क्रिटिकुए क फल्से कोन्स्किओउस्नेस्स, कुएस्टिओन क दोसे वलुएस आ दोसे रेअलित्य कोन्स्टिटुटे नोर्मटिवे समीक्षात्मक फ्रमे से स्त्री छथि/अछि एक्स्पेक्टेद केँ अक्केप्ट. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केन्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**४०६. (C) ई निरूपित करैत अछि मट्टेर अस फोल्लोव्स: भाषा-देपेन्डेन्ट सिग्निफिएस से अस प्रिन्किप्लेस क भाषा चअनो, प्रिन्किप्लेस क गजल अल्सो चअनो, एक्स्पेक्टे लेल रदिफ आ स्थल्लबिक पट्टेन, से अछि, बहर** — ई उत्तर एहि विषयसँ मेल खाइत अछि कारण विवेचन एकरा एहि बिन्दुसँ जोड़ैत अछि: ई निरूपित करैत अछि मट्टेर अस फोल्लोव्स: भाषा-देपेन्डेन्ट सिग्निफिएस से अस प्रिन्किप्लेस क भाषा चअनो, प्रिन्किप्लेस क गजल अल्सो चअनो, एक्स्पेक्टे लेल रदिफ आ स्थल्लबिक पट्टेन, से अछि, बहर ओथएर विकल्पसभ रेफेर केँ भिन्न भागसभ क पोथी.

**४०७. (B) १, ३ आ ४ केवल** — विकल्प ख गद्यांशसँ सभसँ बेसी निकट अछि। कथन १ अछि समर्थित: अग्रिकुल्लुरल रुनोपफ आ स्लुर्य पोल्लुटे वटेर बोदिएस सँ नुट्रिएन्ट्स लिके निट्रोगेन आ फओस्फओरस. कथन २ अछि नहि समर्थित: फेर्टिलिजेस दोन'ट हर्म सोइल मिक्रोओर्गनिस्स; थएय हेल्प देकोम्पोसे स्लुर्य व्हेन रेनुर्नेद केँ लन्द. कथन ३ अछि समर्थित: एक्स्केस्स निट्रोगेन आ फओस्फओरस कउसे एउट्रोफाइकटिओन मे लकेस आ ओकेअन्स. कथन ४ अछि समर्थित: नुट्रिएन्ट ओवेर्लोअद लेअदूस् केँ टोक्सिक अल्लाल ब्लोओम्स आ देअद जोनेस मे ओकेअन्स.

**४०८. (C) मोन्थ व्हेन सुन अछि मे जोदिअक सिग्न क लेओ (सिम्भअ), रोउघल्य १६ ौगुस्ट केँ १५ सेप्टेम्बर.** — अनलिटिकल बिन्दु अस्केद मे ई कुएस्टिओन अछि कप्टुरेद द्वारा: मोन्थ व्हेन सुन अछि मे जोदिअक सिग्न क लेओ (सिम्भअ), रोउघल्य १६ ौगुस्ट केँ १५ सेप्टेम्बर.

**४०९. (D) विन्ध्य मोउन्टइन्स** — अनलिटिकल बिन्दु अस्केद मे ई कुएस्टिओन अछि कप्टुरेद द्वारा: विन्ध्य मोउन्टइन्स

**४१०. (C) B.एक. (बचएलोर क अर्ट्स), इन्डिकटिन्ग हुनकर एदुकटिओनल कुअलिफिकटिओन.** — अनलिटिकल बिन्दु अस्केद मे ई कुएस्टिओन अछि कप्टुरेद द्वारा: B.एक. (बचएलोर क अर्ट्स), इन्डिकटिन्ग हुनकर एदुकटिओनल कुअलिफिकटिओन.

**४११. (A) परस्मनि, कुलनन्द, आ इन्द्रमनिय** — अनलिटिकल बिन्दु अस्केद मे ई कुएस्टिओन अछि कप्टुरेद द्वारा: परस्मनि, कुलनन्द, आ इन्द्रमनिय

**४१२. (B) ५०० येअर्स.** — अनलिटिकल बिन्दु अस्केद मे ई कुएस्टिओन अछि कप्टुरेद द्वारा: ५०० येअर्स.

**४१३. (D) देफिनिटिओन: स्पेकिफिक सुब्सेट क दिस्टिन्गुइशएद अन्केस्टोर्स भीतर एक गोत्र के छल कोम्पोसेस क वेदिक ह्यन्स.** — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिन्ग अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि: देफिनिटिओन: स्पेकिफिक सुब्सेट क दिस्टिन्गुइशएद अन्केस्टोर्स भीतर एक गोत्र के छल कोम्पोसेस क वेदिक ह्यन्स.

**४१४. (D) स्पेकिफिक फोउन्दिन्ग इन्डिविदुअल सँ व्होम से ब्रन्च क परिवार ओरिगिनटेद.** — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिन्ग अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि: स्पेकिफिक फोउन्दिन्ग इन्डिविदुअल सँ व्होम से ब्रन्च क परिवार ओरिगिनटेद.

**४१५. (D) ३४ (लटेर एक्स्पन्डेद केँ ३५).** — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिन्ग अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि: ३४ (लटेर एक्स्पन्डेद केँ ३५).

**४१६. (C) ट्रिप्रवर गोत्रस अछि ३ देसिग्नटेद वेदिक अन्केस्टोर्स, व्हिले पन्चअप्रवर अछि ५.** — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिन्ग अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि: ट्रिप्रवर गोत्रस अछि ३ देसिग्नटेद वेदिक अन्केस्टोर्स, व्हिले पन्चअप्रवर अछि ५.

**४१७. (C) १६७** — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिन्ग अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि: १६७

**४१८. (A) ओरिगिनल अन्केस्त्रल रेसिदेन्के.** — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिन्ग अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि: ओरिगिनल अन्केस्त्रल रेसिदेन्के.

**४१९. (C) एक्सम्प्ले: वट्स, सवर्न, आ भअर्द्वज (मे सोमे कोन्टेक्स्ट्स) छथि/अछि एक्सम्प्लेस क गोत्रस सँ फिवे ह्यन्-कोम्पोसिन्ग अन्केस्टोर्स.** — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिन्ग अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि: एक्सम्प्ले: वट्स, सवर्न, आ भअर्द्वज (मे सोमे कोन्टेक्स्ट्स) छथि/अछि एक्सम्प्लेस क गोत्रस सँ फिवे ह्यन्-कोम्पोसिन्ग अन्केस्टोर्स.





## कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.

**४६३. (D) एक कोल्लेक्टिवे ब्रिटैन रेगिस्ट्रार के प्रेवन्ट फोर्गेट्टिंग क अन्केस्टोर्स आ एन्सुरे वंश-रेखा पुरिट्य. —** ई इटेम टुन्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्डिंग अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि: एक कोल्लेक्टिवे ब्रिटैन रेगिस्ट्रार के प्रेवन्ट फोर्गेट्टिंग क अन्केस्टोर्स आ एन्सुरे वंश-रेखा पुरिट्य.

**४६४. (B) १६७** — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिन्ग अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि: १६७

**४६५. (A) से थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.** — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केर्स क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिन्ग अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि: से थरेए अन्केस्टोर्स छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.

**४६६. (D) थरेए (सन्दिल्य, असिट, आ देवल).** — ई इटेम टुन्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मट्चइना उत्तर अछि:  
थरेए (सन्दिल्य, असिट, आ देवल).

**४६७. (A) वचअस्पत्य.** — ई इटेम दुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मूल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मट्चइना उत्तर अछि: वचअस्पत्य.

**४६८. (A) नुम्बेर क अन्केस्टोर्स (थरेए वा फिवे) के छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.** — ई इटेम दुर्ग पर पंजी पहचान मर्केर्स क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मटचइना उत्तर अछि: नुम्बेर क अन्केस्टोर्स (थरेए वा फिवे) के छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.

**४६९. (C) द्वेन्त्य (२०) गोत्रस.** — ई इटेम दुर्त्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मट्चइना उत्तर अछि: द्वेन्त्य (२०) गोत्रस.

४७०. (C) एक वंश-रेखा क रिशइ अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेद सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स. — ई इटेम दुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केर्स क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि: एक वंश-रेखा क रिशइ अन्केस्टोर्स अस्सोकिअटेद सँ एक गोत्र के छल कोम्पोसेर्स क वेदिक ह्यन्स.

**४७१. (B) कशयप.** — ई इटेम टर्न्स पर पंजी पहचान मर्केर्स क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिंग अन्वेस्टोर; मट्चइंग उत्तर अछि: कशयप.

**४७२. (D) शअन्दिल्य, वट्स, कशयप, सवर्न, परशअर, भअरद्वज आ कट्ययन.** — ई इटेम टुन्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मट्ठइना उत्तर अछि: शअन्दिल्य, वट्स, कशयप, सवर्न, परशअर, भअरद्वज आ कट्ययन.

**४७३. (B) नुम्बेर क अन्केस्टोर्स (उसुअल्लय थरेए वा फिवे) के छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.** — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केर्स क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिन्ग अन्केस्टोर; मटचइन्ग उत्तर अछि: नुम्बेर क अन्केस्टोर्स (उसुअल्लय थरेए वा फिवे) के छल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.

**४७४. (B) परशअर.** — ई इटेम टर्न्स पर पंजी पहचान मर्केर्स क गोत्र, मूल, प्रवर, वा फोउन्दिन्ग अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि: परशअर.

**४७५. (B) कशयप.** — ई इटेम टर्न्स पर पंजी पहचान मर्केर्स क गोत्र, मूल, प्रवर, वा फोउन्दिन्ग अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि: कशयप.

**४७६. (D) फमिलिएस से अछि मिग्रटेद वा मोवेद सँ हुनकर ओरिगिनल 'मुल ग्रम'.** — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मटचइन्ना उत्तर अछि: फमिलिएस से अछि मिग्रटेद वा मोवेद सँ हुनकर ओरिगिनल 'मुल ग्रम'.

**४७७. (D) एक रेगिस्टर से लिस्ट्स सभ रेकोग्निजेद गोत्रस आ हुनकर अस्सोकिअटेद ओरिगिनल मुलस.** — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मूल, प्रवर, वा फोउन्दिन्ग अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि: एक रेगिस्टर से लिस्ट्स सभ रेकोग्निजेद गोत्रस आ हुनकर अस्सोकिअटेद ओरिगिनल मुलस.

**४७८. (B) इलमपटि उपधयय (कटिह मुल).** — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मट्चइन्ग उत्तर अछि:  
इलमपटि उपधयय (कटिह मुल).

**४७९. (B) स्पेकिफिक अन्केस्टोर्स के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.** — ई इटेम टुन्स पर पंजी पहचान मर्केर्स क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मटचइना उत्तर अछि: स्पेकिफिक अन्केस्टोर्स के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क रिग्वेदिक ह्यन्स.

**४८०. (D) स्पेकिफिक गाम केरै एक ब्रन्च क एक 'मोओल' एवेन्टुअल्लय सेट्रलेद आ बेकमे इदेन्टिफिएद सँ. —** ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मूल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मटचइना उत्तर अछि: स्पेकिफिक गाम केरै एक ब्रन्च क एक 'मोओल' एवेन्टुअल्लय सेट्रलेद आ बेकमे इदेन्टिफिएद सँ.

**४८१. (D) एक रेकोर्ड देटइलिना 'मोओल्यग्रम्स' (सेट्टूलेद विल्लगेस) क वरिओउस लिनेअगेस, मे उसे लेल अबोउट ५०० येअर्स. — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी**  
**पहचान मर्केर्स क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मट्चइना उत्तर अछि: एक रेकोर्ड देटइलिना 'मोओल्यग्रम्स' (सेट्टूलेद विल्लगेस) क वरिओउस**  
**लिनेअगेस, मे उसे लेल अबोउट ५०० येअर्स.**

**४८२. (A) अन्किएन्ट सगे अन्केस्टोर्स के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क वेदिक द्यन्स.** — ई इटेम टुन्स पर पंजी पहचान मर्केर्स क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मटचइना उत्तर अछि: अन्किएन्ट सगे अन्केस्टोर्स के छल ओरिगिनल कोम्पोसेर्स क वेदिक द्यन्स.

**४८३. (A) थएय सेर्वे अस 'मुल्ग्रम्स' कैँ दिस्टिन्गुइश भिन्न ब्रन्चएस क समे 'मुल'.** — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिन्ग अन्केस्टोर; मटचइन्ग उत्तर अछि: थएय सेर्वे अस 'मुल्ग्रम्स' कैँ दिस्टिन्गुइश भिन्न ब्रन्चएस क समे 'मुल'.



५०८. (C) खअदोउरे — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मट्चइना उत्तर अछि: खअदोउरे
५०९. (B) सलम्पुर. — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मट्चइना उत्तर अछि: सलम्पुर.
५१०. (A) ई अछि बेएन उसेद लेल अप्रोक्सिमेटेल्य ५०० येअर्स कै मेन्टिओन 'मोओल-ग्रम' (अन्केस्त्रल गाम). — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मट्चइना उत्तर अछि: ई अछि बेएन उसेद लेल अप्रोक्सिमेटेल्य ५०० येअर्स कै मेन्टिओन 'मोओल-ग्रम' (अन्केस्त्रल गाम).
५११. (B) मन्दइ (मन्दरि). — ई इटेम टुर्न्स पर पंजी पहचान मर्केस क गोत्र, मुल, प्रवर, वा फोउन्दिना अन्केस्टोर; मट्चइना उत्तर अछि: मन्दइ (मन्दरि).
५१२. (A) लटे मेदिएवल पेरिओद, स्पेकिफिकल्ल्य अरोउन्ड १३२६ AD (शअक १२४८). — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: लटे मेदिएवल पेरिओद, स्पेकिफिकल्ल्य अरोउन्ड १३२६ AD (शअक १२४८).
५१३. (D) पुरुशओट्टम झा. — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: पुरुशओट्टम झा.
५१४. (C) किन्ना हरिसिम्हदेव. — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: किन्ना हरिसिम्हदेव.
५१५. (B) महरज हरिसिम्हदेव. — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: महरज हरिसिम्हदेव.
५१६. (C) खअलिस. — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: खअलिस.
५१७. (D) विरेस्वर. — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: विरेस्वर.
५१८. (D) अमरुक — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: अमरुक
५१९. (B) दुर्गदट्ट आ भअवनिदट्ट. — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: दुर्गदट्ट आ भअवनिदट्ट.
५२०. (C) एक्नथ. — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: एक्नथ.
५२१. (A) रन्गइ. — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: रन्गइ.
५२२. (D) कलिदस — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: कलिदस
५२३. (D) मस्टर क अर्ट्स (MA) आ बचएलोर क एदुकटिओन (बेद). — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: मस्टर क अर्ट्स (MA) आ बचएलोर क एदुकटिओन (बेद).
५२४. (D) बचएलोर क अर्ट्स (BA) आ बचएलोर क एदुकटिओन (बेद). — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: बचएलोर क अर्ट्स (BA) आ बचएलोर क एदुकटिओन (बेद).
५२५. (A) मस्टर क अर्ट्स (MA). — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: मस्टर क अर्ट्स (MA).
५२६. (C) बचएलोर क अर्ट्स (BA). — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: बचएलोर क अर्ट्स (BA).
५२७. (C) यशओधअर, जग्गदर आ हलधअर. — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: यशओधअर, जग्गदर आ हलधअर.
५२८. (C) BA (बचएलोर क अर्ट्स). — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: BA (बचएलोर क अर्ट्स).
५२९. (A) निखउटि (स्पेकिफिकल्ल्य रम्दुट्ट). — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: निखउटि (स्पेकिफिकल्ल्य रम्दुट्ट).
५३०. (B) शअम्भउ, शएखअर, आ शअन्कनर्थ — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: शअम्भउ, शएखअर, आ शअन्कनर्थ
५३१. (C) भअद्रेशवर, दमोदर, बइकुन्थ, निल्कन्थ, श्रीकन्ट, आ धयन्कन्ट. — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: भअद्रेशवर, दमोदर, बइकुन्थ, निल्कन्थ, श्रीकन्ट, आ धयन्कन्ट.
५३२. (B) मस्टर क अर्ट्स (MA). — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: मस्टर क अर्ट्स (MA).
५३३. (C) गयदट्ट. — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: गयदट्ट.
५३४. (C) वटेर (जल), ओइल (टइल), आ लोओसे बिन्दिना (शथइल बन्धअन). — लेल हिस्टोरिकल वा इन्स्टिटुटिओनल देटइल अस्केद हेरे, प्रासंगिक एन्ट्यू बिन्दुसभ कै: वटेर (जल), ओइल (टइल), आ लोओसे बिन्दिना (शथइल बन्धअन).
५३५. (D) बुधवल (देस्केन्दन्ट क जगन्नथ). — गेनेअलोगिकल एन्ट्यू लिन्क्स पेसॉन, गाम, वा परिवार लिने सँ: बुधवल (देस्केन्दन्ट क जगन्नथ).

५३६. (A) B.एक. (बचएलोर क अर्ट्स). — गेनेअलोगिकल एन्ट्रय लिन्क्स पेसॉन, गाम, वा परिवार लिने सँ: B.एक. (बचएलोर क अर्ट्स).

५३७. (A) स्केएन्शओट क कोम्मेन्ट अछि बेइन्ग गिवेन अट एन्ड — अनुभाग रूपरेखा बनबैत अछि एदिटोरिअल, ब्लेस्सिन्स आ मैथिली फिर्स्ट्स भीतर व्यापक विषय क एदिटोरिअल, ब्लेस्सिन्स आ मैथिली फिर्स्ट्स. मे सुबस्टन्के, ई समर्थन करैत अछि सेलेक्टेड कथन; बाकी विकल्प ग्रंथक आन भागसँ लेल गेल अछि।

५३८. (C) पर ई ओक्कसिओन, ई छल देकिदेद केँ मंच प्लेस लेल ट्वो निघट्स (प्रोबब्लय मे ६१-६२) — अनुभाग रूपरेखा बनबैत अछि गाम दिरेक्टर के टुर्नेद क्रन्क भीतर व्यापक विषय क गाम दिरेक्टर के टुर्नेद क्रन्क: K.N.T.. मे सुबस्टन्के, ई समर्थन करैत अछि सेलेक्टेड कथन; बाकी विकल्प ग्रंथक आन भागसँ लेल गेल अछि।

५३९. (B) केना I विल्ल मनगे म्य लिविन्ग, से अछि लेल मे केँ थइन्क, दोन'ट योउ पोके योउर नोसे इन्टो ई!“ -”सिर, सिर! — अनुभाग रूपरेखा बनबैत अछि गाम दिरेक्टर के टुर्नेद क्रन्क भीतर व्यापक विषय क गाम दिरेक्टर के टुर्नेद क्रन्क: K.N.T.. मे सुबस्टन्के, ई समर्थन करैत अछि सेलेक्टेड कथन; बाकी विकल्प ग्रंथक आन भागसँ लेल गेल अछि।

५४०. (D) आ पुशइन्ग असिदे गुअर्द अस इफ हे छल नोथइन्ग, थएय पुशएद स्लिघट्लय ओपेन दोओर क रोओम आ एन्टेरेद — अनुभाग रूपरेखा बनबैत अछि गाम दिरेक्टर के टुर्नेद क्रन्क भीतर व्यापक विषय क गाम दिरेक्टर के टुर्नेद क्रन्क: K.N.T.. मे सुबस्टन्के, ई समर्थन करैत अछि सेलेक्टेड कथन; बाकी विकल्प ग्रंथक आन भागसँ लेल गेल अछि।

५४१. (B) अमोन्ग मइथइल ब्रह्मिन्स, थएरे छथि/अछि ट्वो ट्येस क प्रवर फमिलिएस - ट्रिप्रवर आ पन्चअप्रवर — अनुभाग रूपरेखा बनबैत अछि अमोन्ग मइथइल ब्रह्मिन्स भीतर व्यापक विषय क दुशअन पंजी: गजेन्द्र ठाकुर'स उनिवेर्सल कोन्ट्रिबुटिओन केँ मैथिली संस्कृति. मे सुबस्टन्के, ई समर्थन करैत अछि सेलेक्टेड कथन; बाकी विकल्प ग्रंथक आन भागसँ लेल गेल अछि।

५४२. (B) मे समानान्तर परम्परा क बिदपट नच, नृत्य-नाटक क विद्यापति गीत-पद (प्रेदटिन्ग ज्योतिरिशवर) अछि पेफोर्मेद — अनुभाग रूपरेखा बनबैत अछि बिदपट नच भीतर व्यापक विषय क दुशअन पंजी: गजेन्द्र ठाकुर'स उनिवेर्सल कोन्ट्रिबुटिओन केँ मैथिली संस्कृति. मे सुबस्टन्के, ई समर्थन करैत अछि सेलेक्टेड कथन; बाकी विकल्प ग्रंथक आन भागसँ लेल गेल अछि।

५४३. (B) एकर चअरक्टेर्स, व्हिले बेलोनिन्ग केँ मधुबनी डिस्ट्रिक्ट ( कथा'स थरेअद इन्डिकटेस ई), त्रवेल केँ पट्न, दिल्ली, आ कल्कुट्ट — अनुभाग रूपरेखा बनबैत अछि मधुबनी भीतर व्यापक विषय क सहस्त्रबधअनेए: मे म्य विएव. मे सुबस्टन्के, ई समर्थन करैत अछि सेलेक्टेड कथन; बाकी विकल्प ग्रंथक आन भागसँ लेल गेल अछि।

५४४. (A) इफ से छल नहि कसे, थएन भओलनथ झा, रेसिदेन्ट क कोइल्खअ आ संगीतकार क 'अगुर्बन', वोउल्ड अछि केप्ट हुनकर पेन नमे अस 'सहस्त्रबधअनेए' इन्स्टेअद क “धउम्केटु” (कोमेट) — अनुभाग रूपरेखा बनबैत अछि सहस्त्रबधअनेए भीतर व्यापक विषय क सहस्त्रबधअनेए: मे म्य विएव. मे सुबस्टन्के, ई समर्थन करैत अछि सेलेक्टेड कथन; बाकी विकल्प ग्रंथक आन भागसँ लेल गेल अछि।

५४५. (D) जोउर्नेय अछि बेकोमे लोन्ग नोव...." अनुसंधान-निबंध-क्रिटिकिस्म मे बेगिन्निन्ग, थएरे अछि 'खइस्स शइट-बसन्ट', बसेद पर फिएल्ड कृति — अनुभाग रूपरेखा बनबैत अछि अनुसंधान भीतर व्यापक विषय क एक लेट्टर लेल कुरुक्षेत्रम अन्तर्मनक. मे सुबस्टन्के, ई समर्थन करैत अछि सेलेक्टेड कथन; बाकी विकल्प ग्रंथक आन भागसँ लेल गेल अछि।

५४६. (B) Śānt (पेअके) आ Vīr (हेरोइस्म क मिन्ड) — चौधरी'स मेडिटिवे, फइलोसोफइकल गीत-पद एवोके śānt (त्रन्कुइलिट्य) आ इन्टेर्नलिसेद वार — कोउरगे केँ फके एक इन्डिफेरेन्ट कोस्मोस.

५४७. (B) समानान्तर सहित्य अकदेमि, समानान्तर ललित कल अकदेमि, आ समानान्तर सनोएट नटक अकदेमि — विदेह क्रेअटेड फुल्ल समानान्तर स्ट्रुक्चरेस मिर्रोरिन्ग थरेए नटिओनल अकदेमिएस, कोवेरिन्ग साहित्य, दृश्य अर्ट्स, आ पेफोर्मेन्ग अर्ट्स.

५४८. (B) वरुअनअरटनअकर आ उमपटि'स नाटक — चौधरी द्रव्स पर मनुस्क्रिप्ट आ एपिग्रफइक एविदेन्के, एस्पेकिअल्लय ज्योतिरिशवर'स एन्क्वल्पोपएदिअ आ उमपटि'स गीत-पद, केँ शओव एक रिच प्रे-विद्यापति परम्परा.

५४९. (C) { 'लबेल': 'क', 'टेक्स्ट': 'मध्यम-व्ययोग' } — केय इदेअ अछि से मध्यम-व्ययोग अछि एक संस्कृत प्लय द्वारा भअस बसेद पर महभअरट विकल्पसभ (एक), (ब), आ (द) छथि/अछि नहि रिघट: कव्यलन्कर (भअमह), नट्यशअस्त्र (भअरट मुनि), आ महभअशय (पटन्जलि) छथि/अछि ट्रेअटिसेस पर पोएटिक्स, पेफोर्मेन्ग अर्ट्स, आ ग्रम्पर, रेस्पेक्टिवेल्य.

५५०. (A) { 'लबेल': 'एक', 'टेक्स्ट': 'महेन्द्रवर्मन I' } — केय इदेअ अछि से महेन्द्रवर्मन I (५९०-६३० CE), एक मुल्ति-टलेन्टेड पल्लव किन्ग, एक्स्पन्देद हुनकर किन्डोम, प्रोमोटेड अर्ट्स आ टेम्प्ले-बुडलिन्ग, आ टोओक टिट्लेस लिके मट्टविलस, चइत्रकरपुलि, आ विचइत्रचइट्ट.

५५१. (B) { 'लबेल': 'ब', 'टेक्स्ट': '२ आ ३ केवल' } — केय इदेअ अछि से देकोम्पोसेर्स लिके बक्टेरिअ आ फुन्गि ब्रेअक दोव् देट्रिटुस—देअद प्लान्ट आ अनिमल रेमइन्स—इन्टो इनोर्गेनिक सुबस्टन्केस उसिन्ग ओक्स्योन.

**५५२. (A) {'लबेल': 'एक', 'टेक्स्ट': '१, २ आ ३'} —** केय इदेअ अछि से 'बोओना' अछि एक इन्दिअन फिल्म से वोन बफ्ट अवर्द मे शिशु/बाल'स आ परिवार फिल्म कतेगोर्य मे २०२५, मर्किना एक प्रमुख अचइएवेमेन्ट लेल इन्दिअन किनेम. हेन्के कथन १ अछि रिघट. फिल्म छल दिरेक्टेद द्वारा लक्ष्मिप्रिय देवि, एक फिल्ममेकर सँ मनिपुर, आ कथा देखबैत अछि थएमेस आ एक्स्पेरिएन्केस रोओटेद मे नोर्थएअस्ट भारत.

**५५३. (C) रबिन्द्रनथ टगोरे —** गद्यांश: 'रबिन्द्रनथ टगोरे – अट हेइघट क बेनाल रेनइस्सन्के – कोम्पोसेद हुनकर एअलर्य भअनुसिन्धअ थअकुरेर पदवलि (१८८४) मे ब्रजबुलि, इनिटिअल्लय प्रोमोटिन्ग थएसे गीत-पद अस कृति क एक नेक्क्य दिस्कोवेरेद मेदिएवल कवि नमेद भअनुसिन्धअ.'

**५५४. (B) बुइल्ट हेरिटगे —** सही विकल्प: (ब) बुइल्ट हेरिटगे. अर्चअएओलोगिकल वोर्क्षओप्स छथि/अछि केँ क्रेअटे अवरेनेस्स अबोउट हेरिटगे क थएसे स्टटे.

**५५५. (A) एक, B, C, D आ E —** सही विकल्प: (एक) एक, B, C, D आ E. ैक्टे वा सभ भारत कोउन्किल लेल टेचनिकल कोउन्किल कोवेर्स स्टन्द्स् आ वरिओउस अस्पेक्ट्स क फोल्लोविन्ग अरेअस क एदुकटिओन वा टेचनिकल एदुकटिओन कोउर्स: १. एन्निनेएरिन्ग २. टोव्न प्लन्निन्ग ३. फअर्मक्क्य ४.

**५५६. (A) एक. गीत-पद आ नाटक —** एक्स्प्लनटिओन: पोथी उल्लेख करैत अछि मिद्दले मैथिली छल दोमिनटेद मइन्त्य द्वारा गीत-पद आ नाटक.

**५५७. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से देस्कर्टेस ब्रेअक्स सँ लिने क इन्हेरिटन्के, रेफुसिन्ग केँ किटे स्रोतसभ; गांगेइअ, लिके सभ इन्दिअन फइलोसोफएर्स, अटृचएस हिम्सेल्फ रेस्पेक्ट्फुल्लय केँ हुनकर प्रेदेक्सेसोर उदयन एवेन व्हेन देपर्टिन्ग सँ हिम. —** अध्याय २ निरूपित करैत अछि गन्गेस उपधयय अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गन्गेस उपधयय — लिफे, लोगिक, आ लेगक्य मे नव्य-न्यय परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से देस्कर्टेस ब्रेअक्स सँ लिने क इन्हेरिटन्के, रेफुसिन्ग केँ किटे स्रोतसभ; गांगेइअ, लिके सभ इन्दिअन फइलोसोफएर्स, अटृचएस हिम्सेल्फ रेस्पेक्ट्फुल्लय केँ हुनकर प्रेदेक्सेसोर उदयन एवेन व्हेन देपर्टिन्ग सँ हिम. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५५८. (C) अक्तिवित्य थएओर्य थएरे अछि एक लोन्ग-स्टन्दिन्ग डिस्पुटे बीच नइययिकस आ वइयकरनस (ग्रम्मरिअन्स) रेगर्दिन्ग प्रिमर्य मेअनिन्ग क वेर्ब. —** अध्याय २ निरूपित करैत अछि गन्गेस उपधयय अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गन्गेस उपधयय — लिफे, लोगिक, आ लेगक्य मे नव्य-न्यय परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अक्तिवित्य थएओर्य थएरे अछि एक लोन्ग-स्टन्दिन्ग डिस्पुटे बीच नइययिकस आ वइयकरनस (ग्रम्मरिअन्स) रेगर्दिन्ग प्रिमर्य मेअनिन्ग क वेर्ब. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५५९. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से इ दो नहि उन्देस्टन्ड की अछि बसिस क ई कथन, फोल्क्लोरे वा लेगेन्ड. —** अध्याय २२ निरूपित करैत अछि दिनेश कुमार मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे दिनेश कुमार मिश्र — एवेर नेव / निट नवल दिनेश कुमार मिश्र. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से इ दो नहि उन्देस्टन्ड की अछि बसिस क ई कथन, फोल्क्लोरे वा लेगेन्ड. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५६०. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गुप्त'स पिएके पर लिकुओर पोलिक्य शओव्स ौचइट्य मे एकर चओइके क सुब्जेक्ट (दिरेक्ट्लय प्रासंगिक केँ बिहर/मिथिला कोम्मुनिट्य रेअदिन्ग विदेह), एकर रेगिस्टर (जोर्नलिस्टिक प्रोसे, नहि साहित्यिक एलबोरटिओन), आ एकर प्लकेमेन्ट मे सदेह २३... —** अध्याय २५ निरूपित करैत अछि हिटेन्ड्र गुप्त (दिल्ली) अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे हिटेन्ड्र गुप्त (दिल्ली) — मैथिली जोर्नलिस्ट आ सांस्कृतिक रेपोर्टर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से गुप्त'स पिएके पर लिकुओर पोलिक्य शओव्स ौचइट्य मे एकर चओइके क सुब्जेक्ट (दिरेक्ट्लय प्रासंगिक केँ बिहर/मिथिला कोम्मुनिट्य रेअदिन्ग विदेह), एकर रेगिस्टर (जोर्नलिस्टिक प्रोसे, नहि साहित्यिक एलबोरटिओन), आ एकर प्लकेमेन्ट मे सदेह २३... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५६१. (A) इन्स्टिटुटिओनल एनागेमेन्ट सँ मैथिली पेफोर्मिन्ग अर्ट्स मैथिली पोस्सेस्सेस एक्स्त्रओर्दिनरिल्य रिच पेफोर्मिन्ग अर्ट्स त्रदिटिओन्स: बिदेसिअ आ नटुअ नृत्य फोर्म्स, सम-चअकेव फेस्टिवल त्रदिटिओन्स, झइझइअ आ जिटिय लोक पेफोर्मन्केस, मैथिली रंगमंच लिने... —** अध्याय २८ निरूपित करैत अछि इन्स्टिटुटिओनल एनागेमेन्ट अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे मिथिला & मैथिली — समीक्षात्मक अनल्यिसस क इन्स्टिटुटिओन्स, अवर्द्स आ रेकोनिटिओन फ्रमेवोर्क्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे इन्स्टिटुटिओनल एनागेमेन्ट सँ मैथिली पेफोर्मिन्ग अर्ट्स मैथिली पोस्सेस्सेस एक्स्त्रओर्दिनरिल्य रिच पेफोर्मिन्ग अर्ट्स त्रदिटिओन्स: बिदेसिअ आ नटुअ नृत्य फोर्म्स, सम-चअकेव फेस्टिवल त्रदिटिओन्स, झइझइअ आ जिटिय लोक पेफोर्मन्केस, मैथिली रंगमंच लिने... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५६२. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सम्पादित द्वारा गजेन्द्र ठाकुर सँ नाटक सम्पादक बेचअन ठाकुर, ई प्रकाशन कोम्पिलेद पेफोर्मिन्ग अर्ट्स अक्तिवित्य सँ विदेह इस्सुएस ५१-१०० आ प्रोविदेद एक समीक्षात्मक अनल्यिसस क कस्टे-बसेद रंगमंच (जब्रटिग्रस्ट रन्मन्च) वेर्सुस देमोक्रटिक... —** अध्याय २८ निरूपित करैत अछि गजेन्द्र ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे मिथिला & मैथिली — समीक्षात्मक अनल्यिसस क इन्स्टिटुटिओन्स, अवर्द्स आ रेकोनिटिओन फ्रमेवोर्क्स. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से सम्पादित द्वारा गजेन्द्र ठाकुर सँ नाटक सम्पादक बेचअन ठाकुर, ई प्रकाशन कोम्पिलेद पेफोर्मिन्ग अर्ट्स अक्तिवित्य सँ विदेह इस्सुएस ५१-१०० आ प्रोविदेद एक समीक्षात्मक अनल्यिसस क कस्टे-बसेद रंगमंच (जब्रटिग्रस्ट रन्मन्च) वेर्सुस देमोक्रटिक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५६३. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर डॉ. किर्तिनथ झा, फय्सिकिअन, अनुवादक, लघु कथा लेखक आ सांस्कृतिक ब्रिदे. —** अध्याय ३८ निरूपित करैत अछि डॉ. किर्तिनथ झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. किर्तिनथ झा — फय्सिकिअन, अनुवादक, लघु कथा लेखक आ सांस्कृतिक ब्रिदे. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन्ट्रेस पर डॉ. किर्तिनथ झा, फय्सिकिअन, अनुवादक, लघु कथा लेखक आ सांस्कृतिक ब्रिदे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५६४. (D) टेअचएर'स अर्रिवल अक्टिवेटेस एक रेवेर्सल क फोर्नु से अछि बोथ ट्रामटिकल्लय सटिस्फियन्ग आ थएमटिकल्लय पोइन्टेद.** — अध्याय ४७ निरूपित करैत अछि मुन्नि कमट अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे मुन्नि कमट — रंगमंच, नाटक आ साहित्यिक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे टेअचएर'स अर्रिवल अक्टिवेटेस एक रेवेर्सल क फोर्नु से अछि बोथ ट्रामटिकल्लय सटिस्फियन्ग आ थएमटिकल्लय पोइन्टेद. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५६५. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गयट्रि स्पिक्'स कुएस्टिओन “कन सुबल्टेर्न स्पेअक?” रेसोनटेस सँ पर्टिकुलर फोर्के मे सन्दर्भ क प्रेएटि ठाकुर'स रेकोवेर्य क नोन-ब्रह्मिन लोक हेरोएस.** — अध्याय ५७ निरूपित करैत अछि प्रेएटि ठाकुर'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे प्रेएटि ठाकुर — पिओनेएर क मैथिली शिशु/बाल'स पिक्टुरे-कथा साहित्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से गयट्रि स्पिक्'स कुएस्टिओन “कन सुबल्टेर्न स्पेअक?” रेसोनटेस सँ पर्टिकुलर फोर्के मे सन्दर्भ क प्रेएटि ठाकुर'स रेकोवेर्य क नोन-ब्रह्मिन लोक हेरोएस. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५६६. (A) मे फोरेवोर्ड केँ जअल, हे स्टेटेस: 'I अछि मदे एक स्मल्ल एम्फोर्ट, एवेन विथओउट बेइन्ग स्क्विल्लेद मे सुब्जेक्ट.' ई चअरक्टेरिस्टिक मोदेस्ट्य अछि अक्कोम्पनिएद द्वारा एक क्लेअर अवरेनेस्स क पुर्पोसे: केँ कोन्ट्रिबुटे केँ देवेलोप्मेन्ट क एक मैथिली स्क्रैएन्सल्य लिने क...** — अध्याय ६० निरूपित करैत अछि रज्देओ मंडल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रज्देओ मंडल — कवि, उपन्यासकार, नाटककार, स्क्रैएन्सल्य लेखक आ लघु-कथा लेखक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे फोरेवोर्ड केँ जअल, हे स्टेटेस: 'I अछि मदे एक स्मल्ल एम्फोर्ट, एवेन विथओउट बेइन्ग स्क्विल्लेद मे सुब्जेक्ट.' ई चअरक्टेरिस्टिक मोदेस्ट्य अछि अक्कोम्पनिएद द्वारा एक क्लेअर अवरेनेस्स क पुर्पोसे: केँ कोन्ट्रिबुटे केँ देवेलोप्मेन्ट क एक मैथिली स्क्रैएन्सल्य लिने क... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५६७. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे उल्लेख करैत अछि से अन्य प्रिन्टिन्ग एवेन्ट मे मैथिली अछि रेसुल्ट क एक "साहित्यिक पेर्सिस्टेन्के" (जिद्द) आ पेर्सोनल फिनन्किअल सक्किफिके, ओपटेन ओक्कुरिन्ग मे एक सामाजिक एन्विरोन्मेन्ट केरे वेअलथय एलिटे छथि/अछि इन्दिफेरेन्ट केँ सांस्कृतिक प्रोदुक्तिओन.** — अध्याय ६६ निरूपित करैत अछि रमेश आ मल झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश आ मल झा — अनुसंधान आ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे उल्लेख करैत अछि से अन्य प्रिन्टिन्ग एवेन्ट मे मैथिली अछि रेसुल्ट क एक "साहित्यिक पेर्सिस्टेन्के" (जिद्द) आ पेर्सोनल फिनन्किअल सक्किफिके, ओपटेन ओक्कुरिन्ग मे एक सामाजिक एन्विरोन्मेन्ट केरे वेअलथय एलिटे छथि/अछि इन्दिफेरेन्ट केँ सांस्कृतिक प्रोदुक्तिओन. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५६८. (A) एक रेलटेद रेअदिना मे अध्याय अछि से अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स गजेन्द्र ठाकुर सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे.** — अध्याय ६८ निरूपित करैत अछि गजेन्द्र ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गजेन्द्र ठाकुर — ओरिगिनल पोएम मे मैथिली, ट्रान्सलटेद इन्टो अंग्रेजी. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे एक रेलटेद रेअदिना मे अध्याय अछि से अध्याय उल्लेख करैत अछि से एकर विवेचन कोन्नेक्ट्स गजेन्द्र ठाकुर सँ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन, साहित्यिक इतिहास आ विदेह समीक्षात्मक फ्रमे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५६९. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से १४४८ CE), ब्रोटे भक्तिपरक गीत-पद (पदवलि) मे स्वर क रधअ आ क्रिशन से कोन्टिनुए केँ हो सुन्ग अक्रोस्स मिथिला, बेन्गल, आ नेपाल केँ ई दय.** — अध्याय ७४ निरूपित करैत अछि फअनिशवर नथ रेनु अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे फअनिशवर नथ रेनु — मिथिला आ मैथिली मे हुनकर साहित्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से १४४८ CE), ब्रोटे भक्तिपरक गीत-पद (पदवलि) मे स्वर क रधअ आ क्रिशन से कोन्टिनुए केँ हो सुन्ग अक्रोस्स मिथिला, बेन्गल, आ नेपाल केँ ई दय. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५७०. (A) मे अनन्दवर्धन'स टेम्स, ई अछि विवर्टन धवनि (त्रन्स्फोर्मेटिवे सुग्गेस्टिओन): स्टेटेद मेअनिन्ग ( महभअरट म्यथ) अछि रेप्लकेद द्वारा एक बेसी पोवेर्फुल उन्स्टेटेद मेअनिन्ग (समकालीन कस्टे-सेक्सुअल ओप्रेस्सिओन).** — अध्याय ७९ निरूपित करैत अछि डॉ. शअम्भउ कुमार सिंह अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. शअम्भउ कुमार सिंह — स्वओलर, अनुवादक, क्रिटिक, कवि आ एदुकेटोर. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे अनन्दवर्धन'स टेम्स, ई अछि विवर्टन धवनि (त्रन्स्फोर्मेटिवे सुग्गेस्टिओन): स्टेटेद मेअनिन्ग ( महभअरट म्यथ) अछि रेप्लकेद द्वारा एक बेसी पोवेर्फुल उन्स्टेटेद मेअनिन्ग (समकालीन कस्टे-सेक्सुअल ओप्रेस्सिओन). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५७१. (A) विदेह सदेह ९ (प्रेलिम\_९): Bāl गजल १-४ / कुम्हर / बर्खअ Rānā.** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि Bāl गजल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे विदेह सदेह ९ (प्रेलिम\_९): Bāl गजल १-४ / कुम्हर / बर्खअ Rānā. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५७२. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से रिच'स 'लेस्बिअन कोन्टिनुउम' छल देवेलोपेद मे एक वेस्टेर्न फेमिनिस्ट सन्दर्भ बुट अछि ब्रोअद क्रोस्स-सांस्कृतिक अप्प्लिकबिलिटि: एकर केय तर्क अछि से हेतेरोसेक्सुअलिटि अछि एक कोम्पुल्सोर्य सामाजिक इन्स्टिटुटिओन रथएर थअन एक नदुरल वा इनेविटब्ले...** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से रिच'स 'लेस्बिअन कोन्टिनुउम' छल देवेलोपेद मे एक वेस्टेर्न फेमिनिस्ट सन्दर्भ बुट अछि ब्रोअद क्रोस्स-सांस्कृतिक अप्प्लिकबिलिटि: एकर केय तर्क अछि से

हेटेरोसेक्सुअलिटी अछि एक कोमुल्सोय सामाजिक इन्स्टिटुटिओन रथएर थअन एक नटुरल वा इनेविटब्ले... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५७३. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गजल: रेगिस्टर आ स्ट्यूले हुनकर गजल कोन्ट्रिबुटिओन्स स्पन मुल्टिप्ले सदेह वोलुमेस (७, ११, १४, १५) आ इन्क्लुदे बोथ घअजल्स मे स्टन्दर्द अदुल्ट रेगिस्टर आ शिशु/बाल'स घअजल्स (सदेह ९).** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि स्ट्यूले हुनकर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से गजल: रेगिस्टर आ स्ट्यूले हुनकर गजल कोन्ट्रिबुटिओन्स स्पन मुल्टिप्ले सदेह वोलुमेस (७, ११, १४, १५) आ इन्क्लुदे बोथ घअजल्स मे स्टन्दर्द अदुल्ट रेगिस्टर आ शिशु/बाल'स घअजल्स (सदेह ९). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५७४. (C) अद्रिएन्ने रिच आ फेमिनिस्ट कोन्ट्रिबुटिओन्स थएओर्य अद्रिएन्ने रिच'स 'कोमुल्सोय हेटेरोसेक्सुअलिटी आ लेस्बियन एक्सिस्टेन्के' (१९८०) अछि दिरेक्ट थएओरेटिकल स्रोत लेल चौधरी'स सभसँ प्रमुख निबंध.** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि अद्रिएन्ने रिच अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अद्रिएन्ने रिच आ फेमिनिस्ट कोन्ट्रिबुटिओन्स थएओर्य अद्रिएन्ने रिच'स 'कोमुल्सोय हेटेरोसेक्सुअलिटी आ लेस्बियन एक्सिस्टेन्के' (१९८०) अछि दिरेक्ट थएओरेटिकल स्रोत लेल चौधरी'स सभसँ प्रमुख निबंध. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५७५. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एलइने शओवल्टेर'स ग्योक्रिटिकिस्म (एक साहित्य क हुनकर ओव्न, १९७७) प्रोविदेस एक कोम्प्लेमेन्टर्य समीक्षात्मक फ्रेम: प्रोजेक्ट क रेकोवेरिन्ग आ थएओरिसिन्ग स्त्री'स साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के अस एक दिस्टिन्क्ट बोद्य सँ एकर ओव्न अएस्थएटिक...** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से एलइने शओवल्टेर'स ग्योक्रिटिकिस्म (एक साहित्य क हुनकर ओव्न, १९७७) प्रोविदेस एक कोम्प्लेमेन्टर्य समीक्षात्मक फ्रेम: प्रोजेक्ट क रेकोवेरिन्ग आ थएओरिसिन्ग स्त्री'स साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के अस एक दिस्टिन्क्ट बोद्य सँ एकर ओव्न अएस्थएटिक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५७६. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हडकु/प्रोसे पोएट्यू/टिलकोर, बथउठ क Tामन, गजल १-८.** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि प्रोसे पोएट्यू अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से हडकु/प्रोसे पोएट्यू/टिलकोर, बथउठ क Tामन, गजल १-८. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५७७. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से वक्रोक्ति सिद्धअन्त (थएओर्य क ओब्लिकुए एक्सप्रेसिओन) वक्रोक्ति सिद्धअन्त, कुन्टक कुन्टक'स वक्रोक्तिजिविट (क.** — अध्याय ८२ निरूपित करैत अछि ओब्लिकुए एक्सप्रेसिओन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. शङ्ख कुमार प्रसाद — कवि, लघु कथा लेखक, साहित्यिक क्रिटिक आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से वक्रोक्ति सिद्धअन्त (थएओर्य क ओब्लिकुए एक्सप्रेसिओन) वक्रोक्ति सिद्धअन्त, कुन्टक कुन्टक'स वक्रोक्तिजिविट (क. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५७८. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रसाद'स समीक्षात्मक निबंध पर सखारेए-पेटअरेए अछि इट्सेल्व एक देमोन्स्ट्रटिओन क वक्रोक्ति अट कोम्पोसिटिओनल लेवेल (प्रसन्ग-वक्रट).** — अध्याय ८२ निरूपित करैत अछि डॉ. शङ्ख कुमार प्रसाद अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे डॉ. शङ्ख कुमार प्रसाद — कवि, लघु कथा लेखक, साहित्यिक क्रिटिक आ अनुवादक. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रसाद'स समीक्षात्मक निबंध पर सखारेए-पेटअरेए अछि इट्सेल्व एक देमोन्स्ट्रटिओन क वक्रोक्ति अट कोम्पोसिटिओनल लेवेल (प्रसन्ग-वक्रट). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५७९. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे गोएस केँ मुजफ्फरपुर लेल कोउर्ट दटे बुट दोएस नहि गो केँ गाम.** — अध्याय ८८ निरूपित करैत अछि सुशङ्खल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुशङ्खल — एवेर नेव / नित नवल सुशङ्खल. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से हे गोएस केँ मुजफ्फरपुर लेल कोउर्ट दटे बुट दोएस नहि गो केँ गाम. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५८०. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से लिन्गुइस्टिक पेरिओड देवेलोपमेन्टल मंच केय चअरक्टेरिस्टिक्स मे समानान्तर इतिहास ५०० BC, १०० BC पलि (एअलर्य प्रक्रिट) कनोनिकल बुद्धइस्ट भाषा; एअलर्य वेर्नकुलर शङ्फट्स.** — अध्याय ९४ निरूपित करैत अछि पेरिओड देवेलोपमेन्टल मंच केय चअरक्टेरिस्टिक्स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे विदेह समानान्तर ौदिओ विदेओ अभिलेख — डिजिटल रेमेदिअटिओन आ सुबल्टेर्न हिस्टोरिओग्राफ. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से लिन्गुइस्टिक पेरिओड देवेलोपमेन्टल मंच केय चअरक्टेरिस्टिक्स मे समानान्तर इतिहास ५०० BC, १०० BC पलि (एअलर्य प्रक्रिट) कनोनिकल बुद्धइस्ट भाषा; एअलर्य वेर्नकुलर शङ्फट्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५८१. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से एक धउर जमिन (ओने धउर क लन्द), अग्ररिअन कुएस्टिओन, डिस्पोस्सेस्सिओन प्रेफके (ब्रिट्रेन द्वारा उट्पल हिम्सेल्फ) अछि एक रेमर्कब्ले दोकुमेन्ट क पोएटिक सेल्फ-अवेरेनेस्स.** — अध्याय ९७ निरूपित करैत अछि विनेएट उट्पल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे

विनेएट उट्पल — सम्पूर्ण समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से एक धउर जमिन (ओने धउर क लन्द), अग्ररिन कुएस्टिओन, डिस्पोस्सेस्सिओन प्रेफके (ट्रिट्टेन द्वारा उट्पल हिम्सेल्फ) अछि एक रेमर्कब्ले दोकुमेन्ट क पोएटिक सेल्फ-अवरेनेस्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५८२. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से सुभअद्र'स फोउर पोएम्स टोगेथएर क्रेअटे एक एपिक क दलित स्त्री'स लिफे -फ्रग्मेन्टेड, बुट सम्पूर्ण.** — अध्याय ४ निरूपित करैत अछि दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे दलित साहित्यिक क्रिटिकिस्म — टेलुगु दलित साहित्य मे मैथिली अनुवाद. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से सुभअद्र'स फोउर पोएम्स टोगेथएर क्रेअटे एक एपिक क दलित स्त्री'स लिफे -फ्रग्मेन्टेड, बुट सम्पूर्ण. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५८३. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा रेसुरेक्किन्ग विडएङ्गट (सुब्टन्टिविट्य) क इन्डिअन फइलोसोफइकल लिने क इन्हेरिटन्के, झा देक्लरेड: वे छथि/अछि नहि एक प्रेदिकटे क योउर इतिहास; वे छथि/अछि सुब्जेक्ट क ओउर ओव्न.** — अध्याय २४ निरूपित करैत अछि हरिमोहन झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे हरिमोहन झा — उन्निट्टेन थएसिस क भाषा, लिपि आ पुरे वोकबुलर्य. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा रेसुरेक्किन्ग विडएङ्गट (सुब्टन्टिविट्य) क इन्डिअन फइलोसोफइकल लिने क इन्हेरिटन्के, झा देक्लरेड: वे छथि/अछि नहि एक प्रेदिकटे क योउर इतिहास; वे छथि/अछि सुब्जेक्ट क ओउर ओव्न. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५८४. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रसन्नगवश, 'द्वारा ओक्कसिओन' वा 'इन्किदेन्टल्ल्य': एक कोल्लेक्किओन क पेसोनल निबंधसभ आ रेमिनिस्केन्केस.** — अध्याय ५९ निरूपित करैत अछि द्वारा ओक्कसिओन' अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रबिन्द्र नारायण मिश्र — उपन्यासकार, कथा-लेखक आ निबंधकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से प्रसन्नगवश, 'द्वारा ओक्कसिओन' वा 'इन्किदेन्टल्ल्य': एक कोल्लेक्किओन क पेसोनल निबंधसभ आ रेमिनिस्केन्केस. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५८५. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा स्ट्येटमटिकल्ल्य कोल्लेक्किन्ग, एदिटिन्ग, आ पुब्लिशइन्ग मैथिली लोक टलेस, ठाकुर प्रेसेर्वेड एक लिविन्ग अभिलेख क मौखिक संस्कृति से मिघट ओथएर्विसे अछि बेएन लोस्ट मे कोन्दिटिओन्स क एकोनोमिक मिग्रटिओन आ सांस्कृतिक मार्गिनलिसटिओन...** — अध्याय ७० निरूपित करैत अछि रम्लोचअन ठाकुर अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रम्लोचअन ठाकुर — समीक्षात्मक स्टुड्य क कृतिसभ. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से द्वारा स्ट्येटमटिकल्ल्य कोल्लेक्किन्ग, एदिटिन्ग, आ पुब्लिशइन्ग मैथिली लोक टलेस, ठाकुर प्रेसेर्वेड एक लिविन्ग अभिलेख क मौखिक संस्कृति से मिघट ओथएर्विसे अछि बेएन लोस्ट मे कोन्दिटिओन्स क एकोनोमिक मिग्रटिओन आ सांस्कृतिक मार्गिनलिसटिओन... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५८६. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से शिशु/बाल'स घअजल्स अलोन्सिदे नटुरे पोएम्स कुम्हर (पोट्टेर) आ बर्खअ Rānā (रइन कुीन), देमोन्स्ट्रटिन्ग एनागेमेन्ट सँ पेदगोगिकल आ शिशु/बाल'स साहित्यिक स्त्रन्द क विदेह.** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि बर्खअ Rānā अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से शिशु/बाल'स घअजल्स अलोन्सिदे नटुरे पोएम्स कुम्हर (पोट्टेर) आ बर्खअ Rānā (रइन कुीन), देमोन्स्ट्रटिन्ग एनागेमेन्ट सँ पेदगोगिकल आ शिशु/बाल'स साहित्यिक स्त्रन्द क विदेह. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५८७. (B) बबल गजल अछि एक विदेह इन्नोवटिओन: गजल फोर्म, अदट्टेड लेल शिशु/बाल सँ सिम्प्लेर वोकबुलर्य, अक्केस्सिब्ले इमगेर्य, आ प्लय्फुल थएमेस क्लिरे मइन्टइनिन्ग फोर्मल स्ट्रुक्चुरे क बहर आ रदिफ.** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे बबल गजल अछि एक विदेह इन्नोवटिओन: गजल फोर्म, अदट्टेड लेल शिशु/बाल सँ सिम्प्लेर वोकबुलर्य, अक्केस्सिब्ले इमगेर्य, आ प्लय्फुल थएमेस क्लिरे मइन्टइनिन्ग फोर्मल स्ट्रुक्चुरे क बहर आ रदिफ. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५८८. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन एक शिशु लेअर्न्स भाषा, एक सिग्निफिएर अछि टउघट लेल एक सिग्निफिएद.** — अध्याय ८८ निरूपित करैत अछि सुशइल अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे सुशइल — एवेर नेव / निट नवल सुशइल. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से केन एक शिशु लेअर्न्स भाषा, एक सिग्निफिएर अछि टउघट लेल एक सिग्निफिएद. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५८९. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से दिअलेक्किक्ल एनागेमेन्ट्स सँ रिवल स्कुल्स सब्द-खअन्द अछि एक बट्टलेफिएल्ड क इदेअस केरे गनोशअ देफेन्ड्स न्यय-वइशएशइक वोल्टिईएव अगइन्स्ट मिमस्सकस आ ग्रम्मरिअन्स.** — अध्याय २ निरूपित करैत अछि रिवल स्कुल्स सब्द-खअन्द अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे गनोस उपधयय — लिफे, लोगिक, आ लेगक्य मे नव्य-न्यय परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से दिअलेक्किक्ल एनागेमेन्ट्स सँ रिवल स्कुल्स सब्द-खअन्द अछि एक बट्टलेफिएल्ड क इदेअस केरे गनोशअ देफेन्ड्स न्यय-वइशएशइक वोल्टिईएव अगइन्स्ट मिमस्सकस आ ग्रम्मरिअन्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५९०. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि एक बुर्निन्ग चअल्लेने बेफोरे टोदय'स स्त्री कविसभ, टिमे, समाज, आ साहित्य.** — अध्याय ६६ निरूपित करैत अछि रमेश आ मल झा अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे रमेश आ मल झा — अनुसंधान आ समीक्षात्मक प्रशंसा/मूल्यांकन. नव शब्दावलीमे,

मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ई अछि एक बुर्निना चअल्लेनो बेफोरे टोदय'स स्त्री कविसभ, टिमे, समाज, आ साहित्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५९१. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से गोपेश'स गीत-पद देमोन्स्ट्रेट मस्टेय क उपमा (सिमिले), रूपाक (मेटफोर), आ उट्प्रेकड़ा (फन्क्य वा पोएटिक कोन्केइट).** — अध्याय ६७ निरूपित करैत अछि रमेश नारायण, नगेन्द्र कुमार, गोपल्लि झा 'गोपेश' आ विजय नथ झा — फोउर मैथिली मस्टेय क समानान्तर परम्परा. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से गोपेश'स गीत-पद देमोन्स्ट्रेट मस्टेय क उपमा (सिमिले), रूपाक (मेटफोर), आ उट्प्रेकड़ा (फन्क्य वा पोएटिक कोन्केइट). बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५९२. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से ध्वनि (सुगोस्टिओन): कवि उसेस अभङ्ग (लिटरेल मेअनिंग) केँ देखिबे सेअसोन्स (चौमस) बुट संकेत करैत अछि विरह (सेपरटिओन सँ दिविने) द्वारा वय क स्पेबोल क पिनिना ब्रिदे मे मोन्थ क चैट.** — अध्याय ६९ निरूपित करैत अछि पंडित रमजि चौधरी आ अचअर्य रम्लोचअन शअरन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे पंडित रमजि चौधरी आ अचअर्य रम्लोचअन शअरन — रुद्रपुर रेकेन्सिओन्स आ मङ्गल देवोटीओन. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से ध्वनि (सुगोस्टिओन): कवि उसेस अभङ्ग (लिटरेल मेअनिंग) केँ देखिबे सेअसोन्स (चौमस) बुट संकेत करैत अछि विरह (सेपरटिओन सँ दिविने) द्वारा वय क स्पेबोल क पिनिना ब्रिदे मे मोन्थ क चैट. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५९३. (C) अध्याय प्लेकेस शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेव रन्जन मिश्र इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य.** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि शअन्ति लक्ष्मि चौधरी अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय प्लेकेस शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेव रन्जन मिश्र इन्सिदे विदेर समानान्तर इतिहास क मैथिली साहित्य. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५९४. (A) एक PAR एक L L E L H I S T O R Y O F M एक I T H I L I L I T E R A T U R E समीक्षात्मक अप्रैकिएटिओन्स शअन्ति लक्ष्मि चौधरी & रजेव रन्जन मिश्र फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार · गजल कवि & भक्तिपरक संगीतकार इन्डिअन & वेस्टर्न साहित्यिक थएओर्य · विदेह समानान्तर...** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि समीक्षात्मक अप्रैकिएटिओन्स शअन्ति लक्ष्मि चौधरी अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे एक PA R एक L L E L H I S T O R Y O F M एक I T H I L I L I T E R A T U R E समीक्षात्मक अप्रैकिएटिओन्स शअन्ति लक्ष्मि चौधरी & रजेव रन्जन मिश्र फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार · गजल कवि & भक्तिपरक संगीतकार इन्डिअन & वेस्टर्न साहित्यिक थएओर्य · विदेह समानान्तर... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५९५. (C) हुनकर सुनै चौधरी इन्डिकटेस ओरिगिन्स मे चौधरी कोम्मुनिटि क मिथिला, एक कोम्मुनिटि सँ एक स्ट्रोना प्रेसेन्के मे मधुबनी डिस्ट्रिक्ट आ ब्रोअदेर मिथिला रेगिओन, हिस्टोरिकल्लय अस्सोकिअटेड सँ अग्रिकुल्लुरल आ अड्विनिस्ट्रटिवे रोलेस.** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि शअन्ति लक्ष्मि चौधरी अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे हुनकर सुनै चौधरी इन्डिकटेस ओरिगिन्स मे चौधरी कोम्मुनिटि क मिथिला, एक कोम्मुनिटि सँ एक स्ट्रोना प्रेसेन्के मे मधुबनी डिस्ट्रिक्ट आ ब्रोअदेर मिथिला रेगिओन, हिस्टोरिकल्लय अस्सोकिअटेड सँ अग्रिकुल्लुरल आ अड्विनिस्ट्रटिवे रोलेस. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५९६. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से टिलकोर (टरो प्लन्ट/कोलोकसिअ) आ बथड़ा (चएनोपोदिउम/पिग्वेएड, एअटेन अस लेअप्य ग्रेएन्स मे मैथिली कोओकिन्ग) छथि/अछि नहि मेरेल्य पेअसन्ट सुब्जेक्ट्स बुट स्पेकिफिक प्रेसेन्केस मे मिथिला किट्चएन-गर्देन लन्ड्स्कपे से कर्य सांस्कृतिक...** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेव रन्जन मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से टिलकोर (टरो प्लन्ट/कोलोकसिअ) आ बथड़ा (चएनोपोदिउम/पिग्वेएड, एअटेन अस लेअप्य ग्रेएन्स मे मैथिली कोओकिन्ग) छथि/अछि नहि मेरेल्य पेअसन्ट सुब्जेक्ट्स बुट स्पेकिफिक प्रेसेन्केस मे मिथिला किट्चएन-गर्देन लन्ड्स्कपे से कर्य सांस्कृतिक... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५९७. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से बरखअ Rānā (रइन कुीन) पेसॉनिफिएस मोन्सोओन अस एक स्त्री सोवेरेइन्, एक मोवे कोन्सिस्टेन्ट सँ इन्डिअन लिने क इन्हेरिटन्के क गेन्देरिन्ग नदुरल फोर्केस आ कोन्सिस्टेन्ट अल्सो सँ फेमिनिस्ट इम्प्लिकटिओन्स क एलेवटिन्ग फेमिनिने मे...** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि रइन कुीन अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से बरखअ Rānā (रइन कुीन) पेसॉनिफिएस मोन्सोओन अस एक स्त्री सोवेरेइन्, एक मोवे कोन्सिस्टेन्ट सँ इन्डिअन लिने क इन्हेरिटन्के क गेन्देरिन्ग नदुरल फोर्केस आ कोन्सिस्टेन्ट अल्सो सँ फेमिनिस्ट इम्प्लिकटिओन्स क एलेवटिन्ग फेमिनिने मे... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५९८. (C) अध्याय उल्लेख करैत अछि से कुम्हर (पोट्टर) संकेत करैत अछि एक एनागोमेन्ट सँ शिल्प लिने क इन्हेरिटन्के क मिथिला, स्पेकिफिकल्लय पोट्टर कोम्मुनिटि क्वासे एअर्थएन्वेर अछि फोउन्डटिओनल केँ मैथिली अनुष्ठानिक आ दोमेस्टिक लिफे.** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेव रन्जन मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ

भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से कुम्हर (पोट्रेर) संकेत करैत अछि एक एनाग्रामेन्ट सँ शिल्प लिने क इन्हेरिटन्के क मिथिला, स्पेकिफिकल्लय पोट्रेर कोम्मुनिटय होसे एअर्थएन्वरे अछि फोउन्डिओनल केँ मैथिली अनुष्ठानिक आ दोमेस्टिक लिफे. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**५९९. (D) अध्याय उल्लेख करैत अछि से चौधरी'स कृति मे विदेह अभिलेख अछि ग्योक्रिटिक मे शओवल्तेर'स सेन्से: ई प्रोदुकेस साहित्यिक-समीक्षात्मक आ क्रेअटिवे कृति से केन्ट्रेस स्त्री'स एक्स्पेरिएन्के आ स्त्री'स सांस्कृतिक फोर्म्स.** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से चौधरी'स कृति मे विदेह अभिलेख अछि ग्योक्रिटिक मे शओवल्तेर'स सेन्से: ई प्रोदुकेस साहित्यिक-समीक्षात्मक आ क्रेअटिवे कृति से केन्ट्रेस स्त्री'स एक्स्पेरिएन्के आ स्त्री'स सांस्कृतिक फोर्म्स. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६००. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य-न्याय आ एपिस्टेमोलोग्य क फेमिनिस्ट क्नोव्लेद्रे गङ्गेड'स टट्वकिन्टवमङ्ग'स अनल्यिसस क प्रत्यक्ष (दिरेक्ट पेर्सेप्टिओन) अस सभसँ रेलिअब्ले प्रमार्अ अछि प्रासंगिक केँ फेमिनिस्ट एपिस्टेमोलोग्य मे एक स्पेकिफिक वय.** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि फेमिनिस्ट क्नोव्लेद्रे गङ्गेड'स टट्वकिन्टवम अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से नव्य-न्याय आ एपिस्टेमोलोग्य क फेमिनिस्ट क्नोव्लेद्रे गङ्गेड'स टट्वकिन्टवमङ्ग'स अनल्यिसस क प्रत्यक्ष (दिरेक्ट पेर्सेप्टिओन) अस सभसँ रेलिअब्ले प्रमार्अ अछि प्रासंगिक केँ फेमिनिस्ट एपिस्टेमोलोग्य मे एक स्पेकिफिक वय. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६०१. (A) अध्याय उल्लेख करैत अछि से फेमिनिस्ट स्टन्डपोइन्ट थएओर्य, पर्टिकुलर्ल्य सन्द् हर्दिना'स तर्क ( स्किएन्के कुएस्टिओन मे फेमिनिस्म, १९८६) से क्नोव्लेद्रे प्रोदुकेद सँ स्टन्डपोइन्ट क ओप्प्रेसेद अछि एपिस्टेमिकल्लय प्रिविलेगेद बेकउसे ई अछि अक्केस्स केँ रेअलिटीएस...** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि सन्द् हर्दिना'स अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से फेमिनिस्ट स्टन्डपोइन्ट थएओर्य, पर्टिकुलर्ल्य सन्द् हर्दिना'स तर्क ( स्किएन्के कुएस्टिओन मे फेमिनिस्म, १९८६) से क्नोव्लेद्रे प्रोदुकेद सँ स्टन्डपोइन्ट क ओप्प्रेसेद अछि एपिस्टेमिकल्लय प्रिविलेगेद बेकउसे ई अछि अक्केस्स केँ रेअलिटीएस... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६०२. (B) फेमिनिस्ट कवि'स प्रत्यक्ष अ क स्त्री'स एक्स्पेरिएन्के, दिरेक्ट, एम्बोदिएद क्नोव्लेद्रे क की ई मेअन्स केँ हो एक स्त्री मे मिथिला'स पट्रिअर्चअल सामाजिक स्ट्रक्चरे, सेर्वेस अस एक फोर्म क प्रमार्अ से कनोनिकल साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के'स पुरुष-दोमिनटेद...** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे फेमिनिस्ट कवि'स प्रत्यक्ष अ क स्त्री'स एक्स्पेरिएन्के, दिरेक्ट, एम्बोदिएद क्नोव्लेद्रे क की ई मेअन्स केँ हो एक स्त्री मे मिथिला'स पट्रिअर्चअल सामाजिक स्ट्रक्चरे, सेर्वेस अस एक फोर्म क प्रमार्अ से कनोनिकल साहित्यिक लिने क इन्हेरिटन्के'स पुरुष-दोमिनटेद... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६०३. (B) अध्याय उल्लेख करैत अछि से चौधरी'स लेस्बिअन कोन्टिनुअम निबंध आ Mātr̥त्व पिएके कोन्स्टिटुटे अनुमदन (इन्फेरेन्टिअल) अर्गुमेन्ट्स सँ ओब्सेर्वेद सामाजिक फक्टर्स केँ गेनेरल कोन्क्लुसिओन्स अबोउट नटुरे क पट्रिअर्चअल कोम्मुनिस्ओन आ स्त्री'स अल्टेर्नटिवे सोलिदरिटीएस.** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि लेस्बिअन कोन्टिनुअम अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे अध्याय उल्लेख करैत अछि से चौधरी'स लेस्बिअन कोन्टिनुअम निबंध आ Mātr̥त्व पिएके कोन्स्टिटुटे अनुमदन (इन्फेरेन्टिअल) अर्गुमेन्ट्स सँ ओब्सेर्वेद सामाजिक फक्टर्स केँ गेनेरल कोन्क्लुसिओन्स अबोउट नटुरे क पट्रिअर्चअल कोम्मुनिस्ओन आ स्त्री'स अल्टेर्नटिवे सोलिदरिटीएस. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६०४. (C) समीक्षात्मक फ्रमे'स फोउन्दिना कोम्पिट्मेन्ट केँ सुबल्टेर्न, दलिट, आ स्त्री'स स्वरसभ मे मैथिली साहित्य अछि एनक्टेद मे चौधरी'स कोर्पुस.** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे समीक्षात्मक फ्रमे'स फोउन्दिना कोम्पिट्मेन्ट केँ सुबल्टेर्न, दलिट, आ स्त्री'स स्वरसभ मे मैथिली साहित्य अछि एनक्टेद मे चौधरी'स कोर्पुस. बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

**६०५. (B) मे एक लिने क इन्हेरिटन्के केँ स्त्री'स पोएट्र्य अछि बेएन लर्गेल्य कोन्फिनेद केँ भक्तिपरक आ दोमेस्टिक रेगिस्टेर्स, चौधरी'स थएओरेटिकल आ सटिरिकल अम्बिटिओन ( नेटवर्ज निबंध अस पोलिटिकल सटिरे) रेप्रेसेन्ट्स एक प्रमुख एक्स्पन्सिओन क मैथिली स्त्री'स...** — अध्याय ८० निरूपित करैत अछि शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र अपन व्यापक विवेचनक भाग रूपमे शअन्ति लक्ष्मि चौधरी आ रजेएव रन्जन मिश्र — फेमिनिस्ट कवि-निबंधकार, गजल कवि आ भक्तिपरक संगीतकार. नव शब्दावलीमे, मुख्य बिन्दु ई अछि जे मे एक लिने क इन्हेरिटन्के केँ स्त्री'स पोएट्र्य अछि बेएन लर्गेल्य कोन्फिनेद केँ भक्तिपरक आ दोमेस्टिक रेगिस्टेर्स, चौधरी'स थएओरेटिकल आ सटिरिकल अम्बिटिओन ( नेटवर्ज निबंध अस पोलिटिकल सटिरे) रेप्रेसेन्ट्स एक प्रमुख एक्स्पन्सिओन क मैथिली स्त्री'स... बाकी विकल्पसभ बिन्दु केँ भिन्न कोन्केर्न्स आ थएरेफोरे दो नहि उत्तर ई कुएस्टिओन.

## अध्याय २ : विदेह ई-लर्निङ्ग क्विज — मिथिला चित्रकला

### खण्ड १ : परिचय आ इतिहास

१. मिथिला चित्रकलाकेँ आओर कोन नामसँ जानल जाइत अछि?  
(A) वारली  
(B) मधुबनी  
(C) पट्टचित्र  
(D) गोंड
२. मिथिला चित्रकला परम्परागत रूपेँ कतय बनैत छल?  
(A) केवल कागज  
(B) भीत आ आँगन (कोहबर-अरिपन)  
(C) केवल कैनवास  
(D) केवल वस्त्र
३. मिथिला चित्रकला परम्परागत रूपेँ मुख्यतः के बनबैत छलीह?  
(A) केवल पुरुष  
(B) घरक स्त्रीगण  
(C) विदेशी  
(D) बच्चा मात्र
४. मिथिला चित्रकलाक उल्लेख लोक-परम्परामे कोन ग्रन्थ-प्रसंगसँ जोड़ल जाइत अछि?  
(A) महाभारत  
(B) रामायण (सीता-विवाह)  
(C) गीता  
(D) पुराण मात्र
५. मिथिला चित्रकलाकेँ विश्व-पहचान कोन कालखण्डमे बेसी भेटल?  
(A) केवल प्राचीन  
(B) बीसम शताब्दीक उत्तरार्धमे  
(C) कहियो नहि  
(D) केवल मध्यकाल
६. मिथिला चित्रकला कोन अवसर पर परम्परागत रूपेँ बनैत छल?  
(A) केवल शोक  
(B) विवाह, पाबनि आ मांगलिक अवसर  
(C) युद्ध  
(D) व्यापार
७. मिथिला चित्रकलाक एक मूल विशेषता की?  
(A) खाली स्थान बेसी  
(B) सघन भराव (कतहु रिक्त नहि)  
(C) केवल एक रंग  
(D) केवल रेखा
८. परम्परागत मिथिला चित्रकलाक रंग कतयसँ अबैत छल?  
(A) केवल बजारसँ  
(B) प्राकृतिक स्रोत (फूल-पात-माटि)  
(C) विदेशसँ  
(D) कोनो नहि

९. मिथिला चित्रकला कोन क्षेत्रक कला थिक?

- (A) राजस्थान
- (B) मिथिला (बिहार-नेपाल तराई)
- (C) केरल
- (D) गुजरात

१०. मिथिला चित्रकलाक मूल भाव प्रायः कोन थिक?

- (A) युद्ध
- (B) शुभ-मंगल आ समृद्धि
- (C) भय
- (D) शोक

## खण्ड २ : शैली आ प्रकार

११. मिथिला चित्रकलाक 'कचनी' शैली कोन विशेषतासँ जुड़ल अछि?

- (A) केवल रंग-भराव
- (B) महीन रेखा-कामक प्रधानता
- (C) केवल बिन्दु
- (D) खाली स्थान

१२. 'भरनी' शैली कोन विशेषतासँ जुड़ल अछि?

- (A) केवल रेखा
- (B) चटक रंगसँ भराव
- (C) खाली स्थान
- (D) केवल बिन्दु

१३. 'गोदना' शैली कोन परम्परासँ प्रेरित मानल जाइत अछि?

- (A) राजदरबार
- (B) देहपर बनैत गोदनाक नमूना
- (C) विदेशी
- (D) आधुनिक

१४. 'तांत्रिक' शैली कोन विषयसँ जुड़ल अछि?

- (A) प्रकृति मात्र
- (B) देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीक
- (C) केवल पशु
- (D) खाली स्थान

१५. मिथिला चित्रकलामे 'कोहबर' चित्र कोन अवसरसँ जुड़ल अछि?

- (A) शोक
- (B) विवाह
- (C) युद्ध
- (D) व्यापार

१६. कोहबर-चित्रमे प्रायः कोन प्रतीक रहैत अछि?

- (A) केवल पर्वत
- (B) कमल-वन, पुरैन, बाँस आदि
- (C) केवल मरुभूमि
- (D) कोनो नहि

१७. मिथिला चित्रकलाक 'अरिपन' कतय बनाओल जाइत अछि?

- (A) केवल कागज
- (B) आँगन, देहरी आ पूजा-स्थल
- (C) केवल भीत
- (D) कोनो नहि

१८. मिथिला चित्रकलाक शैलीमे कोन एक साझा गुण रहैत अछि?

- (A) खाली स्थान
- (B) सघन अलंकरण आ प्रतीकात्मकता
- (C) केवल एक रंग
- (D) निरर्थकता

१९. 'गोदना' शैली प्रायः कोन रंगमे बेसी होइत अछि?

- (A) बहुरंगी
- (B) एकवर्णी/सीमित रंग (प्रायः कारी-गाढ़)
- (C) केवल लाल
- (D) केवल हरियर

२०. मिथिला चित्रकलाक विभिन्न शैली की देखबैत अछि?

- (A) एकरूपता
- (B) समुदाय-अनुसार विविधता
- (C) लोप
- (D) निरर्थकता

### खण्ड ३ : विषय-वस्तु आ प्रतीक

२१. मिथिला चित्रकलामे 'मछली' कोन प्रतीक मानल जाइत अछि?

- (A) युद्ध
- (B) समृद्धि-उर्वरता आ शुभ
- (C) दुख
- (D) भय

२२. 'सूर्य आ चन्द्र' चित्रमे कोन भाव दैत अछि?

- (A) विनाश
- (B) शाश्वतता आ शुभ
- (C) दुख
- (D) भय

२३. 'कमल' मिथिला चित्रकलामे कोन प्रतीक थिक?

- (A) युद्ध
- (B) सौन्दर्य, पवित्रता आ सृजन
- (C) भय
- (D) दुख

२४. 'बाँस' कोहबर-चित्रमे कोन भाव दैत अछि?

- (A) विनाश
- (B) वंश-वृद्धि आ निरन्तरता
- (C) भय
- (D) दुख

२५. मिथिला चित्रकलामे कोन-कोन देवी-देवता प्रायः चित्रित होइत छथि?

- (A) कोनो नहि
- (B) दुर्गा, कृष्ण-राधा, राम-सीता, गणेश
- (C) केवल एक
- (D) केवल विदेशी

२६. 'तोता' (सुग्गा) चित्रमे प्रायः कोन भावसँ जुड़ल अछि?

- (A) युद्ध
- (B) प्रेम आ सन्देश
- (C) भय
- (D) दुख

२७. 'नाग-नागिन' चित्रमे कोन भाव रहैत अछि?

- (A) विनाश
- (B) रक्षा आ शुभ (कोहबर)
- (C) केवल भय
- (D) दुख

२८. मिथिला चित्रकलामे 'हाथी' कोन भाव दैत अछि?

- (A) गरीबी
- (B) ऐश्वर्य आ शक्ति
- (C) भय
- (D) दुख

२९. मिथिला चित्रकलामे प्रकृति-तत्त्व किएक प्रमुख रहैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) जीवन आ प्रकृतिसँ गहिर जुड़ाव
- (C) निरर्थकता
- (D) केवल सजावट

३०. मिथिला चित्रकलामे हर प्रतीकक की विशेषता?

- (A) निरर्थक
- (B) कोनो-न-कोनो भाव/अर्थ
- (C) केवल सजावट
- (D) रिक्त

## खण्ड ४ : सामग्री आ तकनीक

३१. परम्परागत रूपें पीयर (पीला) रंग कतयसँ बनैत छल?

- (A) रसायन
- (B) हरदीसँ
- (C) कोनो नहि
- (D) विदेशसँ

३२. कारी (कारी) रंग परम्परागत रूपें कतयसँ बनैत छल?

- (A) हरदी
- (B) कज्जल/कारी (काजर-गोबर आदि)
- (C) सिन्दूर
- (D) दूध

३३. लाल रंग परम्परागत रूपेँ कतयसँ अबैत छल?

- (A) हरदी
- (B) सिन्दूर/कुसुम-फूल आदि
- (C) नील
- (D) दूध

३४. परम्परागत मिथिला चित्रकलामे रेखा खींचबा लेल की प्रयुक्त होइत छल?

- (A) केवल आधुनिक ब्रश
- (B) बाँसक कलम, माचिस-तीली, अंगुरी
- (C) केवल मशीन
- (D) कोनो नहि

३५. रंगकेँ टिकाऊ बनेबा लेल परम्परामे की मिलाओल जाइत छल?

- (A) कोनो नहि
- (B) गोंद/बबूल-गोंद आदि
- (C) केवल पानि
- (D) धातु

३६. आधुनिक कालमे मिथिला चित्रकला कोन नव माध्यमपर आएल?

- (A) केवल भीत
- (B) कागज, कपड़ा आ कैनवास
- (C) केवल आँगन
- (D) कोनो नहि

३७. मिथिला चित्रकलामे 'डबल-लाइन' (दोहरी रेखा) तकनीक की देखबैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) आकृतिक बाहरी रेखा-जोड़ी
- (C) रिक्तता
- (D) निरर्थक

३८. रंग-भराव बला शैलीमे कोन प्रमुख?

- (A) खाली स्थान
- (B) चटक रंगक प्रयोग
- (C) केवल रेखा
- (D) केवल बिन्दु

३९. प्राकृतिक रंगक प्रयोग पर्यावरण-दृष्टिसँ कोना उपयोगी?

- (A) हानिकर
- (B) पर्यावरण-अनुकूल आ सुरक्षित
- (C) निरर्थक
- (D) कोनो नहि

४०. मिथिला चित्रकलाक तकनीकमे 'धैर्य'क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) महीन-सघन कामक लेल आवश्यक
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

## खण्ड ५ : प्रसिद्ध कलाकार आ सम्मान

४१. मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध कलाकार, जिनका पद्मश्री भेटल आ जे भरनी शैली लेल जानल गेलीह, के छलीह?

- (A) सीता देवी
- (B) कोनो नहि
- (C) केवल विदेशी
- (D) अज्ञात

४२. मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध कलाकार गंगा देवी कोन शैली लेल जानल गेलीह?

- (A) कचनी (रेखा-प्रधान)
- (B) केवल मूर्ति
- (C) केवल धातु
- (D) कोनो नहि

४३. मिथिला चित्रकलाकें राष्ट्रीय-अन्तराष्ट्रीय पहचान कोना भेटल?

- (A) कोनो नहि
- (B) कलाकारक प्रदर्शनी आ सम्मानसँ
- (C) रोकसँ
- (D) लोपसँ

४४. मिथिला चित्रकलाकें कोन सम्मान-स्तर धरि पहचान भेटल?

- (A) केवल स्थानीय
- (B) पद्मश्री सन राष्ट्रीय सम्मान
- (C) कोनो नहि
- (D) केवल गाम

४५. मिथिला चित्रकलाकें कागजपर आनब कोना सहायक भेल?

- (A) हानि
- (B) बिक्री, प्रसार आ आजीविका
- (C) रोक
- (D) लोप

४६. मिथिला चित्रकलाकें 'GI टैग' (भौगोलिक संकेत) किएक देल गेल?

- (A) कोनो नहि
- (B) क्षेत्रीय पहचान आ मौलिकताक रक्षा
- (C) हानि
- (D) रोक

४७. मिथिला चित्रकलाक प्रसारमे संस्था/प्रशिक्षण-केन्द्रक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) नव कलाकारक प्रशिक्षण आ मंच
- (C) रोक
- (D) हानि

४८. मिथिला चित्रकलाक कलाकारकें सम्मान भेटलासँ की भेल?

- (A) कोनो नहि
- (B) कला आ कलाकार दुनूक प्रतिष्ठा बढ़ल
- (C) हानि
- (D) लोप

४९. मिथिला चित्रकलाकें आजीविकाक माध्यम बनेबाक की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) कलाकारक आत्मनिर्भरता आ कलाक निरन्तरता
- (C) हानि
- (D) रोक

५०. मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्धि मिथिलाकें की दैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक गौरव आ विश्व-पहचान
- (C) हानि
- (D) लोप

### खण्ड ६ : कोहबर आ अरिपन

५१. कोहबर-घर की थिक?

- (A) रसोई
- (B) विवाहमे वर-वधूक मिलन-कक्ष
- (C) भण्डार
- (D) सभागार

५२. कोहबर-चित्रक मूल भाव की?

- (A) युद्ध
- (B) दाम्पत्य-मंगल आ वंश-वृद्धि
- (C) भय
- (D) दुख

५३. कोहबरमे 'पुरैन' (कमल-डॉट)क की प्रतीक?

- (A) विनाश
- (B) सृजन आ संतति
- (C) भय
- (D) दुख

५४. अरिपन कोन सामग्रीसँ बनाओल जाइत अछि?

- (A) तेल
- (B) पिठार (चाउरक घोर)
- (C) धातु
- (D) काँच

५५. अरिपन कोन अवसर पर बनैत अछि?

- (A) केवल शोक
- (B) पूजा, पाबनि आ मांगलिक अवसर
- (C) युद्ध
- (D) व्यापार

५६. 'अष्टदल' अरिपन कोन आकृतिपर आधारित अछि?

- (A) वर्ग
- (B) आठ-पंखुड़ीक कमल
- (C) त्रिकोण
- (D) सरल रेखा

५७. कोहबर-चित्र परम्परागत रूपों के बनबैत छलीह?

- (A) केवल पुरुष
- (B) घरक स्त्रीगण
- (C) विदेशी
- (D) बच्चा

५८. अरिपनक रेखा प्रायः कोना खींचल जाइत अछि?

- (A) ब्रशसँ
- (B) अंगुरी वा कपड़ाक फाहासँ
- (C) मशीनसँ
- (D) कोनो नहि

५९. कोहबर आ अरिपन कोन साझा भाव रखैत अछि?

- (A) भय
- (B) शुभ-मंगल आ समृद्धि
- (C) युद्ध
- (D) दुख

६०. अरिपन-कला कोन रूपमे जीवित अछि?

- (A) लुप्त
- (B) घर-घरक पाबनि-परम्परामे
- (C) केवल संग्रहालय
- (D) कोनो नहि

### खण्ड ७ : रंग, रेखा आ अलंकरण

६१. मिथिला चित्रकलामे 'रिक्त-स्थान-भय' (खाली जगह नहि छोड़ब)क की अर्थ?

- (A) कोनो नहि
- (B) हर खाली जगह अलंकरणसँ भरब
- (C) रिक्त राखब
- (D) केवल एक रंग

६२. मिथिला चित्रकलामे 'बोर्डर' (किनार)क की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) चित्रकें अलंकृत आ पूर्ण बनाएब
- (C) निरर्थक
- (D) रिक्तता

६३. मिथिला चित्रकलामे रंग प्रायः कोना लागल जाइत अछि?

- (A) हल्लुक छाया
- (B) चटक आ सपाट
- (C) केवल कारी
- (D) रिक्त

६४. मिथिला चित्रमे 'ज्यामितीय नमूना' कोन शैलीमे बेसी?

- (A) भरनी
- (B) गोदना
- (C) तांत्रिक
- (D) कोनो नहि

६५. मिथिला चित्रकलामे 'प्रतीकात्मकता'क की अर्थ?

- (A) निरर्थक
- (B) हर आकृतिक कोनो अर्थ
- (C) केवल सजावट
- (D) रिक्तता

६६. मिथिला चित्रकलाक रंग-योजना प्रायः कोन प्रभाव दैत अछि?

- (A) फीका
- (B) चटक आ जीवन्त
- (C) कारी मात्र
- (D) रिक्त

६७. मिथिला चित्रमे रेखाक की भूमिका?

- (A) गौण
- (B) आकृति आ अलंकरणक आधार
- (C) निरर्थक
- (D) रिक्त

६८. 'कचनी' शैलीमे रंगक प्रयोग कोना रहैत अछि?

- (A) बेसी रंग
- (B) कम रंग, रेखा-प्रधान
- (C) केवल कारी
- (D) रिक्त

६९. 'भरनी' शैलीमे रंगक प्रयोग कोना?

- (A) कम
- (B) आकृति चटक रंगसँ भरल
- (C) रिक्त
- (D) केवल रेखा

७०. मिथिला चित्रकलाक अलंकरण कोन भाव जगबैत अछि?

- (A) उदासी
- (B) समृद्धि आ उत्सव
- (C) भय
- (D) रिक्तता

## खण्ड ८ : धार्मिक-पौराणिक विषय

७१. मिथिला चित्रकलामे 'राम-सीता' चित्र कोन प्रसंगसँ जुड़ल?

- (A) युद्ध
- (B) विवाह आ मर्यादा
- (C) व्यापार
- (D) कोनो नहि

७२. 'कृष्ण-राधा' चित्र कोन भाव दैत अछि?

- (A) युद्ध
- (B) प्रेम आ भक्ति
- (C) भय
- (D) दुख

७३. 'दुर्गा' चित्र मिथिला चित्रकलामे कोन भावसँ जुड़ल?
- (A) भय  
(B) शक्ति आ रक्षा  
(C) दुख  
(D) व्यापार
७४. 'गणेश' चित्र प्रायः कतय बनाओल जाइत अछि?
- (A) केवल अन्तमे  
(B) शुभारम्भमे (मांगलिक)  
(C) केवल किनार  
(D) कोनो नहि
७५. 'शिव-पार्वती' चित्र कोन भाव दैत अछि?
- (A) युद्ध  
(B) दाम्पत्य आ शुभ  
(C) भय  
(D) दुख
७६. मिथिला चित्रकलामे पौराणिक विषय किएक प्रमुख रहल?
- (A) कोनो नहि  
(B) धार्मिक-सांस्कृतिक जीवनसँ जुड़ाव  
(C) निरर्थक  
(D) केवल सजावट
७७. 'लक्ष्मी' चित्र कोन भावसँ जुड़ल?
- (A) गरीबी  
(B) धन-समृद्धि  
(C) भय  
(D) दुख
७८. 'सरस्वती' चित्र कोन भाव दैत अछि?
- (A) अज्ञान  
(B) विद्या आ कला  
(C) भय  
(D) दुख
७९. पौराणिक चित्रमे प्रतीकक प्रयोग किएक होइत अछि?
- (A) कोनो नहि  
(B) गहिर भाव सरल रूपमे व्यक्त करब  
(C) निरर्थक  
(D) रिक्तता
८०. धार्मिक चित्र मिथिलाक जीवनकेँ कोना जोड़ैत अछि?
- (A) कोनो नहि  
(B) आस्था, पाबनि आ कलाकेँ एक संग  
(C) हानि  
(D) रिक्तता

## खण्ड १ : समुदाय आ परम्परा

८१. मिथिला चित्रकला परम्परागत रूपें कोन-कोन समुदायमे विकसित भेल?

- (A) केवल एक
- (B) विभिन्न समुदाय (अपन-अपन शैली)
- (C) केवल विदेशी
- (D) कोनो नहि

८२. 'गोदना' शैली कोन समुदायक योगदानसँ जुड़ल मानल जाइत अछि?

- (A) राजपरिवार
- (B) दलित/वंचित समुदाय
- (C) विदेशी
- (D) कोनो नहि

८३. मिथिला चित्रकलामे विविध समुदायक भागीदारी की देखबैत अछि?

- (A) एकरूपता
- (B) सामाजिक-सांस्कृतिक समावेश
- (C) लोप
- (D) निरर्थकता

८४. मिथिला चित्रकला कोना पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगाँ बढ़ल?

- (A) केवल विद्यालयसँ
- (B) माय-बेटीक परम्परासँ
- (C) विदेशसँ
- (D) कोनो नहि

८५. मिथिला चित्रकलाक परम्परागत प्रशिक्षण कोना होइत छल?

- (A) औपचारिक स्कूल
- (B) घर-परिवारमे देखि-सिखि
- (C) विदेश
- (D) कोनो नहि

८६. मिथिला चित्रकलामे 'सामुदायिक पहचान' कोना झलकैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) शैली आ विषयक विविधतासँ
- (C) लोपसँ
- (D) निरर्थकतासँ

८७. मिथिला चित्रकला सामाजिक रूपें कोना समावेशी भेल?

- (A) कोनो नहि
- (B) विभिन्न वर्ग आ समुदायक भागीदारीसँ
- (C) रोकसँ
- (D) लोपसँ

८८. मिथिला चित्रकलाक परम्परा कोना जीवित रहल?

- (A) कोनो नहि
- (B) घर-परिवार आ समुदायक निरन्तर अभ्याससँ
- (C) रोकसँ
- (D) लोपसँ

८९. मिथिला चित्रकलामे नव पीढ़ीक भागीदारी किएक जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) परम्पराक निरन्तरता आ नव सृजन
- (C) हानि
- (D) रोक

९०. मिथिला चित्रकला कोन सामाजिक मूल्यकेँ देखबैत अछि?

- (A) भेदभाव
- (B) सामूहिकता आ साझा सृजन
- (C) विवाद
- (D) निरर्थकता

### खण्ड १० : समकालीन आ नव प्रयोग

९१. समकालीन मिथिला चित्रकलामे कोन नव विषय आएल?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामाजिक मुद्दा, पर्यावरण आ समकालीन जीवन
- (C) केवल पौराणिक
- (D) कोनो नहि

९२. मिथिला चित्रकला कोन-कोन नव माध्यमपर आबि गेल?

- (A) केवल भीत
- (B) कागज, कपड़ा, साड़ी, घर-सज्जा
- (C) केवल आँगन
- (D) कोनो नहि

९३. 'रेलवे-स्टेशन भित्ति-चित्र' (जेना मधुबनी स्टेशन) कोन दिस संकेत करैत अछि?

- (A) लोप
- (B) सार्वजनिक स्थानपर कलाक प्रसार
- (C) हानि
- (D) कोनो नहि

९४. समकालीन कलाकार पर्यावरण-सन्देश कोना दैत छथि?

- (A) कोनो नहि
- (B) वृक्ष-रक्षा सन विषयकेँ चित्रमे आनि
- (C) रोकि
- (D) हानि कऽ

९५. डिजिटल माध्यमसँ मिथिला चित्रकलाकेँ की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) व्यापक प्रचार आ बाजार
- (C) हानि
- (D) लोप

९६. समकालीन प्रयोगमे 'मौलिकता' कोना बनल रहैत अछि?

- (A) नकलसँ
- (B) परम्परागत शैली-प्रतीक बचा कऽ
- (C) कोनो नहि
- (D) रोकसँ

९७. मिथिला चित्रकला फैशन-वस्त्रमे कोना आएल?

- (A) कोनो नहि
- (B) साड़ी, परिधान आ सज्जामे
- (C) रोकसँ
- (D) लोपसँ

९८. समकालीन मिथिला चित्रकलाक चुनौती की?

- (A) कोनो नहि
- (B) मौलिकता आ गुणवत्ता बचेनाई
- (C) अधिक सुविधा
- (D) लाभ

९९. मिथिला चित्रकलाक नव प्रयोग कोना सन्तुलित राखब?

- (A) परम्परा छोड़ि
- (B) परम्परा आ नवीनताक सन्तुलनसँ
- (C) रोकसँ
- (D) मौनसँ

१००. समकालीन मिथिला चित्रकला कोन दिस बढ़ि रहल अछि?

- (A) लोप
- (B) परम्परा संग नव-सृजन आ व्यापक पहचान
- (C) रोक
- (D) मौन

### खण्ड ११ : अर्थ-व्यवस्था आ आजीविका

१०१. मिथिला चित्रकला कलाकारकेँ कोना सहायक भेल?

- (A) कोनो नहि
- (B) आय आ आत्मनिर्भरता
- (C) हानि
- (D) रोक

१०२. मिथिला चित्रकलाक बाजार कतय धरि फैलल अछि?

- (A) केवल गाम
- (B) देश-विदेश
- (C) केवल जिला
- (D) कोनो नहि

१०३. 'सहकारी समिति/स्वयं-सहायता समूह' कलाकारकेँ कोना सहायता दैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामूहिक बिक्री आ उचित मूल्य
- (C) हानि
- (D) रोक

१०४. GI टैग कलाकारक आर्थिक हितमे कोना सहायक?

- (A) कोनो नहि
- (B) मौलिकताक रक्षा आ उचित पहचान
- (C) हानि
- (D) रोक

१०५. मिथिला चित्रकलाक पर्यटनसँ कोना जुड़ाव?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक पर्यटन आ कला-बिक्री
- (C) हानि
- (D) रोक

१०६. कलाकारक उचित मूल्य भेटब किएक जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) आजीविका आ कलाक निरन्तरता
- (C) हानि
- (D) रोक

१०७. मिथिला चित्रकला नारी-सशक्तिकरणमे कोना सहायक?

- (A) कोनो नहि
- (B) नारीकेँ आय आ पहचान दऽ
- (C) हानि
- (D) रोक

१०८. मिथिला चित्रकलाक व्यावसायिक प्रसारमे की ध्यान राखब जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) गुणवत्ता आ परम्पराक रक्षा
- (C) केवल मात्रा
- (D) नकल

१०९. कला-बिक्रीसँ गामक अर्थव्यवस्थापर की असर?

- (A) कोनो नहि
- (B) रोजगार आ आय-वृद्धि
- (C) हानि
- (D) रोक

११०. मिथिला चित्रकलाक आर्थिक सफलताक मूल आधार की?

- (A) केवल मात्रा
- (B) मौलिकता, गुणवत्ता आ बाजार
- (C) नकल
- (D) रोक

## खण्ड १२ : संरक्षण आ प्रसार

१११. मिथिला चित्रकलाक संरक्षण किएक आवश्यक?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक धरोहर आ आजीविकाक रक्षा
- (C) हानि
- (D) निरर्थक

११२. प्रशिक्षण-केन्द्र संरक्षणमे कोना सहायक?

- (A) कोनो नहि
- (B) नव कलाकारकेँ सिखा कऽ
- (C) रोक
- (D) हानि कऽ

११३. संग्रहालय आ प्रदर्शनी संरक्षणमे कोना सहायक?

- (A) कोनो नहि
- (B) कला सहेजि आ देखाकऽ
- (C) रोकि
- (D) हानि कऽ

११४. दस्तावेजीकरण (documentation)क की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) शैली-तकनीकक अभिलेख आ अध्ययन
- (C) हानि
- (D) रोक

११५. डिजिटल संग्रह (digital archive)क की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) स्थायित्व आ व्यापक पहुँच
- (C) हानि
- (D) लोप

११६. 'विदेह' सन मंच मिथिला चित्रकलामे कोना सहायक?

- (A) कोनो नहि
- (B) सामग्री प्रकाशन-संरक्षण आ प्रसार
- (C) रोक
- (D) हानि

११७. कला-संरक्षणमे शिक्षाक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) नव पीढ़ीमे रुचि आ ज्ञान जगाएब
- (C) रोक
- (D) हानि

११८. मिथिला चित्रकलाकेँ नकलसँ कोना बचाओल जा सकैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) GI टैग आ मौलिकताक पहचान
- (C) रोकि
- (D) हानि कऽ

११९. मिथिला चित्रकलाक प्रसारमे मीडियाक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) व्यापक प्रचार आ जागरूकता
- (C) रोक
- (D) हानि

१२०. मिथिला चित्रकलाक संरक्षण ककर साझा दायित्व?

- (A) केवल कलाकार
- (B) समाज, संस्था आ सरकार सभक
- (C) केवल विदेशी
- (D) कोनो नहि

### खण्ड १३ : चित्र-रचना आ संयोजन

१२१. मिथिला चित्रमे 'केन्द्रीय आकृति' कोना राखल जाइत अछि?

- (A) किनारमे
- (B) प्रायः मध्यमे प्रमुख रूपें
- (C) रिक्त
- (D) कोनो नहि

१२२. मिथिला चित्रमे 'सन्तुलन' कोना बनैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) दुनू कात समान अलंकरणसँ
- (C) रिक्ततासँ
- (D) निरर्थक

१२३. मिथिला चित्रमे 'पुनरावृत्ति' (repetition) कोन प्रभाव दैत अछि?

- (A) अव्यवस्था
- (B) लय आ अलंकारिक सौन्दर्य
- (C) रिक्तता
- (D) निरर्थक

१२४. मिथिला चित्रमे 'कथा-चित्रण' कोना होइत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) एकहि चित्रमे प्रसंगिक क्रम
- (C) रिक्तता
- (D) निरर्थक

१२५. मिथिला चित्रमे 'बोर्डर-पैटर्न' की काज करैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) चित्रकेँ घेरी पूर्णता देब
- (C) रिक्तता
- (D) निरर्थक

१२६. मिथिला चित्रमे 'रंग-विभाजन' कोना होइत अछि?

- (A) छाया-प्रकाशसँ
- (B) सपाट क्षेत्रमे भिन्न रंग
- (C) रिक्ततासँ
- (D) कोनो नहि

१२७. मिथिला चित्र-रचनामे 'प्रवाह' (flow) कोना अबैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) रेखा आ नमूनाक निरन्तरतासँ
- (C) रिक्ततासँ
- (D) निरर्थक

१२८. मिथिला चित्रमे 'सघनता'क की प्रभाव?

- (A) खालीपन
- (B) समृद्धि आ अलंकारिक प्रभाव
- (C) रिक्तता
- (D) निरर्थक

१२९. मिथिला चित्र-संयोजनमे 'प्रतीक आ अलंकरण'क सम्बन्ध?

- (A) विरोधी
- (B) मिलि कऽ अर्थ आ सौन्दर्य
- (C) असम्बद्ध
- (D) निरर्थक

१३०. मिथिला चित्र-रचनाक मूल सिद्धान्त की?

- (A) रिक्तता
- (B) सघनता, सन्तुलन आ प्रतीकात्मकता
- (C) अव्यवस्था
- (D) निरर्थक

### खण्ड १४ : लोकजीवन आ चित्रकला

१३१. मिथिला चित्रकला घरक कोन भागमे परम्परागत रूपेँ बनैत छल?

- (A) केवल छत
- (B) भीत, आँगन आ कोहबर
- (C) केवल बाहर
- (D) कोनो नहि

१३२. पाबनिमे चित्रकलाक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) शुभ-सज्जा आ मांगलिकता
- (C) निरर्थक
- (D) रिक्तता

१३३. विवाहमे चित्रकलाक की महत्त्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) कोहबर-सज्जा आ मंगल-कामना
- (C) निरर्थक
- (D) रिक्तता

१३४. मिथिला चित्रकला कोन सामाजिक अवसरसँ जुड़ल अछि?

- (A) केवल शोक
- (B) जन्म, विवाह, पाबनि
- (C) युद्ध
- (D) व्यापार

१३५. मिथिला चित्रकला नारीक जीवनसँ कोना जुड़ल अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) अभिव्यक्ति, सृजन आ परम्परा
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

१३६. मिथिला चित्रकला कोन भावसँ घरकेँ भरैत अछि?

- (A) उदासी
- (B) शुभ, सौन्दर्य आ उत्सव
- (C) भय
- (D) रिक्तता

१३७. मिथिला चित्रकलामे लोकजीवनक प्रसंग कोना अबैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) खेती, पशु-पक्षी, पाबनि-दृश्य
- (C) रिक्तता
- (D) निरर्थक

१३८. मिथिला चित्रकला सामुदायिक जीवनकेँ कोना जोड़ैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) साझा सृजन आ अवसरसँ
- (C) रिक्ततासँ
- (D) निरर्थक

१३९. मिथिला चित्रकला कोन मूल्यकेँ देखबैत अछि?

- (A) भेदभाव
- (B) सौन्दर्य-बोध, श्रद्धा आ परम्परा
- (C) विवाद
- (D) रिक्तता

१४०. लोकजीवनमे मिथिला चित्रकलाक स्थान कोना रहल?

- (A) गौण
- (B) दैनिक आ सांस्कृतिक जीवनमे केन्द्रीय
- (C) अनुपस्थित
- (D) कोनो नहि

## खण्ड १५ : शब्दावली आ ज्ञान

१४१. 'अरिपन'क मैथिली भाव की?

- (A) चित्रकला मात्र
- (B) भूमिपर बनैत मांगलिक रेखाचित्र (अल्पना)
- (C) मूर्ति
- (D) धातु

१४२. 'कोहबर'क अर्थ की?

- (A) रसोई
- (B) विवाह-कक्ष आ ओकर मांगलिक चित्र
- (C) भण्डार
- (D) सभा

१४३. 'पिठार' की थिक?

- (A) धातु
- (B) चाउरक सादा घोर (अरिपन लेल)
- (C) रंग-तेल
- (D) गोंद

१४४. 'कचनी' शैलीक मुख्य पहचान की?

- (A) रंग-भराव
- (B) महीन रेखा-काम
- (C) केवल बिन्दु
- (D) रिक्तता

१४५. 'भरनी' शैलीक मुख्य पहचान की?

- (A) केवल रेखा
- (B) चटक रंग-भराव
- (C) रिक्तता
- (D) केवल बिन्दु

१४६. 'गोदना' शैलीक मुख्य पहचान की?

- (A) बहुरंगी भराव
- (B) रेखीय-ज्यामितीय नमूना
- (C) केवल कमल
- (D) रिक्तता

१४७. 'कमल-वन' कोहबरमे की प्रतीक थिक?

- (A) विनाश
- (B) सृजन आ उर्वरता
- (C) भय
- (D) दुख

१४८. 'तांत्रिक शैली'क विषय की?

- (A) प्रकृति मात्र
- (B) देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीक
- (C) केवल पशु
- (D) रिक्तता

१४९. 'मधुबनी' नाम कोन कारणे जुड़ल?

- (A) नदी
- (B) मधुबनी जिला/क्षेत्र
- (C) पर्वत
- (D) विदेशी

१५०. मिथिला चित्रकलाक शब्दावली बुझब किएक उपयोगी?

- (A) कोनो नहि
- (B) कलाक गहिर बोध आ संरक्षण
- (C) निरर्थक
- (D) हानि

### खण्ड १६ : समापन-समीक्षा आ निष्कर्ष

१५१. मिथिला चित्रकलाक मूल आत्मा की?

- (A) केवल सजावट
- (B) शुभ-मंगल, प्रतीक आ सांस्कृतिक भाव
- (C) रिक्तता
- (D) निरर्थक

१५२. मिथिला चित्रकला नारीक की देलक?

- (A) कोनो नहि
- (B) अभिव्यक्ति, पहचान आ आजीविका
- (C) हानि
- (D) रोक

१५३. मिथिला चित्रकला विश्वकेँ की देलक?

- (A) कोनो नहि
- (B) अद्वितीय लोक-कला आ सौन्दर्य
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

१५४. मिथिला चित्रकलाक भविष्य कोना उज्ज्वल भऽ सकैत अछि?

- (A) परम्परा छोड़ि
- (B) परम्परा-रक्षा, प्रशिक्षण आ नव-सृजनसँ
- (C) रोकसँ
- (D) मौनसँ

१५५. मिथिला चित्रकला कोन सन्देश दैत अछि?

- (A) भय
- (B) प्रकृति-प्रेम, शुभ आ सृजन
- (C) दुख
- (D) रिक्तता

१५६. मिथिला चित्रकलाक संरक्षणमे आजुक पीढ़ीक की दायित्व?

- (A) कोनो नहि
- (B) सिखब, बनाएब आ आगाँ बढ़ाएब
- (C) हानि
- (D) रोक

१५७. मिथिला चित्रकला मिथिलाक पहचान कोना बनल?

- (A) कोनो नहि
- (B) विशिष्ट शैली आ विश्व-प्रसिद्धिसँ
- (C) हानि
- (D) लोपसँ

१५८. मिथिला चित्रकला आ 'विदेह'क साझा लक्ष्य की भऽ सकैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) मैथिल संस्कृतिक संरक्षण आ प्रसार
- (C) रोक
- (D) हानि

१५९. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनसँ की भेटैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक बोध आ सौन्दर्य-दृष्टि
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

१६०. एहि सम्पूर्ण प्रश्नोत्तरीसँ की प्रेरणा भेटबाक चाही?

- (A) उपेक्षा
- (B) मिथिला चित्रकला बुझब, सम्मान देब आ सहेजब
- (C) मौन
- (D) रोक

## खण्ड १७ : कला आ अन्य परम्पराक तुलना

१६१. मिथिला चित्रकला आ वारली चित्रकलामे एक भेद की?

- (A) कोनो भेद नहि
- (B) मिथिला सघन-रंगीन; वारली सरल-श्वेत आकृति
- (C) दुनू एके
- (D) अर्थहीन

१६२. मिथिला चित्रकला कोन रूपमे अन्य लोक-कलासँ भिन्न अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सघन अलंकरण आ प्रतीकात्मकता
- (C) रिक्तता
- (D) निरर्थक

१६३. भारतीय लोक-चित्रकलाक विविधता की देखबैत अछि?

- (A) एकरूपता
- (B) क्षेत्रीय सांस्कृतिक समृद्धि
- (C) लोप
- (D) निरर्थक

१६४. मिथिला चित्रकलाक मौलिकता ककरामे अछि?

- (A) नकल
- (B) अपन शैली, प्रतीक आ परम्परा
- (C) विदेशी
- (D) रिक्तता

१६५. लोक-कलाक तुलना-अध्ययनसँ की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) विविधता आ साझा सूत्रक बोध
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

१६६. मिथिला चित्रकलामे 'रंग'क प्रयोग अन्यसँ कोना भिन्न?

- (A) फीका
- (B) चटक आ सपाट प्राकृतिक रंग
- (C) केवल कारी
- (D) रिक्त

१६७. मिथिला चित्रकला आ शास्त्रीय चित्रकलामे एक भेद की?

- (A) कोनो नहि
- (B) लोक-परम्परा बनाम शास्त्रीय-नियम
- (C) दुनू एके
- (D) अर्थहीन

१६८. मिथिला चित्रकलाक विश्व-स्तरीय पहचान की देखबैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) लोक-कलाक सार्वभौम अपील
- (C) लोप
- (D) रिक्तता

१६९. मिथिला चित्रकलाकें 'जीवन्त परम्परा' किएक कहल जाइत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) आइयो बनैत आ विकसित होइत अछि
- (C) लोप
- (D) रिक्तता

१७०. मिथिला चित्रकलाक तुलनात्मक अध्ययनक सार की?

- (A) कोनो नहि
- (B) एकर विशिष्टता आ सांस्कृतिक महत्त्व
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

## खण्ड १८ : शिक्षा आ नव पीढ़ी

१७१. मिथिला चित्रकलाकें विद्यालयमे जोड़लासँ की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) बच्चाके कला आ संस्कृति-बोध
- (C) हानि
- (D) रोक

१७२. बच्चाकें मिथिला चित्रकला सिखेबासँ कोन कौशल बढ़ैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) एकाग्रता, सृजनशीलता आ धैर्य
- (C) हानि
- (D) आलस्य

१७३. कला-कार्यशाला (workshop) नव पीढ़ी लेल कोना उपयोगी?

- (A) कोनो नहि
- (B) प्रत्यक्ष सिखबाक अवसर
- (C) हानि
- (D) रोक

१७४. मिथिला चित्रकलाक शिक्षा सांस्कृतिक पहचानकें कोना सबल करैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) नव पीढ़ीकें जड़िसँ जोड़ि
- (C) हानि
- (D) रोक

१७५. डिजिटल माध्यमसँ मिथिला चित्रकला सिखब कोना सम्भव?

- (A) असम्भव
- (B) ऑनलाइन वीडियो आ कक्षासँ
- (C) कोनो नहि
- (D) रोक

१७६. नव पीढ़ीकें मिथिला चित्रकलासँ जोड़ब किएक जरूरी?

- (A) कोनो नहि
- (B) परम्पराक निरन्तरता आ नव-सृजन
- (C) हानि
- (D) रोक

१७७. कला-शिक्षा रोजगारसँ कोना जुड़ल?

- (A) कोनो नहि
- (B) कौशल-विकाससँ आजीविका
- (C) हानि
- (D) रोक

१७८. बच्चाक चित्रकला-प्रतियोगिताक की लाभ?

- (A) कोनो नहि
- (B) प्रोत्साहन आ प्रतिभा-विकास
- (C) हानि
- (D) रोक

१७९. मिथिला चित्रकलाक शिक्षामे परिवारक की भूमिका?

- (A) कोनो नहि
- (B) घरेलू परम्परासँ पहिल सीख
- (C) हानि
- (D) रोक

१८०. कला-शिक्षाक अन्तिम लक्ष्य की?

- (A) कोनो नहि
- (B) कला, संस्कृति आ कलाकार-परम्पराक निरन्तरता
- (C) हानि
- (D) रोक

### खण्ड १९ : प्रतीक-अर्थ (विस्तार)

१८१. 'कछुआ' मिथिला चित्रकलामे कोन प्रतीक थिक?

- (A) विनाश
- (B) दीर्घायु आ स्थिरता
- (C) भय
- (D) दुख

१८२. 'मोर' चित्रमे कोन भाव दैत अछि?

- (A) शोक
- (B) सौन्दर्य आ प्रेम
- (C) भय
- (D) विनाश

१८३. 'गाछ/वृक्ष' चित्रमे कोन भाव?

- (A) विनाश
- (B) जीवन आ समृद्धि
- (C) भय
- (D) दुख

१८४. 'सूर्य' प्रतीक कोन भाव दैत अछि?

- (A) अन्धार
- (B) ऊर्जा आ जीवन
- (C) भय
- (D) दुख

१८५. 'चन्द्र' प्रतीक कोन भाव दैत अछि?

- (A) क्रोध
- (B) शीतलता आ सौन्दर्य
- (C) भय
- (D) दुख

१८६. 'शंख' चित्रमे कोन भाव?

- (A) अशुभ
- (B) शुभ आ मंगल-नाद
- (C) भय
- (D) दुख

१८७. 'कलश' प्रतीक कोन भाव दैत अछि?

- (A) रिक्तता
- (B) समृद्धि आ मंगल
- (C) भय
- (D) दुख

१८८. 'स्वस्तिक' कोन भावसँ जुड़ल प्रतीक?

- (A) अशुभ
- (B) शुभ आ कल्याण
- (C) भय
- (D) दुख

१८९. मिथिला चित्रकलामे प्रतीकक बहुलता की देखबैत अछि?

- (A) रिक्तता
- (B) गहिर सांस्कृतिक अर्थ-व्यवस्था
- (C) निरर्थकता
- (D) लोप

१९०. प्रतीक बुझनाई दर्शककें की दैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) चित्रक गहिर अर्थ आ आनन्द
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

## खण्ड २० : समापन आ संक्षेप

१९१. मिथिला चित्रकला एक वाक्यमे की थिक?

- (A) केवल सजावट
- (B) मिथिलाक प्रतीक-समृद्ध लोक-चित्रकला
- (C) रिक्तता
- (D) निरर्थक

१९२. मिथिला चित्रकलाक चारि प्रमुख शैली कोन?

- (A) कोनो नहि
- (B) कचनी, भरनी, गोदना, तांत्रिक
- (C) केवल एक
- (D) अज्ञात

१९३. मिथिला चित्रकलाक मूल सृजक के रहलीह?

- (A) केवल पुरुष
- (B) घरक स्त्रीगण
- (C) विदेशी
- (D) बच्चा

१९४. मिथिला चित्रकला कतयसँ निकलि विश्व धरि पहुँचल?

- (A) शहरसँ
- (B) भीत-आँगनसँ कागज-कैनवास धरि
- (C) विदेशसँ
- (D) कोनो नहि

१९५. मिथिला चित्रकलाक प्रमुख भाव की?

- (A) भय
- (B) शुभ, मंगल आ समृद्धि
- (C) दुख
- (D) रिक्तता

१९६. मिथिला चित्रकला कोन कारणे विशिष्ट?

- (A) कोनो नहि
- (B) सघन अलंकरण, प्रतीक आ चटक रंग
- (C) रिक्तता
- (D) निरर्थक

१९७. मिथिला चित्रकलाक संरक्षण कोना सम्भव?

- (A) रोकसँ
- (B) शिक्षा, प्रशिक्षण आ प्रसारसँ
- (C) मौनसँ
- (D) लोपसँ

१९८. मिथिला चित्रकला मिथिलाकेँ की दैत अछि?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक पहचान आ गौरव
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

१९९. मिथिला चित्रकलाक अध्ययनक मूल लाभ की?

- (A) कोनो नहि
- (B) सांस्कृतिक बोध आ सौन्दर्य-दृष्टि
- (C) हानि
- (D) रिक्तता

२००. एहि सम्पूर्ण प्रश्नोत्तरीक सार की?

- (A) कोनो नहि
- (B) मिथिला चित्रकला बुझब, सम्मान देब आ सहेजब
- (C) मौन
- (D) उपेक्षा

१. (B) मधुबनी — मिथिला चित्रकलाकें मधुबनी चित्रकलाक नामसँ सेहो जानल जाइत अछि, जे मधुबनी जिलासँ जुड़ल अछि।
२. (B) भीत आ आँगन (कोहबर-अरिपन) — परम्परागत रूपेँ ई कला घरक भीत, आँगन आ कोहबर-घरमे बनाओल जाइत छल।
३. (B) घरक स्त्रीगण — मिथिला चित्रकला परम्परागत रूपेँ घरक स्त्रीगण द्वारा रचल जाइत छल — ई एक स्त्री-प्रधान कला-परम्परा थिक।
४. (B) रामायण (सीता-विवाह) — लोक-परम्परा मिथिला चित्रकलाक आरम्भकें सीता-विवाहक कोहबर-सज्जासँ जोड़ैत अछि।
५. (B) बीसम शताब्दीक उत्तरार्धमे — बीसम शताब्दीक उत्तरार्धमे, विशेषतः कागजपर आबि गेलाक बाद, मिथिला चित्रकला विश्व-स्तर पर पहचान पओलक।
६. (B) विवाह, पाबनि आ मांगलिक अवसर — विवाह, पाबनि आ शुभ-मांगलिक अवसर पर मिथिला चित्रकला आ अरिपन बनाओल जाइत छल।
७. (B) सघन भराव (कतहु रिक्त नहि) — मिथिला चित्रकलामे चित्रक हर खाली स्थान फूल, पात, बिन्दु आदिसँ भरल जाइत अछि — सघन भराव एकर पहचान थिक।
८. (B) प्राकृतिक स्रोत (फूल-पात-माटि) — परम्परागत रूपेँ रंग फूल, पात, हरदी, सिन्दूर आ माटि सन प्राकृतिक स्रोतसँ बनाओल जाइत छल।
९. (B) मिथिला (बिहार-नेपाल तराई) — मिथिला चित्रकला मिथिला-क्षेत्र — बिहारक मिथिलांचल आ नेपालक तराई — क परम्परागत लोक-कला थिक।
१०. (B) शुभ-मंगल आ समृद्धि — मिथिला चित्रकलाक मूल भाव शुभ, मंगल, समृद्धि आ उर्वरता थिक।
११. (B) महीन रेखा-कामक प्रधानता — कचनी शैलीमे महीन रेखा आ बारीक रेखांकनक प्रधानता रहैत अछि, रंग कम लागैत अछि।
१२. (B) चटक रंगसँ भराव — भरनी शैलीमे आकृतिकें चटक रंगसँ भरल जाइत अछि, रेखाक संग रंग प्रमुख रहैत अछि।
१३. (B) देहपर बनैत गोदनाक नमूना — गोदना शैली देहपर बनैत गोदनाक ज्यामितीय-रेखीय नमूनासँ प्रेरित कला-शैली थिक।
१४. (B) देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीक — तांत्रिक शैलीमे देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीकक चित्रण प्रमुख रहैत अछि।
१५. (B) विवाह — कोहबर चित्र विवाह-संस्कारसँ जुड़ल मांगलिक चित्र थिक, जे कोहबर-घरमे बनैत अछि।
१६. (B) कमल-वन, पुरैन, बाँस आदि — कोहबर-चित्रमे कमल-वन (पुरैनक डाँट), बाँस आ शुभ-प्रतीक रहैत अछि, जे उर्वरता आ वंश-वृद्धिक प्रतीक थिक।
१७. (B) आँगन, देहरी आ पूजा-स्थल — अरिपन आँगन, देहरी आ पूजा-स्थलपर पिठारसँ बनाओल जाइत मांगलिक भूमि-चित्र थिक।
१८. (B) सघन अलंकरण आ प्रतीकात्मकता — सभ शैलीमे सघन अलंकरण आ प्रतीकात्मकता — हर तत्वक कोनो अर्थ — साझा गुण रहैत अछि।
१९. (B) एकवर्णी/सीमित रंग (प्रायः कारी-गाढ़) — गोदना शैली प्रायः सीमित, एकवर्णी (गाढ़ कारी आदि) रंगमे महीन रेखा-नमूनासँ बनैत अछि।
२०. (B) समुदाय-अनुसार विविधता — विभिन्न शैली (कचनी, भरनी, गोदना, तांत्रिक) मिथिला चित्रकलाक समुदाय-अनुसार विविधता आ समृद्धि देखबैत अछि।
२१. (B) समृद्धि-उर्वरता आ शुभ — मछली मिथिला चित्रकलामे समृद्धि, उर्वरता आ शुभक प्रतीक मानल जाइत अछि।
२२. (B) शाश्वतता आ शुभ — सूर्य आ चन्द्र शाश्वतता, ऊर्जा आ शुभ-मंगलक प्रतीक रूपमे चित्रित होइत अछि।
२३. (B) सौन्दर्य, पवित्रता आ सृजन — कमल सौन्दर्य, पवित्रता आ सृजनक प्रतीक थिक, आ कोहबरमे विशेष महत्त्व रखैत अछि।
२४. (B) वंश-वृद्धि आ निरन्तरता — बाँस वंश-वृद्धि, संतति आ निरन्तरताक प्रतीक रूपमे कोहबरमे चित्रित होइत अछि।
२५. (B) दुर्गा, कृष्ण-राधा, राम-सीता, गणेश — दुर्गा, कृष्ण-राधा, राम-सीता, गणेश-लक्ष्मी सन देवी-देवता मिथिला चित्रकलामे प्रायः चित्रित होइत छथि।
२६. (B) प्रेम आ सन्देश — तोता मिथिला चित्रकलामे प्रेम आ सन्देशक प्रतीक रूपमे प्रायः अबैत अछि।
२७. (B) रक्षा आ शुभ (कोहबर) — नाग-नागिन कोहबरमे रक्षा, शुभ आ दाम्पत्य-जोड़ीक प्रतीक रूपमे चित्रित होइत अछि।
२८. (B) ऐश्वर्य आ शक्ति — हाथी ऐश्वर्य, शक्ति आ राजसी समृद्धिक प्रतीक रूपमे चित्रित होइत अछि।
२९. (B) जीवन आ प्रकृतिसँ गहिर जुड़ाव — वृक्ष, पशु-पक्षी आ नदी सन प्रकृति-तत्त्व मिथिलाक जीवन आ प्रकृति-प्रेमक गहिर जुड़ावकें देखबैत अछि।
३०. (B) कोनो-न-कोनो भाव/अर्थ — मिथिला चित्रकलामे प्रत्येक प्रतीकक कोनो-न-कोनो सांस्कृतिक भाव वा अर्थ रहैत अछि।
३१. (B) हरदीसँ — परम्परागत पीयर रंग प्रायः हरदी (हल्दी) सन प्राकृतिक स्रोतसँ बनाओल जाइत छल।
३२. (B) कज्जल/कारी (काजर-गोबर आदि) — कारी रंग प्रायः काजर वा जरल पदार्थसँ बनाओल जाइत छल।

३३. (B) सिन्दूर/कुसुम-फूल आदि — लाल रंग सिन्दूर वा कुसुम-फूल सन प्राकृतिक स्रोतसँ बनाओल जाइत छल।
३४. (B) बाँसक कलम, माचिस-तीली, अंगुरी — परम्परागत रूपेँ बाँसक कलम, तीली, रूई-लपेटल छड़ी आ कखनहुँ अंगुरीसँ रेखा खींचल जाइत छल।
३५. (B) गोंद/बबूल-गोंद आदि — रंगकेँ टिकाऊ आ चिपकनशील बनेबा लेल प्रायः गोंद (बबूल आदिक) मिलाओल जाइत छल।
३६. (B) कागज, कपड़ा आ कैनवास — आधुनिक कालमे ई कला भीतसँ निकलि कागज, कपड़ा आ कैनवासपर आबि व्यापक भेल।
३७. (B) आकृतिक बाहरी रेखा-जोड़ी — अनेक मिथिला चित्रमे आकृति दोहरी रेखासँ घेरल जाइत अछि, जे शैलीक पहचान थिक।
३८. (B) चटक रंगक प्रयोग — रंग-भराव (भरनी) शैलीमे आकृतिकेँ चटक रंगसँ भरब प्रमुख रहैत अछि।
३९. (B) पर्यावरण-अनुकूल आ सुरक्षित — प्राकृतिक रंग पर्यावरण-अनुकूल, सुरक्षित आ परम्परासँ जुड़ल होइत अछि।
४०. (B) महीन-सघन कामक लेल आवश्यक — महीन रेखा आ सघन भराव बनेबामे बहुत धैर्य आ एकाग्रता आवश्यक होइत अछि।
४१. (A) सीता देवी — सीता देवी मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्ध कलाकार छलीह, जिनका पद्मश्री सन सम्मान भेटल।
४२. (A) कचनी (रेखा-प्रधान) — गंगा देवी कचनी (महीन रेखा) शैली लेल प्रसिद्ध छलीह आ हुनका राष्ट्रीय सम्मान भेटल।
४३. (B) कलाकारक प्रदर्शनी आ सम्मानसँ — मिथिलाक कलाकार देश-विदेशक प्रदर्शनी आ सम्मानक माध्यमसँ ऐ कलाकेँ विश्व धरि पहुँचेलनि।
४४. (B) पद्मश्री सन राष्ट्रीय सम्मान — अनेक मिथिला-कलाकारकेँ पद्मश्री सन राष्ट्रीय सम्मान भेटल, जे ऐ कलाक प्रतिष्ठाकेँ देखबैत अछि।
४५. (B) बिक्री, प्रसार आ आजीविका — कागजपर आनलासँ मिथिला चित्रकला बिक्रय योग्य भेल, जे एकर प्रसार आ कलाकारक आजीविकामे सहायक भेल।
४६. (B) क्षेत्रीय पहचान आ मौलिकताक रक्षा — GI टैग मिथिला चित्रकलाक क्षेत्रीय पहचान आ मौलिकताक रक्षा कऽ नकलसँ बचबैत अछि।
४७. (B) नव कलाकारक प्रशिक्षण आ मंच — प्रशिक्षण-केन्द्र आ संस्था नव कलाकारकेँ सिखा आ मंच दऽ मिथिला चित्रकलाक प्रसारमे सहायक होइत अछि।
४८. (B) कला आ कलाकार दुनूक प्रतिष्ठा बढ़ल — सम्मान भेटलासँ मिथिला चित्रकला आ ओकर कलाकार दुनूक प्रतिष्ठा आ पहचान बढ़ल।
४९. (B) कलाकारक आत्मनिर्भरता आ कलाक निरन्तरता — आजीविका बनलासँ कलाकार आत्मनिर्भर होइत छथि आ कला निरन्तर जीवित रहैत अछि।
५०. (B) सांस्कृतिक गौरव आ विश्व-पहचान — मिथिला चित्रकलाक प्रसिद्धि मिथिलाकेँ सांस्कृतिक गौरव आ विश्व-स्तरीय पहचान दैत अछि।
५१. (B) विवाहमे वर-वधूक मिलन-कक्ष — कोहबर-घर विवाहमे वर-वधूक मिलनसँ जुड़ल पवित्र कक्ष थिक, जे विशेष मांगलिक चित्रसँ सजल रहैत अछि।
५२. (B) दाम्पत्य-मंगल आ वंश-वृद्धि — कोहबर-चित्रक मूल भाव दाम्पत्य-सुख, उर्वरता आ वंश-वृद्धिक शुभकामना थिक।
५३. (B) सृजन आ संतति — पुरैन (कमलक डाँट-वन) सृजन, उर्वरता आ संततिक प्रतीक रूपमे कोहबरमे बनैत अछि।
५४. (B) पिठार (चाउरक घोर) — अरिपन प्रायः पिठार — चाउर पीसि बनल सादा घोर — सँ आँगन-देहरीमे बनाओल जाइत अछि।
५५. (B) पूजा, पाबनि आ मांगलिक अवसर — अरिपन पूजा, पाबनि आ शुभ-मांगलिक अवसर पर बनाओल जाइत मांगलिक भूमि-चित्र थिक।
५६. (B) आठ-पंखुड़ीक कमल — अष्टदल अरिपन आठ-पंखुड़ी बला कमलक आकृतिपर आधारित मांगलिक रचना थिक।
५७. (B) घरक स्त्रीगण — कोहबर-चित्र परम्परागत रूपेँ घरक स्त्रीगण द्वारा बनाओल जाइत छल।
५८. (B) अंगुरी वा कपड़ाक फाहासँ — अरिपन प्रायः अंगुरी वा कपड़ाक फाहामे पिठार लऽ कऽ खींचल जाइत अछि।
५९. (B) शुभ-मंगल आ समृद्धि — कोहबर आ अरिपन दुनू शुभ-मंगल, समृद्धि आ कल्याणक भाव रखैत अछि।
६०. (B) घर-घरक पाबनि-परम्परामे — अरिपन-कला आइयो मिथिलाक घर-घरमे पाबनि आ शुभ अवसर पर जीवित अछि।
६१. (B) हर खाली जगह अलंकरणसँ भरब — मिथिला चित्रकलामे प्रायः हर खाली जगह फूल, पात, बिन्दु आदिसँ भरि देल जाइत अछि — यैह एकर पहचान।
६२. (B) चित्रकेँ अलंकृत आ पूर्ण बनाएब — सजल बॉर्डर/किनार चित्रकेँ अलंकृत आ पूर्ण रूप दैत अछि, जे मिथिला-शैलीक अंग थिक।
६३. (B) चटक आ सपाट — मिथिला चित्रकलामे रंग प्रायः चटक आ सपाट (फ्लैट) रूपमे लागल जाइत अछि, छाया-प्रकाश कम।
६४. (B) गोदना — गोदना शैलीमे ज्यामितीय आ रेखीय नमूनाक प्रधानता रहैत अछि।
६५. (B) हर आकृतिक कोनो अर्थ — प्रतीकात्मकता अर्थात् हर आकृति — मछली, कमल, सूर्य — कोनो भाव वा अर्थ रखैत अछि।
६६. (B) चटक आ जीवन्त — मिथिला चित्रकलाक चटक रंग-योजना चित्रकेँ जीवन्त आ आकर्षक बनबैत अछि।
६७. (B) आकृति आ अलंकरणक आधार — रेखा मिथिला चित्रकलामे आकृति, सीमा आ सघन अलंकरणक आधार थिक।

६८. (B) कम रंग, रेखा-प्रधान — कचनी शैलीमें रंग कम, आ महीन रेखा-काम प्रधान रहैत अछि।
६९. (B) आकृति चटक रंगसँ भरल — भरनी शैलीमें आकृति चटक रंगसँ भरल जाइत अछि।
७०. (B) समृद्धि आ उत्सव — सघन अलंकरण आ चटक रंग मिथिला चित्रकलामे समृद्धि आ उत्सवक भाव जगबैत अछि।
७१. (B) विवाह आ मर्यादा — राम-सीता चित्र प्रायः सीता-विवाह आ मर्यादाक प्रसंगसँ जुड़ल रहैत अछि।
७२. (B) प्रेम आ भक्ति — कृष्ण-राधा चित्र प्रेम, रास आ भक्तिक भाव दैत अछि।
७३. (B) शक्ति आ रक्षा — दुर्गा चित्र शक्ति, रक्षा आ मंगलक भावसँ जुड़ल अछि।
७४. (B) शुभारम्भमे (मांगलिक) — गणेश शुभारम्भ आ विघ्न-नाशक देवता थिकाह, तँ हुनकर चित्र मांगलिक शुभारम्भमे बनाओल जाइत अछि।
७५. (B) दाम्पत्य आ शुभ — शिव-पार्वती चित्र आदर्श दाम्पत्य आ शुभ-मंगलक भाव दैत अछि।
७६. (B) धार्मिक-सांस्कृतिक जीवनसँ जुड़ाव — मिथिलाक धार्मिक-सांस्कृतिक जीवनसँ गहिर जुड़ावक कारणे पौराणिक विषय चित्रकलामे प्रमुख रहल।
७७. (B) धन-समृद्धि — लक्ष्मी चित्र धन, समृद्धि आ ऐश्वर्यक भावसँ जुड़ल अछि।
७८. (B) विद्या आ कला — सरस्वती विद्या, संगीत आ कलाक देवी थिकीह, तँ हुनकर चित्र ज्ञान आ कलाक भाव दैत अछि।
७९. (B) गहिर भाव सरल रूपमे व्यक्त करब — प्रतीकक प्रयोगसँ गहिर धार्मिक भाव सरल आ चित्रमय रूपमे व्यक्त भऽ जाइत अछि।
८०. (B) आस्था, पाबनि आ कलाकें एक संग — धार्मिक चित्र आस्था, पाबनि आ कलाकें एक संग जोड़ि मिथिलाक सांस्कृतिक जीवनकें समृद्ध करैत अछि।
८१. (B) विभिन्न समुदाय (अपन-अपन शैली) — मिथिला चित्रकला विभिन्न समुदायमे विकसित भेल, आ प्रत्येक अपन विशिष्ट शैली-विषय अनलक।
८२. (B) दलित/वंचित समुदाय — गोदना शैली परम्परागत रूपेँ वंचित-दलित समुदायक योगदानसँ जुड़ल मानल जाइत अछि, जे एकरा विशिष्ट पहचान देलक।
८३. (B) सामाजिक-सांस्कृतिक समावेश — विविध समुदायक भागीदारी मिथिला चित्रकलाक सामाजिक-सांस्कृतिक समावेश आ समृद्धि देखबैत अछि।
८४. (B) माय-बेटीक परम्परासँ — मिथिला चित्रकला मुख्यतः माय-बेटी आ घरक स्त्रीगणक परम्परासँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगाँ बढ़ल।
८५. (B) घर-परिवारमे देखि-सिखि — परम्परागत रूपेँ बच्चा घर-परिवारमे बड़-बूढ़कें देखि-देखि चित्रकला सिखैत छल।
८६. (B) शैली आ विषयक विविधतासँ — विभिन्न समुदायक अपन-अपन शैली आ विषय मिथिला चित्रकलामे सामुदायिक पहचान झलकबैत अछि।
८७. (B) विभिन्न वर्ग आ समुदायक भागीदारीसँ — विभिन्न वर्ग आ समुदायक कलाकारक भागीदारीसँ मिथिला चित्रकला सामाजिक रूपेँ समावेशी भेल।
८८. (B) घर-परिवार आ समुदायक निरन्तर अभ्याससँ — घर-परिवार आ समुदायक निरन्तर अभ्यास आ हस्तान्तरणसँ मिथिला चित्रकलाक परम्परा जीवित रहल।
८९. (B) परम्पराक निरन्तरता आ नव सृजन — नव पीढ़ीक भागीदारी परम्पराकें आगाँ बढ़ाबय आ नव सृजनसँ कलाकें जीवन्त राखय लेल जरूरी अछि।
९०. (B) सामूहिकता आ साझा सृजन — मिथिला चित्रकला विभिन्न समुदायक साझा सृजन आ सामूहिकताक सामाजिक मूल्यकें देखबैत अछि।
९१. (B) सामाजिक मुद्दा, पर्यावरण आ समकालीन जीवन — समकालीन मिथिला चित्रकलामे पारम्परिक विषयक संग सामाजिक मुद्दा, पर्यावरण आ समकालीन जीवन सेहो आएल।
९२. (B) कागज, कपड़ा, साड़ी, घर-सज्जा — आधुनिक कालमे मिथिला चित्रकला कागज, कपड़ा, साड़ी आ घर-सज्जा सन अनेक माध्यमपर आबि गेल।
९३. (B) सार्वजनिक स्थानपर कलाक प्रसार — सार्वजनिक स्थानपर मिथिला चित्रकलाक भित्ति-चित्र ऐ कलाक व्यापक प्रसार आ सम्मानकें देखबैत अछि।
९४. (B) वृक्ष-रक्षा सन विषयकें चित्रमे आनि — अनेक समकालीन कलाकार वृक्ष-रक्षा, जल-संरक्षण सन पर्यावरण-सन्देशकें मिथिला चित्रकलामे प्रस्तुत करैत छथि।
९५. (B) व्यापक प्रचार आ बाजार — डिजिटल माध्यमसँ मिथिला चित्रकला विश्वभरिक दर्शक आ खरीदार धरि पहुँचि सकैत अछि।
९६. (B) परम्परागत शैली-प्रतीक बचा कऽ — नव विषयक संगहु परम्परागत शैली, रेखा आ प्रतीककें बचा राखलासँ मिथिला चित्रकलाक मौलिकता बनल रहैत अछि।
९७. (B) साड़ी, परिधान आ सज्जामे — मिथिला चित्रकला साड़ी, परिधान आ घर-सज्जामे आबि नव बाजार आ पहचान पओलक।
९८. (B) मौलिकता आ गुणवत्ता बचेनाई — व्यापक माँगक बीच मौलिकता, परम्परा आ गुणवत्ता बचेनाई समकालीन मिथिला चित्रकलाक चुनौती थिक।
९९. (B) परम्परा आ नवीनताक सन्तुलनसँ — परम्परागत जड़िकें बचा कऽ नव विषय जोड़लासँ मिथिला चित्रकलाक नव प्रयोग सन्तुलित रहैत अछि।

१००. (B) परम्परा संग नव-सृजन आ व्यापक पहचान — समकालीन मिथिला चित्रकला परम्पराकें बचा नव-सृजन आ व्यापक वैश्विक पहचानक दिस बढ़ि रहल अछि।
१०१. (B) आय आ आत्मनिर्भरता — मिथिला चित्रकलाक बिक्रीसँ अनेक कलाकार — विशेषतः नारी — आय आ आत्मनिर्भरता पओलनि।
१०२. (B) देश-विदेश — मिथिला चित्रकलाक बाजार आइ देश-विदेश धरि फैलल अछि।
१०३. (B) सामूहिक बिक्री आ उचित मूल्य — सहकारी समिति आ स्वयं-सहायता समूह कलाकारकें सामूहिक बिक्री आ उचित मूल्य दिलाबय लेल सहायक होइत अछि।
१०४. (B) मौलिकताक रक्षा आ उचित पहचान — GI टैग नकलसँ रक्षा कऽ असली मिथिला-कलाकारक मौलिकता आ आर्थिक हितक रक्षा करैत अछि।
१०५. (B) सांस्कृतिक पर्यटन आ कला-बिक्री — मिथिला चित्रकला सांस्कृतिक पर्यटनकें आकर्षित कऽ कला-बिक्री आ स्थानीय अर्थव्यवस्थाकें सहायता दैत अछि।
१०६. (B) आजीविका आ कलाक निरन्तरता — कलाकारकें उचित मूल्य भेटलासँ हुनकर आजीविका सुदृढ़ होइत अछि आ कला निरन्तर जीवित रहैत अछि।
१०७. (B) नारीकें आय आ पहचान दऽ — मिथिला चित्रकला अनेक नारीकें आय, आत्मनिर्भरता आ स्वतन्त्र पहचान दऽ सशक्तिकरणमे सहायक भेल।
१०८. (B) गुणवत्ता आ परम्पराक रक्षा — व्यावसायिक प्रसारमे मात्राक संगहु गुणवत्ता आ परम्पराक रक्षा राखब आवश्यक अछि।
१०९. (B) रोजगार आ आय-वृद्धि — कला-बिक्रीसँ गाममे रोजगार आ आय बढ़ैत अछि, जे स्थानीय अर्थव्यवस्थाकें सबल बनबैत अछि।
११०. (B) मौलिकता, गुणवत्ता आ बाजार — मौलिकता, गुणवत्ता आ उचित बाजार मिथिला चित्रकलाक आर्थिक सफलताक मूल आधार थिक।
१११. (B) सांस्कृतिक धरोहर आ आजीविकाक रक्षा — मिथिला चित्रकला अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर आ अनेक परिवारक आजीविकासँ जुड़ल अछि, तँ संरक्षण आवश्यक।
११२. (B) नव कलाकारकें सिखा कऽ — प्रशिक्षण-केन्द्र नव कलाकारकें सिखा कऽ परम्पराकें अगिला पीढ़ी धरि पहुँचबैत अछि।
११३. (B) कला सहेजि आ देखाकऽ — संग्रहालय आ प्रदर्शनी मिथिला चित्रकलाकें सुरक्षित राखि आ व्यापक दर्शक धरि देखाकऽ संरक्षणमे सहायक होइत अछि।
११४. (B) शैली-तकनीकक अभिलेख आ अध्ययन — दस्तावेजीकरणसँ मिथिला चित्रकलाक शैली, तकनीक आ इतिहासक स्थायी अभिलेख बनैत अछि।
११५. (B) स्थायित्व आ व्यापक पहुँच — डिजिटल संग्रह मिथिला चित्रकलाकें स्थायी रूपेँ सुरक्षित राखि विश्वभरिक पहुँच दैत अछि।
११६. (B) सामग्री प्रकाशन-संरक्षण आ प्रसार — विदेह सन डिजिटल मंच मिथिला चित्रकला सम्बन्धी सामग्रीकें प्रकाशित-संरक्षित कऽ प्रसारमे सहायक भऽ सकैत अछि।
११७. (B) नव पीढ़ीमे रुचि आ ज्ञान जगाएब — शिक्षा नव पीढ़ीमे मिथिला चित्रकलाक प्रति रुचि आ ज्ञान जगा संरक्षणकें सबल बनबैत अछि।
११८. (B) GI टैग आ मौलिकताक पहचान — GI टैग आ मौलिक कलाकारक पहचान मिथिला चित्रकलाकें नकलसँ बचबामे सहायक होइत अछि।
११९. (B) व्यापक प्रचार आ जागरूकता — समाचार-माध्यम आ सोशल-मीडिया मिथिला चित्रकलाक व्यापक प्रचार आ जागरूकतामे सहायक होइत अछि।
१२०. (B) समाज, संस्था आ सरकार सभक — मिथिला चित्रकलाक संरक्षण कलाकार, समाज, संस्था आ सरकार सभक साझा दायित्व थिक।
१२१. (B) प्रायः मध्यमे प्रमुख रूपेँ — मिथिला चित्रमे प्रमुख आकृति प्रायः मध्यमे राखल जाइत अछि आ चारू कात अलंकरण रहैत अछि।
१२२. (B) दुनू कात समान अलंकरणसँ — दुनू कात समान भराव आ अलंकरणसँ मिथिला चित्रमे सन्तुलन बनैत अछि।
१२३. (B) लय आ अलंकारिक सौन्दर्य — नमूनाक पुनरावृत्ति चित्रमे लय आ अलंकारिक सौन्दर्य उत्पन्न करैत अछि।
१२४. (B) एकहि चित्रमे प्रसंगक क्रम — अनेक मिथिला चित्रमे एकहि फलकपर कथाक विभिन्न प्रसंग क्रमशः चित्रित होइत अछि।
१२५. (B) चित्रकें घेरि पूर्णता देब — सजल बॉर्डर-पैटर्न चित्रकें घेरि ओकरा पूर्णता आ अलंकरण दैत अछि।
१२६. (B) सपाट क्षेत्रमे भिन्न रंग — मिथिला चित्रमे भिन्न-भिन्न सपाट क्षेत्र अलग-अलग चटक रंगसँ भरल जाइत अछि।
१२७. (B) रेखा आ नमूनाक निरन्तरतासँ — रेखा आ नमूनाक निरन्तर प्रवाहसँ चित्रमे गति आ लय अबैत अछि।
१२८. (B) समृद्धि आ अलंकारिक प्रभाव — सघन भराव चित्रमे समृद्धि आ अलंकारिक प्रभाव उत्पन्न करैत अछि।
१२९. (B) मिलि कऽ अर्थ आ सौन्दर्य — प्रतीक अर्थ दैत अछि आ अलंकरण सौन्दर्य — दुनू मिलि मिथिला चित्रकें अर्थपूर्ण आ सुन्दर बनबैत अछि।
१३०. (B) सघनता, सन्तुलन आ प्रतीकात्मकता — सघनता, सन्तुलन आ प्रतीकात्मकता मिथिला चित्र-रचनाक मूल सिद्धान्त थिक।

१३१. (B) भीत, आँगन आ कोहबर — परम्परागत रूपेँ मिथिला चित्रकला घरक भीत, आँगन आ कोहबर-घरमे बनैत छल।
१३२. (B) शुभ-सज्जा आ मांगलिकता — पाबनिमे अरिपन आ चित्रकला घर-आँगनकेँ शुभ-मांगलिक रूपेँ सजबैत अछि।
१३३. (B) कोहबर-सज्जा आ मंगल-कामना — विवाहमे कोहबर-चित्र दाम्पत्य-मंगल आ शुभ-कामनाक प्रतीक रूपमे बनाओल जाइत अछि।
१३४. (B) जन्म, विवाह, पाबनि — मिथिला चित्रकला जन्म, विवाह आ पाबनि सन शुभ सामाजिक अवसरसँ जुड़ल अछि।
१३५. (B) अभिव्यक्ति, सृजन आ परम्परा — मिथिला चित्रकला नारीक अभिव्यक्ति, सृजनशीलता आ सांस्कृतिक परम्परासँ गहराईसँ जुड़ल अछि।
१३६. (B) शुभ, सौन्दर्य आ उत्सव — मिथिला चित्रकला घरकेँ शुभ, सौन्दर्य आ उत्सवक भावसँ भरैत अछि।
१३७. (B) खेती, पशु-पक्षी, पाबनि-दृश्य — मिथिला चित्रकलामे खेती, पशु-पक्षी आ पाबनि-दृश्य सन लोकजीवनक प्रसंग सहजहि अबैत अछि।
१३८. (B) साझा सृजन आ अवसरसँ — पाबनि आ विवाहमे मिलि कऽ चित्र बनेबासँ मिथिला चित्रकला सामुदायिक जीवनकेँ जोड़ैत अछि।
१३९. (B) सौन्दर्य-बोध, श्रद्धा आ परम्परा — मिथिला चित्रकला सौन्दर्य-बोध, श्रद्धा आ सांस्कृतिक परम्पराक मूल्यकेँ देखबैत अछि।
१४०. (B) दैनिक आ सांस्कृतिक जीवनमे केन्द्रीय — मिथिला चित्रकला घर-आँगन, पाबनि आ संस्कारमे रचि-बसि लोकजीवनमे केन्द्रीय स्थान रखैत अछि।
१४१. (B) भूमिपर बनैत मांगलिक रेखाचित्र (अल्पना) — अरिपन भूमि (आँगन-देहरी)पर पिठारसँ बनैत मांगलिक रेखाचित्र — अल्पना — थिक।
१४२. (B) विवाह-कक्ष आ ओकर मांगलिक चित्र — कोहबर विवाह-कक्ष आ ओतय बनैत मांगलिक चित्र दुनूकेँ कहल जाइत अछि।
१४३. (B) चाउरक सादा घोर (अरिपन लेल) — पिठार चाउर पीसि बनल सादा सफेद घोर थिक, जे अरिपन बनेबामे प्रयुक्त होइत अछि।
१४४. (B) महीन रेखा-काम — कचनी शैलीक मुख्य पहचान महीन, बारीक रेखा-काम थिक।
१४५. (B) चटक रंग-भराव — भरनी शैलीक मुख्य पहचान आकृतिमे चटक रंगक भराव थिक।
१४६. (B) रेखीय-ज्यामितीय नमूना — गोदना शैलीक मुख्य पहचान रेखीय आ ज्यामितीय नमूना थिक, जे देह-गोदनासँ प्रेरित अछि।
१४७. (B) सृजन आ उर्वरता — कमल-वन (पुरैन) कोहबरमे सृजन, उर्वरता आ वंश-वृद्धिक प्रतीक थिक।
१४८. (B) देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीक — तांत्रिक शैलीक विषय देवी-देवता आ तांत्रिक प्रतीक रहैत अछि।
१४९. (B) मधुबनी जिला/क्षेत्र — मधुबनी जिला/क्षेत्रसँ ऐ कलाक गहिर जुड़ावक कारणे एकर एक नाम ‘मधुबनी चित्रकला’ पड़ल।
१५०. (B) कलाक गहिर बोध आ संरक्षण — शब्दावली बुझलासँ मिथिला चित्रकलाक तकनीक, शैली आ परम्पराक गहिर बोध आ संरक्षण सम्भव होइत अछि।
१५१. (B) शुभ-मंगल, प्रतीक आ सांस्कृतिक भाव — मिथिला चित्रकलाक मूल आत्मा शुभ-मंगल, प्रतीकात्मकता आ गहिर सांस्कृतिक भाव थिक।
१५२. (B) अभिव्यक्ति, पहचान आ आजीविका — मिथिला चित्रकला नारीकेँ सृजनात्मक अभिव्यक्ति, स्वतन्त्र पहचान आ आजीविका देलक।
१५३. (B) अद्वितीय लोक-कला आ सौन्दर्य — मिथिला चित्रकला विश्वकेँ एक अद्वितीय, प्रतीक-समृद्ध लोक-कला आ सौन्दर्य देलक।
१५४. (B) परम्परा-रक्षा, प्रशिक्षण आ नव-सृजनसँ — परम्पराक रक्षा, नव कलाकारक प्रशिक्षण आ संयमित नव-सृजनसँ मिथिला चित्रकलाक भविष्य उज्ज्वल भऽ सकैत अछि।
१५५. (B) प्रकृति-प्रेम, शुभ आ सृजन — मिथिला चित्रकला प्रकृति-प्रेम, शुभ-मंगल आ सृजनक सन्देश दैत अछि।
१५६. (B) सिखब, बनाएब आ आगाँ बढाएब — आजुक पीढ़ी ऐ कलाकेँ सिखि, बनाकऽ आ प्रसारित कऽ एकर संरक्षणक दायित्व निभा सकैत अछि।
१५७. (B) विशिष्ट शैली आ विश्व-प्रसिद्धिसँ — अपन विशिष्ट शैली आ विश्व-प्रसिद्धिक कारणे मिथिला चित्रकला मिथिलाक सशक्त सांस्कृतिक पहचान बनल।
१५८. (B) मैथिल संस्कृतिक संरक्षण आ प्रसार — मिथिला चित्रकला आ विदेह दुनूक साझा लक्ष्य मैथिल भाषा-संस्कृतिक संरक्षण आ व्यापक प्रसार भऽ सकैत अछि।
१५९. (B) सांस्कृतिक बोध आ सौन्दर्य-दृष्टि — मिथिला चित्रकलाक अध्ययनसँ मिथिलाक सांस्कृतिक बोध आ सूक्ष्म सौन्दर्य-दृष्टि भेटैत अछि।
१६०. (B) मिथिला चित्रकला बुझब, सम्मान देब आ सहेजब — एहि प्रश्नोत्तरीसँ पाठककेँ मिथिला चित्रकलाकेँ बुझब, सम्मान देब आ ओकर समृद्ध परम्परा सहेजबाक प्रेरणा भेटबाक चाही।
१६१. (B) मिथिला सघन-रंगीन; वारली सरल-श्वेत आकृति — मिथिला चित्रकला सघन आ रंगीन अछि, जखन कि वारली प्रायः सरल श्वेत ज्यामितीय आकृतिपर आधारित अछि।
१६२. (B) सघन अलंकरण आ प्रतीकात्मकता — सघन अलंकरण, चटक रंग आ गहिर प्रतीकात्मकता मिथिला चित्रकलाकेँ अन्य लोक-कलासँ भिन्न पहचान दैत अछि।

१६३. (B) क्षेत्रीय सांस्कृतिक समृद्धि — मिथिला, वारली, गोंड, पट्टचित्र सन विविध लोक-चित्रकला भारतक क्षेत्रीय सांस्कृतिक समृद्धि देखबैत अछि।
१६४. (B) अपन शैली, प्रतीक आ परम्परा — अपन विशिष्ट शैली, प्रतीक आ सांस्कृतिक परम्परामे मिथिला चित्रकलाक मौलिकता अछि।
१६५. (B) विविधता आ साझा सूत्रक बोध — तुलना-अध्ययनसँ विभिन्न लोक-कलाक विविधता आ ओकरामे छिपल साझा सांस्कृतिक सूत्रक बोध होइत अछि।
१६६. (B) चटक आ सपाट प्राकृतिक रंग — मिथिला चित्रकलामे चटक आ सपाट प्राकृतिक रंगक प्रयोग एकरा विशिष्ट बनबैत अछि।
१६७. (B) लोक-परम्परा बनाम शास्त्रीय-नियम — मिथिला चित्रकला लोक-परम्परासँ उपजल अछि, जखन कि शास्त्रीय चित्रकला निर्धारित नियम-शास्त्रसँ बन्ल रहैत अछि।
१६८. (B) लोक-कलाक सार्वभौम अपील — मिथिला चित्रकलाक विश्व-स्तरीय पहचान देखबैत अछि जे एक लोक-कला अपन सौन्दर्यसँ सार्वभौम अपील रखैत अछि।
१६९. (B) आइयो बनैत आ विकसित होइत अछि — मिथिला चित्रकला आइयो जीवित रूपेँ बनैत आ नव रूपमे विकसित होइत अछि, तँ एकरा जीवन्त परम्परा कहल जाइत अछि।
१७०. (B) एकर विशिष्टता आ सांस्कृतिक महत्त्व — तुलनात्मक अध्ययन मिथिला चित्रकलाक विशिष्टता आ ओकर गहिर सांस्कृतिक महत्त्वकें उजागर करैत अछि।
१७१. (B) बच्चामे कला आ संस्कृति-बोध — विद्यालयमे जोड़लासँ बच्चामे मिथिला चित्रकलाक प्रति रुचि आ सांस्कृतिक बोध विकसित होइत अछि।
१७२. (B) एकाग्रता, सृजनशीलता आ धैर्य — महीन-सघन चित्र बनेबासँ बच्चामे एकाग्रता, सृजनशीलता आ धैर्य बढ़ैत अछि।
१७३. (B) प्रत्यक्ष सिखबाक अवसर — कला-कार्यशाला नव पीढ़ीकें अनुभवी कलाकारसँ प्रत्यक्ष सिखबाक अवसर दैत अछि।
१७४. (B) नव पीढ़ीकें जड़िसँ जोड़ि — ऐ कलाक शिक्षा नव पीढ़ीकें अपन सांस्कृतिक जड़िसँ जोड़ि पहचानकें सबल करैत अछि।
१७५. (B) ऑनलाइन वीडियो आ कक्षासँ — ऑनलाइन वीडियो आ डिजिटल कक्षासँ मिथिला चित्रकला घर बैसल सिखब सम्भव भेल अछि।
१७६. (B) परम्पराक निरन्तरता आ नव-सृजन — नव पीढ़ीक जुड़ाव परम्पराकें जीवित राखि नव-सृजनसँ कलाकें आगाँ बढ़बैत अछि।
१७७. (B) कौशल-विकाससँ आजीविका — मिथिला चित्रकलाक कौशल नव पीढ़ीकें कला-बिक्री आ रोजगारक अवसर दऽ सकैत अछि।
१७८. (B) प्रोत्साहन आ प्रतिभा-विकास — चित्रकला-प्रतियोगिता बच्चाकें प्रोत्साहन दऽ प्रतिभा आ आत्मविश्वासकें विकसित करैत अछि।
१७९. (B) घरेलू परम्परासँ पहिल सीख — परिवार बच्चाकें घरेलू परम्परासँ मिथिला चित्रकलाक पहिल आ सहज सीख दैत अछि।
१८०. (B) कला, संस्कृति आ कलाकार-परम्पराक निरन्तरता — कला-शिक्षाक अन्तिम लक्ष्य मिथिला चित्रकला, ओकर संस्कृति आ कलाकार-परम्पराकें निरन्तर राखब थिक।
१८१. (B) दीर्घायु आ स्थिरता — कछुआ दीर्घायु, स्थिरता आ शुभक प्रतीक रूपमे चित्रित होइत अछि।
१८२. (B) सौन्दर्य आ प्रेम — मोर सौन्दर्य, प्रेम आ शुभक प्रतीक रूपमे मिथिला चित्रकलामे आबैत अछि।
१८३. (B) जीवन आ समृद्धि — वृक्ष जीवन, छाया आ समृद्धिक प्रतीक रूपमे चित्रित होइत अछि।
१८४. (B) ऊर्जा आ जीवन — सूर्य ऊर्जा, जीवन आ शाश्वतताक प्रतीक थिक।
१८५. (B) शीतलता आ सौन्दर्य — चन्द्र शीतलता, सौन्दर्य आ शान्तिक प्रतीक थिक।
१८६. (B) शुभ आ मंगल-नाद — शंख शुभ आ मंगल-नादक प्रतीक रूपमे चित्रित होइत अछि।
१८७. (B) समृद्धि आ मंगल — कलश समृद्धि, पूर्णता आ मंगलक प्रतीक थिक।
१८८. (B) शुभ आ कल्याण — स्वस्तिक शुभ, कल्याण आ मंगलक पारम्परिक प्रतीक थिक।
१८९. (B) गहिर सांस्कृतिक अर्थ-व्यवस्था — प्रतीकक बहुलता मिथिला चित्रकलाक गहिर सांस्कृतिक अर्थ-व्यवस्था आ भाव-समृद्धि देखबैत अछि।
१९०. (B) चित्रक गहिर अर्थ आ आनन्द — प्रतीक बुझलासँ दर्शक मिथिला चित्रक गहिर अर्थ आ सौन्दर्यक पूर्ण आनन्द लऽ सकैत छथि।
१९१. (B) मिथिलाक प्रतीक-समृद्ध लोक-चित्रकला — मिथिला चित्रकला मिथिलाक प्रतीक-समृद्ध, शुभ-मांगलिक आ जीवन्त लोक-चित्रकला थिक।
१९२. (B) कचनी, भरनी, गोदना, तांत्रिक — कचनी, भरनी, गोदना आ तांत्रिक — ई मिथिला चित्रकलाक चारि प्रमुख शैली थिक।
१९३. (B) घरक स्त्रीगण — मिथिला चित्रकलाक मूल सृजक परम्परागत रूपेँ घरक स्त्रीगण रहलीह।

१९४. (B) भीत-आँगनसँ कागज-कैनवास धरि — मिथिला चित्रकला घरक भीत-आँगनसँ निकलि कागज-कैनवासपर आबि विश्व धरि पहुँचल।
१९५. (B) शुभ, मंगल आ समृद्धि — मिथिला चित्रकलाक प्रमुख भाव शुभ, मंगल आ समृद्धि थिक।
१९६. (B) सघन अलंकरण, प्रतीक आ चटक रंग — सघन अलंकरण, गहिर प्रतीकात्मकता आ चटक रंग मिथिला चित्रकलाकेँ विशिष्ट बनबैत अछि।
१९७. (B) शिक्षा, प्रशिक्षण आ प्रसारसँ — शिक्षा, प्रशिक्षण, आजीविका आ व्यापक प्रसारसँ मिथिला चित्रकलाक संरक्षण सम्भव अछि।
१९८. (B) सांस्कृतिक पहचान आ गौरव — मिथिला चित्रकला मिथिलाकेँ विश्व-स्तरीय सांस्कृतिक पहचान आ गौरव दैत अछि।
१९९. (B) सांस्कृतिक बोध आ सौन्दर्य-दृष्टि — मिथिला चित्रकलाक अध्ययन मिथिलाक सांस्कृतिक बोध आ सूक्ष्म सौन्दर्य-दृष्टि दैत अछि।
२००. (B) मिथिला चित्रकला बुझब, सम्मान देब आ सहेजब — एहि प्रश्नोत्तरीक सार थिक — मिथिला चित्रकलाक सौन्दर्य आ परम्परा बुझब, सम्मान देब आ ओकरा सहेजब।